HRA TIFILA The Gazette of India The Gazette of India The Gublished By Anthobility

सं 48] नई विस्लो, शनिवार, नवम्बर 30, 1985 (अग्रहायण 9, 1907) No. 48] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 30, 1985 (AGRAHAYANA 9, 1907)

इस भाग में भिन्त पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संसलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियम्ब्रह और महातेबापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेन विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों दारा जारी की गई अधिसूचनाएं (Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate O. flees of the Government of India)

संघ लोक सेवा मायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक प्रकृत्वर 1985

सं० पी०/2082-प्रशा० III-संग लोक सेवा ग्रायोग में कि० स० से० संवर्ग के नियमित ग्रनुभाग ग्रधिकारी श्री पी० के० कैलाश बाबू के परिवहन मंत्रालय (सतह परिवहन विभाग) नई बिल्ली में सतह परिवहन के राज्य मंत्री के वैयक्तिक स्टाफ में सहायक निजी सचिव के पद पर प्रतिनियुक्त ग्राधार पर नियुक्ति हेतु चयन के परिणामस्वरूप उनकी एतद्वारा 7 ग्रक्तूबर 1985 (ग्रपराह्म) से इन ग्रनुदेशों के साथ कार्यभार से मुक्त किया जाता है कि वे परिवहन मंत्रालय में ग्रुयुटी हेतु रिपोर्ट करें।

दिनांक 7 धक्तूबर 1985

सं० ए० 38013/2/85-प्रशा० III--कार्मिक धौर प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बरं, 1973 की शर्तों के धनुसार संघ लोक सेवा आयोग में के० स० से० संवर्ग के स्थायी सहायक तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न धनुभाग अधिकारी श्री के० एल० सूद को 30 सितम्बर, 1985 के धनराह्न से निवर्तन आयु आप्त होने पर सरकारी सेवा से निवृत होने की राष्ट्रपति द्वारा धनमति प्रदान की जाती है।

विनांक 10 प्रक्तूबर 1985

सं० ए० 32014/1/85 प्रणा० I— संघ लोक सेवा भायोग के संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० से० स्टे० से० का ग्रेड ख) श्री के० एस० भुटानी को राष्ट्रपति द्वारा 3 भक्तूबर 1985 से 31 दिसम्बर, 1985 तक की भवधि के लिए भथवा भागामी भादेशों तक जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में निजी सचिव (के० स० स्टे० से० का ग्रेड क) के पद पर तदर्थ थ्राधार पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

2. श्री भुटानी ध्यान में रखें कि निजी सिवव (के० स० स्टें० से० के ग्रेड क) के पद पर उनकी नियुक्ति तदर्थ ग्राधार पर है ग्रीर के० स० स्टें० से० के ग्रेड क में विरिष्ठता ग्रथवा विलयन का उन्हें कोई हक नहीं होगा। इसके ग्रलावा उनकी नियुक्ति कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग के ग्रनुमोदन के ग्रध्यधीन है।

सं० ए० 32014/1/85(I) प्रशा० I—संध लोक सेवा धायोग के के० स० स्टें० से० संवर्ग के निम्निलिखत वैयक्तिक सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा उनके नाम के सामने निर्दिष्ट भ्रविध के लिए ग्रथवा, भ्रागामी धादेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में तवर्ष भाधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स०

(39559)

85

स्टे० से० के ग्रेड 'ख' के पद पर	सहर्ष नियमस	किया जाता
₹ :		

	-				
	邪の	सं०	नाम	·	ग्र वधि
_	1.	श्रीवी०	पी० ग	महाजन	3-10-85 党 31-12-
					तक
	_2.	श्रीमती	सरी	ज कपूर	रवही [°]
	3.	श्री लेख	ा राज	गुप्त	वही

2. उपर्युक्त न्यिक्त ध्यान में रखें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० के ग्रेड "ख") के पद पर उनकी नियुक्ति तदर्थं श्राधार पर है श्रीर इससे इन्हें के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख में विलयन का श्रयवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का हक नहीं मिलेगा । यह भी ध्यान में रखें कि इनकी नियुक्ति कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के श्रनुमोदन श्रध्यधीन हैं।

दिनांक 17 प्रक्तूबर 1985

सं० पी० 1790/प्रशा०—III—संघ लोक सेवा घ्रायोग में के० स० से० संवर्ग के स्थायी अनुभाग श्रिधंकारी तथा इस समय हैस्क अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री कैलाश चन्द्र के सेण्ट्रल बैंक आँफ इंडिया में सतर्कता / प्रत्वेषण श्रिधंकारी के पद पर नियुक्ति हेतु चयन के परिणामस्वरूप श्री कैलाश चन्द्र को ता० 24 अक्तूबर, 1985 से 30 अक्तूबर 1985 तक अपने अजित अवकाश की समाप्ति पर 30 अक्तूबर, 1985 के ध्रपराह्न से इस कार्यालय के कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

दिनांक 31 भ्रक्तूबर 1985

सं० ए० 38013/3/84—प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी सहायक प्रधीक्षक (हालरिथ) धौर तदर्थ प्राधार पर उप नियंत्रक (तथ्य संसाधन) के रूप में पदस्थ श्री एस० पी० बंसल ने 31 श्रक्त्वर, 1985 के प्रपराह्म से निवर्तन ध्रायु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप संघ लोक सेवा धायोग के कार्यालय में उसी तारीख से उप नियंत्रक (तथ्य संमाधन) का प्रभार त्याग विया है।

एम० पी० जैन श्रवर सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा ध्रायोग

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

नई विल्ली-110003, दिनांक 6 नवम्बर 1985 सं० डी०-2/69-प्रमा०-5---निवर्तन होने पर श्री डी० के० जैन, उप विधि सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने 31-10 85 श्रपराह्म से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

> भ्रार० एस० नागपाल प्रशासन भ्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय भ्रन्वेषण स्थूरो

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 31 पक्तूबर 1985

सं० घो० वो०-1/85-प्रशा०-3--महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्य पुलिस बल के श्री एन० ए० हीरा, अनुभाग अधिकारी को दिनांक 16 प्रक्तूबर, 1985 (पूर्वाह्म) से बल के बेतन व लेखा कार्यालय में संयुक्त सहायक निदेशक (लेखा) के पद पर तदर्थ रूप में पदोन्नत किया जाता है।

दिनांक 1 नवम्बर 1985

सं० ग्रो० वो-8/85-प्रशासन-3-केन्द्रीय रिजर्वे पुलिस बल के श्री ग्रार० के० जवाहरानी, सूबेदार मेजर (कार्यालय भधीकार) को बल के महानिदेशालय में दिनांक 29 अक्तूबर, 1985 (पूर्वाह्म) से अनुभाग ग्राधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

> किशन लाल, उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली—110003, दिनांक 31 ध्रम्यूबर 1985 सं० झो० दो०—2001/85—स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने (श्रीमती) ज्योतिरमयी लाहोन को दिनांक 10-11-85 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में किनष्ठ चिकित्सा ग्रिधकारी के पद पर केवल तीन माह के लिए ध्रयवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो जस तारीख तक हवर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

सं० ग्रो० दो०-2042/85-स्थापना-महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने उकाटर के० वैंकाटेंस वरलू को 16 सितबर 1985 पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिए भथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्य पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तवर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० भी० दो०-2042/85-स्थापना--महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टरवैंकाटेस वरलू को 26 धगस्त 1985 (पूर्वाह्म) से 10-9-85 (प्रपराह्म) तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस क्ल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ कप में नियुक्त किया है।

दिनांक 5 नवस्बर 1985

सं० घो० दो०-185/69-स्था० (के० रि० पु० बल)---राष्ट्रपति जी, श्री डी० के० सूरी कमाडेंट सलक्शन ग्रेड को घतिरिक्त उपमहानिरीक्षक के० रि० पु० बल के पद पर ग्रस्थायी रूप में ग्राले भावेश होने तक सहवें पदोन्नति करते हैं।

2. श्री सूरी ने दिनांक 25-10-85 (अपराह्म) से इस पद का कार्यभार सम्भान निया है।

> भ्रमोक राज महीपाथी सहायक निदेशक (स्था०)

महानिदेशालय

केन्द्रीय धौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली~110003, दिनांक 1 नवम्बर 1985 सं ० ई०-28015/2/85-कार्मिक -II--श्रिधविषता की ग्रामु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप, श्री -एल० ग्रार० वाही ने 31 श्रक्तूबर 1985 के श्रपराह्न से सहायक कमांबेट (कनिष्ठ प्रशासन श्रिधकारी), केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल मुख्यालय, नई दिल्ली के पद का कार्यभार छोड़ दिया। सुनील कृष्ण,

सहायक महानिरीक्षक/कार्मिक

मई दिल्ली 110063, दिनांक 8 नवम्बर 1985

सं० ६० 16016(2)/2/84-कार्मिक-I--भुगतान और लेखा कार्यालय (सिचवालय) गृह मंत्रालय, सी० 1 हटमेंटस डलहीजी रोड, नई दिल्ली के कार्यालय से प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण होने पर, श्री के०के० भटनागर ने 31 भक्तूबर, 1985 के भ्रयराह्म से महानिदेशालय, केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा , बस, नई दिल्ली में लेखा श्रिधकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

ह०/घ्रपटनीय महानिदेशक/के० घी० सु० स०

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 नवम्बर 1985

सं 0 10/45/82-प्रणा० I---राष्ट्रपति, भारतीय सांक्यिकीय सेवा के ग्रेड-I के प्रधिकारी थौर इस समय नई दिल्ली में भारत के महाराजिस्ट्रार के कार्यालय में उपमहाराजिस्ट्रार (जीवनांक) के पद पर, तवर्थ धाधार पर, कार्यारत श्री बी० सुष्रमणियम स्थामी को, उसी कार्यालय में तारीख 12 धगस्त 1983 पूर्याह्न सेतीन वर्ष से ग्रनधिक धविध के लिए नियमित धाधार पर, उपमहाराजिस्ट्रार (जीवनांक) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 2. उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।
- 3. यह इस कार्यालय की तारीख 6-9-83 की घोधसूचना एं । 10/45/82-प्रशासन-I के घाधकमण में जारी की जाती है।

विजय पाल पाण्डे, भारत के संयुक्त महारजिस्ट्रार कृते भारत के महारजिस्ट्रार

विस मंत्रालय

(भ्राधिक कार्य विभाग) प्रतिभृति कागज कारखाना

होशंगीबाद, दिनांक 6 नयम्बर 1985

क्रमांक एम-6/6251---इस कार्यालय की अधिसूचना मांक एम-6/12469 दिनांक 17-2-83 एवं एम-6/ 952 दिनांक 11/16-7-83 को निष्प्रभावित करते हुए, ग्राभिणंता (यांत्रिक) के पदावनत पद के विरुद्ध श्री बी० एल० शर्मा को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक ग्राभियंता (यांत्रिक) के पद पर नीचे दर्शायी गयी अवधि के लिए पूर्णतयः तवर्थ श्राधार पर नियुक्त किया जाता है:--

तक
28-6-83
28-6-84
28-6-85

उन्हें उसी पद एवं वेतनमान में दिनांक 1~7~85 से 31-12-85 तक या जब तक अभियंता (यांत्रिक) का पद नहीं भरा जाता, इनमें से जो भी पहले हो, की भ्रवधि के लिए भी नियुक्त किया जाता है।

भ० रा० पाठक, महाप्रबंधक

बम्बई टक्साल का डायरी श्रादेश बम्बई, दिनांक 31 धक्तूबर 1985

क्रमांक 199—विभागीय पदोन्नति समिति (समूह 'ख'') की दिनांक 20 अप्रैल, 1985 के दिन हुई बैठक में की गई सिफारिश पर, महाप्रबंधक, भारत सरकार टक्साल, बम्बई, प्रसन्ततापूर्वक, श्री एन० एस० पाटिल, उपलेखापाल, को दिनांक 1-11-1985 संस्थानापन्न रूप से लेखा श्रिधकारी (समूह "ख") (राजपत्रित) के पद पर, वेतनमान रू० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 में पदोन्ति करते हैं। जी० श्रार० कहाते महाप्रबंधक

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्य नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 198

सं० प्रशासन-1/कार्यालय ग्रादेश सं० 286--निद लेखा परीक्षा, केन्द्रीय द्वांजस्त-1 इस कार्यालय के श्री र एस० नेगी स्थायी श्रनुभाग ग्रधिकारी ग्रव सहायक लेखा परी ग्रधिकारी को स्थानापन्न लेखा परीक्षा ग्रधिकारी के वेत 840-1200 रु० में 30-10-85 पूर्वाह्न से भाग भाषेश श्राने तक नियुक्ति करते हैं।

सं० प्रशासन — 1/कार्यालय आदेश सं० 289— निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व - 1 इस कार्यालय के श्री अविनाश चन्द्र कपूर स्थायी अनुभाग अधिकारी श्रव सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी को स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के वेतनक्रम 840—1280 ६० से 4—11—85 पूर्वाह्म से आगे आदेश आने तक नियुक्ति करते हैं।

ह०/ग्रपठनीय माहर उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्रशासन)

कार्यालय निवेशक

लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली—110001, विनांक 6 नवम्बर 1985 सं० 4528/ए-प्रशासन/130/83—85—नवार्धक्य निवृत्ति ग्रायु प्राप्त करने पर श्री के० के० दर स्थायी लेखा परीक्षा ग्राधिकारी, रक्षा सेवाएं, दिनांक 31—8—1985 (ग्रपराह्म) को सेवा निवृत्त हुए ।

> बी० एस० गिल संयुक्त मिदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं

रक्षा लेखा विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 1 मवम्बर 1985

सं ए एन/II/2606—रक्षा लेखा महानियंत्रक, श्री स्याम लाल शर्मा, स्थायी लेखा श्रधिकारी (0/670) के दिनांक 17-10-1985 को हुए निधन को दुख सहित श्रधिसूचिर करते हैं ।

तदनुसार श्री श्यामलाल लेखा घिषारी को इस विभाग के संख्याबल से दिनांक 18-10-85 (पूर्वाह्म.) से हटाया जाता है।

> ए० के॰ घोष रक्षा लेखा मपर महानियंत्रक (प्रशा०)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, भायात एवं निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनोक 6 नवम्बर 1985 भायात तथा निर्यात ज्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/1498/84-प्रशासन (राज०) 1459-इस कार्णालय के श्री की० एन० सभरवाल, नियंत्रक, शायात सथा निर्यात सेवा निवृत्ति की भागु प्राप्त कर लेने पर 31 भक्तूबर 1985 के भपराह्न से सरकारी सेवा से निवृक्त हो गए हैं।

सं० 6/570/59-प्रशासन (राज०)1469-सेवा निवृत्ति की भ्रायु होने पर, मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में श्री जे० पी० शर्मा उप मुख्य नियंत्रक भ्रायात-निर्यात (केन्द्रीय व्यापार सेवा के धर्म 2) 31 अक्तूबर 1985 के भ्रापरास्त्र से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

विमांक 7 नवम्बर 1985

सं० 6/415/56-प्रशासन (राज०) 1485---सेवा निवृत्ति की प्रायु होने पर, मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात के कार्यालय, नई विरुली में श्री के० प्रार० धीर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात (केन्द्रीय व्यापार सेवा के वर्ग 1) 31 धक्तूबर 1985 के घनराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए ।

दिनोक 8 नवम्बर 1985

सं० 6/1315/79-प्रशासन (राज०)/1501--संयुक्त मुख्य नियंत्रक, प्रायास-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में नियंत्रक, प्रायात-निर्यात श्रीमती पी०एम० पिताले सेवा निवृत्ति की प्रायु प्राप्त कर लेने पर 30 सितम्बर 1985 के प्रयराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गयी हैं।

सं० 6/516/58-प्रशासन (राज०) 1507--केन्द्रीय व्यापार सेवा के श्रेणी-2 के प्रधिकारी और संयुक्त मुख्य-नियंत्रक धायात-निर्यात के कार्यालय, मद्रास में श्री एस० नरी-समहन उप मुख्य नियंद्रक धायात-निर्यात 30 सितम्बर, 1985 के धारान्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> शंकर चन्त्र उप मुख्य नियंत्रक, झायात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, झायात-निर्यात

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

भौद्योगिक विकास विभाग

विकास भायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 धक्तूबर 1985

सं० 12(200)/61-प्रणा० (राज०)--राष्ट्रपति, होत्रीय परीक्षण केन्द्र नई दिल्ली के श्री ए०के० मिला, निदेशक, ग्रेड-1 (यांत्रिकी) को सेवा निवर्तन की झायू प्राप्त कर लेने पर 30-9-85 (अनराह्म) से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त होने की अनुमित देते हैं।

सं 0 12(24)/67-प्रणा० (राज०) खण्ड-5-राष्ट्रपति, ज्ञाचु उद्योग सेवा संगठन, मद्रास के उपनिवेशक (प्रौद्योगिक प्रबन्ध प्रशिक्षण) श्री एम० एस० हमीद को, दिनांक 30-9-1985 (पूर्वाह्म) से प्रगले प्रावेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक में निवेशक, ग्रेड-2 (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के पद पर सदर्य प्राधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(374)/79-प्रमा० (राज०)--भारत लैंबर कारपोरेमन लिमिटेड, नई दिल्ली में उपप्रबन्धक (तकनीकी) के रूप में प्रतिनियुक्ति से वापस लौटने पर श्री पी०पी०पुरी ने विनाक 16-9-1985 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास के प्रधीन सी० एफ० टी० सी०, मद्रास में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (वर्म/पायुका) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए०-19018(790)/85-प्रमा० (राज०)--विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग विकास संगठन के
लघु उद्योग संवर्धन ग्रधिकारी (यांत्रिकी) श्री एच०के० रामगो।
को दिनांक 16-9-1985 (पूर्वाह्म) से ग्रगले भादेशों तक
लघु उद्योग सेवा संस्थान, महमवाबाद के भ्रधीन शाखा लघु उद्यो

सेवा संस्थान, सिलवासा में सहायक निदेशक ग्रेड-2 (यांत्रिकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> सी० सी० राय उपनिवेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपट।न महत्तिवेशालय नई दिल्ली, विनांक 18 प्रक्तूबर 1985

सं ० प्र-1/-1 (1286) --- महानिवेशक, पूर्ति तथा निपटान ने, संघ लोक सेवा प्रायोग द्वारा चुने जाने पर, श्री प्रशोक कुमार को 16 प्रक्तूबर, 1985 के पूर्वाह्न से, पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय, नई दिल्ली में, सहायक निवेशक (मुकदमा) (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

विनाक 1 नवम्बर 1985

सं ० ए-1/2(440)—सेवा निवर्त्तन की प्रायु प्राप्त कर लेने पर निवेशक, पूर्ति तथा नियटान निवेशालय, मद्रास में स्थाना-पज सहायक निवेशक (प्रशासन) (ग्रेड—II) श्रीमती सी ० एम० कासी बाई दिनांक 30-9-85 के प्राराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गई हैं।

राजबीर सिंह उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन धनुभाग-6)

नई विरुली-110001, विनांक 31 प्रक्तूबर 1985

सं० ए०-6/247(447)/67 खण्ड 3—राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभि०) श्री एस० एस० चौहान को 5 सितम्बर, 1985 से छः महीने की अवधि के लिए अथवा नियमित प्रबन्ध होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रुपये के वेतनमान में, तदर्थ आधार पर सहायक निरोधण निरोधण अधि-कारी (अभि०) (भारतीय निरोधण सेवा का ग्रेड-3 ग्रुप "ए" (अभि० शाखा) के पद पर स्थानायन रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री एस० एस० चौहान ने 4 सितम्बर, 1985 के झगरा हुत से निरोज्ञण मधिकारी, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निरोक्षण प्रशिकारी (अभि०) के पर का कार्यभार छोड़ विमा भीर भीर 5 सितम्बर, 1985 को पूर्वाह्म से निरीक्षण अधिकारी, जयपुर के कार्यालय में निरोक्षण अधिकारी (अभि०) के पड़ का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० ए०-6/247(589)/II—राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण प्रधिकारी (प्रभियांत्रिकी) श्री बी० एस० ठाकुर को दिनांक 12-9-85 से 6 महीने की प्रविध के लिए प्रयवा नियमित व्यवस्था हो जाने तक, जो भी पहले हो, 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 ६० के वेतनमान में तक्यं प्राधार पर स्थानापन कप से सहायक निदेशक निरीक्षण/ निरीक्षण प्रधिकारी (प्रभि०) ग्रेड-III (ारतीय निरीक्षण सेवा, प्रुप "ए") (माभि० शाखा) के पव पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री बी॰ एस॰ ठाकुर ने 9 सितम्बर, 1985 के प्रपराह्म से निरीक्षण निदेशक, कलकता के कार्याजय में सहायक निरीक्षण प्रधिकारी (श्रीभ०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 1 2 सितम्बर, 1985 के पूर्वाह्म से निरीक्षण, निदेशक, कानपुर के कार्यालय में निरीक्षण प्रधिकारी (प्रभि०) का कार्यभार संभाज जिया ।

> धार० पी० शाही उप निवेशक (प्रशासन) इते महानिवेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात, खान भीर कोयला मंत्रालय

इस्पात विभाग सोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 1 नवम्बर 1985

सं र र-I-12(74)/85(.)—मापूर्ति विभाग के मधीन कलकता-1 में स्थित लेखा नियंत्रक के कार्यालय के लेखा मधि-कारो श्री मार एस देवनाथ को एतदहारा 18 मक्तूबर, 1985 के पूर्वात्र से मगेले भादेश जारी होने तक प्रतिनियुक्ति के भाषार पर लेखा मधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

> सनत कुमार सिन्हा उप लोहा भीर इस्पात नियंत्रक

राष्ट्रीय प्रभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 18 ग्रक्तूबर 1985

सं० एफ० 12-3/85-स्था०--- मिलेख निदेशक, भारत सरकार, श्री कुंवर राजेद्ध सिंह, तदर्थ भाधार पर स्थानापन्न माइक्रोफोटोग्राफिस्ट, की राष्ट्रीय भिलेखागार, भ्रमिलेख केद्ध, जयपुर में 15 भन्तूबर, 1985 (पूर्वाह्म) से भगले आदेश होने तक, नियमित स्थायो भाधार पर माइक्रोफोटोग्राफिस्ट (युन "वो" राजनित) के पव पर एतव्द्वारा नियुक्ति करते करते हैं।

> ए० के० शर्मा प्रशासन प्रधिकारी, राष्ट्रीय प्रभिलेखागार, कृते प्रभिलेख निदेशक

दूरवर्शन महानिदेशालय

नई विरुली, विनांक 4 नवस्थर 1985

सं॰ ए-12026/1/83-एस-2/हिन्दी-महानिदेशक, दूरदर्शन निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नामों के झागे दिए विवरण के अनुसार सर्वर्ष साधार पर झागे झादेश होने सक रुपये 650-1200 के वेतनमान में हिन्दी घधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं:---

क नाम/पदनाम कार्यालय जिसकार्यालय जिसतारीख सं हिन्दी ग्रीध- से नियुक्त कारी के रूप हुए में नियुक्त हुए

सर्वेश्री

- 1. विषय मित्र घीर, दूरदर्शन केन्द्र, दूरदर्शन केन्द्र, 18-1-85 आंग्रेलिपिक आलंधर्। आलंधर्। (पूर्वाह्न) (विरिष्ठ श्रेणी)
- 2. एस० रामन्ति, तम्बाक् विकास दूरदर्शन केन्द्र, 2-8-85 वरिष्ठ अनुवादक निवेशालय, मद्रास। (पूर्वाह्म) मद्रास।
- रमेश चन्द्र शुक्ल, दूरदर्शन केन्द्र, दूरदर्शन केन्द्र, 15-7-85
 हिन्दो अनुवादक श्रीनगर। नागपुर। (पूर्वाल्ल)
- 4. एस० एन० धुने, सूरदर्शन केन्द्र, उपग्रह दूर- 12-8-85 हिन्दो भनुवादक गुलबर्गा। दर्शन केन्द्र, (पूर्वान्न) हैदराबाद।

ति० सु० सुन्दरेश्वरन् प्रशासन उप निदेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय नई दिल्ली, विनोक 1 नवस्वर 1985

सं० ए० 12026/4/85-एम० ६०--स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने श्रीमती एस० कत्याल को 7 प्रगस्त, 1985 (पूर्वाह्न) से प्रागामी प्रादेशों तक 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 दप्ये के वेतनमान में लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज एवं श्रीमती सुवेता कुरलानी प्रस्तताल, नई दिल्ली में निरुष्ठ प्राहारविद् के पद पद तदर्य प्राधार पर नियुक्त किया है।

> पी० के० घई उपनिदेशक, प्रशासन (सी० एण्ड बी०)

भाभा परमाणु भ्रनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बस्बई-400085, विनांक 5 नवस्बर 1985

सं० 5(5ए)/81-स्थायीकरण/1810---- निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, स्थागी फीरमैन श्री वाई० के० ठ कीरे को भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजी- नियरं ग्रेड "एस बी" पद पर 1 फरवरी, 1979 से मूल रूप में नियुक्त करते हैं।

> एच० धार० रेणुसे उपस्थापना भ्रधिकारी

परमाणु कर्जा विभाग मद्रास परमाणु वि**ख्**त परियोजना

कल गायकम-603102, 6 नवम्बर 1985

्सं० एम० ए० पी० पी०/18(148)/85-भर्ती—परियोजना निवेशक, मद्रास परमाणु विश्वत परियोजना, इस परियोजना के निम्नलिखित प्रधिकारियों को इसी परियोजना में प्रस्थायों का से उनके नाम के आगे उल्लिखित पदक्रमों पर दिनांक 1 फरवरी, 1985 (पूर्वाह्म) से आगे के आदेशों तक सहष्टं नियुक्त करते हैं:—

ऋ० न≀म सं०	वर्तमान पद	नियुक्ति पद
सर्वश्री		
1. एस० परमासिवम्	एस० ए०/सी०	वैज्ञानिक ग्रक्षिकारी ग्रमियन्ता 'एस गी'
2. जी० सेल्वकुमार	11 .	,,
 भार० रंगनाथन् 	13	"
4. बी० गोविन्दराजुलु	"	**
 डी० वरिषस कुट्टी 	**	n

वी० के० सन्तानम् प्रशासनिक अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

धरायाद-500 016, चिनोक 7 नवस्यर 1985

सं० प्र० ख० प्र०-1/9/82-भर्ती--निवेशः, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु कर्ता विभाग एतद्वारा, लेखा महानियन्त्रकः, कान विभाग, वित मंत्रालय के स्थानापरन कनिष्ठ लेखा प्राधि गरी, श्री लक्ष्मी कान्त विधा, को परमाणु खनिज प्रभाग में 9 जितम्बर, 1985 के पूर्वाह्म से अगले प्रावेश होने तक, प्राधि पुत्रित के प्राधार पर स्थानापरन सहायश लेखा प्रक्षितारी नियुषत करते हैं।

> एस० पदमनाभन वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा द्वासिकारी

इतरी उपग्रह केन्द्र

घन्तरिक्ष विभाग

बेंगलूर-560 017, विनोश 31 ममतुबर]1985

सं० 020/1(15.4)/85-स्थापता—इसरो उपग्रह केम्ब्र के िवेगरा, जंतिकि विभाग के इतरो उपग्रह केम्ब्र केम्ब्र के श्री इष्णा हनुमंत राच, वैक्तािः /श्रीधरन्ता, "ए० बी०" से प्राप्त त्यागपत को दिनोत 29 श्रगस्त, 1985 के पूर्वीह्न से स्वीकार करते हैं।

विनोह 6 स्वम्बर 1985

सं० 020/1(15.4)/स्यापता---इतरो उपग्रह केन्द्र के निदेगः निम्तिविक व्यक्तियों को वैज्ञानि /श्रिक्यन्ता, श्रेणी "एन० बी०" पद पर दर्शायी गई तिथियों के पूर्वाह्न से अगले आधेग प्राप्त होने तः, अस्यायी आधार पर इतरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर में नियुक्त करते हैं।

कम नाम सं०	पदनाम	दिमां छ
1. श्री एतं० बी० प्रताद	वैज्ञःिः /श्रिभयन्ता- एस० बी०	23-9-05
2. श्री एम० ए ५० श्रीतिवा ५न्	वैज्ञा <i>िः प्रशिमयन्ता-</i> एउ० यो ०	20-0-05
3. बुनारी चता रामत्वामी	वैत <i>ि: 5/प्र</i> भियन्ता- एस० बी०	23-9-05

एष० एस० रामदास प्रशासन अधिवारी-II

महािदेशक, नागर विमानन का वार्यालय नई दिल्ली, दिनां : 24 अक्तूबर' 1985

सं० ए० 38013/1/05-ई० ए०—-सेवा निवृत्ति की झायु प्राप्त होने पर, निदेशाः, विमानक्षेत्र महास के कार्याप्य के श्री एत० वीच धनानात, विमानक्षेत्र अधिकारी दिनांक 30-9-1985 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> एम० भट्टाचार्जी उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिवेशक, नागर विमानन

मीबहुत और परिवहत मंत्रालय नीबहुत महातिदेशालय बम्बई-400 038, दिनो : 8 नवम्बर 1985

सं ० 11-टी० श्रार० (7)/05--राष्ट्रपति, श्री श्रशो हिनुमार श्रवस्थी को दिनों ३ 17-10-1905 (पूर्वाह्म) से श्रामामी श्रादेशों त ३, तदर्य श्राधार पर समुत्री, इंजीनिवरिंग प्रशिक्षण निवेशाजन, बम्बई में इंजीनियर प्रविकारी के रूप में विशुपत करते हैं।

> धमिताभ **चन्द्र** -नीवहन उप महाविदेशः

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सुदुमार एण्ड एण्पनी

(बुरीस) प्राइवेट ि:मिटेड के दिया: में

कोष्णित, दिनी र 15 धन्तूबर 1905

सं० 2364/ति: / 560 (5)—- जनती प्रतिसिम,
1056 का धारा 560 की उपवारा (5) के धनु तरण में ए.द्रारा स्वता दी जातीं है कि सुनुमार एण्ड कम्पनीं (कुरीन) प्राइदेट तिमिटेड का नाम आज वस्तिमों के रिलिटर से बाट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पती श्रवितियम, 1956 और दीपम चिट्स एन्ड ट्रेड्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के चिवर में

कोच्चिम, दिनीस 15 अस्तूबर 1985

सं० 2332/लिम/560(5)---ाम्पनी श्रीवित्स, 1050 की धारा 560 की उपवारा (5) के श्रनुसरण में एउद्शास सूच 1 दी जाती है जि दीपम चिड्स एण्ड ट्रेड्स इंडिया प्राइवेट िसिटेड का नाम श्राण कम्पनियों के रिलस्टर से बाट दिया गया है और उक्षत कम्पननी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कोस्टल पेस्ट्स प्राइदेष्ट लिमिटेड के विषय में

कोच्चित, दिनों । 15 प्रक्तूबर 1985

सं० 3042/लिंग/560(3) — कम्पनी अधिक्षिम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जातीं है कि इस तारीख से तीन मात के अवजन पर कोस्टल पेन्ट्र प्राइवेट लिमिटेड का नाम इन्ने प्रतिकृत बारण दिंगा न किया गया तो रिजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

वि० ए० विज्ञान मेंनन, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, केरल

कम्पती प्रधितियम, 1950 और भोग प्यास्टिक्स प्राइदेष्ट लिमिडेड के विषय में

कलशता, दिनीस 5 नवस्वर 1935

सं॰ 27575/500(3)---कम्पनी कथिकिएम, 1950 की अप

सूचा। दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के सबसान पर योग प्लास्टिका प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया ने किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उसत कमनी विवटित कर दी: जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और चुक्ट्प, (धिनहाद्या) प्राइवेट शिमिटेड के विषय में

कल हता, धिनीरु 5 नवस्थर 1985

सं० 27435/560(3) → कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपवारा, (3) के अनुसरण में एवव्हारा यह सूत्रा वी चाती है ि इन तारी के से ती। मान के अवनान पर चुक्टा (पिन्हाटा) प्राइवेट िमिटेड दा नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ब्रधिनियम, 1956 और परफैक्ट फिल्म डिस्ट्री-ब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कल हत्ता, दिनांश 5 नवम्बर 1985

सं० 26323/560(3)—न्हम्मनी मधिकियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा, (3) के मनुसरण में एदवृद्धारा यह सूत्र मदी जाती है ि इस सारीख से ती। मात के भवतात पर परकेट फिटन डिस्ट्रीश्रूटर्स प्राइवेट दिमिटेड वा नाम इ.के प्रतिकृत कारण दिशत न िया गया तो रिडस्टर से वाट दिया आएगा और उक्त कमनी विविद्यत कर दी आएगी।

कम्पती अधितियम, 1950 और एस० धास एण्ड शादसं प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

फलकत्ता, विनोध 5 नवस्वर 1985

सं॰ 15040/560(3)—- अम्पनी अविन्यम, 1956 की धारा 500 की उपवारा, (3) के अनुसरण में एक्द्बारा यह सूचा दी जाती है ि इन तारीख से तीन मास के अवनान पर एं। यान एया बादन प्राइवेट जिमेटेक का नाम इनके प्रतिकृत आरग धाँग विशेष्टर से काट दिया आएगा और उक्त कम्पनी विविद्य कर दी जाएगी।

कन्तनी अधिनियम, 1950 और इन्द्रशक्ति इण्डस्ट्रीज, प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कल ता, विनांत 5 मवस्वर 1985

सं० 21461/560(3) → मन्मनी अधिनियम, 1956 की धारा 500 की उपवास (3) के अनुसरण में एटद्दारा, यह सूबना दी जाती है कि इन तारी असे तीन मास के अबना पर इन्द्रवानित इन्डल्ट्रीन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इनके प्रतिकृत कारम धाँग न किया गना तो रिजस्टर से काट धिया जाएगा और उन्द्र कम्मनी विबटित कर यी जाएगी।

हम्पनी अधिनियम, 1956 और सुरक्षाणा स्टेन्लैसस्टीहस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, वित्तीक 5 नवम्बर 1985

सं॰ 31901/500(3)—- फम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 500 की उपधारा (3) के अनुसरण में एकद्वारा यह सूचना दी जाली है ि इन तारीख से तीन मास के अध्यान पर सुलक्षाणा स्टेनलेंस स्टीलंस प्राइदेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण धींगत न िया गया तो स्टिस्टर से बाट धिया जाएगा और उकत कम्पनी चिवटित कर दी जाएगी।

कस्पनी ब्रिधिनियम, 1956 और ब्रारोमा कैमिनस्स एंड कतमैटियत प्राइवेट शिमिटेड के विषय में बुख हत्ता, दिनों हे इसस्पर 1988

सं० 22923/500(3)--- प्रमानी अधिकितम, 1950 की धारा 500 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारींख से तिन मास के अवसान पर अरोमा कैमिनक एन्ड क्समैटियत प्राइवेट विमिटेड वा नाम इसके प्रतिकृत वारण धिंत न िया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उकत व्यमनी विचित कर दी जाएगी।

कम्पनी अविनियम, 1950 और मंजुला फैन्सी स्टोर्स प्राइवेट लिभिटेड के विषय में कलाइता, दिनांश 5 नवनवर 1985

सं० 24476/500(3)---कम्पनी अधिवियम, 1956 की धारा 500 की उपधारा (3) के अनुसरण में एत्र्द्वारा शह सूचना दी आती है ि इन तारीज से तीन मान के अवतान पर मंजुना फैन्सी स्टोर्स प्राइवेट िमिटेड वा नाम इसके प्रतिकृत कारण विभन्न न िया गा। तो रिकिटर से बाट विया आएगा और उपन कम्पनी विषटित कर दी आएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्रव्याणी मेक्षिन फैबिक प्राइवेट िमिटेड के विषय में

कल उत्तर, वितोत 5 नवन्त्रर 1935

सं० 27107/560(3)— एमरनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूत्रा दी जाती है कि इस तारी असे ती माल के अब जान पर करवाणी मेजिन फेबिक प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण धींशत न िया गया तो रिशस्टर से बाट दिया जाएगा और उक्त कम्मनी विषटित कर दी जाएगी।

क्रम्यनी अधिनियम, 1956 और एमको इंजीनियरिंग वर्क्स प्राइवेट निमिटेड के चित्रम में

कुल शक्ता, दिनांश 5 नवम्बर 1985

सं॰ 24221/560(3)---रम्पनी भविनियम, 1950 की भारा 560की उपधारा (3) के भनुसरण में एतदराज यह सूचना दीं जाती है कि इस तारीख से तींग मास के अवसान पर एमको इंजीनियरिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष शारण दिशान न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी चिघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 और बी० जी० एम० पिक्षर एन्टरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1985 सं० 26737/560(3)—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 कीं धारा 560की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जानी है कि इस नारीक से तीन मास के श्रवनान पर बीठ जींठ एमठ पिक्चर इस्टरप्राइजेज प्राइवेट किमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण दिणत न किया गया तो रिवस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर वी जाएगी।

> डी० के० पाल कम्पनियों का रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

प्रकृष बार्च , टी. एम् , एस् ,------

नाथकर न्यिनियम, 1961 (1961 का 43) की थास 269-व (1) के अधीन ज्वना

धारत सरकार

कार्याक्रय, सहाथक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अक्तूबर 1985

निर्दोश सं आई. ए. मी. /एवयू सिरसा/3/84-85--- अतः मृझे, वी. एल. खत्री, वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 259-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अम्परिस, चित्रका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लाट, जो सदर बाजार, सिरसा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिरमा में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 23/2/85

को प्रवेशिक्ष संपत्ति के उपित राष्ट्रार श्रृंस्थ से क्षत्र के व्यवधान श्रीसफाध के सिए जन्तिरित की गई है और सूत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार श्रृंस्य उसके क्ष्यमान प्रतिकास से, एसे क्ष्यमान प्रतिकास का गम्द्रह प्रतिकात से अभिक है और अंशरक (अन्तरकार्ते) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के श्रीच एसे अन्तरण के जिए तय प्राचा नवा श्रीहफास विश्वासकारिका क्ष्यभ्य से सक्त थंडरक विश्वासकार्य के सक्त थंडरक विश्वासकार्य के सक्त थंडरक विश्वासकार्य के सक्ता थंडरक विश्वासकार्य के स्वासकार्य के स्वासकार्य के सक्ता थंडरक विश्वासकार्य के सक्ता थंडरक विश्वासकार्य के सक्ता थंडरक थंड

- (45) अन्तरण से हुई किसी बाब की वाबस, सबस बीचिनियम के सभीत कर येने के मन्तरक से वाजित्य में कभी करने वा उससे तबने में सुविधा में निष्ट: मोडिंगा
- (थ) एंसी कियी आव या किसी भन या कल आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय वायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ जन्मीरनी दशरा प्रकट नहों किया गया था वा किया काल भारतिहरू था क्रियान के स्वयंत्र के विकार

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), हे अधीन, मिस्निसिस व्यक्तियों, सर्थात् ४---

 सर्व /श्री राम सरुप गोयल , प्रमोद कुमार पृत्र श्रीराम सरुप गोयल द्वारा मास्टर राम कुमार द्वारा मैं. बंगल थियटेर, हिमार रोड , सिरसा।

(अन्तरक)

सर्व/श्री परमजीत सिंह,
जसबीर सिंह,
क्रुलदीप सिंह,
सुरजीत सिंह,
दलजीत सिंह,
दलजीत सिंह एवं
जसपाल सिंह पुत्रान
श्री सम्पूर्ण सिंह
बजरिय सरदार इम्पोरियम,
सुभाग चौक, सिंग्सा।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता है।

उपन सम्मलि के अर्मन के एक्टन्थ की कार्क भी भागी :--

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की शवधि या तस्त्रंगी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की वर्गीभ, को भी बक्षिण बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राव्यक्त व्यक्तियों में से सिक्षी क्योंक्त स्वारा;
- (क) इस स्वारा के ताबक्त के प्रकारत की सारीय के 45 दिन के पीतर उनके स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुव किसी अन्य न्यावित द्वारा, अधाहस्ताकरी के राज ज़िविस में किए या क्केंचे।

स्वाक्रहणः ---- इसमें श्रम्कः शब्दां जीर पदौ का, सो उपस अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, यहाँ वर्ष होगा जो उस कथ्यार में विका गया है।

अस्म्ची

सम्पत्ति प्लाट जो सदर बाजार, सिरसा में रिश्वत है, जिसका अधिक त्रिवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सिरमा में रिजस्ट्री संख्या 5011 दिनांक 23/2/85 पर दिया है।

बी. एल. स्वजी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्यस (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहसक

दिनांक : 10/10/85

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. कार्यक्रम आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) को अधीन स्थाना

भारत बडकाड

कार्याबय, सहायक आयकर आयुक्त (निद्रक्षिण)

श्रर्जन रें ज•2, रोहतक

रोहनक, दिनांक 10 श्रमतूबर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी० गुड़गांव/715/84-85 श्रतः मुझे, बी० एल० खती,

बायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार जुन्स 1,00,000/~ रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सख्या भूमि 3½ बीघा फैक्ट्री णैड सहित जो दौलताबाद रोड, गुड़गाव में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसुर्चा में जो पूर्ण रूप से विणत है), रिजर्स्ट्राफर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर श्रिधिनयम 1961 के श्रिधीन दिनांक 4-2-1985

को पूर्विक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (बन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण बिचित के बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) नृष्युरण से हाई किसी बाद करी वान्छु, स्वस् नृषितिन्त्र के नवीन कर दोने के सन्त्रपुक के वादित्य में अभी अपूर्ण वा एक्से न्यूने में कृषिया के तिए। नार/या
- (ब) एसी किसी आय था किसी भन या जन्य आस्तिकों को, विन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम्, 1922 १1922 का 11) या उक्त अधिनियम् या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना वाहिए था खिपाने के श्वासभा के सिद्य;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री कृष्ण कुमार पुत्र खुशी राम पुत्र जैराम दास नि०--4/28 रूप नगर, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सूरण भान पुत्र चन्दगी राम निवासी: 183/3 श्ररवन ईस्टेट, गुड़गांव श्री स्रोम प्रकाण पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण निवासी-47/4702 रेगरपुरा वारोल बाग, दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

की बहु सूचना बारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के ज़िस् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त उप्पत्ति के वर्णन के सम्भन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है दें 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, की भी स्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ड व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शक्त सिवित में किए जा सकें में।

स्पर्ध्याकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

मनसंची

सम्पत्ति भूमि 3½ बीघा फैक्टरी शैंड सहित जो दौलताबाद रोड, गुड़गांव में स्थित है जिसका श्रिधक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गाव में रजिस्ट्री सं० 4710 दिनांक 4~2~85 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहसक

दिनांक: 10-10-1985

मोहरः

प्रकल नाहर््डी. एप्र्यूच्यु-----

जायकर अभिनिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यास्य, तहायक वायकह मानुक्त (निर्दाक्षण)

भ्रजन रेंज-रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अन्तूबर, 1985

निदेश सं० श्राई०ए०सी०/ एक्यू गुड़गांवा/714/84-85:-श्रतः स्झे बी० एन० खन्नी,

भायक ए अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसका संख्या भूमि 6 बीघा फैक्टरी रोड सहित दौलता बाद रोड गुड़गांव में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रिधीन, दिनांक 4 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के इस्यमान प्राप्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, इसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देष्ट से उक्त अंतरण निम्निसित उद्देष्ट से उक्त अंतरण निम्निसित उद्देष्ट से उक्त अंतरण निम्निसित

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों कां, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

अतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथोंत् :---

- श्री हरीदास पुत्र खुशी राम
 पुत्र श्री जै राम दास
 निवासी-51 ई कमला नगर एवं
 श्री कृष्ण कुमार पुत्र खुशी राम पुत्र जै राम दास
 निवासी-4/28 रूप नगर, दिल्ली।
 (श्र-सरक)
- मैं० ग्लोब मुर-जीको इण्डस्ट्रीज, ।
 दौलता बाग रोड, गुड़गांव
 पार्टनर श्री सूरजभान अग्रवाल
 पुत्र श्री चन्दगी राम
 निवासी-183/4 श्ररवन ईस्टेट गुडगांव।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वता वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां कहता हुं।

उन्त संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचवा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध नाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर प्वेतिस स्वक्तियों में से किसी स्वक्ति इवारा;
- (क) इस स्वाभा के राज्यक में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिए- बहुभ किसी अन्य क्योंनित हुंगरा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीक एवं :---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

श्रनुसूची

सम्पति भूमि 6 बीघा फैक्टरी रोड सहित बौलता बाद रोड पर स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 7407 दिनांक 4-2-1985 पर दिया है।

> भी० एल० खत्री, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-रोहसक

दिनांक: 10-10-1985

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ष्प्रजंत रोंज, **रोहत**क

रीहराक, दिनांक 11 प्रवतूबर 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू गुड़गांव / 626/8 4- 85:- -श्रतः, मुझे, बी० एल० खती,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इनके परवात् 'उनस् विभिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या मुठ नंठ 770 (पी), 4 श्ररबन स्टेट गुड़गांत्र में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण एप से विणित है). रिजस्ट्रीकर्त्ता श्राधकारी के बायिलय गुड़गांव में भारतीय श्रायकार श्रीधिनियम 1961 के श्रधीन, दिनांक 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जाविस बाजार मूल्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित जब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त ऑधनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए, और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सृष्धा के लिए;

 श्री दारतार जिह पुत्र श्री हानाम सिंह निवासी ए- 1/13, सफदरजंग इनक्लेब. नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 मर्वश्री सूरज प्रकाण चन्द्र शेखर, त्रिनोदं कुमर, प्रमोद बोहरा निवासी सोम भवन, गुरु नानक नगर, मिलीगुरी, पश्चिमी बंगाल।

(ग्रन्तरिती

का बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के नर्चन के जिस् कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्मित्त में नर्जन में संबंध में कोई भी बामने ह-

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाइ जिल्हा में किये था सकींगे।

स्यक्षीकरण: — इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्ते अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा स्था है

नन्स्ची

सम्पत्ति मकान नं० 770 (पी) जो 4 अरबन ईस्टेट गुड़गांव में स्थित है जिसका श्रीधक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 734 दिनांक 1-2-85 पर दिया है।

> वी० एलं० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, रोहसक

क्तः अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाना (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथोंत् :--

दिनांक: 11-10-1985

प्रकप नाइ. टी. एन. एस. -----

बायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन सुमना

भारत हरकार

कार्यालय, सहायक आवकर बाव्कर (निर्दाक्षक)

अर्जन रेंज, रोहनवः

रोहसक, दिनांक 8 श्रक्तूबर, 1985

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/ 102/8 4-8 5- - ग्रतः मुझे, बी० एत० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रह. में अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या भूमि 3 कनाल 6 मरले जो 7, रोड खुई में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय हिसार में भारतीय ग्रायकर श्रिधिनयम 1961 के ग्रधीन दिनांक 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिष्वल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विद्वास करने का कवरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से,

एसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से बिधक है बार बंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजित उद्विष्य से उक्त अंतरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अशिनयम के अधीन कर दन क अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूत्रिधा को सिए; और/या
- (क) एंसी किसी नाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर श्रीभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्धानियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिर;

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्व के अनुसरण मीं, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-श्व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८श्री एस० बी० श्राहुना
पुत्र श्रार० एस० मुकुन्द लाल सुमन्त श्राहुना
संदीप श्राहूना पुत्र एस० बी० श्राहूना
पार्दनर्स मैसर्ज स्टील प्रोडक्कट्स, हिसार।

(ग्रन्तरक)

2. सर्वं श्री सत नारायण पुत्र श्री गणपत राम, दूर्गा प्रसाद पुत्र राम रिछपाल दास पदम सैन, पुत्र श्री भीम सैन द्वारा गर्ग पाइप कम्पनी, 393 पुरानी ग्रनाज मण्डी, हिसार।

(भ्रम्तः रती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के विष कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उपत संपत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त धब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणित है, वहीं नर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

श्रनुसूची

सम्पत्ति भूमि 3 कताल 6 मरले जो कि 7, रोड **खुर्द** में स्थित हैं जिसका श्रीधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में रजिस्ट्री संख्या 5080 दिनांक 1-2-1985 पर दिया है।

> बी० एत० **छत्री,** -सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रापकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, रोहतक

दिनांक: 8-10-198 5

मोहर ३

प्रकथ कार्ड . सी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायक्षर आय्क्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाँक 8 प्रक्तूबर 1985

निदेश सं० आई० ए.० सी०/एक्यू०~कालका/6/84-85---अतः मुझे, बी० एल० खती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पिस, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

थ्रौर जिसकी सं० भूमि 60 एकड़ जो बीड फिरोज में स्थित है (श्रौर इससे उपायक श्रनुसूची से श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कालका में भारतीय आयकर श्रिधिनयम.

8-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के रूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकृत कस, जिम्म निचित उच्चेष्य से उन्त अन्तरण निचित में बास्तिक क

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के कन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कते, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिए।ने में मुत्रिध्य के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण के कि उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के पशीन, निम्निजिबित काफिटणों, अर्थात :—— श्री जोगिन्दर निंह पुत्र श्री प्रताप सिंह, प्रताप मिंह पुत्र हुकम मिंह श्रीमती गर्वजीन कौर पत्नी हरविरत सिंह, नित्रासी करनाल।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती कौणत्या विधवा स्त्र० श्रो ह्रोचन्द्र, श्रम्बाला णहर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत संपत्ति को अर्जन को लिए कार्यभाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन कीं अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हां, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियं जा सकी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

सम्पति भूमि 60 एकड़ जो बीड फिरोजी में. स्थित है ुजिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय कालका में रजिस्ट्री संख्या 2528 दिनौंक 8-2-85 पर दिया है।

> बी० एल० **खती** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनौंक: 8-10-1985

पुक्रास्त्र अपूर्व परि सात स्ट्राप्ट

कारकार अधिनियः , १८६३ (10६५ का 43) की धारा ६७ ६ (१) के प्रधीन मुखना

भारत शरकार

कार्यालय, यहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनौंक 9 प्रक्तूबर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० मी०/एउप्०/हरनाल/1/0/84-85-श्रतः मुझे, बी० एल० खती,

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट जो हाउगिंग बोर्ड कार्यानों, करनाय में स्थित है (श्रौर इनसे उपाबत श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिश्वकारी के कार्यालय, करनाल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिश्चिनयम, 1961 के श्रधीन, तारीख 16-2-1985

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ख्यमान प्रतिफान के निए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभागवाँवत सम्पन्ति का उचित बाजार मून्य, उसके द्यमान प्रतिफान से एक क्ष्यमान प्रतिफान का क्लाह प्रतिशत से बिधक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (मन्तरितियाँ) के बीच एक अन्तरण के किए सब पासा गरा। प्रतिफान, निम्नानितित उद्देश्य से अन्त अन्तरण मिश्वत में कास्त्रविक रूप से अधिन नहीं किया गया है ----

- (क) जनगरक से हुए किसी काय की वावत, उक्त विधिनिक के अधीम क्षर बोगे के अन्तरक के अधिया में काये। जरमं या उसमें बचने में स्विधा के लिए; मीप/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, छिपाने के सृतिभा औं लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्री मोहन सिंह पुत्र श्री तेग बहादुर सिंह, दत्र पुत्र गुरमुख सिंह, निवासी—हास्पीटल रोड, हरमोहन काटेज, करनाल शहर।

(अल्बरक)

 श्रीमती तुलसी बाई पत्नी श्री पुरुषोतम दाम पुत्र श्री राम किशन, नि० म० न० 529 हाउमिंग बोर्ड कालोनी, करनाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

वनस्थी

सम्पत्ति प्लाट जो कि हार्जिपग बोर्ड कालोनी करनाल में स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बिकरनाल में रिजस्ट्री सं० 7955 दिनींक 16—2—85 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनाँक: 9-10-1985

प्ररूप बार्चा टी. एवं. एस. -----

रायकर अधिनियम, 1961 (19**61 का 43) की** भारा ?69-प (1) के **बधीन सुचना**

भारत सरकार

कार्यालय गहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनौंक 10 ग्रक्नूबर 1985

निदेश सं० म्राई० ए० मी०/एक्यू०/सोनीपत/118/84-85--श्रतः मुझे, बी० एल० खत्नी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद पंजात अधिनियम कहा गया हो), की भार १६००-म के अपीप सक्षम पात्रिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण ही कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

द्यौर जिसकी सं० भूमि 29 कनाल 14 मरने, गाँव कुण्डली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन दिनौंक 7-2-1985

फ्रो पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्हें यह निश्वाल करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिंखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण ते हार फिली बाव की बाबत, क्यक वीधीनवस के अधीन कर दोने के अन्तरक वी बाधित्व में कसी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर√वा
- (क्ष) (क्षेत्री किलो बाय या किसी भन या अन्य वास्तियाँ काँ. शिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर सिंग्तियम, 1957 (1957 का 27) वाँ प्रयोजनार्थं अपरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना चाहिए था, डिपान में सुविधा के सिए;

भन- अया, जनन शिधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण भों, मीं, उनत अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिलिल व्यक्तियों, अर्थात् :—— 3—346GJ/85

- 1 मैं० किन्सकोलक इण्डस्ट्रींज प्रा० लि०, 11893, तिलक गली गास पात्तर कश्मीरी गेट, दिल्ली-110006, द्वारा मैंनेजिंग डायरेक्टर ईंग्वर लिए ता १।
- 2. मैसर्स फीन पैक (इ०) लिमिटेट द्वारा डायरेक्टर श्री लक्ष्मी दाल अग्रत्यक, निवासी—1—मी०/30 न्यू रोड्का ोट नई दिल्ली।

(अन् शितंर)

को बह सृष्टमा आरी करके पूर्वोक्स सम्मणि है जन्म कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई और 1974 - ----

- (ख) इस सूचना के राजपत भी प्राहरात प्राहर से के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सकारित हैं कि उन्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा जाने के किसी अन्य स्थावत द्वारा जाने के किसी किस के किस के से किस के सित के से किस के से

स्वक्रीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और क्षणं का उ जिस्त अधिनियम, के अध्याय 20-का में का प्रतिन्-भाषित हों, बहुी अर्थ हरका का उपाध में दिया गया हो।

म्ब्स्**यो**

सम्पत्ति भूमि 29 कनाल 14 मरले जो कि गाँव कुण्डली में स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मोनोपत में रिजस्ट्री सं० 4721 रिजांक 7-2-1985।

> बीठ एक पत्नी • ार प्राथितिकी महायक आयक्तर चायुक्त (ोराहक्) अर्जन रेट, रोडनक

दिनौंक: 10-10-1985

अक्य बार्स, टी. एवं, एवं, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनौंक 9 प्रक्तूबर 1985

गिदेश सं० प्राई० ए० सीं०/एवयू०/जींद/29/84~85~~ प्रतः मुझे, बी० एल० खती, 9 बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पत्रकार पत्रकार किना मिनियम कहा गया है), को भारा 269-ए के स्थीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर लिसकी सं० भूमि 75 कनाल 5 मरले जो गाँव किनाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जींद में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रिधीन, तारीख 25-2-1985

को पूर्वोक्त सम्मस्ति के उक्तित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिशक्त के लिए जन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्मत्ति का उक्ति बाबार बुक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एथि अध्यमान प्रतिफल आ बम्बह एतिकत से बीवक है बीर अंतरक (अंतरकों) और बंतरित्री (अंतरिक्ति से बीव एसे जन्तरण के लिए नव पान गया। प्रति-क्य गिम्निसिसिस क्वानेय वे उच्च बंतरण जिल्लिक के साम्बन्धिक क्य से कथित नहीं किया गया है

- ्रेक्) क्सरण वं हुन जिली बाब को बाबश करन बीध-नियंच के स्थीन कार दोन के अनुरक्ष के स्ट्रीय-के में कामी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए मेक∕मा

भतः त्रच, उक्ट विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) आ अधीन, निम्निचित्त व्यक्तियों, अधीत् :---

- सर्वंश्री हरिन्दर सिंह उर्फ हरिमन्दर सिंह,
 गुरिन्दर सिंह उर्फ गुरिमन्दर सिंह,
 पुत्रात श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र बहादुर सिंह,
 निवासी गाँव कताता, त० व जिला, जींद।
 (श्ररतरक)
- 2. मैसर्स हरियाणा इक्वेपमेंट लिमिटड, रिजिश् द्वारा डायरेक्टर श्री राम श्रवतार श्रग्नवाल, पूत्र ज्ञानी राम चेयरमैन, जीन्द, हाल श्री राम श्री राम श्रवतार श्रग्नवाल द्वारा हरियाणा इक्वेपमेंट लिश् कलकत्ता फन, 30 चौरंगी रोड़, कलकत्ता। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना पान्नी करके प्रतिकत संपत्ति के कर्णन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

तकत संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचता की ताशीस से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि वाद में सजाब्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तृतराः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किती बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकोंगे।

स्यष्टिकरण:--- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त व्यक्तियम् के सम्बाय 20-क में परिशापिक ही, वहीं कर्ष क्षोण को उस अध्याय में किया गया ही।

अगर्प

सम्पत्ति भूमि 75 कनाल 5 मरले जो कि किनाना गाँव में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय में रजिस्ट्री संख्या 5437 दिनाँक 25-2-85 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी
> सक्षम प्राधिकारी
> सहामक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, रोहसक

विनोक: 9-10-1985

प्रारुष बाहै. टी. एव. एस. ----

नाथकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सुभात

भारत सरकार

कार्यालय, साहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाँक 10 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/हिसार/103/84--85--मतः मुझे, बी० एल० खत्नी

नायकार नाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन तक्षम प्रधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 14 कनाल 8 मरले जो गाँव डावरा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, हिसार में भारतीय श्राय हर ग्रीधितियम, 1961 के श्रीत, दिनाँक 8-2-85

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पामा पामा प्रया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उचत बन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उच्ल वीधिन्यम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (का) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिक पिकार्जी, क्यांक के श्री वया राम पुत्र श्री भगनी,
 निवासी डाबरा एवं मुख्यत्यारेश्राम श्री ग्रमर सिंह
पुत्र श्रो भागनी नि० डाबरा, तह० जिला
हिमार।

(भ्रन्तरक)

2 दि हिसार स्वतन्त्रता हाउस बिल्डिंग सोभावटी, दूकान नं० 469, राज गुरु मार्केट, हिसार। (प्रम्लरिती)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लि, कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मस्ति के वर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की सर्वीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पव्हीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उत्तरः विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशः गया है।

मन्त्रची

म्पत्ति भूमि 14 कनाल 8 मरले जो गाँव डाबरा में स्थत है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में रजिस्ट्री संख्या 5212, दिनाँक 8-2-85 पर दिया है।

बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनाँक: 10-10-1985

प्रकृत वार्ड, टी. एत. एख. - - ह ल---

कारकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शास 269-प (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

नाग लय , उहायक **आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाँक 10 अक्तूबर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० तो०/एक्यू०/फरीदाबाद/34/84-85---ग्रतः मुझे, वी० एल० खन्नी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके किया, 'उन्नर अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 260-भ की अधीम सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति , जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/~ रह. से अधिक ही

ग्रौर जिनकी सं० प्लाट नं० 15-ए०, ग्ररवन ईस्टेट फरोजवाद में न्थित है (ग्रोर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण का ने कीत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फरोजवाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1961 के अवीत, तारीख 27-2-1985

को पूर्वकित सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के स्वमान अतिएक के त्याम अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करत के अरण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उपनद बाजार मृद्य, उमाण अयमान श्रीतफल से, एसे व्यथमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रीतिम् से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिक (अन्तरका) के बीच एसे अन्तरण से लिए तय वाया व्याप्तिमान के निम्निलिस्ति उद्योदन से उपन बन्तरण लिखन में सम्तरीवक रूप से कमित वहीं किया गया है के

- (क) अन्धरण **वं धूर्ड फिली बाव की बाबस्_{राः} उक्त** अधिनियम् के वशीन कर बावे के वृत्युरक के श्रीयस्य में क्यी करने या उससे वसने में सुविधा अधिनम्; जीर/या
- (क) एसी किसी बाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, बिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
 - , अक्ट अधिनियम को धारा 269-म के वन्धरम अबिनियम की धारा 269-म के उपभाष (1) अधिसासत व्यक्तियों, मर्याद के

1. श्री इन्द्र प्रकाश चन्डोक पुत्र ज्ञांन चन्द चन्डोक, निवासी—-229 सैक्टर 15ए०, फरींदाबाद (हाल डी० ग्राई० सी०-38-सी०, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री कृष्ण लाल कोहली पुत्र स्व० श्री एल० ग्रार० कोहली, निवासी—229, सैक्टर 15ए०, फरीदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह भूषना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के क्लिए कार्यनाहियां कारता हों।

उक्त सम्बन्धि के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष् ;---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचता की तानील से 30 दिन की नविध, जो जी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विचित्त में किए वा सकोंगे।

स्यक्टिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवस के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्य

सम्पत्ति प्लाट नं० 15-ए०, जो ग्ररबन ईस्टेट फरोदाबाइ में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय फरीदाबाद में रजिस्ट्री सं० 4552 दिनाँक 27-2-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनाँक: 10-10-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ------

बायकर निर्धानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्पासय, महाग्रक आयकर नागुक्त (निरीक्रण) अर्जन रेंज, रोहतक

ोहतक, दिनाँक 10 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/फरीदाबाद/26/84-85-म्यतः मुझे, बी० एल० खत्री,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस भें इसके परचात् 'उक्त निधीायम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निवनत करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० बैंगलो प्लाट नं० 10 जो एन० श्राई० टी० फरीदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विधा है), रिजिन्ट्रीकर्ती श्रीप्र कारी के कार्यालय, फरीदाबाद में भारतीय श्राय हर श्रीयिनियम, 1961 के श्रीयीन तारीख 4~2-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक स्प से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी गांव की बाबत, उक्त गाँध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसते अचने में नृविधा के लिए; वरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य असिसयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मै० गिडोर टूल्म इंडिया प्रा० लि० दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स प्रीमीयर इंडस्ट्रियल एल्ड इलैस्ट्रीकल्प 1560, भागीरथ पैलेत,
 दिस्ती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पान्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्ड भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रवासन की अपित स 45 दिन की अविधि या सत्याक्षिण व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती नो, की जीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र भी जयाका एक काराब्य में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर का ताम किलाइब किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अवोहस्तालको छ पास जिल्लाह में से किए जा सकोंगे।

स्पाक्षीकरण:---इसमी प्रयुक्त शब्दी आर १४) की, जो उक्त जीविमयम, के अध्याय 20-क मा पोरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जी उन अध्याय मी दिया गया है।

मन्स् ध

सम्पत्ति बैंगलो प्लाट नं० 10 जो एन० ग्राई० टी० फरीदाबाद सें स्थित है जिसका श्रवित विवशा रिजिन्हीकर्ता के कार्यालय फरीदावाद में रिजिन्हों सद्भा 3616 दिनांक 4-2-1985 पर दिया है।

यो० एल० खती १४ (१४विज्ञा**री** सहायच अ १,७६ अस्कृत (१३**०कण)** स्रजन रोज, रोहनक

दिनाँक: 10-10-1985

प्रकृत कार्ड ती. एवं. एवं. -----

आयकार अधिनिशन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

बारत बहुकार

कार्यासय, सहायक जायकर वायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहनक

रोहनक, दिनाँक 10 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/हाँसी/6/84~85—-अतः मुझे, बी० एल० खती,

भागकर किपिनियम, 1961 (1961 का 43) (िष्से इसके इसके प्रकात 'सकते अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-४ के अधीन मक्षम राधिकारी को यह विश्वास कारने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका शिक्त बाबार बृद्ध 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० म० नं० 18/10 जो बजरिया चौक, हाँसी में स्थित है (श्रीर इ.स. उपाबद्ध श्रनुसूची म श्रीर पूर्ण रूप में विणित है). रिजस्ट्री हर्ना अधिहारी के हायिलय, हाँसी में भारतीय श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीब 19-2-1985

हा पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम से कम रश्यमान गोतका के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुझे यह निश्वास करन आरण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य, उसकें श्रममान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात हैं अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती ्बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शिक्फ निम्निलिचित उद्योग्य से उच्त बंतरण लिचित में शस्तिक रूप से कींथत नहीं किया गवा है:---

- (क) अकारण से हुई किसी बाग की बावस, सबस मिनियम के जभीन कार बोने के बावरक के बासिरण में कामी कारने ना उससे अवने में सुविचा के भार। कार/का
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कार अभिनियम, 1922 1922 का 11) या उपलत अभिनियम, या जन-कार विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,, अर्थात् :--- श्री रामधन पुत्र श्री कासी राम. लाकेश कुमार, संजोब कुमार पुत्रान श्री रामधन, नि०→हाँसी।

(स्रन्दरह)

2. श्रीमती कृष्णा पाल पत्नी श्रो मुरिन्दर पाल, श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी श्रो कृपन लाल पुत्र पारस राम नि०--बजरिया चीक के गा, हाँसी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं !

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोप :--

- (क) इस तुम्मा के राष्यत्र में प्रकाशन की शारी से सं 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूमना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हुकारा;
- (व) इस सूचना के एअपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिल्लबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वक्किरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यो

संपत्ति मकान नं० 18/10 जो बजरिया चौक, हाँसी में स्थित है जिपका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हाँसी में रिजस्ट्री संख्या 2592 दिनौंक 19-2-85 पर दिया है।

बो० एल० खती सक्षमप्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्र**ज**न रेंज रोहतक

दिनौंक: 10-10-1985

नोहर 🖫

प्रकथ बाह्री, टी. एन. एस.-----

भनिवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, रोहतक रोहनक, दिनौंक 10 श्रक्त्वर 1985

निकेश पं० श्राई० ए० सो०/एक्यू०/गुड**गाँव/631/84**— 85—सनः मुझे, बी० एल० खत्री

नायकर विधिनियम, 196! (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उजित बाबार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं नं 447/9 जो शिव पुरी, गुडगाँव में स्थित है (श्रीर इतसे उपावत अनुपूर्वा में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, गुडगाँव में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1961 के स्रधीन, दिनाँक 20-2-1985

की पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित काजार मुख्य से कम के दश्यमाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार ब्रुप्त, उसके दश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तस पासा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिल्ति में में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरम् से हुई फिसी बाय की बाबत, उसत वृधि-अधिनियम के बधीन कर देने के अधारक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- पोती किसी भाग या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हुं भारतीय बायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा कै लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अमूसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः निम्नीलिखितः व्यक्तितयों, अर्थात् :--- 1. श्री ग्रमोलक सिंह पुत्र मोहर सिंह, नि० 1-जै०-5052, लाजपत्त नगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री शिव राम वासदेवन पुत्र मायावन तिलाई रासीका—निवास,वासेपुरा कौ जिला तिवेन्द्रम (करल) हाल म० नं० 447/9, शिवपुरी, गुडगाँव।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्यत् बन्दरित के वर्षम् के स्व्युम्य में कोई श्री बायोगः:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुसारा;
- (व) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीव ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष जिली अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास विचित्र में किए जा नक्षणे :

स्पच्यीकरणः --- इसमें प्रयुक्त जन्दों नौर पदों का, जो उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि--भाषित हैं, बही नर्थ होगा को उस बध्यान कें विद्या नवा है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 447/9 जो शिवपुरी गुडगाँव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजिप्ट्रोकर्ता के कायां लिय गुडगाँव में रिजिस्ट्री सख्या 7692 दिनांक 20-2-85 पर दिया है।

> बी० एल० खत्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, रोहतक

दिनाँक: 10-10-1985

मोष्ठर :

श्रास्त्र बार्ड .टी . एन . एस . -----

en no de la composició de la colonia de la

सरकार ने प्लेस्सम्म 1961 (1961 का 43) की याद 269 थ (1) **के अधीन स्थान**

भारत सरकार

कार्यालय सहायक **आयकर आयुक्त (विद्रोक्त्य)** श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिनाँक 7 श्रक्तूबर 1985

निदेश मं० पाई० ए० मी०/एक्यू०/जगाधरी/122/84—85—प्रतः मृह्में, धी० एल० खती शामन असी एक. 1961 (1961 का 43) (विके इसके क्ष्मण का भी का किसमें कहा गया हैं), की भारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारक भौतिक अभवार संपरिता, जिसका **व्यक्ति वाजार मुख्य**

1 00 - 09/ ार. में अधिक **है**

और जिनकी सं अन्य नं अन्य 126, जो शिव शंकर पुरी आजाद नगर, यमुना नगर, में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण ज्य में याणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगावरों में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनाँ में 14-2-1985

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावल धनक अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के शाबित यो कभी करने या धनसे वचने में सुविधा के स्विधः; और/या
- (स) गोगी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तिवाँ जे जिल्हाँ आस्तीय आम-कर अधिनियम, 1922 ११००० आ ११) या उत्तत अधिनियम, या धनकर जे जिल्हा 1957 (1957 का 27) के प्रमीप-को अविकास देश प्रकट नहीं किया गया वा अविकास को अविकास देश प्रकट नहीं किया गया वा

अतः अव, उच्न अधितियमं की धारा 269-ग **के बन्सरण** मों. मों. चक्रत शीवित्यमं की धारा 269-घ स्ती उपधारा (1) के अधीर जिल्लाशिक्षण स्वित्तयों, **अधीर ए—**

- श्री सुरजीत लाल पुत्र श्राया सिंह, मं तं 229 शास्त्री कालोनो, यम्ना नगर।
- 2. श्री लाल बिहारो दान पुत्र श्रो पुलिन बिहारो नि० सी-2, पेपर मिल्प कालोनी, यम्ना नगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के सर्वन के सिक् कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ड़ी 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितत्यों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार्च लिसित में किए जा सकोंगे।

न्यव्होकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, यो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया हैं।

प्रनुसूचीं

सम्पत्ति मकान नं 126 जो शिव शंकर पुरी आजाद नगर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्री सं 5746 विनौंक 14-2-1985 पर विया है।

> वी० ए ल० खती सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनर्रेज, रोहतक

दिनाँक: 7-19-1985

प्रका बाहै . ही . इन् . एव . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वमा

शास्त्र करकार

कार्यालय, महासक आयकर आयक्त (निरीक्सण) श्रजैंन रेंज, रोहनक

रोहतक, दिनौंक 9 प्रक्तूबर 1985

निर्मेश मं० प्राई० ए० मी०/एक्यू०/प्रार० डब्ल्यू० भ्रार०/ 15/84-85----अनः मुझे, बी० एल० खन्नी,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा नवा हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्रतिभक्तारी को, यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मुक्स 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं माना नं 1652—डी का मण्डी, रिवाड़ी में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रिवाड़ी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन, दिनौंक 13-2-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दस्त्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापृवोकत सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाव की बाबत, उक्त बीचिनियब के अधीन कर दोंगे के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या बच्छे युवने में धृतिया भी विद्या न्हेंद्र/का
- (स) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों स्त्रों, किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों स्त्रों, किसी आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 15 का 16 का 1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिद्द;

अतः क्षत्र , उक्त विधिनियम की भारा 269-न के जनसरण में , में , उद्गा विधिनियम की भारा 260-च की उपधारा (1) रे अभीन निजनिवित व्यक्तियों , वर्भात् :---4---346GI/85 श्री स्रोम प्रकाश पुत्र श्री बनवारी लाल,
 पुत्र श्रो शिव दत,
 निवासी रिवाड़ी।

(ग्रन्तरक)

2 श्री शिवान चावला पुत्र श्री ज्योतिरम चावला, निवासी 1652-डो०, काठ मण्डी, रिवाडी।

(भ्रन्तरिती)

श्री यह तृत्रका चारी करके गुर्कोंक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए आर्यवाहियां करता हूं।

उक्त कम्पृतित से वर्षम् से तक्ष्मन्थ में कोई भी बाक्षेप "---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारी ख़ से 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वित खाँक्स में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए था सकेंगे।

स्वच्यक्रिपणः -- इसमें प्रयम्त शब्दों और पद्यों का, वा उपस विभागियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी वर्ष होता जो उस बध्याय में दिया नदा है।

मनुसूची

सम्पत्ति सकान सकनी पश्चिम रूखी म्युनिसिपल नं ० 1652—डी० जो कि काठ मण्डी, रिवाडी में स्थित हैं जिसका विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रिवाड़ी में रिजस्ट्री सं० 3072, दिनाँक 13-2-1985 पर दिया है।

> बी० एल**० स**न्नी स**क्षम प्रा**धि गर्रः . स**हा**यक प्रायकर **भायुक्त (**निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनाँक: 9-10-1985

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

पाइत प्रपत्त

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनौक 4 प्रक्तूबर 1985

निदेश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/फरीदाबाद/31/84-85--श्रतः मुझे, बी० एल० खन्नी,

नायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विद्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से विधिक है

ग्रीर जिसकी सं० म० नं० 393 सैक्टर 15 फरीदाबाद में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फरीदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन, दिनौंक 18-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षणकाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुभ्ने यह विश्वात करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे व्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिकृत से विश्व है और बन्तरक (अन्तरका) कोर बन्तरित (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के अगर तम पान क्या बिक्य, निम्नितियां उद्देश्य से उन्तर बन्तरक निम्नित्त के स्थाप से कंपित नहीं किया नया है है—

- (क) बलारण संहुई किसी बाव की बावत, उच्च विधि-विवय के विधीन कर दोनेके अलारक के दिवल में कती करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; बीर/का
- (ण) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का. जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1020 का 11) या उच्च अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1967 का 27) अं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकः नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, । अपाने में सुविध्धं की निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कुदरत सिंह पुत्र श्री राजा सिंह नि० म० नं० 3915, मोरी गेट, दिल्ली हाल 44 सैक्टर 15-ए, फरीदाबाद द्वारा मुख्त्यारेग्राम श्री रत्तन लाल गुप्ता नि० 34, म्यूनिसिपल फ्लैट, कमला नगर, दिल्ली प्र.

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सुनीता गुप्ता पत्नी जैशंकर गुप्ता पुत्र श्री रतन लाल गुप्ता नि० 393, सैक्टर 15, फरीदाबाद।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किती स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पर्शि में हित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त बच्चों और पर्यों का, जो उनक जीधीनयम, के जधीन अध्याय 20-क में परि-शाचित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय के दिशा बना ही।

अनस्ची

सम्पत्ति मकान नं० 393 जो सैक्टर 15 फरीदाबाद में स्थित है जिसका ऋधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय में रिजस्ट्री सं० 4164 दिनाँक 18-2-85 पर दिया है।

> बी० एन० खबी सक्षम श्रीधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, रोहसक

दिनाँक: 4-10-1985

माहर:

प्रक्ष बार्च . ठी . एव . एस . -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निर्देण सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/ए० एम० बी०/ 130/84-85---म्रातः मुक्षे, बी० एल० खन्नी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), अती भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० हाउस नं० 44, मनहोली हाउस, श्रम्बाना गहर में स्थित है (और इनमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्री हर्ता प्रविज्ञारी के कार्यालय, श्रम्बाना भारतीय श्रायक्षर श्रिधिक्षिम, 1961 के श्रवीत, नारीख 1~2~1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्ययमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्ययमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषय से उक्त अंतरण लिखित में बाल्यविक हम से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरक से हुइ किसी बाय की बायत, उक्त अधि-शियम् के अधीन कर दोने के अंतरक के दाधित्व में कसी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन वा क्या कारितयों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया बा वा किया जाना चाहिए चा, कियामं में सुविधा के सिक्ष।

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को जन्सरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नतिज्ञित व्यक्तियों, जुधातु :--- 6. मेजर प्रविनाण चन्द्र नारांग पुत्र श्री फकीर धन्द्र निवासी—44 मनोली हाउस, ग्रम्थाला शहर।

(ग्रन्तरकः)

2. श्रीं कंवर सुणील कुमार पुत्र जंग बहादुर, और श्रीमती राज कुमारी पत्नी श्री कंघर सुजील कुमार, निवासी—बादल, यू० टी०, चण्डींगढ़। (श्रम्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अधिधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक नायकर निमान के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, नहीं नधे होगा वो उस नध्याय में दिव-गवा ही।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 44 मनहोली हाउस जो श्रम्बाला शहर में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय श्रम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 7630 दिनांक 1-2-85 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण) प्रजैन रैंज, रोहतः

दिनांक: 16-9-1985

मोहरः

हरून बार् . दर्व . एव . एस .-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वाना

भारत प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनां ७ ७ श्रक्तूबर 1985

निर्वेश सं० श्राई० ए० सीं०/एक्यू०/फरींदाबाद/28/84--85---श्रतः मुझे, बी० एत० खबी,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्भें इसके परवात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-च के वभीन समाम प्राधिकारी को यह विकास करने का जारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 1,00,000/- उ. से अधिक हैं

औय जिसकी संव महात नंव 1083 भूमि 133 वर्ग गज सेक्टर 7-सींव, फरीदाबाद में स्थित है (और इनसे उपावद्ध प्रतुसूत्री में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के हार्यातय फरीदाबाद में भारतीय आयहर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, दिनाह 13-2-85

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मृभे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का बंबह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उचक अल्ल्ल सिखन में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नन्तरण से हुई कि ती बाब की बाबत, उत्तर विधिनयम् के ब्धीन कर दने के नम्बद्रक औं दाजित्व में क्वी करूने वा उत्तर्ध वचने में बृष्टिया के सिए, शरि/य।
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की चिन्हों भारतीय जाय-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधनियम, या धन-कर जीधनियम, या धन-कर जीधनियम, 1957 (1957 का 27) के ग्रमोचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, किया स्विभा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधार (१) के अधीन, निभ्निनिच्त व्यक्तियों, अर्थुंड :---

 श्री तिलोचन सिंह पुत्र श्री खेम सिंह, 5-जी०→ 41, न्यू टाउन शिप, फरीदाबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राधे श्याम पुत्र श्री प्रभुदयाल निवासी भूमोहना तेहर बल्लबगढ जिला फरीदाबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त स्वयत्ति के अर्थन के लिख् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

जन्य सम्पत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी नाशंप :---

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की जब्धि या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, वो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

न्यव्हीकरण --- इसमें प्रयुक्त काव्यों और पवों का, थां उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा वो उस अध्याय में विया गया ही।

भ्रनुसूची

सम्पति भूमि मकान नं० 1083, 133 वर्ग गज जो मेक्टर 7–सी, फरीदाबाद में स्थित है जिसका ग्रीधक विवरण र्यात्रस्ट्रीकर्ना के जार्यालय फरीदाबाद में राजिस्ट्री सं० 3935, दिलांच 3-2-1985 पर दिया है।

> बी० एल० **ख**ती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

信司制: 7--10--1985

त्रक्य नाही, ट. एव. एव. - - ---

नावकार वीधनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन, सुचना

नारत तरकार

कार्यक्रिय, तहायक बावकर आयुक्त (विरीक्राण)

श्रर्जन रेज, रोहतक

रोहन है, दिनां है 7 सितम्बर 1985

तिर्देश सं० श्राई० ए० सो०/एषपू०/वं≀० ग्रार० ग्रार०/ 21/84-85--श्रतः मुझे. बो० एल० खत्रो,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विक्यान करने का कारण है कि स्थावर सम्मिन, जिसका उधित अधित मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान नं० नजदील रेलवे स्टेणन बरारा में स्थित हैं (और इतने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित हैं), रिजस्ट्रीरित्त श्रीधरारी के कार्यालय, बरारा भारतीय आयर्ग प्रधितिसम, 1961 के के श्रीन दिनान 21-2-1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उषित बाजार मृत्य में कम के क्रयमान श्रीतफल के लिए कन्तरित की गई है जार मुखे वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उषित बाजार मृत्य, उसकी दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बौर बन्दरिती (कन्तरितियों) के बौच एसे जन्तरण के लिए तम राया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देष्य में डक्त बन्तरण किखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण सं हुइं किसी बाय को बाबत उक्त विधिनियन के बधीन कर दोने के बस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (क) प्रोसी किसी काय या किसी का या अन्य आस्तियों की चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनयम, या धन-कर अचिनियम, या धन-कर अचिनियम, 1957 (1957 का 27) के अध्येषनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए का, क्रियाने में स्विका के सिए;

स्तः क्षतः, अन्तः अभिनियम की धारा 269-त के वन्तरक को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) को स्थीन, निस्तिविद व्यक्तियों, न्यादि क्र-- । श्रीमनोहर लाल पुत श्री चानन पाह, दिलबाग राम पुत भीम सेन, वेद प्रशाम, सुभाष चन्द, पुत्र मंगल गेत, णाहबाद।

(ऋन्तरकः)

श्री नरेन्द्र कुमार, रिवन्द्र कुमार,
 पुत्र श्री बाबू राम नजदीक रेलवे स्टेणन,
 बरारा जिला श्रम्बाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोच्छ सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया भन्न करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी जाओब :----

- (क) इस सुचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्स्यक्षिमी व्यक्तियों पर सुचना की तामीस है 30 दिन की अविध, वो बी अविच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में उनिकास की व्यक्ति देशाया
- (क) इस सूचभा को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी जन्य न्याप्त द्यारा अथाहालाक्षरी की पाम लिकित मा किसा जा पक्षीपे।

स्वध्योकस्था — इसमा १०३० १०३० १०३० १०३० १०३० १०३ अस्व विधिनियम के अध्याय १०-१० १० परिस्माधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

म म् स्पूर्व

सम्पत्ति महान नजदीक रेलवे स्टेशन, बरारा में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीएर्ता के हार्यालय बरारा में रजिस्ट्री सं० 7085 दिलाए 21--2-85 पर दिया है।

> बी० एन० खर्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज, रोहतक

दिनांक: 7-·9··1985

प्रकृष आहूर, टी. एन. एस.-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) में भवीन सूचना

भारत सरकार

क्षवित्रम्, सहायक जावकर आवृत्रसः (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, राहेतक

रांहतक, दिनांक 9 अक्तूबर 1985

निद * सं. आइ. ए. सी./एक्यू/करनाल/172/84-85— अतः मुक्ते, बी. एल. सत्री

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के बधीन सक्तम प्राधिकारी को यह निवचस करने का कारण है कि स्थानर संगत्ति, चिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं द्वान नं 8/536 रंलने रांब, करनाल में स्थित हैं (और इससं उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 21-2-1985

को पूर्वेक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मून्य स कम के प्रयमान प्रतिकास के लिए अन्ति एतं की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित गाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल सं, एस दृश्यमान प्रतिकाल के बन्म्स प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पासा यथा प्रतिकास, निम्नसिचित उच्चेय सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत गृहीं किया गया है है—

- (क) नन्तरण संदूर किली नाम की बावत, धनद अधिनियंत्र के जमीन कर दोने के अन्तरक थे दानित्य में क्यी करने ना उत्तरे बचने में सुदिया के बिह्य, शील्/ना
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर नौधनिक्स, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर विधिनियम, वा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित इवारा प्रकट नहीं किया नवा भा ना किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के जिहा;

अतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री जोगिन्द्र सिंह पुत श्री जीवन सिंह, निवासी-अनुभाष कालोनी, करनाल।

(ग्रन्तरक)

2. सर्वश्री गमल नारायण पुत्र लोहरी लोल, लाहोरी लाल पुत्र सुन्दर दास, सुरेख कुमार और यणपाल साहनी पुत्र हरी राम, मोहल्ला नेची वन्द, कपुरचला (पंजाब)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क्रे अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीत ते 45 थिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थारा;
- (क) इस भूभना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलदद्व किसी बन्च व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किसी के में किय का सकोंगे।

स्पद्धिक्षणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों भीर पर्यों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। नवाडी !!

वर्ग्य

सम्यक्ति दुशान नं० VIII/536 रेलवे रोड़, करनाल में स्थित है जिसका विवरण रिजस्ट्रींक्ति के कार्यालय, करनाल में रिजस्ट्रीं सं० 8001, दिनांक 21-2-1985 पर दिया है।

> बी० एत० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्शक्षण) श्रर्जन रेंज, राहतक

विनांक: 9-10-1985

मोहरः

बच्च बार्वः होः स्मः वृष्यः ------

आवक्द अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- (1) के अभीन स्थना

माग्रत स्वरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नामुक्त (किरीकन)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 भ्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/पानीपत/129/84— 85→-श्रन: मुझे, बी० एनः० खती,

मानकर मणिनयम, 1961 (1961 का 43) (निवं ध्यमें इसके परचात् 'उन्ता निविचन' नद्धा नवा हीं, की अरत 269-व के नभीन कक्षम प्रतिकारी का, नह विकास करने का कारण ही कि स्थानर बन्नति, जिसका क्रिक वाचार मुख्य 1,00,000/- रु. ते अर्थिक ही

श्रीर जिसकी सं० भूमि 19 बीघा 4 बिशवा पंट्टी इन्सार, पानीपत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीत तो श्रीधवारी के वार्यालय, पानीपत में भारतीय श्रायवार श्रीधिनियम, 1961 के श्रधीन, दिनांवा फरवरी, 1985

को भूगों कर सम्मत्ति के अपन वाधार वृत्य से कह वे कामान विश्वास करने का कारण है कि यथान्द्रों कर सम्मति का बीचर वाधार करने का कारण है कि यथान्द्रों कर सम्मति का बीचर वाधार वृत्य, इसके क्रयमान प्रतिफल ते एसे क्रयमान प्रतिकल का पंक्र प्रतिकत से अधिक है और अन्वरक (अंतरकों) और अन्वरित्ती (जन्वरित्तियों) के बीच वृद्धे अन्वरम के सिध् वय पाम कक्र प्रविकल, निक्तिवित्त ज्युरोक से उनक जन्वरण जिल्लिय में वास्तिक रूप से काथा वृद्धे अन्वरक क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र का वृद्धे काथा वृद्धे अन्वरक क्षेत्र का का वृद्धे अन्वरक क्षेत्र का का वृद्धे अन्वरक क्षेत्र का का व्यवस्था का व्यव

- (क) जन्तरण वे हुन्द किसी जान की नामत अवस अभिनिक्त के स्थीन कर दोने के अन्तरक के समित्य में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के सिक्ष; सक्ति/का
- (वा) ऐसी किसी बाय या किसी भन वा अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजोधन्ति असीरिती इताय प्रकट नहीं किया वना था या किया बाना चाहिन् था कियाने में स्विधा के सिन्ह;

अत: अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण वैं, जैं, धक्त जीधीनयज की धारा 269-च की उपधारा (1) वे अधीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, वर्षात क्र- सर्वश्री धर्म बीए, योह्न कृष्ण चन्द्र, श्राजाद, राम मोह्न पुतान गोपाल चन्द्र, मोहन, निवासी-251/1 पानीपत।

(भ्रन्तरकः)

 श्री राज कुमार पुत्रान श्री बनारमी लाल मेहता निवासी—पानीपत।

(ग्रन्तरिती)

को संबु कुमना द्वारी करके पृथानित संपरित से वर्षन के किस कार्यपाहिनां करता हुँ:

उक्त संपरित के नर्पन के संबंध में काई भी जाओं :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन की संपष्टि ना तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तस्त्रीय से 30 दिन की अवधि, को बी अवधि नाद में समाधा होती हो, के भीतर प्रविध्य व्यक्तिवों में से किसी ध्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस सूचना के राज्यन में त्रकाकन की वारीच के 45 बिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में द्वितवय्थ किसी मन्य व्यक्ति द्वार अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किस जा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः — इत्रजें प्रयुक्त सन्दां और पद्यों का, या उत्तर जीधनियम, के सध्याय 20-क में परिश्राविद्या ही, तही वर्ष होता, जो उस सध्याय में दिया सका

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 19 बीघा 4 बिशवा पती इन्सार,पानीपत में स्थित है जिसका विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में रिजर्स्ट्रा सं० 5912, दिनांक फरवरी, 1985 पर दिया है।

> बी० एल**० खती** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, रोहमक

दिनांक: 7-10-1985

प्रतस्य जाहाँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

नमर्भाज्ञय, बहायक भागकर नाम्क्स (निक्रीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक

रोहमक, दिनांक 7 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश मं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/रोहनक/51/84-85---श्रतः म्झे, बी० एल० खत्री

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषये अवर्षे इतके पश्चात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-च के उधीन सक्षम प्राधिकारी को सह निस्थास करने का कारण है कि स्थापर सम्परित, जिसका उपित प्राणार मूख्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भृमि 2 कनाल 15.1/2 मरला पड़ा जिला रोहतव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, रोहतव में भारतीय श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 के श्रीम, तारीख 15-2-1985

का पूजींक्ट सम्पत्ति के उचित वाचार मून्य से कंभ के अवजान प्रतिफल के लिए जन्तरित की नहीं ही और कुके यह विश्वात करने का कारण ही कि वधापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र वाचार मूल्य उसके दश्वमान प्रतिफल से, एवंसे दश्यमान प्रतिकल को पत्क प्रतिकत्त ने विभिन्न ही और अन्तरक (जन्म क्यों) और बंतरियाँ (जंबरितियाँ) के बीच एके अन्तरण के किए तथ पावा नवा प्रतिकल, निम्नोलिश्वित उप्योक्त से उसल जंबरण विश्वित में वास्तिक रूप ते किथां नहीं किया क्या है

- (क) अधिरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक कर पासित्व में कभी करने या उत्तत्ते क्यने में सूर्विका के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय था किसी धन मा जन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचन अधिनियम, राधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था था किया आरा चार्क्स था, विभाने जे स्विभा के लिए;

नतः जब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमिति श्रष्णाः पत्नीः श्रीः जगवीर सिंह, निवासी—पोतीपत रोड़, रोहतः।

(ग्रन्तरक)

2 मेशमं इण्डस्ट्रियल कम्बल इन्डिया लिमिटेड, इण्डस्ट्रियल एरिया राजपुरा (पंजाब), द्वारा श्री इन्द्रजीत सिंह भण्डारी, मैनेजर कन्स्ट्रक्शन।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारो करके पूर्वीक्त सम्बद्धिः के अर्चन के जिल्ल कार्यवाहियां युक्त करता हुतं ।

उपत बन्दीस के वर्षन के संबंध में काई भी बाज़ीय :--

- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन का ताराक्ष वे 45 विन की संबंधि वा तत्त्वेंकी व्यावस्था ५६ वृष्णा की ताजीक ते 30 विन की क्षणी, जा भा नविष कद में बनाप्त होती हो, के नीतर पूर्वोक्स व्यावस्था में से किसी व्यक्ति वृष्णा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के जीतर कनत स्थावर सम्पत्ति में हिला-बकुप किसी अन्य क्यक्ति इंगरा नथीहस्ताक्षरी के पत्र मिचित में किए जा ककोंगे।

नगृज्ञी

सम्पत्ति भूमि 2 कनाल 15.1/2 मरला पड्डा जिला, रोहनक में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, रोहतक में रजिस्ट्री मं० 8428 दिनांक 15-2-85 पर दिया है।

बी० एल**० खती** सक्षम प्राधिका**री** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, रोहतक

दिनांक: 7-10-1985

प्ररूप आह".टी.एन.एस.----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-थ (1) के अभीन सृथना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहसप

रोहतक, दिनांक 8 श्रमतुबर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एस्यू०/भिवानी, 29, 84-85--ग्रतः मुझे, बी० एन० खत्री,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उन्कत विधिनियम' कहा गमा है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार बृष्ध 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० म० नं० 139,8, अप्पा कालोनी, भिवानी मैं स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोक्का श्रीधकारी के कार्यालय भिवानी भारतीय आयार श्रीधिनयम, 1961 के श्रीधीन, नारीख रियन 2-1985

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूलय से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गद्या प्रति-फस, निम्निवित नद्देश्य से उक्त अन्तरक मिल्त में वास्त्विक क्य से कथित नहीं किया गया है -

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शास्त्रिक में सभी खरने या उत्तर जन में सुविधा के रित्य; सींग्र/शा
- (ब) एसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्य बास्तियों का, विन्हें भारतीय बायकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्दरिक्षे द्वारा प्रकट नहीं किया गर्था को किया प्रशिक्ष को लिए;

बतः क्या, उसल विभिनियम की भारा 269-न के अनुसरण की, मी, अस्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीत निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--5---346GI/85

श्री मिल्खा राम पुत्र श्री विसन्दा राम पुत्र श्री मूल चन्द , निवासी 139/8, कृष्णा कालोनी, भिवानी।

(भ्रन्तरक)

2 श्री रमेश कुमार पुत्र श्री लाघूराम पुत्र श्री कन्हेंयालाल, निवासी 134/8, कृष्णा कालोनी, भिनानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करफे पुत्रोंक्त संपरित के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मरित के वर्षन के सम्बन्ध में कार्य भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के समपत्र में अयमधन की तानील है 45 दिन की अपिथ या तत्मम्बन्धी स्यक्तिकों इस स्थान की मानील से 30 दिन की अविध, को भी समित वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

पण्डीकरकाः --- इसमें प्रमुक्त कर्वा और पद्यों का, को उक्त अधिनिक्य के अध्याद 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया भवा हैं।

यव संची

सम्पत्ति म० नं० 139/8 जो कृष्णा कालोनी, भिवानी में स्थित है जिसका ऋधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय भिवानी में रिजस्ट्री सं० 3801, दिनांक 27-2-85 पर दिया है।

> बी० एल० **खन्नी** सक्षम प्राधिकारी स**ह**ायक **प्रा**यक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भिवानी

दिनांक 8-10-1985 मोहर: प्रारूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

् श्चर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 श्रवतुबर 1985

ं निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/पानीपत/124/84→ 85---श्रतः मुझे, बी० एल० खनी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि 9 कनाल गांव कावड़ी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावत श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्री हर्ता श्रिधकारी के जार्यालय, पानीपत में भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक फरवरी 1985 को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिपण के लिए अन्तरित की गई है और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्ववश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारियत्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधक्त के किए;

अत: अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण चें. मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के क्षीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---- श्रवंश्री राम लाय पुत्र तीर्थराम, सतीण कुमार, हरीण कुमार पुत्रान सरदारी लाल निवासी परम हंस कुटिया, देव कालोनी, पानीपत।

(गन्नरूप)

2. मैसमं लुधियाता हो नरी एण्ड टैक्स टाईल्स एमोस्पियेशन चीक माधोपुरी लुधियाना द्वारा श्री तरकेम लान जैन युन्न बाबू राम महासांचव ।

(अन्दर्भरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिदित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त सन्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है अ

जन्स्ची

सम्पत्ति भूमि 9 दानाल जो गांव का**बड़ी में स्थित है** जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीवर्ता के कार्यालय पानीपत में रिजस्ट्री सं० 5577 दिनों स्माह फरवरी 1985 पर दिया है।

> बी० एल० खर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर क्रायुच्त (निरीक्षण) क्रजैन रोज,रोहतक

दिशां ७: 10-10-1985

प्रस्त बार्ड ही, एन, एक , क्वान्त-तरकार

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) मी परा 269-प (1) के वधीन स्पना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षक) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 ग्रक्तूबर 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू० फरीदाबाद/27/84-85---श्रतः मुझे, बी० एल० खन्नी,

कावकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्नत निर्मानयम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के नभीन सक्षम प्राधिकारी का यह निर्मास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से निर्मा है

ग्रौर जिसकी मं० म० नं० 1 बी-207 न्यू टाउन शिप, फरीदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फरीदाबाद में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनांक 4-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पिट्त के उचित बाबार मृत्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विकास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिट्त का उचित बाबार मृत्य, उसके दरमान प्रतिफल से, एसे दरयजान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकास से बिधक है और बंदरक (बंदरकों) बीर बंदरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे बंदरण के लिए तम पाया गमा प्रतिफल, निम्नितिषत उद्देश्च से दनत बंदर्य कि सिक में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गमा है है—

- (क) अन्तरम संदूर्ण किसी जाव की बाबक, उचक वीधिनवन की वधीन कह दोने के जन्तरक की वाजित्व में कमी कहने वा उचके वजने में बृधिका के लिए; मीड/वा
- (क) ऐसी किसी काय या किसी भन या क्या कास्तिकों की, जिन्हीं आरसीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा चयकर अधिन्यम वा वा चित्रा वाना चाहिए था, क्रियाने में सुनियभा के विवदः

अतः अतः, उक्त जिनियम की धारा 269-म सः वनुषरण जें, में, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म की स्पर्भारा (1) से अधीन, निम्निविद्य व्यक्तियों है स्वादि स्थान श्री ताराचन्द
 पुत्र श्री दीवान चन्द
 निवासी 1—बी~207 न्यू टाउनिशिप,
 फरीवाबाद।

(ऋन्तरक)

(2) सर्वश्री कंबल नैन, सरजनलाल, पुत्रान श्री रामजो लाल पुत्र श्री राम चन्द निवासी 1-एच-92 न्यू टाउन शिय, फरीदाबाद।

(भन्तरिती)

का वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अखन के रिला कार्यवाहियां करता हूं।

उन्नल संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को ताराक स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेचन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-प्रदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वक्रीकरण र्—इसमें प्रयुक्त क्षम्यों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्म होगा जो उस अध्याय में दिय। वदा हैं∧

नपुष्टि

सम्पत्ति मकान नं० 1-बी-207, न्यू टाउनिशिप, फरीदा-बाद में स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय फरीदाबाद में रजिस्ट्री संख्या 3634 दिनांक 4-2-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, शेह्रतक

दिनांक: 10-10-1985

मःेहर∶

प्रकृष बाहै, टी. एत., एस.,-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्राजेन रेंज, रोहतक फरीदाबाद, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1985 निर्देश सं० श्रार्थं० ए० सी०/एक्यू० फरीदाबाद/30/84-85---श्रतः मुझे बी० एल० खदी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (प्रिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भक्का 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से विश्वक हैं

श्रीर जिसकी सं० म० नं० 5-के 61 है तथा जो फरीदाबाव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय फरीदाबाद में भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 के श्रिधीन दिनांक 15-2-1985

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का नगरण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय श्या गया प्रतिफल, निम्निसित उद्योद्य से उक्त अन्तरण कि किस माना प्रतिका के स्वा माना प्रतिका से किस माना है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-विभिनियम को वधीन कर दोने को अक्तरक को दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा स्टेशिक्ट:
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिधम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के सिए; बीर/या

जत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) क्रुं अधीन; फ्लिम्निलिखत व्यक्तियों, अधीत् ६—— (1) श्रीमती सुशीला कुमारी
पत्नी श्री रोशनलाल तनेजा
नि० 5 के न्यू टाउनशिप फरीदाबाद
द्वारा मुख्त्यारे श्राम श्री फकीरचन्द पुत्न देवी दित्ता
राम निवासी ई-36 नेहरू ग्राउड, न्यू टाउन शिप
फरीवाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री रोशन, सुनील कुमार, श्याम सुन्दर, पुत्रान रोशन लाल नि० 5-के-52-सी न्यू टाउन शिप, फरीदाबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्ष्रेप :--

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की हारीय से 45 कियू की बज़ीय मा तस्सम्बन्धी स्विध्यों पर स्थन। की तासील से 30 विन की नवींथ, को भी नवींथ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्क व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिश्वित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रबुकत शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनिवस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा 8ै।

वन्स्यी

सम्पत्ति मकान नं० 5-के-61 फरीवाबाद में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय फरीदाबाद में रिजिस्ट्री संख्या 4082 दिनांक 15-2-1985 पर दिया है।

> बी०एल० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 11-10-85

मोहर 🖫

सिंह

प्रकृप बाहर् हो, एन्. एस्.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

नाइत सङ्काड

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1985 निर्देश सं० चन्डी०/149/84-85--श्रतः मुझे, जोगिन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कोठी नं० 45 है तथा जो सैक्टर 5, चन्छीगढ़ में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथ्यमान प्रतिगल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं

- (क) जन्तरण से शुद्द किसी भाग की बाबत उक्त मिनियम के अभीत कर दोने के बन्तर्क बं दायित्य में कमी करने या उससे दलने में धृतिभू के स्मिप्त और/वा
- (क) एसी किसी अप वा किसी भन या कन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्क्स अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया एका चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम् की भारा 269-ग क्षं अनुसर्भ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित् व्यक्तियों, अधीत् :—— (1) श्रीमतीं ज्ञान सुखदीप कौर पत्नी श्री मखन सिंह, श्री सरदुल सिंह, जगजीत सिंह पुत्रान श्री भान सिंह, श्रीमती गजेन्द्र कौर ग्रपने लिए तथा बतौर श्रटानीं सर्वश्री कुलबीर सिंह, रिवन्द्र सिंह खोखर, जसिवन्द्र सिंह, खोखर पुतान श्री सुरजीत बहादुर सिंह तथा श्रीमती जसबीर कौर पुत्री श्री सुरजीत बहादुर सिंह निवासी मकान नं० 45, सैक्टर 5, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदर्णन सिंह पृत्र श्री गुरचरन सिंह, श्रीमती गुरणरत कौर पुत्री श्री गुरबचन सिंह निवामी सेवा भवन, नाभा पंजाब)।

(भ्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में काई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक भे 45 दिए की अपिय या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिक्त म्यक्तियों में से किसी म्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण र इसमें प्रयुक्त ग्रस्तों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा है।

का संची

कोठी नं० 45, सैक्टर 5, चण्डीगढ़। (ग्रर्थात् वह जाय-दाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, चन्दीगढ़ के विलेख सं० 1167 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-10-1985

मोहर 🛭

प्रक्य नाइ.टी.एन.एस्.-----

माधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पास 269-म् (1) के मधीन सुमना

माइक स्रकार

कार्यक्रम, सहायक जायकर आयुक्त (निरीजाण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 ग्रस्तूबर 1985

निदेश सं० चन्डी०/176/84~85--श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

मायकर भिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिंदे इसमें इसके पश्चात् 'उपत विधिनयम' कहा नया है'), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाज़ार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 1177 है तथा जो नैहर 34 सी. चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख फरवरी 1985

को पूर्वेक्त सम्मित के उचित बाबार मृज्य से कम के क्रयमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्मित का उचित बाबार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण खिखित में वास्तिक रूप से काथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाथ की नावत, उसते अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्च अधिनियम, या धन-कर विधिषयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ जम्मित्ती त्वारा प्रकट नहीं किया नमा या गा किया चाना जाहिए था, क्रियाने में सुविधा के किस।

क्षः सव, सक्त विभिनियम की भारा 269-ए की वनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अमीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती शान्ता शर्मा पत्नी श्री एम० एल० शर्मा श्री एम० एल० शर्मा पुत्र श्री शाम वास, मकान नं० 1281, सैंक्टर 33 सी, चन्डीगढ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री गुरबङ्श सिंह गांधी पुत्र श्री गोपाल सिंह द्वारा कातूनी वारिस श्रीमती मनजीत कौर गांधी तथा श्रीमती मनजीत कौर गांधी पत्नी श्री गुरबङ्श सिंह, द्वारा श्रीमती सरीता सचदेवा, मकान नं 1053, सैंक्टर 36 सी, चन्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यक्षाहमां करका हूं।

जनत तंपति के मर्थन के संबंध के कोई भी आसोद :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि मा तत्सवंधी व्यक्तियों पर बूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सका है।

भन्स्ची

मकान नं० 1177 सैक्टर 34 सी, चन्डीगढ़। (श्रर्थात वह जायबाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 1297 माह फरवरी 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-10-1985

म्रोहर 🙏

प्ररूप माइं.टी. एंन. एस. -----

जायभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियानाः दिनां रू 11 श्रष्तत्वर 1985

निवेश सं० चन्डीं०/148/84-85---श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकों सं० मंगान नं० 1282 है तथा जो सैक्टर 34 सी, चन्डींगढ़ में स्थित है (और इपमे उपाबद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रींकर्ती ध्रधिकारी के कार्यात्म, चन्डींगढ़ में, रिजिस्ट्रीं रिण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख फरकरी 1985

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफाल से एते द्रयमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में अस्तरिक क्य से कथित नहीं किया गया है ;——

- (क) अन्तरण घेहूदं किसी नाम की बाबत, अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे अभने में सुनिधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अक्षः अब, उक्त विभिनयम की भारा 269-ग के बनुबर्ग में, मैं, उक्त विभिनयम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री मुभाष चन्द चौषड़ा पुत्र श्री नथू राम चौषड़ा तथा श्रीमती रविन्द्रा तुमारी चौषड़ा पत्नी श्री मुभाष चन्द चौषड़ा, निवासी मनान नं० 1282, मैक्टर 34 सी, चन्डीगढ़।

(भ्रन्तर्यः)

(2) श्रीमती श्रमरजीत कार कोहली पत्नी श्री गुरचरन मिह कोहली तथा मास्टर नवनीत लिह कोहली (नाबालिंग) पुत्र श्री गुरचरन सिंह कोहली द्वारा नेनुरल गाडियन तथा माता श्रीमती श्रमरजींत कौर कोहली निवासी, मकान नं० 3372, सैक्टर 46 सी, चन्डीगढ।

(भ्रन्तरितीं)

को यह तुषना बारी कारके पूर्वीकत सम्पत्तिः के अर्थन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हतो, के भीतर पूर्विक्त स्थिकता में से किसी स्थिकत स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति वृद्धारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किसे का सकी।

स्पध्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

मकान नं० 1282, सैक्टर 34 सी, चन्डीगढ़ (ग्रर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रींहर्ता ग्रंधिकारी, चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 1165 माह फरवरीं, 1985 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र निह् नक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लिधयानाः

तारीख: 11-10-1985

प्रारू। आई.टी.एन.एस.

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्यत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंग, ल्धियाना

ल्धियाना, दिनां र 10 धमतूत्रर 1985

निदेश सं० खरड़/94/84-85--अतः मुझे

भिह

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तर्भे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' अस्य गया ही, की वारु 269-व वं अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्ज हैं कि स्थावर संपरित, वितका उचित वाकार मूस्य 1,00,000/- ত. से बिधिक हैं

और जिक्ती संव मान नंव 2622, है तथा जो फंज VII, मोज़लो तहसींव खरड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूती में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रिस्ट्री-कर्ता प्रधि ारी के अर्थाय य, खरड़ में, रिस्ट्रो रण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख फरवरीं, 1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मरुप, उसके इस्थमान प्रतिफल से, एसे इस्थमान प्रतिफल का वन्द्र प्रतिकत से अभिन, है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंस्परिती (बन्तरितियाँ) की बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-क्षत्र निस्तानिस्ति उद्देश्य से जन्त अन्तरण निष्यित में बास्त-ैंशक रूप से कवित न**डीं किया गया है :--**-

- 🚧) सल्हरूप से हुन्। जिसी बाद की बावत, उपस अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की कासिएच में कभी करने या उन्हार वचने में स्वीपधा के खिए; और/मा
- (स) एोसी किसी बाम या किसी धन या अन्य आस्तियों कंड. । जन्मू भारतीय अवि-कर अभिनियम, 1922 (1922 क्य 11) या उक्त अधिनियम, या भेनकर व्यथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्धरिती बुवारा प्रकट नहीं भिन्ना दब्ध भाषा कियाचाना चाहिएचा फिलाने में यविभा वे विष्यः

अंत: अस, सभ्त सीधीनिय की धारा 269-ग को, सनुसरक अर, मैं उभत अधिनियम की भारा 269-व की उपधास (1) है अधीन जिम्मलिशित व्यक्तियों अर्थात हु---

(1) श्रो सतपाल चौपड़ा पुत्र श्री जगदोश चन्द्र. तिवासी मकान नं० 3994, सैक्टर 22 डी. चन्डीगढ ।

(अन्तर्क)

(2) श्रा नरेन्त्र सिंह सहगल पुत्र श्री सरदार सिंह महगल, श्रो बलबीर सिंह सहगल पुत्र श्री नरेन्द्र सिंह सहगत, निवासी मकान नं० 1613, फेज 3 बी-2, मोहाली, तहसील खरड़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति की अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (5) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुपना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मी प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मान नं 2622, फेज VII, मोहाली तहसील खरड़ (म्रयात् जायदाद जो कि रिजस्ट्रींकर्ता म्रधिकारी, खरड़ के विलेख संख्या 4300 माह फरवरी, 1985 के तहन दर्ज र।) ज

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारीं महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, ल्धियाना

तारीख: 10-10-1985

सोडर :

प्ररूप बार्ड . टॉ. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयवर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज, लुधियाना
नुधियाना, दिनांक 10 प्रक्तुबर 1985

निदेश सं० खरड्/95/84-85--श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 100,000/- रु. से अधिक है

और जि की सं महान नं 844, है तथा जो फेज IV, मोड़ानो मेहसीन खरड़ में स्थित है (और इसमे उपावड़ अनुसूचों में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्नी अधिनारी के लागीन्य, खरड़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अजीन, नारीख फरवरी, 1985

का पूर्वोच्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृष्यमान मितिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिशत अभिक है और बन्तरक (अंतरकों) और अंतरितौं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्वदेश से उचित अन्तरण मिसित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीभीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक क वायित्व में कमी करने वा उससे अचने में सुविधा के बिद्य: और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्क अधिनियम वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयंजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरभ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :—— 6—346GI/85

- (1) श्रीमती कैलाण रानी पत्नी श्री जगदीण लाल तिवासी मकान नं० 3946, सैक्टर 22 डी, चण्डीगढ़।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती माविती देवी पत्नी श्री दर्शन सिंह निवासी मानान नं० 844, फेज, IV मोहाली, नहसील खरड़।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में करोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (का) इस सूचना के राक्षात्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन को भीतक उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिए में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय धें विया गया हैं!

अनुसूची

महान न० 844, फेज IV, मोहाली तहसील खरड़ (प्रथीत् वह आयदाद जो ि रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकार्त, रहाद के विलेख संख्या 4301 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र निह सक्षम प्राधिः गरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारींख: 10-10-1985

प्रथम् । बार्च : टी : एन : संस् : -------

बस्यकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (ग्रनराक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांकः 10 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० खरड़/98/84--85----श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंहः

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्नें इसकें परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्तान करने की कारण है कि स्थानर सम्मति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिपकी सं० मकान नं० 1638, है तथा जो फेंज 7, मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पप्से बणित है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के जार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख फरवरी, 1985

को पूर्विक्त संपत्ति को उचित नाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए जंतरित की नई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि बचापूर्विक्त संपत्ति का उचित याबार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का बक्का प्रतिशत अधिक है और मन्तरक (मन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रविक्तन, निम्नितिचित उद्विष्य से उक्त मन्तरण के सिवत में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरम से हुई किसी काय की बाबत, उक्क सभिनियत में अधीम कर दोने के बन्तरक के शॉयल्य में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; क्रीड/का
- (ण) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में पिक्या के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों, अर्थात :--- (1) श्री महिन्द्र मिंह पुर श्री ग्रमर निह् निचासी गाव खानपुर, तहसील खरड़, श्रव कोठी नं० 128, मैंक्टर 20 ए. चरडीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री बखिशन्द्र सिंह पुत्र श्री मिलखा सिंह, निवासी कन नं ० 2044, फेंज VII, मोहाली, तहसील खरड़।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुँ:

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आसीप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनियं या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की संविध, को भी सनिध नाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रांकिए व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति सुधारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस है।

अनुसूची

मकान नं 1638 फेंब VII मोहाली तहसील खरह। (अर्थान् वह जायदाद जो ६ रिनस्ट्रीशर्ता प्रधिशारी, खरह के विलेख संख्या 4391, माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज हैं।)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिनारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्नेक्षण) ग्रर्जन रेंग, लुधियाना

तारीख: 10-10-1985

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन राज, लुधियान।

लुधियाना, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1985 .

तिर्देश मं० खरड़/102/84-85---म्रतः मुझे जीगिद्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थादर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक **है**

और जिसका संव मकान नव 9, है तथा जो फेज JV, मोहाली, तहसील खरड़ में स्थित है (ऑर इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण हम से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तरीख फरवरी, 1985

को पूर्वाक्त संपत्ति के जीचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अतिरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का जीचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्गह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अतः अबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— (1) र्श्व बी० के० घोपड़ा पुत्र श्री केशो नाध, डी० ई० टी० शिमला।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री भगत सिंह भाटिया पुत्र श्री श्रर्जुन सिंह भाटिया, मकान नं० 217, सैंक्टर 37 ए, चन्डीगढ़ श्रद्ध मकान नं० 3, रतन नगर, नई दिल्लीं-110005।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-ह¹, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह²।

अनुसूची

महात ने० 9, फन , मोहाली महसील छुउड़ (श्रयीन् वह आपदाद जो कि रिजिस्ट्रोफ़र्ता श्रधिकारी, खुउड़ के विलेख संख्या 4653 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र िह् सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारंखि: 11-10-1985

महिर:

मुक्तुः नाहुः, हीः एतः, एतः, -----

नायकार निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर बाद्या (निर्दाक्त)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 प्रक्तूबर 1985

निर्देण सं० डेराबस्सी/38/84-85--श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजिल बाधार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि 37 बीघा हु तथा जो गांव िणन पुरा सब तहसीन हेंराबम्मी में स्थित है (और इसमे उपा-बद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप में घणित है), रजिस्ट्रीकरी प्रधिकारी के कार्यालय, डेराबस्सी में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरचरी, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गद्द है और मूफ यह विद्वास करने का कारण है कि यथागूब्धित संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देषम से उचित अन्तरण निश्वत में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त निधिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक को वाक्तिय में कजी कार्यन वा उससे अवने में धुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधि त्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधि त्यम, या धनकर अधि त्यम, या धनकर अधि त्यम, 1957 (1957 का 27) के योज्नार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा है लिए;

सतः विन, उस्त अभिनियम नी भारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उस्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री शाम सुन्दर शर्मा पुत्र श्री किदार नाथ शर्मा, निवामी मकान नं० 229, सैक्टर 9, चण्डौगढ़।

(श्रन्तरङ्) -

(2) श्री छिषिन्द्र सिंह राजवन्त्, पुत्र श्री बीर इन्द्र सिंह एच० यू० एफ० निवासी सकान ने० 1014, सैक्टर 8 सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरितौ)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

बक्त संपत्ति की अर्थन की संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों ६६ स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीता पर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा भकी।

स्वक्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विसा ववा है।

अनुसूची

भूमि 37 बीघा 11 विभवा जो कि गाव किंगन पुरा सब तहसील डेराबस्सी में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिक्ट्रिज़ीक्ती अधिकारी, डेराबस्सी के जिलेख संख्या 1459 माह फरजरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (किरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

त.रीख: 10--10--1985

प्रकमः, नाइर्ड्ड टी., प्रदः, प्रक्रुः, ------

अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत् स्रका

कार्यातय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांबः 10 श्रम्तूबर 1985

निर्देश गं० डेराबस्सी/83 ए/84--85---श्रतः मुक्सं, जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं आर जिसकी सं० भूमि 14 बीवा 15 बिसवा है तथा जो गाव जिसकी सं० भूमि 14 बीवा 15 बिसवा है तथा जो गाव जिसकी सं० भूमि 14 बीवा 15 बिसवा है तथा जो गाव जिसकी पुरा, सब तहसील डेराबस्सी में स्थित है (और इसम उपाबद्ध प्रमुखी में और पूर्ण रूप में घणित है), रिजस्ट्रीफर्ता अधिनशरी के धार्यात्य, डेराबस्सी में, रिजस्ट्री-जरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीज फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अभित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पत्तुह प्रतिद्यति से विभिक्ष है और वन्तरक (अन्तरक है) हैर बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया स्या प्रतिफल निम्निसिवत उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्निवित मूं अस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (का) अंतरण सं हुई किसी आय की बाब्स, उक्त बिभिनियम के अभीन कार दोने को बन्तरक की दायित्य में कामी करने या उससे स्थाने में सुविधा के सिए; बाँड/बा
- (क) श्रेला (कसी आय रा किसी भग र अन्य आस्तियों कर, जिन्हों भारतीन आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, वा अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयाजनार्थ अन्तिक्षि इंबारा क्रकर नहीं किया गया था या किया जाता लाहिए था, खिपाने में सविषय के लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नियखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री चिनोद कुमार गर्मा, पुत श्री केदार नाथ गर्मा, निचासी महान नं० 229, सैक्टर 9, चण्डीगढ़।

(श्रम्तरक)

(2) श्री छिबिन्द्र सिंह राज्यंत, पुत्र श्री विरन्द्र गिह, निवासी मकान नं 1014, सैक्टर 8 सी, चण्डीगढ़।

(प्रन्ति दी)

का यह सूजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष्ट कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मृति के वर्षन के संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण मी प्रकाशन की तारीख से तर धन का मनीच मा तालीपथी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जबधि बाद मीं समाप्त होती हो।, के भीतर पृत्रीकर ब्यक्तियों मी से पिन्सी व्यक्ति हुद्दान
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सित में किए जा सकेंगे :

अनुसूची

भूमि 14 बीघा 15 बिल्या जो ि गांत्र िश्तपपुरा सब तहसील डेराबस्सी में स्थित हैं (प्रथीत् वह त्यायताद जो कि रजिस्तीकर्ता ग्रिधिकारी, डेराबस्सी के विलेश संख्या 1460 माह करवरी, 1985 के तहत दर्ज हैं।)

> जोगि'द्ध सिंह सक्षम ५ धिकारी सहायक ब्रायक्ष्य श्रायुक्त (सिरीक्षण) ब्राजने रेंज, सृधियाना

तारीख: 10-10-1985

प्रकल बाह्य हो एन एस ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) ने व्योग त्वा

सारत प्राच्या

कार्यासय, सहायंक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तुबर, 1985

निर्देश सं० डेराबस्सी/39/84-85--अतः मुझें, जीगिन्द्र सिंह शायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ से मधीन सक्सम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 45 बीघा 12 बिसावा है तथा जो गांघ किशन पुरा सब तहसील डेंरा बस्सी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप मे विणत है), रिक्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, डेंराबस्सी में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकरम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीं फ फरचरी, 1985

को पूर्वोक्स सम्मत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, असके अध्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिशेत्यों) के बीच एसे अन्तरम् के लिए तथ् पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्योगी से उक्स अन्तरण लिखित वे वास्तिकक रूप से कियत नहीं किया गया है हिन्स

- (क) बन्तरून से हुई किसी बाग की वायतु, उबक् अभिनिष्य के अभीत कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; अहि/बा
- (का प्रेसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य जारितयाँ का जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नृशों किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुख्यित के लिए;

कतः शव, उक्त जीभनियम की भारा 269 म के अनुसरण में, में, उक्त जीभनियम की भारा 269 क की उपभारा (1) के तभीन, निम्निसित व्यक्तियों, वर्षात :--- (1) ाईश्री विनोद कुमार शर्मा एण्ड सन्त्र । एच० यू० एफ० तथा शाम सुन्दर शर्मा एण्ड मन्त्र, एच० यू० एफ० पुत्रान श्रीं केंदार नाथ शर्मा, निवासी मकान नं० 229, सैक्टर 9 सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरजीत कौर पत्नी श्री छिबन्द्र सिंह राजवत्न, निवासी महान नं 1230, सैक्टर 8, चण्डीगढ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करुवा हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारी के सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मृन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास सिवित में किस था सकोंगे।

स्थव्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृक्षों का, वा उक्त विभिन्नियम के वृध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वृक्ष हैं।

बनुस्ची

भूमि 45 वीघा 12 बिसवा जो कि गांव किणनपुरा, सब तहसींन हेरा बस्मीं में स्थित है। (ग्रथीत् बह जायदाद जो कि रिजम्ब्रीकर्ता ग्रथिकारी, डेरा बस्मीं के विलेख संख्या 1461 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह् स्थाम प्रातिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, लुशियाना

नार्षिड: 10-10-1985

Notice and the second

प्रकृत मार्च , दी . एन . एन , -----

माश्कर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्थना

शाहत सहकान

बार्यालय, सहायक मायकार वायुक्त (निरक्षिण)

ध्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 ध्रक्तुबर 1985

निर्देण सं० चन्डी/147/84~85~~शतः मुर्झे जोगिन्द्र सिंह आयकर सिंगियम्, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियन' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00000/-छ, से अधिक हैं

1,00000/-ए. से बिधक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 1206 है तथा जो सैक्टर
15 बी. चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के
कार्यालय, उप्टीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अश्रीन, तारीख फरवरी, 1985
को पूर्वोक्द संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्इ
है और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से
एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह श्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से
उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया
गया है:—

- (क) बन्तरक दं हुई किसी बाय की सावतं, उक्त व्यथिनियम के वधीन करू दोने में अन्तरक को वाजित्य में कमी करने वा उससे स्थले में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (श) हरी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्म अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया शा का किया जाना भाहिए था, स्थिपाने में सुविधा वै निए;

बत. कथ, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग की बनसरण बो, मी अक्त विभिनियम की भारा 269-ग की उध्यादा (1) को अधीन, निस्तिखित व्यक्तियों, अधीत् उ—— (1) श्री डी० पी० मोहन, पुत्र श्री जगन नाथ, निवासी मझान नं० 1206, सैन्टर 15 बी, चण्डीगढ़।

(श्रन्तरक)

(2) श्री जनक सिंह

पुत्र श्री जामन सिंह,
श्रीमती जसवन्त कौर

पत्नी श्री जनक सिंह,
द्वारा मैं० ग्रोरिएण्टल होटल एण्ड रेस्टोरेंट,
4-दर्णनी गेट, देहरादुन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त नम्परित के वर्जन के सम्बन्ध मी कोड़ा भी आक्षण ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी नविभ बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक प्रक्रित हों, के भीतर पृथींक प्रक्रित हों।
- (का) इस सूचना के गुजपक में प्रकाशन को तार्गक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थानत क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल निकित में किए वा सकोंगे।

लिकाकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्वो का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जजा है।

अमुसूची

म भान नं भ 1206, सैक्टर 15 बी, चण्डीगढ़। (भ्रथीत् वह आयदाद जो कि रिभिन्द्री हर्नी अधिकारी, चण्डीगढ़ के बिलेख संख्या 1159 माह फरवरी, 1985 के नहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह् मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-10-1985

प्रचम बार्च . दौ . एन . एस . ------

जायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० चण्डीगढ़/179/84--85----ग्रनः जोगिनद्र सिंह शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उनित पाजार मुल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है श्रीर विसकी मं० प्लाट नं० 435 है तथा जो सैक्टर 37 ए, चण्डीगढ में स्थित है (ग्रौर इतंग उपात्रह अनुसूची) में ग्रीर पूर्व रूप ने वर्णित है), दिवस्थोक्ती अधिकारी के दार्थान्य, चर्ण्डागढ में, राजिस्दीकरण ग्रिधित्यम, 1908 . (1908 ः। 16) के अधीन, तारीख फरवरीं, 1985 का पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के ।लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आरक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िकपानं में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री विजय मिलक पुत्र श्री दुनी चन्द मिलक नथा श्रीमती सन्तोष मिलक पत्नि श्री विजय मिलक, निवामी मकान नं० 671, मैक्टर 11 बी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गुरदीप कौर परित श्री जोगिन्द्र सिंह, मकात नं० 349, सैक्टर 37 ए, चण्डीगढ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हित- विद्या किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अतसची

प्लाट नं० 435. सैक्टर 37 ए, चण्डीगढ़। (श्रर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 1317 माह फरवरो, 1985 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायकष्प्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना ·

तारीख: 11-10-1985

प्रकृत बाह्यै हो । ध्रा ्स . -----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 259-व (1) के वाबीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर अध्यात (निरीधण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुबियाना, दिनौंक 11 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० चण्डी०/173/84-85--- प्रतः मुसे जंशिन्द्र

शायक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें (सक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ज्या हाँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण ह कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ब जार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 1837 है तथा जो सैक्टर 34 डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इ भे उपादब अनुसूत्ती में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्होलती अधि हारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिल्द्रीकरण प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के अधोन, नारीख फरवरो, 1935 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उधित दाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण **ह**ै **कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृ**ल्य, जनके **रह**य--मान प्रतिकल से, एर इश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से **आधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और** अनुस्ति। (अनुसिन्धाः) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपल, निम्न-लिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिभित मा बाग्तिक रूप से कांथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण सं**हुइ** किसी आरथ का क्षाबत, उक्त **अधिनियम के अधीन कर दाने के** अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचनं व मुविधा के लिए; बौर/या
- (७४) पुर्सी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियाँ का, जिन्ही भारतीय अध्य-कर अधित्या, १९०० (1922 का 11) या उक्त आंतिपाय, ज नव-कर् कांधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाल-नार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट कहा । फिया क्या धा **या किया** भागा भाहिए धर निपतने सं श्रुपिश्रवा के लिए;

चन अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं अच्छ अधिनियम की भारा १००-४ की उपधारा (1) 🗚 अर्थ ज. भिम्निविधित व्यक्तिमाँ, अर्थातः :----7 ---346GI/85

(1) श्रोमतो दाविन्द्र कीर पत्नो श्री कुलदाय सिंह निवासी मकान नं० 662, सैक्टर 33 बी, चण्डीग∉ ।

(अन्तर्क)

(2) डा० भजन जिहु ग्रेंबाल, पुत्र श्री गण्जन सिंह, मकान नं 281, लाजभन नगर, जालन्धर्।

(भ्रन्तरिती)

को मह सुचना जार। करके पूरीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यव हियां शुरू करता हुई।

उच्त सम्पत्ति कं अर्जन के सम्बन्ध म∵ कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन को सारीस स 45 दिन की अवधि या तभावनधी व्यक्तियाँ । सुबना की तामील से 30 दिन की अधिक, जो भो अवधि बाद मों समाप्त ड्रोर्स हो, के भीतर पूर्विकर व्यक्तिस्तो में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (स) इस अधना के राजधन में प्रकाशन की साराख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पाना मा हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधाहस्ताक्षरी के पान 🔧 🕝 मा विकार का सम्कों में 🥫

स्पट्टां हरण :---हसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त धार्भियम के प्रभ्याय 20-व म परिभाषित हैं यही वर्ष होगा, ज उस अध्याय में दिया

भकान नं० 1337, भैक्टर 34 डी. चण्डीगर्। (प्रथित् वह ायदास जो के रजिस्क्षेत्रती भ्रोधकारो, चण्डोगढ़ के वित्रेख संख्या 1279 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है ।)

> जांगिन्द्र सिंह सक्षत प्राधिकारी महाय र प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-10-1985

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भायां लय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जंग रेंज, लुजिराना लुबियाना, रिनाँउ 10 अम्तूबर 1985 निदेश सं० लुबियाना/649/84-85—ग्रतः मुझें जोगिन्द्र

सिह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'सकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क धो अधीत रक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ियौर ितकी सं० फैट्टी निर्हिश नं० वि-23-569 (नं० 12 ए०) है तथा जो टैकाटाईल कारोनी, लुधियाना में स्थित है (ग्रोर इससे उराबढ़ ग्रमुस्वी में ग्रौर पूर्ण रूप से विजत है), रिल्ट्रीकर्ता ग्रिधियारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिल्ट्रिकर्रा ग्रिधियार, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास एको का कारण है

कि यथा पर्वोदत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एने दश्यमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के धीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में लक्न अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) गोगी किसी अगा या फिर्मी धन या अन्य आस्तियों की, िरही भगनीय समरूर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धनगर अधिनियम, या धनगर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्राचेगार्थ कर्लियों हिल्ला प्राच्च किया नियम जाना किया जाना क्रिया गया के लिए;

अतः अतः, जनतं अभिनियमं की धारा २६०-मं के अनसरण में, में, जनतं रुधितियमं ती धारा २६०-मं की उपधारा (1) है अभीतः, रिक्टिकिकिट व्यक्तिस्मों, अर्थातः :— (1) श्री चमन लाल भाटिया पुत्र श्री दौलत राम भाटिया, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रकाश कौर पत्नी श्री भगवान सिंह तथा श्री परमजीत सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह, निवासी ए-13, पंचवटी कालोना, दिल्ली-33 श्रव ए०-12, टैक्सटाईल कालोनी, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अत्रिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फैक्ट्री बिल्डिंग नं० बी-23-569 (नं० 12 ए), टैक्सटाईल कालोनी, लुधियाना। (स्रर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीवर्ता स्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 11646 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-10-1985

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.----

भाषकः अभिनिवसः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय . सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांच 10 श्रक्तूद्वर, 1985 निदेश सं० लुधियाना 660/84-85--ग्रतः मुझे जीभिन्द्र सिंह

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का., यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य :

1,00,000/- रत. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० महान नं० वी-8-219 का भाग है तथा जो मोधपुरा रोड, लुखियाता में स्थित है (म्रीर इससे उपा-दह अनुसुंची में म्रीर पूर्ण रूप रे विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता मिन्ना के राजीया, लुखियाता में, रिजिस्ट्रीकरण मिन्ना, 1903 (1903 का 16) के भवीन, तारीख फरवरी, 1985

को प्यांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाखार मृत्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, रिम्निलीखल उद्देश्य में उद्धत अन्तरण निश्चित्त में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण अ हुई किसी आय की बाबत उक्त सिंध-विश्वस के संधीन कर दोने के बन्तरक के बासित्ल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीण/वा
- (क्ष) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तिओं को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) सर्वश्रा देश शिह पुत्र श्री गणपा राय, वीर हिंह पुत्र श्री राम शिह, श्रीतको यायन्त कौर पत्नी श्री राम शिह तथा श्रीशी परमजीत कौर पत्नी श्रा कुलम्स शिह, नियसी गणप नंव बी-8-219, मोलपुत रोड, लुधियाना।
 - (अन्डारिती)
- (2) सर्वश्री प्रकाश चन्द तथा देशो राम पुत्र श्रो हंत राज, गोजा राम तथा दनारसी दार पुतान श्री राम गोपाल, निवासी 494/9, हरपाल नगर, लुवियाना तथा तर्वश्री राम नारायण, सीता राम, हरशोल कुमार पुतान श्री नन्द लाल निवासी 1835, बरती ह्रयदुता पुर, लुवियाना। (हमारिती)
- (3) रार्वश्री विकास बार इसहुआ सथा एस नारायण। (वह व्यक्ति), जिस्की इस्विभोग में सम्पत्ति है।)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शृरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन क सम्बन्ध मा कोई भी आक्ष्य :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की वविध यह हत्संबंधी व्यक्तियां पर स्वता को तामाल स 30 दिन की अविध , यां भी वविध बाद में तमाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्ति में ते गारता व्यक्ति व्यक्ति में ते गारता व्यक्ति व्यक्ति ।
- (ख) इस सूचना के राजँपत्र में पद्मायन की लारीक खं 45 दिन के भातर उक्त म्यान्य मध्याद्य मा कित-वद्य किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, प्रशेहस्ताक्षरी के पास लिखित मा स्थान का स्थान ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, बहां अथ हाला. बाह्य अध्याय मा दिया गरा है।

अनुसूची

मतान नं० वी-3-219 ता भाग, का-3प पायार, लुधियाना, वर्षात वह पायाव जो ि सी एई ती श्रीध-वारी, लुधियाना के विकेश सं० 11836 साह फायरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

> जोनिन्द्र जिह राजय प्राधि गरी सहायक श्रायक्षर स्रायुक्त (विरीक्षण) श्रजीय रेंग,लुधियाना

तारीख: 10-10-1985

प्रस्थ आ**इ[‡]. टी. एन. एस**. --------

आयकार आधिनियम, 1961 (1961 **का 43)** की भारा 269-- । (1) के अभीन सुषता

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुशियाना लुधियाना, दिनांक 10 श्रवतूदर, 1985

निदेश सं० लुधियाना/661/84-85----ग्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 431 (जिसे इसके इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269 के अकी सक्षम गणिकारी का, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थापर नम्पति, जिसका जीवत बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर िशकी संव महारा नंव वी-3-219 रा भाग है तथा जो मोजपुरा रोड, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इस्ते: उपार इ श्रीपुची में श्रीर पूर्ण का ते विशिष्त है), रिवस्ट्रीयनी श्रीधनारी के वार्यातम, लुधियाना में, रिवस्ट्रीयनण अधिनियम, 1908 (1908 रा 16) के श्रवीन, वारीव फरवरी, 1985 की

क्षा पूर्वियत संपत्ति की उत्तित बाजार मूल्य से कम के क्ष्ममान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्व हर अपने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति हम उत्तिक बाजार कृष्ट्य, उसके द्वामान प्रतिकल में, हो क्षममान प्रतिकल का सम्द्र प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्वों) के बीच एसे अन्तरण के लिए इय गया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि हिए इय

- (क) शास्त्र सं सूत्री किसी नाय की भागस तमत श्रीध-दिसार को सभीन कर दोने के स्टब्ट के के दाशिट को सभी करने या उसते अपने यो सुविभा के किए; सार्थ मा
- [क] दुनी किसी अप मा विशी भन्न मा बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाटकर बीधानयम, 1922 (1922 का 11) या उका बिभानरम् मा भन्न अप जीभानयम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तीरती इंदार प्रकः नहीं किया भया जा या किया जाना चाहिए था छियाने थें सविभा के सिधः;

अतः अतः, अक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण मी, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) से अधीन, निम्हितिशत व्यक्तिमी, नर्गत ह— (1) शासको पापना कौर पत्नी श्री बीर विह, श्री बार विह पुत्र श्री राम विह, श्रीनती परमजीत कीर पत्नी श्री कुताना सिंह, श्री देखा सिंह पुत्र श्री गणात राम निवासी बी-8-219, मोब-पुत्र रोड, तुनियाना।

(क्क्नरक)

(2) एवंका राम नारायण, सीता राम, श्रकोत कुमार पुतान् श्री नन्द लाल निवासी 1835, श्रद्धला पुर, लुधियाना।

(भ्रन्त.रंती)

को बहु मृजन जारी करक पूर्वीचन कव्यक्ति के क्यांन के जिल् कार्वकाहियां करता हा।

्रवत सम्पतन की नगीन की सम्बन्ध मी नाएक भी बारक्षेण ५---

- (क) इस बुचना के राजपण में प्रकाशन की सारीस सं 45 देवन की अविध मा उत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की खनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर वृत्येंक्स विविक्तां में सं किसी व्यक्ति ध्वास;
- (ख) इस श्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक की 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वश्रहस्ताकारी के पास विश्वत में किए जा सकीने।

स्थव्यक्षिरणः --- इसमें प्रमुख्य सक्यों और पर्यों का, जो जन्य अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिआविध हैं, यहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

महान कि भी -3--219, मोधपुष क्षाजार का हिस्ता, लुबियाना। (शर्यात् अह जागदाद जो कि एजिन्द्रीहर्ता अधि-कारी, लुबियाना के जिनेख संख्या 11337 गाह फलबरी, 1985 के वहुग दर्ज है।)

> जोगेन्द्र िह रक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्षर प्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रैंज, लुधियाना

तारीख: 10--10--1985

प्रकृत सार्वः **टी. एम. एस.------** (1) श्री सर्वेत्र (1) विक्र पर भी अधील विक्र

आध्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

नारत सरकार

कार्यानय, महायक आएकर अप्युक्त (निरक्षिण)

भ्रजीत रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनोंः 11 ग्रक्तू रर 1985 निदेश सं० लुधि०/654 ए/84-85---ग्रतः मुझें जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं जिसकी नं बी: 18-3652/5 एवं/3 रा हिस्सा है स्था जो ग्राम फोल्ड माडत ग्राम, सुधियाना में स्थित है (ग्रीर इस्टें: उपा द्ध समुमुद्धी में ग्रीर पूर्ण रूप र विभिन्न है), रिल्ट्रिस्ति शिधिस्तरी के स्थालिय, लुधियाना में, रिजर्स्ट्रीस्पण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के शार्धान, सारीख फरवरी, 1985 को

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान अतिफाल को लिए अन्तरित की गई हैं कि मूओ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्श्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पल्दर प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे बनारण अविष्यत्व गाया न्या प्रतिशत किया गया हैं:—

- (क) व्यापण संहुइं तिल्यी व्याप की घटता. अवस्त मिश्रितियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दाणित्व में कमी करने या उत्तरे वनते में 'पृथिक' के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय जाय-जन कार्यानव्यत्र, 1922 (1922 का 11) भा उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बागा था, कियाने में स्विधा के खिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रो हरवेर पार हिंद पुत्र को उपनेब निह, 185, पीत फील्ड, नाउन ब्राप, लुशियाना। (प्राप्त)
- (2) श्रीनिती यनजीत कीर पत्नी श्री तस्ती जिंह, निवासी बी-18-3652/5 एड०/3 ग्रीट फील्ड, नाडल ग्राम, लुधिशता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के वर्जन के जि कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की एए एक सैं 45 दिन की अवधि या तत्सं चेत्री व्यक्तियों पर सूचना की ताथील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद मी समान्त हातं। तो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मी से विश्ली व्यक्ति व्यक्ति।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति मों हितबद्ध । किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सक्षेत्र ।

स्यथ्दीकरणः — इसमा प्रयुक्त सब्दों कोर पदों का, आ उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क मो परिभाषित है, यहाँ अर्थ होना के उस हामाय में दिया गया है।

अनुसुची

मधान नं० वि:-18--3652/5 एच०/3 या हिस्सा, ग्रीन फील्ड, माडा ग्राम, लुवियामा। (प्रयति पायदाद जो दि रिअस्ट्रोधार्ती खवियारी, लुवियामा के विशेख संख्या 11738 माह फरवरी, 1985 के सहा दर्ज है।)

> जोतेन्द्र सिंह ाक्षम प्राविारी सहायत ग्रावकार श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-10-1985

प्रस्य सार्वः ती. (स. एवं. एवं.

काथकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांः 10 ग्रन्तूबर, 1985

निदेश सं॰ लुधियाना/633/84-85---ऋतः मुझे जोगिन्द्र सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1951 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.30,030/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० महान नं० वी-20-1157 हा हिस्सा है तथा जो सराया नगर, लुबियाना में स्थित है (श्रीर इस्ते उपाद अनुसुनो में श्रीर पूर्ण रूप ो गणित है), रहिस्ट्रोहर्ता श्रीध हो के हार्यास्य, लुबियाना में, रिजिस्ट्रोहरण श्रीधिनियन, 1908 (1908 वा 16) के श्रीभन, कारीख फरवरी, 1985

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अतरिय के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक मूप से विश्वत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त आधानयम कु अधीन कर दान का अन्तरक त आधानयम के अधीन कर दान का अन्तरक त आधानयम के साम करने या उल्याबकने से सुदि के सिहा; करिया
- ्षा एसी किसा आए या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपता राधिनयम, या धन-राण अधीनयम, 1963 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तीरती द्यारा रकार रही किया शया था या किया जाना चाहिए था, खिपानी में सुविधा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियमं की धारः 269-म के अनुसरण भाँ, में , उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) को उधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) सर्वश्री जगजीत जिह, जगमीत जिह, अवतार जिह पुत्रा श्री बदन जिह, निवासी गांव फुलां बाल कहसील लुबियाना द्वारा खटानी श्री विपन कुमार पुत्र श्री दत्र राज, 745, सरगोबा कालोनी, लुबियाना।

(अन्तरकः)

(2) श्री प्रेम कुनार पुत्र श्री भगत राम, निवासी एसं-18, विदास नगर, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन कं सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधिय तद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका पारितारों में से किसी व्यक्ति त्यारा:
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीतर उपन स्थावर सम्पन्ति में जितबहुध किसी अन्य पारित दुनारा अवोहस्ताक्षरी के पास स्थितन में किए का सकार।

स्थ्यतिकरणः--इसमे प्रपुत्त शब्दों और नदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मजान नं० बी-20-1157 दा हिस्सा, सराया नगर, लुधियाना। (प्रयोत् वर् जायदाद जो हि रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधि-कारी, लुधियाना के विजेब तंच्या 11383 माह फरवरी, 1985 के तहा दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रीज, लुधियाना

तारीख: 10-10-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेट, लुधियाना लुधियाना, दिनांच 10 श्रवत्वय, 1985 निदेश सं० लुटियामा/634/34-85— श्रतः मुझे, जोगिन्दर हिंह

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिजका संगम तन नंग वी - -1157 है तथा जो सराया नगर, लुधियाना हा दिया में स्थित है (ग्रीत इससे उपाबह ग्रन्तुन में ग्रीत पूर्ण गय से प्रणित है), रिवस्ट्र मर्ता ग्रिधितरों के ए.प्रिट्र, लुधियात में ए.प्रिट्र, प्रणित प्रिक्ति है। ए.प्रिट्र, लुधियात में ए.प्रिट्र, प्रणित्र प्राप्ति स्थान, तार ख फरनरी 1985

को प्रविकत सम्पत्ति के उचित काजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफत के लिए काजरित का का है कि प्रशास करने का कारण है कि प्रथाप्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एमें दश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससं अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किशी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व क अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) प्रश्नित प्राजातः हिंह, प्रयम्तिः रिष्ट्, अवसार सिंह पुदान श्रात वयन विहः, निवासः गांव फुलावाल तहसःल लुधियाना द्वारा अटानी श्रात विपन कुमार पुत्त श्रातदेव राज निवासः 745, सरगोधा ालोनः लुधियाना।

(अन्तरङ)

(2) श्रा प्रेम कुमार पुत्र श्रा भगत राम, निवासः एउ-18, विकास नगर, लुधियाना।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनु सूची

महान नं वं:-XX-1157 हा हिसा, राह्या नगर, लुधियाना (प्रयीत् वह जायदाद जो ि रिक्ट्रिट्र वर्ता ग्रिध-हारो, लूधियाना के विलेख संख्या 11425 माह फरवर, 1985 के तहत दर्ज है।

> जोषिन्दर सिंह ्क्षम प्राधि ारः सहायतः स्रायकर स्रायुकः (तिरक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारे:खः 10-10-1985

प्रकार साहि । हो । एवं । एस् - - ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**य**नः

भारत तरकार

कार्यालयः, सद्घयक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) श्रार्थनः होतः, लुधियाना लुखिसम्बद्धाः, धिरां : 11 अक्तूबर, 1985

निदे: भं० 5.92 / 162 / 84 - 85 - अंतः मुझ, जोगिन्दर िष्ट,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'डजन अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260-छ की लोन सदस्य प्रतिभागी को गह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थानर संघत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-राज्य शें अधिक हैं

अंति विकास के प्लाट नंक 2, है तथा जो द्रांस्पोर्ट एर या, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (अंति उपी. उपाय अस्तुमा के प्राप्त पूर्ण कर के विजन हैं), प्रतिभूतानी प्रधि तर वे ए येलिय, चण्ड पढ़ में, रिक्ट्रिक्ट किया किया, 1908 (1903 त 16) के प्रधान, वाराक्ष करावा 1985

की पृथिकत सम्भात क उच्चित अजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिष्य के लिए अव्योदित की गई ही और मूझे यह विश्वास करने का उपनि हो कि म्यान प्रतिष्य करने का उपनि वाजार मृत्य, उसके दर्यभान प्रतिष्य से, एसे दश्यमान प्रतिष्य का पेंद्र प्रतिष्य से अवरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्य ही कि विश्व से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्य ही कि विश्व से अवर्थ अन्तरण जिल्ला में अवर्थ के स्वर्थ के उसके कि विश्व से कास्तरिक के विश्व के विश्व में कास्तरिक के विश्व के

- (क) अन्तरण थं हुए कि सी बाम की बायत, खक्त कांश्रीनयम के सब्धन कर दान के अन्तरक के शरीयत्व मी कभी कारत या उसके वण्न मी सुविधा के लिए; और/या और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों का, कि हैं भारतीय आय-वार ऑधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधालनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया का किया जाना साहिए था, कियान में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैतर्स न्तु भूत उल्लोहे कं प्राई० लिशिटेड, इत्य श्रा ख्रा के वैनः चैवरमन , गोधानेट, प्रमृतरात । (प्रनारक)

2 श्री सतनाम जिंह पृत्त साहार लघा जिंह द्वारा दिल्ला पंजाब गुडनर कराम (रिजिस्टर्ड) जा० टा० रोड, पटेल चींड, जालन्बर दिटी। (2) मैसर्स गिल सेंधू हिस्साणा ट्रालपोर्ट कंक द्वारा श्रा हाजना विहा हैंड ग्राफिस गुड़गांव हरियाणा।

को यह सुचन। जारी करके पूर्वीयत संपरित के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हा।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंडंभ में कांग्ने भी काश्चीप :~~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 है के को अभीष या एत नेथी अधिकता एक सूचना भी तासील ले 30 दिन की अभीष, को भी आषि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वित अधिकारों की को किया है।
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित्बक्ष किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षणों के पास निर्माण व विष्यु जा नवारि।

स्पष्टीक रणः --- धसमी प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अभिनियम के बन्धाय 20-क मी परिशाधित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिया स्या ही !!

जम् स्ची

प्लाट नं 2, ट्रांशिट एरिया, चण्डीरहा। (ब्रथीत् चर् बायराय जो ि रिटिस्ट्रॉंर्ज़ी शकितरीं चण्डीगढ़ के विकेट संख्या 1236 माह फल्बरी, 1985 के तहा दर्ज है।

> जोगिन्दर िह् सक्षम प्राधिकारी सहाद : भ्रास :र भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोंग, लुधियाना

传讯:: 11-10-1985

माहर ः

प्रकृष कार्य : टी : पन : प्रस्ताननननन

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

लुधियाना , विनांस 11 अस्तुबर 1985

निवेश सं० चण्डी/181/84-85---श्रतः मुझे, जोगिन्दर सिंह,

नायकए निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उनत् अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 35%, है तथा जो सैक्टर 38 ए, चण्डींगढ़ में रियत है (और इससे उपायद्ध अनुपूची में भीर पूर्ण रूप से प्रणित है), रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिशारी के कार्यात्म, चण्डीगढ़ में रितस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीज फरवरी, 1985,

(1908 का 16) के अधीन, तारीं फरदरी, 1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूमों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुइ किसी साय की बाबत, उसत बीधीनयम के स्थीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे व्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, स्थिपने में सविधा है सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम वर्षे धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 8 —346GI/85 (1) श्री रामजी दास द्वारा उनका घटानी श्री केंब्र केंब्र गोयल, मशान नंब्र 1267, सैक्टर 22 बी चण्डीगढ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बीर कौर पत्नि श्रीं सुदर्गन सिंह, मकान नं० 378, सैंक्टर, 38ए०, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के कर्जन के सिध कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

रुक्त संपत्ति के क्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सक्तेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है है

अनुसू**ची**

प्लाट नं० 358 सैफटर, 38ए चण्डीगढ़ (स्रथांत् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्री हर्ती स्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 1327 माह फरवरी, 1985 के तहत वर्ज है)।

> जोगिन्वर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, लुधियाना

विनोह: 11-10-1985

मोहर 🛭

प्रसन्द आहे. टी. युव. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्**व**ना

मः रल भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर <mark>मायुक्त (निरीक्षण</mark>)

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना, लुबियाना, दिनांक 10 ग्रक्तूबर 1985

निदेश सं व्यन्डी ०/170/84-85— प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, शायकर अधिनिया, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार किया अधिकारमां कहा गया हो), की धारा 269-19 के विकास करने का कारण हो कि समावर नंगीतित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. सं अधिक ही

और जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 2, हैं, तथा जो सैक्टर 24, चण्डीगढ़ में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वंणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक फरवरी, 1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के रिनंत बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित माजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योध्य से उसत अंतरण निविद्य में बास्तिक एप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियद के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व के कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए? और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हों भारतीय अपयाकर अधिनियम, 1922 (1922 था 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वीरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण के, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हे—

- श्रीमती रिमन्द्र कौर, पितन श्री कुलवीप सिंह, मकान नं० 564, सैक्टर 8-सी, चण्डीगढ़।
 - (मन्तरक)
- श्रीमती गुरदियाल कौर पितन, श्री रंजीत सिंह, श्री मेवा सिंह, पुत्र श्री रंजीत सिंह, श्री मोहन सिंह पुत्र श्री रंजीत सिंह, निवासी गांव, सदीकपुर, तहसील सिरहिंद, जिला पटियाला।

(मन्तरिती)

का बृह त्यना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त बस्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किस का सकेंगे।

स्वक्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा स्वा हैं।

अमुसूची

एसं० सी० एफ० नं० 2, सैक्टर 24, चण्डीगढ़, (प्रयांत वह जायदाव, जो कि रजिस्ट्री हरण प्रधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 1264, माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निराक्षण) भर्जन रेंज, लुधियान

दिनांकः: 10-10-1985 मोहर्

प्रकृप कार्ड . ती . एन् . एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन समना

बारव चरका

फार्यांलयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 श्रनतूबर 1985

निर्देश सं० ऊना/1/84-85--- ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंहः नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उत्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ब के अरधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- र**ः. से अधिक ह**ै और जिसकी सं० भूमि 37 कनाल, 18 मरला है, तथा जो गांव रायसारी, तहसील तथा जिला ऊना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यामय, ऊना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक फरवरी, 1985 को पर्वोक्श सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गुई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाबार मुन्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नसि**विष्ठ** उद्देश्य से उक्त अन्तरण लि**वित में नास्त**-विष रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/बा
- (भा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 ता 11) या उन्हें अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (३३५७ का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

कतः जब, उक्त जीभीनयम की भारा 269-व की जनसरक को, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) अ अभीन, न्यानिविद्य व्यक्तियों, क्यांत् क्र—

- श्री रामनाथ पुत्र श्री शिव लाल, निवासी गांव रायसारी, तहतील तथा जिला ऊना । (श्रन्तरक)
- 2. मैंसर्स नवज्योति, इंजीनियर्स प्राईवेट लिमिटेड, गांव रायसारो, तहसील तथा जिला ऊना(हि० प्र०) (स्रन्तरिती

को यह सुभना जारी करके पृत्रोंक्त सम्मित्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में शकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविध या तत्संजभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पुनारा;
- (थ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उन्हों स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी, के पास लिश्वित में किए या सकीने।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाें का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया हैं

अनुमूची

37 कनाल, 18 मरला, भूमि जोकि गांव रायसारो, तहसील तथा जिला ऊना (हि॰ प्र॰), में स्थित है। (ग्रर्थात वह जायदाद, जोकि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, ऊना के विलेख संख्या 152 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, सुधियाना

दिनांक: 8-10-1985

मोहर 🖫

प्रस्य बाह् . टी. प्रन. प्रस्तानननननन

बायक्ष विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-व (1) के बंधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर जायक (निर्काण)

धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 8 अक्तूबर 1985

निदेश सं० चण्डी०/154/84-85---श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर ब्रोधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

कोर जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 8, है तथा जो सैक्टर 8-सी, चण्डीगढ़ में श्रिश्यत है) और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है दे—

- (क) अन्तरणुस् हुइ किसी भागकी वावला, उक्त विधिनयम के अधीन कुद्र दोने के अन्त<u>रण</u> खे वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा खे सिए; बीद्र/वा
- (च) एंसी किसी जाय या किसी धन या जम्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उपन अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री रामगोपाल, बंसल, पुत्र स्व० श्री किशोरी लाल बंसल, निवासी मकान नं० 1225, सैक्टर-19 बी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

2. श्री, तरिविन्द्र सिंह, श्री जगमोहन सिंह, तथा श्री सुरजीत सिंह पुतान, श्री गुर विता सिंह, निवासी मकान नं० 2084, सैक्टर 61, फीज-7 मोहाली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष्क कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वात के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वात कि तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्दूध किसी जन्म स्थक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्यक्ष्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं । वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया स्या है।

धनुसूची

एस॰ सी॰ एफ॰ नं॰ 8, सैक्टर 18-सी, चण्डीगढ़, (भ्रथांत वह जायवाद जोकि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, सुधियाना, के विलेख संख्या 1182, माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

> ुजोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियाना

विमान 8-10-1985 मोहर: भक्ष मार्डं.टी.एन.एस. ------

बायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

बाउद स्टब्स्ड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>र</u>िक्षण) धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 प्रक्तूबर 1985

निवेश सं० चण्डी०/160/84-85 — ग्रातः मुझे, जोशिन्द्र सिंह, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका अचित् वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. प्रे अधिक हैं

और जिसकी सं क्षान नं 7, है, तथा जो सैक्टर-33ए चण्डोगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से याणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1985

को पूर्वे कित. संपृत्ति को इचित बाजार मृत्य से कम को स्वयमान प्रिक्षिक को लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कि सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तिरितियों) को बीच एसे बन्तरण के सिए त्य पाया ग्या प्रदि-स्व विश्वास व्या किता व्या किता

- (क) अन्तरण से हुद्दे किसी आय का बाबत, उक्त विधिन्दम् के व्योग कर देने के जन्तरक के बासित्य में क्रानी कहते वा उसने देवने में बृत्या के विष्यु: व्यक्तिया
- (क) एकी किसी बाय वा किसी वन वा बन्य वास्त्वां को, जिन्हें भारतीय वाय-कर सिंधनियम, 1922 (३.322 का 11) या उक्त अधिनियम, वा बन-कर अधिनियम, वा बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अँ प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए?

अक्षः अव, उक्त विभिन्निम की बारा 269-व की विवृत्तरक ग्रें, भें, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) की के विभीन, निम्कृतिखित व्यक्तियों, वर्धात्:— श्री ग्रजभेर सिंह सुपुत्र, श्री लेख सिंह,
 निवासी मकान नं 03, सैक्टर, 38ए,
 चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

2. श्री शिवन्त्र कौर, पित्न श्री रमेन्द्र सिंह ग्रेवाल, श्री तजेन्द्र सिंह ग्रेवाल, पुत श्री हरिमन्द्र सिंह ग्रेवाल द्वारा, उनका जनरल भ्रटानी, श्रीमतो जोगिन्द्र कौर निवासी मकान नं० 25/3, सैक्टर, 19 सी, भण्डीगढ़।

(प्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त क्यांति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बर्बी वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्ट व्यक्तियों में हे किसी व्यक्ति इंबाराः
- (च) इस सूचना के राष्प्रक में प्रकावन की तारीब 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए या सकोंचे।

श्राक्ष्यिकरण्ड-म्ह्समे प्रयुक्त कृत्यों कृति एसी कात् जो स्वक्ष वृष्टिन्यम्त के कृत्याय 20-क में वृष्टिभाष्टिक ह्राँत वही कृति क्षेत्रा को उस कश्याय में दिवा क्या ह्राँत।

बन्स्ची

मकान नं० 7, सैक्टर, 33 ए, चण्डीगढ़, (ग्रयीत वह जायदाद, जोकि रिअस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 1232, माह फरवरी, 1985 के तहल वर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, लुधियाना

विनोक: 10-10-1985

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की. भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, विनांक 10 अवसूबर 1985

निवेत सं० चण्डः 0/153/84-85— अतः मुक्षे, जोगिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका सं ० एस० सं १० श्री० नं० 439-440 है, तथा जो सक्टर-35 सा, चण्डालढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूचा में श्रीर जो पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्द्रावर्ता श्रीधनार के सार्याक्षय चण्डालढ़ में रजिस्द्रावरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रमान दिनांक फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के शरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से उधिक हैं और धतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए हथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक्ष रूप से किंचित् नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के समित्व में कमी करने वा स्वसं वचने में सुदिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्राः कंवर विषवणां त मृथ्वं जात सिंह, पुत श्राः कंदरपृथ्वं के जात सिंह, श्राः सुरेन्द्र सिंह चोधरा, पुत श्रा जोरिष्ट सिंह चौधरा पाना प्रमाण मरहीता, श्राः प्रोमनाथ प्राचः पाना सिंह सेठा, पुत्र श्राः पाना लोल सेठा, द्वारा घटानी सिंव घटानी श्राः चमनलोल यानी पुत्र श्राः गुरचरन दास, निवासी मक्तान नं० 1573, सैक्टर, 18-डाः, चण्डागढ़। (श्रन्दरितां)
 - 2. डा० इकवाल सिंह पुत्र स्व० श्रा इन्द्रजात सिंह, निवासी 110, साउथ माडल ग्राम, लुधियाना, प्रपत्ते सिए सथा बतौर श्रदानी, श्रा विश्वमण से सिंह पुता स्व० इंद्रजात सिंह, श्रामती राजवन्स कौर परिन स्व० श्रा इन्द्रजात सिंह, डा० प्रारामल सिंह पुत्र स्व० चतर सिंह, श्रा प्रारा मोहिन्द्र सिंह, पुत्र डा० प्रारामल सिंह, डा० जसविन्द्र सिंह, पुत्र डा० नावल सिंह, मेजर जे०. एस० जीधा पुत्र स्व० भेजर टा० एस० जीधा, श्रा सजेन्द्र सिंह पुत्र स्व०० प्रकास सिंह, श्रामती सिंह, प्रत निवास सिंह पुत्र स्व० प्रकास तथा श्रा भात सिंह, पुत्र स्व० सरन सिंह द्वारा डा० इं बाल सिंह, समा निवासा, मकान नं० 183, सैक्टर, 11 ए, चण्डामढ़।

3. स्टेट बैंक आफ पटियाला, एस० सी० औ० 439-440 सैक्टर 35 सी, चण्डागढ़।

(वह व्यक्ति जिस्के श्रिधभोग में सम्पत्ति है)-र को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

एस० सी० ग्री० नं० 439-440, सैक्टर 35 सी, चण्डी गढ़ (ग्रयति वह जायदाद जोकि रिजस्ट्रावर्ती ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 1181, माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

विनां र 10-10-1985 मोहर:

प्रकप् वार्**ं**टी.एन.एस.-----

काशकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंजः , सुधियाना

लुधियाना, दिनां रु 8 प्रक्तूबर 1985

निदेश सं० चण्डी । 158/84-85--- मतः मुझे, जीशिन्द्र रिंह, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य / 100,000/- रु. से अधिक हैं

ष्ठीर जिल्ला सं० प्लाट नं० 558 है, तथा जो सँकटर 36, चण्डांगढ़ में स्थित है (ब्रीट इससे उपाबद धन्सूच में ब्रीट जो पूर्ण का में बर्णात है) पिस्ट्रं सी ब्रीधनार के बायिस्य चण्डांगढ़ में पिस्ट्रं करण ब्रीधनियम, 1908 (1908 हा 16) के ब्राबंग करवरां 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजा**र मृत्य से काम के इत्रयकान** इप्रतिफल के लिए अन्तरित की ग**र्इ और** सृक्षे^{*}यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया दित्यका, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था किया जाना थाहिए था, कियाने के स्विधा के लिए;

जत: जब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के जनसरणः कैं, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) है अभीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ह—— श्रीमता साम कीर पत्नि श्री मोधन तिह, निकासी, मकान नं० 3296, सैक्टर, 15-डी, खण्डोगढ़।

(भ्रतारक)

2. श्रा गूरजीत सिंह रंधावा, सिंह पुत्र श्री गुरबचन िंह रंधाता, श्रीमती श्रमरजीत कीर परिन श्री गुरबचन िंह रंधाता, निवासी महान नं० 204, सैक्टर 36 ए, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तिरतेः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाप के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाप की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वता को राजपत्र में प्रकादन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमे प्रय्क्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्यास 20-क में परिभाष्ति है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लाट नं० 558, सैक्टर 36, नण्डीगढ़, (श्रयात् दहु जापदाद, जोक्ति रजिस्ट्रेंटर्सा झिधिरार्र के रण्डीरड़ के दिलेख संख्या 1215, माह फरवरी, 1985 के दहत दर्ज हैं।)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

दिनां कं : 8-10-1985

प्रकप बाह् दी. एन . एस् , व्यापनव्यक्त

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के भूभीन स्वया

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निर्देशिका) भर्जन रेंज, लूधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 प्रक्तूबर 1985

निदेश सं० खरड/97/84-85—श्रतः मुझे, जीगिन्द्र सिंह, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं भागन नं 1778, फ्रींग 3-बी-2, है, स्था जो भीर्ला, तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में भीर जो पूर्णका से विणित है) रिक्ट्रिंटर्सा अधिवारी के कार्याला खरड़ में रिक्ट्रिंट्रिंगरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1985

को प्यांचित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह अतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधि-अधिनियन के वधीन कर को के जन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे वचने में वृत्धित के लिए; बौर/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, खिपाने में सुविधा चै बिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रामतः सोना के० कुमार, पलि श्रः कीर्ति गुमार, निवासः महान नं० 1778, फ्रेंज 3बी-2, मोहाली, तहसील खरड़।

(ग्रन्तरक)

श्रीमतीः श्रमृत कौर पत्नि श्री पाल सिंह,
 श्रीमता इन्द्रजात कौर पत्नि श्री बलवीप सिंह,
 निजासी, मकान मं० 1615, सैक्टर 36 बी,
 चण्डीगढ़।

(म्रन्तिः)

का वह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप ह—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा औ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी मृन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पदा है।

पनुसूची

म जान नं 1778, फ्रेंज 3 बी-2, मीहाकी तहसीका, खरड़, (भर्यात् वह जायकाक जीकि रिटिस्ट्रीकर्ता ग्रहिकार: छएड़ के विलेख संख्या 4351 माह, फ़रवरी, 1985 के सहत एजे हैं।)

> जीगन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायका (निर्ध्याण) भजैन रोज, लुधियाना

विनोक: 10-10-1985

इक्ष् बार्ड . टी . एन् . एक् , न्याननन्त्र

नायकर निधिनयस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्थान

SEC SECT

कार्यान्य, सहायक भायकर नायुक्त (निडीक्न)

मर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, धिनांक 8 प्रक्तूबर 1985

निदेश सं० डेराबस्सं /16/84-85— आतः मुझे, जोगिन्द्रसिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारच हैं। कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,00/- सं अधिक हैं

भौर जिसकी सं भूमि 5 बीघा, है, स्था जो गांव रामपुर कलां, सब तहसील डेरा बस्सा में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद मन्सूची में भीर जो पूर्ण का से विणित हैं) रिजस्ट्राती मिंधनारी के कार्यालय, डेराबस्सी में रिजस्ट्राकरण मिंधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन दिनांक फरवरीं, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के बह्यबान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितयार) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देवस्य से उक्त बन्तरण कि चित में बास्तविक रूप से करियत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की वावस सक्त अधि-निवम के ब्योन कर दोने के बन्तरक के स्वयित्व में कमी करने या सससे बचने में स्विधा के किए और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य शस्तियों को, जिन्हों भारतीय ज्ञायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ जन्तिरती ब्वाय प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना जाहिए था, कियाने वें सुनिया के सिए;

- 1. श्राः जनबीय मित्र पुत्र श्रीं हरा राम प्रपनी तरफ़ से स्था बतौर प्रदानीं श्री विका मित्र, पुत्र श्री हराराम निवासी कोठो नं० 67, सैक्टर, 28ए, चण्डीगढ़ । (प्रन्तरक)
- 2. वो पंचगोल को-ब्राप० हाउकिंग बिल्डिंग सोसायटो लि० (रजिस्टर्ड), गांव रामपुर कलां, सब तहसील डेरा बस्सी।

(मन्तरिती)

को बहु सूचना वारी करके पृश्तिक सम्पृतित को वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ध---

- (क) इत त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन की अविभ वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दव सूचना की तामील से 30 दिन की वविभ, का औं वविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त स्थावित्यों में से किसी स्थावित बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तक्ष्म किसी जन्म व्यक्ति द्वारा सभीहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पूर्वों का, थो उपसे अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही नर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

वन्स्यो

मुमि 5 बीघा जो कि गांव रामपुर क्लां सब राहसील डोटा बक्तों में स्थित है (श्रयति वह जायदाद जोिक रिजस्ट्रा रतीं श्रीध तरों डेरावस्सा के विलेख संख्या 1495 माह फरवरी, 1985 के सहत दर्ज हैं।

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्दाक्षण) श्रजन रेंज, जुधियाना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 9 ---346GI/85

विनोक: 8-10-1985

भो हरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 ग्रक्तूबर 1985

निदेश सं० डेराबस्सी/41/84-85—श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिल्ला सं क्ष्मि 6 विषा है तथा जो गांव रामपुर कलां सबतहसील डेरा बस्सी, में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध मनुस्वी में म्रीर पूर्ण से विणत है), रिलस्ट्रीवर्ता मिष्टारी के कार्यालय डेरा बस्सी में, रिजस्ट्रीकरण मधिनयम, 1908(1908 का 16) के मधीन, दिनांक जनवरी, 1985,

को पूर्वाक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बालाविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविभा के लिए;

अतः हव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रा जगवीया मिज पुत्र श्रा हरा राम निवासी— कोटा सं० 67, सैक्टर 28ए, जन्दी गढ़, श्रा विश्वासित पुत्र श्री हरी राम द्वारा जी० पी० ए०, श्री जगवीया मित्र पुत्र श्री हरी राम कोटी सं० 67, सेक्टर, 28ए, जन्दी गढ़।

(मन्तरङ)

(2) दी पंचरित को० भाष० हाउस बिल्डिंग सोक्षायटी (रिजिस्टर्ड) गांव रामपुर कलां, सब तहसील डेरा बस्सी ।

(म्र∙तरित∄)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में रिशाधित हैं , वहीं अर्थ होंगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 6 बिचा जो कि गांव रामपुर हला सब सहसील डेरा-बस्सी में स्थित है। (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रावर्ता अधिकारों, डेरा बस्सी के विलेख संख्या 1469 माह जनवरी के तहत दर्ज हैं।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिनारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरक्षण) मर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 8-10-1985

वक्त वार्ड ्र स्त्रीत स्त्रत्त स्त्र _{स्}रूप्तराक्तरात्रात

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सुचना

भारत बहुकार कार्यक्रय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

म्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 ग्रन्तूबर 1985

निदेश सं० डेरा वस्सी/40/84-85--- अतः मुझे, जोगिःद्र सिंह,

नागकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रकार प्रवाद की प्रतियम किया की पाड़ा 269-का की अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उच्छित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भार जिसका सं जिसका सं जिसका कि बाधा है तथा जो गांव रामपुर कलां सब तहसाल डेरा बस्सा, में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में भार पूर्ण से विणित है), रिजिस्ट्रा कर्ता अधिकारी के वार्यालय, डेरा बस्सी में, रिजिस्ट्रा एण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिलाक जनवरी 1985,

की प्योंक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिदों) के बीच एसे अन्वरण के लिए तम् पाया प्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्दर्भ से हुई किसी बाय की बाबत, उस्त समितियम के सभीत कर दोने के अन्दरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को सिए; सीट/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या जन्म आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनेतम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था जिमाने में सुविभा के सिए;

बतः कव, उक्त विधिनयम की भारा 269-ग की बनुसरक को, मी. इक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को बभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् ध—

- (1) श्रां जगवां पा मित्र पुत्र श्रां हरी राम निवासी — कीठां सं० 67 सैक्टर 28-ए, चण्डीगढ़ ग्रभनां सरफ से ग्रीर बतौर ग्रटानी श्री विशवा मित्र पुत्र श्रीं हरी राम निवासी — कोठी सं० 67, सैक्टर 28-ए, चण्डीगढ़ । (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स पंचरित को० भापरेटिय हाउस बिल्डिंग सोसायटा रिजस्टर्ड गांव रामपुर कला सब तहसील डेरा वस्सी ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां जूक करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की जबिंध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील ते 30 दिन की जबिंध, को मी अविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की बारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बब्ध किसी व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के वास् लिखित में किए वा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपस ज्यिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होका को उस अध्यान में दिया गया है।

वगुसूची

जमीन 6 बीघा गांव रामपुर कलां सब सहसील हैरा वस्सी में स्थित है। (ग्रथीत वह जायदाद जो कि रिजस्ट्री वर्ती ग्रधिन कारी हेरा बस्सी के विलेख संख्या नं 1462 माह जनवरी 1985 के सहस दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भ्रायुक्त (निर्दक्षण), भर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 8-10-1985

प्रकृष बार्<u>ग्टी एन एक ----</u>---

बायफर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) में बभीन सूचना

बारत चर्का

कार्यामय, बहायक नायकाह नायुक्त (विद्रीकान)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 भक्तूबर 1985

निदेश सं० डेरास्वसी /32/84-85-शतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उबद अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिलका सं 6 वीघा 8 बीघा है स्था जो गांव रामपुर क्ला, सब तहसील डेरा बस्सी में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद अनु-सूचा में भीर पूर्ण से विजित है), रिजिस्ट्रारिती भ्रधिकारी के वार्यास्य, डेराबस्सी में, रिजिस्ट्राकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के भ्रधीन, दिनीक जनवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किचित के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किचित के बीच एसे अधिक स्वा के हमा से किचित के बात्र से उक्त अन्तरण किचित के बात्र से किचा स्वा है हमा

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, छक्छ विभिनियन के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में शुनिया के सिए; बॉर/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनिवज, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोचनार्थ अंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया बाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए;

बतः नव, सनत अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण वी, जी, स्थल अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के नर्धान, निम्नुल्चित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स

- (1) श्री जगदीण मित पुत श्री हरी राम निवासी—कोठां सं० 67, सैक्टर 28-ए, चण्डांगढ़, श्री विश्वतमित, जगदेव मित्र पुतान, श्री हरी राम द्वारा जी० पी० ए०, श्री जगदीश मित्र पुतान श्री हरी राम, कोठी सं० 67, सैक्टर 28-ए, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- (2) दो पंचगोल को०-माप० हाउस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड, (रिजिस्टर्ड) गांव रामपुर कलां, सब सहसील डेरा बस्सी ।

(मन्तरिती)

का वह क्षमा वारी करने पृश्वित कम्पीर, वे वर्षन् के जिल्ल कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

डक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीन में 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी नवीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य स्थावत स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविध्त में किए वा सकोंगे।

स्थानीकरक र--- इसमें प्रयुक्त कट्यों और पर्यों का, जो उक्क प्रीक्षितयम के अध्याय 20-क में पर्यामिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है क्ष

प्रतसूची

भूमि 6 बीघा, 8 विसवा जो कि गांव रामपुर कला सब-सहसील डेरा बस्सी में स्थित है (ग्रर्थात् वह जायदाद जो कि रिवृह्म हर्ता अधि हारो, डेरा बस्सी के विलेख संख्या 1383 माह जनवरी 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) पर्जन रेंज, सृधियाना

चिनोक : 8-10-85

मोहर 🛭

प्रकल बार्च हो । प्रवा प्रवासन्तरकारकार

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के बभीन सुभना

शाउन स्टब्स्ट

कार्यास्व, सङ्ग्यक नाय्कार नायुक्त (निरीक्त)

मर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनक 8 ग्रन्तूबर 1985

निदेश सं० डेरा बस्सं:/31/84-85---भतः मुझे, जोंगिन्द्र सिंह,

नामकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रकात 'स्वत निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के नभीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाबार मूक्य 1,00000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिल्ला सं० भूमि 6 नीया 7 विश्वना है तथा जो गांव रामपुर कलां, सब नहसाल, डेरा बस्सा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद भापुता में श्रीर पूर्ण विणा हैं), रिजिस्ट्रार्श्त अधिनारां के कार्यालय, डेराबस्सा में, रिजिस्ट्राकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवान, दिनां ए जनवरा 1985,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रिफल का पन्त्रह भित्र से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण से लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नतिवित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिचित के बास्तिविक रूप से किया ग्रा है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; आर्ड/या
- (ब) एंसी किसी नाय ना किसी धन ना अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की मुक्तेषनार्थ अन्यतियों ब्रेगारा मुक्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने के ब्रिक्श के टिक्स।

जत्व अव, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के जमुसरज को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री अगवंशा मित्र पुत श्री हरी राम निवासी---महान सं० 67, सैक्टर 28ए, चंडीगढ़, श्री विश्वा मित्र अगदेव मित्र पुत्रान, श्री हरी राम, कोठी सं० 67, सैक्टर 28ए, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- (2) दो पंचमील को०-माप० हाउस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड (रजिस्टर्ड) गांव रामपुर कला, सब तहसील डेरा बस्सी ।

(भन्तरितः)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों बत् संपरित के अर्थन के ज़िल् कार्यवादियां कारता होंद्रे।

बन्द बन्दरित के वर्षन के बन्दरभू में कोई भी वाक्षेप्:--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की व्यक्ति या तत्स्वस्त्री व्यक्तियाँ पृष्ठ स्थान की तामील से 30 दिन की जनिथा, को भी वर्षीय नाव में समाप्त होती हो, के भीत्र पृष्टिक्स व्यक्तिस्पूर्ण में से किसी व्यक्तिस् दुवाराई
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबृध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षर्ती के वास चिक्ति में किए का सकेंगे।

स्थव्यक्रियण :--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विसा गया है।

धनुसूची

भूमि 6 बीघा, 7 विसवा जो कि गांव रामपुर कलां, संब सहसील हेरा वस्ता में स्थित है प्रवीत वह जायदाव जो कि राजस्ट्रो-हती प्रविद्यारां, हेरा बस्ता के विशेष संख्या 1377 माह जनवरी 1985 के शहत दर्ज हैं।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) प्राजन रोज, लुधियाना ।

दिनांक: 8-10-1985

त्रक्य वा<u>र्ष</u>्टी पुन**्पन**्य

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 प्रक्तूबर 1985

निदेश सं० पटियाला/53/84-85-अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाणार मुस्ब 1,00,000/-रु. से अधिक हैं श्रीर असके उपाबक श्रावस्त्र में श्रीर पटियाला. में स्थाद हैं (श्रीर इसने उपाबक श्रावस्त्र) में स्थार

स्रोर जित्तका सं ज म जन सं 3153/3 है तथा जो धर्मपुरा बाजार, पिट्याला, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध स्ननूस्ता में स्रोर पूर्ग का से वर्णि हैं), रिजिस्ट्रा इती अधि हारा के कार्यालय, पिटयाला में, रिजिस्ट्रा वरण स्निधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रवान, विना ह फरवरी 1985,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इस्यमाण प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ स्नीम्नलिखित उत्देष्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है :---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, सक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी अपने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 या 11) या जक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनाथ अन्तर्रारती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविधा को लिए;

वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, में अवश अधिनियम की धारा 269-म की अपभारा (1) के अधीक, विस्तिवित स्वक्तियों, अर्थात् म—

- (1) श्रामती दक्षमती देवी पत्नी श्री राज्युमार गीयल निवासी—67, पंजाबी बाग, पटियाला । (श्रनारक)
- (2) श्रांमता इन्द्र भौर परिन श्री सुजान सिंह, निवासी:—6436/1, गुरू नानक नगर, नजदीक टी० बी० हस्पताल, पटियाला । (मन्दरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के वर्जय के सिष् कार्यकाहिकों कुरू करता हुई ।

उक्त संपत्ति के सर्वत के दंबंध के कोई भी बार्क्ष हु-

- (क) इस यूचना के रायपण में प्रकासन की तारीय वे 45 दिन की व्यथि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की व्यथि, जो भी सविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृताय;
- (व) इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास सिवित्त में किए वा सकोंगे।

स्वयं क्षिरणः — इसमें प्रयुक्त बक्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष है, वहीं नर्भ होगा को उस अध्याम में विका प्रयाही।

पन्स्था

म नान सं० 3153/3 धर्मपुरा बाजार, पटियाला (प्रयीत वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रान्ती प्रधिकारी, परिट्याला के विलेख संख्या 4609 माह फ़रवरी, 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारो सहायक भायकर भायुक्त (निराक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

दिनोंक : 1.0→10→1985

मोहर 🛭

आरक्य बार्ड .टी. एन . एवं

मायकर मधिनियम, 1981 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के मधीन सुवका

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 प्रक्तूबर 1985

निदेश सं॰ पटियाला/52/84-85--- मतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं महान नं 3152-3153/1, है तथा जो धर्मपुरा बाजार, पष्टियाला में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बिजात है), रिजस्ट्रीकर्सा भिष्ठार के कार्यालय, पिटयाला में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनां के फरवरी 1989,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती /अन्तरितियाँ) के बीच एसे अस्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचार में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है —

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के निष्: बाँड/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तः अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) श्रांमती चनमनी देवी पत्ति श्रां चारभुमार गोरस, निवासी—67, पंजाबी बाग, पटियासा । (श्रनारण)
- (2) श्रीमती इन्द्र कीर परिन श्री सुजान सिंह, निवासी—6436/1, गुरू नानक नगर, नजवीक टी० बी० हस्पठाल, पटियाला । (भन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुां।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविक्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

वनुसूची

मकान मं० 3152-3153/1, धर्मपुरा, बाजार पटियाला (अर्थात वह जायदाध जो कि रिजस्ट्रेंग्स्ती अधिकारी, पटियासा के विलेख संख्या 4587 माह फ़रवरी, 1985 के हहा धर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, सुधियाना ।

दिनांक : 10-10-1985

प्रकृप भार्य, टी. एन . एस . : ======

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार .

कार्यांत्रय, सहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंभ, मायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनोक 10 मन्त्र्यर 1985

निदेश सं० डेरा बस्सी:/1/85-86-माराः मुझे, जीगिन्द्र सिंह,

शायकर अधिनियस. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन संक्षेम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं भूमि 33विधा , 14 विसवा है तथा जो गांव भोजूपुरा सब तहसील हेरा बस्सी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायड़ धनुसूची में श्रीर पूर्ण से विजत हैं), रजिस्ट्रील सं श्रिष्टारी के कार्यालय, हेराबस्सी में, रजिस्ट्रील श्रिष्टाम, 1908 (1908 का 16) के श्रिक्षीत, दिनांक श्रीक 1985,

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मृत्य से काम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास
- करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल, निम्नलिकित उवदेश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है कि
 - (क) बन्तरण से हुई किसों भाय की बायत उक्त विध-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व बें कमी करने या उद्यस्त बचने में सुविधा के सिए बरि/वा
 - (च) ध्रेती किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, भिन्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अभिनियम या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोजनार्व अन्यरिती इवारा प्रकट नहीं किया यया भा या किया आना जाहिए था, जियाने में स्विभा जे विद्या

"त: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण के कें, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) कि उीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) सर्वश्राः सरापाल, रमेशा गुमार, श्रवनाः फु.स.र, सुखदेव कुमार, सुशिका कुमार पुत्रान् श्राः चत्तर सैन निवासी—डेरा बस्साः ।

(म्र∹तरक)

(2) वी शेखूपुरा खुर्द की०-आपं० हाउस बिल्डिंग सोतायटी, खूर्दपुर अब मकान सं० 1860, सैंडटर 34-डी, चण्डीगढ़।

(भन्तरिसी)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति वाँ वर्षन् की जिए कार्यशाही करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत्र स्वान की तामील से 30 विन की व्यक्ति यो भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-क्वभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधेष्ठस्थाकारी के पास किवित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टीकरणं :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्वित्वयं के अध्याय 20-क में परिभावित्व हैं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया द्या हैंं।

अनुसुची

भूमि 33 विघा, 14 विसवा जो ि गांव शेखूपुरा सब-सहसील केरावरसी: में रिवट हैं (सर्वीट वह कारकार जो कि रिक्टिंग्वर्ती अधिवारी: केरा वरसी के दिलेख संदेश 149 माह अप्रैल 1985 के सहस दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायवर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भजन रोंज, लुधियाना

दिनांक : 10-10-1985

प्ररूप माई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, श्रायकर भवन, लुधियाना

ल्धियाना दिनांक 10 श्रक्तुबर 1985

निदेश सं० डेरा वर्म्स $^{2}/36/84-85$ —-श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00:000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० भूमि 33 विधा, 14 विस्ता, है तथा जो गांव गेलूपुरा, सब तहसील डेरा बर्स्सा, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच: में श्रीर पूर्ण विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी के कार्यालय, डेरा वर्स्सा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक फरवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को जिसत बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्षमने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्य जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---10---346GI/85 (1) सर्वर्थाः सतपाल, रमेशः कुमार, श्रसोर्नः कुमार उर्फ श्रश्यता कुमार, सृखदेव कुमार, सृणील कुमार पुत्रात् श्री चनर मैंन निवासी—चेरा बर्माः ।

(भ्रन्तरक)

(2) दी मेखूपुरा खुर्द की श्राप० हाउस बिल्डिंग सोसा-इटी, मेखूपुरा, खुर्द ग्रव मकान सं० 1860, सक्टर 34डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरितः)

को वह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

भुमि 33 विघा 14 विसवा जो कि गांत्र शेखूपुरा सब-तहमील डेरा बस्मी में म्थित है (ग्रथित वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हेरा बस्मी के विलेख संख्या 1450, माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।

> जोगिन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, लुधियाना ।

दिनांक : 10-10-1985

प्रकृष काह^र . ट्रॉंट्र एक , एक ट म - - ----

नायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वना

प्राहत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लिधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1985 निदेश सं० खरड़/100/84-85--श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें **इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), क. भारा** 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मजान नं० 1133 है तथा जो फेज मोहालीं महसील खरड़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप ने बर्णित हैं), रजिस्ट्रींकर्ला अधि-कारीं के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरचरीं, 1985

को प्वोंक्त संपत्ति के लिखन बाजार मृत्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण संसूदं किसी आम की शतरा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा सबसे बच्चने हैं सुविधा के सिष्; बौर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनका अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाओं में स्विधा के जियुं

शतः जब, उनत किंभिनियम की भारा 269-ग कें जनसरण कों, में, उनत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अभीन, निम्नतिमिक्ष अधिनयो, क्ष्णिति क्षा (1) श्रीं श्रमृत लाल शर्मा पुत्र श्रीं श्रवनाशी राम मकान नं० 455, संश्टर 15 ए, चन्द्रीगढ़।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री माहन जीत सिंह पुत्र श्री चरण जीत सिंह, नियासी 11, मथुरा राड, नई दिल्ली।

(ग्रन्निरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त मध्यस्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की लबिध या तरराजन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थमित स्वार,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास मिसित में किए था सकींगे।

स्पद्धीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सबा हैं।

• प्रनुसूची

मकान नं 1133, फेंग 5, मोहाली तहसील खरड़। (भ्रथीत् बह बायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी, खरड़ के विलेख संख्या 4558 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी आयक्षर स्रायक्षीं ध्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रैंज, लुधियाना

तारी•ा : 10--10--1985

प्ररूप बाइं.टी. हन . एस . ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियानाः दिनाङः 7 श्रक्तूबर•1985 निदेश म० लुश्रि०/650/84--85---श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण कि कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव जायदाद नंव बी-35-7/21 बीं दा 1/2 भाग है तथा जो भाई पधीर सिंह लगर, लुधियाता में स्थित हैं (और इसरे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिारी के शायित्य, लुधियाता में, रिजिस्ट्रीकर्ण अधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारींख फरचरी, 1985

को पूर्विक्त संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्या के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस क्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती बचनी देवी पत्नी श्री ब्रिज लाल, निवासीं 51 ए. नीलखा गार्डन कालोनी, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गुर्राणदर कौर पत्नी डा० अजीत सिंह खंट, निवासी 9/48, पंचाव एग्रीकरूचसं यूनिवर्सिटी लुधियाना:

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिक् कार्यमाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्सेप 💴

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पदों का, जो उक्त सिंध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, बड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जायदाद नं ० बी-35-7/21 बी का 1/2 भाग जो कि भाई रंत्रीर निंह नगर, लुधियाना में स्थित है। (ग्रथीत् बह् जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी, लुधियाना के बिलेख संख्या 11662 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ख**ः 7-10-1985

मोद्वर

ंप्ररूपः **मर्ह्यः टी_्एन्, पूर्व**न् = = = =

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० लुधि ना/623/84→85- श्रवः मुझे, जोगिन्द्र सिंह.

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० मतान नं० बी-19-327 बी का 1/4 भाग है तथा जो डा० राम सिंह रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ऑर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रह्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रह्ममान प्रतिफल से, ऐसे ब्रह्ममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निनिस्ति उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्षेप 3' कथित नहीं किया गया है ं—

- (क) बन्तहण से हुई किसी बाय की बाबत, बबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कजी करने या छससे बचने में धृतिभा कान्तर, अहिर/वा
- (त) एसी किसी जाम भा किसी भन मा कन्य जास्तियों नंत्र, जिन्हों भारतीय व्याय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिन्हों भी भन-कर अधिनियम, मा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में स्विका की जिल्हा

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जें, प्रं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ६(1) श्री भूषण कुमार
पूत्र श्री पन्ता लाल,
निवासी बी-XIX-327 बी,
डा० गाम सिंह रोड,
लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शिरी देव जैन पुत्र श्री सावन मल जैन, निवासी मकान नं० 773, मोचपुरा, लुधियाना।

(ग्रन्तरितीं)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

स्वत सम्पत्ति के वर्षन ने संबंध में कोई भी वाशेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील को 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाचा होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी अयिक्त द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बच्च चाहित स्वारा, अधोहस्ताकरी के पास विविध में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण हि—इसमें प्रयूक्त काव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं॥

वनुसूची

मकान न० बी-19-372 वीं का 1/4 भाग जो कि डा० णाम सिंह रोड, लुधियाना में स्थित हैं। (श्रथीत् वह जायदाद जो कि इरिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 11023 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8-10-1985

प्रारूप नाह*.टी.एन.एस.------

कायक र विधितियम, 1961 (1961 का 43) की क[े] भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर नागृक्त (गिरीक्रण)

ग्रर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांस 8 श्रक्तूबर, 1985

सिंदण म० लृधि०/623/84--85----ग्रतः मुझे, जीगिन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापूर्जेक्त संपत्ति का उचित वाबार मून्य, 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सकान नं० बी-19-372 बी का 1/4 भाग, है तथा जो डा० णाम सिंह रोड, लुधियाना में स्थित है (और इनसे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से घणित है), रिजस्ट्रीजर्ना अधिकारी के व्यायित्य, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को प्वेंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिवत उद्शेष्णों से उथत अन्तर्भ विविद्

- (क) बन्धरण वं हुद्दं फिली धाम भी बान्त्, उपक विधिष्यम के अभीन कर दोने के अन्तर्क के द्वित्व में कभी करने वा अवने व्यन्ते में त्रिया के लिए; ब्रीर/वा
- (का) एंसी किसी नाय वा किसी पन वा बन्द वास्तिकों को जिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनवय, 1922 (1922 का 11) या जबत विधिनयम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया चाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से विद्धा;

असः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री भूषण कुमार पुत्र श्री पन्ना लाल, निवासी मकान नं० बी⊶19-327 बी, ष्ठा० णाम सिंह रोष्ड, लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती तररीम जैन पत्नी श्री शिरी देव जैन, निवासी 773 साचपुरा, लुधियाना।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के सर्चन के बिस् कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्मत्ति को क्षर्यन को सम्बन्ध याँ कोड्रो भी बाक्षर :---

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकालन की तारीचा है 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स स्वित्यों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षर के पास सिक्ति में किए या सकेंचे।

स्वकाकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और एशां का, जो उनक अधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही नुर्ध होगा भी उस कथ्याय में विका न्या हैं।

ग्रनुसूची

महान नं० वी--19-327 वां का 1/4 भाग, जो कि डा० भाम जिह रोड, लुबियाना में स्थित है। (श्रथित वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्नी श्रिधिकारों) लुधियाना के दिलेख संख्या 1184 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8-10-1985

मोहर ः

त्रका बाइ'.टी.एर्.एच.-----

भायकर अभिनियम, 1981 (1961 का 43) का धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यासय, सहाबक भायकर वायुक्त (निरीक्क)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना भारतिस्टेंट १० सम्बद्धाः २०

लुधियाना, दिनांक 8 अक्तूबर 1985

निदेश सं वृधियाना/615/84-85-श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम श्रीधकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्मित्त, विसका उचित बाजार सूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० वी-19-327 बी का 1/4 भाग है तथा जो डा० शाम सिंह रोड, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची मैं ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख फरवरी, 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार बूल्य, उसके श्रव्यवाम प्रतिकल से, एसे अवमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकत से विषक है और अंतरक (मंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे बुन्तरम के सिंह बढ़ पाया नृवा प्रतिकल किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :~~

- (क) बलारण से हुए किसी जाय की बावक, उसके ब्रिप्तियम की बभीत कर योगे के बन्तरण के वास्तिस्य में कमी करने वा उससे क्याने में सुविधा हो सिक्षः कार्य-पा
- (च) एती किसी क्षाय मा किसी क्षय वा सम्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्द्रस्ति क्षारा प्रकट नहीं 'किस क्षा का वा किया जावा जातीहरू था, कियाने में विकास के सिक्स

बत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, जैं, उक्त विधिनमम की धारा 269-ग की उपयास (1) . अ्ति, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् 14--- (1) श्री भूषण कुमार पुत्र श्री पत्ना लाल, निवासी मकान नं ती-19-327 बी, डा० शाम सिंह रोड, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शिरी दैंव जैन पुत्र श्री सावन मल जैन निवासी 773, मोचपुरा, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

क्षां यह स्थाना बारी करके प्वाँक्त सम्परित के अपने कास्स् कार्यवाहिया करता हु।

तकत कम्पुरित के मर्जन के सम्मन्ध में कोई भी माधाएं!---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 विन की अवश्यिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की अवश्यि, जो भी अवश्यि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वृत्तियों में से किसी स्वित्त बुकारा;
- (क) इस ध्रुषका के राज्युत में प्रकारण की वारीश से 45 दिन के मोधर उनत स्थान्त सम्मत्ति में हित्बवृष् किसी अन्य व्यक्ति ब्नारा नृशोहस्ताक्षरी के पात् सिवित में किए वा बकोंगे।

ल्ब्यक्रिक्ण:--इसमें प्रमुक्त कब्बें बहुँर वर्षों कर, वा वक्ब प्रकृतिकृतकः, के कृष्याव 20-क में पृहित्याचित हाँ, वही अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिवा वक्ष हो।

अनुसूची

मकान नं० बी-19-327 बी का 1/4 भाग, जो कि डा० शाम सिंह रोड, लुधियाना में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 11121 माह फरवरी, 1985 के तहन दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8-10-1985

मक्य वार्च . हर्न . एक , जन्मक जन्म जन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर कायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाँक ८ स्रक्तूबर 1985

निदेश सं० लुधियाना/610/84-85---ग्रनः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

कायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुट. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० वी-19-327 वी का 1/4 भाग है नथा जो डा० शाम सिंह रोड, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ग श्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख फरवरी, 1985

हो पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्व है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक कए से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) वन्ताहरू से हुए किसी भाव की वावस , उसस वीपरिष्य के अभीत कर दोने की अक्सरक की वावित्य में क्सी करने या उससे वसमें में सुविधा वी हैंसह; बांदु/बा
- (व) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम या भन-कर अभिनियम मा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रतियोध प्रतिरित्ती क्वार प्रकट नहीं किया गया था कर किया जाना काहिए था. खिणाने में मृहिभा के लिए:

अतः अवः, **उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कै अनुसरण** माँ, मौ,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थातः—— (1) श्री भूषण कुमार पुत्र श्री पन्ना लाल, नियामी मकान नं० वी-19~327 बी, डा० शाम सिंह रोड, लुधियाना।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती तरसेम जैन पत्नी श्री शिरी देव जैन, निवासी मकान नं० 773, मोचपुरा, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीश से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्वारा;
- (व) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाश जिबित में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गुका है।

अमृस्ची

मकान नं बी-19-387 बी का 1/4 भाग, जो का छा जाम सिंह रोड, लुधियाना में स्थित है। (श्रर्थात् बहु जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 11040 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह् मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8-10-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आग्रकर आग्रक्स (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, ल्घियाना ल्धियाना, दिनांक 8 अक्तूबर, 1985 निदेण मं० ल्धियाना, 581/84~85---अतः मुझे,

जोगिन्द्र सिंह

श्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- का में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० काल्ड स्टोरेन बिल्डिंग 8 कताल 4 मरला भूमि के साथ है तथा जो तरफ कराबरा लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रोक्टर्स अधियारी के कार्यालय, लुधियाना में, राजस्ट्रीकरण अ.अ.तयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में धास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रांतरण से हुन्हें किसी आय की बाबत, उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बसा: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्क व्यक्तियों, अर्थात् ः--- . (1) मैशर्ज तिसान कोल्ड स्टोरेज, जी० टी० रोड, वाईपास, गांव जाराबारा, ल्धियाना हारा श्री पलविन्द्र ।सह पुर श्री गुरचरन सिंह, श्री श्रीत मोहिन्द्र सिंह पुत्र श्री गुरचरन सिंह, श्री श्रीत मोहिन्द्र सिंह पुत्र श्री गुरचरन सिंह निवासी सेखोंबाल, तहसील तथा जिला ल्धियाना। श्रीमिती श्रमरजीत कौर पन्नी श्री रंजोध सिंह निवासी गांव हीरा तहसील तथा जिला ल्धियाना। श्री जगीर पिह पुत्र श्री चेत पिह निवासी 146, मिल्लरगंज, ल्धियाना। श्री कुतबिन्द्र सिंह 'पुव श्री अर्जन सिंह तवासी 447, विजय नगर, इंडस्ट्रियल एरिया ए, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भ्रवनार सिंह एण्ड सन्ज (एच० यू० एफ०), श्रीमती स्वर्ण कौर पत्नी श्री अवनार सिंह, श्री गुरचरन सिंह एन्ड सन्ज (एच० यू० एफ०) तथा श्रीमती जोगिन्द्र कौर पत्नी श्री गुरचरन सिंह निवासी 77-वी, उद्यम सिंह नगर, लृधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की साराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

कोल्ड स्टोरेज बिल्डिंग 8 कमार्ज 3 मरला भूमि के साथ जो कि तरफ काराबारा, लुधियाना में स्थित है। (अर्थान् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्री कि प्रधिकारी, लुधियाना के विलेख मंख्या 10828 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रोंज, लिंधयाना ।

तारीख: 8-10-1985

पक्त वाह[®]् डी_ट सुन्_र हुन्_ट ०००० ००

नायकर नीभनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-व (1) के व्योग स्वया

भारत् उरकार

कार्याक्ष्य, ब्रह्ममुक मायुक्त नागुक्त (विद्राविष्य)

झर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनोज 11 झक्तूबर 1985 निदेश सं० लुधि०/657/84-85----प्रतः मुझे, जोगिन्द्र

ासह, बायकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (विषे इसमें इसमें इसके प्रवाद (उक्त अभिन्यम) कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मतिल, विश्वका अधित बाचार जूक्य 1,00,000/- रहा से अभिक है

मीर जिसकी सं मनान नं 150 सी, है समा जो विस्तू नगर, लुधियाना में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीनित भीध-नगरी के नार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीनिरण अधिनियम, 1903 (1903 ना 16) के अशी, तारीब फरवरी, 1935

भा पूर्वोक्त समपति के उणित बाजार मूक्य से कम के स्ववान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजाड़ मूम्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पावा नया प्रति-क्रम निम्नलिबित उत्देश्य से उक्त सम्बर्ण सिवित में बाक्याक्ष्य क्य से क्षिण नहीं किया नवा है है—

- (क) जन्मरण वे हुई कियी बाय की वायक, अपक्ष वीधिनयन से वर्धन कर वोधे में बन्मरक के विविध के कमी करने वा क्षत्रों बडने में विविध में विवध। मीट्र/वा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन- कर व्वधिनियम, 1957 (1957 का 27) व प्रवोद्यनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया प्रवा या विशा चाना चाहिए था, क्रियाने में द्विधा वे सिस् ही

(1) श्री इन्द्र मोहत वर्गी पुत श्री झातस्य सक्ता, 150-सी, जिचलू नगर, लुधियाता।

(भन्तरक)

(2) श्री मनमोहन सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह तथा श्रीमती प्रीत इन्द्र कौर पत्नी श्री मनमोहन सिंह, निवासी 150 सी, निचलू नगर, लुधियाना। (भन्तरिती)

को बह्न स्वना वारीं करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्णन के जिल् कार्ववाहियां करता हुं।

उपन सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप हुन्न

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो औं अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितवव्य सिवित मों किए जा सकोंगे।

स्वकारकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, को उनके जिल्हा कि प्रतिभाषिक के कथ्याव 20 क में प्रिशाणिक हैं, नहीं वर्ष होगा, को उस कथ्याय में विद्या क्या हैं।

बन्त्या

मकान सं० 159सी, जिल्लू नगर, लुधियाना। (प्रयात) वह जायदाद जो जिल्ला रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, लिखियाना के विलेख संख्या 11781 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीब: 11−10−1985

मोहर।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के सभीन क्ष्मत

धारत सरकार

अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनाँक 8 अक्तूबर 198म

निदेश सं० लुधियाना/6/7084-85--- प्रतः मुझे, जीगिन्द्र

अप्रवास कि विभिन्न में 1961 (1961 का 43) विसे इसकी इसकी इक्को इक्को (तकत अधिनियम का ग्या है, की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मतित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० बी-1/982/2 का 1/8 भाग, है तथा जो सामने पुलिस लाइन्स, सिवल लाइन्स, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इतते उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उरुके क्रायमान प्रतिकृत का पंचार मूल्य, उरुके क्रायमान प्रतिकृत का पंचार मृत्य, उरुके क्रायमान प्रतिकृत का पंचार मिला के विश्व का प्रतिकृत का पंचार का प्रतिकृत का का प्रतिकृत का प्र

(क) अन्तरण से हुई किसी वाब की शबत, उचत अभिनियम के अभीन कर दने के अन्तरक के सामित्र में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या

कि हो जिसी बाद था किसी धन या अन्य बास्तियों के. विकार भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1972 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर्म-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के लोकनार्ग अन्तिर्दा द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा पाना बाहिए था, क्रियान में सुविधा के विकार

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधर्मि (प्) को अधीन, विम्निलिखित व्यक्तियों, अधीतः:— (1) श्री श्रीम प्रकाश पुँते श्री श्रमर नाथ, निवासी 982/2, सामने पुलिस साइन्स, सिविल लाइन्स, लुजियाना।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम सरन दास पुत श्री तेलू राम गुप्ता, निवासी मकान नै० बी-1-982/2, सामने पुलिस लाइन्स, सिविल लाइन्स, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल्ला कीर्वेशिक्तिक्षिक करता हुए।

"हक्त संगीत के वर्षन् के संबंध में कोई' भी नामाय :--

- (क) इस सूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारींचें से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों भी भी व्यक्तियों में से कापता होती हो, के भीवर सूची बद्ध में स्वापता होती हो, के भीवर सूची बद्ध स्वापता में हो किसी व्यक्ति इसाइ;
- (वै) इस स्वान के श्रेष्पकें में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के मौतर उर्वत स्थानर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी कंग्य केंदित इंपोर वयोहस्ताकरी के पास चिकित में किए को इंकिंग

स्वीतिकरणः — इसमी प्रयुक्त सुनेशी और पदी का, वा उनिह है, वहां अर्थ होंगा, वो उन ब्रुध्याय में दिवा नवा

वन्तुकी

मकान मं की-1-982/2 का 1/8 मांग जो कि सामने पुलिस लाइन्स, सिविल लाइन्स, सुधियाना में स्थित है। (श्रियौत् वह जायदाद जी कि रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी, लुधि-याना के विलेख संख्या 11011 माह फरवरी, 1985 के तहत दर्ज है।)

कोगिन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रैजेंन रेज, लिधियाना

^{क्र}तारीख: 8-10-1985

प्रकार नार्षे ही , एक् _{स्}रुष्ट का नार्क क

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थना

सारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)
धर्जन रेंज, लुधियाना
लुधियाना, दिनौंक 8 प्रक्तूबर 1985
निवेश सं० लुधियाना/674/84-85----प्रतः मुझे जोगिन्द्र

सिंह, बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिन्नकी सं० मकान नं० बी-1-982/2 का 1/8 भाग है तया जो सामने पुलिन लाइन्न, जिविल लाइन्न, लुधियाना में स्थित है (प्रोर इन से उपाबद्ध प्रमुस्ची में प्रोर पूर्ण रूप से वंजित है), रजिस्ट्रोकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना सें, रजिस्ट्रोकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमाण प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उक्षक दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरित (अंतरोकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पामा ज्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबक, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वे सिक्ष; ध्रीट/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनन्कर अधिनियम, या धनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रस्तेषनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ात: शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उज्ञाधाराः (1) को चधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, नुर्धात ह—

- (1) श्री मंगल दास पुत्र श्री श्रमर नाथ, निवासी मकान नं० 982/2, नागने पुलित लाइन्स, सिविल लाइन्स, लुधियाना।
 (श्रन्तरक)
- (2) श्री राम सरन दास गुप्ता पुत्र श्री तेलू राम गुप्ता, नवासी महान नं० बी-1-982/2, सामने पुलय लाइन्स, सवल लाइन्स, लुबियाना ।

(अन्तरिती)

न्ये **यह सूचना जारी करके पू**र्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध मां कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में अव्याप्त पार ताराख के 45 दिन की मनिष्य में सल्लाम्य व्याहित्यों पर सूचना की तामील से 30 जिल्ला का जिल्ला को जिल्ला की समाप्त होती हों, के भीत र पूर्वीक्स मिलायों में से जिल्लों करिया कराय
- (र) इस स्थान के राजपण भा भयायान बात तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कृत्य व्यक्ति द्वारा अगहराज्या के वास निर्मित में किए वा सकारी।

स्पाद्धीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदने का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मकान नं० बी-1/982/2 का 1/8 भाग जो कि सामने पूलिस लाइन्स, निविल लाइन्स, लुधियाना में स्थित है (प्रयात्वह जायदाव जो कि एजिल्ह्रोक्ती अविकारी, लूधियाना के विलेख संख्या 12004 माह फरवरी, 198म के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र निह नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नियद्धण) श्रर्जन र्रेज, लुरियाना

सारीख: 8-10-1985

मोहरः

प्ररूप् आई.टी.एन.एस्.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनौंक 8 धक्तूबर 1985 निवेश सं० लुधियाना/6 3/84-85--धतः मुझै, जोगिन्द्र,

सिंह आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करन का कारण है कि स्थावर संपंति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० मकान नं० बी-1-982/2 है तथा जो सामने पुलिस लाइन्स, सिविल लाइन्स, लुधियाना भागका 1/8 में स्थित है (भीर इससे उगाबद भनुसूनी सें भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिल्ट्रोकर्ता भिनिकारी के कार्यालय, लुधियाना सें, रजिल्ट्रोकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वीका संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित शाजार मृत्य, उसके रहसमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमीं करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बाँदु/या
- (क) ऐसी किसी लाग या किसी धन या जम्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के खिए।

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनूसरण की, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, सर्थात् :---

(1) श्री लिलित कुमार पुत्र श्री धमर नाथ निवासी मकान नू० 982/2, सामने पुलिस लाइरस, सिविल लाइरस, लुधियाना।

(घम्तरक)

(2) श्री राम सरन वास गुप्ता पुत्र श्री तेलू राम गुप्ता, निवासी मनान नं∘ बो-1-982/2, सामने पुलिस लाइन्स, तिबिल लाइन्स, सुधियाना ।

(प्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा धै 45 दिन की अविध या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें पास तिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिकाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया पद्मा है।

वन्स्वी

मकान नं० बी-1-982/2 का 1/8 भाग जो कि सामने पुलिस लाइन्स, सिविल लाइन्स, लुझियाना में स्थित है। (भर्यात् वह जायदाव जो कि रजिद्धों कर्ती अक्षिकारी लुझियाना के विलेख संख्या 12003 माह फरवरी, 1986 के तहत वर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह् सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**च: 6-10-198**5

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के स्थीन स्वना

भारत सरकार

कार्यात्तरा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भाजन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनाँक 8 प्रक्तूबर 1985 निदेश सं० लुधियाना/607ए/84-85---भातः, मुझे, जोगिन्द्र

सिष्ठ् जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के यधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जितकी सं० महान नं० बीं—I—982/2 का 1/8 भाग, है तथा जो सामने पुलित लाइन्त, तिविल लाइन्त, लुधियाना सें स्थित है (और इतसे उगावड अनुसूबी में और पूर्ण रूप से बॉजिंड है), रजिन्द्रीहर्ता भिधिहारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिन्द्रीहरूण भिधितियम, 1908 (1908 का 16) के भाषीन, हारीख मई 1985

को पृथंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उमके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निविद्यत उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में बास्तविक हम से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के क्रिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः इतः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ए के विनुदरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) के सधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, वर्धात् :---

(1) सूत्रेश कुमारी पुत्री श्री धनर नाथ, निवासी महान नं० 982/2, सामने पुलिस लाइन्स, सिविल लाइन्स, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राम सरन दास,
गूप्ता पूत्र श्री तेलू रामगूप्ता
निवासी महान नं० बी-I-982र, सामने पुलिस
लाइन्त, लुधियाना।
(धान्तरिसी)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकारन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी क्षिष बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्मार्कीकरणं: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त व्यक्षिनियमः, के अध्याय 20-क में दरिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया है।

अनुसूची

मकान मं० बी-I/982/2 का 1/8 भाग, जो कि सामने पुलिस लाइन्स, सिविल लाइन्स, सुधियाना में स्थित है धर्यात वह जायदाव जो कि रजिब्द्री हर्ती घिष्टारी लूधियाना के विलेख संख्या 11/37 माह फरवरी, 1985 के तहत वर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, लुधियाना

. तारी**च: 8-10-1985**

प्रकप भारते. टी तुर्व . एस . ------

भागकार कांधानयम, 1961 (1961 का 43) कां धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज. घाँयकर भवन लिधयाना लुधियाना, दिनौक 8 धक्तूबर 1985

निर्वेश सं० लुधियाना 14/84-85--- मतः मुझे जोगिग्द्र सिह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' बहुत ग्रया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जितकी सं० महात मं० को -1-982/2 का 1/8 भाग, है तथा जो सामने पुलित लाइन्त, सिविल लाइन्त लुधियाना में स्थित है और इससे उरावद धनुसूकी में और पूर्ण का विजित है), रिजिल्ट्रोहिती भिक्षितारी के कार्यालय, लुधियाना सें, रिजिल्ट्रोहरण भिक्षित्रमा, 1908 (1908 का 16) कें भ्रधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित काजार मृष्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृष्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्निलिखित उद्दर्भ से उक्त अन्तरण लिखित में वास्टिविक रूप से किथत मृहीं किया गया है:—

- (क्र) बन्तरण से हुई किसी काय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा से लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आहितयों का, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः संब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण बैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बधीतें हैं—— (1) श्री प्रवती कुमार पुत्र श्री धमर नाथ निवासी महान नं० 982/2, सामने पुलित लाइन्त, सिविल लाइन्त, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भगवनी कुमार पुत्र श्री राम संरत दास, तित्रासी महात नं० बी→1-982/2, सामने पुलित लाइन्त, सुधियाना ।

(प्रस्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

व्यस्य

महात मैं० बी-1-982/2 का 1/8 भाग जो कि सामने पुलित लाइन्त, तिविल लाइन्त, लुधियाता में स्थित है। (ग्रयात् बहु जायदाद जो हि राजिल्ह्रोहर्ता ग्राधिकारो, लुबियाता के विलेख सं० 1623 माह फरवरी 1985 के सहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिंह संज्ञन प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज, लुधियाना

कारीय: 8-10-1985

मोहरः

प्रस्प बाई', टी. पुन. पुर .. क्लान्स्य

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाउँ 269-थ (1) के मधीन स्वृता

भारत चरकार

वार्यासन, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देश्वर)

धर्जन रेंज, भायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनाँक 8 भन्तूबर 1985

निदेश सं० लुधियाना/606/84-85--प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जित्रकी सं० महात तं० बी — 1 — 982 | 2 का 1/8 भाग है तथा जो सामो पुलित लाइन्त, तिथिल लाइन्त, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इतसे उनाबद्ध श्रमुसूची से श्रीर पूर्ण रूप से वीजत है), रजिल्ट्रीहर्ता श्रीबहारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीहरण श्रीधिनयम, 1908 (908 का 16) के श्रीधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बांजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण विविद्य में बास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) धूरेती किसी लाय या किसी धन या बन्य बास्तियों करी, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त नीधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ने प्रवोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना करिहुए था, खिपाने में सुविधा ने निस्

बत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसर्ध क. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभार (1) व अधीर निम्निचित व्यक्तियों, अभीत डिच्च (1) श्रीमती कमनेश रानी परनी श्री धर्म पाल, निवासी 982/2, सामने पुलित लाइम्त, सिविल लाइम्त, लुधियाना।

(मन्तरक)

(2) श्री राम सरत दास गुप्ता
पुत्र श्री तेलू राम गुप्ता
निवासी महान नं बी-1-982/2, सामने पुलित
लाइन्स, जिबिल लाइन्स,
शृक्षियाना।

(मन्धरिती)

का यह स्वना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारी ख़ सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्विक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्द व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किन्द्र का सकोंगे

रपश्चीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वेन संची

सकान मं० बी-1-982 र्थि का 1/8 भाग जो कि सामने पुलित लाइन्त, तिबिल लाइन्त, लुधियाना में स्थित है। (भर्यात् वह जायदाव जो कि रिअस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी सुधियाना के विलेख संख्या 11011 माह फरवरी, 1985 के तहस दर्ज है।)

जोगिन्त्र सिंह सक्तम प्राधिकारी सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, लुधियाना

तारीच: 8-10-1985

पोहर:

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, आयक्तर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनौक 10 धम्तूबर, 1985 निदेश सं॰ लुधियाना/588/84-85--भतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- फ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० बी-21-8/ए का भाग है, ह्या जो इन्डिस्ट्रियल एरिया बी, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिनिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भाधीन, हारिख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उभित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्व है और मुक्ते यह जिन्नाब करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उभित बाजार अल्य, उश्वक अयमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वत से अभिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उत्वरेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बालाविक अन् से अधिक सुन्दी किया बना है 4---

- (क) बन्तरण से हुई किसीं नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा अन्य आस्तिकी को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती ब्वास प्रकट नहीं किया व्या था वा किया बाना चाड़िए था, डिप्पाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री गुरबीन सिंह पुत्र श्री येथिन सिंह, निवासी 1102 हरनाम नगर, लुधिनाना द्वारा जी० पी० ए० श्री विवन्त्र सिंह पुत्र श्री सालिग राम, निवासी 1102, हरनाम नगर, लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती परिमिन्त्र कौर पत्नी श्री जलवन्त सिंह निवासी 1102, हरनाम नगर, सुधियाना।

(मन्तिरती)

का वह सूचना चारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के सन्धन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के वै 45 दिन की जबिंध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ सिवित में किए या सकेंगे ो

वन्स्वी

मकान मं वी-21-8/ए का भाग, इंडस्ट्रियल एरिया भी, लुधियाना। (ग्रथीत् वह आयशद जो कि रिजस्ट्रीकर्ती मधिकारी, लुधियाना के विलेख सं 10924 माह फरवरी, 1985 के सहस दर्ज है

जिश्विनद्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-10-1985

मोहर 🤊

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्रार्यालयः, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनाँक 10 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० लुधियाना/587/84-85---श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० वी-21-8/ए का हिस्सा है तथा जो इंडस्ट्रियल एरिया बी. लुधियाना में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्वमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्यदेश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में बाम्तिक एप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की वाबस, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपानं में सिवधा के लिए;

अतः ४ ब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मिलियत व्यक्तियों, अर्थात :—— 12-346G1/85

- (1) श्री गुरदोप सिंह पुत्र श्री दिवन्द्र सिंह, निवासी 1102 हरनाम नगर, लुधियाना ज्ञारा श्री दिवन्द्र सिंह पुत श्री सालिग राम निवासी 1102, हरनाम नगर, लुधियाना। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती नरेन्द्र कौर पत्नी श्री श्रमरजीत सिंह निवासी 1102. हरनाम नगर, ल्घियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह स्चन जारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्दन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में रामान होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में में किसी वादित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

मकान नं० बी-21-8/ए, इंडस्ट्रियल एरिया बी का हिस्सा, लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद जे। कि रिजिय्ही-कर्ना अधिकारी लुधियाना के विलेख पंछ्या 10923 साह फरवरी, 1985 के तहन दर्ज है।)

जोगिन्द्र निह् नक्षम पाणि जरो सहायक व्यावजर पापुक्त (निर्दाक्षण) व्यर्जन रोज, लुधियाना

तारीख: 10--10-1985

प्रकृप बाइ . टी. एन. एस.----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

· भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोगाल

भोगाल, दिना ः । 5 श्रमतुबर 1985

निर्देण गं० श्राष्ट्री० ए० सी०/श्रर्जन/भोषान/6024---श्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकीं सं० दुशान नं० 22 (तल मंजिल) हैं तथा जो झाबुआ टावर, 170, आर० एल० टी० मार्ग, इंदौर में स्थित हैं (और इसमे उपावड अनुसूचीं में और पूर्ण रूप मे विणित हैं) और जिसके अन्तरण मे सबंधित विवरण उक्त अधिनियम कीं धारा 269 ए, वीं के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय भोपाल में फरवरी 1985 को पंजी एत माना गया है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मृत्य से कम के दियमाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृष्टे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दियमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन अधिन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या प्रसमें हचने में मृतिभा के लिए; और/या
- (ख) एमें किसी आय या किसी वन या अस्य आसिस्यों करों, दिस्ती महर्सीय अस्पत्र करायीत वर्ग कर्म (1922 का 11) या उत्तर असिस्यों के भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एक उत्तर करायीत स्थान करायी कर

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निनिसत व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैं परिशात जिलेभिटिय इन्टरप्राडमेस प्राइवेट लिमिटेड, तिवासी 170 ग्राप० एन० टी० मार्ग, इन्दौर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री श्रमगर एप० श्रव्वासी, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिए में किये जा सकरो।

स्पव्यक्तिस्ण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिश वया है ।

ग्रनुसूची

दुकान नं० 22 (तल मंजिल) झाबुझा टावर्स, 170, श्रार० एन० टीं० मार्ग, इंदौर में स्थित है।

> एस० मी० णर्मा . तिरीक्षी महायक श्रायकर श्रायकत श्रजन क्षेत्र, भोपाल ''ग्रायकर भवन'' मैदा मिल के सामने, होशांगाबाद रोड, भोपाल

नारींख: 15-10-19**8**5

हर:

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र भोषाल भोषाल दिनांच 14 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन।भोषाल, 5963—श्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

औय जिसकी सं० प्लाट नं० 2 हैं, तथा जो मीरापथ, इंदौर में स्थित हैं (और इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्वत हैं), रजिस्ट्रीं हर्ती श्रिक हारी के जार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीं हरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, फरहरी 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अक्षति :---- (1) श्री कोशिक पिता श्री रणजीत मिंह होलकर, निवासी 13-ए. भवा-उपुर कालोनी, इंदौर।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती जिरोमणि पति विमलचंन्दजी जैन, 63, पीरगली, इंदौर।

(अन्तरकः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हक्षेगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्लाट नं ० 2, मीरापय, इंदौर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायुक्त श्रायुक्त श्रुकंन रेन्ब, भोपाल

तारीख: 14-10-1985

प्रकृप काइं.टी.एन.एस. ------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

धारत बरकार

कार्यासय, सहायक सायकर सामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोषाल, दिनां । 14 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०, प्रर्जन, मोपाल, 5964—अतः मुझे, एस० सी० अर्मा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमं इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मृख्य 1,09,000/- रु. से अधिक हैं

अीय जिनकी सं० प्लाट नं० 150 बी है, तथा जो नेमी-नगर, इंदौर में स्थित हैं (और इसमे उलाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रींकर्ता अधिवारी के गार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन, नारीख फरवरीं, 1985

को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मृत्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास भुके यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथा पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्या, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहां किया गया है:—

- (क) अन्तर्भ सं हुई किसी साम की वासत, उसत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के याधित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किनी जाम का किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 १19%? का 11) या उन्सत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वना था का किया जो स्थित के लिए;

णतः सत्र, अक्त अधिकियम की धारा 280 में कर एट में में, स्वी, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाल (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रीमती मनोरमा बाई पति नरेन्द्र कुमार पटौदी निवासी 301, उपानगर, इंदौर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गांति कुमार जैन पिता विमलचंद जैन निषामी 191, भन्नानी मार्ग, मनावद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वगाहियां करता हूं।

उक्त तम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , वो खी अविध नाव में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में डित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्वध्यीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया क्का है।

भ्रनुसूची

ण्लाट नं० 150 बी, नेमी नगर (जैन कालोनीं), इंदौर में स्थित है।

> एस० मी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 14-·10-·1985

मोहरः

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.-----

बायकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन स्चना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 अधनुबर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोषान/5965—-श्रतः मुझे एस० सी० शर्मा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव भूमि खब नंव 26 है, तथा जो ग्राम लमूड़िया मोरी, जिला इंदौर में स्थित है (और इतमे उपाबढ़ अनुमूची में और पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रींकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, इदीर में रजिस्ट्रींकरण ग्रिधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण सं हुई किसी नाम को शायतं, उत्थ मधिनियम के अधीन कर दोने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; बीड्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हीं भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की ल्पधारा (1) के अधीन, हैनम्नलिसित व्यक्तित्यों, अधित ह—— (1) श्री रमेणलन्द्र पिता जगन्नाथ शर्मा जिलासी-ग्राम लमुङ्या मोरी, जिला इंदौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजकुमार श्रग्रचाल एण्ड तस्य (एच० यू० एफ०) तरफे कर्ता राम कुमार पिता जयलालजी श्रग्रचाल। 2. धर्मपाल श्रग्रचाल एण्ड संस (एच० यू० एफ०) तरफे कर्ता धर्ममाल पिता रामकुमार श्रग्रचाल निवासी—354. नाकेतनगर इंदौर।

(ग्रन्तरिती)

का यह सुबन। आरा अस्क प्रावत स्वास्त्र के असन के जिला कार्यवाहियां करता हुएं।

उन्त सम्पत्ति के अपन क भन्य ए कार्ट भी आक्षा ---

- (क) इस मुचना क राज्य र प्रकाशन को तारीस म 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी न्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीगर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दुवार।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निर्माखन में किया का स्थीन ।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनु सूची

वृष्टि भूमि ख० नं० 26, ग्राम लसूडिया मोरी, जिला इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिल्ला सम्पूर्ण विवरण अन्तरिता द्वारा ात्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> एस० मी० णर्मा सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंक, भोषाल

नारीख: 14-10-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गामक जायकर आयक्त (१नरोक्षण)

म्रजन क्षेत्र भोपाल

भोषाल, दिनांक 10 श्रक्तूबर, 1985

निर्देश मं० प्राई० ए० औ०/प्रजेन/भोगाल⊸च्यनः मुझे एस० मीं० शर्मा

शायकर गांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क वो अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हां कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० प्लाट तं० 43 है, तथा जो मुभाष नगर कालोतीं, उज्जैत में स्थित है (आंग इसमे उपाबढ़ श्रतुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री ति श्रिष्ठकारीं के कार्यालय, उज्जैत में प्रतिस्ट्री अधिकारीं के कार्यालय, उज्जैत में प्रतिस्ट्री अपण श्रिष्टियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठींत, तारीज फ्रांचरीं, 1985

को पूर्नोक्त सम्पन्ति के लियित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि संधाप्योंकत सम्पत्ति का जीचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रीतिकत में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बील एक अवनरण के लिए तय पासा गया शितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक रूप से किथा। नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण सं हुई किसी जाम की शायेत, उक्त जिमित्यम के अधीन कर दोने की अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने की सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एंसी किसी श्राय या किसी धन गा अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय अथकर अधिनियम. 1922 (१०२१ का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-गा अधिनायन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिकित व्यक्तियों, अर्थात :--- मंजर महाणंकर मेहरा श्रात्मज श्री लाल धीरजरामजी मेहरा प्राचार्यो बरेली कालेज निवासी बरेली कालेज, कंपाउंड उत्तर प्रदेण हाल, मुकाम उज्जैन।

(भन्तरक)

(2) श्रीमतीं देवींबाई पत्नी श्री जेठानन्दजीं शाहलानी, निवासीं 32, महाकाल सिधीं कालानी, जज्जैन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृष्या जारी करके प्यक्ति मन्पत्ति के अजेन के निल् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्रित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ झोगा जो उस अध्याय में विका गवा है।

नगस ची

. प्लाट नं० 43, मुभाषनगर कालोनीं, लाल बहादुर शास्त्रीं मार्ग, संविर रोष्ड, उज्जैन में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी निरौक्षण सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोषाल

तारीख: 10-10-1985

प्रकप भार . टी. एन. एत. -----

बाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनां र 14 अक्तूबर, 1985

निर्देश मं० भ्राई० ए० नीं०/ग्रर्जन/भोपाल/5967—--श्रतः मुझे एस० सीं० शर्मा

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसकें प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकीं सं० महात नं० 416 (पुराना) (नया), 604 है, तथा जो महात्मा गांधीं मार्ग, इंदौर में स्थित हैं (और इससे उपाबंड अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से चिंगत हैं), रजिस्ट्रींकर्ती अधिकारीं के वार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधींन, तारीख फरचरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से,, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रशिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- कम, मिन्निसिविद उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिविद में बाक्स- विक क्य से किंगत नहीं किया नया है:---

- (क) अन्तरण तं हुए किसी नाय की शायत उपके स्थि-नियम के स्थीन कर दोने के स्लारक के शायित्व की क्सी करने ना उत्तरे नेपने में शृतिया के जिसे; सरिया/
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयाकनार्थ अन्तिरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया जाना चाड़िए था, ख्रिपाने में ब्रुविधा ही सिए;

जल. कब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग को, बनुसरण थे. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (३) के अधीर, निम्मिनिकिक व्यक्तिकाँ, व्यक्ति ध⊸र (1) श्रीमती काष्यादेती पति गोधालसिंह चौहानः निवासी महान नंव ६०५ महात्मा गावी मार्गः इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमतीं बौल कुमारीं पति श्रीकान्त जैस निवासीं 601, महात्मा गांधीं मार्ग, इंदीर।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के सिष्ट् कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उथल सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सुचना है राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के। अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बहुभ किसी कन्य व्यक्ति ध्वारा, अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा मर्कोंगे।

स्वक्रीकरणः — इसमं प्रमुक्त कव्यों और पदों का, को इक्त जिथिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसुची

मकान नं जूना 416 तथा तथा नं 604, महात्मा गांधी मार्ग, इंदौर में स्थित है।

> एउ० सीं० शर्मा वक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) धर्ज रेंक, भोषाल

तारीख: 14--10-1985

मोहरः

अध्यक्षाहाँ, टी. गुन एस

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 260-ए (1) के अधीन सुचना

आरत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

स्रर्जन क्षेंच भोपाल

भोपाल, दिनां ८ 14 प्रक्तूबर, 1985

निर्देश मं० आई० ए० सीं०/अर्जन/शोपाल/5968---अतः मुझे एस० सी० शर्मा

कायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिपकी संख्या मकान नं० 85 (पुराना) नया नं० 109 है, तथा जो जूरी कसेरा बाखन, इंदौर में स्थित है (और इन्ने उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजिस्ट्रीकिर्ता अधि ारी के आर्यान्य, इंदौर में रिजिस्ट्री-इरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वों के सम्पत्ति के उपनित बाजार मृल्य से कम औ हायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि स्वि में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुंद्द किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के बेचए; वर्षिया
- (क) एसी किसी छाय था किसी धन या अन्य आस्तियों स्वाहित है। एक प्राप्त जिसी धन या अन्य आस्तियों स्वाहित है। एक प्राप्त जिसी स्वाहित अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राप्त किया जाना महिए था, छिपान में मृतिधा

अतः अवः, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग **के अनुसरण** वा, मी, अपन पश्चिमियमं की धारा 269-थ की उपभारा (1) जी अधीनः, निम्मलिखित व्यक्तियाँ, अर्थातः जन्म (1) श्रीमती प्याबाई पति श्री गोविन्दलालजी तीमा निघामी धरमपुरी जिल्हाधार तरफे श्राम मु० गोविन्दलाच पिता धें लालजी निमा निघामी ग्राम धरमपुरी, श्रारा

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रींमतीं राजकुमारी बाई पति श्री रमनतालजीं जैन (श्रम्बाला) निवासीं⊶22, बड़ा सराफा, उंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कार्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (प) इस स्पना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अफ्तेह्स्सक्षरी के
 पास लिखित में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पथीं का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हाला जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

अनुसूधी

मकान नम्बर 85, जूना च नया नंबर 109. जूनीं बर्मेरा बाखल, इंदौर में स्थित है।

> एस० सीं० शर्मा नक्षम प्राधिकारी गहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोषाल

तारीख: 14--10--1985

प्रारूप आई .टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० भ्राई० ए० सीं०/ग्रर्जन/भोपाल/5969---भ्रतः मुझे, एस० सीं० णर्मा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिपकीं सं० प्लाट नं० 345 पर बना मकान है, तथा जो नाकेन नगर, इंदौर में स्थित है (और उपने उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप में बणित है), रजिस्ट्रींकर्ता प्रधि-कारी के ार्यात्म, इंदौर में रजिस्ट्रींकरण अधिनियम 1908 (1908 ा 16) के अधींन, फरवरीं, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

मुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्ध्यमान प्रति-कल से एसे द्ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृथिधा के लिए; और/मा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था 'छपाने में स्थिभा के सिए;

कतः अव, अवत अधिनियम की धारा 260-व के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् --- 13--346GI/85

(2) श्रींमती जाजवंती बा**ई** पति श्रीं गोपालदान मोटवानी निवासी 18, राजेण नगर, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रींमतीं सुपमा पति राधाश्चिम निवासीं 517, जींबनदींप कालोनी, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सम्मना बाजी करके पृथींकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांश्वं भी आकंप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वृद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

ण्लाट नं० 345 पर बता मतान, लाकेत नगर, इंदीर में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा पक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) पार्जन रेंच, भोषाल

तारीख: 14-10-1985

· :- -- - -- - --- ==

प्ररूप बार्ड , टी . एन एस . -----

नायक र ऑपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्भालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन धोल भोषाल

भंभातः दिनांच 19 ग्रक्ष्मुबर 1985

निर्देश राज प्राईज ए० की पृथर्जन/भोषाल/597**0**— ग्रनः मुझे ध्याज मींच णर्मा

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एकशात 'डायस अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 264 ल व. वधीन सक्षण अधिकारा की यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्थावन संपीता, जिसका विश्वत नाबार मृस्य 1.00.000/- रा. में अधिक हैं

और जिएकी मं० प्याट नं० 345 पर बना मकान है, तथा। जो भाकेतनगर, इंदोर में स्थित है (और इसमे जुमाबद्ध अनुमूर्जी में और पूर्ण घप से बणित है), रिजिस्ट्रींकर्ती ब्रिधि-कारी के कार्यालय, इंदीर में रिजिस्ट्रींकरण ब्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ब्रिधीन, नारीख फरचरीं, 1985

- (क) जातरण में हाहाँ किसी आय की बाजत उक्त नौधिनिध्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में करने करने हा एयम बचन में मृतिधा के लिए भौग/मा
- (क) एमी किसी काय मा किसी धन मा बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंजनार्थ अन्ति रती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था पर या किया गया नहीं ए था, छिपाने में मुविधा के सिए;

श्रीमती लाजवंती बाई
पति श्री गोपाल दान मोटवानी
निवामी-18, राजेश नगर,
नंदलालपुरा,
जइंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री भ्रशांक कुमार पिता दयारामजी नवलानी निवासी-8, रूपराम नगर, इंदौर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां. करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 चिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस भे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिस्सात में किए जा सकोंगी।

भ्रनुसूची

ण्लाट नं० 345 पर बना मकान साकेत नगर, इंदौर में स्थित है।

> एस० सीं० आर्मा सक्षम प्राधिः गरी सहासः आसः र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, भोताल

कतः अब उक्त निभिन्यम की भारा 269-ग के अनुसरण भाः भाः उक्त निभिन्तिक है आए 260-म की उपभाग (०) है कारीय जिस्सियित हारिक्टियों, क्यांति क्ला

तारीख: 14 -10--1985

प्रकृष बाह्". टी. एन. एख. -----

भागकर विभिनियम, 1961 (1964 की 43) की यारा 269-म (1) के वर्णीन क्यांग

भारत संस्कार

भागांतय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनां रु 14 श्रक्तूबर 1985

निर्देण मं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोषाल/5971---श्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकीं सं मकान नं 41, फ्लैंट नं 6, गली नं 4 हैं तथा जो स्तेह्लतागंज, इंदौर में स्थित हैं (और इससे उपावड श्रनुमूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्री कृती श्रविभारी के आयित्य, इंदौर में रिजस्ट्री रूण श्रधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के श्रधीन, तारीख फरवरीं, 1985

को प्रवेक्त संपरित को उचित बाबार मूल्य से कम के स्वममान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वाध अरले का कारण है कि यथाप्कोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके द्वयमान प्रतिफल सं, एस द्वयमान प्रतिफल का कन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्देश से उक्त कन्दरण जिकित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गमा है:—

- (क) जन्तरण संहुई किसी बाय की वाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; स्रोड/बा
- (क) एसी किसो आय या किसी धन या बत्य बास्तियों कां, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के निए;

श्यः सथ, उक्त निर्मितन की वादा 269-न के अन्मरंथ मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधाण (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों वर्णात् क्ष्रे—

- (1) 1. श्रीं भानुशुमार पिता किरणमल
 2. ग्राणा पित मनमोहनलाल
 3. णकुंतला पित प्रहताददाम गोयल
 4. बळणकुंबर पित रामस्वरूपजी
 समस्त भागींदर मैंभर्म विजय श्री क्ल्स्ट्रमणन
 कम्पनी 419, भोता गलीं महू कि और में
 ग्राम मुरु श्रीमती ग्राणा पित मनमोहनलाल
 ग्रंग्रवाल निरु—10, सिल मोहल्ला उन्दीर।
 (श्रातर्क)
- (2) श्री जिया उर्राज पिता श्रहमदश्रली चौथानी निवासी 8/4, स्नेहलतागण, इदीरा

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारो करकं प्रवित्तत मपत्ति के बर्चन के निष् कार्यवाहियों शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अवंग के संबंध में आई भी आक्षेप. ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन को नारीख स 4.5 दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन को सर्वधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में स किस्ति व्यक्ति इवारः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण: इसमें प्रयूचन कर्न्डा और प्रशांका, जो उनसे अधिनियम के अभ्याय २० के में परिमाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

सन्मुन्।

मकान नं 41. फलैट नं 6. गलीं नवर 4. स्तेहलना गंज, इंदीर में स्थित है।

> एस सीठ अर्घा सक्षम प्राधिकारी **सहायक श्रायकर वा**यक्त (निर्मक्षण) योगीकीच प्राधिक

तारीख: 14-10-1985

मोहर 🐠

प्ररूप आहे.टी. एन. एस. -----

श्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

श्रायांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनां 🛪 14 श्रक्तुबर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपःत/5972---ग्रतः मुझे एस० म० णर्मा

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य और जिसकीं सं० प्लाट नं० 16 का प्लाट हैं, तथा जो अग्रयाल नगर नई भूमि, इंदौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूनीं में और पूर्ण क्यमे अणिन है), रजिस्ट्रीं-क्सी ग्रविकारीं के वायिलय, इंदौर में रजिस्ट्रीं-रण ग्रधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के ग्रवीन, लारीख फरचरी 1985

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कृष से क्षिण नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

कतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरक माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिक्त अधिक्षयों, अर्थात् हरू- (1) श्री राधेण्याम पिता श्री माणअचंद्रजी व श्रींमती स्तेहलता. पत्नी श्री राधेण्याम जी निवासी 12/2, पारसी मोहल्ला, इंदौर।

(धन्तरकः)

(2) श्रीं गोविन्दकुमार व रामदास 109, शियागंज, इंदौर।

(भ्रन्तरितीं)

कां यह सूचना अगि करके पुर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर शृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि त्राव के समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रभी

प्लाट नं० 16, का प्लाट, श्रग्नवाल लगर नई भूमि इन्दौर में स्थित है।

> एस० मीं० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोप.ल

तरीख: 14-10-1985

मोहरः

प्रकल कार्च. टी. १५. १६. १६. - » = »-

नायफार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थाड़ा 269-क (1) के नथीन सूचना

भारत सरकार

श्रावीसन , श्रहायक नाथकर नागुक्स (निद्रीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिना ३ 14 प्रमत्बर 1985

निर्देश स० ग्राई० ए० सीं०/ग्राजित/भोपाल/5973--ग्रातः मुझे एस० सीं० गर्मा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 स्न 43) (जिसे इसमें
इसके परवात 'उबत अधिनियम' कहा गया है). की धारा

इसके पर्भात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकीं सं० प्लाट नं० 345 पर बना सकान है, तथा जो साकेत नगर, इंदौर में स्थित हैं (और इनसे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रींशर्ता अधि- एक्सरीं के अपित्व, इंदौर में रिक्स्ट्रींशरण अधिनियम 1908 (1908 के 16) के अधीत, तारीख फरवरीं, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द हैं और मूम्से यह विश्वास का कारण हैं कि यथापृत्रोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिचत सं बंधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत , उक्त अर्थिनियम के अधीन कर दोन के बन्तरक के वाक्तिक मा अभी करने या उससे बचने में त्विभा के लिए; अर्थ/या
- (क) इंडी किसी अन ना किसी धन ना नन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधाजनार्थ जन्तरिसी इवारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया जाता नाहिए था, कियाने में सुविका के ध्यार,

(1) श्रीमतीं लाजवंतीबाई पति गोपालदास मोटवानीं निवासीं→18, राजेश नगर (नंदलालपुरा इंदौर)।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रींमती कान्ता पति राजेन्द्र कुमार थोटीया निवासी 187, माकेत नगर,

इंदौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब श 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाबन की तारीख र 45 विभ के भीतर उकत स्थावर सम्पक्षि में हिल्बकु भिसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंचे।

स्वक्वीकरण :---इसमें प्रयुक्त कर्को और पदों का, जो अक्त जीभीनयम के जभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वका ही।

बक्तची

प्चाट नं० 345 पर बना मकान, साकेत नगर, इंदौर में स्थित है।

> एस० सीं० जर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंक, भोषाल

अव: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 14-10-1985

प्रकम भाष टी. एन्. एस.-----

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सुरकार

कार्यास्य, सहायक नायकर नामृक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 श्रक्तूबर 1985

निद्रेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5974— भतः मुझे, एस० सी० शर्मी

भायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परभात उसत अधिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, वह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृन्यू 1,60,000-छ. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 23 है, तथा जो वासुदेव नगर कालोनी, इंदौर सें स्थित है (श्रीर इनसे उपावत अनुसूची में भौर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिन्द्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के श्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके शश्यमान प्रतिफल सं, एसे श्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसं अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिंबत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निकास में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्भ संहुदं स्थित नाम् का नाम्त्र, उक्त वीधीन्त्रक के अधीन कर दोने के अन्तरक के शादित्व में कनी करने या उससे दचने में सुविधा के निए; वीट्/शा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया वा वा किया चाना चाहिए था, स्थिपान में सुविधा के सिए;

जतः जज, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के अनुसरक में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) श्री सदाधित रामचन्द्र खेर खेरवाडा, लोबीपुरा गली नं∘ 1, इंदौर स्थायी पता ए/10, माइल टाउन हाऊनिंग को० ग्राप सोसायटी जुह विले पार्ले, डेबलामेंट स्कोम, गुलमोहर कास रोड, बम्बई।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रारविन्द कृष्णराज पुराणिक 55/1, स्तेहलतागंज, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके दुवाँक्त संपत्ति के वर्षन के लिख कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

सकत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस त्यान के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तगरीक सं 45 दिन के भीतर उक्छ स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त करूवों और पदों का, जो उक्त क्रिथित्यम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा, जो उस अध्यास में विवास नवा है।

वनुसूची

प्लाट नं० 23, वासुदेव नरगर कालोनी, इंदौर में स्थित हैं।

एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 14-10-1985

मोहर ः

प्रकृष् बार्ड . टी. एन. एव.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकत आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 14 अक्तूबर 1985

निर्देश मं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल—म्रतः मुझे एस० सी० शर्मा

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान तं० 25/807 है, तथा जो राजेन्द्र प्रमाद कालोनी, तानसेन रोड, ग्वालियर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण श्रिश्च तियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लास क्ष्यक्त का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का, उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्ति क्ष्य उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्ति प्रतिक्र के दश्यमान प्रतिफल का पत्ति प्रतिक्र के निर्माण की किए त्य गाया मना प्रतिफल निम्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त बन्तरण निम्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त बन्तरण निम्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त बन्तरण निम्नतिस्ति सं

- (क) अलारण संहुई किसी बाब की बाबत, अवस अधिनियंत्र के बंधीन कर दोने के बन्दरक के दायित्व में कनी करने वा उबसे वचने में सुविधा के । लए; और/वा
- (स) ऐसी किसी नाव या किसी भन या जन्य नास्तियों का, जिन्हों भारतीय नाय-कार निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयाजनाय अन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्हा में सुनिधा के-सिए;

श्व: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) ज अधीत, जिस्तिवित व्यक्तियों, अधीत्.—र

(1) श्री हरीइन निह पिता श्री पूरत निह बरार निवासी डा० राजेन्द्रश्रसाद कालोनी, ग्वालियर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नारायण सिंह ग्रात्मज विश्वनसिंह निवासी धाउग्रे की दौलनगंज, लक्ष्कर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पोरत में वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की बर्बाध. जो भी अविधि बाद में समाध्य होती हों, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में स्विक्ति ध्यावस बजाया.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं तं 45 दिन के भीतर जयत स्थावर संपरित में हित-बब्ध किसी अन्य न्यं कित ध्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्थानकरणः — इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, को अपत अधिनियम के कथ्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा, जा उस कथ्यास में दिसा गया है

अनुसुची

मकान नं० 25/807, राजेन्द्रप्रसाद कालोनी, तानसेन रोहै, ग्वालियर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा जक्षम प्राधिजारी बहाय∵ श्रास ः स्र पुक्र (निर्राक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 14--10-1985

माहर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनाँक 14 ग्रन्त्वर, 1985

निर्देश मं० श्राई० ए० मी०/श्रर्जन/भोपाल/5976— श्रतः मुझे एम० सी० धर्मा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6 (तल मंजिल) है, तथा जो 4, कैलाश पार्क, इंदौर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद श्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, इसीर में रजिस्ट्रीकरण श्रिश्रनियम 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी, 1985 को पूर्वोक्त संगत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—— (1) श्री साईनाथ श्रपार्टमेंट तरफ़े ग्राम मुख्स्यार प्रेमचंद भवनलाल 46, एम० जो० रोड. इंदौर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री महिपाल गेंदमलजी जैन 2. शिशुपाल मेंदमलजी जैन निवासी 4, कैलाशे पार्क, इंबीर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, की अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्यूची

फ्लैट नं० 6, 4, कैलाश याकं, इंदीर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्तै (निरीक्षण) ग्रजन रोज, भोपाल

तारी**ख**: 14-10-1985

शोहर :

प्र**कप मार्ड.टी.एन. एस.-----** (1) श्री जर

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक <mark>आयकर आगृक्त (निरक्षिण)</mark> भ्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 धक्तूबर, 1985

निदेश सं० म्नाई ०ए० सी०/म्नर्जन/भोापाल/ 5977—म्बतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० बंगला नं० 47 का केवेल्पोण मकान है तथा जो नीमच में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ध्रनुसूची में धौर पूर्ण रुप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नीमच में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, फरवरी, 1985

की पृथंकित सम्पत्ति के जीचत बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रिश्विफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृवंकित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किंबत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उसमें बचने में सृतिया के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एपोजनार्थ अस्तियों द्यारा प्रकट नहीं किया गता था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण मी, भी जनने अधिनियम की पारा प्र69-भ की उपापका (०) की कभीन निव्यक्तिक स्पष्टितको ् अधिन १००० 14---346GI/85 (1) श्री जर० जे० कोंद्रेक्टर, नीमचुं। (ग्रन्तरक)

(2) श्री भंवर लाल ऐरन पिता बद्रीलाल ऐरन, नीमच।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन वं लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्त्वंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (७) इस मूचिंगा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरण ----दसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाजित है, बही अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

क्षंगला नं० 47, का कवेल्पोश मकान, नीमच में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी महायक घायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 10-10-1985

शक्स बाह्रं,टी.एन.एस.------

बायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के संभीन सूचना

भारत सरकार

क्यकंसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ध्रजीन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 10 श्रक्तूबर, 1985 निदेश सं० श्राई ० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5978—श्रतः मुक्को, एस० सी० शर्मा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 150बी है, तथा जो नेमी नगर (जैन कालौनी), इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, फरबरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रशिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विश्वास में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइं किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे जबने में सृतिधा के लिए; और/बा
- (च) एसी किसी था किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1000 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धना कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, खिपाने में मुविधा वे शिवः।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण कों. मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (।) के अभीन निम्निलिक्त व्यक्तियों, अभीत :——

(1) श्रीमती मनारमाबाई पति नरेन्द्र कुमार पाटोदी निवासी-301, उपानगर, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विमल चन्द्र पोरवाङ (जैन) पिता छज्जः लालजी निवासी-22/1, बैराठी कालोनी, इंदौर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 बनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेकित
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पार लिखिस में किये जा सकता।

स्पद्धिकरणः --- इसमें प्रयुक्त क्षब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिल गया हैं।

श्रनुसूची

प्लाट नं 150वीं, नमीनगर (जैन कालोनी), इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> ास० सी० शर्मा अम् प्राधिकारी सारक्त (निरीधणा)

सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल।

दिनांक: 10-10-1985

मोहर

प्रकृष आहें. टी. एवं. एस . ----

जरमकर अभिनियम : 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्वनः

भारत बरकाह

कार्यालयः, सहायक माजकर भाववत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 श्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/5979—श्रतः मृझे, एस० सी० शर्मा

नावकर निर्धान प्रमान 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269 ज के नभीन सम्म प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का अध्या है कि स्थावर सम्मित जिसका उजित नाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी नठ० भूमि सर्वे कमाक 462/1/1 है तथा जो जो ग्राम एकल् दूना (दिगठान) में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावद्ध प्रानुस्त्री में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, धार में रिजस्ट्रीकरण श्रिध-तियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, फरत्ररी, 1985 को पूर्वेक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के क्रयमान श्रिकाल के लिए अर्थोन का नहीं है है कि स्थाप्येक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान श्रीतफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात से अधिक हैं और बन्तरक (बंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकल का नम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्दरण श्रे हुइ किसी बाव की वावत उक्त लिशिवाम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उक्क बचने में तुनिधा के सिद्; और/वा
- (थ) ऐसी किसी भाग या किसी भन वा बन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उन्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दरिती वृवास प्रकट नहीं किया गया भा वा किया चाना चाहिए वा, कियाने में वृविधा के जिए;

अत. अप, उक्त मिनियम की भारा 269-ग के मनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, जिस्सिसिस व्यक्तियों, अर्थीन :--

- (1) रंछोड पिता अम्बाराम कुल्मी निवासी एकलदूना (दिगठान) तह० व जिला धार।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) इंदौर लेबर प्राइवेट लिमि० फारेन लिकर यूनिट डा० श्री एम० एम० नेवेटिया श्रादि इंदौर। (श्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के सिध् कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त बम्परित के नर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप ह---

- (क) इस ब्यान के रायपन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की सर्वीभ ना तत्सम्बन्धी व्योक्त यों पर स्यान की तामील से 30 दिन की सर्वीभ, जो भी सर्वीभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती अन्य अवित द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, को उक्त अधिनियन, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

ग्रनुमूची

भूमि सर्वे सं० 462/1/1; ग्रम एकलदूना (दिगठान), जिला धार में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37जी में निहित है।

एस० मी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल ।

दिनांक: 10-10-1985

माहर :

प्रकृष भाई . ही . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल दिनांक 10 ग्रक्तूबर 1985 निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रजन/भोपाल-श्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० भूमि सर्वे कमांक 1737 है तथा जो हीरा मिल रोड, उज्जन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके शस्यमान प्रतिफल से, एसे शस्यमान प्रतिफल के पेवह प्रतिशत से अधिक है

और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के कीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उथ्र अन्तरण लिखित में कास्तिबक रूप से कथित खी किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उच्चत अधिनियम के अधीन कर दोने के कन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिमियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ग, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) वे अधीन भिरतिस्थित स्वित्यों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती दिव्याबेन पत्नि गुणवंत भ्रध्यापक माधव नगर, उज्जैन (2) कैलाशचन्द्र पिता शांतिलाल शाह निवास नागदा, (3) श्रणोक कुमार पिता शांतिलाल शाह निवासी देहली। (श्रन्तरक)
 - (2) श्रीमती पुष्पाबाई पित्न मोहनलाल निवासी बेगमपुरा (2) मनोरमाबाई पित्न जीतमल निवासी बेगमपुरा, (3) बसन्तीबाई पित्न गोपालकृष्ण, बेगमपुरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पास के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगी।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त श्व्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

मन्सूची

भूमि सर्वे नं ० 1737, हीरा मिल, इण्डस्ट्रीयल ऐरिया के पास, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर, 37जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल।

दिनांक: 10-10-1985 .

माहर :

प्रकार भार , टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय . सष्टायक वायकर बाब्स्स (निरीक्रण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 श्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सः०/ग्रर्जन/भोपाल/5981---ग्रहः मूझे, एस० सं० अर्मा

काणका का भानयम, 1961 , 961 का 43) (विसं इसने अस्म प्रकास जिस्साम अधिनयम कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसंका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- का न अधिक हैं

ग्रांश जिल्ला संव महान म्यूव नंव 67 ा भाग है तथा जो जिल्ला स्वाप्त भाग, देवास, रोड़, उञ्जैन में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावक अनुमूच में ग्रांर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्द्री जिल्ला श्रीधकार के एपितस, उञ्जैन में रिजस्ट्राक्षण ग्रीधिकार के एपितस्ता उञ्जैन में रिजस्ट्राक्षण ग्रीधिकार कि एपितस्ता के एपितस्ता करवरी, 1985

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य सं कम को सरमान अतिफाल को लिए जन्तिरित को गई है और मुक्ते यह विस्तास करमें का कारण है कि यथापूर्विक्तं सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य वस्त्रक स्वयस्त्रक अञ्चलक से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रोत्तक्ति स प्रथिक है और संतरक (अंतरकों) और संतरित। (जन्ति रोत्तया) के बेडल ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित बें आस्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरम के हुई मिन्नी बाव की बावत वसक अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के भ्रमूह बदेद/या
- (ज) एसी किसी जाय या किसी थन वा कम जास्त्रयों का जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1822 था 11) या उसते अधिनियम, या भन-कार निधानयम, 1957 (1957 का 27) से अवोजनार्थ जन्मरियी चुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियानं जो सुविधा के विद्युः

अंतः जब, उक्त जीभनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कां, मों, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1)} अं सभीना जिल्लीकर्षिक व्यक्तिकां अक्तिक क्रिक्ट क्रिक्ट (1) श्राः एष्णराज पूत्र श्राः गोपालदः एजः खं मजी गूजरातः भाटिया निवासी 67, विश्वविद्धालय मार्गः, उज्जैन।

(अन्तरक)

(2) श्री राकेश कुमार भागेय पुत्न श्री वैलाश प्रसाद भागेव निवासी 38, रामप्रसाद भागेव मार्ग, उ%जैन।

(अन्तरिती)

को वह सुषमा बारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी नविभ बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन को नारीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा जाहिस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकारण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उसते विभिनियम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वो उस कथ्याय में दिवा एक हैं।

अनुसूची

मकान म्यू० नं० 67 का भाग विश्वविद्धालय भागं, देवास रोड़, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरितंः द्वारा सस्यापित फ़ार्म नं० 37जीं० में निहित्त हैं।

> एत० सरे० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायक्त, निर्रक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

दिनांक: 10 10-1985

भोहर:

प्रारूप आर्इ.टी.एन.एस्.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अक्तूबर, 1985 निदेश सं० अक्षिक्षण्यमा०/अर्जन/भोपाल/5982---अर्जः मुझे, एस० सी० अर्मा

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इत्तर्ये इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,06,000/-रा. से अधिक है .

श्रीर जिन्नकी संव भवन स्यूव नंव 60/1 है तथा जो विशव-विद्यालय मार्ग, श्राजाद नगर अलोनी, देवास, रोड़, उज्जैन में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रन्भूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रा अर्ता श्रविकारी के अर्थालय, उज्जैन में रिजिस्ट्राकरण श्रविनियम 1908 (1908 का 16) के श्रवान, फरवरी, 1985

को पूर्योक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के स्वकान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल में, एमें करणान प्रतिकल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है क्रिन

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाय की बाब्ध, उक्त वीधीनवस के अभीन कर दोने के बन्तरक की वायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में कृषिधा चे बिह्य; सीड/शा

कक्षः वाण्, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की अनुसूरण ही, ही, इक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नति⊈का स्व2िक्कों, अर्थात् क्र--- (1) श्रा भेहराज भोहभ्मद द्यात्मज श्रा ताज मोहभ्मद जो नौधरी निवास-151, चन्द्रणंखर श्राजाद मार्ग, उज्जैन।

(अन्तर ह)

(2) श्राः तनसुखलाल पिताः श्रीः सौभागमलजः नलाटः निवासीः सरस्वताः निवासः, फाराजः उउर्जेनः। (ग्रन्तरितीः)

को सह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षत के सिष कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त रूपित के वर्षन के तम्बन्ध में कोई' भी वासीप :---

- (क) इस त्यान के समयन में प्रकाशन की तार्रीय से
 45 विष की क्यारेंग ना सरकाशन की तार्रीय से
 स्थान की तानील से 30 दिन की अविभि, जो भी
 क्याय बाद में बनाया होती हो, के भीतर पूर्णिका
 व्यक्तिकों में वे किसी न्यनिय हुनायाः
- (व) इस बुक्का के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 किन को श्रीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तमक्ष्य दिक्की कृष्य क्षितिस्व द्वारा अभोहश्ताकरी दें वास विविद्य में किए या वर्की वें।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और वयों का, जो जनत विधिनियम, के वश्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं वर्ष होगा, जो उस वश्याय में दिया पदा है।

मन्स्ची

भवन स्यू० क्रमांक 60/1, विश्वविद्धालय मानं, श्राकीद नगर कालोनो, देवास रोड़, उज्जैन में स्थित है।

> ए≾० सं≀० धर्मा सक्षम श्राधि∷ारः यहायक श्रायकर श्रायूक्त (निर≀क्षण) श्रजंन रोज, भोषाल ।

दिनांक: 10-10-1985

माहर 🛭

प्ररूप नाइ . टी. एन. एत. ------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, भोपाल भोपाल, दिनांक 10 स्रक्तुबर, 1985

िदेश सं० श्राई०ए०सी०/श्रर्जन/भोपाल/5983- –श्रतः मुझे, एस० सं∤० সমৃ

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम.' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.000,000/- रु. से अधिक है

ग्रींग निषका संव भवन नगा नव्याव तिव क्रमांक 50/1 है, तथा जो वर्धाचमार्ग, माध्यतस्य फ्रामंज, एक्जैन में स्थित है (ग्रीर इसने उपावड श्रनुभूवः में ग्रीर पूर्ण स्थ में वर्णित है), विस्कृतको अधि ।रः के वर्धालय, वक्जैन में रिक्टिंग्रेक्ट्राकरण श्रिधिस्यम 1908(1908 .। 16) के श्रधान, फरवर , 1985

को प्वोंक्त भम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अत: उब, उक्त अधिनियम **की धारा 269-ग के जन्दरग** मैं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधेन, जिस्सीलि**जित व्यक्तियों, जभीत क्र-**-

(1) श्र. जबाहरकाल पिता श्रः शंकरकालजः जैन, निवासी कमला नैहरू फणांच उज्जैन।

(अन्तर ह)

(2) श्रंत कृंबरसेच श्राहमण श्रः मुक्तह लालजः गुण्या (स्वामी सिचाई कालोनी, रामटेकरी, संदेसार।

(श्रस्तिरती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी स्विक्तयों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्ति सों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्दीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

भवन नया न०पा० नि० ऋ० 50/1, वरुचि मार्ग, माधव नगर, फ्रीगंज, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती हारा सस्या-पित फार्म नम्बर 37जी में निहिन हैं।

> ण्स० सी० भर्मा नक्षम प्राधिकर्त् यहायक स्नायकर ऋष्युक्ता (निरक्षण) श्रकीत रोज, भोषाल

दिनांक: 10-10-1985

प्रक्रम आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुखना

भारत तरकार

कार्यालयः सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज, भोग.ल

भोजल, दिनां ह 10 अक्तूबर, 1985

निवेण सं० ग्र ई०ए०म /०/ग्रर्जन/भोगाल/ 5984—ग्रतः मुझे, एस० सं/० भर्मा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00000/- रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिल्लको सं० भवन नया न० पा० नि० कमां 5 501 पुराना म्यू० 6/407 है तथा जो घरू चिमार्ग माधव नगर फोगंज, उज्जैन में सि है (श्रीर इक्षी उपाबद्ध श्रनुसूचः में और पूर्ण के रुप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीवकारो ार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रकरण श्रीधनियम 1908 (1908 ा 16) के श्रधोन, िनांक फरवरी, 85

1908 (1908 ा 16) के अधारन, कि फरवरर, 85 को पूर्वक्ति सम्पत्ति के उचित जाजार मृस्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इंड्यमान प्रतिफल में, ऐसे इज्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचास से अधिक हे और अन्तरक (जन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक स्व म कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त बिंध -भिषितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा उपन्या, अपेर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में ही: उपन गोधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीर, जिल्लिकित व्यक्तियों, अर्थात क्रू

- (1) श्रो जवाहरलाल ग्रारमज श्री संकरलालजंग जैन निवासी कमलानेहरू मार्ग, क्रागंज, उउजन। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती उपा गृष्ता परनी श्री क्षुंवरसेनजा गृष्ता निवासी यशोधन मार्ग, रामटेक्ष्रा, मंदसीर (फ्रन्तरिता)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कांई भी आओप :----

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकृत व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति भे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकोंगे ;

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, आं उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा. को उस अध्याय में दिया गया है।

ann's

भवन नया न० पा० नि० गृह् क्रमांक 50/1 प्राना स्यू० गृह कमांक 6/407, यहांति मार्ग, भाधव नग्रा, प्रजीस में स्थित है।

> ए राज्य समि स्वाम प्राधिकार सहाव : स्रायकार ग्रायुका (किरक्षण) प्रजीत रोज, भोषाल

दिनांक: 10-10-1985

मोहर 🕫

प्रकम आई.डी.एन.एस.----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निराक्षिक)

श्रर्जन रेंज, मोगाल

भोपाल, दिनौंक 1 प्रक्तूबर, 1985

निदेश सं प्राई०ए०सी० प्रजैन/मोगाल--5985-प्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/-रा. से जिधक है

भौर जिसको सं० मकान नं० 159 पुराना, नया नं० 126, से 126/1, है तथा जो गुरूनान क वार्ड, कटनी में स्थित है है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटनी में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के समीन दिनौक फरवरी 1985

का 16) के प्रधान, दिनौक फरवरी, 1985
को पूर्वेक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अंतरित यों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुद्दै किसी शाय की वावत, स्वक्त गिधिनियम के अधीन कर दोने के स्मारक को दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य नास्तिकों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

(1) श्री नटप्ररलाल वरः चंत्रुलाल पटेल नेपियर टाउन, अबलपुर।

(भ्रग्तरक)

(2) श्री प्रशोक कुमार वल्ड सोहनलाल कुनकल मालवीयगंज, कटने।

(मन्तरिती)

ना यह स्वना चारी करके पूर्वोंक्ट सम्पत्ति के नर्जन के निक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से की दिन की जबीध या सरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हमेती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच च 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवकृष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विभिनयम, को अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

जन्त्रची

मकान नं० 159 पुराना, नया नं० 126 से 126/1 गुरूनानक वार्ड, कटने। में स्थित है।

> एस० सी० धर्मा सभन प्राधिकारी सहायक ग्राथकर श्रायुक्त (निरोक्षण) गर्जन रेंज, भोगल

दिनौक: 14-1-1985

मोहरः

And all of the Bat Bathacases

नायकार निभिन्निम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) में नभीन मुम्रना

बाइद बड्डाइड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेंन रोंज, भोपाल भोपाल, दिनौंक 14 मन्तूबर, 1985 निद्रेश सं० श्राई० ए०सी० मर्जन भोपाल 5986—प्रतः मुझें, एस० सी० शर्मा

वायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें दूसने परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध को अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्द 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

शौर जिसकी सं मकान नं 19 पुराना नया नं 126 से 126/1 है तथा जो गुरूनानक नार्ड, कटनी में स्थित है (शौर इससे उपाबद अनुसूची सें और पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटनी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनौंक फरवरी, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के क्यमान लिए अन्तरित की गइ और म्भे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचितः बाजार मृल्य, उसकें बच्यमान प्रतिफल से., एसे बच्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुन्दें किसी आय की बाबत, उक्त विधिननम के वधीन कर दोने के बस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिहर; औड़/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय सायकार बीधनियम, 1022 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या भनकर स्थिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया वाना चाहिए वा किया में स्थिमा से लिए;

कतः जतः, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिचित व्यक्तियों, अथित् :--- (1) श्री धर्तन कुमार बह्य गोविन्दलपुल जपटेल द्वारा भाम गोकिन्दलाल पटेल चल्द मनीलाल पटेल, नेपियर टाऊन, जबलपुर (श्रन्तरङ)

(2) श्रीमती सुगठधींबाई जोखे सुरेशचन्द जैन मंडला। (श्रन्तरिती)

को यह स्वान वारी करके पृथानक सम्पत्ति के सर्वन के निष्

दलत ब्रम्पति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी बार्ण :---

- (क) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीं बं 45 विन की अविभ या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में बे किसी व्यक्ति बुवारा;
- (वं) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकारी

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, वो उक्त क्षीभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषिए हु⁴, वहीं कर्भ होगा वो उस अध्याय में दिया यहा है।

धनुसूची

मजात नं० 159, पुराना , नया नं० 126 से 126/1 गुरूनानक बार्ड, कटनीं में स्थित हैं।

> एस० सीं० शर्मा सक्षम प्राधिवारी सहायक आयक्ष श्रायुक्त (निरीक्षण)

> > म्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनाए: 14-10-1985

मोहरः

अक्ष आई .टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनां इ 14 प्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सीं०/ग्रर्जन/भोपान/5987--श्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा

बायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मधिनियम' बहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, बिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

अंदि जिसकी सं० भूमि खा० न ० 290 है, तथा जो मौजा सावली जिला छित्रवाड़ा में स्थित है (अंदि इससे उपाबद्ध अनुसूची में आंद पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री हती प्रधिकारी के कार्याच्य, सौंसर में रिजस्ट्री हरण प्रधिनियम के प्रधीन, दिनांक फरवरीं, 1985

का पूर्वीकर संपरित के जीवत बाबार मून्य से कम के श्र्यमान इतिफल के निष् अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्तींकर सम्परित का उनित काबार बुध्व, उसके श्रयमान प्रतिफास के इसे क्वमान प्रतिफास के बम्द्रह प्रतिशत से अभिक है और मंदरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बिए तय पाया गया प्रति-क्या, निम्नसिवित उद्देश्य से स्वस् अंत्रुष्ट् निष्टित में बास्त्विक कप से कथित नृहीं किया गया है।।

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐंची निसी नाम वा किसी भन वा नम्य निरित्तां को, विन्त्रं भारतीय नायक ए जीभनियम 1922 है। 1922 का 11) वा उच्छ नीभनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ नन्तरियी हुनारा प्रकट नहीं किया च्या चा वा किया जाना शिहिए था, कियाने वे स्थिभ के सिए?

जतः जयः, उक्त जिभिनियमं की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग की छप्तभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) श्रीं मानि हलात्र व० गगाराम मान हर निवासी सांबलीं तह० सौसर जिला छिदवाडा।

(भन्तरक)

(2) मैं नर्स बगाज टींल डप्डस्ट्रीज प्रा० लि० मुख्य कार्यालय, नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वा के राज्यन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शक्त सिवित में किए वा सकने।

स्वक्रीकरण:----इसमें प्रयुक्त संबंधें और पर्यों का, जी उनस् अभिनियम के बध्याय 20-के में परिभाषित ही, यही वर्ष होना को उन्हें स्थान में दिश्क नवा ही।

वन्ध्यी

भूमि ख०नं० 290, मौजा सांधली, तह० सौंसेर जिला छिंदबाड़ा में स्थित है। यह बह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरितीं द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 14-10-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एत. -----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देक्षण)

धर्जन रेंज, भोपाल भोगाल, दिनांह 19 अम्तवर, 1985

निवेश से० श्राप्टें ए० सीं०/श्रांतं।/सोशात/5988 न्य्रतः मुहो, एस० सी० शर्मा नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 25/1 है तथा जो मौता बाधोड़ा में स्थित हैं (और इ.ते उपाबद अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से बाँगत हैं (), रिताप्टीं जी श्राधिकारीं के बायीं-लय, सौतेर में रिजस्ट्रीं उरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीत, फरचरीं, 1935

को पूर्वोक्त सम्परित के उण्यत बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गईं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके श्रथमान प्रतिकल से, एसे श्रथमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोनं के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बीड़/या
- (ख) एंसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निमनित्वतः व्यक्तयों, अर्थात् :---

- (1) श्री धेवकी 🕮 च० नरयगवस प्रलीवाल विवासी बाबोड़ा तह० सीसेर जिला छिप्पाड़ा।
 - (भन्दरः)
- (2) मैसर्स बजाज स्टीज इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० कार्यी-खय नागभूर, तहु० जिला नागभुर। (धन्तरिती)

की वह सूचना चारौ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवादियों करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की भवींचे या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की हारीज है 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकों में।

स्वध्वीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त जीभीनयम के जध्याय 20-क मा परिभाषित हीं, वहीं कर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया वदा है।

भगुषुची

भूमि ख॰ नं॰ 25/1, मीजा बाधोड़ा जिला छिन्दवाड़ा में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्मत्ति है जिस्ता संपूर्ण विवास ध्रश्यस्ति द्वारा सस्याधित फार्म नम्बर 37 जी में निष्ठित है।

> एस० सी० मर्मा सक्षम प्राधिशारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, भोनास

दिनोह: 14-10-1985

मोहरः

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायांसय, सहागक आयकर आयुक्त (निरक्तिण) अर्जन रेंज, भोराल

भोपाल, दिनांक 14 धनत्वर 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/प्रजेल/भोपल/ 5989--प्रतः मुझे, एस० सी० धर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से उधिक है

भीर जिल्ला संव भूमि छ० नंव 2 है, तथा जो मौला बाधोड़ा तहव सौंसर में स्थित है (भ्रार इससे उपाबद अनु-सूचा में भ्रार पूर्ण रूप से विण्ला है), रिल्हिंग, तो प्रधिवारी में वार्यालय, सौंसर में रिल्हिंग, जा अधितिसम 1908 (1908 ता 16) के भ्रष्यान, साराख फ़रवरी, 1985

को पूर्वोक्षत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रश्चित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया, प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भें बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त श्रीधिनयप के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंत: अंबं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखिस व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री संतुत्र, पूज्य पिता रघुनाथ कारोवर निवासी सांवला तह० सींसर जिला छिदवाड़ा

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स बजाज स्टील इन्डस्ट्रं ज प्रा० लि॰ मुख्य कार्यालय, नागपुर ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानतयों में किसी व्यक्ति इंगरा;
- (व) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जुर्थ होगा जो उस अध्याय में दिव। गया है।

मन्स्ची

भूमि ख० नं० 2, मौजा बाघोड़। सह० सौंसर जिला छिदवाड़ा में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण भन्तिरिति द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> एस० सी० धर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

दिनांक: 14-10-1985

प्रकप माई.टी.एन.एस.-----

सम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोगाल, दिनां रू 14 प्रक्तूबर 1985

मुझे, एस० सी० वर्मा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य

निदेश सं० भा६०ए० सी०/ग्रर्बन/भोगाल/5990--- मतः

1,00,000/-रा. से अधिक हैं
भौर जितको सं मकाम मं 159 पुराला , नया नं 126
से 126/1 है तथा जो गुरूनानक बार्ड एटनी में स्थित
भीर इसते उनाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से बणित
है), रिजिस्ट्रावर्ता अधिवारी के बार्यालय, बटर्न में रिज्दीकरण अधिक्यम 1908 (1908 ला 16) के बार्यान, दिनांक
करवरों, 1985

कां पृथेंक्ष सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के ६६यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्त-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के किए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्ध से उक्त अंतरण जिचित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए:

कतः गर्व, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रा नांक्या कुमार बन्द कान्ताःलाल मेपियर टाउन, अबलपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र कुमार वस्य परमानन्द जैन, भालदार-पुरा, जबलपुर।

(ब्रह्मारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत वे 45 विम की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विम की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भी दर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविधात में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त क्षस्यों और पवों का, जो उक्त विध-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्याः

म शंत नं० 159 (पुराना) नथा नं० 126 से 126/1, पुरुवानक कार्ड, कटनी में स्थित है।

> एस॰ सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपास

दिनांक: 14-10-1985

महिन्द्र 🏗

बक्त बार्ड को दुन एव . ----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की की भारा 269 क (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार.

कार्यालयः, सहायक कायकर वायक्त (किरींसक) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोयाल, विनांक 14 अन्तूबर, 1985 निदेश सं० आई० ए० मी॰अर्जन/भोपाल/5991—अतः मुझे, एस० सी० धार्मा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० ध्लाट नं० 25 नजुल प्लाट नं० 14 है तथा जो विविक्त लाईन, जबलपुर में स्थित है (मीर इससे उपाबद मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणिक्ष है), रिजिस्ट्री-कर्ता मधिकारी के मायिलय, जबलपूर में रिजिस्ट्री मधिनयम, 1908 (1908 मा 16.) के मधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संस्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार प्रथा, उसके क्योंमान प्रतिफल से, एसे द्ययमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से पश्चिक है बीर प्रश्वरक (जन्तरकों) और सन्तिप्रि (अन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाना नमा प्रति-स्व निन्नतिबित सहेन्य से उच्त यन्तरच विवित में बाक्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की वाक्त, डक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बीर/वा
- (वा) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को; विन्हें भारतीय सायकर समितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त समितियम, वा सन-कर विधित्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ बन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं सिका यय। या या किया बाता चाहिए वा, कियाने सुविका के विष्

बतः वयः, सब्तं विधिनियमं की भारा 269-न के कन्दरक की, मी, उक्त अधिनियमं की भारा 269-व की उद्यास (वी) कि अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रं: मिगन्दर सिंह ग्रास्मज श्रं: बेलिसिंह वहै-हैसियत ग्रटानी ग्रंपने पुत्र श्रं: सुखबर्ग सिंह 1353, मदर- महल, जबसपुर।

(मन्तरक्)

(2) श्री केणव प्रसाव यादव धात्मज श्री उमराव यादव पचपेढ़ी, दक्षिण सिविल लाइन्स, एवसपुर (धन्दरिता)

को यह सुचना जारी करके पुत्रोक्त सञ्चित्त के अर्जन के लिए कार्बवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीश से 45 दिन की बनीभ या तत्संबंधी स्पक्तियों पर स्वाध की सात्रीस से 30 दिन की अनिध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तयों में से किसी स्विक्त स्वादा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकरेंगे।

स्वक्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में यथा परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में जिला नवा है।

अनुसूची

प्लाट नं० 25, नजुल, प्लाट नं० 14, ब्लाक मं. 35 पचपेक्की दक्षिण सिविक लण्डन्स जबलपुर में स्थित है।

> एस० सी० धर्मी सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, भोपाझ

दिनोक: 14-10-1985

मोहर ∶

प्रसंप नाई ु टी. एन् ु युरा ु कर्मकरात्मक

बायकड विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्योतय, सहायक बायकर वायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

मोवाल, धिर्वाक 15 प्रक्तूबर, 1985

निवेश सं० ग्राई० ए० सो०/ग्रर्जन/भोपाल/5992—न्यतः मुझो, एस० सी० धर्मा

नायकर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिन्नियम' कहा गया है), की भारा 269-स के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिल्ला सं० प्लाट नं० 67 है तथा जो ई-7, भरेरा कालोता, भोपाल में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद भन्तुवा में भार पूर्ण रूप से विजित्त है) रिजस्ट्रानर्ता भिधनारी के कार्यालय, भोगाल में रिजस्ट्रानरण भिधनियम 1908 (1908 का 16) के भेगान, दिनांक फरवरी 1985

की प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक पाया गया प्रतिफल, निम्निसिकत उच्चेश्य से उच्च अन्तरण सिक्ति में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अव्यासक की दायित्व में कमी करने मा तससे बचने में बुविधा के बिए: बांड/बां
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) भी अयोजनार्थ जन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूबिशा के विष्:

बतः वदः, उक्त विधिनयम की धारा 269-म के वनुसर्थ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री झारा० जो० धर्मा, पिहा के० एक० सर्मा द्वारा मू० भाम के० डा० धर्मा पहा के० एक० धर्मा निवासी दिटायर्ड झाई०जी० पी० 13, सी, ई-7 झरेरा कालोनी, भीपाल। (सन्सरक)
- (2) श्री जनक र ज दूगाल पित बलर.ज दूगाल निवासी बद्यीरा श्रप्तार्टभेंट, श्ररेपा कालोनी, भोपाल।

(मन्दर्शरतं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्र<u>ित</u> के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

बक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ, में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकारी।

स्वच्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वोक्ता, जो उक्क विधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिया यस है।

धनुसूची

प्लाट नं० 67, ई-7, अरेरा कालोनी, भोषास में स्थित है।

> एस० सी० धार्मी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्वन रेंज, भोगाल

दिनोक: 15-10-1985

मोहरः

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 15 ग्रक्तुबर, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5993--- ग्रतः

मुझे, एस० सी० शर्मा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जित्तक। सं० पलैट नं० 3 है तथा जो सिविल लाइन्स जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीक्ती श्रीधकारी के कार्या-लय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूस्य से कम के दृश्यमान मितफल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाज़ार ब्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुद्दं किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया रुखा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः क्षवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--16—346 GI/85

- (1) मैं सर्स मेहला इन्वेस्ममेट एण्ड फ़ायनेंस प्रोप्रायटर श्री दिलीप मेहना पत्रा श्री द्यारजलाल मेहना, फिविल लाइन्स, जबलपुर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रा तेज सिंह सिंधटवरिया पिता श्रो हजारीलाल सिंधतवरिया पचपेढ़ी, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी धाओप :---

- (क)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब दै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरणः इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं.॥

अनुसूची

फ्लैंट नं० 3, म हान नं० 402/2 एवं 402/43 का भाग सिविल लाइन्स जबलपूर में स्थित है।

एस० सी० शर्मा स्थम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनां रु: 15-10-1985

मोहरः

प्रकृष् बार्च, टौ., एन्., एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 15 श्रक्तुबर 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रजन/भोपाल/5994---म्रतः मुझे, एस० सी० धर्मा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्णास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से द्विविक है

ग्रीर जिसकी संव सम्पत्ति है क्ष्मा जो रायपुर रायपुर में में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय में र्जि-स्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा प्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्मरण से हुइ किसी शाब की बावत, स्थल विधिनयम के स्थीन कर दोने के जन्मरक कें वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; सौरू/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों क्ये जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था किया बाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए;

बतः वन्, उक्त विधिनयम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री शरद कूमार श्रग्नवाल पिता शंकरलाल श्रग्नवाल नेहरू वार्ड, भाटापारा, रायपूर (श्रन्सरक्)
- (2) श्रीः विश्वेसरैया अग्रवाल पिता सूर्यवेशः लोल अग्रवाल पूरानी वस्ताः, राष्ट्रपुर। (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्तः सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप्र :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की सर्वीभ या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट स्पिक्तयों में से किसी स्पिक्त द्वारा;
- (क) इंड सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 वित्र के भीतर स्वत्य स्थावर सम्पत्ति में हिल-ब्यूष किसी जन्म व्यक्ति ब्नारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा स्केंगे।

स्वकाकरण: --इसमें प्रधुक्त शब्दों और पर्यों का, को उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उसे अध्याय में दिया गुवा हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति, रायपुर में स्थित है।

एस० सी० यर्मा सक्षम प्राधि तरी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (िरीक्षण) श्रजीन रेंज, भोगल

विनांक: 15-10-1985

प्रकृप नाहाँ, भी, एन, एस , - - -

नायक र अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरका

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिक)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 ग्रन्तूबर 1985 निवेश सं० आई० ए० सी/ग्रर्जन/भोपाल—अतः मुझे, एस० सी० भर्मा,

नायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त किंधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निषवार्ध करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार नृष्य 1,00,000/- फ़. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० प्लाट नं ६ 25 है तथा जो सो सैक्टर, कोहेफ़िजा भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 हा 16) के श्रवीन, तारीख फरवरी, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और बुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्चेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तबिक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बंतरण से हुन्दै किसी बान की बाबसा, उनक बीधीन्तम् के बनीन कर दोने के बंदरक के बादित्य में कनी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (ब) ए'सी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय. वा या किया वाता वाहिए वा, कियाने में सुविधा के निए;

बतः अव, उक्त विधिनियमं कौ धारा 269-गं कै बनुसरण में, मैं: उक्त विधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) कै बधीन, निकासिवित व्यक्तियों, वर्षीत् हरू (1) श्री मती अप: चांदशनः पत्नि अक्ता मजः चांदशनः अशोक कालोनी, नूर महल, भोषाल।

(भ्रन्तःक)

(2) श्रीमती। प्रांतिदेवी पत्नि चूर्च हाह (2) कीपल्या देवी पत्नि मुमार श्रडवानी, निवासी 50/59 ए, बैरागढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उमत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस कें
 45 दिन की जनिंध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 स्यितियाँ में से किसी स्यक्ति वृकारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधाहस्ताक्षरा क पास सिक्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अधै होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

ष्ताः है। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका पुर्ण विवरण सन्तरिता द्वारा संस्थापित फ़ार्म नं० केर्म नं० 37 जी। निहित्त है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राह्मक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रोज, भोपाल

दिनां च : 15-10-1985

मोहर 🖫

नामकर म्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नशीन स्वना

HIST EXPER

कार्यांशय सहायक शायकर शायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनां र 15 ग्रम्तूबर 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5996---ग्रतः, मुझे, एस० सी० गर्मा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इचमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार ब्रूच्य 1,00,000/- स्त. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० महान नं० 593/3, पुराना वर्तमान नं० 593/3/3 ए हैं तथा जो मौजा कछरपुर, रानी दुर्गावती जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्राकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधान, फरवरी, 1985

को प्रशेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिका निम्मुमिनित उद्योग्य वे स्वत् जन्तुर्ण निनित्त में वास्त्विक स्प से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) मन्तरक वं हुई कियों मान की बावत; केवल विश्वित्व में विश्वीत कर दोने के मन्तरक वें वाहित्व में कती कड़ने वा अववें व्यून में सृद्धिया में दिख्; मूडि/वा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भग या अन्य जास्तिको को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, वा अनकर अभिनियम, वा अनकर अभिनियम, वा अनकर अभिनियम, विश्व विश्व के प्रयोजनार्थ अन्यरिती कुनारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना जाहिए था, जिनाने पें स्थिता के विश्व के विश्

बत्त वक, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की अपकरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्न

- (1) श्री बंसंस महाजन श्रात्मज स्व० श्री नारायण राव महाजन रानी दूर्गावतो, जबलपुर।
- (भ्रन्तरक) (2) श्रो मूरलीधर दुवे श्रात्मज श्री मृकुदी लाल

भ्रन्तरितः)

की यह सूचना चारीं करके पूर्वोक्त सम्मत्ति से वर्षन की विद कार्यवाहियां करता हुं।

दुबे निवासी-निवाड़गंज, जबलपुर।

उन्ह कृष्यरित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाकोइ :--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांवत व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हित्रबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सक्टेंगे।

स्पर्ध्विकरण: ---इसमें प्रयात शब्दों और पक्षों का, ओ जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 593/3 पुराना, वर्तमान नं० 593/3/3 ए मौजा कछरपुरा नं० 501, रानी दुर्गावती, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तिरिती द्वारा सत्यापित फ़ार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्रीधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल

दिनांक: 15-10-1985

प्रकर् आई. ही. एन. एस. ------

थायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यामय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) प्रजँन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांकः 15 श्रक्तूबर 1985 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/अर्जन/भोपल/ 5997——श्रतः, मुझे, एस० सी० शर्मा,

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परंचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 34 डी है तथा जो कोहेफिजा, भोषाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची है ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीयती ग्रिधिकारी के कार्यालय, भोषाल में रिजस्ट्रीयरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक फरवरी, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूक्य से कम के स्वयं क्षेत्र प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार म्ह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का नन्द्र प्रतिस्त से भूभिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीज ऐसे अंतरण के लिए तम पाम जया प्रतिक्षत कि निम्मतिस्ति उद्वेषम से उक्त बंतरण निवित्त में बास्त-विक हम से कथित नहीं किया गया है द

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जीवित्वन के अधीन कर वाने के बंदहर के वाबित्व ने कनी करने या उन्ने वच्चे में बुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, चिन्ह भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा की विए;

कतः, अव, उन्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, भें उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को वधीन, निम्नीनियत व्यक्तियों, वर्षात् ः—— (1) श्रीमती प्रियम्बदा श्रीवास्तव पत्ति श्री के० के० श्री वास्तव, द्वारा डा० पातजली श्रीवास्तव शासकीय क्वाटर एफ-2, उत्तई दुर्ग, तह० व जिला दुर्ग।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती उर्मिला जैन पित्त डा०डी० के. जैन निवासी थाना तलैया के पीछे 73, भगवान सहाय मार्ग, भोपाल,

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके नुवींक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से
 .45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भातर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी बन्य स्थित द्वारा बधोहुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्कीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों अं। उदों का, वो उक्त विभिन्निम के वश्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय बें विमा नदा हैं।

वनुसूची

प्लाट नं० 34 डी० कोहेफिज, भोपाल में स्थित है।

एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधितारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 15-10-85

इक्य बाइ'.टी.एन.एस..------

काश्यकर सिंपनियम्, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-म् (1) के अभीन सुचना

मारक बहुन्धर

कार्याजन, सहायक जासकर जायुक्त (निर्दोक्तिक)

. म्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 15 म्रक्तूबर 1985 निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/5998~

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/ 5998 -- श्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुद्द 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० प्लाट० 433, मीट नं० 274 है, तथा जो मीजा गोरखपुर जिला जबलपुर में स्थित है (घीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (गंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक स्पृत्ते का का वहाँ किया गया है के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कनी करने का उससे वचने में सुविधा के निए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जासिसयों को चिन्हें भारतीय जानकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) वो अन्य जामिनियम; या धनुकर जीधनियम; या धनुकर जीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वार् प्रकट नहीं किया गय। या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए (ह)

वतः वन उक्त विभिनियमं की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त सिभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के वभीन, निम्नक्षितिक स्थितिकों, क्षेत्रिक स्थान (1) श्री मित रंजत कौर परनी सरदार कुलदीप कुलदीप सिंह निवासी-110/एन०, गोरखपुर, वार्ड जबलपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० एल० ततुवाय ग्रात्मज हरलाल निवासी 41, मंकरनाग, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दिकिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत कृषिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा थी उस कथ्याय में विका प्याहै।

अनुसूची

प्लाट नं० 433, मीट नं० 274, मीजा गोरखपुर तह० व जिला जबलपुर स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-10-1985

बोह्य 🛮

प्रकर कार्यः हो. धन् प्रस्

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायक्त (निरीक्षण) ध्रजन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 श्रवतूबर 1985 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5999—श्रतः मुझो एस० सी० शर्माः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें बसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्य सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 47, मकान नं० 647 है, स्था जो गंगानगर, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपावद्व ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख फरवरी 1985

पत्ने पूर्वीकृत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य,, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिपों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण किचित में बास्त-विक रूप थे किथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी बाय वा किसी थन या बन्य बास्तियों को, विन्हीं भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधिनियम, वा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कस्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए

 श्री प्रीथालाल मजूमदार जिता श्री सतीण चन्द्र मजूमदार थियेटर रोड़, डी० एन० डी० सकित बालोनी, केन्ट, जबलपुर।

(श्रन्तरक)

2. श्री रमेश कुमार जिता श्री एच० पी० श्रीवास्तव निवासी-47, गंगानगर कालोनी, गढ़ा, अबलपुपर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्टीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति में वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी बालोड् ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंधी 45 दिन की जबीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्मिन्तियों में से किती व्यक्तिय वृत्यों कर
- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी जन्म स्थित द्वारा, जभाहरताक्षरी के
 पास निकित में किए का सकेंगे।

स्वर्थीक रण: -- इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, को उच्छ अधिनियम, के बन्याय 20-क में परिभाविद है, वही अर्थ होगा को उस मन्याय में विया व्याहित।

प्रनुसूची

प्लाट नं० 47, मकान नं० 647, गंगानगर, जबलपुर में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायकत (निरीक्षण स्रजैन रेज, भोपाल

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) अ अधीन, निम्निशिवत व्यक्तियाँ, वर्षात ७——

तारीख: 15-10-1985

प्रकल बार्ड . टी.: एनं , ५स , ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल भोपाल दिनाँक 15 श्रक्तूबर 1985 निर्देश सं० श्चाई० ए० सी०/श्चर्जन/भोपान 6000----श्चतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 198, योजना कमांक 6 है, तथा जो संजीवनी नगर, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्मा श्रीध-कारी के वार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1985

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण निर्दित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एेमी किसी आय या किसी धन या कन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृषिधा के लिए;

बतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् —

- (1) श्रीमित सुनीता धाबू पित स्व० बसंतराम चन्द्र धाबू व मंजली धाबू (2) अभय धाबू मोसन धाबूतीनों के पिता बसंत धाबू के ना० के भा
- (3) श्रीमित सुनीता धावू व श्रीमिती सुनीता देवी की ओर से गु० आम सुरेण धावू निवासी प्रतापनगर, नागपुर, हाल, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० सी० पाध्ये पिता श्री सी०एम० पाध्ये निवासी संजीवनी नगर, जबलपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपीत के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यें क्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यें क्यें में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी को पास निकित में किए या सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 198, योजना कमीक 6, संजीवनी नगर, जबलपुर में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त प्रायक्त (नरीक्षिण) प्रर्जन रेंज, भोपाल ।

दिनांक: 15-10-1985

प्ररूप आई^{*}.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल भोपाल दिनांक 14, श्रक्तूबर 1985 निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोगाल/6001—

भ्रत: मुझे एस० सी० धर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 5/5-बी है तथा जो मनोरमागंज राजगढ़ कोठी, (नवरतन) बाग मार्ग, इंदौर में स्थित (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, इंदौर में राजस्ट्री-करण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, फरवरी, 1985

का पूर्वाक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के तिए अंतरित का गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिन्यिम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व ने कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- भं एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षांच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 17-346 GI/85

(1) मेसर्स यूनाइटेड टायर्स (इंदौर) प्राइवेट लिमिटेड हारा मेनेजिंग डायरेक्टर श्री के० विजयन नायर पिता श्री एम० आर० नायर, 11/4, श्रीलंड पलासिया, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित मोहनदेवी पित्त मोहनलाल मेलीलवाल (2) श्रीमिती शकुन्तला देवी पित्त मोहनलाल मेलीवाल . नवासी 107 कैलाश पार्क कालोनी, इंदौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
 45 दिन के भीतर ज़क्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिणों पर लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

प्लाट नं \circ 5/5-बी, मनोरमागज, राजगढ़ कोठी (नवरत्न बाग मार्ग), इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्मनबर 37 जी में निहित है।

> एस० सी० णर्मा मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल ।

दिनांक: 14-10-1985

प्ररूप बाइ", टी. एन, एस. ****

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायक्त (निरक्षिण)

श्रजंन[,] रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० अर्हि० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6002--श्रतः मुझे एस. सी० शर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हपके पठचार 'जकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान क्रमांक 4/1264 नवीन नं०25 है तथा जो कन्हेयालाल मनाना मार्ग, गली नं० 1, शांति नाथ मंदिर , गली डाबरी पीठा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधितारी के यार्णीलय उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम के 1908 (10908 का 16) के श्रधीन, फरवरी, 1985

के 1908 (10908 का 16) के श्रधीन, फरवरी, 1985 की पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और युझे यह विश्वास करने का कारण है कि युभापवीं कत सम्परित का उचित बाजार मून्य, अनके स्थमान प्रतिफल से, एमे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गगा प्रतिफल, निम्निलिसत उददेश्यों से उक्त सन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुइ' किसी बाय की बाबत, उक्त अण्डिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायिश्य में कमी करने या उत्तक्षे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्स) एसी किसी अप या किसी अन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रिपान में सविधा के लिए;

बत अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त आधिनियम की भारा 260-च की उण्धारा (1) अं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अधित :——

- (1) श्री दिगम्बर जैन मन्दिर दूस्ट नमकमण्डी उज्जन द्वारा दूस्टीगण द्वारा मु० गण 1, सत्यधर कुमार सेटी पिता फतेहलाल सेटी निवासी जीक्षीरसागर उज्जैन, (2) तेजीकरण बांगड़ियां पिता प्यार चदजी बांगड़िया निवासी नहींग्ट, उज्जैन। (अन्तरक)
- (2) श्री शांतिलाल पिता रामजीलाल जैन (2) जयन्तलाल पिता रामलालजी जैन (3) सुधीर सुमार पिता शौन्तिलाल जैन (4) श्रतुल कुमार पिता शान्तिलालजैन निवासी कलालसेरी, उज्जैन (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंग में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत में प्रकाशन की तारोच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी बदिध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरों के यान सिकित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

मकान नं० 4/1264 नवीन नं० 25, कन्हैयालाल मनाना मार्ग गली नम्बर 1, शांतिनाथ मन्दिर गली डाबरी पीठा, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण ग्रन्तरिनी द्वारा सत्यापित फार्म नवर जी 37 में निहित है।

एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल ।

दिनांक: 14-10-1985

प्रकृष बार्ड : हो : एव : एत् : -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्त्व, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशिक) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 श्रक्तूबर, 1985 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रजैन/भोपाल/6003—-श्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

कायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसने परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० भूमि खा० नं० 197/1, 197, 197/1, 170, 194 हैं तथा जो ग्राम नरेला शंकरी तह० हजूर भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 वर्ग 16) के ग्रिधीन फरवरी, 1985

को प्रशंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गर्ध हैं और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रहु प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्सिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुव्दै किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व यों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य जास्तियों करें, जिन्हें भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ज्त: शव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में अक्त विभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिक व्यक्तियों, वर्गीस् :--

(1) श्री धनसिंह पुक्ष काशीराम ग्राम नरेला शकरी तह० हजुर, भोपाल।

(मन्तरक)

(2) छन्नसाल गृह निर्माण सहकारी समीति मयावित भेल भोपाल द्वारा प्रध्यक्ष श्री गन्धवं सिंह पिता श्री गनेश सिंह 227, सी-3, सैक्टर, बी, पिप-लानी, भोपाल।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी कार्याप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि मा सस्मांची व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि में सामाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पाक लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसर्वी

भूमि ख॰ नै॰ 197/1, 297/197/1, 170, 194, ग्राम नरेला क्षेकरी तह॰ हजूर जिला भोपाल में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सपूर्ण विवरण ग्रन्तरिति द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज भोपाल

विनांक: 4-10-1985

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल,दिनांक ४ धक्तूबर, 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6004—श्रतः मुझे, एस० सी० गर्मा

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 307, 309, 310, 311 (सतना बिल्डिंग) ह तथा जो डब्ल्यू श्रार० गोल बाजार गजीपुरा, जबलपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावन अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम (1908 का 16) के श्रिधीन फ रवरी, 1985

को पूर्वाक्स संगात के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एांसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहास से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अत्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल निग्निलिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य से किमिस नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण का, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री श्रशोक कुमार जन, सतना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दिलीप कुमार बघेला पिता श्री छत्नसिंह दौलतसिंह बघेला, 2325; राइट टाउन, जबलपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 307, 309, 310, एवम 311 (सतना (सतना बिल्डिंग) डब्ल्यू० घ्रार० गोल बाजार गजीपुरा जबलपुर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका संपूर्ण विवरण घ्रन्तरिती ढारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित हैं।

एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 4-10-1985

प्रकृष वार्ड .टॉ. एन . एस् : -----

अभ्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

BIST BESTS

नार्यातम् सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल,

भोगाल, दिनाँक 4 श्रक्तूबर 1985 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन भोगाल/6005--- श्रतः, मुझे, एस० सी० शर्मा

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हिसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अर्थान सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित, चिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 690 है, तथा जो संजीवनी नगर, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण का में बाँगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के मिए तम पादा क्या प्रतिफल निम्निसित् उद्योग से जन्त अन्तरण कि बित्त से गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हम्

- (क) जन्तर्थ ने इन्हें किसी नाम की बावत उक्त अधिनियम के संधीन कह बार्च के बन्तर्क में बावित्व में की करने ना उत्तर्ध बचने में सुनिधा में जिस, बाँद/भा
- (च) ऐसी किसी नाय या धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर प्रिंपिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निश्चम, वा धन-चड व्याधिनवर्न, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, डिज्याने में श्रीवधा के बिहा;

अतत जब , उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण ोंं भीं , उक्त जिथिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) क अभीन , निम्मलिखित व्यक्तियों, अधृति क्ष— (1) श्री नरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव (प्रोफेसर) जी० एन० कालेज, राइट टाउन, जब लपुर।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती मिथलेश पुत्री प्रयागलाल शुक्ला (2) श्री प्रयागलाल पाठ हिना राबेश्याम पाठक निवासी मौजा धनीरा, तहु लखनादोन, जिला सिवनी ।

(भ्रन्तरिती)

को बहु बुचका जारी कालके पृथालित सभ्यालि की बर्चन की जिए कार्यवाहियां सूच्य करता हो।

उन्त बम्परित के बर्जन से सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र--

- (क) इस स्वरं, के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 जिन को स्विध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी वद्या बाद वें सवाप्त होती हो, के बीदार पूर्वों कर व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति हुआ ए
- (स) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मात्त में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्तित द्वारा व्याहस्ताक्ष्री के शाद्ध सिविश में किए का सर्कोंगे।

अन्सूची

मकान नं 690, संजीवनी नगर, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं 37-जी में निहित्त है।

एस० सी० घर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-10-1985

मोहरः

ASSET TO THE PARTY.

प्रकम बार्च . टी. पुरु . पुषु .-------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

मारत तरकार

कार्याजय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देशिक)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 ग्रक्तूबर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सो०/ग्रर्जन भोपाल/6006---ग्रतः, मुभा, एस० सी० धर्मा

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उक्त अधिनियम' क्या ग्या हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्रधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं भूमि मर्बे नं 172 है, तथा जो ग्राम बरबाद राजाम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वीक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पर्सित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का गन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितिमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक क निम्नितिशत अव्वरेष से उक्त अंतरण भिष्ठित के बास्तिक स्म से स्थित कहीं किया यथा है है—

- (क) वन्तरण से हुए किसी बाद की बावत, उक्त वीधीन्त्र के वधीन कर दोने के बंतरक के वासित्व के कमी करने या उसके वक्षणे में सुनिधा के स्तिए; सर्दिस।
- (क) ऐसी किसी बार वा किसी भून या अन्य आस्तिवाँ की, जिन्हें भारतीय शायकार विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अभिनियम, या भन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, स्थितने में मृतिभा के दिवह;

अतः व्या, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्थ में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के बंभीन, निम्मतिषिय व्यक्तियों, वर्षात है— (1) श्री तमन्ता पिता नरसिंह जी निवासी—चन्द्रा भवन, गोशाला रोड, रतलाम।

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स जयन्त विटामिन्स लि॰, इन्डस्ट्रियल एरिया, डोसीगाँव, रतलाम ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्द सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के धर्मन् के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप अ---

- (क) इस मुख्या के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से . 45 दिन की वविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्विध, को भी बदिध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याद्य;
- (क) इस स्थान की श्वपक में प्रकाशन की तारींव से 45 विन् के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति बुनारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकोंगे।

स्युक्तिकरणः ---इसमें प्रयुक्त कन्यों बौर पर्यों का, को उक्त क्षितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ मारेग को उसे अध्याय में दिया कया है।

मप्तु स्

भूमि सर्वे नं० 172, ग्राम बरवाद, रतलाम में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी मे निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-10-1985

मोहर 🗄

प्ररूप नाइ ै० टी० एस ● एस ● --

मायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, भोगाल

भोपाल दिनाँक 4 श्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी० श्रर्जन/भोपाल/6007-- ग्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

हारकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफे पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्मित्त जिसका अधित वाचार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० मकान नं 2 63, विवेनो एक उटेंशन कालोनी, इन्दौर है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रतुसूची में भ्रौरपूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान करा, का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत सं अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक एप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की बावड, उक्त अधि-नियम के अधीन कर बोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का किन्द्र भा तीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, वा अनकार अधिनियम, वा अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी य्वारा प्रकट नहीं किया नदा या किया जाना चाहिए था, जिएाने को स्विधा के लिए;

बतः अब. उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तिस्में, व्यक्ति (1) श्री भंवरलाल दगदी पिता श्री बलदेव दगदी निवासी-63, राधा नगर कालोनी, इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

(1) हातानन्द पिता श्री वार्मल जी, निवासी-मक्तान नं० 63, त्रिवेणी एक्पटेंशन कालोनी, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए पा सकेंगे।

स्थष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं ० 63, त्रिवेणी एक्सटेंशन कालोनी, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्स नं ० 37 जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

तारीख: 4-10-1985

मोहर 🖟

प्रकृष आइ. टी. एन, एस. ------

भायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 4 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन,भोपाल, 6008/श्रतः मुझे एस० सी० शर्मा.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं क्ष्मकान एवं श्राफिय प्लाट नं 7 बी पर (मकान नं 123/1) है, नथा जो लबरिया भेंक, धार रोड़, इंदौर में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री उर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीं अ फरवरी, 1985,

को पूर्वोक्त सम्परिः के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अ निहर और/गा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भागतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति है अप प्रकट नहीं किया गया था या फिला जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

स्तः तव, उस्त विधिनियम की भारा 269-भ को धन्नरस्थ भीं, भीं उसत समिनियम की भाग 269-भ की उपभाग (1) को अधीन, निम्नलिशित व्यक्तित्यों अर्थात् ः——

- (1) श्री जयमत्र सिंह् पिता श्री जीवतन्दगत्र तिवासी-86/1, राज मोहरूला, इन्दौर । (श्रन्तरक्र)
- (2) श्री हकीमुद्दांमन पिताश्री नजर हुसेन, इकबाल हुमेन पिताश्री नजर हुसेन निवासी--लबरिया भैक् धार रोड, इन्दौर। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके प्योंक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उनत् सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत ने 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आं भी अवधि ना में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति स्वाप्त;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पक्ति में हिसयव्स किसी अन्य व्यक्ति व्वाय कथोहस्ताकारी के पात्र सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--- इसमें प्रयुक्त सब्यों और पर्यों का, जो उक्त विधिनियम के वश्याय 20-क में प्रिभाषिष्ठ हैं, वहीं अर्थ क्षेगा, जो उस अभ्याय में दिया नेका हैं श

अमुसुची

सम्पत्ति 123/1, लबरिया भैरू धार रोड, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्सरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

सारीख: 4-10-1985

सोहर 🖫

प्रकृष कार्ष .टी .एन .शस . ------

नामकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन स्चन्त

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 4 श्रन्तुवर, 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/6009—श्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सम्पत्ति (मकान तथा श्राफिस टीनमेंड लाटज नं० 7 ए पर) रोड़ 123/1 लंबारिया भेंक धार इन्दौर है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्णक्प से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के काय लिय, इन्दौर में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, सारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के स्वयंत्रान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मूको यह विस्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाचार मूक्य, उसके स्वयंत्राण प्रतिफल से, ऐसे स्वयंत्राण प्रतिफल के पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नीकित उद्वोच्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिक रूप से क्रियंत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायक, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय भा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति ति व्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरिधा के लिए;

लत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अव्यत् ह——
18 —346GI/85

(1) श्रीमिति वियावती परित श्री जयमल सिंह निवासी-86/1, राज मोहरूला, इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हकीमुद्दीन पिता नजर हुसैन, इक्ष्याल हुसैन तिा नजक हुसैन, लायरिया भेक धार रोड इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर जक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

अमुस्ची

सम्पत्ति (मकान ग्राफिस, टीनभेड) नं ० 123/1, प्लाट नं ० ७ए पर, लाबरिया भेरू धार, इन्दौर में स्थित है। यह वह हस्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं ० 37जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-10-1985

प्ररूप आही. टी. एन. एव. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

नारत सरकार

कार्यासन, बहायक मानकर मानुसर (निर्दासन)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 4 श्रवस्तूबर, 1985

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/श्रर्जंन/भोपाल/6010---श्रनः मुझे, एस० मी० शर्मा,

वानकर निर्भानियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें पश्चात 'उनत निर्भानियम' नहा गया हैं), की धारा 269-न के जधीन सक्षास प्राप्तिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० म्यू० मकान नं० 72, श्रीनगर, कालोनी है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद श्रनुसुनी में ग्रीदेर पूर्णक्ष में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1985,

को पूर्नोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि उधापनित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान अतिफल हे ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के विश्वास संपत्ति से बिधक है, और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिफल , निम्नलिचित उद्देश्य से उच्च बन्तरण सिकित में विश्वास कर से किया गया है :—

- (क) विवरण से हुई किसी बाय की बाबस, उपल विभिन्निय के वभीन कर दोने के वन्तरक वें दायित्व में केशी करने वा सबसे बचने वो सुविधा के लिए: सरि/बा
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी भन या बन्य बास्तियों को बिन्हें भारतीय बायकर वांधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्तेत अधिनियम, या भन-कर बिभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में मृकिधा के सिए;

वतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की बनुबर्भ वो, मैं, उक्त जिथिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीतः निकासिक व्यक्तियों, वर्भातः

- (1) श्री तुलसी दास पिता टीकमदास जी हिन्दुआ निवासी-72, श्रीनगर कालोनी, इन्दौर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमित चांव देवी परिन स्व॰ श्री रामगोपालजी विजय निवासी-2, श्रानन्देश्वर गली, धार। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारौं करने पृत्रोंत्रस धम्पृत्ति के वर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हो।

उच्छ संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस त्यंता के राजपण में प्रकाशन की तारिंग है 45 दिन की जनींच या तर्सवंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वृत्येच नाइ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति सुवारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपति मेथ हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताकारी के पास सिवित में किए जा सकी।

स्वष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त कर्को और पदी का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वन्युची

म्यु० मकान नं० 72 श्रीनगर कालोनी, इन्दौर में स्थित है। यहि स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> एस० सी. शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-10-1985

नाधकड न्यित्यकः 1961 (1961 का 43) की पाय भारा 269-व (1) में पार्थन कुलवा

गाउव पुरनाव

कार्याच्या, सहायक वायकार वायुक्त (निर्दास्त्र) ग्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 4 श्रन्त्वर, 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०म्पर्जन/भोपल/6011~ भ्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

भावकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'स्वयं विभिन्नमं कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्रम प्राधिकारी को यह विभ्वास करने का कारच है कि स्थानर संस्थित, जिल्लका उचित् नानार मूर्स्स 1,00,000/- रा. से अभिक है

ग्रीर जिसकी सं म्यु० मकान नं० 73, है, तथा जो मोहल्ला घांदनी चौक, रतलाम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसुची में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रतलाम में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख, फरवरी, 1985,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के जीवत नावार मून्य से कम के करणनान प्रतिफल के सिए अन्तरित की वहाँ हैं और मूखे यह विश्वास करने करने का कारण हैं कि स्थान्कोंक्त सम्मत्ति का जीवत नावार भूका, कक्षणे व्यव्यान प्रतिम्बल से, एसे व्यवमान प्रतिफल का बच्छ प्रतिकृत से बल्कि हैं बीड बंतरक (बंतरकों) बीर अंत-रती (अंतरिहितसों) के कीच एसे बंतरण के हिए क्य पासा गया शृद्धिक किन्नितिकत उन्नकेष से उन्नत क्यारण हैं तिवत में बास्तविक रूप से कृषित नहीं किया पता है है----

- कि विद्या से हार किसी बाद की स्वस्ता करत प्रतित्वन से भूगीय कर रोगे हो संस्कृत से राजित्व में क्षणी करने वा उन्हें व्यूपो में सूचिया में विद्या: और/मा

क्तः क्क, क्क्त् वीर्थीन्वम् की नारा 269-म् के वयुक्रम् की, \hat{a}_D , उनत विभीनवस् की भारा 269-स की उपभारा (1) के अभीनः, निम्मितिक्कं व्यक्तियाँ E जभीतः E

(1) श्री कांतिलाल पिता केसरीमल झालानी के० मु० खास उमेशचन्द्र जिता कांतिलाल झालानी 71, छोटा सराका, उज्जैन।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री राजेन्द्र कुमार समस्थमल चौरिइया, कर्ता श्री राजेन्द्र कुमार, 60, चांदनी चौक, रतलाम।

(ग्रन्सरिती)

कार्र मह सुज्या जार्री कडके पूर्वोक्त सम्पत्ति में सर्वत् से जिए कार्ववाहिको करवा 🛍

क्या स्मारित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप ::---

- (क) इस स्थान में हासपन में प्रकाशन की तार्रीय से 45 दिन की बदीं या तत्स्वीं व्यक्तियों पर स्थान की शामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी संस्थित बाद में समान्त होती हो, के भीता पूर्वीक्त स्थानताओं में से किसी स्थानित इसारा;
- (क) इक सुक्रमा के राज्यम में प्रकाशन की तारीत से 45 विन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में दितनस्थ किसी क्ष्म म्युनिस द्वारा, जभोहस्ताकारी के पास निक्ति में किसे का सकतेंगे ।

रन्यकीकरण :---इसमें प्रमुक्त शुन्दों नी≾ पतों का, जो उक्त विश्वितवज्ञ के वश्वाय 20-क में परिभावित ही, बुद्धी वर्ष होगा को उस वश्याय में दिवस क्या है ।।

बन्युपी

मकान म्यु० नं० 73, मोहल्ला चांदनी चौक, रतलम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण भन्सरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैनरेंज, भोपाल

तारीख: 4-10-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरें ज, भोपाल

भोपाल दिनांक 4 ग्रक्तूबर 1985 निदेश सं ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6012---ग्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं भीर जिसकी सं० श्रीनगर कालोनी है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908का 16) के अधीन तारीख फरवरी,

1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उल्पित बाजार मूला से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एंसी किसी जाव वा किसी भून या जन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वीका के किए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) लेफ्टिनेंट कर्नल केशव राव पिता गौविन्द राव पवार, बम्बई (निवासी-602, नीलम ग्रपार्टमेंट, वर्सीवा, रोड, श्रंधेरी, बम्बई।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमित इन्दुमित पितन शेषरावजी, निवासी---मकान नं० 73, तिलकपथ, इन्दौर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां अर्क्ट करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाकरण : इसमें प्रमुक्त सुक्यों बहु पयों का, वो धकड़ विश्विषयम के बच्चाय 20-क में परिभाविष्ठ हैं, बहु वर्ष होगा को उस बच्चाय में विया वृक्षा है 3

अनुसूची

मकान नं 155, श्रीनगर कालोनी, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण भन्तरिती द्वारा सत्यापित कार्म नं 37 जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज, भोपाल

सारीख: 4-10-1985

प्रकप वाहरें द्वी . एवं . एस . ------

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चमा

भारत सरकाह

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्वाक्त)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अक्तुबर 1985

निदेश सठ० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6013—श्रतः मूझ, एस० सी० शर्मा,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० कृषि भूमि खे० नं० 315/1 है संथा जो ग्राम छोटा बांगडदा तह० व जिला इंदौर में स्थित है (ग्रीर इसमें उमाबद्ध श्रनूभूची में ग्रीर पूर्ण क्ष्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के तार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, फरवरी, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूचाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यनान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का कल्यह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तर्कों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिषक उच्चेश्य से उसत बंतरण निम्नित में कारिक रूप से किया नहीं किया गया है :--

- (क) नंतह्रण वे हृदं किसी नाम की नामक, प्रवस् निधानसम के नधीन कर दोने के नन्तरक के दायित्व में केनी करने या उससे बचने में सृतिधा के सिए; नौट्र/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी अन वा बन्ब आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुन्विया के पित्रा

(1) श्री रामलाल, दुर्गाप्रसाद व पूनमचंद पिता श्री सीतारामजी व सरस्वती बाई पति सीता-रामजी निवासी ग्राम छोटा बोगादा तह् व जिला इंदौर।

(भ्रन्तरक)

(2) बसणमाह गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्याधित इंदौर तरफे श्रष्टयक्ष संतराम दास पिता श्री खुबचन्दजी।

(ग्रन्तरिती)

का यह सुचमा बाह्य कारके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के तिए कार्मवाहियां करता हुं"।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की नवीं , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा:
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ब स्थिति ब्यारा, अथोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए या सकीन।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों गाँद पदों का, जो उक्त श्रीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नुर्ध द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भुमि ख \circ नं \circ 315/1, ग्राम छोटा बांगङ्घा तह \circ व जिला इंदौर में स्थित हैं।

एस० सी० धर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 10-10-1985

मोहर:

नतात अब उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण को, की, सकत निभिनियम की भारा 269-ग की उपभादा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

प्रचन आर्ष् ् की हुन हुन हुन । ≥ ≥ ≥ ≥

भावकर जोगानियन / 1961 (1961 का 43) मार्ड भारत 269-न (1) में भगीन सुक्राना

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (द्विरीक्षक)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 ग्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6014—ग्रतः मुझे, एस० सी० धर्मा,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विशे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० कोठी (भवन) एवं कृषि भुमि है तथा जो ग्राम फ़तेहपुर परगना, शिवपूरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की नहीं है और मुफ्तें यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निचित च्यूचेंच्य से उच्त जन्तरण किंदिचा को बास्तिक कप से कीचत वहाँ किंदा पना है मन्त

- (क) कन्तरण वे हुए कियाँ बाप की वाक्का कार अधिनवस के नवीन कर दोने के बन्तरक के शिवास में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए अंकि/वा
- (वा) एंसी किसी बाय वा किसी वन वा कव्य कारितवी को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट महीं किया नया था या किया जाना जाहिए था कियाने में सुविधा के

- (1) श्री शाहजी राव चन्द्रो राव श्रांग्रे निवसी श्रांग्रे बा, श्रांग्रे का बाजार, लक्कर, ग्वालियर। (ग्रन्तरक)
- (2) जनकल्याण न्यास, शिवपुरी। (भ्रन्सरिती)

को यह सुचना जारी काइको पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां सुद्ध करता हुई।

क्षड हमारि से बर्बंप के सम्बन्ध में कोई यी काक्षेप %--

- (क) इस स्थान के तायपन में प्रकाशन की तारीक के 45 विश की जुनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्यान की तामीक से 30 विन की वनिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति कृत्य;
- (क) इस स्थान के लावपण में प्रकाशन की तारित के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी नन्य म्यन्ति बुवाय अभोहस्ताक्षरी के पाव निवित्त में किए का सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरण --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्यो का, जो उनत अधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया यदा है।

नगुष्र्यी

कोठी, भवन एवं कृषि भुमि ग्राम फरेहपूर परगना शिवपुरी में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण भन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहाबक श्रायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) श्रुजंन रेंज, भोपाल

नतः नवः, जनतः वर्षिनियमं कौ भारा 269-ए कै वनुवर्षः मैं, मैं, उनत अभिनियमं कौ भारा 269-ए की उपभारा (1) के सभीर है निम्निक्षिक स्मृतिकती क्रमृद्धि क्रम्म

दिनांक: 17-10-1985

मोहर 🗯

प्ररूप आई.. टी. एन. एस.,------

आयकर अधिनिस्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/प्रजेन/भोपाल/6015—श्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० सम्पत्ति है तथा जो महू में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सुची में श्रीर पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, महू में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 ((1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्विक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत स अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देवस्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त मियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रें, क्रें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) कें अधोन, निक्नील[बत व्यक्तियों, अर्थात् ;;——

- (1) श्री कंजन सिंह चौहान ग्राम पिगडम्बर।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) मैसर्स साधनी मेटल प्रोमैसिंग एण्ड मेन्यू-फ़ेक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड, जवातर मार्ग, इंदौर (भ्रन्तरित्री)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के सत्त्वन्ध में कोंड् भी आक्षेप 🖰

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनयमः, के अध्याय 20-क में दरिभाषित हीं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगुस्ची

"फ्लैट नं॰ 7 प्लाट नं॰ 29 क॰ नं॰ 57, ग्रघेरी पूर्वी बंबई में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज, भोपाल

दिनांक: 16-10-1985

बोहर

त्रस्य बार्डं, टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासम, तहावक बायकार बाब्यत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 श्रक्तुबर, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोषाज/6016:---श्रतः मुझो, एस० सी० शर्मा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इत्तमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा स्वा हैं), की धाय 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आपण है कि स्थावर संस्थित, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० नया 199/1 व 199/4 है तथा जो ग्राम एमागिद, बुरहानपुर में स्थित स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अश्रीर तारीख फरवरी 1985

को प्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्ड संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल ते ऐसे क्यमान प्रतिफल का बन्द्रह मितस्त से अधिक है और वह कि अधरक (जंबरका) बीर बंबरिती रिती (अन्तरितिका) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाना गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तिक कम से कीवत महीं किया गया है ——

- (क) अन्तरक ते हुई किसी नाय की बावस, उक्त विधिनियम में अभीन कर दोने के सन्तरक में वाधित्व में कभी करने या उससे यचने में सुविधा में सिए; जॉड/बा
- (न) एसी किसी जाय वा किसी धन वा अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में सविभा के लिए:

बता विष, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के वधीन, निम्निसिन्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मोहम्मद अली पिना खलीलउद्दीन, बैरी मैदान, बरहानपुर।

(अन्तरक)

(2) दि इण्डस्ट्रियल कोआपरेटिव साइजिंग प्रोमैसिंग कैलेण्डरिंग सोमायटी, 19 इंडस्ट्रियल स्टेट, बुरहानपुर।

(अन्सरिती)

कां ग्रह कृषना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उनव सम्पत्ति को नर्जन को सम्बन्ध में कोई भी काकोप 🖫

- (क) इस स्वान के राज्यन में प्रकाशन की तारींच वें 45 दिन की नवींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवींच, को भी नवींच में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए वा सकोंगे।

स्पाद्धीकरण: -- इसमें प्रमृक्त शब्दों और पदों का, सो उक्त श्रीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

भूमि ख़ नं नया 199/1, 199/4 ग्राम ऐमार्गिद, जिला बुरहानपुर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण कि रण अन्तरिती ब्रारा सत्यापित फार्म नंबर 37जी में निहित है।

> ्गा० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज भोषाल

दिनांक: 15-10-1985

प्रथम बार्ड, टी. एन. एन. ----

माधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक <mark>आयकर जायृक्त (निरीक्षक)</mark>

अर्जन रेंज, भोपाल

भोगाल, दिनांक 15 श्रवतुबर, 1985

निदेश मं० ग्राई० ए० मी। श्रिजंन/भोपाल/6017---श्रतः मुद्धे, एस० मी। शर्मा श्रीवरः विश्वितंत्रथः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्माकं प्रकात कि जा मिला की का धारा है), की धारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संस्था

1,00,000/- रा. ने निधक हैं।

श्रीर जिस्ति। सं० भूमि खं० तं० 26 है तथा जो ग्राम लमूडिया मीर तहसील व जिला इन्होर में स्थित है (श्रीर इसमे उपावड़ श्रम्भुचा में श्रीर पूर्ण हम ये वर्णित है), रिजिस्ट्रशाली श्रमिनार के लायालय, इन्होर में स्थित है, करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रथीन, तारीख़ फरवरी, 1985

का प्वांक्त संपत्ति के उचित शावार मृस्य में कम के अध्यक्षात्र प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मृक्षे यह जिल्लाम करने करने का कारण है कि यक्षाप्में क्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एसे इत्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाण गथा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उसत अन्तरण कि मिलिक सं अधिक हमी कि या गया है:—

- (क) अन्तरण स हुइं किसी भाग की बाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक, अ दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृष्यिक के किए; बार/या
- अ। एमी किसी बाय या किसी धन या उत्य प्राप्तियों कां, जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना जाहिए था. कियाने से सुनिया के निए.

- (1) श्रं. प्रमेण नन्द्र पिता जगन्नाथ धार्मा, निवासी: ग्राम लभुडिया मीरी, तहर्मील व जिला उन्दीर। (ग्रन्थरूक)
- (2) श्रेः पृरूषोत्तम कृमार श्रग्नवाल पिता श्रंः राम कृमार जे श्रग्नवाल (2) विनोद श्रग्नवाल 'पता श्रंः राम कृमार श्रग्नवाल (3) श्रेःमती प्रमिला-देव: श्रग्नवाल पत्नी देवराज श्रग्नवाल (4) श्रंःमर्तः राजकुमार्रः श्रग्नवाल, निवासीः 354, साकेक नगर, इन्दौर।

(अन्त्रिनी)

की यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अवीध या तत्सेवंधी स्वक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सवीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थाविसयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्रं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति इतारा अभोहस्ताक्षरी के पान विवित में किए जा संकीं।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयावत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा वा उस कथाय में दिस्स गया है।

नगस्ची

भूमि ख० नं० 26. ग्राम लस्मृहिया मोरो, तह्म.ल व जिला इन्दोर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसात सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा मत्यापित कार्म नं 37 जो में निहित हैं।

> एस० सा० अर्था नक्षम प्राधिकारी: सहायक क्रांगकर क्रायुक्त (निराक्षण) क्राजीन रोज, भोजाल

दिनों ५: 15-10-1985

मेहरः

प्रसम्प कार्ड . ती . एम . एस . . -----

जायकः श्रीभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सृचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोजान, दिनां ए 15 ग्रन्तूबर, 1985

निदेश मं० ग्राई० ए० म. ०/ग्रर्जन/भोपाल/6018—ग्रतः मुझे, एस० सं१० शर्मा

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (श्विसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्याप करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० भूमि ख० नं० 84/1 व नया नं० 123 है तथा जो डार्घः तह. बुरहानपुर में स्थित है (ग्रीर समे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प मे वर्णित है), रिजिस्ट्रोक्ती अधितारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रिजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, फ़रवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के इश्वमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उचत अन्तरण निचित में वास्त-विक कप मे कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरक से हुई किली बाय की बाबत, उक्त बीधनियम के बधीन कर दोने में अन्तरक की ग्रीयत्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में तक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (१) के अधीन, निम्निविक्त स्पिक्तमों, अर्थात ः

(1) श्रा धमवार पिता रामलाल भरोरा वर्गरा प्रतापपुरा, बुरहानपुरा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मण रामू महाजन, शाहपुर।

(ग्रन्तरिवः)

को यह सृषना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के निर् कार्यवाहियां करता हुए।

बनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हैं
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विशा क्या है।

अनुसूची

मि ख॰ भूनं॰ 84/1 नया नं॰ 123, डोधं। तह॰ बुरहानपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है। जिसका सम्पूर्ण विवरण ग्रन्तरितं। द्वारा मत्यापित फ़ार्म नं॰ 37 जी में निहित हैं।

> एस० सरे० जर्मा ाक्षम प्राधि (परे) सहायक श्रायक्षण श्रायुक्त (निर्शक्षण) श्रजीन रेज, भोपाल

दिनाक: 15-10-1985

प्रकार नाहाँ, ही, एन, एस, ------

नावकार भिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) का भारत 269-म (1) के अभीत स्थाना

मारक तरकार

कार्यालय, शहानक जायकर नामृत्त (निर्धाणन)

अर्जन रेज, भोपाल

भोताल, दिनों 🤈 16 श्रक्तृबर, 1985

निदंश मं० ग्राई० ए० मी०/श्रर्जन/भोपाल/6019—अतः मुक्के, एस० मी० शर्मा

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त जिसका उचित दाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

अंदि जिसकः मं० प्लाट नं० 11 है तथा जो जाधव कालीनः आउथ नुकीगंज, इन्दीर में स्थित है (और इन्से उपापबढ़ अनुसूर्व: में श्रीर पूर्ण हुए में वर्णित है) रिजिस्ट्री- इति अधिकारों के कार्यालय, इन्दीर में रिजिस्ट्र वरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान, दिना है फरवरी, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य स काम के द्रविधान प्रतिकाम के निष् अन्तरिस की नई है और मुर्फ कह विश्वास कारने का कारण है कि वथापूर्विक्त सम्पत्ति का उधित बाजार ब्रुच, उसके दक्ष्वमान प्रतिकास ने, एसे दर्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिकास से विधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (जतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रति-का , निकासिकत उद्देश्य से उक्त के त्ररण निवित में बास्तिक के विष्

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाव्त, जबस बर्धिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के खर्मित्व में कभी करते या उछसे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (क) एसी किकी जाय या किकी भन वा अन्य आस्तियों की, जिम्हा भारतीय आनकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, सा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना वाहिए था, सिपाने में स्विभा के शिषा:

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाः (1) श्रो देव. याई जिल्ला श्री हारिका दास जी (2) श्री विक्रम श्रात्मज हारकादास जा (3) श्री समरलाल (4) श्री निर्मल कुमार (5) श्री हर्गण पुमार (6) श्री दिलीप कुमार सभी पुत्रगण श्री हारकादास जी एवं (7) श्रीमती शान्ताबाई पुर्वी श्री हारकादास जी दास जी, निवासी मुठ नं 9/2, नवरत्न बाग, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

(2) (1) था बिमलचन्द जैन ग्रात्मज था सुरजमल जा जैन (2) थामना पदमा जैन पत्नी था विमल चन्द जैन निपानी मकान नं 18/6, छोटो ग्वाल टोली, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान। जारी करके पूर्वांक्त संपर्तित के वर्षन के निष्, कार्यवाहियां करता हूं।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाद लिखित में किए जा सकींगे।

स्पाक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त विधिनियम के सभ्याव 20 का को परिभाषित हैं, वहीं अर्थ कोगा को उस वभ्यास में दिया भया है।

अन्स्ची

ण्याट नं । 11. जाधव कालोनी, साउथ तुकोगंज, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्यन्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्सरिती हारा सत्यापित फार्म नं 37 जं: मैं निहित हैं।

> एस० सी० पर्मा प्रक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रीज, भोपाल

दिनांक: 16-10-1985

प्रक्ष्य बार्च. टी. एन. १स. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आवृक्त (निरौक्षण)

श्चर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 अन्तुबर, 1985

शासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रोर जिनकी में में में में ने ने 15/90 का हिस्सा है तथा जो जबाहरनगर, रायपुर में स्थित है (प्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमूजी में प्रीर पूर्ण की में बिणत है), रिक्स्ट्रीरिक्त प्रधि-कारी के क्यांलिय, रायपुर में रिक्स्ट्रीरिक्त प्रधिन्यम 1908(1908 का 16) के प्रवान, ताराख फरवरा, 1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वाम करते का कारण है दि प्रथापूर्वीदत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल में, एमे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रक्रित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखत उव्यवस्य से उक्त अन्तरण निचित्र से सम्पत्ति कर सन्तरण निचित्र से सम्पत्ति कर सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखत उव्यवस्य से उक्त अन्तरण निचित्र से सम्पत्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है द

- (क) बन्धरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य के कभी करने या उससे वचने ने मुनिधा में लिए: और√या
- (स) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

बतः कवं, उक्त बिधिनियमं की धारा 269-ए के बनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) किं अधीन, विन्निस्थित व्यक्तियों, अर्थाल् :--- .

- (1) ज्योतिका बेन परिन मुकुन्द, जलाहर नगर रायपूर (भ्रन्तरक
- (2) रिक्मबाई, अणोककुमार, शंभुलाल सुशीलकुमार, श्यामसुमार, एवं अंगुरीबाई

(भ्रन्तरिती)

को भह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में काई भी वार्क्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र मा प्रकाशन की ताराख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य स्थिक्त द्याय अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्दीकरणः ---इसमें प्रयुक्त गव्यों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

यन्**म्य**ो

मकान नं 15/90 का हिस्सा जवाहर नगर रायप्र में स्थित है। यह वह स्थावर भभानि हैं, जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिता द्वारा सत्यापित फ़ार्स नं 37 जो में निहित है।

> एप० मा० णर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक्षण अर्जन रोज, भोपाल

दिगांच: 16-10-1985

मोहरः

अगल आईं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारक सरकार

कार्थालक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोषाल

भोपाल, दिनाक 16 अन्तूबर, 1985

निदेश मं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6021—ग्रतः मुझे, एस० मी० शर्मा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके दश्कात् 'एयत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षद्र पाधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपर्धा जिसका उचित बाजार मृल्य

1.00,000/- रु. से अधिक है

स्रीप जितकः सं० मातन नं० 992, 992/1 एवं (193 एवं 993/1, 1003, स्यू० प्लाट न० 116, 117 एवं प्लाट नं० 242/1 गला नं० 151, गोल बाजार, प्रबल्पपुर में स्थित है (श्रीर डाले उजाबद्ध अनुसूचा में स्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्र कर्ना स्रिधियर के १, ब्रिस्ट्र, अबलपुर में एजिस्ट्राकरण स्रिधिनियम 1908 (1908 कि 16) के स्रवान, तोराख 12-2-85

वा पूर्विका संस्पात्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एोसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिकात के अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निस्निलिंगत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कबी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के पणेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के लिए।

कतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :-- (1) श्रामता मुजाता मुपुता स्व० लेपट० ७० पी० श्राप्त० श्रोम, त्वितातो. 990, गोल बाजार, अन्तर्ग।

(भ्रन्तरक)

(2) (1) श्रीमतः मुनीका जैन पत्नी श्री विशय कुमार जैन (2) श्री विजय कुमार जैन ग्रीत्मल श्री एग० एल० जैन, (3) श्री कपिल कुमार जैन ग्रात्मण श्री केवल चन्द जैन, गोल बाजार, जवलपुर ।

(भ्रन्तरितः)

को यह मूचना जारी करक्षे पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

. स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, यही अर्थ हाया अं उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

मकान नं० 992, 992/1, 993, 993/1, 1003, म्पू० फ्लाट नं० 116, 117 एवं फ्लाट नं० 212/1, शिंह नं. 151, गोल बाजार, जिसानुर में स्थित है। यह बहु स्थावर सम्पत्ति है जिल्ला सम्पूर्ण विवरण प्रान्तिरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं 37 जी में निहिन है।

एस० सं≀० शर्मा क्षम प्रक्ति तरी सहायक द्रायकर द्रायक्त (निरोक्षण) द्रार्वन रोज, भोषाद

िताकः 16-10-1985

मोहर 🖫

प्ररूप जार्द्, टी. एन. एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंग, भोपाल

भोषाप, दिनां ह 17 ग्रक्तुदण, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० लं.्श्रिशंन/भोपाल/6022—प्रतः मुझे, एस० सं२० शर्मा अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

अध्यकर आधारयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम स्तक परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वतास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं प्राप्त नं 14/1, ईदगाह हिल्स है तथा जो ईदगाह हिल्स भोगल में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रानुभूची में ग्रीर पूर्ण क्या में (विणित है). रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिप्त शरा के जियलिय, भोगल में रिजट्रस्ट्रीकरण ग्रीथिनियम 1908(1908 का 16) के ग्रिप्त नं तर ख 5-2-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाखित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को सिए;

वतः अव, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण वै. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) इ.० जुरेन्द्र नक्षणबा आत्मज प्रतापसिंह नवलका निकासी, 26, होंजजाप, न्यु देहली।

(भ्रन्तरक)

(2) था प्रकाश चोटवानी द्यात्मज स्व० लेखराज निजामी 50-बी, ईदगाह हिल्स, भोपाल। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुक करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्न ब्वंध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्तुकी

प्लाट नं० 14/1, ईदगाह हिल्ल, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण प्रन्तिरिति द्वारा सस्यापित फ़ार्म नं $37 \, \text{ज}$ में निहित्त हैं।

एस० सी० धर्मा सक्षम प्राधिकारी सहाय र ब्रायक्तर क्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, भोपाल

दिनांक: 17-10-1985

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.-----

भायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सृधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनां 🤈 17 ऋक्तुवर, 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोषाष/6023—श्रतः मुझो, एस० सी० धर्मा

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 26%-ख के अधीन कक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- क से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 14/2 है तथा ईदगाह हिल्स भोषाल में स्थित है (और इपने उपाबढ़ स्रसूनुवां में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजिस्ट्रार्गा स्ववित्रियः के पार्यालय, भोषाल में रिजिस्ट्रारुग्ण स्विधितियम, 1908 (1908 का

16) के श्रधीन, तारीख़ 5-2-85

कारे पृथेक्ति सम्पत्ति के लिचत बाजार मृल्य से कम के रश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से. एसे रूपमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) को बाजारिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अफिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने मीं सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंमी किनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

अतः भव, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को क्रकीय, निक्तिनियन व्यक्तियों, अर्थातः :—-

- (1) डा॰ सुरेन्द्र नवलखा श्रात्मच प्रताप सिंह नवलखा निवासी:, 26, हीजखास, न्यु देहली। (ग्रान्तपार)
- (2) श्रः पूरुपोत्तमः खवः श्रात्मःः स्व० श्रः लेखराजः खवः, निवासः ५०-वंः, ईदगाहः हिल्लः, भोपालः। (ग्रन्सिन्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिएमं करता हुं।

उन्धा संपत्ति के अर्जान के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं 14/2, ईदगाह हिल्ड, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पन्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तिरितिः द्वारों सुत्यापित फ़ार्म नं 37 जं. में निहित है।

> एम० सः० शर्मा रुक्षम प्राधिकारीः सहायकः अध्यक्त (निरुक्षण) स्रजैन रेज, भोषाल

दिनांक: 17-10-1985

प्रस्तप आर्द्रां,टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जावकर आवृक्त (निरक्षिण) अर्जन रेग्स्य, बस्बर्ध

बम्बई, दिनांक 10 श्रक्तूबर, 1985

निदेश मं० ग्रई-4/37-ईई/15190/84-85----श्रन. मु**झे** लक्षमण दास

आवकर गणिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निर्मिनम' कहा गया है, की पारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को कह विवक्त करने का का फारण है कि नभाकृषिका त्विति का जीवत नावार 1,00,000/- रु. से शिक्क है

स्रीत (वेरहा नं पनेट नं 17 जो 4था मंदिल, "डें", विश गूलिस्थान स्रापर्टसेट "वं", एसा विश् रोड, प्लाट जिसका मां टा एसा नं 1053/1 से 7,दिह्यर (पूर्व), बस्वर्ड में स्थित हैं(श्रीर इसने उपाबद्ध स्नमुखा में स्रीर पृण स्प मे बणित हैं), स्रीर जिला सरास्तामा स्रायकर स्रधिन निजम, 1961 के धारा 269 ं, ख के स्रधान, बस्वर्ट स्थित सक्षम प्राधितारः के त्यालिय में रिजस्ट्रा है। तारीख 1-2-85

को पूर्योक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रिक्षणल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में किंशन नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण में हुई किमी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा की लए; करेंग/सा
- (स) ऐली किसी आय वा किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिल्ह भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिए था, छिपाने में सुविधा जै लिए.

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा १६९-ए के अनुसरण मी, मी, उक्क अधिनियम की धारा २६९-ए की उपधारा (1) • की अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थातः :—-- (1) बेस्टने दाइया विल्डमं।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रःमतः महेरबानु श्रमः स्थलः देख्या । (श्रन्तिरती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना को राजनत में त्रकाशन की तारीच से 45 दिन की सबीभ ना तत्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की तानील से 30 दिन की नवीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीत र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के संबंधन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर संपत्ति में हितबहुध न्यूप किसी जन्य व्यक्ति ह्वारा, जभोड्न्साक्षरी के पास लिखित में किस् जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों बरि पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसुची

फ्लैट नं० 17, जो, उथीं मंजिल, "हीं" विंग, गृलिस्थान ग्रापार्टमेंट, "बीं", एग० वीं० रोड, प्लाट जिसका मीं० टीं. एस० 1053/1 से 7, दिहसर (पूर्व), वस्वर्ड में स्थित है। ग्रानुसूची जैसा जि क्र० में० ग्रार्ड-4/37-ईई/15190/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वर्ड द्वारा दिनीत 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दार पक्षम प्राधिकर सहायक ग्राधकर ग्रायुक्त (निराक्षण) ग्राजन रोज-4, बम्बई

दिनोंक: 10-10-1985

महिन:

प्ररूप बाइ .टी.एन एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं श्रार० ए० सी० नं० 15192/8 4-8 5- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित हाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

गीर जिसकी सं० पलैट नं० 14, जो, 3री मंजिल, "ई"
विंग, गुलिस्थान अगर्टमेंट "ई" प्लाट जिसका सी० टी०
एस० नं० 1053/1 से 7, एस० बी० रोड, दिहसर (पूर्व),
बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में गीर
पूर्ण रूप से विंगत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
1-2-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विष्कास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वोद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त क्रिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किमी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलाबत व्यक्तियों, अवित् :--- 20 -- 346GI/85

(1) वेस्टर्न इंडिया विरुडर्स।

(मन्तरक)

(2) श्री प्रेमजी नानजी दोढीया।

(घन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

फ्लैट नं० 14, जो, 3री मंजिल, "ई" विंग, गुलिस्थान भाषार्टमेंट "ई", स्लाट जिसका सी० टी० एस० नं० 1053/1 से 7, एस० वी० रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क० सं० भई-4/37-55/15192/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांस 1-2-1985 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

प्रस्य बार्ड, टी. एन. एस..----

णायकर आविविधम, 1967 (1961 का 43) की भोड़ा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयक्त (निरक्षिण)

छर्जन रेंज-4, बम्बई

बष्करी, दिसांग 10 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं ० जई- 4/37-ईई/14942/84-85--**अतः मुझे,** लक्ष्मण दासः,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके १२लात् 'लबत अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-स को अभीन राक्षम अभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है जिल्लाहर सामित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,06,000/- एउ. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० पर्नैट नं० ए/10, जो, माधव श्रीपा, 2री मंजिन, अराठा कारोती, दितुतर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इसपे उपावल शत्युची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिल्ला करास्त्रामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 200 क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 1 - 2 - 1985

की पहाँचत सरामि के जिल्ला अधार महाय से कम के दश्यमान प्रतिफल को विषय सम्बन्धित की गई है और सुभते यह विश्वास **करने** का कारण वे कि वधायतींदन संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी शामकान प्रतिकास से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का र्गतह प्रतिकास से स्वीएक हो स्पेर अंतरक (अंतरकारें) बार **अंतरिती** (अंतरिकारों) ों कीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विभविष्या उन्नद्देश से जनत अन्तरण निवित में बास्तीवक राप में मिधार नहीं किया गया है :--

- (क) पर की नहीं दिश्यों साथ की बाबल, विभिन्नियाम १५ मधीन कर दीने के अन्तरक की दाजिला में कभी करने या उससे बचने में सविधा 7 to 30 m
- (ख) एंसी किसी क्षम मा किसी धन या अन्य **आस्तियों** राजे जिल्लो भागनीय आय-कार अ**धिनियमः 1922** (२०७० का ११) का अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का. 27) के बयांजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गरा भा दा किया जाता पाहिए था. छिपाने में संशिक्षा से लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-वं की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ा—

- (1) श्रीमती सरस्वती दीनबंधु यादब
 - (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बरफोदेवी लालसिंग छलिया। (घन्दरिक्ते)

की वह ब्रम्ता झारी कर्डके पूर्वोक्त ब्रम्पीत्य के बर्डन 🗣 निए कार्यवाहियां कार्**टा, ह**ूँ.॥

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की संवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पुष सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बंबीय बाद में बमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका म्थवित्यां में से किसी म्यक्ति बुवारा;
- ं (च) इ.स. सूचनाको राज्युत्र में प्रकासन की तारीच वं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिबित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त विधिनियम, को बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष द्वांगा भो उस मध्याय की दिवा गया #1

अनुसूची

फ्लैट नं॰ ए/10, जो, माधव क्रीया, 2री मंजिल, मराठा कालोनी, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है। **ध**त्सूची जैसा कि ऋ० सं० धर्द-4/37-ईई/14942/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी: बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर भायकत (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बम्बई

विनोक: 10-10-1985

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 श्रक्तूबर 1985 निर्देश सं० भई-4/37-ईई/14999/84-85--श्रतः मुझ, लक्ष्मण दास.

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. दुकान गं. 1, जो विश्व विंहग को. आप ह हाउसिंग, सोसाइटी लि.., शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बइ²-68

में स्थित हैं (और इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से धणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिशारी के नायित्य, खैरताबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन फरवरीं 1985

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्मूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निसित उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय. की बाबत, ज़क्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट जहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के चिए;

श्रातः अस्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अर्थात् :— (1.) मैसर्स विश्वविहंग को-धाप० हार्ऊाप्तग सोसाईटी लि०

(भ्रन्तरक)

(2) श्री अप्योक अप्रवाल

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि सा तरलंबंकी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, जे की उर पूर्ववित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवास,
- (स) इस सूचना के राजपत्र की प्राप्तात की तारीस से 45 विन को भीटर उदात रक्षार प्राप्त की की हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति इताम अर्थाहरूका को पास लिखित में किए जा सकींग।

स्मब्दीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, ओ उदत अधि-नियम, के सध्याय 20ना भी परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस बच्दान में दिया गया है।

मन्स्ची

दुकान नं० 1, जो, विश्वधिहंश फो-प्राप्त० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेंड, शिवाजी रोड, दहिमर (पूर्व), बम्बई 68 में स्थित है।

भनुसूची जैसाकि कि० सं० धरी--4/37-र्यही/14999/ 84-85 भीर जो सक्षण प्राधिकारी, प्रस्कृष्ट द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रिजरटर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षय प्राधिकारी सहायक भागकर धासुका (निरीक्षण) प्रार्थन रेंज-4, बम्बई

विनांक: 10-10-1985

शक्य बाह् दी एन एड - -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, अस्वर्ध

बम्बई, दिनांक 10 श्रक्तुवर 1985

निर्देश सं० धाई-4/37-ईई/15002/84-85---- धतः मुझे, लक्ष्मण दास,

मायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० दुकान नं० 5, जो, विश्वविहंगम को-भ्राप० हार्जीसंग सोसाईटी लिभिटेड, प्लाट नं० 1236, शिवावाजी रोड, विह्सर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (भीर इससे उपावस भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारनामा भ्रायकर भिर्मियम 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीचत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान लिए अन्तरित की गर्द और मुभते यह विश्वास करने का कारण कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, एसे इदयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्विष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ६---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्स विधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा वी लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मां, मां, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) मैसर्स विश्वविष्ठंग को-भ्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०।

(भन्तरक)

(2) मैसर्स केसकर इलेक्ट्रानिक्स।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद् सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (अ) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की सारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपर्तित मों हितबय्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी को पास निवित्त मों किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

बहर की

वुकान नं० 5, जो, विश्वविहंग को-भ्राप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटड प्लाट नं० 1246 शिवाजी रोड दहिसर (पूर्व) बम्बई-68 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि सं भई-4/37-ईई/15002/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेंज-4 बस्बर्ष

दिनोक: 10-10-1985

प्रकृप बाइ .टी. एन. एस . -----

नायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज+4 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 अन्तूबर 1985

तिर्वेश सं० अई- 4/37-देदी 15001/84-95-- अाः मुसे: ¶ लक्ष्मण दासः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक **है**

श्रीर जिसकी सं० दुराभ नं० 2 जो विषयविद्यं की-आप० हाऊ किंग सोलाईटी जिमिटेंड शिवाजी रोड दिल्सर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (घोर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वींगत है), श्रीर जितका करारनामा आय-फर अधिायम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्रभिवकारी के कार्यालय में रजिस्टी है। **सारीख 1-2-1985** को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के परयमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ह--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, बन्त विधिनियम के अभीन कर दोने के बुन्तरक की कायित्व में कभी करने या उससे बचने से स्वीवधा के लिए; बार/या
- (थं) एसे किसी बाय वा किसी भन्न वा अल्ब बारिस्टिंगी को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियन, 1922 (1,922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धव-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास्य प्रकट नहीं किया व्या भावाकिया वाना वाहिए था, क्रियाने में सुविद्या 🖷 थिए;

बतः बन, उक्त वीधनियम की भार 269-न-के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों,, वर्षात् ध-

(1) मनर्स जिम्बनिहर को-आए० हार्कीन सोनाईटी लिनिटेंड ।

(अन्तरक)

(2) मसर्स शरोश बेनेफिट ट्रस्ट।

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके प्रॉक्त सम्पत्ति के व्यन की विद्य कार्यवाहियां शुरू करता हो।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवेधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी नविश बाद में समाप्त होती हो, के भौतर प्रवेक्त म्यंक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

ल्बच्चीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सुन्दा आर पर्योका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही क्रिंहोगा को उस अध्याय में विया यया है।

प्रमृसूची

षुकाम नं० 2, जी, विश्वविहंग की-आप० हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटड, शिवाजो रोड, वहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/15 1/ 84-85 मीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलाक 1--2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~4, बम्बई

विमोक: 10-10-1985

मौहर 🙏

प्रस्य वार्च टी.एन.एस..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के न्भीन सूचना

सारत त्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्⊶4, अम्बई अम्बई, दिनांक 10 अनुबर 1985

निर्वेश सं० मई > -3/37-ई > ई >/16459/84-85--मत: मुझै, लक्ष्मण वास,

नायकर निंभिनियम, 1961. (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके भश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 था के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

मार जिल्ला संव दुकान नव 4, जो, मन्य महंग की-आपव हाउसिंग सोताईटी समोड, घवाजी रोड, दस

बन्दई— 8 में रणत है (बार इसते उपाबद अनुसूची में बार पूर्ण रूप से वाणत है), बार जितका करारतामा आय-कर अधित्यम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीत, बन्दई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याख्य में रिल्ट्री है सारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-गरती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्निस्सित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिस्ति से बास्तिक रूप से किथत नहीं किया यस है :---

- [क] बंतरण से हुइ किसी बाय की बायत, उक्त बीधिनियम के बधीन कर दोने के बंतरक के बाधिरवं में कमी करने वा उससे बचने में बुविधा के सिए; बीद∕या
- (व) ऐसी किसी नाव या किसी भन या नन्य नास्तियां को, जिन्हों भारतीय नायंकर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनयम, या बन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती व्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविशा के सिए;

कतः वश्, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै उसं विश्वविद्ंग को-आप० हाऊर्विग सो उाईटी लिमिटेंड।

(अन्तरक)

(2) श्री अमरचंद आर० राडर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

इस्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंध 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो,, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के थजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तित्रण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उपके अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्र व

दुंगान नं० 4, जो, विस्वतिहंग को-न्नाप० हाउसिंग सोताईटी जिनिटेंड, सिवाजी रोड, वहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुपूत्री जना कि कि सं अई-4/37-ईई/15060/ 84-85 मोर जो सजन प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोझ 1-2-1985 को रजिल्डेई किया गया है।

> लक्मग दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भागुनत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, यम्बई

विनाम: 10-10-1985

प्ररूप नाइ", टी. एन. एस. 🗷 - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारं। 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यासय, सहायक आयकार आयक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, विताक 10 अन्तूबर 1985 निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15003/84-85-अतः मुझे, सक्मण दास.

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269- ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

पौर जिन्नकी सं उ दुकान नं 3, जो, विश्व विहंग को-आप हाऊ सिंग सो ताईटी लिमिटड, प्रलाध नं 1236, शिवाजी रोड, बहिसर (पूर्व), अम्बई-68 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बीणत है), ग्रीर जिसका करारतामा आयकर अधित्यम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरही है तारीख 1-2-1985 को

को प्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करते का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उगके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में वास्तियक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत., उक्त विधिनयम के अधीन कर देने के मन्तरक के दियत्व में कमी करने वा उससे बचने में मृतिभा के निएं: और/मा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में यविधा के सिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) मैससं विश्व विहंग को-आप॰ हाउतिंग सोताईटी लिमिटड

(अस्तरक)

(2) श्री परमाकर एस० मिलकर।

(अन्तरिती)

कों यह स्थाना थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिक्ष कार्यवाहियां सुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्थान की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकारन की तारीए से 45 दिन की भीतर उक्त स्थानर सम्मेरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ सामन में किए का सकत्म।

स्वध्यक्तिरणः ---- इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक्ष सिधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषिह हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस गया है।

वन्स्ची

दुकान नं० 3, जो, भिरत बिहंग की-आप० हाऊिता सोताईटी लिनिटड, प्रलाट नं० 1236, शिवाजी रोड, एहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-4/37-ईई/15003/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विकन 1-2-1985 को रिजल्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधितारी सहायह प्रायश्य प्रायुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

_বিদকি: 10-10-1985

मोद्वर ह

वेक्स मार्च हो । १९ । १६ ----

नायकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-श (1) के अधीन सुचना

शार्व प्रकार

कार्याक्षय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अन्तूबर 1985

निर्वेश सं० अई--4/37--ईई/18062/84--85---अत: मुझ, सक्मण वास,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर िताकी सं व पुणान नं 6, जो, विश्वविहंग को-आप हार्जीतम सोताईटी लिमिटड, शिवाजी रोड, बहिसर (पूर्व), बम्बई—68 में स्थित हैं (भीर इससे जपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रून से वर्णित है), भीर जितका करारनामा आयकर विधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्य में र्रजस्टी है, कारीख 1—2—1985

को प्वांक्स सम्परित के उपित बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का क्ष्यह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि बिहत में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त धीर्थनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बत: वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण के के, उक्त अधिनियम की धारा-269-च की उपधारा (1)-के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैत्रसं विस्थिवहंगम को-आए० हाउसिंग सोताईटी सि०

(अन्तरक)

(2) श्री वानेचंद धनगलाल जैन

(अन्दर्गरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन् को संबंध में कोई भी बाक्षेप् ह—-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशित की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के बध्धाय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस बध्याय में दिया प्या है।

अनुसूची

युकान न० 6, जो, विश्वविहग को-आप० हार्जीसग सोताईटी लिमिटेड, फिवाजी रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई--68 में स्थित है।

अमुसूची जीसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/16062/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 1-2-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण धास सक्षम प्राधिशारी सहाय ह द्यायकर द्यायुषत (तिरीजण) अर्जन रेंज-4, दम्बई

विनोक: 10-10-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की भारा 269 घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्ब**ई**

बम्बई, दिनाँक 10 श्रक्तूबर 1985

निर्वेश सं० ग्रर्ष-4/37-ईई/15031/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इनवें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 7, जो, विश्वविहंग को-भाप० हाउसिंग मोसाईटी निमिटेड, शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावब प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है), ग्रीर जिमका करारतामा ग्रायकर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रीधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के इद्येशन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित काबार मृत्य, उसके दृद्यमान प्रतिफल से, एसे दृद्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरित्यों) के बीच एसे अंसरण के सिए तय पाया गया इतिफल निम्नलिचित उच्चेश्य से उक्त अंतरण निम्लिच में शास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरम ने हुई भिन्नी भाग की बानत, उक्त अधिनियम के सभीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (था) एसी किसी काय या किसी धन वा अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा विद्या के किया:

आतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक वों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अभीता निम्लीसिक्त व्यक्तियमों, वर्षात् र—— 21 346 GI/85 (1) मैप्तर्स विश्वविहंग को-भाप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड।

(भन्तरक)

(2) श्रो देवराज छ गनलाल जैन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी बारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यकाहियां कुरु करता हूं।

अवत तम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप र---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बविध या तस्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उज्जल स्थावर संपत्ति में हित्तबद्ध किसी बन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए या सकरी।

स्पक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का को उथस निधिनियम को अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 7, जो, विश्व षिहंग को-श्राप० हाउसिंग मोसाईटी लिमिटेड, शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई— 68 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि क० सं० म्रई-4/37-ईई/15031/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनौंक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बस्बर्ध

दिनाँक: 10-10-1985

महिर :

प्रका नाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

नारत परकार

कार्याक्रय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/15318/84-85-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उथित बाजार मृख्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 44/बी, जो, 4थी मंजिल, "चंद्रलोक" इमारत, प्लॉट जिसका सर्व नं० 918, जे० एम० रोड, दिहसर (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची से श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के

- (क) अन्तरण ते हुई किती बाब की क्वक, उपध वीधियान के वधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्वः में कवी करने-वाः उत्तरे वचने रें बृत्विधा के सिए; बाँड्र/वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरीती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अत: अब, उक्त किंधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण सों, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अभीन, निम्मलिखिन अमिक्तयों, अभित् :--- (1) श्री ग्रविनाश एम० खिरे।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गांतीनाथ इग० पाँगरे।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना अारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

रुभव राज्यक्ति के कर्जन में संबंध में कोई भी बासप :--

- (क) इस सूचना के हाज्यम में प्रकाशन की तारीच से 45 दिव की श्रवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सविध, को भी श्रवीध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी न्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के श्रीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्म किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के शक्त के सिकित में किए जा सकोंचे।

स्वकालया :---इसमें प्रयुक्त कथां और पदों का, को उपत मधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

प्रनुस्ची

फ्लैंट नं० 44|बी, जो, 4थी मंजिल "चंद्रलोक" इमारत, प्लॉट जिसका सर्वे नं० 918, जे० एस० रोड, दिहसर (पश्चिम), बम्बई-68 सें स्थिन है।

ग्रानुस्ची जैमा कि कि से प्रई-4/37-ईई/15318/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-2-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-4, बम्बई

दिनाँक: 10-10-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत संरकार

कायालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजंन रेंज-4, बम्बई
बम्बई, दिनाँक 10 श्रक्तूबर 1985
निर्देश सं॰ श्रई-4/37-ईई/15081/84-85--श्रतः मुझै, सक्ष्मण दासः

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 36, जो, तल माला, वर्धमान इंडस्ट्रियल इस्टेट, सर्वे न० 120, एच० नं० 6 और 10 दिहसर, वम्बई—68 में स्थित है (श्रौर इसमे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूपमे विणित है), श्रौर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, वम्बई स्थि। सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरिल की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निविश्वत उष्दृष्टिय से उक्त अन्तरण लिश्वित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निविश्वत व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्न (1) वर्धमान कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं मर्स पायोनियर इन्डस्ट्रियल कारपोरेशन। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि शोद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थ हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगराची

यूनिट नं० 36, जो, तल माला, वर्धमान इंडस्ट्रियल इस्टेट, सर्वे नं० 120, एच० नं० 6 और 10, दिहसर, बस्बई-68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा श्रि क० सं० े श्रई-4/37-ईई/1 5081/ 84-85 श्रीर जो पक्षम प्राधिकारी बश्बई द्वारा दिनाँक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-4, बस्बई

दिनाँक: 10~10~1985

प्राक्त बाई . ही . हन . हस . -----

भायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक भावकार बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज--4, अम्बई बम्बई, दिनौंक 10 प्रक्तूबर 1985

हि निर्वेण सं० ग्रई-4/37-ईई/15181/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वाम करने का का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 26-ए, जो, रतन नगर, एम० वी० रोड, दिहमर (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख वे श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

कां पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से, एसे उश्यमान प्रतिफल के पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और बन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिल्ल में बास्तिविक रूप से किया गवा है :——

- (क) नम्बद्धा वे हुई किसी जास की वावस, स्वयं अधिनियभ को जभीन कर योगे के अस्तरक के सांश्रद्ध में कथी करने या तससे बचने में सांग्रिय। मैं किए; सार/वा
- (च) एसी किसी भाग मा किसी धन या अन्य आस्तियाँ को चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अध्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्भ था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा वी सिद;

बतः वन, उक्त नियमियमं की धारा 269-ग के अनुसरक मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क नधीन, निम्निकिसित व्यक्तियों, सर्थात् :---

- (1) मैंसर्स श्री सदगुर इन्टरप्राईसेम 1. श्री जगवीम नारायण राणे और
 - 2. श्री मनोहर वामण नाँदगाँवकर

्ध्रन्तरक)

(2) श्री भगवान गोविद लाड श्रीर श्रीमती प्रभा घनश्याम ग्रपराज

(भन्तरिती)

चा वह सूचना वारी करके पूना कर सम्बद्धित के नर्जन के ज़िए। कार्यवाहियां करता हुंगू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सी 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जनिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं

 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अभिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वस है।

अमुसूची

प्लाट नं० 26-ए, जो, रतन नगर, एस० वी० रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है। प्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्रई-4/37-ईई/15181/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

प्रकम बाह्री . टर्ने . एव . ००००००००

जायकर निभिनियम, 1981 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सुचना

नगरत भरकार

काधालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीजन) मर्जन रेंज--4, बम्बई

बस्बई, दिनांक 10 भ्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/15239/84-85--ग्रनः मुझे ,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव दुहान नंव जी, जो, सुमती इमारत 275, लोकमान्य हिलक मार्थ, रेलवे स्टेशन के सामने, दहिसर (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच: में और पूर्ण कर से विणत हैं), श्रीर जितक उराराम श्री कर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 कुछ के श्रीतिन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्र है, तारीख 1-2-1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के अयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का अरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भीतफल से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दंश्य से उक्त अन्तरण जिलित के बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) मन्तरण ते हुई किसी मान की नावक, क्यस निधिनियम के सभीन कर दोने के जन्तरक की दायित्व में क्षत्री करने या उत्तत्ने वचने में सुविधा को लिए; जीर/या
- (क) एसी किसी नाय वा किसी अन क्षं अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर निर्धानयम, या धनकर निर्धानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, जिन्नाने में अविधा के किय्,

अतः जव, उक्त जीभिनियम की भारा 269-ग के जनुतरण जो, मी, उक्त अभिनिधम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रोत बस्तां: भारा के० जैन।

(भन्तरक)

(2) श्रं: दगाल सींश इदनानी श्रीर श्रारण सींश इदनानी।

(भन्तरितं)

को यह स्थाना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थत के तिथ् कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उन्तर सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह है 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाकन की तारीच सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किती जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के वास तिचित्र में किए जा सकेंगे।

स्त्रव्यक्तिरणः ----इसमें अमुक्त शब्दों और पदों का, को अक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभावित ही, वही अर्थ होगा को उस अध्याम में दिया गया ही।

दुकान नं जिं, जो, सुमर्थः इमारतः, 275, लोवमान्य तिलक मार्ग, रेलवे स्टेशन के सामने, दहिसर (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसाकि कि मं० श्रई-4/37-ईई/15239/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनां हः 10—10--19**85**

मोहर 🖫

प्ररूप आईंिटी. एन. एस. ------

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनां र 10 श्रक्तूबर,1985

निर्देश सं० श्रर्द-4/37-ईर्द्द/15189/84-85--श्रते:, मुक्की, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें गरुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिलका मं० पर्लंट नं० 13, जो, उर्/ मंजिल, "ई" विंग, गुलिस्थान श्राटंभेंट "बा", एस० वा० रोड, प्लाट जिल्हा साठ टु.० एड० वं० 1053/1 से 7, हांट्सर

जिल हा स्राठ टाठ एउठ नंज 1053/1 में 7. दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्वा में श्रीर पूर्ण कर में विणित हैं), श्रीर जिल्ला करारनामा श्राय हर श्रीश्रनियम 1961 का धारा 269 का ख के श्रवान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि हरा के कार्यालय में रिजस्टा है,

研で/理 1-2-1985

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कार्यक्ति रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (भि) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) बेस्टर्न इंडिया बिल्डर्म।

(श्रन्तरक)

(2) प्राननः सहेरबान् गरांफ्रभाई दोढाया। (श्रन्तरिता)

को यह अपूजना आरी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के प्राप्त लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

पनट नं 13, जो, 3रा मंजिल, "ई" तिंग, गुलिस्थान श्रादिमेंट "बे?", एस० वं ० रोड, प्लाट जिसका में ० टी० एस० नं 1053/1 से 7, दिह्सर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनूसुत्रो जैंगा कि करु मंरु अर्ड-4/37–ईई/15189/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधि π र्रा बम्बई हारा दिनां ह 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि शरो सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 10-10-19**8**5

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नाथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन स्पना

भारत चंड्रकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, अम्बई

बम्बई, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० श्रई--4/37--ईई/15191/84--85---श्रतः मुद्ये, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम शाधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृन्य 1,00,000/- रह. से शिधक हैं

श्रीर जिनकें। सं० फ्लैंट नं० 1, जो, 4थी मंजिल, "डं।" "विज", गूलिस्थान अशर्टमेंट "बी", एस० वं:० रोड, फ्लाट जिन्नमा सी० टा० एस० नं० 1053/1 से 7, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूजः में और पूर्ण रूप में विणात है), और जिसाम शरारनामा श्रीयार श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि गरी, के जार्यालय में रिजस्ट्री है, धारिख 1-2-1985 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार बृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्ठम से, एस दृश्यमान प्राचम्म का पन्द्रह प्रतिवान में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिनी (अन्तरित्यों) के बीच एसे बंद्यूच के चिए दृष्ट पाक्य प्रवा प्रतिष्ठन, जिन्नसित्ति उद्योध्य से दुवत बंदरण किच्यित में बास्सावक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मंतरण पंडूप्ट जिल्ली बाल की बाल्ला, उनके विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक, के दायित्व मां कभी करने वा सबसे बन्दने में सुविधा के, लिए, भार/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोक्तपार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा वा किया बाना चाहिए वा कियाने में गाँवधा के लिए.

नतः शव, उपत वीधीनवन की धारा 269-न के अनुसरव वॉ, मैं, उक्त वीधीनयमं की धारा 269-न की उपधारा (1) के जधीन, निम्नानिकित स्वनितवों, वशीत् ध⊷ः (1) वेस्टर्न इंडिया विल्डर्स ।

(भ्रन्सर्क)

(2) श्राः श्रमः प्रज्ञतः प्रेमजं। दोई या।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्थन के निक् कार्यवाहित्यां करता हुं।

बक्त बम्पत्ति के वर्षन के बम्बन्य में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्त स्यक्तियों में में किसी ब्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस सुबना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीच है
 45 विन के भीतर उत्तर स्थायर सम्पत्ति को हिसबहुभ किसी बन्य व्यक्ति ब्वाए, अभोहस्ताक्षरी के
 पास किवित को विश्व का सकेंद्रे है

स्वच्यक्रिकरण: ----इसमें प्रमुक्त सच्यों मौर पद्यों का, जो उक्त जिथ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

पर्लंट नं० 18, ओ, 4थी मंजिल, "र्ड?" विंग, गूलिस्थान भ्रागर्टमेंट "बं?", एस० वं१० रोड, प्लाट जिस हा सी१० टं१० एस० नं० 1053/1 से 7, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रन्भुचः जैसा कि कि सं प्रई-4/37–ईई/15191/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 1–2–1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास अक्षम प्राधि*ारः* सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निराक्षण) **म**र्जन रेज-4, **बम्बई**

दिमांक: 10-10-1985

मांहर 🚁

प्रकृष बार्च . टी. एन . एच . -----

भाषकर निर्मानव्य, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-न (1) के नमीन स्मान

भारत सरकार

कार्बासय, सहायक आयकर नायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज⊷4, बम्बई

बम्बई, दिनां ा 10 श्रन्तुबर 1985

निर्देश सं० मई-4/37-ईई/15091/84-85--म्ब्रतः मूझे,

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं० धुकान नं० 12, जो, सल माला, 8, 9 10 इमारत, रत्तन नगर, दिहसर, बम्बई-66 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसुंबं: में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रिबीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख़ 1-2-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान मृतिक्स के लिए बन्तरित की गई है और मृत्रों वह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य , इसके क्यमान प्रतिकल को पन्तह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (बंतरका) और अंतरिती (बंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया मृतिकल विभविद्या उद्योग से अक्त बंतरण सिवात में बालतिक कप से कथित नहीं किया नवा है है—

- (क) बलाएण वं हुई किसी बाब की बाबस, उक्त गरियां के न्यीन क्ष्म योगे के बन्धरक के वाक्तिय में कमी करने वा उक्ष वंचन में स्थित। के लिए; बाँह/वा
- (थ) इसी किसी नाम वा किसी धन या नन्य आस्तिनों को, चिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, फ्रियान में कृतिका के निए;

नतः नवं, उन्त निधिनयम की धारा 269-न ने बनुबरक नें, में, उन्त निधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) व नधीन. निध्नसिवित न्यन्तियों, नधीत (---

- (1) भीतर्स परम शानन्द बिल्डमं प्राईवेट लिमिटेड। (शन्तरक)
- (2) श्राः प्रशोश कुमार कर्नडिया।

(श्रन्तरितः)

कारों यह स्वाना कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाष्ट्रियों करता हो।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोड भी नाक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं व र्ष 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों दर सूचना की तामील से 30 दिन की समिथ, वां भी जन्मि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्पिक्तमों में से किसी स्पक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपण में प्रकाशन की तारीय स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए वा सकरें।

स्थळीकरणः — इत्यों प्रयुक्त कव्यों नीर पर्यों का, को उक्त विभिन्निक के वध्याय 20-क में परिभाविक ही, नहीं वर्ष होगा, को उस वध्याय में विकासका है।

बर्ग करें

दुकान नं 12, जो, तल माला, 8, 9, 10 इमारत, रतन नगर, दहिसर, बम्बई-66 में स्थित है।

प्रानुसूची जैसा कि कि सं प्राई-4/37–ईई/15091/84–85 थ्रौर जो सक्षम प्राधि सर्/, बम्बई द्वारा दिन 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

लक्ष्मण दास पक्षम प्राधिकारः सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्ब**र्ड**

दिनांक: 10-10-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भाषा अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीम मुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-4, वस्बई वस्बई, दिनाँक 10 ध्रक्तूबर 1985

निर्द्रोण मं० श्रई-4/37-ईई/15390/84--85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्यास करने आ करने कि रह कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित नाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जियकी सं० श्रीद्योगिक माला नं० 10, जो, 2री मंजिल, सगरवाल इंडस्ट्रियल इस्टेंट, दिह्निर (पूर्व), बम्बई— 68 सें स्थित हैं (श्रीर इत्ति उत्तावद्ध श्रनुपूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत हैं), श्रीर जित्ता करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित शक्षम प्राधिकारी के कार्यालय सें रजिस्ट्री हैं, तारीख 1—2—1985 को

को बूबोंक्त संस्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से अन्य की स्वयमान मित्रफल को लिए अन्तरित की गई है ,और बहु विकास बन्ते क्षेत्र कारण है कि बधापबोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकल के, एसे स्वयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत ते अधिक है और अंतरफ (अंतरकों) और संसरिधी (सन्तरितियों) को जीच एसे अन्तरण को लिए तब पावा गया प्रतिकल, निक्तिविक्त उच्चेष्यों से उच्च कन्तरण कि सिक्त में बाक्तिक स्प से कार्यान महाँ किया गया हित्तक स्प से कार्यान महाँ किया गया है :---

- (क) सम्तरण से हुई किनी क्षय की वाषत उकत विध-रिवयम के अधीन ऋर दोने के लक्ष्यरण के दायित्व में कमी करमें या उन्नेसे अपने में सन्तिधा के निष्: बीव/या
- (छ) एसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आड-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयाजनार्थ अन्तिरती ह्यारा प्रकट नहीं िक कर बचा था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में मिश्रधा के निए;

वाह: वाब, उक्त किपिनियम की धारा 269-म के बनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---22 ---346GI/85 (1) श्री वी० ग्रार० पिपाले।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम प्रकाश एस० सतसंगी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक हिं<mark>सां करता हूं।</mark>

तंत्रत सन्वति के अर्थन में सम्बन्ध में की में भी आनोप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध ना तत्त्रंवंधी व्यक्तिमां पर सूचना की तासील से 30 दिन की नविध, को भी नविध वाद में तनान्त होती हो, के मीतर पूर्विष्ठ व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इब सूचना के राजपत्र में त्रकायन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- यद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिखित में किए जा सकते।

अनुस्ची

श्रौद्योगिक माला नं० 10, जो, 2री मंजिल, श्रमरवाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, दिह्मर (पूर्व), त्रश्व ξ -68 में स्थित है। श्रनुसूची जैमा •िक ऋ० मे श्र ξ -4/37- ξ ई/15390/84-85 श्रौर जो मक्षम प्राधिकारी बश्वई द्वारा दिनाँक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्म ण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रग्यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∼4, बम्बई

दिनौँक: 10-19-1985

मोहरः

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 10 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/15334/84-85--श्रतः मुझे,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'जकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित हाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

शौर जिनकी सं० श्रीबोगिक माला, यूनिट नं० 8, जां, 2री मंजिल, अगरवाल का-श्राप० इंडस्ट्रियल इस्टेट, लि०. 121/सी, एस० बी० रोड, दिह्मर, बम्जई-68 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची सें श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की थारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय सें रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-2-1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बिचक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के दीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखत उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्छ आस्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनि।म, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्र प्रयोजनार्थ अन्तर्िनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसित व्यक्तियों अर्थातः :--- (1) मैसर्स जे० बी० इंडम्ट्रीज।

(श्रन्तरक)

(2) मैपर्स रिसैनिक रेडियो एण्ड इलेनेट्रानिक्प प्राईविट लिमिटेड।

(थन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृषांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहयां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस् क्षेष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्भष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

श्रौद्योगिक माला, यूनिट नं० 8, जो, 2री नंजिल, श्रगरवाल की-श्राप० इण्डस्ट्रियल इस्टेट लि०, 121/सी, एन० वी० रोड, दहिमर, बम्बई-68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंमा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/15334/84-85 श्रींग जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाप मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, नम्बई

दिनाँक: 10-10-1985

प्रकृप बाइं.टी.एन.एस.-----

शाककर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यन , तहांबक बावकर आयुक्त (निरोक्तण) प्रार्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 10 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई115012/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

स्रौर जित्तको सं० यूनिट नं० 20, जो, 1ली मंजिल, श्रगरवाल इंडिस्ट्रियल इस्टेट, एस० वी० रोड, देहिमर (पूर्व), बम्बई - 68 में स्थित है (ग्रीर इसमे उगाबद्ध श्रनुसूबी में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिनाका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रिजस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के ज्यमान बितफक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मून्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उस्त अन्तरण विचित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (क) इसी किसी बाम या किसी भग या बन्च बास्तियों को जिन्हें भारतीय अग्रमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त बिनियम की धारा 269-ण के बनुसरण कों, बी, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविक्त स्थीन्तवों, वर्जात् हिल्ल (1) श्री डी॰ डी॰ मेहता ग्रीर श्रीमती बी॰ डी॰ मेहता

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० एल० ग्रहा श्रीर श्री बी० एस० ग्रहा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में बार्डि भी अल्लोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, को भीत्र प्रोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति प्रवार;
- (क) इसस्यमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल्बाइभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाच तिस्ति में किए का सकर्षी।

स्पक्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिखा गया हैं:

अनुसूची

यूनिट नं० 20, जो, 1ली मंजिल, श्रगरवाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० वी० रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 स्थित है।

ें ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० धर्इ-4/37-ईई/15012/ 84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधि कारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनाँक: 10-10-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 10 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० श्रई--4/37-ईई/15014/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

भौर जिसकी सं पूनिट नं 21, जो, 1ली मंजिल, भगरवाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० वी० रोड, दिहपर (पूर्व), बम्बई—68 में स्थित हैं (भौर इपसे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित हैं), भौर जिसका करारनामा भायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रिजस्ट्री हैं, तारीख 1—2—1985 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

(1) श्री दिनेश धीरजलाल महता।

(श्रन्तरक)

(2) श्री मधुकाँत बी० सवेरी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र ें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा प्रकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

यूनिट नं० 21, जो, 1नी मंजिल, भ्रगरवाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० वी० रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/15014/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बस्बई

दिनाँक : 10-10-1985

मोहर 🐠

प्रकप बाई . ही . एन . एस . -------(1) मैसर्स आशिया कन्स्ट्रमशन्स

(अन्तरक)

(2) श्री नरेश ताराचंद शहा।

(अन्तरिती)

मायकर मीधीनयम, 1981 (1981 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्यालय, सहायक आयकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अपत्वर 1985

निवंश सं० अई-4 37-ईई/15054/84-85--अतः मुझे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन रूक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,00C/- रु. सं अधिक है

र्यार जिसकी सं० फ्लैंट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, जी० के० नगर, इमारत नं० 1, शंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम), वस्वई-67 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद्ध अनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है। तारीख 1-2-1985

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उभित्त बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेदेय से उक्त अंतरण लिखित में कास्तविक रूप से कथित नहीं विश्वागया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दारियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर धीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तारती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा में भिए;

अतक अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरणी में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बर्धान, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वेक्ति व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति दृशरा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बन्स्ची

फ्रिट नं० 401, 4थी मंजिल, जी० के० नगर इमारत नं० 1, शंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/15054/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

विमांक: 4-10-1985

शक्ष वाद[®],टी. एन<u>. एस</u>्, -------

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

क/र्यानय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्तूबर 1985

मिर्वेश सं० अई-4/37-ईई/15204/84-85; -अत:, मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर कम्पील, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रांर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 204, जो. 2री मंजिल, जी० के० नगर इमारत नं० 1, शंकर लेन, कोदिवली (पिंचनम), बम्बई-67 में स्थित हैं (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), ग्रांर जिन्ना करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकररी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

क्यं पृवांक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृत्रों यह विश्वात करने का कारण है कि यथापृवोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरमान प्रतिफल से एसे द्रम्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निवत में बास्तविक रूप से कृषित नहीं किया नथा है :—

- (क) जन्तरण वे हुई किसी बाय की वावत, उपत जिथितियम के संधीन कर दोने के जम्मरण के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के त्विए; और/या
- (क) एसी किसी जाय वा किसी भन वा अन्त जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना जाहिए जा, क्रियाने में सुविधा के हिए;

कतः कव, उक्त किभिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स अ।शिश कन्स्ट्रमणन्स।

(अन्तरक)

(2) श्री भरत संवालाल शहा स्रौर श्रीमित एस० ए० शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के प्रित् कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अविश् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्दीकरणः ---- इसमे प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उकत अधि-- नियम को अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्राँट नं० 204, जो 2री मजिल, जी०के०, नगर इमातर नं० 1 शकर लेन कांदिवली (प) बम्बई-67 में स्थित है। अनुभूषी जैमािक फ्र० सं० अई-4/37ईई/15204/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊸4 बम्बई

दिनांक : 4-10-1985

प्रकृत बाद्दी, हीं, एन्, एक, ड ०००

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ड, दिशांक 4 अमतूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37ईई/14968/84-85--अत:, मुझे, लक्ष्मण दास;

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उणित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्री जिसकी सं त्लैंध नं 603 जो 6ठी मंजिल जी के नगर, इमारत नं 1 शकर लेख कांदिवली (पं), वस्वई—67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका कर।रमामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1—2—1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य उसके देश्यमान प्रतिफल से एसे अवमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरक के सिए उच पाया पया प्रतिक्क, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अभ्यत्या सं हुइ किसी बाय की बावत छक्त विक-नियम को अभीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को निए; बाँद/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों, की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क विधिनियम, या प्यान्त की अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किए। जाए। वाहिए जा, कियाने में सुविधि के अित:

अतः वथ, उथत विधिनियम की भारा 269-व अ अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स आणिश कन्स्ट्रनशंस ।

(अन्नप्रक)

(2) श्रीमतो वर्मा बी० पटेल ग्राँग, श्रीमती बी० टी० पटेल,

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त उत्पत्ति भी वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उपत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अथोहस्ताक्षरी के पाछ निवित्त में किए जा सकीये।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिट है, वही अर्थ होगा, यो उस अध्याय में दिया गया है।

जगस ची

फ्लैंट नं० 603, जो 6ठी मंजिल, जी० के० नगर, इमारत नं० 1, शकर लेन, कांदीवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि कि सं० अई-4/37ईई/14968/84-85 ग्रांग जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-85 को रजिस्टडं किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वम्बई

नारीख: 4-10-1985

प्रकार आही. टी. एस. एस. ००००

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकार बायक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंग-4, बम्बई बम्बई, दिशांक 4 अम्तूबर 1985

निर्देश सं० अर्ड-4/37हेंहैं/15056/84-85--अत:, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात (उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैंट न० 403, जो 4थी मजिल, जी० देः० ६ मार इमारतः न० 1, मदर होम, कांदिरली (८०), बम्बई—67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण हप से विणित है), ग्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1—2—1985

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान वितकत के लिए अंतरित की नई हैं और मूक्षे यह विश्वाद कार्य का कारण हैं कि अवाय्वेक्त कम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का वन्त्रह प्रतिकत से अधिक हैं और बंतरक (अंतरका) और जंत-रिती (जतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्निलवत उच्चेक्य से उक्त अंतरण कि वित में बास्तिक कप से किंवत नहीं किया गया है दि—

- (क) बंतरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त धांशिक्षित्र के बधीन कर दोने के बंतरेक के दांशिक्ष तं कामी करने या उससे बचने तो सुनिधा क फिला; अरि/धा
- ्का, ए श्री किसी आम या किसी भन या अन्य अर्थिन्यमें को जिन्हों भारतीय गाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिसा जाना चाहिए था, किसाने को मुचिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३(1) मैसर्स अ।शिश कन्स्ट्रनशन्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० जे० नेगांधी श्रौर श्रीमती वी० एस नेगॉंधी

(अन्तरिती)

को सह रूपना भारी करके पृत्तीकत शब्दित के वर्णन के विश् कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी विक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकी रा

स्वकारिकरंक: -- इसमें प्रश्वत शब्दों और प्रदों का, को उत्तत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उदा व साथ में किस्स गया है।

बन्ध् ची

प्लैट न् 403, जो 4थी मिजिल, जी० के० नगर इमारत न० 1, शकर लेज, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक ऋ० सं० अई-4/37ईई/15056/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1--2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वस्बई

तारीख: 4-10-1985

प्रकृष वाद्ये . दो . एव . एव 👝 🕫 🕫 🕫

बायकर वर्रवनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत वरकार

कायां सय, अहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)ं ध्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 ध्रक्तूबर 1985 निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/15011/84-85→-ध्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर विधिनवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त विधिनयम' काहा गया हैं), की पारा 269-स के अभीन सकाम प्राविकारी को वह विध्वास सार्ने का शारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 704, जो 7वीं मंजिल, जी० के० नगर इमारत नं० 1, शंकर लेन, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) भौर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधि-नियम 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्विपत सम्बन्धि के उपित बाजार मूल्य से कब के दश्यमान प्रतिफास के लिए अप्तरिती की पर्द और मुन्ने यह विद्यास कारने का कारण है कि यथामूर्विकत सम्मरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यकान प्रतिफात से, इसे क्यानाच प्रतिफात का पन्त्रह प्रतिसात से अभिक है और अप्तरक (अप्तर्का) और अप्तरित (अप्तरितियों) के बीच एवं बच्छरण के लिए त्य गमा परा प्रतिफात निम्मतिविक अपूर्विम से अभ्य अप्तरूप निस्तर में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (का) जनसरण में हुए किमी बाद की बाबस, उपस विधिविषय के वधील कर दोने के बन्तरक के ज्ञीयस्य में कभी करने वा बसते वचने में बृविका म लिएए और/वा
- (क) एंगी फिसी आग या किसी धन मा कन्य वास्तिकों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदात अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रकोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया प्राज्ञ बाहिए था खियाने में सुविधा के लिए.

बहः नव, उन्न विधितियम की भारा 289-न के अनुवर्ष हो, में अक्त लिभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीत, निम्मालिकित व्यक्तियों अर्थात ५---3 ---346GI/85 1. मेसर्स श्राणिण कन्स्ट्रक्णन्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्री वी० जे० पारेख श्रीर श्री बी० वी० पारेख । (ग्रन्तरिती)

को वह त्या वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की लिस कार्ववाहियाँ करता हुई।

उक्त सन्परित के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्कावनथी व्यक्तियों पर स्थान की तानील से 30 दिन की अविधि, यो और अविध बाद में जनायत होती हो, के भीयर पर्जोक्ट स्थासिसयों में से किसी व्यक्ति तुलारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में अकाकत की लाटीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हिलक्ष्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरूलाक्षरों के पास जिलक्षित में किए का सकरेंगे।

स्वकारिकरण :- इसमें प्रयूक्त खट्यों और प्रधां का, जो उत्पक्ष जिल्लीमध्य के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. को उस अभ्याय में क्षिया क्या है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 704, जो 7वीं मंजिल, जी० के० नगर इमारत नं० 1, शंकर लेन, कांदियली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

भनुसूची जैसाकि ऋ० सं० भ्रई-4/37-ईई/15011/ 84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 4-10-1985

प्रकल आई.टी.एन.एड.-----

जावकार जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (३) के अधीर एवमा

भारत सरकार

भागनिय, **सहामक नाय**कर जाम्कर (मिरीक्षण) श्रर्जन रेज़-4, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 4 श्रक्तुबर 1985

निर्देश सं० ग्राई-4/37-ईई/15030/84-85—-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण बास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का स्थारण है कि स्थावर संस्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लंट नं० 7, जो, तल माला, सत्यम इमारत, एस० बी० रो फतेहबाग, कांदिवली (प), बम्बई-64 में स्थित है. (श्रीर इद्धमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1061 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत बाकार मूल्य ने कन के जावजान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुन्ने वह विश्वान करने का कारण है कि बधापुर्वोक्त संपत्ति का ठीवत बाकार मूक्य, उत्तके क्रयमान प्रतिफल से, एोसे प्रवनान प्रतिकत्त का पंक्र प्रतिकत्त से जिथक ही और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित में) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया बवा प्रतिकत्त का विश्वत में बाक्तिक का निक्तिशित त्वविक व्यविक अन्तरण कि विश्वत में बाक्तिक क्या से किथत नहीं विश्वा गया है :—

- (क) बन्दरण सं हुई किसी बाय भी बाबत, उक्त जिथानियब के अभीन कर दोने के बन्दरक के दावित्व में कभी करने या उससे उचने में स्विधा के निगा और/या
- (ख) ऐसी किसी जाब या किसी भन या अल्य आल्हियों करी, जिन्ही भारतीय नायकर जीभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त जिम्हियम, या भन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रणोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गबा था वा किया जाना भाहिए या, जिम्हिस स्विधा के लिए:

जत: अभ उक्त विभिनियम की भारा 269-ग वं अन्सरण में, में, आपत अभिनियम की भारा 269-च की उपधारत (1) के क्रभीन, निम्निलिसिल व्यक्तियों, अर्थात :—— 1, मैंसर्स विलोक कन्स्ट्रक्णन कम्पनी

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती लक्ष्मी बेन दाल्भाई साड।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त बम्बीत के बर्बन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मृवना की तामील से 30 दिन की अविधि, के भी अविधि ताद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में के किसी अपिकत ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाड़ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्सब्ध निवित्त में किए वा सकरेंगे।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में विशा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिना समा है:

नन्स्ची

फलेट. नं० 7, जो, नल माला, सत्यम इमारत, एस० वी० रोड, फतेहबाग, कांदिवली (प), बम्बई-64 में स्थित है। श्रनुसूची जैमाकी ऋ० सं० अई-4/37-ईई/15030/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 4-10-1985

प्ररूप आहे. टी. एव. एस्.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

नायां लया, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 श्रक्तूबर 1985 निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/15333/84-85—श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क में अधीन सभाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं ं नं ै28, जो, 4थी मंजिल. सुन्दरम इमारत, एस० वी० रोड, फतेह्बाग कांदिवली (प) बम्बई-64 में स्थित है (ग्रोर इससे उपावस ग्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वणित है) ग्रोर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीध-नियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रीधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दरणमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एते दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उक्कोच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त जीभ-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (!) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

मेसर्सं स्निलोक कन्स्ट्रक्ष्णन कंपनी।

(ग्रन्तरक)

 श्री जतीनकुमार एन० ग्रोझा ग्रौर श्री सी० एन० श्रोझा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वीक्त सम्मीत के वर्षण के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में सीव्य द्वारा.
- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारी ते के 45 दिन के भीतर उभत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधें हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जबत अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

श्रनुसूची

फ्लैट नं० 28, जो, 4थी मंजिल सुन्वरम इमारत, एस० वी० रोड, फतेह्वाग, कांदिवली (प), बम्बई-64 में स्थित है श्रनुसूची जैमाकी क० सं० भ्रई-4/37-ईई/15333/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

चिनांक: 4-10-1985

प्ररूप आहें .टी. एन. एस. ------

शायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर माय्क्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 श्रक्तूबर, 1985 निर्देश सं० श्र^ई-4/37-ईई/15148/84-85—-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त लोधिनियम' कहा गया हैं), का धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विकार करने का कारण हैं कि स्थानर सम्मति, जिसका उचित बाचार मूक्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 38, जो शिवम इसारत, एस० वी० रोड, फतेहबाग, कांदिबली (प), बम्बई में स्थित है (श्रीर दससे जपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 261 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 1फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमाय प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया तिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिष्टित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- र्क) बस्तरण से हुई हिंगची जाव की वान्त, उनके अभिनयम के अभीन कर दोने के बस्तरक बे राधित्य में अभी करने या उसने वभने में सविधा औ सिए:
- ्कां एंसी किसी जाय या किसी भन या वन्य जास्तियों करे, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, ग्रा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा और विद्

भक्त: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अवित् :--- 1. मैसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री भ्रारविंद रतीलाल महा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

स बच संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षर :----

- (क) इस तृष्णा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्णा की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (व) धन सुपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्यक्ति स्थावर सम्पत्ति में हित- व्यक्ति स्थार। अभोहस्ताक्षरी के पात लिबित में किए जा सकेंगे।

भ्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित रेहैं, वहीं वर्ष होगा जो उत्त कथ्याय में दिवा गया है।

धन्यूचा

फ्लेट नं० 38, जो, शिवम इमारत, एस० वी० रोड, फतेष्ठबाग, कांदिवली (प), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० ग्रई-4/37-ईई/15148/84- 85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2- 1985 को रिजस्ट के किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन, रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 4-10-1985

इस्य बाइ. टी. एम्. एस्.----

भाषाकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-म (1) को अभीत भूषणः

MINN SERVE

कार्यालय, बङ्गाहक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांन्ह 4 श्रक्तूबर, 1985

निर्वेण तं० श्रर्थ-4/37-ईई/15286/84-85—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

पानकर त्रिशितयम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसके पश्चात् 'उन्ह अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधिन सक्षम श्रीधिकारी को यह विश्वात करने आ कारण है कि स्थानर सम्बद्धित, जिसका उचित्र बोजार मृत्य 1,00,000/- रु. से त्रिक है

ग्रीर जिसकी सं पलेट नं 2, जो तल माला, शिवम ग्रमारत एस वी रोड फ़ीह्बाग होदिजना (प), बच्चई में स्थित है (और इसी जाबड ग्रमुभून: में ग्रीर पूर्ण का ने पणित है) ग्रीर जिलात क्यारनामा ग्रावसी श्रीधिनियम 1961 के धारा 269 है, खेने ग्रयान बम्बई स्थित स्थाम ग्राह्म होरे के तार्यालय में रजिस्टी है ताराख 1 फरवरं/ 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपितं वाषार मून्य श काम के बर्धमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रक्रिक्त से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविवित उद्योग से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संशुद्धं किसी शय की बाबत जनत अभिनियम के अभीत कर दोनें के अन्तरक के दायित्य में कसी करने या जनने यचने में समिशा के लिए: धीर/या
- (च) वृत्ती किसी बाब वा किसी अन या अन्य धारिलायों की, बिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के उथोजन थे अन्तरिती द्वारा बक्ट नहीं किया बना या सिक्या जाना चाहिए था, कियाने में स्वियंग के सिक्ट;

श्रशः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण के. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिचित व्यक्तियों, वर्षात् चं—

मेसर्थ राजलक्ष्मं: कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(म्रन्तरक)

2. थो कांनजः बावा चित्रोडा।

(श्रन्तरितो)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्चन के लिए कार्यवाद्वियां गुरू करता हुं।

वनक सम्मतिक के वर्षन के सम्बन्ध में क्लोड़ों भी बाहतेय :----

- (क) वर सूचना वे काष्ट्रम् में प्रकल्पम् की छाड़ीक वे 45 वित की अविध ना तत्त्वभ्यान्ती व्यक्तियों पर तृष्ट्रना की तानीक ते 30 दिन की अविध, जो भी सक्षिय बाद में सम्बन्ध होती हो के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से निश्ती व्यक्ति दुवादा;
- (च) इस लूबना को राज्यका में प्रकाशन करी सारीच हो 45 दिल के भीतन उपना स्थावर राज्यका में हिस-बद्ध निज्ञी क्रम्य व्यक्ति तुवारा, अभोहत्साक्षरी में पास लिखित में किए जा तकोंगे।

स्पण्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही बर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

नन्त्यी

पलेट नं० 2, जो तल माला, शिवम इमारस, एस० वी रोड, फ़तेहवाग, कांदिवली (प०), बम्बई में स्थित हैं। श्रतुसूची जैसाकी ऋ० मं० श्रई-4/37-ईई/15286/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रोज-4, बम्बई

दिनां 🤃 4-10-1985

म`हरः

त्ररूप आर्ड. टी. एम. एक.-----

आवकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बासक, तहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजि-4, बम्बर्ड

बम्बर्ड, दिनां ह 4 ध्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० अर्ह-4/37-हेई/15216/84-85--- अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन तक्षत्र प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

सर्का सं० पलेट नं० 46, जो, 4था मंजिल, शिवम इमार्ल, एस० वि० रोड, फ़तेहाबाग, गांदिवली (प), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूच, में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है)/ग्रौर जिस्ता एक्स्पामा ग्रायकर श्रीधनियम-1961 का धारा 269%, ख के श्रधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधितारा के कार्यालय में रिजस्ट्रा है, तारीख 1 फरवरा 1985

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के क्ष्यमान प्रोतफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया श्रीतकल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्त्रिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती बुवारा प्रकट नहीं किया गर्म था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

सतः ४व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीत, निम्नोलिंखत व्यक्तियों, अधीत् ः— 1. मोसर्स राजलक्ष्मीः कन्स्द्रवयान कंपनी।

(भ्रन्तरक्)

कुमारी सावितीबेन पोपटलाल तेली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्चन के लिख कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसकक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधे हस्साक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त कथ्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

ग्रन्मूची

फ्लेट नं० 46, जो, 4थी मंजिल, शिवम इमारत, एस० वि० रोड, फ़रोहवाग, कांदिवला (प), बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकी ऋ० मं० ग्रई-4/37-ईई/15216/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड दिया गया है।

> लक्ष्मण दासं मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्राजेत रोज-4, बम्बई

दिनां रु: 4-10-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अभीन स्वका

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांः 4 श्रक्त्बर, 1985 निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/15055/84-85----श्रनः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकार मिशिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिशिनयम' कहा गया हैं)., की भारा 269-च के मिशीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर कम्युत्ति जिसका उचित नावार मुख्य 1,00,000/- रा. से मिशक हैं

श्रौर जिसका सं० फ्लेट नं० डा-26, जो, निलकंठ इमारत सी०टा० एस० नं० 215, फ़तेह्बाग, पोलिस स्टेशन के सामने एम० वि० रोड, हांदिवला (प), बम्बई-57 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद अनुसून: में श्रीर पूर्ण करा से वर्णित हैं) श्रौर जिसा हरारनामा श्राय हर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 ह, ख के श्रवात , बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दा है, तारोख 1 फ़रवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई हैं. और मुखे वह विश्वास करने का कारण है कि वभापुनोंक्त बम्मित का जीवत बाजार मृत्य उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में शस्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण संह्युर्व किसी जान की नानत, सक्स जीभीनियम के जभीन कर दोने के जुम्बरक की दासित्य में केनी करने या उससे नचने में सुविचा स्टेनिस्; जॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या कन्य कारितयां का, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: क्षत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियाँ अधार्म :---- 1. श्रा पाहा जयंता लाल खिमजा।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमता ताराबेन नविणचंद्र दवे।

(अल्हित्तः)

न्त्रे <mark>बहु सुचना जारी करके पृशाँकत सपत्ति के वर्जन के</mark> लिए कार्यवाहियां पृष करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई शाक्षेप :---

- (क) इत स्वा के रावधन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि ना तत्त्रकान्धी व्यक्तियों पर स्वानः की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इत स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा नधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए भा तकोंगे।

रवच्छीकरण:— इसमें प्रयुक्त कर्न्यों और पर्यों का, को उक्त आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

पलेट नं० डो-26, जो, निलकंठ इमारत, मी० टी० एस० नं० 215, फ़तेहबाग, पोलिस स्टेशन के सामने, एस० वि० रोड, कॉएवर्ल (प), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रानुसूचः जैपाः कर्ण संरु श्राई-4/37-ईई/15055/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधकारी , बम्बई हारा दिनांक 1-2 1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

स्वक्षमण धास सक्षम प्राधिकारः सहायक ब्राय हर ब्रायुक्त (निराक्षण) व्यर्जन रेज-4, बम्बई

दिनां ह: 4-10-1985

प्रका बाई हो एन एव ------

मापकार मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सङ्घयक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंन-4, बस्बर्ध

ं नम्बई, दिनां ह 4 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० अर्द-4/37-ईई/14920/84-85----- मृक्षे लक्ष्मण दाप

भायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमा इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1 49,000/- रह. से अधिक है

ष्रौर जिसके। सं हुशान नं 9, जो, तल माला, वर्धमान कुटंतर, शंहर छेन, लांदिबला(प), बम्बई-67 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावड श्रमुखा में श्रौर पूर्ण रूप के बणित हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रश्चिनियम 1961 को धारा 269 के, ख के श्रायन, बम्बई स्थित सक्षम प्रा-धिकारी के कार्यालय में रिषस्टा है, तारीख 1 फरवरी 1985

को पृथिकत सम्मति को उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास को लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकास में, एसे क्ष्यमान प्रतिकाल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और बंदरक (अंतरकों) जीर बंदरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिकाल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विकित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कः) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अपि/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के सिए;

अतः अव, अकत अधिनियम की धारा २६९-ग के अनसम्भ मों, है, अवत अधिमियम की धारा २६९-च की अपधारा (1) के अधीत, निम्मिलिकित स्विक्तयों, क्यांत्:---

1. श्रा भरत के० मिनियार श्रीर श्रीमती सा० बा० मिनियार।

(**म**न्तर ह)

2. शाह विलोकचद एघ० जैन।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यनाहिनां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस तुमना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अमीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किनी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — - इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ दोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रन्स्ची

दुशन तं० 9, जो, तल माला, वर्धमान हृदीर, पंकर लेन, पांदिवर्ज' (प), वर्ष्यर्ट-67 में स्थित है। अनुसूचों जैसाणि क्र० पं० म्रई-1/37-ईई/14920/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिशारा बम्बई हारा दिलांक 1-2-1985 को एजिस्टई सिया गया है।

> लक्ष्यण दास ाजम प्राधिकारी: बहाय ३ ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजीन रोज-4, बस्बई

दिना 5: 4-10-1985

प्रकप आई. टी. युन्. एस , नगनन्न-नन्न-

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन स्चना धारत सहस्रा

कार्यासय, सहायक बायकार नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-4, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 4 श्रक्तूवर 1985

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उजित बाचार मृस्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. सं अधिक हैं
श्रीर जिलकी सं० पलेट नं० 1, जो, यशक्विनी, बैंक झाफ़
बरोड़ा एम्प्लाईज को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, कमला
नहर कॉस रोड़ नं० 1, कांदिवली (प), बम्बई-17 में स्थित हैं
(ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनूसुची में श्रीर पूर्णक्ष से वर्णित
हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयक्ष अधिनियम 1961
की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई-स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्म्ह हैं। तारीख 1 फरवरी 1985
को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कन के ख्रयमान
प्रतिकल के लिए अंतरित की गई हैं और मुके वह विकास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार
मूल्य, उसके ख्रममान प्रतिकल से, एसे ख्रयमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से जिप हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(बंतोरितवाँ) के बीच एसे अंतरण्य के निए तय पाया गया प्रतिकन, मिन्निसिष्ण स्व्यंक्त से उपस नन्तरण कि विद्य में वास्त्विक
कम से कियत नहीं किया गया है ३--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के नभीन कर देने के अन्यरक के शामित्व में कसी करने या उनसे बचने में सुनिधा के सिए; बार्/धा
- (थ) एची किसी नाय वा किसी धन या अन्य वास्तियों को चिन्हों भारतीय नाय-कार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या चक्कार व्यक्तियम मा चक्कार व्यक्तियम , 1957 (1957 का 27) के प्रकोधनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्ञा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नृतिथा के निदः;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :—

24 -346GI/85

1. श्री आर० डॉ० भेठा

(ग्रन्तर्क)

2. श्रीमती इला किर्टट सामदार।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लियु कार्यमाहिया सुरू करता हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप ह-

- (क) इस सुषता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 ज़िन की नवीं पातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नवीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्य) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अओहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सक्तें।

स्पाककरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत विभिन्तियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भन्त्यों

पलेट नं 1, जो यशिष्वनी, बैक श्राफ़ बरोडा एम्प्लाईज को-ग्रॉप० हाउसिंग मोसायटी लि०, कमला नेहरू कास रोड, नं 1 कांदिवली (प) बम्बई-67 में स्थित है।

अनुमूचो जैसा, कि फ० मं० अई-4/37-ईई/14996/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष्म आयुक्त (निर्दाक्षण) श्रजन र्देज-4, बम्बई

धिनांक: 4-10-85

मोहर ः

प्रकृष बार्च , टी. एन्. एन्., पन्.,-=----

शायकर जभिनियम, 1961'(1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के स्भीन सुमना

धारत हरकार

कार्यालय, सञ्चायक नायकर नायुक्त (निरुक्षिण)

म्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/15214/84-85—-भ्रतः महो, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पलेट नं० 31, जो 3री मंजिल दानानी श्राम इमारत नं० 1, होनु जलानी कास रोड नं० 3, कांदियली (प), बम्बई-67 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण कप ने विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 को धारा 269 के ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्स संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बुल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिकृत , निम्निसिचत उच्चेष्ट से उदित बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :--

- (क) बन्तरून से हुइ किसी शत की नावत उक्त प्रतिनियम के वर्षीत करू देने के नन्तरूक वै शतिरूप में कृषी कर्पों श उबसे व्यक्ते में सुनिधा के सिष्ट: वरि/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रचोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए:

बत्ध नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निकासित व्यक्तियों, अधीन के

 कुमारी सिमा जी० मांडवेवाला श्रीर श्री जी० मांडवेवाला।

(म्रन्तरक)

श्री मिनाक्षी मोहन माशक।

(ग्रन्तरितंः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सपरित के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता क्ष्में।

उक्त संपत्ति के नर्पन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर प्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकरेंगे।

स्पष्टिमिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त आयकर विभिनियंत्र के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूर्चा

प्लेट नं० 31, जो 3री मंजिल, दात्तारी ग्राम इमारत नं० 1, तेमू कलानी कॉस रोड नं० 3,कांदिवली (प),बम्बई 67 में स्थित हैं।

श्रनुसूत्रें। जैसाकि कि सं० श्रई-4/37-ईई/15214/84- 85 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारें। बम्बई द्वारा दिनांक 1-2 1985 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-4, बम्बई

दिनां कः 4-10-19**8**5

त्र**क्त् वाद**्धीः **दुन**ः **एव**ः -------

आवकार मृश्वितवज्ञ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जजीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासम्, सहायक आयकर मामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4, बम्बई

बम्बर्ड, दिना रु - <mark>8 श्रस्तूबर 1985</mark> मं० श्रई-4/37-**ईई**/15017/84-85—-श्रतः

निर्देश सं मुझे, लक्ष्मण दास

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1.00,000/- रु. से की धक है

श्रीर जिनका स० 40.जी 3री मंजिल, वर्धमान कुटीर, बी-विग, शंकर लेन , जोदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रमुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख 1 फ़रवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते वह जिल्लास करने का कारण है कि बंधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का गन्त्रह प्रतिस्रत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाना गया भीतफल, निम्नीलिश्वित उद्विध्य से उक्त अंबरण विशिक्त में आस्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के शायिक्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मेसर्स वर्धमान बिल्डर्स।

(भ्रन्सरक)

2. श्रा किरोट जयंतीलाल शहा ग्रीर श्री के० जे० शहा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के कर्जन के संबंध को कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तायख से 45 बिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ वाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्यं स्थिति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः---इसमें प्रमुक्त सम्बां और पदों का, ओ उक्त निध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

शनुसूची

फ्लैंट नं 10, जो, 3र्रा मंजिल, वर्धमान कुटीर, बी विग, शंकर लेल, कांदिवली (प), वम्बई-67 में स्थित हैं। स्रतुमुर्चा जैसाकि का सं प्रई-4/37-ईई/15017/84 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 8-10-1985

प्ररूप बार्च बुद्धी ् एन व एस⊴ ---- ----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43**) क**ी

गायकर कॉभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मं (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्याजय, सहायक जायकर वायुक्त (नि.स.) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 प्रक्तूबर 1985 निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/14820 /84-85-----म्रतः

मुझे लक्ष्मण दास

जायकंद अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 4, जो क्ल माला, वर्धमान कुर्टार बो-विंग, लगंकर लेन , कोदिवली (प) बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में रजिस्ट्री है तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उज्वरेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या इससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम् की धारा 269-त के अनुसरण् में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् हः— 1. मेसर्स वर्धमान बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्री दुर्गाप्रसाद एस० खर्त्ना।

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को हिसए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कीई भी आक्षेप 🖫---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ववारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगि।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लेट नं० 4, जो, तल माला, वर्धमान कुटीर, बी-विंग, गांकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-3/37-ईई/14820/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 8-10-1985

प्रक्ष बार्षः टी., एव., एव., ----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुभाना

भारत सरकाड

क्षावांलय, सहायक जायकर जायक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनां रु 8 अक्तूबर 1985

निद्या सं० ग्रई०-4/37-ईई/14950/84-85—-ग्रातः भृष्ठे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/-क. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 101. जो, 1लो मंजिल, हस्त गिरी श्रपार्टमेंटस, चक्रवर्ती श्रमोक ग्राम, विलेज बाधवान कांदिवला (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध श्रमू सूचंक, में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है)श्रीर जिसका करार-नामा ग्राय पर अधिनियम 1961 को धारा 269 के, ख के श्रयीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में र्याजस्ट्री है, तारीख 1 फरवरी 1985

को पृशांकत संपत्ति के उचित बाबार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ यह विश्वाम करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे एस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वासविक रूप से किमत नहीं किया गया है:—

- (क) बस्तरण ते हुन् किसी बाब की बावत, उबस बिस्तियम के अभीन कर दोने के बंतरक के बायित्व में कबी करने वा उत्तस कच्चे में सुविधा के सिए: मौर/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी भग वा बन्ध वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विश्वित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अध्याजनाथ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया धा या किया बाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के निष्

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की जपधारा (1) के स्थीन, निम्नीलिखित स्थितिकों, अर्थात क्र— 1. मेसर्स गुडियल बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री बी० एल० वखारचर।

(ग्रन्तरिती)

की वह दुष्ता बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के शर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के पंचपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की वविध, वो भी जबिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्यभुची

फ्लेट नं 101, जो पहलः मंजिल हस्त गिरी श्रपार्टमेंटस चक्रवर्ती श्रणोक्त ग्राम. विलेज वाधवान, कांदिवर्लः (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि करु सर्थ क्षई-4/37-ईई/14950/84-85 श्रौर जो शक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रिकस्टई किया गया है।

> नक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजन रोज-4, बम्बई

दिनांक: 8-10-1985

प्रकर नाइ.टी. १न. १व------

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 अक्तूबर, 1985 निर्देण सं० अई-4/37ईई/14949/84-85—श्रत : मुझे, लक्ष्मण दास.

बावकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें सक्ते पश्चात् 'उक्त विधिनवम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी संख्या प्लैंट नं० 104, जो 1ली मंजिल, हस्त गिरी अपार्टमेंट, चक्रवर्ती स्रणोक ग्राम, विलेज वाधवान कांविवली (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), ग्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल

- के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के तिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्निसित् उद्योग से उक्त जन्तरण निवित में वास्त्यिक रूप से कवित नहीं किया ग्या है :---
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आर्थानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के निए;

जंश: वंग, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के बनुसरण में, में, उपल विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के वधीय, निकासियिक व्यक्तिकारों, श्रवसि ह—— (1) मैसर्स गुडविल बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वि० एल० बखारकर

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज़पत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बर्बीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी बद्धि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा जथोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में विका नवा है।

अनुसूची

प्लैट नं 104, जो 1ली मंजिल, हस्तगिरी ध्रपार्टमेंटस, चक्रवर्ती ग्रशोक ग्राम, विलेज वाधवान, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० ग्रई-4/37-ईई/14949/ 84-85 थ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, मद्रास

तारीख: 8-10-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्णन रेंज-4, बम्बई वर्ष दिनांक ८ अक्तबर, 19

बम्बई, दिनांक 8 अक्तूबर, 1985

निर्देश संख्या श्रई- 4/37ईई/15117/84-85--श्रन: मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या दकान नं० 1, जो बाबी शापिंग सेंटर, प्रिमायसेस को-म्राप० हाउसिंग सोमाईटी लि०, एम० जी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क. ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985 का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त संपत्ति का बाजार मूल्य, उत्तके दश्यमान प्रतिफल निभक् ह **ध्र**यमान प्र**वि**फल के पन्यह प्रतिकात से नौर अंतरक (अंतरकों) भीर अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उबदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तियक रूप से कीथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिंगित व्यक्तितयों, अर्थात् :—— (1) श्री मणि वर्गिस

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० मी० रामकृष्ण श्रीरश्री के० वि० नायर

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्मंबंबी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्णिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हिनड ६५ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहम्ताक्षरी के पास लिसित मों किए जा सकी गे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

दुकान नं 1, जो बाबी शापिंग सेंटर प्रिमायसेस को-श्राप हाउमिंग सोमाईटी लि॰, एम॰ जी॰ रोड, कांदिवली (प), बम्बई--67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसािक कि० सं० श्रई-2/37-ईई/15117/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई ढारा दिनांक 1-2-1985 को रिजस्टई किया गया है।

नक्ष्मण दास सक्षमं प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्वर्ड

तारीख: 8→10-1985

प्रक्य बाह्ये, दी. एवं, एवं, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-में (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

फार्यांतय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--4, वम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 8 प्रक्तूबर 1985 निर्देण सं० ग्रर्ड-4/37-5र्ड/15203/84-85—श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

कायक र विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या पलैंट नं 13, जो पह्ली मंजिल, बी-विंग, बासानी श्रपार्टमेंट, नं 4 पारेष नगर, एम० बी० रोड़, कांदिवली (प), वम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख, के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हो ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पेद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिक्तन, निम्निचित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) सम्लग्ण हो शुक्ष' किसी बाय की बावत उक्त मिश्रियम को अभीन कार दोने के बन्तरक की दासिस्य मों कस्मी अन्तरे का उसमें अचने में सुविधा को रेच्छा; स्टीट/ग्रंट
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिमीनसभ, 1922 (1922 फा 11) या उत्त जिमीनसभ, या भन अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, खियानी औ स्थिभा के लिए;

बतः वय, उबत अधिनियम की धारा 269-न के बनुवरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स एक्सेल बिल्डर्स,

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ए० एच० संघानिया श्रीर, श्री एच० जे० संघानिया

(भ्रान्तरिती)

ला नह श्रुपना जाड़ी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के वर्धन के दिवस कार्ववाहियां करता हूं।

उन्ह बुन्युरित के वर्षन के बुन्युन्य में कोई भी काक्षोप:--

- (क) इस ब्रुचना के राज्यन में प्रकाबन की तार्रीय में 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अतिथा, वो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तालीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वकारणः---- असमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, था उत्तर विभिन्नम, के बुभ्याय 20-क में प्रिशावित है, यही अर्थ होगा जो उस ज्ञाय में दिया। गया है।

भ्रनुसूची

प्लैंट नं० 13, 1ली मंजिल, बी-विंग, दासानी श्रपार्टमेंट नं० 4, पारेख नगर, एस० ती० रोड, कांदवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक कि० सं० श्रई-4/37-ईई/15203/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 8-10-1985

श्रक्ष कार्द . टी . एन् . एस . --------

नायकर अभिनियम, 1,961 (1961 का 43) की भारा 269-भ(1) जे व्यक्ति स्वा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आय्वत (मिर्जाक्र)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० श्रर्थ- 4/37-ईई/15205/84--85--श्रत : मुझे लक्ष्मण दास,

कावकार मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गंपित्त, जिसका उचित बण्जार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या प्लैट नं० 22-ए, जो 2री मंजिल, दासानी श्रपार्टमेंट नं० 4, पारेखनगर, एस० वी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीरे इसमें उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के श्रिधीन वम्बई स्थित सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-2~1985

की पूर्वोक्षत सम्परिस के उपित शासनर मृत्य से कम के दरकमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कण्ने का कारण है कि यथापूर्वोच्य संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दरयभान प्रसिक्षत से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीववों) के कीच हो बेतरण से तिक्ष तब पावा गया प्रतिफल निम्नितिवात उप्योच्य से उस्त अन्तरम सिवित में वास्तविक स्प में कथित नहीं किया गया है दन्न

- (का) अभित्रभ से शुर्भ निश्ती नाम नहें गायस, जनस अधिनिकृत में समीन कर बोर्न की सम्स्रह्य की याजित्य में कभी कपने ता उद्वयं तमने में सूनिधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य श्वास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त किथिनियम, वा धन-कर बधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये जा, कियान में सुविधा में सिक्ट;
- बतः अवः, उकतः विधिनियमं की धारा 269-व के बन्सरण मो, मी, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तिस्थों, अर्थात् । 25 —346GI/85

(1) श्रीमती भारती कें शाह, ग्रॉर श्री एम० कें शाह

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमलाबेन जे० शाह श्रीर, श्री जे० एम० शाह

(भ्रन्तरिती)

को यह तुषना बारी करके पृथिक सम्परित के वर्षण के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उन्द संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोड़ी भी बाक्षप :---

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब , से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तानील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भी नर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा:
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रुध किसी बन्य व्यक्ति द्वास, अथोहस्ताक्षरी व पास सिक्ति में किए का सकतें।

स्थानिकरणः — इसमें प्रमुक्त स्वां और पढ़ां का, जो उद्शुक्तिकृत निग्रम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं कर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

लगुसूची

पलैट नं० 22-ए, जो 2री मंजिल, दात्तानी श्रपार्टमेंट नं० 4, पारेख नगर, एस० बी० रोड़, कांदिबली (प) अध्यक्ट-67 में स्थित है। अपनिष्य के स्थान

श्रानुसूची जैसाकि कि सं प्राध्य म्4/37—ईई/1520584—85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ख़ारा दिनांक 1—2—1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 8-10-1985

मोष्टर

प्रकृत वार्षः टी. एष्. एक_{्न} - त तनक

बावफर व्यिनियम, 1961 (1951 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन स्थना

बाइक ब्रह्मा

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षक) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 4 मक्तूबर 1985

निर्वेश सं० मई--4/37--ईई/15290/84--85--- मत: मुझे सक्सण दास,

अ। थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धरूप 269-व के अधीन सक्तम अधिकारी को यह निरवास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी संख्या बुकान नं० 19, जो तल माला, दत्तानी पार्क, बेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, काँविवली (पूर्व), बम्बई— में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वाँजत हैं), ग्रीर जिनका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थिस सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्मृति के जीवत बाबार मूल्य से सन् के अव्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि वंशाप्वोंक्त सम्पत्ति का जीवत बाबार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के बंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरियी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निष् स्व पाना नवा प्रतिकृत निम्नतिवित उन्देश्य से अवद् अन्तर्य निवित्त में बास्यविक कर से किंग्स नहीं किया नवा है ——

- (क) म्लाह्म वे हुई कियी शास की नावस, अन्धः विभिन्नियम के विभीन कर दोने के अन्तरक के स्वीतस्य में कभी करने ना उससे वचने में श्वीवधा में हिन्दु: मूर्टि/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा धन-कट विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वार प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

बतः बव उनत निभिन्यमं की भारा 269-म के कनमाण मा, मी, उन्त विभिन्यमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीन, निम्निनिवित व्यक्तियों, वर्षात् :--- (1) मैंसर्स दत्तानी कन्स्ट्रक्शन्स

(भ्रन्तरक)

(2) मास्टर विवेक पी० कामच (मायनर) द्वारा वी० पी० कामच ।

(भ्रन्तरिती)

को बहु बुक्ता बारी करके वृत्रोंक्त सम्पत्ति के सूर्वन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त क्रमाति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई^म भी वासेष :----

- (क) इस सूचना के रावचन में प्रकशन की तारींच के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इत्त सूचनां के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीचांसे 45 विश के भीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा मधोहस्ताकरी के कस

स्थळाकिरण .---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के क्षेत्राय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा की जस अध्याय में विधा मया ही।

अनुजुजी

दुकान नं॰ 19, जो तल माला, दत्तानी पार्क वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, काँदिवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

मनुसूची जैसाकि किं सं धर्म-4/37-ईई/15290/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनौंक 1-24/985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक स्नायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज~4, बस्बई

तारी**ज: 4-**10-1985

मोहरः

ःशकनः वाद्ैतदी पुरु_{न्}एसं ्=---

नारकर निर्माननन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के स्पीन सूचना भारत अरकार

कार्वासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) प्रजंत रेंज-4, अम्बई

बम्बई, दिनौक 4 प्रक्तूबर, 1985 निर्वेश सं॰ प्रई--4/37ईई/15048/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या पर्नेट नं० 301, जो गुरूनानक भ्रपार्ट-मेंटम, 51, शंकर लेन, कॉदिवली (प), बस्बई-67 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप म वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-2-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से **कम के दश्यमान** प्रतिफल के लिए अन्तरित की ग**र्इ है और मृक्षे यह विश्वास** करने का कारण है

िक यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; बरि/बा
- (म) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्व ं बारिसमाँ को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269- व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभार (1) के अधीन, निम्निजिक्ति व्यक्तियों, अधीम :-- (1) श्रीमती पुष्पा एस० मेहता।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती कुमूद एच० श्रीमानकर।

(मन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स तम्पत्ति को जर्जन के जिल्ल कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाह्येप :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र मो अकाचन की तारीच वे 45 विन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति १४९एए;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वच्यक्तिरणः ---- इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदां का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस सक्ष्याय में दिया गया है।

भन्सूची

पलैट नं० ए-301, जो गुरूनानक प्रपार्टमेंटस, 51, गंकर लेन, कॉदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है। धनुसूची जैसाकि के० सं० ग्रई-4/37-ईई/15048/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी संहायक् श्रायकर श्रायुफ्त (िरीक्षण) श्रजैन रेंज⊶4, सम्बई

तारीख: 4-10-1985

मोहर ः

AND STATE OF THE PROPERTY OF THE PARTY.

नायकर मणिनियमें ; 1961 (१७61 की 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

EIZG EZWE

कावासक, सहायक नायकर नांबुंबत (निराधान)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्तूबर 1985

निबंध सं० ग्रई-4/37ईई/14975/84-85--श्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

गौर जिलकी संख्या फ्लैट नं 11, जो 1ली मंजिल, महावीर दर्णन, णंकर लेन, काँदिवलो (प०), बम्बई—67 में स्थित है (फ्रोंग इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में प्रौर पूर्ण (रूप से वर्णित है), और जिलका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269, क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, तोरीख 1-2-1985 को पूर्वोंक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिक्ति के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उभके दश्यमान प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और अन्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक इप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नामत, जब स विभिन्न के अभी कुद देने के अन्तरक वै दावित्व में कबी कुदन वा उससे व्यन में सुविधा के सिद; और/वा
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में इषिया के जिए;

भतः जनः उम् त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण भं, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निस्तिसित व्यक्तियाँ जनीस् १---

- (1) मैमर्स जी०९कि० 'जिवेत्यमेंट कार्पोरेशन,
- (भ्रन्तरक)
- (2) श्री भ्रतुल ग्रार० मेहता, श्री ग्रार० सी० मेहता, ग्रौर श्री के० ग्रार० मेहता

(भ्रन्तरिती)

को वह वृष्या बारी करके पृत्रांचित सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यशाहियां शृरू करता हुं।

बन्द बन्दरित के वर्षन के सम्बन्ध में क्रोदों भी नाकोर :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पत्र स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के शक्त लिखित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

फ्लैंट नं 11, जो 1नी मंजिल, महावीर दर्शन, शंकर लेन, काँदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है। श्रनुसूची जैसािक कि सं श्रई-4/37ईई/14975 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बस्बर्ध

तारीखाः 4-10-1985

TO THE LAND LAND LAND

जानकर विधित्रका, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालब, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ছ, दिनाँक 4 श्रक्तूबर, 1985 निर्देश सं० श्रई-4/37–ईई/15207/84–85—श्रतः, मुझे लक्ष्मण दास,

नायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,05,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या पलैट नं 32, जो 3री मंजिल, महावीर दर्शन, शंकर लेन, काँदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269-क ख के अधीन बम्बई, स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-2-1985 को पृथींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य बसक दरयमान प्रतिफल से, एपे रहयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्दर्शि किया गया है है—

- (क) अम्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे क्याने में सूबिशा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त विधित्तियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधितियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्निलिक्तिः व्यक्तियों अर्थात् :—
मोहर :

(1) मैसर्स जी० के० डिवेल्पमेंट कॉर्पोरेशन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भरत सानालाल शाह ग्रीर श्री जयेंग एम० शाह ।

(श्रन्तरिती)

न्त्र यह स्थाना आहरी करके पृष्ठां कर सम्मास्य के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उपस सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अधिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वुवारा;
- (च) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध कि ही. बस्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पांच व्यक्ति में किए वा सकेंचे ।

. स्पष्टिक रणः — इसमे प्रयक्त सक्ते और उन्हें नरः वा सक्त अधिनियम के अध्याय २०-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

पलैंट नं० 32, जो 3री मंजिल, महाबीर दर्शन, शंकर लेन, कौदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है। श्रनुसूची जैमांकि क० सं० श्रई-4/37-ईई/15207-ए/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्रा**धि**कारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~4, बम्ब**ई**

तारीख: 4-10-1985

श्रम् बार्'ः टी . एन् . एस . ------

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत बरका

भागांसय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 अक्तूबर 1985 निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15294/84-85--अत : मुर्स, लक्ष्मण दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इसके इसके पश्थात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अभीन सक्तम प्राणिकारी को वह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्प्रित, जिसका उजित बाबार मूक्य 1,00,000/- रह. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या प्लैट नं० 66, जो 6ठी मंजिल जी० के० नगर इमारत नं० 2, शंकर लेन, कांदिवली (प०) बम्बई-67 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उनाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269, क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-2-1985

को पूर्वोकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य ते कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में कास्तियक हुए से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण वे हुइं किसी बाय की बाबत, उभक्ष अधिनसम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा को दिसए; बॉर/या
- (क) एसि किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, जिन्ना में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधादा (1) अ अधीन, निम्निविक्ति स्वीत्यक्तीं अर्थाव् क्ष्म

- (1) मैसर्स जी० के० डिवेल्पमेंट कार्पोरेणन । (अन्तरक)
- (2) श्री रमेश शांतीलाल शाह ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिया कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए वा सकर्ष।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

पलैंट नं ० 66, जो 6ठी मंजिल, जी० के० नगर इमारत नं ० २ शंकर लेन कांदिवली (प०), बस्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० ग्राई-4/37-ईई/15294/ 84-85 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी अन्यई द्वारा दिमांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, **बम्बई**

तारीख: 4-10-1985

मोह्नर:

प्रस्प नार्षे दी, एन ु एस ,-------

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की चाडा 269-च (1) से वभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-4, बस्बई

बम्बई, विमांक 4 अक्तूबर 1985

ि निर्देश सं० अई-4/37-ईई/14971/85-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर अभिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतर्जे इसके परचात् 'उच्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति जिसका उचित् बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 56, जो 5वी मंजिल, जी० के० नगर इमारत नं० 2, शंकर लेम, कांदिबली (प), धम्बई—67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है), श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1–2–1985

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि सभापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके खबमान प्रतिफल से, एसे खबमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिकास से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना चका प्रतिक्त , निम्मलिखित उद्वेष्य से उक्त जन्तरण जिल्लित में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष्य-

- (क) कम्तरण से हुई किसी नाव की वावत, उक्त जीधनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के वायरण में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; जीडि/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भव या बन्य बास्तियां की, जिन्हें भारतीय बाब-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम या भन केंद्र विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतिरती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वे लिए)

कत थव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को क्रमीय निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्षाचुं:-----

- (1) मैंसर्म जी० के० डिवेल्पमेंट कार्पोरेशन (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुरेखा विनोव शहा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त् सम्मृत्ति के वर्षन के उन्त्रम्थ में कोई भी वाक्षर —

- (क) इस त्वता के राजवन में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अवधि या तृत्सम्बन्धी स्पवित्यों पर सृचना की तानीक से 30 दिन की नवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्पवित्यों में से किसी स्पवित द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक तं दिन के भीतर उक्त स्थावर तम्पत्ति में हित्बक्थ किसी अन्य स्पक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पवाँ का, जो उक्त अभि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अपुजुली

पर्लंड नं 56, जो 5थीं मंजिल, जी० के नगर इमारत नं 2, शंकर लेन, कांविवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/14971/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिमांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

नारीख: 4-10-1985

प्रकृप आई. टी. एन. एस.-------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

अर्थानय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 अस्तूबर 1985

मिर्वेश सं० अई--4/37--ईई/15142/84--85---अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या प्लाट नं० ए/72, जो, ब्लाक नं० 1. राजेश अपार्टमेंट, ए-बिल्डिंग, शंकर लेन, कोदिवली (प) बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए बंतरित् की गई है बार मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिचात से अधिक ही और अंतरक (बंतरकाँ) जार अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उन्त कन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुइं किसी बाव की बावत, इन्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दाविस्थ में कभी करने या उससे बचने में मुकिश के सिर्ए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या कत्य बास्तियाँ को. जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 19?? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याक्रमधें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया विया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रक्रिया के लिए:

अतः जबः, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-च के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के सधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, वर्षात् ——

- (1) श्री सराफजली गुलामहुमेन दागिनावाला (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कांचनगोरी चिमणलाल मिस्त्री (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींवत सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

. उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा:
- (ण) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्यच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा वसा ही।

धनुसूची

प्लाट नं० ए/72, जो ब्लाक नं० 1, राजेश अपार्ट-मेंट, ए-इमारत, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि सं अई-4/37-ईई 15142/84-85 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 14-10-1985

मोहर 😰

वस्तु_य नार्षे_य की_य सुरु_य एक_य -----

नाथकार निर्धाननम, 1961 (1961 का 43) का भाषा 269-व (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भावकर बाबुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई बम्बई दिमांक 14 अक्तूबर 1985

निर्देश सं॰ अई-4/37-ईई/14850/84-85--अत: मुझे,

लक्षमण दास

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), अही धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, वह निक्तास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्मति, जिसका उचित नावार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संज्या फ्लेट नं० 45 जो 4थी मंजिल इमारत 'दालानी ग्राम' इमारत नं० 01, हेमू कलानी क्रास रोष्ट्र नं० 3, कांविवली (प), बम्बई्रे 67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1−2−1985

की प्वोक्त सम्मित के उपित बाबार मूक्य से क्रम के क्यान प्रतिकृत के लिए अंतरित की नहीं ही और मुक्ते यह विश्वास करने करूले का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उपित बाबार मूक्य, उसके क्रममान प्रतिकृत से, एसे क्षममान प्रतिकृत का बंदह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिकृत, निम्निनिचित उद्वेष्य से क्ष्मत अन्तरण किवित में वास्तिक रूप से क्षित नहीं किया नमा है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वावत उक्त विकित्त निजय के वधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कसी करने या तक्के अपने में सुविधा के जिए; बीर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की। जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वृश्विनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्वाथा या किया जाना वाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुस्रण में, मैं, धक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीतः जिल्लीकृत व्यक्तियों, अधीतः विकास 26—326GI/85

(1) मेसर्स दात्तानी कन्स्ट्रमणन्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री रजनीकांत टी॰ भाटीया ग्रीर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना भारी अरको पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बच्च सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध भी कार्ड भी कार्काप :----

- (क) इत त्वना के रावपन में प्रकाधन की तारीब सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृष्णा की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित बद्ध किसी अन्य स्थाक्त ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकीगं।

स्वश्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिक्में, के त्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह अर्थ होगा. जो उस अध्याय में क्यिन क्या हैं।

अनुसूची

पलेट नं० 45, जो 4थी मंजिल, इमारन "दासानी ग्राम इमारत" नं० 1, हेमू कलानी क्रास रोड नं०3, कांदियली (प०), बम्बई-67 में स्थित है 1

अनुसूची जैसािक कर संर अई-4/37ईई/14850/ 84-85 और जो सक्षम प्रीधिहारी बम्बई द्वारा दिनां ह 1-2-1985 को रजिस्टर्ड जिया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई

क्षारीख: 14-10-1985

म्रोहर ≟

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 10 श्रक्तूबर, 1985 निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/14924/84-85--श्रतः मुझे सक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या ब्लाक नं बी-38, जो निर्मानाधीन इमारत, सर्वे नं 15, एच० नं 4, विलेज सिम्पोली, तालूका बोरिवली, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप सेविणत है), श्रार जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन; बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को प्यांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के क्यमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्याँकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तक द्रियमान प्रतिफल से एसे क्ययमान प्रतिफल का पंदश प्रतिकात से अधिक है और एसे जंतरक (बन्तरका) और अंतरिती (बन्तिरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के जिल्ह तय पाण अया प्रतिफल, निम्निनिचित उन्देश्य से उक्त बन्तरण विशिष्ट में बास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किला जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बें, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीत :---- (1) मैसर्स आकांका कन्स्ट्रक्शन्स कंपनी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्ररविंद करसनभाई पटेल।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कार्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायस से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविध आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।
- श्रीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि
 नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है,
 कही अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

मनूपुची

ब्लाक नं० बी-38, जो निर्मानाधीन इमारत, मर्वे नं० 15, एच० नं० 4, विलेज सिम्पोली, तालुका बोरिवली, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/14924/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-4 बम्बई

तारीख: 10-10-1985

प्रकृप कर्त्यः ती , युद्धः, युद्धः ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1985

निर्वेश सं ० ग्रई-4/37-ईई/14056/84-85--श्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 23, दूसरी मंजिल, प्रभू निवास प्लाट नं० 166, बोरीवली (प०), बम्बई 300092 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण ऋप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269-क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-2-1985 को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरक से हुई किसी आप } वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (मं) ऐसी किसी जाम या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

জন. এল, ওৰুৱ লখিনিয়ম কী ধাৰা 269-ল को अनुसरण কৈ, মাঁ, অধুৱ লখিনিয়ম কী ধাৰা 269-ৰ কী তথখাৰা (1) ক্ল'অফীৰ নিফ্লিলিকিব আৰিবয়াঁ, লখাৱি :--- (1) मैंसर्स हिमॉशू इन्टरप्रायसेंस

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती भारती प्रवीन निवेदी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की त्रामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास विचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नम संची

प्लैंट नं० 23, जो दूसरी मंजिल, प्रभू निवास, प्लाट नं० 166, श्राफ फैक्टरी लेन, बोरीवली (प०), बम्बई 400092 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क० सं० श्रई-4/37– $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{4}$ $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 10-10-1985

प्रारूप बाई .टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आधुक्त (विरक्षिण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० भ्रई-4/37-ईई/14957/84-85---भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इच्चें पश्चास् 'अच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 31, दूसरी मंजिल, इमारत नं० ए--11, रतन नगर, वोरीवली (पु०), बंबई 400066 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269क-ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मे कमी करने या उससे अभने में सृविधा के लिए; और/या
- (बा) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन. निम्नोलिखित व्यक्तितयों, अर्थात :—

- (1) मैसर्स परम म्रानन्द बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड (म्रन्तरक)
- (2) श्री बसन्त कृमार गुप्ता । (म्रन्तरिती)

को बहु भूचना जारी करके पृवाबत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त क्यों हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भ्लैट नं० 31, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० ए— 11, रतन नगर, बोरीवली (पु०), बंबई-400066 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक क० सं० श्रई-4/37—ईई/14957/84—85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, ढारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 10-10-1985

प्ररूप आर्ध . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) की अधीम सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ह, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1985 निर्देश सं० श्र $\frac{5}{4}$ 37—ईई/14954/84—85—-श्रतः मुझे/लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 10, हमारत नं० 8, 9, 10 रतन नगर, बोरीवली (पु०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण एप से विणत है), ग्रीर जिसका करारतामा ग्रायकर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269-क ख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पृत्येक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकार के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण हैं कि यथापृथींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उन्तर दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह । तिफल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया भी एक, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाल विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अप्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिष् करो, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ड्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सविधा के लिए;

अत: अत, **उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण** भा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन : निम्निलि**सित व्यक्तियों, अर्थात**ः—

- (1) मैंसर्स परम श्रानन्द धिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेंड । (श्रन्तरक)
- (2) श्री णिवराम राघू काटकर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए आ सकेंगे।

स्पर्खनिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्लैट नं० 10, जो तीमरी मंजिल, इमारत नं० 8, 9, 10 रतन नगर, बोरीवली (पु०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० श्रई-4/37—ईई/14954/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 10-10-1985

प्ररूपं आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 श्रक्तूबर, 1985 निर्देश सं० श्रई-4/37ईई/15129/84-85—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उन्सर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का करने का कारण हैं कि यथापूनोंक्त सम्मित का उचित बाजार 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या बुकान नं० 11, जो शिवदर्शन को-श्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, प्लाट नं० 16 श्रीर 22, फायनल प्लाट नं० 625, टीपीएस—3, सिम्पोली रोड, बोरिवल बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1—2—1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य सं कम के ध्रयमान प्रिक्षिल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे ध्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से बृधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निस्नितिषत उद्देश्य से उस्त बंतुण निवित्त में वास्तिक क्य से कियत नहीं किया यहा है —

- (क) अन्तरभ खे हुपूरं भिन्नती नाम की बाबस, अक्ट विभिन्नियम के सभीन कर दोने के बन्तपुरक के दायित्व में करने या उससे स्थान मीं सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः कव, उचत विधिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में उचत विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निवि**षत व्यक्तियों, अ**र्थात् ह

- (1) श्रीमती रश्मी कल्याण कोन्नूर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री लहरचंद मेघजी णाह। (भ्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के निवद कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

क्षत्रक सम्मृतिस के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप

- (क) इस बुचना के राजपन में प्रकासन की तारीब र्ट 45 दिन की बनिश ना तरकानमी स्पन्तिकों दर चुचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी बनिश नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णविक्ष व्यक्तियों में से किसी स्पनित बुवारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन यहें हार या अ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवबुध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिखित में किए आ सकोंगे ।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त इशिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुस्पा

दुकान नं० 11, जो शिवदर्शन को-भ्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, प्लाट नं० 16 श्रौर 22, फायनल प्लाट नं० 625, टीपीएस-3, सिम्पोली रोड, बोरिवली, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कर सं० श्रई-4/37—ईई/15129/84—85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1—2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्**त (निरीक्षण) अर्जन ^{ने}ज-4, बम्बई

तारी**ख**: 10-10-1985

मोहर 🛚

श्रक्ष बाइ. टी. एव. एव.------

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्बास्य, बहायक बायकर आयुक्त (निरीक्क)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 ग्रक्तूबर 1885

निर्देश सं० प्रई4/37ईई/15144/84-85-म्रतः मुसे,

लक्ष्मण दास

जायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (चिंच इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करवे का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक ही

श्रीर जिसकी मं० दुकान नं० सो जो तल माला, महेश्वरी भुवन महेश को — श्राँप हाउसिंग सोसाईटी लि०, दत्तपाडा रोड बोरीपली (पूर्व), बम्बई — 66 में स्थित है (श्रीर इससे उपाब श्रमुसूची मैं श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269-क ख, के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1—2—1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रह्ममाण्ड शितफल के लिए बंदरित की गई है जोर मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके ब्रह्ममान प्रतिफाल से, एसे ब्रह्मबान प्रतिफाल का अन्तरह प्रतिस्तत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और बंदरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे ज्ञारण के लिए तय पाया गया अधिक से, निम्मलिखित उच्चेय्य से अक्त अंतरण सिचित में बास्टिक रूप से किया नहीं किया गया है है—

- (क) कन्तरण वं हुई किवी जाव की वावत , अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वासित्थ में कभी करने का उससे अवने में सुविधा के लिए, और/का
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चारिए था खियाने में सुविधा के लिए.

सतः क्य उन्त अधिनियमः की धारा 269-व को अव्यादकः चें, मी, लक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्मतिविक व्यक्तियों, अविधि ह—

(1) श्री दिनेश लक्ष्मीदास श्राणर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बेलजी कोरशी शाह।

(भ्रन्तरिती)

को वह बुजना जारी करके पूर्वों का सम्मति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उच्च सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना को राचपत्र में प्रकाचन की दारीच से 45 दिन की बर्चीय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीब से 30 दिन की अयोध, जा में। बर्चीय बाद में सवाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्ट स्यक्तिमों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीच सं 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताअरी के पास सिवित में किए वा सकीने।

स्वयद्वीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो अक्त अधिशियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उन्न अध्याय में दिया नवा ही।

अनुसूची

दुकान नं० सी, जो, तल माला, महेश्वरी भुवन महेश को श्राप० हार्जिसग सोसाईटी लि०, दत्तपाडा रोड बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसािक ऋ० सं० ग्राई-4/37—ईई/15144/8484—85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-4, बस्बई

तारीख: 10-10-1985

प्ररूप . नाइं. टी. एन . एस . - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सधीन सूचना भारत सरकार

कार्याशय, सहायक शायकर शायकत (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 अन्तूबर, 1985

निर्देश सं० ग्राई-4/37~ईई/14837/84-85---ग्रतः मुझे लक्ष्मण वास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं औन जिसकी सं

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने कम कारण है कि यथापूर्वोक्स संपीत्त कम उचित् बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरवनान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिश्रत से बिधक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में शास्त्रविक रूप से कथिया नहीं किया बचा हैं

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावस, उक्स बीधीनक्का के अधीन कर दोने के बन्तरक के दासिएन में कमी करने वा अतसे क्यने में सुविधा के सिए; मॉर/वा
- (स) एरेसी किसी नाय या किसी भन या जन्य बास्तियों को, चिन्हें भारतीय जायकर जिन्निमनम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान मिला के लिए:

कक्ष: अब, उक्त कीचीनवम की भारा 269-ग के अनुसरण भे $^{\circ}$. में उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा $(1)^{\circ}$ अभिन निन्नीलिंखित क्यिनाओं, जर्मात् \mathbb{S} —

(1) श्री नारायण मणिलाल बारोट

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रियामत हशमतुल्लाह श्रौर श्रन्य (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

टक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाकोप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकते।

स्वध्वीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

प्रनुसूनः

दुकान नं० 6, जो तल माला, ब्लूस्टार कायस्टल को-ग्राप० हाउसिंगसोसाईटी लि०, मोडावाला लेन, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक क० सं० श्रई-4/37-ईई/14837/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 10-10-1985

त्रक्ष वार्षे . दी . युन् . एवं . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाय 269-व (1) के अधीन स्वा

प्राप्त चरुकार

कार्यासय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्सण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 श्रक्त्वर 1985 निर्देण सं० श्रई-4/37-ईई/14838/84-85-- श्रतः मुझे,

लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गना है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वात करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं 111 जो, सी-विंग, 1ली मंजिल मात छुपा कुंज को-आप-हार्जिस सोसाइटी लि० कार्टर रोड नं 3, बोरिली (पूर्व) बम्बई-66 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। तारीख 1-2-1985

कर पूर्वोक्स सम्बंधित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तिन्दित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्2प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निसिस्त उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिकर रूप से कथिक नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आप की वाबत, उसत जिथानियम के अभीत कर दोने के अन्तरक कें याधित्य में कमी करने या उसमें बचने में मृतिका के लिए; और/मा
- (भ) एमी किसी आय या किसी धन या कत्य कास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपन पश्चिमियम, यः धन-करी अभिविषम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनीय धन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था. कियाने में कृत्वका को नए।

जतः अव. उस्त अधिनियम का भारा 269-न क जन्सरन में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 27—346 GI/85 (1) श्री देवेंद्र भिवना मेट्टीघर

(भन्तरक)

(2) श्रीमती शोभा भरत माधीया।

(भ्रन्तरिती)

को बहु बूचना चारी कारके पूर्वोक्त तज्जरिय के वर्षभ के तिय कार्यवाहिकों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इब त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की शहरीन से 45 दिन की नवींच या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बृचना की तामीस से 30 दिन की नवींच, को बी संबंधि बाद में तनाप्त होती हो, को मीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इल ल्वला के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यंति में क्रियवचथ किसी अन्य व्यक्ति व्यास अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस जा सकेंगे।

स्वण्डीकरण ः— इसमे प्रमुक्त सन्दी और वडी का, वो उपक .अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड्डी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नया हैं।

and the

फ्लैट नं० 111, जो सी \sim विंग, 1ली मंजिल, मात् कुपा कुँज को-भ्राप० हाउमिंग मोसाईटी लि०, कार्टर रोष्ठ नं० 3, बोरियली (पूर्व), बम्बई \sim 66 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसािक ऋ० मं० श्रई-4/37—ईर्द्ध/14838/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1-2-1985 को रजिटर्स्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--4, **बस्ब**ई

तारीख: 10-10-1985

प्रकल बाइ .टी. एन. एस------

चायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 10 भ्रक्तूबर 1985 श सं० श्रर्ष--4/37-ईई/15036/84--85---श्रसः

म्हों, लक्ष्मण दास, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धार 269-स के अधीन सक्षम श्रीभकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूज्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 13, जो गोदावरी निवास, 1ली कस्तूरबा रोड़, बारिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रोर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधनियम 1961 को धारा 269 के ख के ग्रिशीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त तम्बन्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के दस्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विद्वाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बन्ति का उचित. बाजार मूच्य, उसके दूरयमान प्रतिकल सं, ऐसे दूरयमान प्रतिकल का पन्दूह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नथा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यी उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सित्रिया के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) इं अधीन, निम्निलियन व्यक्तिच्यां, अर्थात् (1) श्रांहरेंद्र एन० शाह.

(भ्रन्सरक)

(2) श्राः प्राणलाल वनमार्लाःदास ग्रौर श्रन्य (श्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करतो हुं।

उपका सम्बन्धि के अर्थन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना करी ताबील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस तृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-. क्यूभ फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत बाँधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

तम संची

फ्लैट नं 13, जो "गोदावरी निवास", पहली कस्सूरधा रोड़, बोरिवर्ली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है। अत्भूष्ची जैसालि कर सं अई-4/37-ईई/15036/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकार∴ बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायंक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख: 10-10-1985

प्रस्प आहं.टी.एन.एस.----

भायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर नायुक्त (निर्दालन)

श्चर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांज 10 श्रक्तुबर 1985 निर्वेण सं० श्चई-4/37-ईई/15354/84-85--श्चतः मझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या दुकान नं० 5, जो तल माला, "ए" निल धरा, देवादाय रोड़, बोरियली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अचित बाजार बृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलितित उद्वेषय से उक्त बन्तरण लिचित में बास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त वीधनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में जुविधा के सिए: बॉर या/
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन या जन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः--

- (1) श्री गिरीश एन० मेहता श्रौर श्रन्य (श्रन्सरक)
- (2) श्रो भूपेंद्र मोहनलाल दोशी श्रीर श्रन्य (श्रन्सरिती)

को वह सूचना चाड़ी कड़के पूर्वोक्त संपरित से सर्चन से निष्
कार्ववाहियां करता हुए।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में काई भी वासीय :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामीन से 30 दिन की अविध, वो भी वविध वाद में बमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित्बबूध किसी कन्य क्यक्ति ह्वारा नभोहस्ताक्षरी के वाल निकास में किए जा सकरेंगे।

स्वक्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना गया है।

वन्स्यी

दुकान नं० 5, जो तल माला, "ए" निल धरा, देवीदास रोड़ बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है। श्रन्भुचे। जैसाकि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/15354/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक **प्रा**यकर **श्रायुक्त (निरोक्षण)** श्रजेन रेंज~4, **यम्बर्स**

तारीख: 10-10-1985

मोहर ह

प्रस्प नार्षः, बीउ पुन्य पुन्य का-अवस्था

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-न (1) ने न्नीन कुना

भारत स्टब्स

व्यवस्थित, सहायक वायकार वायुक्त (विद्धीसक) प्रार्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बर्ष, दिनांक 10 प्रक्तूबर 1985 निर्देश सं० प्रई-4/37-ईई/14917/84-85-प्रत: मुझे लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वं इतानें इसके पश्चाल् 'उन्त अधिनियम' नहा गया हैं), की धारा 269-च के नधीन कताम प्राधिकारी की, वह विश्वात करने का कारल हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाचार मूक्य 1,00,000/- रहः से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या फ्लैट नं 1. जो पहली मंजिल, लक्ष्मी नारायण नगर, इमारत सा. सर्वे नं 96, एच नं 1-ए, सी टो एस नं 2262, एक्पार विलेज, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 का धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के लार्यात्य में रिजर्टी है, नारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीदिक्तस के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से, एसे दश्यमान प्रतिकृत का प्रश्नुष्ठ प्रतिकृत से अधिक है और कृत्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नसिवित उद्योधिय से उसत अन्तरण कि विविध में वास्तविक क्य से कार्युव्य मुझा स्था है है----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वासत, उक्त क्षिप-विवस के अधीन कर दोने के बल्तरक के दावित्व में कनी करूमें वा उच्चे वचने में सुविधा के लिय; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अध्येषनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट गई किया गया जा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा को निए;

जतः जब उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, निम्निलिखित व्यक्तियों, वृथीत् ः— (1) श्री किसन सिताराम ठाकुर

(श्रन्तरक)

(2) श्री शशिकांत नरसिंग भौसले

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कर्मवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की बविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की 'सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात विविध्त में किए वा सकेंगे।

स्वकाष्ट्रम ह---इतमें प्रयुक्त कर्मा वार वर्षों का, वो जनस विश्वितिक के बच्चाय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गमा हैं

नगुसूची

फ्लैंट नं∘ 104, जो पहली भंजिल, लक्ष्मीनारायण नगर, इमारत नं॰ सी, सर्वे नं∘ 96, एच० नं∘ 1~ए, सी॰ टी॰ एस० नं॰ 2262, एक्सार विलेज, बोरिवर्ली (प) बम्बई~92 में स्थित हैं।

प्रनुसूची जैसाकि क० सं० प्रई-4/37-ईई/14917/84-85 प्रौर जो सक्षम प्राधिकार्रः, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ट किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायूक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~4, बम्बई

तारोख: 10-10-19**8**5

मोहर 🛭

अक्स मार्ड ती एन् एस . - - --

विकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वता

पारत सरकार

कार्यांचय, बह्मयक नायकर नायुक्त (विश्विक्क)

श्चर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांः 10 ग्रक्तुबर 1985

निर्देश मं० श्रई-4/37--ईई/15250/84--85---श्रतः मुझे लक्ष्मण हाम,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसका संख्या फ्लैंट तं । 106, भोहम तेरेस वंस स्तूर पार्क, शिपोला रोड, बोमाबला (प), बंबई-400092 में स्थित है (श्रीर अन्ने आसबद्ध श्रमुश्रुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), प्रार जिसान क्षरारनामा श्राप्यस्य श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में रिजिस्ट्रा है, सारीख 1-2-1985

को पूर्वांक्स सम्परित को उचित बाबार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पृत्वें प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्वों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा क्या प्रतिफल, निम्नितिबत उब्देश्य से उक्त अन्तरण विशित लें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उसत अधि-नियम के अधीन कर बोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकढ नहीं किया गया था या किया जाना माहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जराः क्या, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्ज में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारण (1) कुं अधीन, 'नम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात 4-- (1) श्रा एच० सुएम० सुन्दरम

(प्रसरक)

(2) श्री ग्रैयर प्रभु टी० के०।

(अनारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

श्रन् सूची

पर्लैट नं० 106. जो मोहन तेरेस बी, कस्तूर पार्क, धिपोला रोड, बोरीवली (प), बंबई-400092 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि सं० अई-4/37-ईई/15250/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

नारो**ख**: 10-10-1985

मोडर :

प्रकप नार्ड, टी., एन., एस., ------

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीक सुधना

प्राप्त रहसाह

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांकः 10 प्रक्तूबर 1985 निर्देश सं० प्रई-4/37-ईई/15220/84-85--प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज ने वधीन सकत प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थागर तथ्यति, जिसका उजित वाजार मृख्य 1,00,000/- का ने वधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 403, जो, 4थी मंजिल, "सी" विंग, सुमेर नगर, एस० बी० रोड, बोरियली (प०), बम्बई-91 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल को एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तम पाया गया कृतिफल, निम्नीनिचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से किथान नहीं किया नवा है अ

- (क) नंतरण वे हुंद्र किसी जाद की बावस, उक्त श्रीमीन्द्रम के स्पीम कर दोने के संत्रक के दायित्य में कभी कर्न या उससे क्यने में सुविधा के सिए; और/बा
- (थ) क्रेसी किसी नाम ना किसी धन ना बन्य नास्तियों की, चिन्ही भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

बतः जब, उन्त निर्मानयम की भारा 269-ए के नमुनरण वें, में, उन्त निर्मानयम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के सभीत, निर्मानियत स्थानतवों, नभार

- (1) श्री हसमुख धाघजी शहा और श्रन्य। (श्रन्तरक)
- (2) श्री जयंतीलाल लालचंद पटेल और ग्रन्य। (भ्रन्तरिती)

का वह स्वना बारी करके पृष्ठोंक्त सभ्यस्ति के वर्णन के तिए कार्यकाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाहोप हु----

- (क) इत सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी व्यक्ति बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पृथेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवास्त;
- (ज) इंस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अध्यक्ति में हितजबूध किसी अन्य व्यक्ति व्याप्त, अधोहस्ताक्षरी के बाब लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त जीपनियम के जध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा की उस जध्याय में दिया नवा हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 403, जो, 4थी मंजिल, "सी" विंग, सुमेर नगर, एस० वी॰ रोड, बोरिचली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा कि कर मंश श्रई-4/37-ईई/15220/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, **बम्बई**

दिनांक: 10~10~1985

मोहर 🕹

प्रथम बाइ . टी. एम. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-4, बम्बई

दिनांक, 10 अक्तूबर 1985

निर्दोश मं. अर्झ -4/37ई ही/14952/84-85.---अतः भुभते, लक्ष्मण दास्,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारज हैं कि सभाप्रवेक्त सम्पत्ति का उचित राजार

100,000/- रत. से अधिक है

आर जिसकी सं. फ्लंट नं. ए/1/13, जो, श्री पूनीत नवर को आप. हाउसिंग सोसाईटी लि., पूनीत नगर, एस. वि. राष्ट्र, बोरिवली (प), बम्बई-92

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से

वर्णित है।

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, स के अधीन, बम्बर्ड स्थित उक्षम प्राधिकारी के कार्या- लक्ष में रजीस्ट्री ही । तारीस 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्मरित के उचित बाजार गृल्य से कम के इस्यमान बितफल के सिए अंतरित की गई हैं और मृम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएं या सम्पन्ति का उचित बाजार गृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (जंतरकों) और गंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उस्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के अधिरव में कभी फरने ता उसमें बचने में मृतिधा के लिए; और/धा
- (ब) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम या धन-कार अधिनियम (1937 (1937 का 27) के प्रयोजरार्थ यस्तिरिंगी दलारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत बंब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमती विद्या रमेश पटल।

(अन्सरक)

2. श्री नानालाल एन भट्ट।

(अन्तरिती)

को वह तुमना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जबिंच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबिंध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिबित में किए या सकेंचे।

स्थळतीकारण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याम के दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं. $\sqrt{1/13}$, श्री पूनीत नगर को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., पूनीत नगर, एस. वि. रोड, बॉरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक के. सं. अर्ड-4/37र्ड्ड/14952/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-4., बम्बई

दिनांक 10-10-1985 । मोहर :

प्रचल बार्ड . द्री. एस एक. - - - ----

बायकर मधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन ध्याना

गाउँ बहुकार

कार्याजन, बहायक नायकर नामुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज→4, बम्बई

बम्बई, दिनांच 10 श्रक्तूबर 1985

निर्देश मं० शई-4/37-ईई/14993/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दाय

कायकर शिधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिनकी सं० यूनिट नं० 51, जो, ए-चिंग, ड्रींमलैण्ड, सी० टी० एन० नं० 1830 और 1838 (अंग), एक्सार, 120 फीट लिंक रोड, बोरिचलीं (पिंचम), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इपसे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधींन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तार ख 1-2-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाबार मुख्य से कम के इस्समान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास भरने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार अल्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा बतिफल, निम्मसिक्ति उक्देश्य से उच्त अन्तरण किविद्य में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की शब्धत, उज्जत वीधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कजी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के निए; बीट्र/वा
- (आ) एसी किसी जाव वा किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था कियाने में मृतिधा असे लिए।

अतः अवः, अवःत अधिनियम की भाग 269-गृके अनुसरणः कः, में उक्त सिधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) ह उभी के निम्मलिकित व्यक्तियों, वर्षा :---

(1) जी० एन० इंटरप्राईम।

(अन्तर≉ः)

(2) श्री गुंदरजी असमग्री विकास्त्रीरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्चन के निष्

सबस सम्परित के बर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों।
- (च) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकींगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उत्तर ओपनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित इं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 51, जो, ए-बिंग, ड्रीमलैंण्ड, सी० टी० एस० नं० 1830 और 1838 (अंग) एक्सार, 120 फोट लिंक रोष्ठ, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं।

श्रनुसूची दैशा ि क० सं० श्रई-4/37-ईई/14993/84<math>-85 और ति असे प्राधिशरी दम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 की रिजिस्टर्ड िया गया है।

लक्मण दाम सक्षम प्राधिकारी नहायक श्रयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-4, बम्बई

दिनों ह : 10 -10--1985

. t. - 12., 1 _____ प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंत्र~4, बम्बई

बम्बई, दिनां । 10 श्रक्तूबर 1985 निर्देश मं० ग्रई--4/37-ईई/14866/84-85--ग्रतः मुसे,

नायकार निधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पर्यात् 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं), की भारा 269-- ब के अधीन न अस प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर प्रस्पत्ति, जिसका उचित गाजार मुख्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिस्की सं० फ्लैट नं० 004, जो, हम।रत नं० डी-29, योगी नगर, एक । र रोड, बोरिवलीं (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (और इयंवे उपाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और चिचा अरारनामा श्रायक्षर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारींख 1-2-1985

को पूर्वीक्त संपील के उचिन बाजार मूल्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथापर्यक्ति संपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, अलको ख्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क्:) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी विशी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अर, उन्हें अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्न अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--28 -346GI/85

- (1) श्री प्रश्चित कुमार गहा और शन्य।
- (2) श्री लष्टमन हरीराम मीरचंदानी और श्रन्य। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरु करता हां।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 4.5 दिर है भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा परिभा-हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फ्लैप्ट नं० 004, जो, इमारन नं० **डी**-29, योगी नगर, एक्सार रोड, बोरिचली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

श्रन्**सूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/148**66/ 84~85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्वई द्वारा दिनांः $\S_1 + 2 + 1985$ की रिजम्दर्ड िया गया है।

> लक्ष्मण दास यक्षम प्रायधकारी महायय श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) श्रार्जन रेंज्-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

मोहर् 😗

प्ररूप आह*.टो.एग.एस.ु------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 ग्रक्तूबर 1985

निद्रश सं० ग्राई-4/37-ईई/14881/84-85---ग्रन: मुझे, लक्ष्मण दास,

नायक ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- से के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 28, जो, 3री मंजिल, स्पेरी स्टार-को-श्राप० हाउसिंग सोसाईटी, सहयोग नगर, एक्सार रोड, बोरिवली (पिण्चम), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची सें ग्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 1-2-1985 को

को प्दंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्व से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्थितियों, अर्थात् ह—

(1) श्री सुधीर एस० बदाकेरे।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शिरीप श्रार० शिरबाइकर।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिष्टियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के बज्जीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्यी

पलैट नं० 28, जो, 3री मंजिल, स्पेरी स्टार को-भाप० हार्जीसग सोमाईटीय, सहयोग नगर, एक्सार रोड, बोरियली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि नं श्राह्म-4/37–ईई/14881/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनाँक: 10-10-1985

प्रकल बाह्र ही एन एस .-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक नायकर नायकत (निर्होक्तक)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 10 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० श्रई--4/37--ईई/14845/84-85----म्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रन. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 31, जो, 3री मंजिल, दात्तानी नगर इमारत नं० 4, एस० बी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजन है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

का पूर्वेक्सि संपरित के उचित बाजार मुल्य में कम के दश्यमान अन्तरित प्रतिफल के िलए की गर्द विष्वास करने का कारण है यभापर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृल्य; उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित **प्रहीं किया गया है:--**-

- (क) बन्तरण ने हुई कियी बाब की बावत, उपल विधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी थन या बन्य आस्तिवाँ को, विन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित अधिकतयों, अर्थात् ६—- (1) मैसर्स दत्तानी इंटरप्रायजेस।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती जयाबाई गोकलदाम मंपन श्रौर श्रन्य। (श्रन्तरितो)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

बन्द संपत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी बाक्षेड़ :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील री 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सक्ते।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रमुक्त शस्त्रों और पत्तों का, को जबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

फ्लैंट नं० 31, जो, 3री मंजिल, दतानी नगर इमारत नं० 4, एस० बी० रोड, बोरिवली (पश्चिम), बस्वई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि वं श्रई-4/37-ईई/14845/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रैंज-4, बम्बई

विनौंक: 10-10-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 10 भ्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० ग्राई-4/37—ईई/14955/84-85—ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दान,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें पश्चात 'एवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 103, जो, टेरेस के साथ, इमारत नं० इ-21, थोगी नगर, एक्सार रोड, बोरिवली (पिष्चम), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितयम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को प्वेंकिं। सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्त के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उतके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (स) अंतरण से हुई किसी आय क्ली बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (३) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैसर्स विजय नगर कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भामजीभाई खोदाभाई पटेल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजफ्त में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनिधम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 103, जो, टरेस के साथ, इमारत नं० ई→21 योगी नगर, एक्सार रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

प्रमुस्ची जैसा कि फ्र॰ मं॰ प्रई-4/37–ईई/14955/84–85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1–2–1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सदाम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनाँक: 10-10-1985

सेक्ट 🗷

शक्य आई.टी.एम.एस.-----

भाषकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन स्थना

शारत सरकार

कार्यानय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्देश्यन)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 10 ग्रक्तूबर 1985

निर्द्रोश सं० श्रई-4/37-ईई/14831/84-85--श्रनः मुझे,

लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतर्जे वश्वके पश्चात् उत्तर अधिनियम कहा गमा ही), की भारा 269० श्राक नाधीन सद्भार अधिनुस्तर हो। उत्तर का अधिन सद्भार अधिनुस्तर हो। ही कि स्थावर सम्पत्ति, विस्ताता समित बाजार म्स्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, जो, 2री मंजिल, बेल-ग्राविया, श्राइ० सी० कालोनी काम रोड नं० 41, श्राइ० सी० कालोनी, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुपूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), और जिलका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधान, यन्त्रई न्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तार्राख 1-2-1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रूपमान प्रतिकंत के लिए लन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापुन्धित सम्पत्ति का उचित बाजार बन्ब, उसके रूप्यमान प्रतिफाल में, ऐसे रूप्यमान प्रतिफाल के पन्नक्ष प्रशिवधात से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरका) और अम्बरिटी (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्वरण के लिए तय गया गर पतिकल, निर्दर्शन भेवत ज्युदिष्य से उन्त अन्तरण रिजीश्वात 🕆 नास्तरियक रूप गी क्रीक्षण नहीं रिजया गयन 👸 🥌

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-शिमप के अधीन कर धाने के अंतरक के शायित्व में कभी करने का उसमें बचन भी सविधा के सिए; atra /ar
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय संवर्ध समिनियम, 1922 (1922 का 11) था सक्त कविनियस, वा धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा का मिलाए,

बतः वयः, उपत विधिनियम की धारा 269-न से वन्दरम में, में, उपल अधिनियम की धारा 200-ध की नणधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

(1) लिगोरी भल्वा।

(श्रन्तरक)

(2) मैसर्स कन्डेस एण्ड कूंदर इन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सभ्यक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाद्वियां करता हो।

जक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तदसम्बन्धी अभिनासों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मविभ, जो भी सुनिष् नाव में बनान्य होती हो, से शीवड प्रशिक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति हुवाहुत।
- (थ) इस स्थता के राजपत्र में प्रकाशन की शारीन 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्त में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवासत में किए 🕴 🖘 🦮

न्यक्रीकरण:---६समा प्रमृत्यः अपन्यं श्रीतः सदा सर् मिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा काँ उस अध्याय में विका मुना हैं।

ननुसूची

फ्लैट नं० 202, जो, 2री मंजिल, बेलग्राविया, सी० कालोनी कास रोड नं० 41, ग्राई० सी० कालोनी, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है।

श्रन्सूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/14831/. 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

विनौंक 10-10-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

नामकर नियम, 1961 (1961 का 43) की **भारा 269-न (1) के नभीन स्**ना

भारत सरकार कार्यांस्य, सहायक भारकर शाबुक्त (गिरीकाण)

अर्जन रेंज~ 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1985 निदेश सं० श्रई--4/37--ईई/14878/84--85----श्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

मायकर श्रीभारतगर, 1961 (1961 का 43) (विसे ध्याने इसके परवात (उक्त अधिनियम महा गया है), की धारा 269-थ के अधीन संभव प्राधिकारी को यह विश्वाच करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- का से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 301. जो, 3र्ग मंजिल, इमारत योगी स्मृति की-ग्राग० हाउलिंग मोसाईटी लिभिटेड, इमारत नं० डी/15, योगी नगर, एक्पार रोतट, बीरिक्ली, बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इसन उपाबद्ध श्रनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्राधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के क्षायित्य में रिजिस्ट्रो है, तारीखं 1-2-85

को पूर्वोक्त सम्मिति के उपित बाबार बूस के कन के व्यवजान बीतफल के सिए मंतरित की गई है बार मुक्ते यह विश्वास करने कारण ही कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार एल्य इसके दश्यमान प्रतिफल सं. एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह बीतकत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितयों) के बीच एंडे अन्तरण के लिए तथ भावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से स्क्रीयत नहीं किया गया ही:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक से दासिस्य में कमी करने या उससे व्यवने में सुविधा के लिए; आर/था
- (क) ऐसी किसी श्राय पा किसी अन गा क्या आसिखाँ को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 ११०९२ को 117 रा अस्ति अधिनियम, यह धन-कप अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किसा गया को या किया जाना चाहिए था, क्याने में सुविधा के लिए।

कतः वकः अक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुबर्ध में में उक्त विधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीनः निम्नितियम व्यक्तियों, अधीतः :—

(1) जलाल शा।

. (भ्रन्तरक)

(2) अख्यार श्रहमद फोदी और अन्य। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्वपाहिना करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी अधिवतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में विष्णु आ सकींगे।

स्वस्ति अपूक्त श्रव्या और पवा का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क क परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्त्रची

पलैंट नं० 301, जो, 3री मंजिल, इमारत योगी स्मृति को-म्राप० हार्जीसग सोसाईटी लिमिटेड, इमारत नं० डी 15, योगी नगर, एक्सार रोड, बोरिवली, बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि करु संर ग्रई-4/37-ईई/14878/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, **बम्दई** द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सञ्जम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, **बम्बई**

दिनांक: 10-10-1985

१९वर पहर्च हो हो एम ह पुष्र हान्यना स्था

नायकर कीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-म (1) के सभीन सुखना

नारत जलकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्अर्ड

बम्बई, दिनांक 10 भ्रक्तूबर, 1985

निर्देश मं० श्रई-4/37ईई/15161/84-85--श्रतः मुझै, लक्ष्मण दाम,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य !,06.000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 1, जो नल माला, ए-विंग, निर्माणाधीन इमारन, प्लाट नं० 14 श्रीर 19, सिटी मर्वे नं० 13/15, 13/21, देशाई श्रीर शेट नगर, श्राफ एस० वी० रोड, पोइस्र वन श्रिपे के पाम, बोरिवली (पिंचम) वस्वई में स्थित है (श्रीर इसल उपाश्वद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण चप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

का पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और नंतरक (बंतरका) और नंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अंतरण निचित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग नहीं बाबतः, अवस अधिनियम के अधीन कर योगे के अन्तरक के याजित्व में कनी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के सिए; बीड़/वा
- (का) ऐसी किसी आय हा किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां. जिन्हें भारतीय आय-कर आधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा वै लिए;

श्रत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-स को उपधारा (1) की अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:→ (1) मैपर्य असीतन इटरप्राइजेस ।

(अन्तर्क)

(2) श्राप्तनी ए० मेनन ।

(भ्रन्तरिती)

ी बहु बुचमा जारी करके प्रशिक्त सपाल में अर्थन कि किय कार्यशाहियां करता हो।

बक्त सम्मत्ति के नर्जन के सम्मन्ध में कीश भा जाकरे ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक ते 45 दिन की समिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की समिथ, जो भी समिथ बाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत हं 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या हैं।

वयप्रची

पलैंट मं० 1, जो नल माला, ए—विंग, निर्माणाधीन इमारत, प्लाट नं० 14 श्रीर 19, सर्वे नं० 13/15, 13/ 21, देसाई श्रीर शेट. नगर, आफ एस० वी० रोड, पोईसर बस डिपो के पास. बोरिबली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

प्रमुक्ती जैमा दि क० मं० ग्रार्ट-4/37—ईर्ड्/15161/84—85 ग्रीर जो सक्षम प्राधितारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रिजिस्टई किया गया है।

व**र्यक्ष दास** संक्ष**य प्राधिकारी** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶4, बस्बई

दिनांक: 10--10--1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 263-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 ग्रक्तुबर 1985

निर्देश सं० ऋई-4/37-ईई/14793/84-85---ग्रतः मुझें, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आधार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 7, जो, बी-विंग, 1िली मंजिल, श्रालका को-ग्राप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, बोरिवली (पिष्टिम), वम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रानुसुषी में श्रीर पूर्ण रूप से विंगित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रीधीन, बबर्म्ड स्थित सञ्जम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सर्वात के जिल्ला को जार मत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए कि दित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अपूर्वोक्स सम्मत्ति का जिल्ला बाजार मृत्य, उसके इत्यमान कि कि कि अपूर्वोक्स सम्मत्ति का जिल्ला के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से मृद्द किसी जाय की, वावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सूविधा के लिए; और/धा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमं, या धन-कर अधिनियमं, या धन-कर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत. अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री दाऊद आदम शेखा

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो राजाराम पांडुरंग सावंत और श्रन्य। (धन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थाक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कांगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं

अनुसूची

ब्लाक नं० 7, जो, बी-विंग, 1ली मंजिल, भ्रानका को-भ्राप० हाउगिंग सोसाइटी लिमिटेड, वोरिवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि कि० मं० श्रई- 4/37-ईई/14793/ 84-85 श्रौर जो उक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विताक 1-2-1985 की रिजस्टर्ड मिया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिनगरी सहायदः श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक: 10-10-1985

प्ररूप नाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० श्रर्ड- 4/37-ईई/14834/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है.

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, इमारत श्याम कृप। नं० 1, एक्नार विलेज रोड, बोरिलरी (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसुनी में भ्रीर पूर्ण रुप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

बंधे भूवाँकत समपत्ति के उचित बाजार मूल्य बे कम के कावाल प्रतिपत्त के लिए रिचस्ट्रीकृत विलोध को अनुसार करति। दिल की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का बारण है कि यथापवांकत तंपरित का उचित बाजार मूल्य क्या कर करते का बारण है कि यथापवांकत तंपरित का उचित बाजार मूल्य क्या के क्या का प्रतिपत्त के प्रतिपत्त के प्रतिपत्त के प्रतिपत्त के प्रतिपत्त के अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तांपतियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिपत्त, निम्नीस्थित उद्योध्य से उच्य कन्तरण कि बित वे बाप्सिक क्य से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को क्षितियम में कभी करने या उससे वचने में सुविधा को सिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

त्रतः इ.स. उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, में, उसत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिनिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्ः—
9 —346GI/85

(1) मैससं विजय कंपनी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वर्मत गंपाल मानभाग।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

रक्य सम्परित के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे

स्पर्धांकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

पलैंट नं० 402, जी, 4थी मंजिल, इमारत स्थाम कृपा नं० i, एक्पार विलेत, रोड, बोरिवली (पिण्चम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रमुकुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई--4/37-ईई/14834/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिताती, बम्बई द्वारा दिनोंक 1-2-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक क्रायकार क्रायक्ष (निरीक्षम) क्रजन रेंजे→4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

क्रूद आइ.टी.एन.एस-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कार्यकर जायूक्स (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-4, बम्बई
बम्बई, दिनांक 10 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० **धर्ध**-4/3*1-ईई*/14938/84-85---श्रतः मुझे. **स**श्मण दास,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो, 3री मंजिल, जय गुरु देव भवन, विजेज एक्मार, बोरिवजी (पिश्वम), बस्वई— 92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रीर जिनका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल के पन्धह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पायां गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में भृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1000 (1922 का 11) या जब्द अधिनियम, या पनकर अधिनियम, या पनकर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियारों में सरिष्धः के सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, की, उक्त की पीट्यम की धारा 260 ग की उपधारा (1) -के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री हमीद ग्रली ग्रब्दुल मजिद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पवणकुमार केडिया।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बस्थ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीक्षरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अन्स्ची

पर्लैट नं० 5, जो, 3री मंजिल, जय गुरु देव भवन, विलेज एक्सार, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रतुसूची जैसा कि करु संरु श्रई-4/37—ईई/14938/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी **बम्बई** द्वारा दिनौंक 1-2-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनाँक: 10--10--1985

वक्त वाह्री, हो पूर्व पूर्व प्रकारकारण

बावकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) करी भाषा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 10 श्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/14873/84-85---- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण बास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), का भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, जो, 3री मंजिल, जय गुरु देव भवन, विलेज एक्सार, बोरिवली (पश्चिम), वम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्जिस्ट्री है, तारीख 1-2-85

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यामान प्रितिफल के बिए अन्तरित की गई है और मुफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ते, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्यरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा नवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वास के सिए तो स्थाया नदी किया गया है :—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आव की, वाणस, उन्नेस धार्थितयज को अधीन कर दोने के अस्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी जिली मान या किसी भन भा भन्य आस्तिनों को जिल्हें भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सम्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया भा सा किसा जाना चाहिन था, कियाने में सुनिभा केंग्रिक्स;

अत: अब, जनत नियित्यम की भारा 269-ग के अनुसदग में, मैं, जनत निथित की भारा 269-थ की जपधारा (1) डे नभीन, भिन्निचित्र व्यक्तियों, कर्मात :-- (1) श्री हमीद ग्रली ग्रम्पुल मजिद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शारवादेशी तुलसियान श्रौर श्रन्य। (श्रन्तरिती) को नह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्बत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

अवल सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई नी साक्रीप :---

- (क) इत सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीय की 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति हुए।
- (ख) इसस्थना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिसबबुध किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अधोइस्ताक्षरी के ऋष लिखित में किए का सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्यों का, वो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मही अर्थ होला को उत अध्याय में विया क्या हैं:

नगृज्यी

पलैट नं 6, जो, 3री मंजिल, जय गुरु देव भवन, विलेज एक्सार, बोरिवली (पश्चिम), बम्बर्ध-92 में स्थित है।

श्रन्सुची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37-ईई/14873/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-2-1985 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बर्ध

दिनाँक: 10-10-1985

प्रकथ नाहै . ट्री . एव . एव . --------

धाव्यार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-व (1) के अधीन कुमवा

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायक्त (रैनर्शकर्ण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 10 श्रक्तूबर, 1985

निर्वेश सं० ग्रई--4/37-जी/86/84-85---श्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

भायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्यों इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं जिसका सर्वे नं 93, एच० नं 3, सी० टी० एस० नं 325 ए श्रीर 325 ए 1 से 20, श्राफ मालाड, रेवीन्यू विलेज, काँदिवली (पश्चिम), बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 2-2-1985

को पूर्विक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुम्ने यह विस्तास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पिति का उचित्त बाजार अल्खा, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और बंतरक (बंतरुकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पादा गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उच्छ बन्तरण सिसिस में बास्तिक कप से कवित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई कि सी बाय का बावत, इक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दावित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिख्? को र/थः
- (च) ऐसी किसी अाव या किसी धन या बन्च बास्तिवीं को, चिन्हों आरतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसंद्रार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्या भा या किया चाना चाहिए था, कियाने में स्विचा मी शिक्क

अतः असः उक्त अधिनियमं कौ भारा 269-ग **से अपूक्त्य** में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीतः जिस्सीलिसिय व्यक्तियों, अधीत् क्र--- (1) एफ० ई० दीनमा चैरीटीज।

(भ्रन्तरक)

(2) कॉताप्रसाद एस० एन० तिवारी ।

(अन्तरिती)

को नह सूच्या वारी करके पूनाँकत वंपरित के नर्यन के विस् कार्यनाहियां करता हूं।

उनक बन्दरिक् के वृत्रीय के बृत्यान्यु में कोई भी बार्कर :---

- (क) इस स्वमा के रावपन में प्रकाशन की तारीश से 45 विश्व की जनिथ या तत्त्रम्बन्धी स्वित्यों पर स्वना की ताजीत से 30 विन की बर्वीथ, वो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्वित्यों में से किसी स्वित्य व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंने ह

स्थळीकरण: इसमें प्रयुक्त सन्धों और पर्वो का, को उक्त वीधिनियम के संध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं क्यें होगा जो उस संध्याय में विमा ज्या है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस०-2257/80 श्रौर जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा विनांक 2-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी स**हागक ग्रा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶4, बम्ब**र्ड**

दिनौंक: 10-10-1985

मोहरः

प्रकृष कार्ष . ही . एवं . प्रकृत - - - - - = ====

शायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

भारत तर्कार

श्रावीसव, तहायक आयकर आयुक्त (विभरीक्रण) अर्जन रेंज-4, अस्बई

बम्बई, दिनाँक 10 श्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० श्र**ई**—4/37—ईई/15363/84—85——श्रतः मुझे, **लक्ष्म**ण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं डुकान नं 3, जो, तल माला, निर्माणाधीन इमारत, "बेला विस्ता", प्लाट नं 7, सर्वे नं 119, एव व् नं 6 (ग्रंश) ग्रीर जिसका सी टी एप नं 1014, तालुका बोरिवली, एकतार, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप स विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्राय हर ग्रिथिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिशीन, वम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान बितिकस् के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकत से, ऐसे व्ययमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत्त निम्नसिद्द अव्यक्ति से उस्त वस्तरण मिनिवत में बात्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से क्ष्मुं जिन्ही थाय की वायस, उपका विधितिसम् के अभीन कर धेने के बन्तरक के बादित्य में कमी करने के अबसे उपने में बृशिधा के लिए: और/या
- (क) ऐसे किसी जाय का किसी भन या जन्य जारिस्तको की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दः जनकर अधिनियम, दः जनकर अधिनियम, दः जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रशंजनार्थ अन्तरिती त्यार प्रकट नहीं किया ज्या भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः वक, अवस अधिनियम की भारा 269-प की अनुसरक रं, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीखत व्यक्तियों, अर्थात् क्र— (1) रेनबो कन्स्ट्रक्शन्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री क्लेग्रेरन्स एला० पी० फोनसेका ग्रौर श्रन्य। (श्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्भूति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षर .---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख धं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवन्छ;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास चिवित में किए जा सकांगे।

स्पच्छीकरणं :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और खों का, जो अकत विभिन्नमा, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया हैं।

लपर्य

दुकान नं० 3, जो, तल माला, निर्माणाधीन इमारत, "बेला-वीस्ता", प्लाट नं० 7, सर्वे नं० 119, एच० नं० 7 (श्रंष) श्रौर जिसका सी० टी० एस० नं० 1014, तालुका बोरियली, एक्सार, बम्बई सें स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई-4/37 $-\frac{1}{2}$ = 15363/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास यक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनाँक: 10--10-19**8**5

वसन नार्व_ाटी पुरन , एक पुरस्कारण

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन क्वना

शास्त्र उरकार

कार्यासन, सङ्घानक मानकर नागुनक (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ष, दिनांश 10 प्रक्तूबर 1985

निर्वेश सं० अई--4/37-ईई/14939/84-85--- अतः मुझे, लक्ष्मण , दाम,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269--च के मधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर समित्ति, जिसको उचित बाजार मूस्प 1,00,000/-रु. से जिथक हैं

और जिसकीं सं० पलैट नं० 6, जो, ए-विंग, 1ली मंजिल कविता अपार्टमेंट्स, नाटकवाला लेन, बोन्विली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है), और जिस्ता करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधींन, बम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं; तारीख 1-2-1985

का पूजों क्य संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रितिफ ले के लिए अन्तरित की गई हैं और कृष्ठें यह विश्वास करने का कारण हैं कि वशापुर्वों कत सम्मित का उचित बाजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रितिफल का पन्त्रह प्रितिमत से वश्यमान प्रितिफल का पन्त्रह प्रितमत से वश्यक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अस्तरण के सिए तब वाया गया प्रतिफल, निम्निसिचित उद्देश्य से उक्त अस्तरण कि चित्र में वास्तिक क्य से किथा बहीं किया बया हैं:——

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बाय की बावत, असत विधानियम के बधीन कर दोने के अस्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के निए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जब्द अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने जे सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :-- (1) मैसर्स कविता अन्स्ट्रमशन्स।

(भ्रन्तरक)

(2) केतनकुमार पी० ओक्सा और ग्रन्य।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इब बुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अनिधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,, जो भी नविध साद में सजाना होती हो, के भीतर प्रविक्ष स्थानस्थों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिवित में किए वा सकोंगें।

स्पच्छीकरणः ----इसम प्रयक्त शब्दों और पदा का, जो उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्त्रपुर्व

फ्लैट नं० 6, जो, ए-चिंग, 1ली मंजिल, कविता भ्रपार्ट-मेंट्स, नाटकवाला लेन, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई- 92 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैमा ि कर संर शई-4/37-ईई/14939/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम (प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त निरीक्षण) म्रर्जन रेंज⊶4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

प्रकृष बहुई .टी एन .एस . -----

भायकर मिथिनियम, 1981 (1961 का 43) की भारा 269-न(1) के मधीन सुचना

भारत तस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज⊶4, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 10 श्रक्तुबर 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/14905/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम

शायकर अधिनियम, 196! (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षेम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्सि, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकीं सं० दुः त नं० 6, जो, तल माला, सी/1 इमारत, मणिक नगर, बोरिजलीं (पश्चिम), बम्बई में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), और जिसका करारनामा आयक्य प्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीं हैं, तारींख 1-2-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के द्वसमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्वोंक्स संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हो कोर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच एने बन्तरण के सिए त्य गया गया प्रतिफल, निम्निजिन्ति सुदृश्य से उसत बन्तरण निम्तरण मिनित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया असा है न्य

- (5) अन्तरण स हुद्दे किसी आय की शावस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) ा इक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, न 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्दा था किया जाना चरिहण था, कियाहों में सुविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण पं, में अक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियिन क्योंक्तकों अधीत :--- (1) मैं मसं मणिक एण्ड ग्रामोनिएट्स।

(श्रन्तरकः)

(2) सोनी नटघरवाल पूंजीराम।

(भ्रन्तरिती)

की यह स्थाना जारी कश्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया क्रूक करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी गार्कप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) अस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की आरोक सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर अम्पान्त में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वार अंगतन्त्रकाक्षरी के पास

स्पष्कीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो. वहां अध्य हांगर जः एस कार्य में दिया गया हो।

अनुसूची

दुःशन नं० 6, जो, तल माला, सी/1 इमारत, माणेक नगर, बोर्विनी (पश्चिम), बम्बर्ध में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/14905/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक, 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायर्ग श्रायक्षत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंत्र⊸4, बस्बई

दिनों ह: 10-10-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० ग्राई-4/37-ईई/15319/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्व 1,00,000/- एउ. से अधिक हैं

और जिमकी सं० दुटान नं० 3, जो, तल माला, एस्टी गीजय को-श्राप० हार्जीमा मोलाईटी, माईबाबा नगर, बोरि-धली (पिश्चम), बम्बई-92 में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से घणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारींख 1-2-1985

को पुर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित् बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के सिए **अन्त**रित की गर् ₹* विषयास करम कि क्को यह का कारण Ę यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वस्यमान प्रतिकल से, ए ते प्रयमान प्रतिकल के प्रव्यह प्रतिवात से विधिक है कौर अंतरकः (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) कै बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित बहुदोक्य से उक्त बन्तरण सिचित में वास्तविक क्य से कविवत ४इटिं किया गंबा है ः---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा धायित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तियों कर जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमं, का धन-कर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

जंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) वे अधीन, निम्निलिखित स्यक्तियाँ जर्थात् :— (1) औ राजन एक धारक।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमनी राधा टी० कूपरा

(ग्रन्तरिती)

का यह सुपना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध वो कोई भी बाक्षेप ८---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की जबींध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजींस से 30 विन की अवधि, वो भी जबिंध वाद में सजान्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित त्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्सिन में किए जा सकोंगे।

त्वव्यक्तिरणः—इसमें प्रभुक्त बच्चों और पर्यों का, जो अवस् वृह्मितियम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया नवा ही।

जन्सची

दुकान नं० 3, जो, तल माला, इस्टी गीजय को-श्राप० हाउमिंग सोमार्थटी जिनिटेड, इमारत नं० 12, सार्थवाबा नगर, वोरिवली (पश्चिम), बम्बर्श-92 में स्थित है।

प्रनुसूची जैना जि. क० सं० यई-4/37-ईई/15319/ 84-85 ऑंट ना अलप प्रतिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 1--2-1985 की पशिस्टई िया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी यहायस प्राचित्रर स्नायुक्त (तिरीक्षण) स्रजैत रेंग्र-4, बस्बर्ध

दिनों 5: 10-10-1985

प्रकृष बाह्र , दी , प्रव , एस , ------

नायकर मींधनियद, 1961 (1961 को 43) की धार 269-म (1) के मधीन सूचना

भारतं चर्चाड

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज-4, बम्बध

बन्बदी, दिनों रू 10 प्रस्तुवर 1985

निर्देश सं० अई--4/37--ईई/15364/04--85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण धास

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इस्कें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वात कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मुक्त 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और दिक्की संब दुनान नंव 7, जो, तल माला, क्षिणाधीन इमारत, "बेला-पिला" प्लाट नंव 7, सर्वे नंव 119, एच नंव 7 (अंग) और जिस्ता सीव टीव एमव नंव 1014, तालान बंगियली एकतार, कम्बद्धे में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से घणित है), और जिस्ता तथारतामा आयार अधिक्रिम 1961 की घारा 269 ए, का के अधीन, बम्बद्धे स्थित रक्षम प्राधिकारी के नार्याका में सविस्त्री है, तारीका 1--2-1965 की

क्ये एकॉक्त सम्प्रित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रित का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल सा पन्नह प्रतिकात से विधिक है और जंतरक (बंतरका) की अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरक के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नेलिचित उच्चेष्य से उक्त जन्तरण जिचित से बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की वार्यत अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सर्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसा धन वा बन्स बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर किशिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-वार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में ब्विधा के मिए;

बतः बंध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारच में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधोन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 30—346GI/85 (1) मैससं रेनबो कल्स्ट्रपराव्य ।

(प्रग्तरक)

(2) मैससं दिवाली इंटरप्राईनेस।

(भन्तरितीं)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल् कार्यवादियां करता हो।

सकत सम्पत्ति को धर्वन को संस्वतभ में की हैं भी बाक्षोप :----

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वें 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो बी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्व किसी कन्य व्यक्ति द्वारां अभोहस्ताक्षरी के वाह सिवित में किए जा सकी गे।

स्युक्तीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सब्यों और पर्यों का, को उक्ष जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गवा है !!

बन्स्ची

दुशात नं० 6, जो, तल माला, तिर्मागाधीत इमारत, "बेल्या-बिराम", प्लाट नं० 7, सर्वे नं० 119, एच० नं० 7 (अंग) और दिवास सी० टी० एव० नं० 1014, तालुम बोलियती, एकार, बल्बई में स्थित है।

श्रानुती जैता कि क॰ सं॰ श्रई -4/37-देदे/15364/ 04-05 और जो सक्षम प्राधिकारी बन्दर्द द्वारा दिलांक 1→2-1905 को रक्षिएडं किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिशारी सहायश द्वायशर द्वायुक्त (निरीक्षण) द्वर्जन रेज--4, बम्बद्व

थिनांम: 10~10~1985

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कृति धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अजम रेंज-4, बम्बई

निर्देश सं० अ**६**-4/37-**६६**/14886/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 6, जो, गिरतार अपार्टमेंट्स आँफ मडपेश्वर रोड, गोविंच नगर, बोरिवली (पिश्वम) बम्बई—92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारतामा आय-कर अधिभियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की इपागरा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) मैसर्सं कमला इष्टरप्राइणेस।

(अन्तरक)

(2) मणिलाल गांगजी केनिया घीर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति स्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उकता . अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा चो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुकाम नं० 6, गिरनार अपार्टमेंट्स, आफ मंडपेश्वर रोड, गोविंद मगर, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई→92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-4/37-ईई/14886/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्ब**र्श**

दिमांक: 10-10-1985

प्ररूप बाइं दी. एन . एत ु, न्व्यून-१०००

बायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्वान

भारत तहकार

कार्यालयः, सहायक नायकर भाग्वत (निडीक्रिक)

अर्जन रेंज-4, बस्बई बस्बई, दिनांक 10 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/14852/84-85--अत: मुझे लक्ष्मण दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-च के अभीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० बुकान न० 2, जो सत्यम इमारत नं० 2, रायानीग्राम, सिम्पोली रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई—92 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वींगत है, ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनिम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 1⊷2⊷1985

- (क) बन्तर्भ से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायरक के कभी करने वा उससे बचने में बूदिया के लिए; बॉर/बा
- (ल) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तिवृत्ते का जिन्हें भारतीय जायकर किसीनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत विधिनियम, या धन-कृद अधिनियम, या धन-कृद अधिनियम, पित्र के 1957 का 27), के प्रवोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सूविधा के सिए।

ं बतः क्या उक्ता 'विभिनियम की भारा 269-ग के जन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री दिनेश एन० सोनी श्रीर अन्य। (अन्सरक)
- (2) जितेन्द्र शांतीलाल सोनी भीर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के शिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनता सम्पत्ति को नर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्रोन है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्वक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्वितयों में से किसी स्वित्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात विकित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क जिभिनियम के अभ्याय 20 क में परिभाविष हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

सन्बन्धी

षुकाम नं० 2, जो, सत्यम इमारत नं० 1, रायानीग्राम सिम्पोली रोड, बोरियली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अगुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/14852/ 84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10 10-1985

प्रकृत वार्षं की एत एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जः रेंजः—4, अम्बर्ध

सम्बर्ध दिनांक 10 अन्तूबर 1985 निर्वेश सं० अई—4/37—ईई/15061/84→85—अतः मुझे सक्षमण दास,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभाष् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्तित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० दुकान नं० 6, जो, सहयाद्री अपार्टमेंट और शापिंग सेंटर, लोकमान्य िलक रोड, बोरियली (प) बस्कई-92 में ल्यित हैं (श्रीर इसते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बीरा, हैं) और जितका करारासम

आयकर अधितियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधित, बम्बई रियह सक्षम प्राविकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल को क्लूड प्रतिशत स रिधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नुलिखित अंतरितियों के स्वास्तिक क्या से किया गया क्षेत्र —

- (क) जनारण से हुई किसी शास की बादतः, जनतः विभिन्नियम् के अभीय कर होने के बंदरक के बायित्व में कभी करने या उत्तसे क्ष्ये में सुविधा के सिए; बरि/या
- (w) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जासकर विधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने बें सुविधा के सिए;

वतः वतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की बनुग्रहण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) हे वधीन् निम्निविक्ति व्यक्तियों, वर्धात् अस्म (1) महेन्द्र केरशी।

(अस्तरक)

(2) धिरजनाल नामजी घोर अन्य।

(अन्तीरती)

की यह सूचना जाएं करके पूर्वीक्य सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यगाहियां करता हूं।

उन्हें सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी आंधीप द--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के दें 45 दिन की अविध या तत्साम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वित्यों में से किसी स्थित द्वारा;
- (ब) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार, अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किये का सकेंगे।

स्वाधिकरण :—इसमें प्रयुक्त वृक्ती और पदों का, को उक्त विधिनियम के विध्याय 20-क में परिभाविक ही, वहीं वर्ध होना वो उस वध्याय में दिवा

वन्स्ची

दुकान मं० 6, जो, सहयात्री अवार्टमेंट झीर शापिग सेंटर, लोकमान्य तिलक रोड, बोरियली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० स० ग्राई-4/37-ईई/15061/ 84-85 ग्रीर जो समग प्राधि गरीन बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मग दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बर्ध

विनोक: 10-10-1985

प्रक्य कार्ड्,टी.एव.एस._{प्रच}नननक

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, त्रष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज⊶4, बन्द**ई** बम्बई, जिसेस 10 अस्तूबर 1985

िर्देश सं० अई--4/37--ईर्ड/15153/84--85---अतः मुझे, •लक्मण धास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

मीर जि.की सं० दुकार नं० 3, जो, उन माला, जन्मा इशेन, प्राधावाला लेन, आफ एकामी विजेतानन्द रोड, बोरि-बली (लिश्तम), बम्बई-92 में स्थित है (फ्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से बर्णित है), श्रीर जिलका करास्तामा आयत्तर अविजयम 1961 भी धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकिट्स है, स्रीज 1-2-1985

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिप् अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किरिक में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के सिए; जॉर/वा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 14) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती, द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्माने में सुविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

- (1) श्री कीर्ती सी० ग्रहा ग्रांट अन्य। (अन्दरक)
- (2) श्री दिनेश रामजी वेढीना मोर अन्य। (अर.संरदी)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

समत सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वास्पेप राज्य

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का क 45 दिन के भीतर उपत्त स्थावर संपत्ति में हितबद्यभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नया है।

अनुसुची

दुकाल नं० 3, जो, तल माला, जम्ता दर्शन, नाष्टक-वाला लेल, आफ स्थामी जिलेकातन्द रोड, बोरियली (प), बम्बर्श-92 में स्थित है।

अनुपूची जैता हि क॰ सं॰ अ च4/37चईई/15153/ 84-85 और जो सज़म प्राधिकरी, बन्बई द्वारा दिनांश 1-2-1985 को रजिल्डई विधा गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जभ रेंज-4, बम्ब**र्ड**

दितंत्र: 10-10-1985

पेहर:

प्ररूप आहें, ठी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरास्त्रक)

भर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1985 निद्या सं० शर्द-4/37-ईई/15338/84-85--श्रतः मृ**से**, लक्ष्मण दास,

कामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवाद्य 'उन्ता शिनियम' कहा गया ही की भारते 269-च को नभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विद्यांत करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूरूव 1,00,000/- रह. से अधिक ही

श्रीर जिसकी संव फ्लैट नंव 601, जो, 6 ठी मं जिल, हिल टाप कंदारपाडा श्राध रोड, बोरियली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है (श्रीर इसने उताबद्ध श्रनुसूब। में श्रीर पूर्ण रूप से बिजत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीय कर श्रीधनियम 1961 को धारा 269 क, ख के श्रश्रीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्र: है, साराख 1-2-1985

को पूर्वोक्त कम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान बितकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्ब, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजरें में सूनिधा के किए; और/या
- (क) एसी: किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-मार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था, कियाने में सुर्विभा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) भैंसर्स निक एण्ड फ़ैस्ल इंटरप्राइसेज। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रं: इ० डिसोझा। /ह

(प्रन्तिरती)

की यह सूचना जाती कारनी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की सिंह कार्यवाहियां करता हुंं

उन्त सम्पत्ति की सर्वन को संबंध को कोई भी आक्षेप ए--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रक सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास सिवित में किए जा सकोंगे।

भ्यव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होया जो उस अध्याय में दिसर गया है।

धनुसूची

फ्लैट नं० 601, जो, 6ठी मंजिल, हिल टाप कंदारपाडा कास रोड, बोरियली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-4/37-ईई/15338/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिनारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टंड क्या गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिनारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज⊶4, बस्बई

दिनांक: 11-10-1985

प्ररूप बाई दी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० म्रई-4/37-ईई/15311/84-85-मा: मुखे, लक्ष्मण दास

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 101, जी, पहली मंदिल, "युनाइटेड अपार्टमेंट्स", श्री धेवी नगर, बिसरा नाहा, एल० टं० रोड, बोरियली (पिष्टम), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत अनूर मी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका कारानामा श्रीयकर श्रीवित्रम 1961 का वारा 269 ए, ख के श्री न, बम्बई स्थित स्थाम प्राथित से हे नामित में रिजस्ट है, तार ख 1-2-1985 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रुक्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रुक्यमान प्रतिफल से एसे रुक्यमान प्रतिफल का नाम प्रतिफल का प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं कमा गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दािमत्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दाियत्व के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हों भारतीय आयं कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुकिश के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुबरण में, भें उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्रां देवा बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रांमती जिसन्या परेरा।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्त्वी

पलैट नं० 101, जो, पहला मंग्सि, "युनाइटेड झपटे-मेंट्रा", श्रो देवी नगर, विश्वारा नाका, एल० टी० रोड, बोरिवली (पश्चिम), बस्बई--92 में स्थित है।

प्रनूस्चें। जैसा कि ऋ० सं० भई-4/37-ईई/15311/ 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिरारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायूक्स (निरोक्षण), भर्जन रैंज-4, बम्बई

दिनांक 10-10-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासरः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजंन रेंज-4, बन्बई

बम्बई, दिनांक 10 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० छई--4/37-ईई/15329/84-35---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जित्तका सं० पत्नैट नं० ए-402, जो, 4था मंजिल, दि स्टार मञ्जूबेन की-माप० हाउसिंग सोताईटा लिमिटेंड, प्लाट नं० 59, टा० पा० एस० नं० 3, उमेद माश्रम रोड, खीलिंगला (पश्चिम), बान्नई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद सन्तुच में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसा नराउनामा आयहर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के भागान, बान्नई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, हारीख 1-12-1985

को पृथिकः सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के रायमान प्रतिप्पत के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उरू दे दहरमान प्रतिप्पत से एसे दहरमान प्रतिपत्त का पंद्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बेंच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त निम्नतिसिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बासांचक एप से कथित नदीं किया गया है:---

- (को) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; --

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्री महेन्द्र गंगाराम मिराना।

(मरारङ)

(2) श्रीः स्मेश एष्णसव कुलकर्णी।

(ग्रन्धरिती)

कों यह स्पना चारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षंप :----

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख शै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, ग्रे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा उक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तिकरणः ---- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

पत्नैट नं० ए- 402, जो, 4थीं मंजित्, दि स्टार मञ्जूबेन को-प्राप० हाउँ कि सी. हैंट लिमिटेड, प्लाट नं० 59, टें पिंग एउ० 3, उमेद प्राश्रम रोड, बोर्रदली (पश्चिम), बस्बर्द-92 में स्थित है।

श्रवसूची जैसा हि कर संर छ $\xi-4/37$ -ईई/15329/84-35 और जो सक्षर प्राधितारी, बस्बई द्वारा दिलीक 1-2-1985 को रजिस्टई किया गया है।

लक्सग दास सक्षम प्राधिकारो सहायक **श्रायकर श्रायूकः (**निर्दक्षण) **श**र्जन रेंज⊶4, **बस्बई**

दिनां ह: 10-10-1985

श्रद्भ बार्ड , टी. एम. एक. - - - ----

भाषकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मंभीन स्वया

HISA TEST

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० श्र\$-4/37—\$\$/14854/84—85—-श्रतः मूद्ये, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवाल 'उक्त निर्मियम' कहा नया हैं), की वारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि, विस्का उचित नावार कृत्य 1,00,000/- रह से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 1, जो, तल माला, विटरल अपार्टमेंट्स, एस्सूर पार्क, मब प्लाट नं० 30, फ़ाइनल प्लाट नं० 321, टी० पी० एस० नं० 3, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं (श्रीर इसले उपाबद श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 का धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, सारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूस्य से का के प्रस्तान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते वह विकास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे उध्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिष्ट से अधिक हैं हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कवित गर्वों विकास गया हैं :---

- (क) मन्तरण से हुई निज्ञी आय की वावद, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उसके बचने में सविधा को निष् और/वा
- (का) एरेसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ कारे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोख-नार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना चाहिए था स्थिपान में सुविधा के लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुतरण को, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्चित व्यक्तियों, अर्थात्:——
346GI/85

- (1) श्रामतो निलमबेन जिलामणी परिखा (श्रनारः)
- (2) श्रामनः लिल(यतः शांतानान छेडा । (श्रन्धरितः)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के तार्तन के विका कार्यनाहियां गुरू करका हुं।

उक्त सम्मृतित् के मर्पन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों को सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , को की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार,
- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन का नारीय 45 किन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-क्यूथ किसी अन्य व्यक्ति एथाश नाभाष्ट्रस्ताक्षरी क पास निवित्त के किए जा सकोंगे ।

स्वकाकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उरका विभागित के अध्याय 20-क में परिभागित हैं, वहीं अर्थ होंका, जो एस राजाय के विभाग स्वाहित

जन्स्धी

पलैट नं० 1, जो, तल काला, विठठल श्रातिटेमेंट्य, कस्तूर पार्क, सब प्लाट नं० 30, फाइनल प्लाट नं० 321, टा० परि० एस० 3, बोरियलंश (पश्चिम), बम्बई--92 में स्थित है।

म्रनूसूचं। जैसा ि क॰ सं॰ म्रडे--4/37 ईई/14854/84-85 भ्रीर जो सक्षम प्राधि ΩT , बम्बई उत्ता दिलां ΩT -2--1985 को प्रजिस्दर्ड सिया गया है।

लक्ष्मण दास लक्षम प्राधि ार∶ सहायक श्राय∷र श्रायूक्त (निर∶क्षण) श्रर्जन रेंज⊷ा, बस्बई

दिनांक: 10-10-1985

मोहरः

प्रक्प बाह. दी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत, सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 10 ग्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० श्रई -4/37-धर्ष/15023/84-85—-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्चित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु ते निधक है

और जिसकीं सं० दुकान नं० 6, जो, तल माला, स्टार ट्रेड सेंटर, एस० बीं० पीं० रोड़, बारिचलीं (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपावत अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से चिंगत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 कीं धारा 269 क, ख के अधींत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रीं है। तारींख 1 फरचरीं 1985 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान बतिफल के सिए बन्तरित की गई है और मभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रिक्त से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिस्त से बिधक है और बन्तरिक (बन्तरकों) और बन्तरित (बन्तरितीं) के किया है बन्तरण के सिए तय पाना गवा इतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निस्तिक में वास्तविक रूप ने किथत वहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्द्र भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट रही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- 1. श्रीमती मिरा वेंश्रदेश देवले और श्रन्य। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती डी॰ डी॰ सावंत और ग्रन्थ। (ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के एास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाक्ति है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

'दुक्तान नं० 6, जो तल माला, स्टार ट्रेड सेंटर, एस० बी० पी० रोड़, बोरिचली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाहि क० सं० श्रई-4/37-ईई/15023/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण धास सक्षम प्राधिकारीं महायक भ्रायक्षर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रैंज-4, बम्बर्ष

दनांक: 10-10-1985

मोडर -

प्रका नाष्ट्री, दो , यन , यस , , :-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत करकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायकर (निद्धीसण) ध्रजीन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 श्रक्तूबर, 1985

निर्वेश सं० ग्राई-4/37-ईई/15296/84-85----ग्रतः मुझे लक्ष्मण दाम

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इतके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

और जिनकी सं० फ्लेट नं० 52-ए, जो, 5वीं मंजिल, इमारत "दात्तानीं टायर्स", ए न० बी० रोड़, बारिवलीं (प), बम्बई-400092 में स्थित हैं (और इनमें उपायक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिनहां उरारतामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269 है, खं के श्रधीन, बम्बई में स्थित हैं सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 1 फरचरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (जन्त्रका) और जन्तरिती (जन्तरितिया) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण जिल्लिक में वास्तविक स्थ ने कथित निहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के अंतरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी नावे या किसी धन या जन्य नास्तियों को, चिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती चुनारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

नत: नव, उक्त सीमिनियम की भारा 269-व के नमुनरक में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) वे नमीत. निम्निजियित व्यक्तियमों, वर्षात ४--- मेसर्स दात्तानी कन्स्ट्रम्यान।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती भरत कांतीलाल शहा और श्रन्य। (श्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिथु कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त बर्म्यात के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की बबिध, जो जी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इत सूचमा के राजपण में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्स्कूथ किसी कन्य विक्त क्यारा अभोड्स्ट्रिक्टरी के बात सिचित में कियु जा तकोंचे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रमुखत शब्दों और पवों का, को उक्छ अधिनिवस, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विशा गया है।

ग्रनुसूची

पलेट नं० 52-ए, जो, 5वीं मंजिल, इमारत "दात्तानी", एम० वी० रोड़, बोरिषलीं (प), बम्बई-92 में स्थित है। भ्रनुसूची जैसाकि क० सं० भई-4/37-ईई/15296/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

मोहर 🚡

प्रकप् वार्ड.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० प्रई-4/37-ईई/15295/84-85—मतः मक्को; लक्ष्मण दास

अग्रिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लेट नं० 112, जो, 11वीं मंजिल, इमारत ''दालानीं टावर्स'', एउ० बी० रोड़, कोरा केंद्र, बारिषली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)/और जिस्ता करारनामा प्रायवर प्रवितियम 1961 की धारा 269%, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित अक्षम प्राधितरी नार्यांचय में रिजस्ट्री है। तारीख 1 फरवरी 1985

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए जन्दरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित गजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिवत स्कृदिय से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कृथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से तुर्इ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयक्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के सिए:

अत: अत, उक्ट अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम ही धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात :--- मेसर्स धात्तानी अन्स्ट्रभन्स ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री हितेश के० पहा।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृथीकत सम्परित के अर्थन के लिए। कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

नगृत्ची

फ्लेट नं० 112, जो, 11वीं मजिल इमारत "दात्तानी टावर्स", एस० बी० रोड़, कोरा केंद्र, बारिवलीं (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37-ईई/15295/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बर्घ

विनोक: 10-10-1985

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

बार्यकर विधिविष्य, 1961 (196) या 43) की वारा 269-थ (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजीन रेज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 श्रमतूबर, 1985

निर्वेण सं० ग्रई-4/37-ईई/14770/84-85----- ग्रतः मुझे,

लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इतर्वे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु") की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित जिसका उचित बाजार भूत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्रलेट नं 001, जो, गगनिगरी नगर, सी-इमारत, प्लाट ए, एक्नार रोड़, बोरियली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपायद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) और जिसका बरारनामा क्रियकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 के खंबे श्रधीन, बम्बई स्थित अम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 1 फर्यरी 1985

करं प्रवेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य ते कम के अवकान गृतिफल के जिए बन्तरित की गई है और मुक्त वह जिस्बाध करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे अव्यक्षान प्रतिफल का गृन्यह प्रतिहाद से मिथ्क है और अंतरिक (अंतरिकों) और जंतरियों (अंतरितियों) के बीच एसे अंतर्ज के जिए एस पाना पना प्रतिक्त फल निम्नितिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जलारण वे हुई किसी जान की वालच, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के अलारक के वाजित्य में कमी करने वा उसले वचने में सुविधा के हैं नए; बॉर/या
- (क) प्रेची किसी जान वा किसी धन वा अस्य आस्तियों का, चिन्हों बारतीय जामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया नया जा या किया जाना शाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण क अनुसरूण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अभीत, निम्मलिचित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

- 1. में समें गगनगिरी डक्समेंट कापोरेशन । (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती अनीता मुरारी पाल।

(भ्रन्तरिती)

की यह स्थान भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति से सर्थन के जिस् कार्यवाहियां करता हों।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 हिंद की बर्बा का सत्सम्बन्धी स्थी क्तया पर मूचना की सामीस से 30 हिंत की बर्बाप, का भी जबिंध बाद में बनाप्त होती हो, के महत्र किराए व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उत्तर स्थावर १००३ मा १८० वहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी वे पास निश्चित में किस वा स्थान ।

स्वष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त धव्यों और पदों का, जो उवत स्विनियम, के मध्याय 20-के में पान भाषात्र हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है ।

नन्स्की

'फ्लेट नं० 001, जो, गगनिंगरी नगर, सी-इमारत, छ्लाट ए, एक्सार रोड़, बोरिषली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी भ० सं० ग्रई-4/37-ईई/14770/84-85 है और जो सक्षम प्राधिकारी बबई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांबः: 10-10-1985

प्रस्य बाहै : टी. एन : एस : -----

नायकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-पु (1) के नधीन सुभूना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बर्श

धम्बद्दी, दिनांकः 10 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15069/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार, 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वाण करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 501, जो, 5वी मंजिल, ग्रोरिएन्टल अपार्टमेंट, प्लाट नं० 1329, सर्वे नं० 162, जीवम बीमा नगर, बारिवली (प) बम्बई-103 में स्थित हैं (ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रोर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम 1961 धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वोंक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोंक्त अम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ,, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंत-रितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिकक रूप से क्रिथत नहीं किया गया है ;—

- (क) जन्तरण संहुई किसी बाव की बाबत, उत्तर विध-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उत्तरसे वधने में सुविधा के लिए; बार/या
- (वं) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के बिए:

जतश जब, उनत अधिनियम की भारा 269-ण के जनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) ले अभीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह— 1. मैसर्स निमर अब्दुल्ला एण्ड सन्स।

(अन्तरक)

2. श्री आर० मुख्ली चारी।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांक से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमे प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैट न० 501, जो, 5वी मिजिल, श्रौरिएन्टल अपार्ट-भेंट, प्लाट नं० 1329, सर्वे नं० 162, जीवन बीमा नगर, बोरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अई-4/37-ईई/15069/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-4, बम्बई

दिमांक: 10-10-1985

प्रकृत् वार्षः टी. एवं . एवं . परा-नापनावनस्थ

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की . भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

नारत संदुकाह

कार्बासय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिमांक 10 अक्तूबर 1985

मिर्देश सं० अई-4/37-ईई/15068/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पहचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

ग्रोर जिसकी सं० फ्लंट न० 401, जो, 4थी मंजिल, श्रोरी-एन्टल अपार्टमेंट, प्लाट जिसका सी० टी० एस० 1329, सर्वे न० 162 (ग्रंग), जीवन बीमा नगर, बोरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बींगत है) ग्रीर जिसका करारमामा आयकर अधि-मियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 फरवरी

को वृषोंभत सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और कन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथ पाता गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तियक रूप में किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वावत, उथत अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वादित्व में कमी कारने या उससे वचने में स्विधा के सिए: और/वा
- में किसी आय या किसी भन या बन्ध बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में दिवश के लिए;
- े बर, उत्तम अधिनियम की धारा 269-म के अमूसरभ में, में उत्तस अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निक्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात ए---

1. मे० निक्तार श्रब्दुल्ला एण्ड सन्स ।

(अन्सरक)

2. श्रीटी० ए० रंगनाथन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्ष्मत सम्मृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस त्याना को राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जब िंध या तस्त स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अब्धि, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की शारीख है -45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

नग्रुची

पर्लेट न० 401, जो, 4थी मंजिल, स्रोरिएन्टल अपार्ट-मेंट, प्लाट जिसका सी० टी० एस० 1329, सर्वे न० 162 (ग्रंश), जीवम बीमा नगर, बोरिवली (प), वम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-4/37-ईई/15068/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिमांक: 10-10-1985

प्रस्य बाइं.टी. एन . एस . ------

1. श्री मणिभाई एल० पटेल।

(अन्तरक)

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

2 श्री रम्मी hin उत्तमलाल दोणी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्याशय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्ब**ई**, विमांक 14 अन्तूबर, 1985 निर्वेश स॰ अ**ई**-4/37-**ईई**/14776/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिम इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1.00,000/- रा. से निधिक है

1.00,000/- स्त. स नाधक ह ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, जो, "सी" इमारत, 2री गंजिल, योगीदीप को-ऑप० सोसाईटी लि०, एक्सार रोड, बोरियली (प), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबड़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वितत शम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरवमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्निलीचत उद्देश्य से उनत लन्तरण मिनित में वास्तिकक रूप से कृषित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उकत बीधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कुमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/मा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का ??) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में स्विधा के सिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ु</u>स्**ची**

फ्लेट नं० 202, जो, "सी" इमारत, 2री मंजिल, योगीदीप को-आप० हाउसिंग सोसाईटी नि०, एक्सार रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० सं० अई-4/37-ईई/14776/84~ 85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांत 1-2-1985 की रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास राक्षम प्राधिकारी सहायक क्रायकर क्रायुक्स (निरीक्षण) क्रजैन रोज-4, बभ्ब**र्ड**

कतः यथः, उक्त अधिनियम् की धारा 269-घ के अनुसरण वे, वें, अभत अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 14-10-1985

ोहर:

प्रारूप आई.टी एन एस.----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनां । 14 अन्तूबर, 1985

निर्देश सं० प्रई-4/37-ईई/15157/84-85---प्रतः मुर्से एक्मण दासः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

द्यीर जिल्ली सं० पति नं० 404, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं० सी/1, योगी दगर, एक गर रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में लियत है (ब्रीट इसी जिल्लाब अनुसूची में ब्रीट पूर्ण रूप से विज्ञा है) ब्रीट जिल्ला स्वारतामा ब्रायहर प्रधिन नियम 1961 को धारा 269 ज, खं के अधीन यन्बई लियत स्वार प्रधिन से कार्योग्य में रिवर्ड़ा है नारीखा 1 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल सा पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्त के बास्त-विक रूप से कृथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भें कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; श्री श्री/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुधारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए ना कियाने से सुविधा को निए?

बत: अब', उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, शवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) को लभीता िनमानिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ■ 32...346GI/85

1. थांमती चेतना दिलीयनुमार भट्ट।

(मन्तरक)

2. श्री बिंदू कुमार दवे।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लियु कार्यनाहियां करता हुं।

सक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र 🖦

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वृद्ध स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पाच िस्ति से किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

पत्रैट नं० 404, जो, 4यी मंजिल, इमारत नं० सी/1, योगी नगर, एक्दाररोड, बोरियलो (प), बम्बई-92 में स्थित है।

धनुसूची जैसाकी क० सं० ऋई-4/37-ईई/15157/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रिजस्टर्ड िया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, बस्बई

दिनों क : 14-10-1985

प्रकृताहै . दी . एवं . एहा . -------

बामकर धरियोगमा, 1961 (1961 का 43) की गारा 269-म (1) के अभीप ब्रूपना

शास क्रकार

कार्याजन, बद्धानक भागकर आयुक्त (निरीकाय)

प्रजंन रॉज-4, बम्बई

बम्बई, दिनोक 11 सक्तूबर 1985

निर्देश सं० **प्र**ई-4/37-**ई**ई/14933/84-85—**-प्रतः**

मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वक्षात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2'69-च के नधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थावर संपत्ति विसका उचित वाजार मुंख

1,00,000/- फ. से मिमक है

भौर जिसकी सं० पलेट नं० 204, जो, 2री मंजिल, हैं। 23 योगी नगर "योगी-कावेरी" इसारत, एक्सार रोड, बोरिवर्ली (प), बम्बई-92 में स्थित है (भौर इससे उपायद अनुसूर्वी में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) भौर जितका करारनामा भायकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यासय में रजिस्ट्री है तारीख 1 फरवरी

को प्रांक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दश्याध प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार सूख्य, उसके दश्यजान प्रतिफल से एंते दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एंसे अन्तरण के जिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योध्य से उसत अन्तरण कि सित में अस्तिकल, निम्निलिखत उद्योध्य से उसत अन्तरण कि सित में अस्तिकल रूप से क्षिण नहीं किया यथा है हम्म

- (क) जनतरण से हुई किसी आय की वाधता, उक्त जीधनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के सामित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्त्रकों का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए।

स्रकः घन, उच्च अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, भी, उच्च अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) वं सर्वीय, विकास्तिथिए व्यक्तियों, सर्वात् हे—

- श्री कैंग्डन मृणाल कांता नाग ग्रीर ग्रन्य। (धन्तरक)
- श्रो नरेनकुमार जयंतकुमार धानी घीर घन्य। (अन्वरिवी)

को वह बुचरा चारी करके पूर्वीकत सम्मित के अर्जन के लिए कार्यनाहिने करता हूं।

प्रका तला के वर्षत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस ज्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जनभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर युचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवसा;
- (क) इंच सूचना के राजपत्र मं प्रकाशक की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

रवाकीकरण:— इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का जो उक्त वीधीनयम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया यवा है।

नन्सूची

फ्लेट न० 204, जो, 2रो मजिल, डी/23, योगी नगर "योगी कावेरी" (इमारस, एक्सार रोड, बोरिवर्ला (प), बम्बई-92 में स्थित है।

मनुसूबो जैसाको क० सं० मई-4/37-ईई/14933/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनां ह 1-2-1985 को रजिस्टकं किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि जरी सहामक भागकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-4, बस्बई

विसोक: 11-10-1985

क्टर इ

प्रकप_ नार्षं_ दौं_ युन्, युन्, ॥ = = = =

नायकर लीभनियम, 1961 (1961 का 43) की वाडा 269-न (1) के संभीत सूचना

शास्त्र सहस्रात्र

कार्याभयः, सहायक नायकर नायक (निडीनन) अर्जन रॉज-4, वस्वई

बम्बई, विनोक 11 भन्तुबर, 1985

वस्यक्, विवास ११ अन्यूबर, १४००

निर्देश सं० मई-4/37-ईई/14965/84-85—मत: मझे, लक्ष्मण वास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विस्तात उच्चित वाचार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० पलेट नं० ए/104, जो, 1की मंजिल, इमारत नं० 1, गणपती भ्रपार्टमेंद्स, प्लाट नं० 172 भीर 177, एल० टी० रोड, बोखिली (प), बम्बई-92 में स्वल है (ग्रीर इससे उपाबद प्रनुष्ट्रवां में ग्रीर पूर्ण रूप से बिलिश है)/ग्रीर जिसकी करारनामा भामकर भिन्मम 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है टारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य ते कम के अवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वाद
करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाबार
मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे अयमान प्रतिफल का
बंदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरभ के लिए वस पासा पसा
प्रतिफल, निम्नलिखित उव्विष्य से उचत बन्तरन सिवित
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नमा है 6—

- पूँकों अन्तरण से हुई किसी जाय की वायत ; अन्य गणिनियम के जभीत कर दोने के अन्तरक के रायित्व में कभी करने या उन्नवे बहुने में सुनिया के निए; शीर्-भा
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी थन वा अन्य वाहिस्तकों को, जिन्हों भारतीय नायकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधनियम, या धन-कर निधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अपतीरती द्वारा प्रकट नहीं किया निधा वा या किया जाना वाहिए था, कियाने में वृत्तिभा के लिए;

जतः अव, उक्त जीपनियम की भारा 269-व की जन्दरन में, में, उक्त जीपनियम की भारा 260-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, नवाँस् क्रिक्ट श्री महेश चिमणलाल शहा धौर भन्य।

(मन्तरक)

2. श्री महेंद्र जेठाभाई शहा घौर घन्य।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिध् कार्यवाहियां करता हो।

बक्त बम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर चूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (थ) इ.स. स्वापन के राज्यपन को प्रकाशन की तारीथ वे 45 दिन के भीतर कक्त स्थावर सम्मत्ति के हितबब्ध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ विश्वित के किस् का सकेंगे।

स्वक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो अक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

यग्स्ची

फ्लेट नं॰ ए/104, जो, 1क्षो मंजिल, इमारक्ष नं० 1. गणपती भाषार्टमेंट्स, प्लाट नं॰ 172 भीर 177, एल० टें।० रोड, बोरियकी (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसुको जैसाकी कं० सं० शर्ह-4/37-ईई/14965/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को राजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भजन रेंज-4; बम्बई

विनांक: 11-10-1985

वस्य वाह्रं.टी.एन.एस्.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

मारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बज्बई

बम्बई, दिनां रु 11 अन्तूबर, 1985

निर्देश सं० मई-4/37-ईई/15064/84-85—मतः मस्रो लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलेट नं० 601, जो, विश-बा, बाहूबलां टावर्स, 651 मंजिल, साईबाबा धाम के प छे, देशाई भेट रागर, एस० वंग० रोड, बोरिवलां (प), बम्बई में श्थित हैं (प्रींग इससे उपाबद्ध भनुसूचा में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं) प्रींग जिसना करारनामा भायकर अधिन्यम 1961 की धारा 269 का ख के श्रधान, बम्बई स्थित स्थम प्राधिनार के वार्यालय में रिजस्ट्री हैं तार्राख्य 1 फरवरी 1985

को पूनों अत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूनों वत सम्पत्ति का उचित बाजार कूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतर्ण के लिए तम पामा क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) ब्रुत्तरण सं हुइ किसी बाय की बाबत, उक्तु अधिनियम के ब्रुधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्य में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; बार√या
- (व) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिन्यम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया नया था तिया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) व्ह अधीव, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् —

- 1. श्रामतं। शिरीन एस० कराचिवाला। (श्रन्तरः)
- 2. श्रो प्रकाश एच० दारीया ग्रीट ग्रन्स। (भ्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हु।

सकत सम्पन्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह—

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो जबस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं.॥

मन्त्र्यी

पलेट नं० 601, जो, विग-जी, बाह्बली टावर्स, 6ठी मंजिल, साईबाबा धाम के पंछि, देसाई शेट नगर, एस० बी० रोड, बोरिवर्ला (५), बध्बई में स्थित हैं।

धनुष्यं: जैसाकः कं सं श्रई-4/37-६६/15064/84-85 भोर जो सक्षम प्राधिनारः बज्बई द्वारः दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायक्त (निर्दाक्षण) प्रजन रोज-4, बस्बई

विमांक: 11-10-1985

मोहरः

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

मारक सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बस्बई बस्बई, दिनोहा 14 अन्तुबर, 1985

निर्वेश सं० प्रई-4/37-ईई/15284/84-85--- प्रदः मुझे, लक्ष्मण शस

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनिम' कहा गा। है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- र. से अधिक हैं

भीर जित्तका सं ज पतेट नं जा 10, जो, 2री मंजिल, शक्षय
भार्टनेंट्न, भाई जा सं जा लालोंना, बोलियली (प), बच्चई
में स्थित हैं (श्रीर इतने उपायतामा अध्यात्र श्रिधित्म 1901
की धारा 200 ते, जा के अधान, बच्चई रिथा रक्षम प्रतिधकारों के लामीलय में रिजिस्ट्रा है ताराख 1 फरवरी 1085
को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मूओ यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य
मृत्य, उसके रहमान प्रतिफल से, एसे रहमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिधत से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और
(बन्तरिवयों) के नीच एसे बन्तरण के लिए तम पाम गरी
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखक
वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त बीध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के.. लिए; बौर/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अब, जबत अधिनियम की धारा 269-श को अनुसरण को, मी, जबत अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. में दर्स साम कन्स्ट्रक्यन्छ ।
- (प्रन्तरके)
- 2 श्री सुन्दर एन० कुर्कायन।

(भन्तारतः)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर 45 दिन की अविध या तत्सं नंधी अयिकतयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के रिजपन में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

पलेट नं० 10, जो 2रो मंजिल, अक्षय अपार्टमेंट्स, आई० सी० कालोतो, बीरिनलां (प), बम्बई में स्थित हैं। अनुसूचां जैनाकां कं० सं० अई-4/37-ईई/15284/84-85 बार जो सक्षम प्राधितारां, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरक्षण) भाजेन रोज-4, सम्बर्ध

षिनांक: 14-10-1985 _.

परूप बार् हो. एत. एस ...---

1. मैसर्स साम कन्स्ट्रनशन्स।

(अन्सरक)

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वना

2. श्री सी० एत० पालत।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर सत्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज-4, बम्बई

बम्बई, निर्मेष्ठ 14 अन्तूबर, 1985

िर्देश सं० अई-4/37-ईई/15277/84-85--- अतः मुझे,

नायकर अभिनवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- कः. से अधिक है

बार जिस्की सं० पलैट नं० 8, जो, अक्षय अर्राटमेंट्स, आई० सी० कालेती, बारिदली (५), बम्बई में ल्यित है (बीट इससे उपाबद्ध अनुसूची में बीट पूर्ण रूप से बीणत है) बीट जिसमा करारतामा आयकर अधितियम 1961 की धारा 269, क, ख के अधीत बन्बई लिया समम प्राजिम्हारी के कार्यालय में रजिन्दी है तारीज 1 फरवरी 1985

को पूर्वोधत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूस्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्वत में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा की सिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बार भव, उनत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बाँ, पाँ, उनत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभिन् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ठ व्यक्तिस्तयों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरणः — इसर्म प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवद अधिक्रियम, के अध्यक्त 20-क के परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय के किन्नर गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं० 8, जो, अअय अहार्टमेंट्स, आईं० सी० कालोती, चोरिवती (प), बम्बई में स्थित है।

अनुत्वी जैसाकी कं० सं० अई-4/37-ईई/15277/84-85 घीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लस्मग दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रॉज-4, बस्बर्ध

दिमोक: 14-10-1985

प्रस्पु बाईं.टी.एन.एस.----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्च्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंश रेंज-4, बम्बाई

बम्बई, दिलांक 14 अन्तूबर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15283/84-85---अत: मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिन्नकी सं० पनैट नं० 1, जो, यन माला, अजग आर्ट मेंटस, आय० सी० कालांनी, बोरियली (प), बम्बई में स्थित है (फ्रीर इससे उपावब अन्त्रवी में फ्रोर पूर्ण का से बींगा) है)/ब्रीट जित्तका करारुसमा आयकर अविधियम 1961 की की घारा 269 क, ख के अंशी, बम्बई श्यित सक्षम प्रावि-कारी के कार्यालय में रिजिन्ही है। तारीब 1 फरवरी 1985 को पर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से य. य के दश्यमान क लिए अन्तिरत गर्द्द ह⁵ की प्रतिफल विद्यास करने का कि यथा पर्वोक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिए उबदोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कपित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुंडै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे बणने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एरेरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के इन्सरण बैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात (चन 1. मैसर्स सामकन्स्ट्नसन्स।

(अन्दरक)

2. श्रीमती आई० एस० मींटरीं।

(अग्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अपिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी इन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभादित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस शध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीअण) अर्जन रेंज-4, सम्बद्ध

सारीख: 14-10-1985°

प्रकप आई . ही . एन . एस . ------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुकना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बन्दई, दिनांन 14 अन्तूबर, 1985 निर्देश सं० उई-4/37-ईई/15270/84-85---अरं: मुने, लंबमण दास,

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मूल्य 1,00.000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, जो अजा आहें में जिस है (ओर सी० कालीनी, बोरिवली (५), बम्बई में िया है (ओर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वाणा है), भीर जिसका कराशामा आयकर अविधियम 1961 की घारा 269 के ख के अधीत बम्बई थिया सजम प्राविकारी के कार्यालय में रिजिट्टी है, हारीज 1-2-1985

को एशेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्तः के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (केंतिरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निश खित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिबक क्य से किथित नहीं किया गया है स्—

- (क) जन्तरण से हुइ किसीं जाय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को दियत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
- (भ) एसी किसी बाय या किसी घन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रवंट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के क्रभीन, विस्तिसित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) मैसर्व साम कन्त्द्रकान्स

(अग्राटक)

(2) श्री रामाकृष्णम्या सालियन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकारन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीदार प्रविक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास किस्यत में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

पलैट नं ० 6, जो अजय अगर्ट मेंटन, आई० सी० कालोनी बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाहि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/15270/ 84-85 मीर जो सक्षम प्राधितारी बम्बई द्वारा दिनांस 1-2-1985 को रिनि:उर्डे हिया गया है।

> लक्ष्मण दास सञ्जान प्राजिकारी सहायक आयकर आयुक्त (शिरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बर्स

सारी**व: 14-10-198**5]

प्ररूप क्तर्दे ही. एत. एस. - - -

नारकार विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की पाडा भारा 269-म (1) के कभीन सुचना

नाउव चरनम

कार्यांसर, तहारक नायकर भागूनत (निहासन)

अर्जंन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विमांक 14 अक्तूबर 1985

निर्देश सं॰ अ**ई**--4/37-**ई**ई/15472/84--85---अत:, मुझें, लक्ष्मण वास,

बायकर विधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इकके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रा. ते विभिक्ष है

भौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 2, जो अक्षय अपार्टमेंटस, आई० सी० कालोनी बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणत है). भौर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त बज्यस्य के उपित बाजार मृख्य से कन के दश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वस मारने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्पित काजार मून्य, उतके क्रयमान श्रीक्कम के, हो के क्रयमान श्रीकम्म का पन्त्रक् श्रीक्षम से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितिका) के बीच एसे अन्तरण के निष् तय पावा गवा श्रीक्रकम, निम्म-क्रिक्त अक्षयेच्य से उनक वंतरण सिचित में वास्तविक रूप से क्रीभत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हाई किसी नाम की वास्त, उक्स वीधीयज्ञ की अधीम कर दोने के बन्तरक की कॉक्स में कमी करने या उनसे क्यने में स्वीवधा के जिल; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकेट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के कन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—

33 -346GI/85

(1) मैसर्स साम कन्स्ट्रन्शन्स

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती नातालिया डायस

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सञ्पत्ति के वर्णन के दिए कार्यवाहियां करता हुं

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्वित्यों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेशन व्यक्तियों में ते किसी स्वित्य द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीत है 45 दिन के भीतर उस्त स्थायर सम्बक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा तकोंगे।

स्वव्यक्तिरण :---इसमें प्रवृक्त शब्दों और पतों का, को उवस जिपिनियम के अध्याय 20-क में वरिभाविक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विज्ञा गया हैं।

मनसभी

फ्लैट नं० 2, जो अक्षय अपार्ट मेंटस आई० सी० कालोनी बोरिवली (प०) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० सं० अई-4/37-ईई/15472/ 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वार किना 1-2-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहाय ह आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

मारीख: 14--10--1985

मोइर :

प्रकृतिक स्थापन स्थापन स्थापन के प्रतिकारण स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन

बावकर स्थिनिवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थान

भारत सुरुकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीयान)

ग्रर्ज र रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 14 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं॰ मर्झ-4/37-ईई/15276/84-85-- अतः मुझे, लक्षमण दास,

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गमा ह"), की बारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से मिथक ह"

श्रौर जिसकी सं० फलॅट नं० 12- ए, जो श्रक्ष ध्रपार्टसेंटस, श्राय०सी० कालनी, बोखिली (प०) बम्बई सें स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबढ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की ध्रयरा 269 क खं के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-2-1985

की पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के एथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्परित का उचित बाजार भूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बंद्र प्रतिकत से विभिक्त है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित्त में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की शावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा को लिए; और/वा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं तस्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तिकार स्वाहः (1) मैसर्स साम कन्स्ट्रक्थान्स

(मन्तरक)

(2) श्रीमती वाई० ग्रार० शेट्टी

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करको पूर्वोकत सम्पर्टत को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं व ते 45 दिन की जबिंध या तस्त्रं भी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वार;
- (क) इस सूचना के राजवण में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीकर उब्त स्थावण सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकारी।

क्यक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सक्दों और पदों का. को उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

बन्स्ची

फ्लैट नं 12-ए, जो श्रक्षय श्रपार्टसेंटस, श्राई० सी० कालोनी, बोरियली (प), बम्बई सें स्थित हैं। श्रनुसूची जैसाकि क० सं० श्रई-4/37-ईई/15276/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-2-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 14-10-1985

मोहर 🛭

प्रक्य आर्च.टी.एन.एस.-----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ 269-व(1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

नप्रकासन , कहाचक बस्तकार मानुनत (निप्रतिक्त)

- प्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 14 श्रन्तूबर 1985

निर्देश संख्या अई-4/37-ईई/15273/84-85----प्रतः, मुझे, लक्ष्मण वास,

प्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाख 269-स के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विषयास कारने का रारण है कि रूथायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं 18, जो श्रक्षय प्रपार्टमेंटस, श्राई जिसकी संख्या फ्लैट नं 18, जो श्रक्षय प्रपार्टमेंटस, श्राई जिसकी संख्या फ्लैट नं 18, जो श्रक्षय प्रपार्टमेंटस, श्राई जिसकी जालोनी, बोरियली (प), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, ताराख 1-2-85 कर पूर्वाक्त सम्पत्ति कं उचित काष्मार मृत्य से कम के क्यानान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यामान प्रतिफल का पन्दह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और श्रंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्रा प्रतिफल, निम्मतिचित उद्वर्षय से उक्क अन्तरण मिचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से इर्ड किसी आय की बाबस, उबस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या वस्त्र जास्तिओं को, जिन्हें भारतीय जायकर जिमिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर जिमिनयम, या भनकर विभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया भया या वा किया जाना चाहिए भर, जिमाने में सुनिभा के किए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित न्यिक्तयों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स साम कन्स्ट्रक्शन्स

(श्रन्तरक)

THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE OWNER.

(2) श्री एच० सी० शाह

(अन्तरिती)

र्कायह गुपना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षत के लिए कार्वपद्भियों करवा हुं।

उन्ह सन्दर्शि के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 विश की अविध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर स्भाना की बामीज से 30 दिन की अविध , जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से जिल्ली व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्बद्धि में हित-स्व्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः ----इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुस्यी

पलैट नं 18, जो भ्रक्षय भ्रपार्टमेंटस, भ्राई० सी० कालोनी बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कर सं श्रई-4/37-ईई/15273/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज⊶4, बम्बई

तारीख: 14-10-1985

मोइरः

प्रस्म बाइं. टी. एन ् एस ् =====

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(म) (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 14 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० ई-4/37-ईई/15278/84-85-प्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

वायकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पथनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी संख्या पर्लैट नं० 11, जो श्रक्षय श्रपार्टसंटस, श्राई० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजिस्ट्री है, तारीख 1~2-1985

को पूर्वोक्स सम्बन्धि के उन्तित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह क्लिकास करने का करण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उन्तित भाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सं, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्तर प्रतिकल के विद्यास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्वरित (अन्तरितयों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण भिष्टित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (45) बन्दरूप सं हुए किसी बाय की बाबत, उक्त ब्रामिनियम के बचीन कर बोने के बन्दरक बो स्वयित्व में क्रमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; सौर/या
- (व) एसे किसी जाब ना किसी भन वा जन्म जास्तानों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंत्र, वा भन्न-जन्त अधिनियंत्र, वा भन्न-जन्त जीधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा वे सिए !

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∴—— (1) मैसर्स साम कन्स्ट्रक्शन्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए जी पुजारी

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी क्यक पूर्वोक्त सम्बन्धि के वर्षम के क्य कार्ववाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध शव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तिओं में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस स्वान के राजमत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थित इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों जाँर पदों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया। नुवा है।

मन्सूची

फ्लैट नं० 11, जो भ्रक्षय भ्रपार्ट सेंटम, भ्राई० सी० कालोनी बोरिवली (प), बस्बई में स्थित है।

श्रमुसूची जैसाकि क० सं० श्रई-4/37–ईई/15278/84–85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बर्मीई द्वारा दिनौंक 2-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख: 14-10-1985

प्रस्तः नाद<u>ः बौ..एन्..ए</u>स्...----

बाभकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन स्वना

भारत रहनाड

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (रिनरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

अम्बई, दिनाँक 14 प्रक्तूबर 1985

निर्वेश सं० प्रई-4/37-ईई/15269/84-85---प्रतः मुझे, नक्ष्मण दास.

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' महा नवा हैं), की भारा 269-स के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 7,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 7, जो 1ली मंजिल, श्रक्षय भपार्टमेंटस, श्राई० मी० कालोनी, बोरिवली (प), बस्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपापत्न श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 1-2-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य ते काम के दश्यकता हिक्का के लिए जन्तरित की गई हैं और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उपित क्रकार मूल्य उत्तके दश्यकान प्रविक्षक के ते हैं वार वंतरक (मंतरका) और वंतरिती (शंतरितियाँ) के बीच एसे जंतरक के सिए दश्यका निकार के सिए दश्यका नवा प्रतिकत, विभानिविद्य उद्योग्य के अक्त अंवरण विश्वा की सिए दश्यका नवा प्रतिकत, विभानिविद्य उद्योग्य के अक्त अंवरण विश्वा की साम की इन्तिक के वार्तिक क्या के की साम की इन्तिक की वार्तिक क्या के की साम की सिका की सिका की हैं की सिका की सिका की हैं की सिका की सिका की सिका की हैं की सिका की

- (क) कन्तरण से हुई किसी शाम की नानत, उन्तर अधिनियर के अधीन कर दोने के जन्तरक के खनित्य में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के सिए; कौर/वा
- (क) एसी किसी नाथ या किसी भन या जन्य कारिक्यों को जिन्हों भारतीय नायकहर निधित्तयम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधितियम, या भन-कर निधित्तयम, या भन-कर निधित्तयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा. कियाने में सुविधा के किया

जल: जब, उसत जीभीनयम की भारा 269-ग के जनुतरण जो, मी, उसत जीभीनयम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के जभीन, निस्तिविद्यंत स्थितियों, जर्भात् ;— (1) मैसर्स साम कन्स्ट्रक्मरस

(भ्रग्तरक)

(2) श्री चंद्रशेखर एन० कोलेकर

(मन्तरिती)

को वह वृजना बारी करके पूर्वोक्त सन्धर्वेत के अर्जन के किस् कार्यवाहिकां करता हों।

क्षमत सम्बक्ति के क्षमीन के संबंध में कोई भी नासीय :---

- (क) इत शूचना के राज्यन में प्रकाशन की शारीच के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर शूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, को नी जनिय नाद में बनाप्त होती हो, के नीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित बुवारा;
- (क) इस कुमना के राजपन में प्रकाशन की बारींग के 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितनक्ष किसी संख स्थानत द्वारा संशोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकति।

स्वयाधियण:—-इसमें प्रयुक्त सन्यों और पद्यों का, वो उपस् विधिनियम, के जध्याय 20-क में परिकाधिक हैं, वहीं वर्ष होगा को उस सन्याय में दिवस मया है।

ग्रनुसूची

पलैट नं० 7, जो 1ली मंजिल, श्रक्षय श्रंपार्टमेंटस, श्राई० सी० कालोनी बोरिवली (प), बम्बई सें स्थित है। श्रनुसूची जैसाकि भ० सं० श्रई-4/37-ईई/15269/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाँक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-4, **बम्बर्स**

तारीख: 14-10-1985

प्रक्रम अपूर्वं.टी.एन.एस.-----

भाषकर मिथियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जानकर जायुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेज, 4, बक्बई

बम्बई, दिनांक 14 भ्राक्त्यर 1985

निदेश मं० ग्रई-- 4/37-ईई/ईई/ 15281/84-85------ ग्रत : भुक्ते, लक्षमण दास्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संव फ्लैट नंव 14, जो, 3री मंजिल, श्रक्षय अपार्टमेंट्स, ग्राईव मंग्व शासा । अपार्टमेंट्स, ग्राईव मंग्व शासा । अपायद्व श्रमुम् में भीर पूर्ण रूप में विणत है (ग्रीन इसमें उपायद्व श्रमुम् में भीर पूर्ण रूप में विणत है), ग्रीन जिसका कारणनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 ए ख के श्रधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधितार के एर्यालय में रिजस्ट्रें है। वार ख 1-2-85 को पूर्विक्य संपत्ति का उपायतिय में रिजस्ट्रें है। वार ख 1-2-85 को पूर्विक्य संपत्ति का उपायतिय संगरित की गर्व है और मुक्ते यह विश्वास अरते का कारण है कि यथापूर्विक्य सम्पत्ति का उपायत माजार मूल्य, असके एक्यमान प्रतिफल से एसे एक्यमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय प्राया गया प्रतिफल, निम्नितिवित्त उप्ववस्य में उक्त अन्तरण कि सिचत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निष्; और/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था खिपाने में खे किए;

अतः अबं, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, मैं, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स साम कन्स्ट्रक्शन्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती निरंजना के० शहा।

(श्रन्तरितं:)

की यह सूचना जारी करके पृथींक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

जक्त संबक्ति के अर्जन संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतार प्रजीवत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (य) इत् सूचना के राजपन् में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किश्वी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोष्ठस्ताक्षरी के पाड़ सिवित में किए वा सकीय।

स्थव्यक्तिरणः ----इसमं प्रयुक्त शब्दों और यदों का, जो उसके अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भनुसूची

प्लैट नं० 14, जो, 3री मंजिल, श्रक्षय श्रपार्टमेंट्स, श्राई० सी० कालोनी, बोरिवर्ली (प), बम्बई में स्थित है। श्रनसुकी जैसा कि ऋ० मं० श्रई-4/37-ईई/15281/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकाय बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 14-10-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यासम, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशका)

श्चर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० श्रई-4/37-ईई/15268/84-85——श्रहः मुझे, लक्षमण धास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मुख्य 1.00,000 /-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 9, जो, 2री मंजिल, श्रक्षय श्रापर्टमेंट्स, श्राई० मी० जालोनी, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजन है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रीधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजन्दी हैं तारिक 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्हरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ले दश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन, निम्निसितिय उद्देष्य से उक्त जन्तरण सिचित में अस्तिविक रूप से कियत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या सससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनआर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जत: जब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जीधीनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--- (1) भौशर्म शामा १ स्ट्रेक्शस्य ।

(मन्त्रः)

(2) था थिठटल सा० पुजारी

(ग्रन्तिरतं)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य भ्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयास्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया, अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित भया हो।

भगुसुची

फ्लैट नं०, जो, 2रों मंजिल, श्रक्षय श्रपार्टमेंट्स, श्राई० सीं०, ालोनी, बोरिवली (ए), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैगा कि क० सं० अई-4/37-ईई/15268/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रिजस्टिई विया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेजिल्या बम्बर्ड

दिनांक: 14-10-1985

प्रक्ष बाहै.टी.एन.एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय., सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 श्रन्तूबर 1985

निर्देश सं० म्रई-4/77-ईई/15271/84-85---**म**तः

म्झो, लक्षमण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित वाजार मूल्ब 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० पर्लंट नं० 5, जो, 1ली मंजिल, श्रक्षय श्रपार्टमेंट्स, श्राई० मी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन, बम्बई स्थिम सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है नारीख 1-2-85

को पृत्रोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, अउसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्नस् प्रतिशत से अधिक है और बंतरत (अंत्रकों) और बंतरिती (अंतरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269 ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन. निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मैंसर्स साम कन्स्ट्रक्शन्स।

(मन्तरक)

(2) श्रांमती विरोना डिमुजा।

(मन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राअपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्यि- बद्ध किसी व्यक्ति देवारा, अधाहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सर्कोंग।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाक्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

पलैट मं०5, जो 1ली मंजिल, श्रक्षय प्रपार्टमेंट्स, श्राई० सी० कालोनी, बोरिवलीं (प), बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/15271/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड टिया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

विनांक: 14-10-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियंत्र, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म् (1) के न्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्थां जय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण) प्रजेन रेज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्तूबर, 1985 निदेश सं० अई-4/37-ईई/15280/84-85----श्रतः मद्ये, लक्षमण दास

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को बहु विश्वास करने का कारक है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबाद नृस्य, 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 17, जो 4थी मंजिल, श्रक्षय श्राहेंभेंट्स, श्राई० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई, में स्थित है (श्रीण इमने उपाबद्ध श्रमसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिस्ट्री श्रीर जिसका लगरतामा श्रायकर श्रिवियम 1961 का धारा 269क, ख के श्रद्धान सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-2-85

का पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिकत्त के निए बंतरित की गई है और बुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार बृक्य, उसके दश्यमान प्रतिकत्त से, एसे ख्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के निय तय पाया प्रा प्रतिकत निम्नसिवित उक्षेत्र से उक्त जन्तरण किष्यत में भारतिक कि स्वित नहीं किया वसा हैं:---

- (क) बन्तरण से हुई बिखी बाव की वादस्, उमस बिधीनयम को सभीन कर दोने के बन्तरण के खबिरम को कभी करने या उख्ये वचने को सुविधा को किए; बहित/का
- (ब) ऐसी किसी आब या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ बन्दौरती ब्यारा प्रवट्ट नहीं किया बंदा वा वा किसा बाना वाहिए जा, किया स्विधा के लिए;

बतः वन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :——
34—346GI/85

(1) साम कन्स्ट्रक्शन्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जोसेक पी० राड्रिग्स।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में को**इं बाओ**न :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स स्थिताओं में से किसी व्यक्ति बनाए;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास सिचित में किए जा सकोंचे।

स्वच्छीकरण '---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, चां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वका हैं।

फ्लैट नं० 17, जो 4थी मंजिल, श्रक्षय श्रपार्टमेंट्स, श्राई० सो० कालोनी, बोरिवर्ला (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/15280/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-85 को प्रिस्टर्ड स्थि गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज-4, बम्बर्ष

दिनांक: 14-10-1985

प्रकृप नाइं. टी. एव. एस. -----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांभा 14 ग्रम्तूबर, 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/15082/84-85—-श्रतः मुझे लक्षमण दास

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स खे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० पलैट नं० 12, जो 2री मंजिल, ग्रक्षय ग्रपार्टमेंट्स, ग्राई० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विग्नित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम गाधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-85

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
 - एसी किसी बाय का किसी पन वा कस्य अस्मित्य की किसी भारतीय जायक र अधिनियम, 1922
 १०२० का १११ की अधिनियम, या वंगकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ अस्तिरियो देशारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिकित अधिकतयों, सर्थातः (1) मैसर्स साम कन्स्ट्रक्शन्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती उमा एन० पटेल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्यांकरण:—इसमें गर्यंकत भव्दों और पदों का, जो उसत विभिन्नियम, के क्षण्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगृत्यी

प्लैट नं० 12, जो 2री मंजिल, ग्रक्षय ग्रपार्टमेंटस, ग्राई० सी० कालोनी, बोरियली (प), बम्बई में स्थित है ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-4/37-ईई/15282 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेंज 4, बंस्बई

दिनांक: 14-10-1985

प्रस्प मार्च्य दी, एन, एच्छ 🛎 - 🕫

(1) मैसर्स साम कन्स्ट्रक्शन्स।

(ग्रन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

जायुकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की पत्रा 269 प्र.(1) के बधीन सुपना

नारव बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्धई

बम्बई, दिनांक 14 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37ईई/15272/84-85-ग्रतः मुझे, लक्षमण दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 16, जो 3री मंजिल, श्रक्षय ग्रपार्टमेंटस, श्राई० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के म्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ४ श्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बोध्य से उक्त अंतरण लिखिल में वास्तविक रूप क्पु से कथित नहीं किया प्याह^ ड—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; नौर/या
- (व) एसी किसी भागमा किसी भनमा अल्थ कारिसयौ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया थाया किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा 🖷 लिए।

बतः वय, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बन्हरण कें, में, उक्त नीधनियम की भारा 269-व बही उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को गह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

(2) श्री गंगाधर टी० ग्रमीन।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वेक्त क्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हित बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटोकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय म दिए गया है।

धन् सूची

फ्लैंट नं० 16, जो 3री मंजिल, ग्रक्षय भ्रपार्टमेंटस, न्नाई० सी० कालोनी, बोरियली (प), बम्बई में स्थित है। **अ**नुसूची जैसा कि ऋ० सं० **अ**ई-4/37-ईई/15272/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा धिनांक 1-2-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्पर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 14-10-1985

शुरुष कार्यु, ट्री. एन. एस्न------

(1) मैसर्स साम कन्स्ट्रक्शन्स।

(म्रन्तरक)

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के बभीन सूचना

(2) श्री विठठल टी॰ कलकरा।

(भन्तरिसी)

भारत सरकार

क्रापंतिय, सहायक नायकर नामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

धम्बई, दिनांक 14 श्रवसूबर 1985

निर्देश सं अई-4/37-ईई/15279/84-85—अतः मुझे, लक्षमण वास

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, जो 3री मंजिल; श्रक्षय अपार्टमेंटस, आई० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बन्बई में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के भधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्विकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठित से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय श्वा गया प्रतिफल, निम्निलिश्व उद्देश्य से उक्त बन्तरण कि विष् त से विष् त से वास्तरिक के से किया गया है —

- (क) बन्तरण से हुई किसी गाय की यागत, उक्त विभिनियस के वधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; वरि/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंखरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के दिए।

जतः जब, सक्त वीपनियतं की पारा 209-ण की वनुसरण वी, मी, उक्त विभिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) वी वधीन, पिम्लीनिचिक व्यक्तियाँ है अर्थात् k—ज को यह स्वना वारी फरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को मर्जन के संबंध में कोई भी भारते :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन की स्वीध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी करें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को जक्त अधिनियम, के अध्यक्ष 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

गलैंट नं० 15, जो 3री मंजिल, ग्रक्षय ग्रपार्टमेंट्स ग्राई० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है ग्रानुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-4/37-ईई/1527984-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज 4, बम्बई

दिनांक: 14-10-1985

प्रस्पानु बाइ 👾 टी., एस नु एस् . -५०५--५-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के संधीन स्थना

भारत प्रकार

कार्यातम, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 श्रक्तुबर 1985

निर्वेश सं० अई-4/37-ईई/14982/84-85—अतः मुझे, लक्षमण दास

आयकर किंपिनयन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियन' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्रविधकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिन्न सी सं० पलेट नं० 102, जो 1ली मंजिल, विंग-बी परेण श्रार्टमेंट्स, एस० वी० पी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपावत श्रानुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्राय कर श्रीध-नियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारी ख 1-2-1985 को पूर्वोक्त सम्मण्ति के उधित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीसफल के सिए अन्तरित की मई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मण्ति का उधित बाबार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल है, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से स्थित है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंदिरती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया क्या प्रतिफल निम्निचित बढ़विय से उक्त बंतरण जिल्ला में बास्तिक स्थ से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, उक्त कृषिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुनिधा के लिए; आर्थ/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

णतः अवः, उमतः अभिनियमं कौ भारा 269-व सै जन्तर्यः वा, जा, उसतः जभिनियमं की भारा 269-व की सप्धा<u>रा (1)</u> वे अभीतः, निकासिन्दां, व्यक्तियाँ , वर्षात् ह— (1) मैसर्स निपा कन्स्ट्रक्यान्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महेशचन्द्र एम कोठारी और सुगन चन्द बी० कोठारी।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के इर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कांध्र भी वाक्षेप ः---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अप्रीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 पिन के भीतर उदेत स्थावर सम्पत्ति मा हिए। सद्य किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयूक्त काव्यों और पर्यों गर, जो जनत जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

फ्लैट नं० 102, जो 1ली मंजिल, विग-बी, परेश एपार्टमेंट्स, एस० वी० पी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37ईई/14982/84र85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई।

दिनांक: 11-10-1985

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक भागकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-4 बम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1985 निर्वेश सं० अई-4/37-ईई/15000/84-85---अतः मुझें,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेंपरवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 100,000/- रहः से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, जो 5वी मंजिल, "आकांक्षा" एस० वी० पी० रोड, भगवती हास्पिटल के सामने, बोरिवली (प), बम्बई-103 में स्थिन है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ह, ख के अधीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्र में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-2-85

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की भवत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जरूं बंब, उक्त बधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, मिस्नलिचित, न्यन्तियों, अर्थात् ६—— (1) बोतान्झा बिल्डर्स प्राइवेट लि०

(अन्तरक)

(2) कुमारी बर्था सोकिया फर्नाडीज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

फ्लैट नं० 3, जो 5वी मंजिल, "आकांक्षा", एस० वी० पीं० रोड, भगवती हास्पिटल के सामने, बोरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर सं० अई-4/37-ईई/15000/ 84-85 कथीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, **बम्बई**

दिनोक: 11-10-1985

मोहरः

प्रकृष नाइं.टी.एन.एस. ------

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निर्देशक)

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन सूचना नारत सरकार

शर्यानयः, बहायक यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर, 1985

मिर्वेश सं० अई-4/37-ईई/15201/84-85—अतः मुझें, लक्ष्मण दास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-अ के अभीन सक्षम प्रशिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 401, जो 4थी मंजिल, निर्माना-धीन इमारत, प्लाट नं० 377-78 टी० पी० एस०-3, विश्वरा माका, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के अध्यक्षक श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विकास करने का कारण है कि बचावाँकत संपत्ति का स्वित वाकार अन्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और जंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरित के सिए तय पाया पना प्रति- क्या निक्मिसिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में बास्य- विकास क्या ने काण्य स्वीतिक के बास्य-

- (क) वस्तरण से हुई किसी आय की वाबत सकत विध-चित्रभ के वधीय कर दोने के बच्चरक के दावित्य में कभी करने वा सबसे वचने में सुविधा के लिख; बाँग्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम, का धन कर अधिनियम, का धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए:

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मों, मों, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :— (1) श्री कृपा बिल्डर्स:

(अन्तर क)

(2) श्री ग्रांर श्रीमती में ह्न वि० सहस्त्रबुद्धे। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तिः वे वर्षन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त रम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वालोंच :--

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिम की अविध, जो और अविध बाद यें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, को उनके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं कर्य होगा को उस नध्याव में दिवा गया है।

मन्यूची

फ्लैट नं० 401, जो 4थी मंजिल, निर्माताधीत इमारत, प्लाप्ट नं० 377-78, टी०पी० एप्त०- 3विश्वरा नाका, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-4/37-ईई/15201/84-85 और जो सक्षम प्राधितारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड फिया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, **बम्बई**

दिनांक: 11-10-1985

मोहरः

प्रकृष भाइं . टी . एव . एस

आयकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के अभीत सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० अ**ई**-4/37-ईई/15315/84-85---अतः मुझे लक्षमण दास

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परवात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित वाचार मृज्य 1,00,000/-रा से अधिक है

ष्प्रीर जिज्ञकी सं० फ्लंट नं० 102, जो 1ली मंजिल, "युना-टेड अगर्ट मेंट्स", श्री देवी नगर, विभाग नाका, एल० टी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) ष्प्रीर जिज्ञका करारतामा आयकर अधितियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपाल के निए अन्तरित की गई है और अन्तरित का उचित बाजार करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्न्य, उसके दश्यमान प्रतिपाल से ऐसे दश्यमान प्रतिपाल का पंत्रह प्रतिकात से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितकों) से बीच ऐसे अन्तरण के निए दब पाना पना ब्राह्मिक , विक्नी जीवत उन्ने के परि वन्त सम्पर्य विकित्त में अस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरम से हुन्दे किसी बाय की मावक, उन्त बीधिन्दभ के बधीन कर दोने के बन्दरक के शासित्य में कभी करने या उन्ने ब्यूमे में जूदिया के लिए; बीर/मा
- (क्) होती किसी काक ना किसी वन ना कम्ब वास्तिकों का, विन्हें भारतीय नाव-कर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उपता अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिये था. छिपान में मृतिका के सिए;

कत: अथ, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वं, में, अक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वं स्थीन, निम्निनियक व्यक्तियमें मुर्थाद अ— (1) श्री देवी बिल्डर्स।

(अन्तर क)

(2) श्री थॉमस पी० गलबाव।

(अन्तरिती)

भा कह सूचना जारी करने पृत्रांक्त स्व्युत्ति को अर्थन के बिए कार्यसाहियां करता हूं 1

क्क बम्मुरित के बर्चन के बम्मम्म में कोई भी बाक्के 🗝

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की जबनि वा तत्तंत्रकानी व्यक्तियों कर भूचना की तामील से 30 दिन की खनिथ, को भी बनिथ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृत्तों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाराह
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की दारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितलहुआ किसी अन्य व्यक्ति इवारा नभोहस्ताक्षरी से शक्ष निवित में किस्या सकोंगे।

स्वच्योक रण:---इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्दों का, को सकस विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं वर्ध होगा को सस अध्याय में विका भूषा हैं ...

अनुसूची

पलैट नं 102, जो 1ली मंजिल, "युनाइटेड अपार्ट-मेंट्स", श्री देंबी नगर, विश्वरा माका, एल० टी॰रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-4/37-ईई/15315/ 84-85 घीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दासं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रज-4, बम्बई

दिर्माक: 11-10-1985

मोहर 🖫

भारत सरकार

कार्यातव, तहायक भागकर नायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1985 निवेश सं० अई-4/37-ईई/15367/84-85---अतः मुझें, लक्ष्मण थास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया ह"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक ह"

क्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4/बी/16, जो, बाज गीजय को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, साईबाबा नगर, आफ एस बी० रोड, बोरियली (प), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाकार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संस्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी कियी जाय था किसी धन था जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ध्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा औं सिद्धाः

- (1) श्रीमती वासूमती एन० देसाई ग्रौर अन्य। (अन्तरक)
- (2) श्रीनाथ तिवारी।

(अन्तरिती)

को मुद्द सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां १-रू करता हुँ।

उनत् सम्पत्ति के नर्धन् के संबंध में कोई भी नाशेष् :---

- (क) इस धूषमा के राष्प्रत में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूषना की तामील से 30 दिन की सर्वाभ, वो भी वनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (क) इस स्थान के हाजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष हिंगी जन्म न्यक्ति स्थाय, बभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों नीर पदों का, जो सन्द नियम की नध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होगा जो उस नध्याय में दिया स्था है।

अनुसूची

फ्लैट नं 4/बी/16, जो बाज गिजय को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, साईबाबा नगर, आफ एस० वी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि सं० अई-4/37-ईई/15367/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बर्ध

ख्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन किम्निसिस स्मिक्तयों, अर्थात ;——
35—34601/85

दिनांक: 11-10-1985

मोहर 🛭

प्रस्य भार्च . दी . एन . एस . -----

ज्ञायकर विभि<u>ति</u>यस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्^{वि}ना

नारव वर्षा

कार्यालय, सहायक बायकर वाय्कत (निरीक्षण)

भ्रार्जन रेंज-4, सम्बद्द बम्बर्ड, ।धनांक 14 श्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं श्र प्र-4/37-ईई/14979/84-85—प्रतः मुझे , लक्षमण दास

अन्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा क्या हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० फ्लैंट नं० 406, जो सी-इमारक्ष, गगन-गिरी नगर, लक्ष्मीनारायण टेंपल के प्राष्ठे, एक्क्षार रोड, बोरिवलं। (प), बम्बई-92 में स्थित हैं (ग्रीर इक्ष्मे उपाबद्ध अनुसूच। में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्राय हर अधिनयम 1961 को धारा 269%, ख के ग्रवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्हों हैं, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के जिसत बाजार मूल्य से कम के करवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, एसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के किए स्थ शांवा गमा प्रतिफल्य, निम्नेशिचिक उष्केष्य से उपने अन्तरण विश्वित में बास्तविक कम से कथित प्रदेश सिक्या गया है के

- (क) अस्तरण में हुई किसी आय की वासत, उनत अधिनियन के वंशीय कर दोने के अस्तरक के गायित्व में कामी फाइवें का ब्रवको क्वने में वाधिका के सिए; बॉर/या
- (यंती किसी नाय का किसी भन वा अन्य जास्तिकों को, जिन्हीं भारतीय नाय-कार निभिन्नियम, 1922 ६1922 का 11) वा स्वतित अधिनियम, या अन-कार निभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, जिनाने में स्विभा के जिए;

बहः वय, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, अक्त जिभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) गगनगिरो डैंब्लीपमेंट आपेरिशन।

(भ्रन्तर्क)

(2) श्रां जे० सी० सावंता

(ग्रन्तरितः)

को बहु बुचना चारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के वर्जन के एकर कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उन्त संपर्तित के वर्षन के संबंध में कोई भी वासंध :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की वर्णा मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीस से 30 दिन की वर्णा, जो भी वर्णा वाद के समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किवित में किए वासकी

स्पष्टिकरण:-- इसमें प्रयुक्त बन्दों और वर्षों का, को उत्था नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं

नव संची

फ्लैंट नं० 406, जो सिं-इमारत. गगनिगर्। नगर, लक्ष्मीनारायण टेंपल के पीछे, एक्सार रोड, बोरिवर्ल। (प) बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि से प्रई-4/37-ईई/14979/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्रविकारो बम्बई द्वारा दिनारु 1-2-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 14-10-1985

मोहरः

प्ररूप मार्च टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्चना

भारत सरकार कार्यालया, सहायक अग्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-4, बम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 11 श्रक्तुबर, 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/15149/84-85--- श्रतः भुते लक्षमण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

जिसको सं० फ्लैंट नं० ६, जो 2रो मोजल, इमारत नं० ए, पंचवटी, बीरिवला (प), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इसने उपायत प्रमुस्ता में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), ग्रीर जिसका उरारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 को धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिकस्ट है, तारीख 1-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती शिच एसे अन्तरण के लिए द्रथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिख उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेसर्स गोकुल कन्स्ट्रक्यन कंपर्नाः।

(म्रन्तरक)

(2) श्री बी० एस० करकेरा।

(श्रन्तरितं)

को बह स्चनः जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अप्रवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मक्टीकरणः ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 9, जो 2री मंजिल, इमारत नं० ए, पंचवटी, बोरिवर्ली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनूसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/15149/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास संक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 11-10-1985

प्ररूप बोई'. टी. एवं. एस.,==---≉---

भागकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन स्पना

नारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) भूजेंन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 भक्तूबर, 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/15032/84-85 - श्रतः मुझे, लक्षमण धास

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के विधीन सक्षम प्राधिकन्दी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/-रु. से विधिक हैं

ग्रीर जिल्ला सं० ब्लॉह नं० बा-15, जो, निर्मानाधीन इमारत सर्वे नं० 15, एच० नं० 4, व्हिलेज सिम्मोली, शालूग बोरिबली, बम्बई में स्थित हैं(श्रीर इससे उपाबन श्रनूस्चा में ग्रीर पूर्ण का ने विणित्र है), श्रीर जिल्ला अरारनामा श्रीर श्रीधिनियम 1961 को धारा 269 खू के श्रधान बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यलय में रजिस्ट्री है तारीख 1-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के बच्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूक्य, उसके बच्यमान प्रतिफल से, ऐसे बच्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नसिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिक्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त विभिन्नम् के ब्रिन् कर दोने के बंदर्क के शायत्थ में कमी करने या उससे वचने में सविधा के सिछ; बौर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी थ्रंग या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वन, उक्त ऑफनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अब्रियोगः निम्नसिन्दित व्यक्तियोः क्यीस् क्र-

- (1) मैसर्स प्राकांक्षा कन्स्ट्रक्यन कम्पनीत
 - (म्रन्तरक्)
- (2) श्रां मोहन भाई सी० बारोट।

(मृतरितः)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीयत संस्पत्ति के अर्थन के निष्क् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की दामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (७) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में दिये जा सकारी।

स्पब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय भी स्था स्था ही।

अनुसूची

ङलॉक यं० बी-15, जो, निर्माधीन इमारत, सर्वे नं० 15, एच० सं० 4, व्हिलेज सिम्पीलें।, तालूका **बोरियली,** बम्बई में स्थित है।

ग्रनूसूची जैसा कि कि के सं ग्रई-4/37-ईई/15032/ 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रयूक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 11-10-1985

मोहरः

त्रस्य आइं .टी. एन . एस . -----

भायकर वीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाक्यत (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 श्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37ईई/14769/84-85--ग्रत: मुझे, लक्षमण दास

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिनियम' नहा गया है"), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह क्लिक्स करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जितका उचित्र वाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संब दुकान नंव 11, जो, बी-विंग, माँ कुपा
सोव टींव एमव नंव 765, 861, 862, 863, 864, 865,
866 श्रीर 868, सिम्पोली रोड, बोरियली (प) बम्बई-92
में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप
से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। तारीख 1.1 (ह को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
रितफल को लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण हैं कि अधापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से, ऐसे दश्यमान श्रीकल का
पन्तह प्रतिकृत से आधक हैं और अंतस्क (अंतरका) और अंबरिती (अंतरितियाँ) को बीच ऐसे अंतरण को लिए तय पाना गया
श्रीतकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
बास्यविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आहिस्तरों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण कों, कों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) को अधीन, निस्तृतिविद्य व्यक्तियों, अर्थात ०── (1) रघुवंशी डब्हलोपर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) व्हिक्टोर ग्रार० लेविस ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के निक् कार्यवाहिमां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की साराख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितबक्ध किसी अन्य क्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त किथि। नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

दुकान नं० 11, जो बी-विंग, मॉ कृपा, सी० टी०एस० नं० 765, 861, 862, 863, 864, 865, 866 श्रीर 868, सिम्पोली रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि श्रई-4/37ईई/14769/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-10-1985

प्रकृष बाह्र हो. एन. एस . ------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के वर्षीन सूचना

नार्त सर्कार

कार्यासन, सहायक भागकर भागकर (निद्रीकण) ग्राजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 14 मन्त्वर, 1985

निदेश सं० झई-4/37-ईई/814978/84-85-अतः मुझे लक्षमण वास,

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाण 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास वारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 111, जो, सी-इमारत, गगन-गिरी डैंबलपमेंट कार्पोरेशन, लक्ष्मीनारायण टेंपल के पीछे एक्सार रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वेक्त तम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का छोचत बाजार मृस्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान अतिफल का पंद्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिपती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए इस पासा भ्या प्रतिफल निम्निसिचत उद्वेषस से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से अधिक महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वय-कर अधिनियम, या वय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा है जिए।

वतः जव, जवत अभिनिषम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) गगनगिरी डैवलपमेंट कार्पोरेशन। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती एम० एस० टंडेल। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (य) इत त्यना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीश हैं 45 दिन के भीतर उन्त स्थापर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुस्ची

प्लैट नं० 111, जो, सी-इमारत, गगनगिरी डैनलपमेंट कार्पोरेशन, लक्ष्मीनारायण टेंपल के पीछे, एक्सार रोड, बोरियली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि वं प्रई-4/37 ईई/14978/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 14-10-1985

प्ररूप जाइ .टी.एन.एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 श्रक्तूबर, 1985 एक सुरु करियाय होती 1498 वर्ष

निर्देश स० प्रई.4/37 ईई/14980/84-85--प्रतः मुझे, लक्षमण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाख 269-ख के अधीन संशोध प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उपिन बाजार मध्य 1,00,000/-छ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 120, जो सी द्वामारत, गगन गिरी नगर, एक्सार रोड, बोरियली (प), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इम उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजि० है। सारीख 1-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिखत में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की वाबत,, उक्त आभागियम के अधीन कर दीने के अन्तरस्य असे दासित्व में कभी करने ए उसने उचने मा अधिक के जिए; और/या
- (क) एका किसी जाय या किसी धन जन्य जास्तियों को जिन्हों आरतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए दा छिपाने में मृश्विका के लिए;

कतः अव, उथत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त आधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलियत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) गगनगिरी डैवलपमेंट कापॉरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० एच० निजाप।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए श्वियाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओव :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी स्थित दुवाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के एः- निमित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्स शिभिनियम: के अध्याय 20-क में परिभाषिण है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नगः है।

वनुसूची

प्लैट नं ० 120, जो सी इमारत, गगनगिरी नगर, एक्सार बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० छई-4/37ईई/ 14980/84-85 छौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ध

दिनांक: 14-10-1985

प्ररूप नाह^र. दी. एव. एव_{ं,} = = e.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वका

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-4, वस्वर्ध

बम्बई, दिनांक 14 धन्त्वर, 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/14977/84-85—-ग्रतः मुझे, लक्षमण वास

बारकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 से के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास कारने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 006, जो गगनगिरी नगर, एक्सार रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-2-85 को प्रांतिक सम्पत्ति के जीवत बाजार मृख्य से कम के अवकान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्नास करने का कारण है कि यथाप्वेंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके खरवमान प्रतिकल से, एसे खरवमान प्रतिकल का गंद्रह प्रतिशत से विभक्त है और शंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्वों) के बीच एसे अन्तर्श के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिवित उद्वोक्य से उक्त सन्तरण निवित्त में

शस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ब्रुक्टरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त ब्रिपिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्के ब्रुचने में कृषिभा के लिए; ब्रीट/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया थे। या किया जाना चाडिए था छिपान में सांवधा के लि

बतः का उचत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उचत अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) गगनगिरी डैवलपमेंट कार्पोरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० एस० पवार।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षत के कि। कार्यवाहियों शरु करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबंधित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबक्ष किती बन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास दिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो सक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

ग्रनुसूची

फ्लैट नं० 006, जो, गगनगिरी नगर, एक्सार रोड/ बोरिवली (प), बम्बई 92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं अई-4/37ईई/14977 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 14-10-1985

प्रकृत वार्षः हो, एव. एष्. अन्त्रवन्त्रन

भागकर निर्मियन, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) से मधीन सूचना

शास्त्र संद्रकार

कार्यास्य, सहायक सायकर शायुक्त (विद्वासिय) धर्जन रेंज-४, बस्बई

बस्यई, दिनांक 14 भन्तूबर 1985 निदेश सं० भई-4/37-र्क्ड/15342/84-85----भतः मुझे, नक्षमण वास,

भावकर निपित्रम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत भिभित्रम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के नभीत, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित् वाचार क्रव 1,00,000/- रा. से मधिक हैं

भीर जिसकी सं० पत्नैट नं० 3, जो, तल माला, निकिता कुंज भगार्टभेंट, एस० नं० 53.6ए, एक्सार विहलेज, बोरि- वली (प), बम्बई-92 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनु- सूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करार-नामा भागकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अभा, बम्पई स्थित सज्ञम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारोज 1-2-1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयंत्रात्र हिर्मित के सिए बन्तरित की गई है और भूके वह विश्वास्त्र अरने का कारण है कि यथाप्कों के संपत्ति का उचित बाजा हु क्या, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिफल का वंद्र विश्वास से विश्वास का वंद्र विश्वास से विश्वास को वंद्र विश्वास से विश्वास को वंद्र विश्वास की विश्वास की विश्वास की विश्वास की विश्वास की विश्वास की वंद्र विश्वास की व्यवस्था की वंद्र विश्वास की वंद्र विश्वस की वंद्र

- (क) क्यारण से हुए किसी बान की बासक कार्य विधितवार के बंधीय कर दोनें के सम्बद्धक की दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बारि/का
- (क) ए'सी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय आव-कर निषितियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निषीत्यम, का वन-कर निषित्यम, का वन-कर निषित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया वाना वाहिए था क्रियान में सुविधा में क्रिए;

वर्षः वयः, जनतः नीयनियमं की भारा 269-न के वनुसरण दो, बी उनत नीयनियमं की भारा 269-व की वर्षारा (1) वे क्योनः, नियमीनीयतं व्यक्तियों, वर्षाण्याः

36 -346GI/85

(1) मैसर्स महेश बिल्डर्स।

(मन्तरक)

(2) श्री पी० बी० कदम।

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारकै पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के विवर कार्यनाहियां गुरु करता हुँ।

क्यत कमरित के भवेंग के कमान में कोई भी नामरे :---

- (क) इस त्वृता के रायपत्रों प्रकासन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की संवधि, वो भी अवधि वाद में त्वाप्त होती हो, के भीतर वृत्रों कर व्यक्तिस्यों में से किसी व्यक्ति वृत्राप्त;
- (क) इस स्वता के स्वपन में प्रकारन की तारीय हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में "पृतवहुध
 किसी मन्य स्थावत इवास अधोहस्ताकरी के वाच
 लिखित में किए जा सकारी।

स्वक्योकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, थी ज्वक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया वया ही।

प्रनुसुची

फ्लैट नं 3, जो तल माला, निकीता कुंघ प्रपार्टमेंट, एस व नं 53-6ए, एक्सार व्यूलेज, बोरियली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋं० सं० शई-4/37-ईई/15342/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई ब्रापा विनांक 1-2-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 14-10-85

प्रकार बाइ'. टी . एव . एख ु-----

बाधकार आर्थानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

रस्ट नरसह

कार्यालय, महायक आयक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-4, बम्बई बजाई, दिनाँक 11 ग्रक्तूबर 1985 निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/14986/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण, दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाचार्त् 'उनत अधिनियम' यहा गया है), की धारा 269-न के अधीन सक्ष्म प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर गंगील जिसका अधिन नाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पजैट नं० 17-ए, जो 3री मंजिल, इमारत नं० ए-17, रत्तन नगर, प्रेमजी नगर ग्रीर दौलत नगर के पास, बोरिवली (पूर्व), बम्पई-66 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूबो में ग्रीर पूर्ग रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारतामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के ज्ञबोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी

के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985
को पूर्वोक्त संपन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पन्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के जिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निषदि
के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई कियी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाकित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किही श्राय पा किसी भन या अन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर बिंधनियम, 1922 (1922 को ६१) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अपाजनार्थ अविषयि हुआए प्रकट नहीं किया पार भाषा किया जान धारिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, गें., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मैसर्स भावना कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मावजी मेघजी छाबैया श्रीर श्रन्य (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्म्पृति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बासोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को पार्शित वा तत्त्व क्या क्या कि प्रविद्या के प्रविद्या की तामील से 30 दिन की प्रविद्या को भी प्रविद्या की तामील से 30 दिन की प्रविद्या को भी प्रविद्या की सी स्वाप्त होती हो; के भीठर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिसित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गय

श्रनुसूची

फ्लैंट नं 17-ए, 3री मंजिल, इमारत नं ए-17, रत्तन नगर, प्रेंमजी नगर और दौलत नगर के पास, बोरिवली (पूर्व), वम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-4/37-ईई/14986/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजंन रेंज-4, बस्बई

दिनाँक: 11-10-1985

प्ररूप कार्च हो एन एस . -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सूचेना

भारत सरकार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, जो, 3री मंजिल, वेस्ट एनेन्यू, होली कास रोड, आई० सी० कालोनी, बोरिवली (पिश्चम), बम्बई-103 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रिजस्ट्री है, सारीख 1-2-1985 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूच्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के दिलए तब पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण सिवित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त विधिनियम के अभीन कार दोने के बन्तरक को दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जॉर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 । (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा को सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-च के, अनुसरण चैंक मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) चै वधीन,, निम्निल्धित व्यक्तियों, अर्थात ः—

- (1) मैसर्स एल० एन० टो० इंटरप्राइजेस। (अन्तरक)
- (2) कुमारी डी० एम० लेविस। (भ्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करक पूर्विक्त सम्मित्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश्य में प्रकाशन की तारीब सै 45 जिल का अबीय में पर एक्सा अबीय, जो भ सूचना की लग्मीन से 30 दिन की अबीय, जो भ अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीक्स स्वीक्तवा में साम्यक्त का इवार,
- (ख) इस सूष्या के राष्या भी प्रशासन की तारीस से 45 दिन के भीतर माजन स्थादन नेपाल में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारी अधाहरसाक्षरी के पार रिविस मी जिला के सार न

स्वकाकरण: — इसमी प्रयुक्त शब्दी हर्गर पर्श का, जो उक्त विधानयम के अध्याय 20-क में परिभाषित द्री, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गमा है।

अनुसूची

पर्लंट नं० 301, जो, 3री मंजिल, वेस्ट एवेन्यू, होली फास रोड, ग्राई० सी० कालोनो, बोरियली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है।

मनुसूची जसा कि कि० सं० प्रई-4/37-ईई/15337/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा विनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज**⊸4, बम्बई**

दिनौक: 11-10-1985

मोहर 🖫

प्रकृप बाइंटी, एवं, एतं,-----

बावकार वीभागिया, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के व्योग क्वा

बाइत बहुकार

भावतिष, सहायक नायकर नायकत (विद्वतिष्य) भाजन रेंज-4, बस्बई

बस्बई, दिनौंक 11 मक्तूबर 1985 निर्वेध सं॰ मई-4/37-ईई/14880/84-85---मतः मुझे, सक्मण वास

वासकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके परचात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के बचीन सक्षम प्राधिकारों को, वह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थापर बंपरित, दिवसका केश्वत वाचार मुख्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० पलैट नं० 102, जो, 1ली मंजिल, वेस्ट एवेन्यू, होली कास रोड, प्राई० सी० कालोनो, बोरियली बम्बई—103 में स्थित है (बौर इससे उपाबढ़ प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), धौर जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 1→2—1985

को पृथेकित सम्पत्ति के उचित बाजार गृल्य से कम के स्थमाथ प्रतिपक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त समपत्ति का उचित बाजार बुच्च, उसके स्थमान प्रतिपक्त से, एसे स्थमान प्रतिपक्ष का पन्तह क्रियंक से विभक्त है और बन्तरक (बन्तरका) बार बंदरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के दिस्ए तय पामा गवा प्रति-क्य विश्वविद्या उद्वरेश से स्वयं बन्तरण किक्य में प्रकारिक क्य से कथित नहीं किया गया है :--

- [क) अलाइक वे बूद्धं किसी बान की बान्छ। बनक अधिवित्रम को भूभीन कर पंत्रे के अलाएक के कांत्रिक में कनी करने या उत्तर्थ बनने में सुविका की लिए; बीए/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य नाहिस्तर्यों की, जिन्हों भारतीय नाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अध-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जी प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुधारा प्रकट नहीं किया ना वा किया थाना चाहिए था, कियाने में सुविधा है जिला;

वत: सव उपत निविद्य की बाद 269-न के नवृत्तरम ते, की, उभत मधिनियम की धारा 269-म की स्पधारा (1) के सभीन, निम्निचित स्पनित्यों, नथित्:——

- (1) मैसर्स एल॰ एन॰ टी॰ इन्टरप्राईज। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री एम० ए० डिसोझा घौर श्रीमती एल० एस० ए० डिसोझा। (धन्तरियी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहिक करता हूं।

बन्ध प्रमृत्ति के ब्रॉन के ब्रम्थन में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व 45 दिन की बनीं वा बत्सम्बन्धी महिना में इस इचना की तात्रीं व 30 दिन को अधि , वो भी अधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्य महिना में वे कियी महिना इसरा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के मीतर कका स्थानर सम्मत्ति में हित्नवृष् किती जन्म कविश्व द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए या क्केंगे ।

व्यक्तीकरण्यः—इवने त्रमुख्य शब्दी बीड एवी का हो उक्ष विभिन्नम्, के क्ष्याम् 20-क में परिभाषित् ही, वही अर्थ होगा और उस मध्याय में दिवा न्या ही।

पनुसुची

पलैट मं॰ 102, जो, 1ली मंजिल, वेस्ट ए वेन्यू, होसी कास रोड, घाई॰ सी॰ कालोनी, बोरियली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि सई-4/37-ईई/14880/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, धम्बई द्वारा दिनौंक 1-2-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> सक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंत रेंज-4, सम्बद्ध

विनीम : 11-10-1985

मोइरः

श्रक्य हार्द्र_क द्री_क पूर्_क पुरु_{क अ}क्कारकार करन

वायकड विधितियम,, 1961 (1961 का 43) की वाद्य 269-व (1) के व्यक्ति वृजना

बारत वरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायक्त (निर्दासन) भर्जन रेंज-4, सम्बद्ध

बम्बई, दिनौंक 10 प्रक्तूबंर 1985 निर्देश सं॰ धई-4/37-ईई/15071/84-85--प्रतः मुझे, सक्ष्मण थास

नावकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारन हैं कि स्थावर स्थाति, विश्वका उचित् वाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से निधक हैं

श्रीर जितकी सं० दुकान नं० "सी", जो, प्रमू निवात, प्लाट नं० 160, श्राफ फैन्टरी लेन, बोरिवली (पिविन), बन्बई—92 में स्थित हैं (ग्रीर इतसे उपाक्क प्रमुखनी में पूर्ण क्ष्य से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा धाय-कर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ध्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 1~2~1985 की

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है जौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित सक्विच से उक्त अन्तरण जिचित में बास्तिक कम से क्यांचर महीं किया गया है :—

- (क) करारण से हुइ किसी बाय की बावर, उक् बीपियंत्रम् के स्थीन कड़ दोने के बंदरके के वायित्य में कनी करने या उससे क्यमें में सुविधा के मिए; और/बा
- (स) एंटी किसी बाव वा किसी प्रवास वा सामा बारिया का , विज्ञें बारतीय बावका इ विभिन्नियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नियम , का बन-कार विभिन्नियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वंतीरती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा या या किया वाना चाहिए था , कियाने में स्विधा के सिए:

बत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, बनुसरम बी, बी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीमिक व्यक्तियों, वर्षात् :--- (1) मैसस हिमाण इंटरप्रायजेस।

(गग्तरक)

(2) हिमांगू धिरेंन्द्र दिवेचा भीर भन्य।

(मन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुई।

बक्त सम्मरित के बर्चन के सम्मन्य में कोई भी बाजर 🌬

- (क) इस स्थान के राजपूत्र में प्रकाशन की तारींच वें 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर् सूचना की तानीज से 30 दिन की क्वचि, को बी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनाय;
- [ब] इब स्वना के एजपन में प्रकासन की तारींब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य स्थानत द्वार अधाहस्ताक्षरों के पाछ लिबित में किए वा सकोंने।

ह्न्याकरण: ---इसमें प्रयुक्त कन्यों भीर वयों का, वा कन्त वीधिनियम, के नध्याय 20-क में परिभाषिक ही, यही वर्ष होना को उस नध्याथ में दिया पया ही।

धनुसुरी

दुकान नं "सी", जो, प्रमृ निवास, प्लाट नं 166, भाफ फैक्टरी सेन, बोरिवली (पश्चिम), सम्बद्ध-92 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि कि सं प्रदे-4/37-देदी/15071/ 84-85 मीर जो समम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनौक 1-2-1985 को रिजस्टड किया गया है।

> सवमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक **कायकर प्रा**युक्त (निरीक्षण) सर्जन रॅंअ-4, बस्ब**र्ड**

दिनाँक: 10-10-1985

मोहर 🗧

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) भागेन रेंज्-4, बस्बई

बन्बई, दिनां र 10 मन्तूबर 1985

निर्वेश सं० मई-4/37-ईई/15312/84-85-मतः मुझे सक्मण धारः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन रक्षिम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक है भौर जित्तकः सं० फ्लैट नं० 401, जो, 4 थे।म जिल, "यतःइडेड भार्टनेंट्न", श्रां देवां नगर, वाझिरा एलं व्हां रोड, बोहरजला (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (ओर इउने उनाबद्ध अनुस्वा में और पूर्ण रून से वर्णित है), और जित्रा हरास्त्रमा भागहर श्रीधनियम, 1961 ं की घारा 269 क, ख के श्रवान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारां के कार्याचन में रजिस्ट्रा है, ताराख 1-2-1985 की को प्रानित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रशिफल का पन्द्रह प्रीसक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वादित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ को उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित स्थितियों, अर्थात् :--- (1) श्रा देवीं बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीः रामनाथ नारायण सुवर्णा।

(भ्रन्वरितं:)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्षिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

पर्संट मं० 401, जो, 4थीं मंजिल, "यनाइटेड अपार्ट-मेंद्स", श्री: देशों नगर, विश्वारा नाका, एल० टी० रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

भनसूत्रों जैसाकि क० सं० भई-4/37-ईई/15312/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिशारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-4, भस्बई

ंदिनांकः 10–10⊶1985

प्रकृत कार्यः द्वीः पृत्तः, पृत्तः, वस्त्रात्रात्रात्रात्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन क्वा

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनां रू 11 प्रक्तूबर 1985

निदेश सं० भ्रई-4/37-ईई/14851/84-85--अतः मुसे, लक्ष्मण दास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जितको सं० पलैट नं० 15, जो, 2री मंजिल, सुद्यमा-पूरी वागले समृति को-श्राप० हाउरिंग सोसाईटी लिसिटेड, 20, षंदावर हर काल रोड, बोलितली (पिक्सि), बम्बई-400092 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रामुली में श्रीर पूर्ग का से विणा है), श्रीर जितान करारनामा श्राप-कर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सन्ना प्राधिनारों के कार्यालय में रिजस्टी है, सारीख 1-2-1985 की

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितंत्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्निसित उद्देश्य से उस्त अंतरण सिक्ति में शस्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है दूर्ण

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें अचने में सविधा के लिए; बौद्र/सा
- (ला) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य झास्तियों को, जिन्हों भारतीय झायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सविधा से सिए;

अत: अय, उक्त अधिनियुम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, प्रक्त अधिनियम की धारा 269-- घ की उपधारा (1)ं के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्रां एम० वी० दामधा

(प्रनारक)

(2) श्री एस० डी० पारेख।

(भरारिसी)

की यह स्वना बारी करके पृश्तिक सम्मिति के अर्थन को विष्यु कार्यवाहियां शूरु करता हुं।

बक्त सम्पारत के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकनें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया पदा हैं।

वन्स्ची

प्लैट नं 15, जो, 2री मंजिल, सुदामापूरी वागले स्मृति को-माप हाउसिंग सोताईटी लिमिनेड, 20, घंटाबर्वर कात रोड, बोरिवली (पश्चिम), बस्बई-92 में स्थित है।

मनसूची जैसाकि कि सं प्रई-4/37-ईई/14851/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिशारो, बम्बई आरा दिनांक 1-2-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि रारी सहायक भायकर प्रायुक्त (निर्दक्षण), भर्जन रेज-4, मम्बर्द

विनां क : 11-10-1985

प्रका बाह्य, ही, पुन्न पुत्त, अन्यवस्था

बायफर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आड़ 269-व (1) के बधीन स्वना

मारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक बायकर आयुक्त (निरोधक) धर्जन रेंज-4, सम्बद्ध सम्बद्ध, दिनांक 11 सन्तुवर 1985

निर्वेश सं॰ मई-4/37-ईई/15028/84-85--मतः मृत्ते, सक्ष्मण बास.

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे दस्त्रों स्वकं पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), कौ धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूख्य 1,06,009/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 43, जो, प्रभु निवास, फ्लाट नं० 166, झाफ़ फ़ैक्टरी छेन, बोरिदर्ला (परिचम), बम्बई— 92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनसूची में भीर पूर्ण कर से विजित है), और जिसका करारनामा आयकर श्रीध-नियम 1961 की धारा 269 क, ख के भन्नीन, बम्बई स्थित स्थम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को प्रोंक्त सम्परित के उचित बाजार मृज्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के धन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया प्रवा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण किन्निमा में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) , मण्डरंत्र सी.शुर्व किसी बाद की दावत उक्त विच-निवंत्र को नेथींन कर दोने को कन्तरंक की दावित्य वी कासी करने या उद्देखें वचने में सुविधा की किसी; सीर/वा
- (व) एंधी किसी बाव वा किसी वन वन्त्र वास्तिक्ते की, चिन्हें भारतीय वायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नियम, वा वन्त्र कर विभिन्नियम, वा वन्त्र कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ववा वा या किया वात्रा वाहिए था कियाने में सुविधा के किए;

(1) मैं सर्व हिमांगु इटरप्रायजेस।

(मन्तरक)

(2) रूपेन वी० प्रहा भीर वी० ए० महा। (भन्दरिती)

को वह युवना वारी करके प्रवीवत सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

दक्त सम्प्रीत्त के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी वाक्षेप मु-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविभ या तत्सवंभी स्वीकतयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी सविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेदित स्विकतयों में से किसी स्वितत ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवहण किसी अन्य व्यक्ति इंगरा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में फिए जा सकने

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्दों और पदों का, जो उपक अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा ही।

बगुतुची

पर्लंट नं० 43, जो, प्रमु निवास, प्लाट नं० 166, माफ़ फ़ैक्टरी लेन, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्विक्ष है।

धनसूचे। जैसा कि कि से धर्म-4/37-ईई/15028/ 84-85 भीर जो सक्षम प्रधिहारो बज्बई द्वारा दिनौक 1-2-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> सर्वामण दास सद्यम प्राधितारी सद्यमक प्रायकर प्रायुक्त (निराक्षण) पर्जन रेंज-4, बस्बई

बतः वन, उक्त विभिनियम की भारा 269-च के बनुसरक वा, मी, उक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपचारा (1) वो अभीन, विस्तिवित व्यक्तियों, वर्षात क्र--

विनोक: 11-10-1985

प्रकप बाई .टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) को अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-4, बन्बई

बम्बई, दिनां रु 11 प्रश्तूबर 1985 निद्या सं० भई-4/37-ईई/15027/84-85--प्रतः मुझ, सक्मग दान्न,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिल्लको सं० पत्तैट नं० 44, जो, प्रभु निवास, प्लाट नं० 166, श्राफ़ फ़ैक्टरी छेन, बोरिवली (पश्चिम), बस्बई— 92 में स्थित है (श्रीट इतने उपाबद सनस्वा में श्रीर पूर्ण का से विज्ञा है), श्री: जिल्ला क्रास्तामा बायकर श्रीव-निजम, 1961 का धारा 269 क, ख के श्रमंत्र, बस्बई स्थित सभम प्राधितारी के कार्याक्त में रजिस्ट्री है, हारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखिल बद्दिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, खक्त किपिनियम के बचीन कार दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या क्या बास्तियों की जिन्हों भारतीय आदकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा की सिए;

(1) मैसर्स हिमांसु इंटरप्रायजेस।

(भन्तरक)

(2) पित्रुल बी० महा भौर सी० बी० महा।

(मःहारतेः)

को यह सुचना बारीं कारके पूर्णक्त सम्परित के वर्णन के सिर कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 15 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रें कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया स्याहै।

मन्सूचीं

पत्नैट नं० 44, जो, प्रभु निवास, प्लाट नं० 188, टरीनेन, बोरिवती (प) बम्बई-92 में स्थित है। प्रमुख्य: जैसा कि फा० सं० प्रई-4/37-ईई/15027/ 84-83 ग्रीर जो समन प्राधिहारों, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनो ह: 11-10-1985

योहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, राह्प्यक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--4, बम्बई बम्बई, दिसांक 14 अक्तूबर 1985 नर्देश संब्रुक्-4/37-ईई/14896/84--85---श्रतः

निर्देश सं० प्रई-4/37-ईई/14896/84-85--- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर अधिनियम. 196! (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'जब्द विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका किंचा धाजार मूल्य 1,00,000/~ क. यो अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 2826 श्रीर 2847, है जो वेस्टर्न एक्सप्रेस हायहे, इहीसर (पु०), बग्बई-68 में स्थित है (श्रीर इससे उपादार अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है), श्रीर जिसका करारनाया श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बग्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1-2-1985

को पर्याचित समित हो एचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंगरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि रूपान्त्रीयन संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एमे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अभित है गौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) है दीस एने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उन्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में बास्तियक छप से विश्वत नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण ये हर्क किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसगे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंगी किनी बार या किसी धन या अन्य आस्तियों करी, जिन्हें शारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या तकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रसीकलाल एम० झोंसा।

(झन्तरकः)

(2) मैसर्स धगरवालास क्षेत्रलपमेंट एण्ड कन्स्ट्रवशन्स। प्राईवेट लिमिटेक।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2826 धौर 2847, जो नेस्टर्ने एक्सप्रेस हायने, दहीसर (पु०), नम्बई 400068 में स्थित है। ध्रनुसूची जैसा कि क० सं० घई-4/37-ईई/14896/ 84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज- 4, दम्बद्ध

दिनोक: 14-10-1985

मस्य बार् ् टी । एर् । एर् । एर्

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जधीन सुचना

मारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

म्रजंन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्तूबर 1985

निदश सं॰ भई-4/37-ईई/14997/84-85--म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इसके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य,

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 15, एच० नं० 13, सिटी सर्वे

नं० 1353, विलेज दिहसर, बम्बई-68 में स्थित है (ग्रीर

इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),

ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की

धारा 269 क, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी

के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 1-2-1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचिक बाजार मस्य से कम के दृश्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिक ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही आरे अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के निए तय गया गवा प्रतिक कन निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कम से कथित नहीं किया गवा है है—

- र्हेंक) बन्तर्म से हुई किसी बाय की बाबत्, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उस्से बचने में सुविधा स्ट्रेनिक्; बीर्/या
- (ण) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती उ्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा से लिए;

कतः तथा, उत्तर विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को भधीच⊾ निम्नविधिक व्यक्तियों, अधारी क्र- (1) मैसर्स बी० ग्रार० इन्टरप्रायजेस।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स ्यूनिटी कन्स्ट्रवशन कम्पनी।

(भ्रन्तरिती)

कृषे गृह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वा कर्णः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों कार पदा का, वो उक्क अधिनियम के अध्यायं 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसची

सर्वे नं० 15, एच० नं० 13, सिटी सर्वे नं० 1353; विलेज दिहसर, बम्बई-68 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई-4/37—ईई/14997/84—85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-4 बम्बई

दिनांक: 14-10-1985

escential and the second

अस्य मार्च, की. एम. एस. उन्नारननन

भावकडु मिण्डिनयम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से मधीन सुसना

बारक सरकार

कार्याजय, सहायक वायकर वायकर (निर्द्रीकाण) शर्जन रेंज-4, यम्बई

बम्बई, दिनोक 14 विसम्बर 1985 निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/15255/84-85--- ग्रतः मुझे, सक्मण वास,

बायकर कीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी 1/5, जो, 1ली मंजिल, साबे नगर को-भाप० सोसाउटी लिमिटेड, छन्नपति शिवाजी रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा भायकर भश्चिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1-2-1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान अतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलंख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्तोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उसत अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से क्रिथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वाधिरव भी कामी करने या उससे वचने में सुविधा के किए; आर/या
- (च) ऐसी किसी आय या कसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा वै हिंग्ए;

अतः गव, उनत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसूक्त जै, भी, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वे स्थीम, गिम्निविद्य व्यक्तियों वर्षात् च— (1) श्रीमती रुवा सुभाव पादकर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमंती मिना उत्तम मोटवानी।

(अन्दरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

दक्त सम्मृति के वर्षन के तम्बन्ध में कोई भी वासोप se->

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तत्मील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधाहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, भो उस अध्याय में विया गंगा है।

बन्स्की

पनेष्ट नं• भी 1/5, जो, 1ली मंजिल, सावे नगर कों-आप• सोतायटी लिमिटेड, छक्षपति शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई⊶68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के संक मई-4/37-ईई/15255/ 84-85 भीर को सक्षम प्राधिकारी, बन्बई द्वारा दिनांक 1-2-4985 को रजिस्ट है किया यथा है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, अम्बर्ध

विगांक: 14-10-1985

धकर बार्ड्, थी , पुन , धूब . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुवना

प्रादुष सूरकाउ

कार्यासय, सहायक आयकर नायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज- 4, बम्बर्ड

धम्बई, दिनांक 14 अन्त्रवर 1985

िदश्य सं ० अई--4/37--ईई/15327/84-85---असः मुझे, सदमण ्दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० एस० नं० 16, एक० नं० 11 सी० एस नं0 1240, रहीसर विकेज केरीबली तालुक, बस्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिकल के लिए अंतरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपारत का उचित बाजार मूल्य उसके दरममान प्रतिकल से एंसे दरममान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, जिम्मीलींबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण किबित में में वास्तिक रूप से किबत महीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या उक्ष से बचने में सुविधा को किए; और/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जवा धा वा किया धाना वाहिए था, कियाने ये स्विधा की किया

अतः अव, उक्त अधिनियमं, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की सुप्रभारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वतं व्यक्तियों, अधीतः :—

- (1) श्रीमती कुसुनश्रेल जीतेला संदर्वया श्रीर अन्य। (अन्सरक)
- (2) मैसर्स विजय कन्स्ट्रेनशन्स ।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्वराहिक करते हैं।

उक्त सम्पत्ति क्षे अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता कः राज्यत्र में प्रकासन की तारीख वं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकर्ग।

स्थकतीकारणः प्राप्त प्रमुखत क्षम्योः वरिः पर्यो का, जा उन्तर विभिन्निम्स, के कुष्यात 20 क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्यास में विसा गया है।

अनुसूची

भमी। का हिस्सा जिल्ला एस॰ वं॰ 16, एप॰ वं॰ 11, सी॰ एस॰ वं॰ 1240, दिस्सर विलेज, सालुका बोरी॰ वसी, सम्बद्ध है।

धनुसूची की क० सं० जैजा अई-4/37-ईई/15,327/84-85 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1→2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्मण वास सक्षम प्राविकारी सहायक आवकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 14-10-1985

बोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) कर्जन रेज-4, अम्बद्ध

बम्बई, दिनांच 14 प्रक्तूबर 1985

िर्देश सं व अई-4/37-ईई/15280 84-85-प्रतः मुझे, एकमण दास,

कायकर क्षंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उिचत बाजार मृस्य 1,00.000/-रा. से अधिक है

र्धार जिसकी सं० सर्वे नं० 296, हिस्सा नं० 8/2 ए वहीजर विलेश, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुत्वी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करिस्तामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में एजिस्ट्री है, हारीख 1-2-1985 को

की पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के रूपमान् शितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजाउ मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्लिख में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- [क) जन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में बुक्तिश के लिए; और/बा
- (य) एमी किसी जाम या किसी भन या जन्म आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिम्मिन को प्राचन किया प्राचन के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना आहिए था, कियाने में स्विभा हो बिए;

गणः जनः, उन्त अधिनियमं की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उन्त अधिनियमं की भारा 269-ग की उपभादा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री बालकृष्ण आन्माराम म्हाते।

(अन्तरक)

(2) श्री मंगेश केरात्र दस्ती।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्द सम्पृत्ति के मूर्जन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी खंधी 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (व) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पृष्टीकर्रणः इसमें प्रपृथत शब्दों और पूर्वों का, जो उन्ह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

अनुसूची

जभीत का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 296; हिस्सा मं० 8/2ए, दहीनर विलेज, तालुका बोरीवली, बम्बई है।

;अनुसूत्री जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/15289/ 84-35 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्मण दांस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-4, अम्बर्ध

दिनांक: 14-10-1985

प्रकार बाह्यं, टी., एन., एवं, नव्यक्तानम

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सुमना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-4, बम्बई

धम्बई, दिनांक 14 अक्तूबर 1985

निद्या सं० अई-4/37-ईई/15326/84-85--- प्राः मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 296, हिस्सा नं० 8/2 थी, वहीसर विलेज, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसने जनाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विगत है), श्रीर निरामा करारतामा आयकर व्यथित्यम, 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रजिस्दी है, तारीख 1→2−1985

को पूर्वो स्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूम्में यह विश्वास करने कम कारण है कि यथापृजींक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्र प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बायत, उक्स अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक जै इपित्य में कमी करने या उससे स्वाने में सुनिधा के सिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तां अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जंगरियो द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा वै सिए;

(1) मैसर्स एमी इन्टरप्रायसेस।

(अन्सरक)

(2) मंगश केशव दल्वी।

(भन्सरिती)

का यह स्थना जारी करके प्रॉक्त सम्पृत्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत ,---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

न्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जां उक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्य हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्ची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 296, हिस्सा नं० 8/2 बी, सी० टी० एस० नं० 169 (पार्ट), दहीसर बिलेज, बम्बर्ध है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-4/37–ईई/15326/84–85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलोक 1-2-1985 को रजिस्टब किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिवारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (किरीक्षण) ग्रजैन रेंड-4, बस्बई

बत: शवा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को बन्सरण बी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्निजिबत व्यक्तियों, अर्थात क्र---

विनोक: 14-10-1985

प्रकृष बाह् टी पुन् एर .-----

वार्यकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की चरण 269-व (1) के वभीन स्वना

बारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, अम्बद्द

बम्बद्दे, विनोक 14 धक्तूबर 1985

झायकर जिथिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य

1.00 000/- र. सं अधिक हैं
भार जित्रकी सं० सर्वे नं० 296, सी० टी० एस० नं०
169, वित्रिर, बम्बई में स्थित हैं (प्रोर इसने उपाबद अनुसूची में भ्रोर पूर्व का से विजा है), और जित्रका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 के ख के अबीं, बम्बई स्थित समन प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्दी है, सारीख 1-2-1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गईं है और मुक्ते बहु विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रामान प्रतिफल सं एसे द्रायमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिशत से बिधका है और बन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (बन्तरितिया) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित इद्देष्य से उक्त बन्तरण जिल्हित में वास्त्यिक क्य से कथित दृष्टी किया गया है क्या

- (क) अभारण वे'हुप् किपी क्षा की शंकतः, शंकव अधिनियम् के अधीन कर बोने के बंतरकः के जानिकतः में कभी करने या उससे व्याने में सुविधा के जिए; वेतर/वाः
- (क) एसी किसी बाद वा किसी वन या अन्य बास्तिवी को, जिन्हें भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ववारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया धाना वाहिए था, कियाने जे स्विधा के सिए;

अत: शव, उक्त अधिनियम. भी धारा 269-गः में अमृतरम भे, में,, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उन्वथाह्य (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों स्थाद्ध ५---

- (1) श्री चन्द्रज्ञाना अर्जुत विश्वास राष्ट्रपीर अन्य । (अरारक)
- (2) मैसर्से अमीर इन्टरप्रायसेसः। (मन्तरिती)

को यह स्थान चारी यादुन्हे पूर्वोक्त सम्मत्ति स्रे वर्षान के निष् कार्यवाहियां करता हूं है

कारी करपंति के वर्गन के सम्बन्ध में काई भी व्यक्षी :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 रिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वा की तामील से 30 दिन की अवधि या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स प्रकाश में में किसी व्यक्तित इवारा;
- (क) इस सूचवा को राजपत्र में प्रकाशन कर तारील के 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितवपुत्र किसी जन्म स्थावत वृतारा, वशोहस्ताक्षरी के पाक चिकित में किए का सकोंगे।

स्विधिकारण र क्यां प्रयुक्त सब्यों और पदों का, की स्वत्य क्रिथिनियन के बच्चाय 20-क में पीरभाषित तै. वहीं वर्ष होंगा का उस अध्याय में दिया। त्या है.।

क्षनुस्ची

जनीय सा हिस्ता जित्रक्ता सर्वे मं॰ 296, एन० नं॰ 8 (2) पार्ट, सी॰ टी॰ एउ॰ नं॰ 169, खेंडरवाडें, बहुसर में स्थित है।

अनुपूर्वी जीता कि कि के सं० अई-4/37-ईई/15288/ 84-85 मोर जी सभन प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 की रजिलाई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) भाजन रोज-4, बस्बर्ध

विनोकः 14-10-1985

माहर 🔞

प्रकप बाइ .टी एवं एस . -----

(1) श्री म्रो० पी० अग्रवालाॄे।

(अन्तरक)

बावकर विधानियम्, 1961 (1961 का 43) कर्र भारा 269-म (1) से अभीत स्वता

(2) श्रीमती विभावास प्रतिद्वनाथ।

(मन्तरिती)

STATE STATE

कार्याजय, सहायक आयकार आयुक्त (विरीक्षक) अर्जन रेज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 14 अक्तूबर 1985

निदश सं० अई-4/37-ईई/15241/84-85---अत:, मुझें, लक्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिलकी संव पर्लंड नंव 105, जो, 1ली मंजिल, यशोधन कंदारपाडा जीज, दिहसर (पिचम), बम्बई-68 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीम, बम्बई स्थिप सक्षम प्राधिक कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूस्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलंख के अनुसार अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिय च्युवेश्य से उक्त अन्तरण तिबत में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूर्विभा के लिए; - और/या
- (थ) एसी किसी जाय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया पया था किया धाना धाहिए था, कियाने में स्विधा वे सिद्धः

बत: बब, उक्त विधिनियम की भारा 269-न के बन्सरी कें, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन. निय्निसिक्त स्पृत्तिकों, स्थात् ६—- क्यें यह स्थना जारी करके. पृवांकित सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हुं।

सकत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप उन्न

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिविट में किए वा स्केंगे।

स्युष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा प्याह विश

नगुसूची

पलैट नं 105, जो, 1ली मंजिल, यशोधन कंदापाड़ा क्रींभ, दिहसर (पिचम), बम्बई-68 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कि कि सं अई-4/37-ईई/15241/84-85 ग्रींर जो सभन प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्ट किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

विमांक: 14-10-1985

प्रकृष् बाई.टी.एन.्एस.---

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांवः 14 ग्रम्तूबर 1985

निर्देश सं० ऋ**ई**-4/37-ईई/14951/84-85-यतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

रि जिसकी सं० फ्लैंट नं० 20, जो, जिन्दायन इमा स, यशवंतराथ मार्ग, दिहसर (पर्शचम), दम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसची में और पूण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 व ख के अधीन, दम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

कारा क कायालय में राजस्ट्रा ह, साराख 1-2-1985 का प्रविक्त सम्पन्ति के लोचन बाजार मत्य में कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि मभाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिपन्न भे, एमें दश्यमान प्रतिपार का बन्द्रह प्रतिशत में अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) बार अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाय। गया प्रदिक कल निम्मिशित उद्दोष्य से उक्त अंतरण जिचित में बास्तीयक कम से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य अपिस्तयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ट अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भगरीतलाल जी वखारीया (कर्ता)

(मस्तरक)

(2) श्रीमती एस॰ सी॰ मेहता।

(मन्तरिती)

को यह सूचना चारी करुकै पूर्वोक्त सम्पर्टित् के बर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

बक्त सम्मत्ति के बर्धन के संबंध में कोई"भी बाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- ं (च) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिराबव्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धिकरणः — इसमें प्रवृक्त शस्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ हत्या जो उस अध्याय में दिया पक्षा है।,

arrivel.

फ्लैट नै० 205, जो, बिन्द्रावन इमारत, यशवंतराव मार्ग, दिहसर (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

न्ननुसूची जैसा कि कि के संव इ.ई-4/37-ईई/14951/ 84-85 भीर जो सक्सम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> . सक्मण वास सक्म प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्णन रेंज-4, बम्बई

दिनीक: 14-10-1985

मोहर ।

प्रकार वार्षः, टौ.; एच्ःः एवः,,------

भायक र भीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुमना

धारत सरकार

आर्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बन्बई

बम्बई, दिनांक 11 बन्तूबर 1985

निर्देश सं० इ.ध-4/37-ईई/15045/84-85--यतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त जिधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के जिथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्ब 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर िसकी सं० श्रीखोगिक यूनिट नं० 112, जो, 1ली मंजिल, बी-ज्लाक, मंडपेस्वर इंडस्ट्रियल प्रिमायक्षेत को-प्राप० सोसाइटी लिमिटेड, श्रीफ एस० बी० पी० रोड, बोरियली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं (श्रीर इसके उपाध्यक्ष श्रानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका वारारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकरट्टी है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास सरते का सारण है कि ग्यापूर्वोक्त समाति का उचित बाजार मू उसके दृश्यमान प्रतिकल का पण्यस्क्रितिया से प्रविक्रितियों विश्वास सम्बद्ध से स्वाद अपने स्वाद स्वाद

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियस के अभीत कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में कृषिथा। खेजिए; बाँड/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के जिए; और/वा

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री अरुणकुमार छनालाल ग्रहा भौर भ्रन्य। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री गोविन्दभाई अजनभाई पटेल। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्चन के तिय कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य य्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पृथ्विकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो सकत विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में विका वया है।

अन्त्ज्ञी

भौधोगिक यूनिट नं० 112, जो, 1ली मंजिल, बी-ब्लाक, मंडपेश्वर इंखस्ट्रियल प्रिमायक्षेत्र को-न्नाप० सोसाईटी लिमिटेड, झाफ एस० बी० पी० रोड, बोरियली (पिश्चम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-4/37-ईई, 15045/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रोंज-4, बम्बई

विनांन: 11-10-198**5**

मोहर

प्ररूप आहुरे, टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांन 11 ग्रन्तूबर 1985

निर्वेश सं॰ घई-4/37-ईई/15044/84-85-- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० यूनिट नं० 12 ए, जो, तल माला, बी-क्लाक, मंडपेश्वर प्रिमायसेस सोसाईटी लिमिटेड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं (भौर इससे उपाध्य भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत हैं), भौर जिसका करारनामा भायकर भिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के भधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यासम में रिजस्ती हैं, तारीख 1-2-1985

को प्रवेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का बेबह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया जित्मल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण विशिष्त में कारतिक अध से किथत नहीं किया गया है :—

- का) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए? बीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है बचीन, निस्तीखिखत व्यक्तियों, अधीत् है— (1) श्रीमती जीवीश्रेम मुलजीभाई पटेल।

(म्रग्तरः)

(2) श्री रामजी भाई शामजीभाई पटेल।

(मन्तरिती)

की यह स्वना जारी करके प्योंकतः सम्पत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी-वाक्षेप ह---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी को पास सिविश में किए जा सकेंगे।

स्यक्षीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पनुसूची

यूनिट नं० 12 ए, जो, तल माला, बी-ब्जाक, मंडपेश्वर, इंडस्ट्रियल प्रीमायत्तेस सोसाईटो लिभिटड, बोरियली (परिचम) 92 में स्थित है।

मनुसुची जैसा कि क० सं० मई-4/37-ईई/15044/ 84-85 भौर जो सक्समण्याधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्मण दास सञ्जय प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्मण) भर्जन रेंज-4, बम्बई

विनोक: 11-10-1985

प्रकल बाह्नी, ही, एन ् १क ्र ननन्त्रम

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विधीन सुवना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर काय्क्त (निरक्षिण) शर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 11 प्रक्तूबर 1985

निर्वेश सं० भई-4/37-ईई/14175/84-85-- प्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाबार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं
भीर जिसकी सं० सम्पत्ति जिस हा सर्वे नं० 159, एच० नं०
4 (श्रंश), श्रीर वी० टी० एस० नं० 1273, एक्टार रोड,
बोरियली, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप से थिंगत है), श्रीर जिसका करारनामा
कायवार क्राधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन,
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है।
तारीख 1-2-1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकृत के निए अन्तरित की गई है और मुके वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफ क से एसे द्वयमान प्रतिफ क के पत्ति व्ययमान प्रतिफ क के पत्ति व्यवसान प्रतिफ क के पत्ति व्यवसान प्रतिफ के बीच एसे अन्तरण के सिए तय अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय अवस्ति में वास्तरित के निम्नितित उद्वेदय से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तिवक कम से क्षित महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत । खबत अधिनियम के अधीन कर दोने से अन्तरक औ वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए? और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उं अ अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया चवा धा या किया जाना चाहिए था, किया में सुविधा के सिर्णः

नतः अन. उक्त विधिनियम की धारा 269-न के ननुसरक तै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्निविद्य व्यक्तियों नधीत् ह—

- (1) श्री सिराज मोहमदश्रली कलकलावाला। (भ्रम्तरह)
- (2) मैं सर्व इल्लान भासोरिएट्स ।

(प्रग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के हिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पत्ति के नर्पन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की व्यथि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों नद सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किये जर सकरें।

लाक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पतों का, जो उक्त विभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ष होगा, जो उस वध्याय में दिया स्वाहै।

सम्स्थी

सम्पत्ति जिसका सर्वे नं० 159, एव० नं० 4 (भंग), भीर वी० टी० एस० नं० 1273, एक्टार रोड, बोटिवली, बन्सई में स्थित है।

मनुसूती जैसा कि ऋ० सं० मई-4/37-ईई/15175/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, सम्बद्द द्वारा दिनोक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रॅंज-4, सम्बद्धी

विनोक: 11-10-1985

प्रकृप बाह्री दी श्व । एत : -----

बाबः प्रर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के विधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बर्ध

बम्बई, दिनौंक 14 श्रक्तूबर 1985 निर्वेद सं० शई-4/37-ईई/14941/84-85--श्रदः मुझे, सक्सम दात,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परजात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका जियत बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जितको सं० पतैट नं० 102, जो, पहली मंजिल, विग-धी, मौ छुना, सी० टी० एउ० नं० 765, 861, 802, 863, 804, 805, 806 भीर 808, तिप्पीलो रोड, बोरिवलो (परिवन), बज्बई-400092 में स्थित हैं (भीर इतते उराबद्ध भनुसूबी में बीर पूर्ण का से विजित विजित हैं), भीर जितका करारतामा भागकर भवितियम 1901 की धारा 209 क, ख के भवीन, बज्बई स्थित प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, तारीख 1-2-1985

प्राधिकारा के कायोल में रिजिस्ट्रा है, तारीख 1-2-1985 को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चि बाजार मूच्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है बौर मुर्फ वह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल से पन्ति शत्तिक से बन्तरक (बन्तरकों) बौर बन्तरित से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) बौर बन्तरित (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्देश्य से उच्च बन्तरण जिल्ला में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जिथीन कर दोने के अन्तरक और दायित्व में कभी करने या उससे बचवे में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य अस्तियों करें जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम । 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम , या अन्य कर अधिनियम , या अन्य अधिनियम , या अन्य अधिनियम , या अन्य अधिनियम , 1957 का 27) औ प्रताजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था , डिपाने में स्विधा औ लिए।

वतः अब उदत शिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीतः, निम्नितिवित व्यक्तियों, बंधति :---

(1) रव्त्रंगी ड॰ हनोग्सं

(मत्तरक)

(2) घौतीलाल गीवल टॉव।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन औं हैं सबु कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को सर्थन को संबंध को कोई भी बाक्षप ८---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की वर्षध मा सरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी वर्षध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वान के राज्यत्र में त्रकासक का तारीक की 45 दिन को भीतर उपल स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति वृद्धारा अधोहस्ताक्षरी की पाव तिक्षित में किए जा सकति।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

नगृत्वी

पतैट मं॰ 102; जो, पहती मंजिल, विग्न-भी, मी छुना, सो॰ टी॰ एउ॰ न॰ 705, 801, 862, 863, 804, 805, 836 मोर 803, िनोजो रोड, बोरियती (पश्चिम), बम्बई-92 से तियत है।

भनुसूबो जैसा कि ऋ० सं० घई-4/37-ईई/14941/ 84-85 घोर जो सभन प्राविकारी, बलाई द्वारा दिनौक 1-2-1965 की रजिस्टके किया गया है।

> सक्मग दास समंन प्राविकारी सहावक घावकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्मन रॅंज-4, बम्बई

दिनीक: 14-10-1985

मोद्धाः ।

प्रकृषः बाद्दः द्वीः एनः एसः ------

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन स्वमा

बार्व सरका

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) भर्जन रेंड-4, बस्बर्द

बम्बई, विनीक 10 प्रक्तूबर 1985

निर्वेश सं० मई-4/37-ईई/14882/84-85-मतः मुझे, भक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवे इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की भाग्र 269- के बचीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवदास करने का कारण है कि स्थावर सभ्यत्ति, विसका अधिक वाबार सृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है भौर जितकी सं० पर्नेट नं० 203, जो, 2रो मंजिल, ग्रमत सागर, विलेज मागठागे, हरोग्रोन भगार्टमेंट के पात, एस० भी० रोड, बोरिवजो (परिवम), धमनई-92 में स्थित है (मीर इतसे उनाबद प्रत्तुवे। में धीर पूर्ण रूप से विनित है), ग्रीर जितका करारतामा ग्रायकर ग्रावितियत 1931 की धारा 200 क, ख के श्राप्ती, बन्दई स्थित सझम प्राधिकारी के कार्यालय में रजि.दो है, तारीख 1-2-85 को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाबार सूक्य संकम के अध्यक्षान बतिफल के लिए अंतरित की गई है और मभे यह दिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मुख्य असको दरयमान प्रतिकल से, एसे दरयमान प्रतिकल् का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और शन्तिरती (अन्तरिसर्यों) के बीच एसे अन्सरण के लिए सय पात गया

शांतफन, निम्ननिष्ठित उद्देश्यों से उक्त मन्तरण सिक्ति में

बास्तविक कर से कर्षित नहीं किया नवा है ॥---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाम का बाक्ट, जबक्त बीधनियम के अधीन कर राने के जन्तरक के पावित्य में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के सिए; बीट/बा
- (ण) ऐसं किसी शाय या किसी पन मा कन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्वीवधा के लिए।

बतः शव, उसत विभिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण वो, मी, उसत विभिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के वर्णन जिल्लामिक व्यक्तियों वर्धातः— (1) श्री सागर बिल्डर्स प्राईवेट लिनिटेड।

(भग्तरक)

(2) श्री कन्भाई नानजी सागर भीर भन्दी।

(मग्तरिती)

को यह त्वना चारी करके पूर्वोक्त सम्मृति के वर्जन के सिष्टु कार्यवाही गुरू करता हो।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के संजंध में कोई भी जाओप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीं है 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ इस स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकामे।

मनुस्ची

पतैट नं 208, जो, 2री मंजिल, त्रवृत सागर, विज्ञा मागठाणे, हरीस्रोत स्रवाटनेंट के पात, एतः को रोड, बोरिक्को (पश्चिम), बन्बई-92 में स्थित है।

मनुसूर्वी जैता कि कि के सं धर-4/37-हेर्री 14992/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बजबर्द द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टबं किया गर्या है।

> लक्मग दास सक्षम प्राधिकारो सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेज-4, बम्बई

दितौक: 10-10-1985

प्रका भार्यं टी.एन.एस.-------

नायकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-थ (1) के मधीन सूचना भारत सहकार

कार्याभय, सहायक भायकर नायृक्त (निर्दाक्षण) धर्जन रेंज-4, धम्बई बम्बई, विनाँक 11 धक्तुवर 1985

निर्वेश सं॰ घई-4/37-ईई/14778/84-85--पत: मुझे, अक्रमण हास

बागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं); की धारा 269- ब को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूज्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० ए/3, जो, जयदीन श्रवार्टमेंट, कोरा बेन्द्र के पास, एस० बी० रोड, ताराबाग के पीछे, एफ० पी० नं० 735, टी० पी० एस०+3, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रवीत, 'बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को जीवत बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूको यह विश्वास करनं का कारण है कि मधापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतसे दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिधात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक कम से किथित नहीं किया गया है '—

- (क) नन्तरण से हुई किसी बाव की बावता, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा की सिए; बौर/या
- (ण) एँसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों काँ, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिजियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) की अधीन, निम्निसिखित व्यविद्या, अधीत है— (1) जनदीन हैक्लार्स ।

(मन्दरक)

(2) श्री विवक्तलाल मुलजी दुवल घौर घन्य। (भन्तरिती)

का वह स्वना बारी करके प्रशिक्त सम्मत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हू-

- (व) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकावन की ठारींच है
 45 दिन के भीतर छक्त स्वाव्य सम्पत्ति में हिसबब्ध कियी कन्य क्यक्ति बृत्यास स्थाहरतास्त्री है वास विद्यास में किया का क्योंचे ओ

क्क् केरण:--इसमें प्रमुक्त कर्नों बीर वर्षों का, वी उपत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, रही वर्ष होया को उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

पत्नैट नं ए/3, जो, जयदीय ध्रार्टनेंट, कीरा केन्द्र के पास, एसः बीः रोड, साराबाग के पीछे, एफः पीः मं 735, टीं पीः एसः नं 3, बोरिवली (परिचम), सम्बद्द-92 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि सं० भारि-4/37-रिही/14778/ 84-85 भीर जो सजन प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनौक 1-2-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण वास सजन प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) प्रार्वन रेंग-4, बस्बई

विनोक: 11-10-1985

लक्ष्मण दास,

भागकर जीविनयम, 1961 (1961 का 43) की नक्का 269-व (1) के वर्षीन स्वना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 11 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/14932/84-85---ग्रतः मुझे,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जर्न धारर 269-स के अधीन सक्षम आधिकारी को यह किस्तास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 8, जो, स्किम श्रॉफ सर्वे नं० 119, एच० नं० 6 (ग्रंग), एच० नं० 7 (ग्रंग), एक्सार विलेज, तालुका बोरिवली, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की मद्दं है और मभ्ने यह विश्वास करने का खारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मस्य, स्थके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत खिक्तर है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्रों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त कन्नरण निधिक में बाव्हरिक एए में किथा गयों किया गया है उन्तर

- (क) जनसरण से हुई किसी जाम की बाबर, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व को अजिल कर के कार्यक के किस और/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्म आस्तियों को जिन्हों भारतीय अप्रयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देशारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियानों से स्विका के किक:

लल लच्च लच्च अधि। तयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपभास ∫1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
39—346GI/85

(1) श्री जयंत शिवराम मालशे।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स गणेश कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(ग्रन्तरिती)

का यह समान नारी करके नुबंकत यंपील के जर्मन के हिन्न आर्थपाहियां करता है

उन्त सम्पत्ति के वर्षत के संबंध में कोई भी बाह्येप :--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकायन की बारीय से 45 दिन की जमिय या तरस्विधी व्यक्तियों पर स्वाम की सामीस से 30 दिन की व्यक्ति को भी क्यीं वाच को समाप्त होती हो, के मीतर प्रकेकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वाम
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रवासन की नारीख से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्बक्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा श्रमोहन्साक्षरी के पास निकास में किए वा कर्कोंगे।

प्यव्यक्तिकरण राज्यसम्भा अध्यक्त सन्दर्भ आर्थ पदो कार जो जन्म जीधनियम के जध्याय 20-क माँ नथा परिमाणिक ही, स्टिश्च होग्ड जो हम अध्याय माँ दिका राध(हीं।

बन्सकी

प्लाट नं० 8, जो, स्किम ग्रॉफ सर्वे नं० 119, एच० नं० 6 (ग्रंश), एच० नं० 7 (ग्रंश), एक्सार विलेज, तालुका बोरिवली, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37-ईई/14932/ ^{१™}84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक त्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनाँक: 11-10-1985

प्ररूप आइं टी. एन. एस. -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनौक 11 अक्तूबर 1985

निर्वेश सं० ग्रई-4/37-ईई/15265/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयक्तर जीधनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमी परकात 'उनत अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण ही कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मन्य

1,00,009/- गर. में अधिक हैं।

श्रीर जिसकी संव फ्लैट तंव 8, जो. 4थी मंजिल. राकेश अपार्टमेंट्स को-श्रापव हाउसिंग सोमाईटी (नियोजित), वल्लभ नगर, कर्नाटक बैन्क लिमिटेड के सामने, बोरिवली (पिक्जिम) बम्बई-103 में स्थित है (श्रीर इसने उपावड अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन. बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है. तारीख 1-2-1985

को पूर्वोकत संम्यांत के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रिष्टफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि मधापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकास से अधिक हैं और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-क्रित निम्नितिद्व उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक द्या से किया गया हैं है—

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बार/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए।

क्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्तत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, जिम्मीर्जिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री जेख ग्रहमद हुसैन एम० ए० रसूल। (श्रन्तरक)
- (2) श्री पी० डी० दियलानी श्रीर श्रीमती जे० पी० दिललानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्थवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अदिध ना तत्मं ग्रंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारी ज के 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वो के ग्रंधिक व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वता को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः ---- उसमें प्राक्त व्यव्यों तीर पदों का, जो उक्त है, वहीं अर्थ होंगा जो जस रध्याय में दिया है, यहीं अर्थ होंगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

anna.

फ्लैट नं० 8, जो, 4थी मंजिल, राकेश अपार्टमेंट्स को-आपरेटिव हार्जीसंग सोसाईटी (नियोजित) वस्लभनगर, कर्नाटक बैंक लिसिटेड के सामने, बोरिवली (पिक्चम), बम्बई-103 में स्थित है।

भ्रमुस्त्री जैसा कि कि सं श्रई-4-37-ईई-15265-84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड किय गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-4. बम्बई

विनौक: 11-10-1985

नारस सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ध, दिनां हा 14 ग्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/15355/84-85—:श्रतः मुझे लक्ष्मण दासः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे एसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा यम हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. में अधिक हैं

और जिसकी मं० प्रमीत ा हिम्मा स्ट्रक्चर के साथ, जिसका मी० टी० एन० नं० 1208 और 1209 चिनेत एकसार, ग्राई० भी० ालोती है पीछे बोस्बिली (प), बम्बई में स्थित है (ऑस इस्ते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और विजान उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है। और विजान उपाबद्ध अवीन वम्बई स्थित संक्षम प्राधिकारी के वार्यायम में परिस्ट्री है। कार्याव एक स्ति 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमार प्रितिफल के लिए अतिरित को गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचितः बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के कन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बंतरिती (अंतरितिया) के बोच एसे अन्तरण के जिए एय पाया बया प्रातफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्निलिखा विश्वास से अभिन्तरण के निम्निलिखान

- (क) बन्तरण से हुन्दं किसी गाम की गावधः. उन्त अभिनियम के अभीन कर दोनं को बन्तरक की नामरन मों कचा करने गा उससे नमन मा सुनिधा के लिए; बॉर/बा
- (व) एसी किसी नाथ था किसी धन या अन्य जास्तियाँ को विन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए.

कतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती एग० ए० म्हावे और ग्रन्य

(मन्तरक)

2. मेमर्स दाणी विल्डर्स।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके क्योंकत सम्पत्ति के अर्थन के दिश् कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी न्नाक्षण :----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारोक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर अधि की अवधि का की अवधि का भी अवधि बाद मी समाप्त हाती हो। के भीतर पृष्टिकत व्यक्तियों में पे किसी व्यक्ति बदाए;
- (त) इस सूचना के आजपत्र मों प्रकाशन की तररीय से 4.5 वेडन की पान सक्त स्टाउन सम्पन्ति मो हितवस्थ । ा भी विकास सम्पन्ति सम्पन्ति के पास

स्पस्टोकरणः -- - एसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्वा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में विया गया हैं।

an area

जमीत का हिस्ता, स्ट्रक्ष्चर के साथ, जिसका सी० टी० एस० नं० 1208 और 1209, जिलेन एक्सार, ब्राई सी० गलोनी के पीछे. बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैयाकी ऋ० सं० ब्रई-4/37-ईई/15355/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांच 1-2-1985 को रिनस्टई किया गया

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-4, बम्ब**ई**

दिनाम : 14-10-1985

प्रकृष वार्षः ही. यूषः प्रसः -----

आयंकार ऑफिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुवना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन ें ज-4, बम्बई

बम्बई, विजात 11 अक्तूबर, 1985

निर्देश io प्रई-4/37ई /14976/84-85-—म्रतः मसे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात डिजल अधिनियम' कहा पया है), को भार 269-क के अधीन सक्षम प्राप्तियहरों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, शिवसका उचित बाजार मूल्य 1,60,060/- का सं अधिक है

और जियही गं० पर्नेट ं० 31, निजरी मंजिल, ज्यांनि गपार्ट-मेंट, एक्सार रोड, बोरीवली (५०), बम्बई में स्थित है (और इजमे उप बद्ध अनुमूची में और पूर्ण इत्तर के विणित है) और जियहा अगारतामा खायहर जिल्हित 1961 की धारा 2695, ख के अधीत, प्रश्वई व्यिश क्षिण प्राणिकारी के कार्यालय में रिगस्ट्री है नारीब 2 फाल्बरी 1985

को कुर्नेक्च सम्पत्ति के उचित्त बाजार भूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तितित की गर्दा पा आर श्रमें यह विश्वास करने का कारण हो कि निमार्ग पार्तित का गणित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सी, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रविद्यत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्निविश्वित उद्भवेषय से अक्त अंतरण सिश्वित में वास्तियक एवं से किंश्व महीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण श्रं हुई किसी बास की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार योगे के अन्तरक के बायित्व में अभी कारने या उससे अधने में स्विचा क्षेत्रिय; और/ कः
- रेंग) एसी किसी अध या किसी धन या अन्य अहिस्तया का चिन्हें भारतीय बायध्यत अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया या सिद्धा जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के शिए।

बतः अब, उब्स विधित्यम् को धारा ७६०-ग के वन्सरण बो, बो उत्तर किनोजाम की धारा ७६०-व हो तथ्यस्य (३) के अधीन निम्नतिथित व्यक्तियों, अधित :--- 1. मैसर्स ज्याति डेवलापर्स।

(भ्रन्तरक)

2 श्री बामनोलकर हुइम एलींजा।

(अन्तरिती)

को यह सुचता जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सुमना के राजवन में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की नामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभापत होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थाबलयों में स किसी व्यक्ति दशरा;
- (व) इस पूर्णा के स्वपूरण को प्रकारण की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगरित को हिसक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा। अभाहस्ताक्षरी के पास निमान से फिए जा सक्ती।

स्पर्वाकरण:—इसमं अयुक्त शब्दां और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गण, हैं।

वम्स्ची

फ्लैंट नं० 31, जो जिल्ली मंजिल, ज्योति प्रपार्टमेंट, एक्सार रोड़, बोरीबली (प०), बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैलाकी ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/14976/84-85 और जो सक्षम प्रधिारी बम्बई द्वारा दिनांकः 1-2-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 1!-10-1985

प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस. -----

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, तहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) श्रार्जन रोंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/15016/84-85----ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दाः;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- फ. से अधिक है

और निमकी संव पनैद नंव 3, जो, नव माना, वर्धमान कुटीर, बी-विंग , शकर ने न , ांविवली (प), बस्वई-67 में स्थित हैं (और इतमें उपावड अनुसूती में अंश पूर्ण कर ने वर्णित हैं) और जिसका करारनामा भाग (अधिनियम 1961 की धारा 269 ए, ख के श्रवीन, बस्वई स्थित अक्षम प्राधि ारी के धार्यात्य में रिस्ट्री हैं। तारीख 1 फरनरी 1985 को पूर्वीन्त सम्पत्ति के उपायन सम्पत्ति सम्पत्ति के उपायन सम्पत्ति सम्पत्ति के अधित सम्पत्ति के अधित सम्पत्ति सम्पति सम्पति सम्पत्ति सम्पति सम्य सम्पति स

को प्वेंक्ति सम्पित् के उपित बाजार भूत्य से लाम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूसी अह विश्वास करने का कारण है कि मभाप्येंक्त मम्पित का उपित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपल, निम्निलिखित उद्देश्य से उपन अनारण निखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (कां) अन्यस्थ स लुक्कं किसी साम की अवस्था । विकास अधिकिया के संबीत कार सोने के अवस्था के सहस्था में कभी अवसे का अवसी कान में लेन कर के हुन, और (बा)
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्त, जिल्ले अपनीय लाइकर की विकास कर्ता (१) १०० कर १ १००० विश्व विकास या भन-कर अधिनियम, 1057 (1957 धन 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना छाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—- 1 मेसर्स वर्धमान बिल्डर्स।

(भ्रन्सरक)

2. श्री बी० जे० शहा।

(भ्रन्तरिती

को मह सूचना धारी करके पूर्वांचर हम्परित के वर्णन के कियू कार्यमाहियां करता हैं।

वक्त सम्पत्ति के भवन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण:---

- (क) इस न्यान के राजपन में प्रकाशन की तारीय में 48 विन की अवधि या तरसंबंधी व्यवितयों पर स्वान की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि अव में समाध्य होता हो, अर्थ भीतर पूर्वाक्ष व्यक्तियों में स्वित्र की कर्या
- (क) इक सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध फिनी अन्य व्यवित द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिमित में किये या सकीये।

स्थक्कीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौं का, वो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अधि होंदा की कम अध्याय में विद्या स्था है।

अनुसूची

प्लैंट नं० 3. जो, तल माता, वर्धमान कुटीर, बी-विंग, गंकर लेन, यांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकी भ० सं० श्रई-4/37-ईई/15016/ 84-85 और जो पक्षम प्रधिशारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रिजस्टर्ड िया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक्त श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन्रेज- 4, **बस्बई**

दिन् : 8-10-1985

मोहरः

प्रकथ नाइ.टी.एन.एस.-----

जासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) में अभीन सूचना.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आग्नित (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांत 14 श्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/15387/84-85—श्रतः, मुसे, लक्ष्मण दाम,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसके इसके पश्कात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैंट नंव 2, जो, तल माला, श्रीजी ६पा को-ग्रापव हार्जिंग सोभायटी लिव, ब्रह्मिया रोड, कारियली (पव), बम्बई-67 में स्थित हैं (और इससे उपावड़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप रे प्रणित हैं) अंतर जिस्का करारनामा श्राय-रूर श्रीवित्यम 1961 की धारा 269 है, ख के श्रवीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याच्या में रिक्ट्री है तारीख 1 फरवरी 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापुत्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल सं, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यंच्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से कार्या करी —

- (क) जनतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बासित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्लिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिइ था, डिपान में सुविधा के लिइ;

जतः क्ष, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वर्षन, निस्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :— श्री भुन्दरनाल के० कल्कला।

(भ्रन्तरक)

 श्री वाई० एच० श्रग्नवाल और के० एच० श्रग्नवाल। (श्रन्तरिती)

को यह तुषना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुमना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अपीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) धन गुचान हे राजपथ मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भोतर अवत स्थायर सम्मत्ति मो हितबद्वध किसी व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विक्ति मो विषय मा स्थाप ।

स्पष्टिकरण:—इसभी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमस्य

फ्लैंट नं० 2, जो, तल माला, श्रीजी उपा को-ग्राप० हार्जीसंग सोसाईटी लि०, ग्रबूरिया रोड, कॉदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसाकी छ० सं० श्रई-4/37-ईई/15387/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रिक्टर्ड िया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 14-10-1985

एक्टर आप ही. एवं **एवं** -----

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-ष (1) के सभीत स्थाना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (जिरीक्षण) भ्राजैन रेज-4, वस्बर्ड

बम्बई, दिनांक 4 ग्रम्लूबर, 1985

निर्देश सं० प्रई-4/37 ईई/14906/84 85—प्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इचमें इसके परवात विकास अविनयम कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विश्वास करणे का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति. जिसका जीवत बाजार मृत्य 1,00 000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैंट नंव ए-10 है जो आदीवली मातृ आणिण को-आएव हार्जीसम संशाहटी लिव कांदिवली (पव), बम्बई 67, में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण कर से वॉफिट हैं)और जिस्सा वरास्तामा आयर अधितियम 1961 की धारा 169 ए, खाने अधीर, बरवई स्थित सक्षम प्राधिवारी के सर्वारत में से सी. ही है तार्र स

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उकित बाबार मृत्य से का के अवागन प्रितिकल के लिए अन्तरिक की गर्य है जी जी जुझे यह विकास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान अतिकत से, एसे दश्यमान अतिकत का पन्तह प्रतिकत से निधक है और गंदरक (अंतरकाँ) और अंदरिकी (अंतरितियाँ) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निक्तिवित उन्योग्य से उक्क बालहम किविया के स्वतिक कम से कांकर नहीं किया गया है देन

- (क) अन्तरण सं तुर्श किसी बाय की बाबस, उच्छ ग्रीभिनियम के अभीन कार योगे के जन्तरक के वाजिल्ल में अभी कहते में उच्चे बच्चे में सुविधा जो हैश्व, बीड/ना
- (क) प्रेसी किसी आम ना किसी भन मा नन्म नास्तियों की किस्हाँ भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्ता गाँधितयम, या धन-कर निधानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया नया या या विद्या लागा लिएए था। छिपाने वां गुविया की किए:

क्तः अतः, अक्त प्रीयिषयः, की पारा 269-व के अपूत्रण में, औं, उस्त अधिनियम की धारा किं∴र की उपसम्पर्धा(1) में अधीतः, निम्हीलिश्वत व्यक्तियों, मर्कत् क्र-ल

- 1. श्री ए० वी० श्रीमानः र और एम० वी० श्रीमानकर (ग्रन्दरक)
- 2. श्री मोरारजी अुंबरजी यहा और किरीट एम० णहा। (श्रन्तरिती)

को यह तुषना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के सिक्ष कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्कत को क्षर्यन के सम्बन्ध में कोड़ों भी बाओप :---

- (क) इस स्वना के राजधन में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की कजींध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन को जबिध जो भी अविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में कि की व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस तूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्षत स्थायर सम्पत्ति मों हितबक्थ हिंक्की अन्य व्यक्तित क्वारा अधोहस्ताक्षरी के कह किक्कि के किए का सकी वे

स्थाकीन्सरण :--- इसमाँ प्रयुक्त सन्दों जीर पर्यों का, जो सन्दर् अधिनियम के अध्याद 20-क में परिजाबिक ही, जहीं वर्ष होंगा को उन अध्यास में दिका नमा है।

प्रनुस्ची

फ्लैट नं० 10, जो कांदिवली मातृ माशिश को-भाष० हार्जीसम लोमाइटी लि०, जांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूचीकी जैसा ऋ० सं० ग्रई 4/37 ईई/14906/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1*2-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-4, बस्बई

दिनां ह: 4-10-1985

मोहरः

प्रकृष क्षाइं. टी. एत. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

क्रिक स्वायक्ष

कार्यासय , महायङ भागकर त्राप्रकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, जम्बद्ध

बम्बई, दिनाँ उ 4 श्रक्तुबर, 1985

निर्वेण सं० श्रई-4/37-ईई/15102/84 85----श्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकाल जिल्ला मिनियम कहा गया है), की भाग 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पत्ति, जिल्ला उधित माजार मूल्य 1,00,000/- राज से अधिक है

और जिसकीं सं० प्लाट नं० 346, जो, प्राणकुटीर सर्वे नं० 65, एच० नं० 1, रामणल्ली, एस० बी० रोड़ के सामने, अंक्विनी (प०), बस्तई-67 में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप प विणत हैं) और जिसआ करारनामा आयण्य अधिनयम 1961 की धारा 369 क, ख के अधीन, बस्बई स्थित जक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही हैं तारीख 1-2-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य में कह के दृष्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अंधत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्र प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अंतरकारें) और बन्तरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-क्ष्म विकासिक्त त्रस्वोंका स्था असरण असरण विश्वास में वाध्यक्तिक क्ष्म में अधिक नहीं विश्वास स्था है ----

- (क) अध्यक्ष में शुर्व जिस्ती काथ की बाबत स्वयस्त क्षिप्त नियम के अभीन अद योगे के जन्तरक ने दायित्व मी कसी कर्ष मा स्वयस समये की मुनिया के लिए? और/या
- (क) ऐसी किसी अहा यह किसी घर भा अन्य बारिसको की, फिल्हों भारतहीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या एकत अधिनियम यह धन-धर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की हालकान सम्मान के प्रवास कर सही किया थना वह सामान के प्रवास कर सही किया थना वह सामान के प्रवास कर हो की परिकार के की निय;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 259-ग के अनुसर्ध में, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीन, निकालिकार प्रक्रिकरणों, अधार्ति:— 1. मेयर्भ अजय जनस्वकार कोनी।

(भ्रन्तरक्)

2. श्री एन० एम० लाज और श्रीमती एच० एन**०** लाल।

(ग्रन्तरिती)

आहे बहु सुखना शहरो अरको वाधारिक सम्मित को अर्थन को पिनः कार्यवाहियां शुरू करका हु।

तक्त सम्परित में जर्पन के सम्बन्ध में ओइ भी नाक्षेप --

- (क) इस समना के राज्यश में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन को शर्मां या तनसम्बन्त की व्यक्तियाँ पर सूजक की सामील भे 30 वित की मन्ति, भो भी नवीं काद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोंकर कविसामें में सिक्ती व्यक्ति हुवाहुत्
- (क्ष) इस गुजना क राजपथ में प्रकाशन की सारीख हैं

 45 जिन के शीनन नक्ष्ण ज्यान मम्परिष्ठ में हिसप्रदेश किया क्रिया क्ष्मिय इकाय अभीहन्ताक्षण अ

 पास लिखित में किए जा सकरी।

स्वयक्षाकरणः — -इस्त्या प्रमुक्ता तपति गेक प्रवर्धकाः **को उपर्य** श्रीकित्यमा अत्यापासा १००० मा परिभावित है, यही कर्म होता यो एद अध्यास यो विक स्था हैं।

नगर ची

प्लाट नं० 345 ए, प्राणकुटीर, सर्वे नं० 65, एच० नं० 1, रामगल्ली, एस० वी० रोड के क्षामने, क्षांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसारी ऋ० सं० श्रई-4/37 ईई/15102/84-85 और जो अस प्राधितारी बस्बई द्वारा दिनोर 1-2-1985 को रजिस्ड िया गया है।

> लक्ष्मण दान सक्षम प्राधिकारी महायह स्रायहर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक : 4-2-1985

प्रकार रहें दें। एवं एम. -- -------

क्षायकर अधितियम . 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रनंत रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ड, धिनांच 8 श्रमतुबर 1985

निर्देश সহ 4/37 ইছ/14821/84-85---সর:, सं० मुझे, लक्ष्मण दाप,

भावकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (धिसे इसमें इसको पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का **कारण है** कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाकार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5, जो, तल मोला, वर्धमान क्टीर, विग बी, शंार लेन, शांदिवली (प०), वम्बर्ध-67 में स्थित है (और इतने उपाबङ अनुसूची में और पर्ण रूप मे वर्णित है) और जिसना करारनामा आयकर अधिनियम 1961 कीं धारा 269 के ख के प्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1 फरवरी 1985 को पर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंदह प्रतिकास से अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकस. निम्निसिस उददेश्य में उक्त अंतरण सिमित में जास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण सं हुई किसी आय की बारत, उक्त अधिनियम के प्रधीन का दोने के अन्तरक ते दामिल्व भें कभी करते या उपमें बचने भें सविभा हे लिए: बौर/बा
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियो कां, जिन्हां भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर मिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियान को सुविधा के लिए।

बतः अव., उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरए में, में, इक्त विधिनियम की भारा 269-ए की उपध्यति (६) क्रे अधीन, निम्निशिक्ति व्यक्तियों, अधीत्.-

40 -346G1/85

मैनर्ग मर्बमान बिल्डर्स।

(श्रन्तरःः)

2. श्रीतिनी पारून िर्नेट बीहरा और किनींट बी० व्हांग ।

(भ्रन्तरिती)

को मह स्थना जारी करके पुर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ग्यानिनयों पर सुधना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.स. सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से \$5 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुवै।

धनसूची "

फ्लैंट नं० 5, जो, तल माला, वर्धमान कुटर, विंग बी-, शंकर लेन कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है। भ्रन्मूची जैसाकी क्र० मं० श्रई 4/37 ईई/14821/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ड विया गया है।

> नथमण दाभ सक्षम प्राधिटारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ्रप्रजेन रेंज-4, ब≭बई

दिनांक: 8-70-1985

संस्टर्

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार १९९१-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय . सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंन-4, बम्बई

बम्बई, दिनांच 14 शक्तूबर, 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/15196/84-85----ग्रतः मुझे, लक्ष्मणदान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चाल, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

मोर जिसकी सं जमीन का हिस्सा जिसकी रेव्हेन्यू सर्वे नं 47, एच० एच० नं० 5, सिटी सर्वे नं० 749, एच० नं० 6 ग्रार० 9, विले , कांदिवली, तालूबा बोरिवली, कांदिवली बम्बई, में स्थित हैं (ऑर इसने उपावड श्रनुसूची में और भूणे रूप मे विणत हैं) और जिसका कारानामा श्रायकर श्रिक्तिमा 1961 की धारा 269 त ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के त्यालिय में रिकिटी हैं, तारीख 1 फरवरी, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किभी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्रीमती ए० एल० में**ड**स और श्रन्य। (श्रन्तरक)
- 2 श्री मोहम्मद श्रनी बहामन्त्रा और श्रन्य। (श्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की सारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यवित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो जक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

जमीन का हिस्सा, जिसका रेव्हेन्य सर्वे नं० 47, एम० नं० 5, सिटी सर्वे नं० 749, एच० नं० 6 और 9, विलेच कांदिवली तालूका बोरिवली, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैलाकि कि० सं० ग्रई-4/37-ईई/15196/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारी दिनाँछ 1-2-1985 को रिकस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी पहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैस रोंप-4, बम्ब**ई**

दितांक: 14-10-1965

प्रकल , बाह्र , दर्श , एस , एस , - - - -

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रार्गन रोग-4, वस्बई

बम्बई, दिन(ए 10 प्रक्तूबर, 1985

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विख्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रः. से अधिक हैं

स्रांस विवका सं विभाग प्रापर्ध हों सं 17, एवं नं 1 (स्रोध), सार दार एतं नं 225 (स्रीध), मीने कान्हेरी, तालुरा बोरियली प्रस्वई में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद स्रमुसूची में स्रोस पूर्ण रूप से बिणा है) रिवस्ट्राकर्ता स्रोध होरा के अयोला बस्पई में विनस्ट्रा हरण स्राधिनयम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, ताराख 13 फरवरी 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह बिकास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्स संपरित का उपित बाजार मूल्य उनक दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तर्कों) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बोच एसे अन्तरण के निए तय पांचा गया प्रतिफल निम्निविधित उपूर्वेश्य से उनत बन्तरण बिद्वित में बान्तरिक रूप से किंवत नहीं किया नवा है ॥——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्ता बिधिनियंत्र के बधीन कर दोने के अन्तरक के दादित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को. जिन्हें भारतीय आय-कर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनयम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिषाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त वीधीनयम की धारा 269-ण के बन्सरण में, में, उक्त विधीनयम की धारा 269-ण की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मैसमें दि० म्युनिसिपल को-स्राप० बैंक लिमिटेड। (भ्रन्तरक)
- 2. मैरार्स बोरिवली मनोगन को-श्रापरेटिश हाउसिंग सोताईटी लि०।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के तिक्ष कार्यवाहियां करता हों।

उन्त सम्मृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कांद्र भी बाक्षेप:---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील स २० दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में रूपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भे रर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :— इरक्षे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ जिथान्यम के जभ्याय 20-क में परिभावित हैं, यही वर्ष होगा को उस जभ्याय में दिया गुवा है।

यनु सूची

अनुसूची जैंगाकी विक्छल संव एसव -888/84 श्रौर जो उप रिजस्ट्रार, बम्बई हारा दिनांक 13-2-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रोज-4, बस्बई

नारीख: 10-10-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/47-जा/87/84-85— ग्रतः **मुझे** लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हुँ

और जिसके। सं० जर्मीन दा हिस्सा, जिसवा प्लाट नं० 17 सी० टी० एड० नं० 1304, सर्वे नं० 158, एड० नं० 3 (श्रंण), विलेज एक्पार, गालुहा बोरिवली, बम्बरीमें स्थित है (और इसमें उपाबद्धं अनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिहार। के हार्यालय बम्बर्द में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के श्रधीन, तारीख 7 फरवर्ग 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रामती मरीया पी० गी० मेंडोंका। (ग्रन्तरक)

 श्रीमती कोश्री फलारेन्स कोरेला। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

रपष्टिकरण: ---इसमें अयुक्त अव्हों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसाको विलेख सं० 720/83 श्रीर जो उप रिजस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 7-2-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4**, बम्बई**

दिनांक: 10-10-85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-4, धम्बई

बम्बई, दिनांदः 10 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-जं1/85/84-85—-ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसके सं० रवें नं० 183/5. सी० टी०एस० नं० 1837/1838. दिल्पर (पृष्टे) . वस्वई-68 में स्थित (और इसत जोंबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है) . रजिद्री- कृती अधि जरों के जार्यात्य बस्वई में रिपस्ट्रास्टरण अधिनियम, 1908 (1908 ज 16) के अधीन, नार खा 11 प्रस्वरी 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्र ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विश्वका; निश्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण विश्विस में बाक्सविक क्ष से क्षित नहीं किया बया है !——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बाँड/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) असे प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कृष्णा के निरा;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ा. श्रामती। ए० छो०। राणे।

(सन्तरक)

2 थाः एस० गारखनाथ।

(ग्रन्तरिते)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्यत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकरेंगे।

ल्पक्टोकरणः---इसमा प्रयोक्त शब्दों और पदौ का, को जक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभावित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ह⁸।

अनुसूची

श्रनुसूनो जैपाको विलेख मं० एस०-2314/80 श्रीर जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई हारादिनों । 11-2-1985 को रजिस्टर्ड, फिया गया है।

> लक्ष्मण दास नक्षम प्राधिकारो सहायङ ग्रायकर ग्रायक्त (निर्शक्षण) ग्रजन रोज-४, बम्बई

दिनांक . 10-10-1985

मोहरः

and the second of the second o

प्रस्य बाहें.टी.एन.एस.-----

नायकर निधनियम्, 196। (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के नधीन स्वता

बार्ध सरकार

कार्याक्यः महायक बायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 10 अवत्बर 1985

निद्धां मं आई ए सी /एक्यू सिरसा/4/84-85---अतः मुझे, बी एल खत्री,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार कृष्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी मं जाट, जो सबर बाजार, सिरसा मों स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से विणित है), र्जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिरना में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 23/2/85

का पृत्रक्ति मन्मात्त के उपित वाजार मून्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल स, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिशों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि मन्तिसिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिस्त में बास्तिक कप म अधिक नहीं कि हा गया है .--

- (फो अल्डर ग १ हाइ। एल मह जाय का बाबत उचत विध-रेनयम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उत्तर अचने में सुविधा के निए; और/या
- (व) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अप्रोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया त्या भा या किया जाना आहिए था छिपान में मुनिधा के लिए;

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजित व्यक्तियों, अर्थीत् :--- सर्व /श्री राम मरुप गोयल,
प्रमोद कुमार पृत्र
श्रीराम मरुप गोयल द्वारा
मास्टर राम कुमार द्वारा
मैं बंसल थियटर, हिसार रोड,
सिरसा।

(अन्तरक)

शर्व/श्री परमजीत सिंह, जसबीर सिंह, कल्वीर सिंह, कल्वीप सिंह, सूरजीत सिंह, वलजीत सिंह, वलजीत सिंह एवं जसपाल सिंह पुत्रान श्री सम्पूर्ण सिंह बजरिय सरदार इम्पारियम, सभाप चौक, सिरसा।

(अन्तरिती)

और यह सुचना जारो करके पृत्रोंक्स सम्पत्ति के वर्षन के तिस् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के तम्बन्ध में कोई भी नाशेष 🎥 🖛

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन को अविधि या तस्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील सं 30 दिन की बन्धि, को भी अवधि बाद मं समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ट व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थाना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीच कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इंबारा, अभोइस्तासरी कें गास निर्धिता में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट जो सदर बाजार, सिरमा में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सिरसा में रिजस्ट्री संख्या 5012 दिनांक 23/2/85 पर दिया है।

बी ∴एल ः क्षत्री सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज , रोहतक

दिनांक : 10/10/85

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 4th November, 1985

No. F. 22/85/SCA(G)/—In pursuance of sub-rule (3) of rule 4 of Order II of Supreme Court Rules, 1966 as amended, the Hon'ble the Chief Justices of India has been pleased to direct that the following days be observed as Court Holidays during the year 1986:

Name of Holiday	Date & Month	Day of the week	No. o Day
Maha Shivratri .	8th March	Saturday	1
Holi .	21st to 27th March	Friday to Thursday	7
Good Friday .	28th March	Friday	1
Ram Navami .	18th April	Friday	1
Mahavir Jayanti .	22nd April	Tuesday	1
Independence Day	15th August	Friday	1
Janmashtami .	27th August	Wednesday	1
Muharram .	15th September	Monday	1
Mahatma Gandhi's		-	
Birthday .	2nd October	Thursday	1
Dussehra Holidays	3rd October to 10th October	Friday to Friday	8
Balmiki Jayanti	17th October	Friday	1
Diwali .	31st October Ist November	Friday and Saturday	2
Bhai Dooj .	3rd November	Monday	1
Christmas and \\ New Year Holidays		Monday to Friday	12

BY ORDER R. SUBBA RAO, Registra Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the October 1985

No. P/2082-Admn.III.—Consequent on his selection for appointment as Assistant Private Secretary on the personal staff for the Minister of State for surface Transport in the Ministry of Transport (Department of Surface Transport). New Delhi on deputation basis. Shri P. K. Kailasa Babu, a regular Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, is hereby relieved of his duties on the afternoon of 7th October. 1985 with instruction to report for duty to the Ministry of Transport.

The 7th October 1985

No. A.38013/2/85-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri K. L. Sood, a permanent Assistant and officiating Section Officer on ad-hoc basis in the CSS cadre of the Union Public Service Commission to retire from Government service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 30th September. 1985 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Eststs.(A) dated the 24th November. 1973.

The 10th October 1985

No. A.32014/1/85-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Bhutani, Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the period from 3rd October, 1985 or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri Bhutani should note that his appointment as Private Secretary (Grade A of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on him any title for absorption in Grade A of CSSS

or seniority in that grade. Further, his appointment is subject to the approval of the Department of Personnel & Training.

No. A. 32014/1/85(i) Admn. I.—The President is pleased to apoint the undermentioned Personal Assistants of the CSSS cadre of Union Public Service Commission as Senior Personal Assistants (Grade 'B' of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the period shown against their names or until further orders, whichever is earlier:—

. Name		Period
1. Shri V. P. Mahajan	•	3-10-85 to 31-12-85
2. Smt. Saroj K. Kapoor		Do.
3. Shri Lakh Raj Gupta		Do.

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade. Further, their appointment is subject to the approval of the Department of Personhel & Training.

The 17th October 1985

No. P.1790/Admn.III.—Consequent on his selection for appointment as Vigilance/Investigating Officer in the Central Bank of India, Shri Kailash Chandra, a permanent Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission and presently working as Desk Officer stands relieved of his duties in this office on the afternoon of 30th October, 1985, on the expiry of his earned leave from 24th October, 1985 to 30th October, 1985.

The 31st October 1985

No. A.38013/3/84-Admn.II.—Consequent upon his attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31st October, 1985. Shri S. P. Bansal, a permanent Assistant Superintendent (Hell) and holding the post of Deputy Controller (DP) on ad-hoc basis has relinquished the charge of the office of the Deputy Controller (DP) in the office of the Union Public Service Commission from the same date.

M. P. JAIN, Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF PERSONNEI & TRAINING, ADMN. REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 6th November 1985

No. D-2/69-Ad.V.—Sb. D. K. Jain, Dy. Legal Adviser, Central Bureau of Investigation relinquished the charge of his office in the afternoon of 31-10-1985, on superannuation.

R. S. NAGPAL, Administrative Officer (E)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL. CRPF

New Delhi-110003, the 31st October 1985

No. O.H.1 182 Ads - 3.—Shri N. A. Hira, Section Officer of the Directorate General, CRPF has been promoted to the grade of Joint Assistant Director (Accts) purely on ad-hoc basis in the P&AO, CRPF, New Delhi with effect from the forenoon of 16th October, 1985.

The 1st November 1985

No. O'll-8/85-Adm-3.—Shri R. K. Jawaharani, Subedar Major (Office Supdt) of the CRPF has been promoted to the grade of Section Officer in the Directorate General, CRPF, New Delhi, with effect from the forenoon of 29th October, 1985.

KISHAN I.AI. Dy. Director (Adm.)

New Delhi-110 003, the 31st October 1985

No. O.II-2001/85-Estt-I—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) Jyotirmayee Lahon as Junior Medical Officer in the CRPT on addice basis with effect from 11-10-1985 (FN) for a period of three mouths or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-2042/85-Estt-I—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. K. Venkateswarlu as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 16-9-1985 for a period of three months or till a regular incumbent joins whichever is earlier.

No. O.II-2042/85-Fistf-f.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. K. Venkateswarlu as funior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 26-8-1985 to 10-9-1985 (AN).

The 5th November 1985

No. O H-185/69-Estt(CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion Shri D K, Suri, Connectant Selection Grade to the rank of Additional DIG of Police CRPF in a temporary capacity till further orders.

2 Shri Suri took over charge of the post on the afternoon of 25-10-1985.

ASHOK RAI MAHFEPATHI Asstt. Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 1st November 1985

No. F-28015/2/85-Pers.H.—Consequent on his retirement from Government service on attaining the age of superannuation. Shri L. R. Wahi relinquished charge of the post of Assistant Commandant (JAO), Central Industrial Security Force Hqrs. New Delhi on 31st October, 1985 (AN).

SUNIL KRISHNA, Asstt. Inspector General (Pers.)

New Delhi-110003, the 8th November 1985

No. E-16016(2)/2/84-Pers.L.—On transfer on deputation from office of the Pay and Accounts Office (Scott.) Ministry of Home Affairs, C.l. Hutments Dalhousie Road, New Delhi, Shri K. K. Bhatnagar, has assumed the charge of the post of Accounts Officer in the Directorate General, Central Industrial Security Force, New Delhi with, effect from the afternoon of 31st October 1985.

Sd /- ILLEGIBLE Director General.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 5th November 1985

No. 10/45/82-Ad I—The President is pleased to appoint Shri V. Subramania wamy, an officer belonging to Grade I of the Indian Statistical Service, and at present working as Deputy Registrar General (Vital Statistics) in the office of the Registrar General (Vital Statistics) in the office of the Registrar General (Vital Statistics) in the same office, on a regular basis for a period not exceeding three years, with effect from the forenoon of the 12th Amist, 1983.

2. His hendquarters will be at New Delhi.

3. This issues in supersession of this office notification No. 10/45/82-Ad.t. dated 6-9-1983.

V. P. PANDEY Jt. Registrar General, India for Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS SECURITY PAPER MILL

Hoshangahad-461 005, the 6th November 1985

No M-6/6251.—In supersession of this office Notification No. M-6/12469 dated 17-2-1983 and No. M6/3952 dated 11/16-7-1983, Shri B. L. Sharma is appointed as Assistant Engineer (Mechanical), against the downgraded post of Engineer (Mechanical), on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FP-35-880-40-1000-FB-40-1200 during the period as indicated below:—

from 1-7-1983 to 28-6-1983 from 1-7-1983 to 28-6-1984 from 1-7-1984 to 28-6-1985

He is firther appointed in the same capacity and scale of pay for the period from 1-7-1985 to 31-12-1985 or till the post of Engineer (Mechanical) is filled up, whichever is earlier.

S. R. PATHAK General Manager

INDIA GOVERNMENT MINT

Bombay, the 31st October 1985

No. 199—On the recommendations made by the Departmental Promotion Committee (Group 'B') in its meeting held on 20th April 1985 the General Manager. India Government Mint, Bombay is pleased to promote Shri N. S. Patil, Dy. Acett. to officiate as Accounts Officer (Group 'B' Gazetted) in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-PB-40-1200 with effect from 1-11-1985.

G. R. KAHATE General Manager

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 6th November 1985

No. Admn.I/O.O. No. 286.—The Director of Audit, Central Revenues-I, New Delhi hereby appoints Shri G. S. Negi, a permanent Section Officer (2009 Asst. Audit Officer) of this office to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 840—1200 with effect from the forenoon of 30th October 1985 until further orders.

No. Admin.I.C.O. No. 289. The Director of Audit. Central Revenues-I. New Delhi ferr by amoints Shri Avinach Chandra Kapoor a Permanent Section Officer (now Assit. Audit Officer) of this effice to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 840—1200 with effect from the forenoon of 4th November 1985 until further orders.

Sd./- ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 6th November 1985

No 4528/A Admn/130/83-85.—On attaining the age of superannuation. Shri K. K. Das, Substantive Audit Officer, refined from service with effect from 31-8-1985 (AN).

B. S. GILL II. Dir of Audit Def. Services,

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

New Delhi, the 1st November 1985

No. AN/II/2606.—The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of Shri Shiam Lal Sharma, Permanent Accounts Officer (O/670) on 17-10-1985.

Shri Shiam Lal Sharma Accounts Officer is accordingly struck off the strength of this Department with effect from 18-10-85 (FN).

A. K. GHOSH Addl. C.G.D.A. (AN)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 6th November 1985 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1498/84-Admn.(G) 1459.—On attaining the age of superannuation, Shri D. N. Sabharwal, Centroller of Imports and Exports in this office retired from Government Service with effect from the afternoon of 31st October, 1985.

No. 6/570/59-Admn.(G)1469.—On attaining the age of superannuation, Shri J. P. Sharma, Dy. Chief Controller of Imports and Exports (Grade II of Central Trade Service) in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st October, 1985.

The 7th November 1985

No. 6/415/56-Admn.(G) 1485.—On attaining the age of superannuation, Shri K. R. Dheer, Joint Chief Controller of Imports and Exports (Grade I of Central Trade Service) in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st October, 1985.

The 8th November 1985

No. 6/1315/Admn.(G)1501.—On attaining the age of superannuation Smt. P. M. Pitale, Controller of Imports & Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Bombay retired from Government Service with effect from the afternoon of 30th September, 1985.

No. 6/516/58-Admn.(G)1507.—Shri S. Narasimhan, an Officer of Grade II of the Central Trade Service and Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports Madras retired from Government service with effect from the afternoon of the 30th September, 1985.

SHANKER CHAND

Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 31st October 1985

No. 12(200)/61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri A. K. Mitra, Director (Gr.II) (Mechanical), Regional Testing Centre, New Delhi to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from afternoom of 30-9-1985.

41—346GI/85

No. 12(24)|67-A(G)Vol.V.—The President is pleased to appoint Shri M. S. Hameed, Dy. Director (Industrial Management Training) Small Industries Service Institute, Madras as Director (Gr. II) (General Administrative D vision) at Small Industries Service Institute, Cuttack on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 30-9-1985 until further orders.

No. A.19018(374)|79-Admn.(G).—Consequent on his reversion from deputation with the Bharat Leather Corporation Ltd., New Delhi as Deputy Manager (Technical) Shri P. P. Puri assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. 1) (Leather/Footwear at Central Footwear Training Centre, Madras under Small Industries Service Institute, Madras on the forenoon of 16-9-1985.

No. A-19018 (790)|85-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri H. K. Ramegowda, Small Industry Promotion Officer (Mechanical) in Small Industry Development Organisation as Asstt. Director (Gr. II) (Mechanical) at Branch Small Industries Service Institute, Silvassa under Small Industries Service Institute, Ahmedabad with effect from the forenoon of 16-9-1985 until further orders.

C. C. ROY, Dy. Director (Admn.)

DEPARTMENT OF SUPPLY DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRTION SECTION A-1)

New Delhi, the 18th October 1985

No. A-1|1(1286).—The Director General of Supplies & Disposals is pleased to appoint Shri Ashok Kumar on his selection by the Union Public Service Commission, to officiate as Assistant Director (Litigation) (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of the 16th October, 1985.

The 1st November 1985

No. A.1|2(440).—Smt. C. M. Kasi Bai, officiating Assistant Director (Administration) (Gr. II) in the office of Director of Supplies & Disposals, Madras retired from Government service with effect from the afternoon of 30th September 1985, on attaining the age of superannuation.

RAJBIR SINGH, Dy. Director (Admn.) for Director General of Supplies & Disposals

(ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi-110 001, the 31st October 1985

No. A-6|247|(447)|67 Vol. III.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Chauhan, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Asstt. Director of Inspection Inspecting Officer (Engg.) (Grade III) of Indian Inspection Service Group 'A') (Engg. Branch) with effect from 5-9-1985 in the pay scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 on ad-hoc basis for a period of six months or till the regular arrangements are made whichever is earlier.

2. Shri S. S. Chauhan relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Engg.) on the afternoon of 4th September, 1985 in the office of Director of Inspection, Calcutta and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the O/o Inspecting Officer, Jaipur on the Forenoon of 5th September, 1985.

No. A-6|247(589) II.—The President is pleased to appoint Shri V. S. Thakur, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Asstt. Director of Inspection/Inspecting Officer (Engg. Grade III) of Indian Inspection Service, (Group A) (Engg. Branch) with effect from 12-9-1985 in the pay scale of

Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 on ad-hoc basis for a period of six months or till the regular arrangement is made whichever is earlier.

I. Shri V. S. Thakur relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Engg.) on the Afternoon of 9th September, 1985 in the office of Director of Inspection, Calcutta and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg. in the office of Director of Inspection, Kanpur on the forenoon of 12th September, 1985.

R. P. SHAHI, Dy. Director (Admn.) for Director Genl. of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL (DEPARTMENT OF STEEL) IRON AND STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 1st November 1985

No. EI-12(74)/85(.).—Shri R. S. Debnath, Accounts Officer, Office of the Controller of Accounts, Department of Supply, Calcutta-1, is hereby appointed on deputation as Accounts Officer with effect from the forenoon of the 18th October 1985, until further orders.

Dy. Iron and Steel Controller

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 18th October 1985

No. F.12-3'/85-Estt —The Director of Archives. Government of India, hereby appoints Kanwar Rajender Sinch. Offg. Microphotographist on ad-hoc basis, to the nost of Microphotographist (Group 'B' Greetted) in the National Archives of India, Record Centre, Jainur, on regular temporary basis, with effect from the forenoon of 15th October 1985, until further orders.

A. K. SHARMA Administrative Officer for Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL: DOORDARSHAN

New Delhi, the 4th November, 1985

No. A-12026/1/83-S-II(Hindi).—Director General: Doordarshan is pleased to appoint the following persons as Hindi Officer on ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650-1200 as per details given below until further orders:—

Sl. No.	Name/Designation	Previous Office where working	Name of office where posted as Hindi Officer	Date from which appointed
1	2	3	4	
1, V S (S	NShri N. M. Dhir tenographer Sr. Grade)	Door- darshan Kendra, Jalandhar	Door- darshan Kondra, Jalandhar	(FN)
	. Ramamurthy, r. Hindi Translator	Directorate of Tobacco Develop- ment, Madras	Doordarshan Kondra, Madras	2-8-85 (FN)

1 2	3	4	.5
3. R.C. Shukla,	Door	Door-	15-7-85
Hindi Translator	darshan	darshan	(FN)
	Kendra	Kendra,	
	Srinagar	Nagpur	
4. S. S. Dhutre,	. Door-	Upgraha	12-8-85
Hindi Translator	darshan	Door-	(FN)
	Kendra,	darshan	
	Gulbarga	Kendra,	
	_	Hyderabad	

T. S. SUNDARESWARAN

Dy. Director of Administration,

for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES ME SECTION

New Delhi, the 1st November 1985

No. A.12026/4/85-ME.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. S. Katyal to the post of Senior Dietician, at Lady Harding Medical College and Smt. S. K. Hospital, New Delhi in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on ad hoc basis with effect from the forenoon of the 7th August 1985 and until further orders.

P. K. GHAI Dy. Director Administration (C&B)

。 Managar - James Ping - Are Table (1985年)。 海外工作的 Are Trap (1985年)) ・ Are Table (1985年))

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 5th November 1985

No. 5(5A)/81-Confn./1810.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Y. K. Thakore, a permanent Foreman, in a substantive capacity as Scientific Officer/Engineer Grade SB in Bhabha Atomic Research Centre with effect from February 1, 1979.

H. R. RENUSHE Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY MADRAS ATOMIC POWER PROJECT Kalpakkam-603 102, the 6th November, 1985

No. MAPP/18(148)/85-Rectt.—The Project Director, Madras Atomic Power Project is pleased to appoint the following officials of this Project to the grade montioned against each, in the same Project, in a temporary capacity with effect from the forenoon of February, 1, 1985 until further orders:

S. Name	Present	Grade to which
No.	grade	appointed.
S/Shri		
1. S. Param isivam	SA/C	Scientific Officer/
		Engineer 'SB'
2. G. Selvakumar	SA/C	Scientific Officer/
		Engineer 'SB'
3. R. Ranganathan	SA/C	Scientific Officer/
		Engineer 'SB'
4. B. Govindarajalou	SA/C	Scientific Officer/
•		Engineer 'SB'
5. D. Varghese Kutty	SA/C	Scientific Officer/
		Engineer 'SB'
		V. K. SANTHANAM
		Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 7th November 1985

No. AMD-1 '9/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Laxmi Kanta Singha, officiating Junior Accounts Officer. Controller General of Accounts Department of Expenditure, Minerals Division on deputation basis with effect from the forenoon of September 9, 1985 until further orders.

Sr. Administrative and Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-17, the 31st October 1985

No. 020/1(15.1)/Estt.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint Shri Krishna Hanamant Rao Navalgund to the post of Scientist/Engineer 'SB' with effect from the forenoon of August 29, 1985 in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space, on a temporary basis and until further orders.

The 6th November 1985

No. 020/1(15.4)/Estt.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the undermentioned persons to the post of Scientist/Engineer 'SB' with effect from the dates mentioned against each in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space, on a temporary basis and until further orders:—

- (a) Shri A. V. Prasad with effect from the forenoon of September 23, 1985.
- (b) Shri M. S. Srinivasan with effect from the forenoon of September 20, 1985.
- (c) Kum. Latha Ramaswamy with effect from the fore-noon of September 23, 1985.

H. S. RAMADAS Administrative Officer-II

CIVIL AVIATION DEPARTMENT OFFICE OF THE

DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi-22, the 24th October 1985

No. A.38013/1/85-EA.—Shri N. V. Dhana Pal, Aerodrome Officer, office of the Director of Aerodrome, Madrasretired from Government services on the 30-9-1985 on attaining the age of superannuation.

M. BHATTACHARJEF
Dy. Director of Administration
For Director General of Civil Aviation

MINISTRY OF TRANSPORT

DEPARTMENT OF SURFACE TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400 038, the 8th November 1985

No. 1%-TR(7)/85.—The President is pleased to appoint Shri Ashok Kumur Awasthi as Engineer Officer in the Directorate of Marine Engineering Training. Bombay on ad-hoc basis with effect from 17-10-1985 (FN) until further orders.

AMITABH CHANDRA Dy. Director General of Shipping

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act 1956 and in the matter of Sukumar and Company (Kuries) P. Ltd.

Cochin-682 011, the 4th November 1985

No. 2364/8044/Liq/560(5)/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Sukumar and Company (Kuries) Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and in the matter of Deepam Chits and Trades (India) P. Ltd.

Cochin-682 011, the 14th October 1985

No. 2332/8008/Liq/560(5)/85.—Notice is hereby given nursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Deepam Chits and Trades (India) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and in the matter of Coastal Paints Private Limited

Cochin-682 011, the 6th November 1985

No. 3042/Liq/560(3)/8179/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Coastal Paints Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. A. VIJAYAN MENON Registrar of Companies, Kerala

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Shell Plastics Private Limited

Calcutta, the 5th November 1985

No. 27575 560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Shell Plastics Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Cherocty (Dinhata) Private Limited

Calcutta, the 5th November 1985

No. 27435/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Cheroots (Dinhata) Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Perfect Film Distributors Private Limited

Calcutta, the 5th November 1985

No. 26323 560(3).—Notice is hereby given pulsuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956,

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Perfect Film Distributors Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of S. Dass & Bros. Private Limited

Calcutta, the 5th November 1985

No. 15048/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the S. Dass & Bros. Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Indrashakti Industries Private Limited

Calcutta, the 5th November 1985

No. 21461, 560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Indrashakti Industries Private Limited unless cause is shown to the contury, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Solokshona Stainless Steels Private Limited

Calcutta, the 5th November 1985

No. 31901/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date held the name of the Sulokshona Stainless Steels Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Aroma Chemicals and Cosmetics Private Limited

Calcutta, the 5th November 1985

No. 22923/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Aroma Chemicals and Cosmetics Private

Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Manjula Fancy Stores Private Limited

Calcutta, the 5th November 1985

No. 24476/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Manjula Fancy Stores Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kalyani Maschinfabrick Private Limited

Calcutta, the 5th November 1985

No. 27107, 560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kalyani Maschinfabrick Private Limited unless cause is shown to the contury, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of EMCO Engineering Works Private Limited

Calcutta, the 5th November 1985

No. 24221/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the EMCO Engineering Works Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of B.G.M. Picture Enterprises Private Limited

Calcutta, the 5th November 1985

No. 26737/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the B.G.M. Picture Enterprises Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

D. K. PAUL Addl. Registrar of Companies West Bengal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. 1.A.C./Acq./SRS/4/84-85,--Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No

Property situated in Sadar Bazar, Sirsa

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa under Registration No. 5012 of Income-tax Rules, 1962 dated 23-2-85

tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; ADO/OF

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Nove, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fell event persone, namely :--

(1) S/Sh. Ram Saroup Goyal, Sh. Parmod Kumar s/o Sh. Ram Saroup Koyal, c/o Master Ram Kumar c/o M/s. Bansal Theatre, Hissar Road, Sirsa.

(Transferor)

(2) S/Sh. Paramjit Singh, Jasbir Singh Kuldeep Singh, Surjeet Singh, Daljit Singh Jaspal Singh as/o Sh. Sampuran Singh c/o Sardar Emporium Subhash Chowk, Sirsa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property is situated in Sadar Bazar, Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5012 dated 23-2-85 with the Sub Registrar, Sirsa.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-10-1985

FORM IT'NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./SRS/3/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Plot situated in Sadar Bazar, Sirsa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration Sirsa under Registration No. 5011 of Income-tax Rules, 1962

dated 23-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sh. Ram Saroup Goyal, Sh. Parmod Kumar so Sh. Ram Saroup Goyal c/o Master Ram Kumar c/o M/s. Bansal Theatre, Hissar Road, Sirsa.

(Transferor)

(2) S/Sh. Parmjit Singh, Jasbir Singh, Kuldeep Singh, Surject Singh, Daljit Singh and Jaspal Singh ss/o Sh. Sampuran Singh c/o Sardar Emporium, Subhash Chowk, Sirsa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persor whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-eation of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot situated in Sadar Bazar Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5011 dated 23-2-85 with the Sub Registrar, Sirsa.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-10-1985

(1) Sh. Krishan Kumar s/o Sh. Khushi Ram s/o Sh. Jairam Dass r/o 4/28, Roop Nagar Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Suraj Bhan s/o Sh. Chandgi Ram r/o 183/3, Urban Estate, Gurgaon Sh. Om Uarkash s/o Sh. Lakshmi Narayan r/o 47/4702, Ragerpura, Karol Bagh, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

'ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/715/84-85.-Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Jand measuring 3.12 bishwas with factory shed situated at Daultabad Road, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 7410 of Income-tax Rules, 1962 dated 4-2-85 1962 dated 4-2-85

for an apparent consideration which is less than reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 3.1/2 biswa with factory shed situated at Daulabad Road, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7410 dated 4-2-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-10-1985

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/714/84-85.--Whereas I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (harcinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

land measuring 6 biswas with factory shed situated at Daulta-

bad Road, Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration Gurgaon under Registration No. 7407 of Income-tax Rules, 1962 dated 4-2-85

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said instrument of ranger with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceamlent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, research: (1) Sh. Haridass s/o Sh. Sh. Khushi Ram s/o Jairam Dass r/o 51-E, Kamla Nagar and Sh. Krishan Kumar s/o Sh. Khushi Ram s/o Jairam Dass r/o 4/28, Roop Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Globe Surgico Industries, Daultabad Road, Gurgaon partuers Sh. Suraj Bhan Aggarwal s/o Shri Chandgi Ram r/o 183/4, Urban Estate, Gurgaon.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used librein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 biswas with factory shed situated at Daultabad Road, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7407 dated 4-2-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-10-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Kartar Singh s/o Sh. Harnam Singh r/o Λ-1/13, Safdarjang Enclave, New Delhi. (Transferor)

(2) S/Sh. Suraj Parkash, Chander Sekhar, Vinod Vohra, Parmod Vohra r/o Som Bhawan, Guru Nanak Naga, Sili Guri, West Bengal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 11th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/626/84-85.--Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,06,000/- and bearing No. House No. 770(P) situated at 4 Urban Estate, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred at per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon under Registration No. 7344 of Income Rules, 1962 dated 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concentment of any inco Pys or other atosts which have not b h ought to be disclosed by the transferse for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-ter Ast, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Propety being house No. 770P situated at 4 Urban Estate, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7344 dated 1-2-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-sections (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons.

42 -346GI/85

and for

Date: 11-10-1985

FORM ITNS.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 8th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./HSR/102/84-85.--Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. land measuring 3 kanals 6 marlas situated at Satroad Khurd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority, Hissar under Registration No. 5080 of Income-tax Rules, 1962 dated 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the mid Act in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. S. D. Ahuja so R. S. Mukand Lal, Sumant Ahuja and Sandip Ahuja ss/o Sh. S. D. Ahuja partners of M/s. Steel Products, Hissar.
- (2) S/Sh. Satnarayan adopted son of Sh. Ganpat Ram, Durga Parshad s/o Sh. Ram Richhpal Dass, Padam Sain s/o Bhim Sain c/o Garg Pipe Co. 393. Old Anaj Mandi, Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are federed in Chan et NYA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 kanals 6 marlas situated at Satroad Teh. Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5080 dated 1-2-85 with the Sub Registrar, Hissar.

> B. L. KHATRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-10-85

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 8th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./KLK/6/84-85.--Whereas 1, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 60 acres situated at Birferozi (and more fully described in the schedule below) has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the competent Authority u/s 262AB of the said Act read with rule 48DD (4) ut Kalka under Registration No. 2528 of Income-tax Rules, 1962 dated 8-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) S/Sh. Joginder Singh s/o Partap Singh, Partap Singh s/o Hukam Singh, Subhjit Kaur w/o Harbirat Singh r/o Karnal.

(Transferor)

(2) Smt. Kaushalaya wd/o late Sh. Hari Chand, Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 60 acres situated at Birferozi and as more mentioned in sale deed registered at Sr. 2528 dated 8-2-85 with the Sub Registrar, Kalka.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak

Date: 8-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./KNL/170/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/ and bearing No.

plot situated at Housing Board Colony, Karnal

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Karnal under Registration No. 7955 of Income-tax Rules, 1962 dated 16-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partie has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay task under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Mohan Singh s/o Sh. Tegbahadur Singh adopted son of Sh. Gurmukh Singh r/o Hospital Road, Harmohan Cottage, Karnal.
- (2) Smt. Tulsi Bai w/o Sh. Parsbotam Dass s/o Sh. Ram Kishan r/o H. No. 529, Housing Board Colony, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to tife acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 38 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot situated at Housing Board Colony, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7955 dated 16-2-85 with the Sub Registrar, Karnal.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 9-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMES-SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./SPT/118/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 29 kanals 14 marks and structure built thereon situated at village Kundli Teh. Sonepat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration

Sonepat under Registration No. 4721 of Income-tax Rules,

1962 dated 7-2-85

for an apparent consideration which is less thant the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the mad Ast, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) fecilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/1. Kinsfolk Industries Pvt. Ltd. 1/893 Tilak Gali Bara Bazar, Kashmere Gaet, Delhi-110006 through its Managi Director Mr. I.shar Singh Thapar. (Transferor)

(2) M/s. Finapack (India) Ltd. through its Director— Sh. Lachhmi Dass Aggarwal, r/o 1-C/30, New Rohtak Road, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty

may be made in writing to the undersigned ;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BERPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property land measuring 29 kanals 14 marias and structure built thereon situate at village Kundli Teh. Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4721 dated 7-2-85 with the Sub Registrar, Sonepat.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perseis, namely :---

Date: 10-10-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th October 1985

Ref. No. I.A.C.IAcq./JND/29/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

land measuring 75 kanals 5 marlas situated at village Kinana Teh. Jind

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jind under Registartion No. 5437 of ncome-tax Rules, 1962 dated 25-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Scotion 269C of the said c.t., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Sh. Harinder Singh uraf Sh. Harminder Singh, Gurinder Singh uraf Gurminder Singh Ss/o Sh. Joginder Singh s/o Sh. Bahadar Singh r/o vill. Kinana Teh. and Distt, Jind.

(Transferor)

(2) M/s. Haryana Equipment Ltd. Registered through its Director Sh. Ram Avtar Aggarwal s/o Sh. Giani Ram Chirimar, Jind Now Sh. Ram Avtar Aggarwal c/o Haryana Equipment Ltd. Calcutta Fan, 30 Chowringhee Road, Calcutta-700016. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this metics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

...Properted being land measuring 75 kanals 5 marlas situated at village Kinana Teh. & Distt. Jind and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5437 dated 25-2-85 with the Subi Registrar, Jind.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Lespecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 9-10-1985

Seel :

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./HSR/103/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 14 kanals 8 marlas situated at Vill. Dabra Teh. & Distt. Hissar (and more fully described in the Schedule appeared because

(and more fully described in the Schedule annexed heroto),

has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the registering Officer at

Hissar under Registration No. 5212 of Income-tax Rules, 1962

dated 8-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Dava Ram s/o Magni r/o vill. Dabra and Mukhtiare-aim Sh. Amar Singh s/o Bhagni R/o Vill. Dubra Tch. & Distt. Hissar.

(Transferor)

(2) M/s. The Hissar Sawatantarta House Building Shop No. 469 Rajguru Market, Hissar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcanid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 14 kanals 8 marlas situated at village Dabra Teh. & Distt. Hissar and as more mentioned in sale deed registered at Sr. 5212 dated 8-2-85 with the Sub Registrar, Hissar.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-10-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD/34/84-85,-Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 15-A, situated at Urban Estate, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Faridabad under Registration No. 4552 of Income-tax Rules, 1962 dated 27-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. Inder Parkash Chandake s/o Sh. Gian Chand Chandake r/o 229, Sector 15-A Faridabad. (Now D-1-C-38-C, Janakpuri, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Krishan Lal Kohli s/o Late Sh. L. R. Kohli r/o 229, Sector 15-A, Faridabad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein he are defined in Chapter XXA of the said Act, EXPLANATION :shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House plot No. 15-A, Urban Estate, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4552 dated 27-2-85 with the Sub Registrar, Faridabad.

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-10-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Gidor Tools India Pvt, Ltd., Delhi.
(Transferor)

(2) M/s. Premier Industrial & Electricals, 1560 Bhagirath Palace, Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq/FBD/26/84 85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000/- and bearing Bungalow plot No. 10 signated at NIT-I, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registration Officer at Faridabad under Registration No. 3616 dated 4-2-1935

dated 4-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nouce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which resent to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being bungalow plot No. 10, NIT-1, Faridabed and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3616 dated 4-2-85 with the suo Registrar, Faridabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 10-10-1985

Scal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

43-346GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

HER THE STATE OF T

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq/HNS/6/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing House No. 18/10 situated at Bajria Chowk, Hansi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1°68 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hansi under Registration No. 2592 of Income-tax Rules, 1962 dated 19-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Ram Dhan S/o Sh. Kanshi Ram & Sh. Lakesh Kumar & Sanjiv Kumar as/o Sh. Ram Dhan 1/0 Hansi.

(Transferor) (2) Smt. Krishna Pal W/o Sh. Surinder Pal, Smt. Lachhmi Devi W/o Sh. Krishan Lal S/o Sh. Paras Ram near Bajaria Chowk, Hansi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorphable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 13/10 Bajria Chowk, Hansi and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2592 dated 19-2-85 with the Sub Registrar, Hansi.

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Date: 10-10-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq/GRG/631/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

and bearing
House No. 447/9 situated at Shivpuri, Gurgaon
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Gurgaon under Registution No. 7692 dated 20-2-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Amolak Singh S/o Mohar Singh, 4-J-5052 Lajpat Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Shiv Raman Vasdevan S/o Mayavan Pilai, Rasika Niwas Vasepura Kau Distt. Trivanderm (Kerala) now H. No. 447/9 Shivpuri Gurgaon. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 447/9 Shivpuri Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7692 dated 20-2-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Robtak

Date: 10-10-1985

FORM LT.N.S.---

(1) Sh. Surjit Lal S/o Aya Singh H. No. 229, Shastri Colony, Yemunanagar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961) (2) Lal Behari Dass S/o Sh. Pulin Behari Dass, C-2, Paper Mills Colony, Yamunanagar. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq/JDR|122/84-85.—Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

House No. 26 measuring 121 sq. yds. situated at Shiv Shankar Puri, Ajad Nagar, Yamunanagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at Jagadhari under Registration No. 5746 dated 14-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the manufacturation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

wanter with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said furniverable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are, defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given verthat Chapter

THE SCHEDULE

Property being House No. 121 sq. yds. si uated at Shiw Shankar Puri, Ajad Nagar, Yamuuanagar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5746 dated 14-2-85 with the Sub Registrar, Jagadhari.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Date : 10-10-1985 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

dated 13-2-1035

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq/RWR/15/84 85.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
House No. 1663-D rimited at Kath Mandi, Rewari
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been trensferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1973) in the Cally of the Registering Officer
at Proc. it under Perfectation No. 3072

to, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforespid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: endior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Om Farkash S/o Sh. Banwari Lal S/o Sh. Shiv Duit r/o Rewari.

(Transferor)

(2) Sh. Shiwam Chawla S/o Sh. Jyotiram Chawla, r/o 1652-D, Kath Maadi, Rewari,

(Transferce)

(3) State Bank of Bikaner & Jaipur, Rewari. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period OA 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecive persons. whichever period expires latery
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Property being house No. 1652-D, Kath Mandl, Rewari and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3072 dated 13-2-85 with the Sub Registrar, Rewarl.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq/FBD/31/84-85.—Whereas, I, B. D. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 393 situated at Sector 15, Faridabad (and more fury described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 4164 of Income-tax Rules, 1962 dated 18-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such turnsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

(1) Sh. Kudarat Singh S/o Sh. Raja Singh r/o H. No. 3915 Mori Gate, Delhi now 44 Sector 15-A, Faridabad through Mukhtiarenm Sh. Rattan Lal Gupta S/o Sh. Mihu Ram Gupta r/o 34 Municipal Flat, Kamla Nagar Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Sunita Gupta W/o Sh. Jai Shankar Gupta S/o Sh. Rattan Lal Gupta r/o 393 Sector 15 Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 393 Sector 15 Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4164 dated 18-2-85 with the Sub Registar, Faridabad.

B. L. KHATRI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-10-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq/AMB/130/34-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. House No. 14 situated at Manoli House, Ambala City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala under Registration No. 7630 of Income-tax Rules,

1962 dated 1-2-85 for an appearan consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ot:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Major Avinash Chander Narang S/o Sh. Faqir Chand r/o 44 Manoli House, Ambala City

(Transferor)

(2) Kanwar Sushil Kumar S/o Jang Bahadur and Smt. Raj Kumari W/o Sh. Kanwar Sushil Kufar r/o Badail U.T., Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 44, Manoli House, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7630 dated 1-2-85 with the Sub Registrar, Ambala.

R. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 10-10-1985

FORM ITNS----

(1) Shri Tirlocch Singh s/o Shri Khem Singh 5-G/41, New Tewnship, Faridabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Radhey Shyam s/o Shri Parbhu Dayal r/o Mohna Teh. Ballabgarh Distt. Faridabad. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 7th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq/FBD/28/04-85.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

B. L. KHAIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000% and bearing No. Hence No. 1083 measuring 133 sq. yd. situated at Sector 7-C. Faridabad (on Linguis fally, described in the Schoolule annexed barreto).

No. House No. 1083 measuring 133 sq. yd. situated at Sictor 7-C, Faridi bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 260AB of the said Act read with rule 48DD(4) Faridi bad under Regista ion No. 3935 dated 13-285, which is best than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value A the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that I have note than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any one news on other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whenever yeared express tater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same morning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 1083 measuring 133 sq. yds. situated at Sector 7-C, Faticabed and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3935 dated 13-2-85 with the Sub Registrar, Fatidabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rehtak

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 7th October 1985

Ref. No. 1.A.C./Acq/BRR/21/84-85.--Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at near Railway Station, Barara,

(and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered with the Competent Authority v/s 26 AB + f the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1902 under registration

Barara under Registration No. 7085 dated 21-2-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilityof the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
44—346GI/85 (4) Shri Manchar Lal s/o Shri Chanan Shah, Dilbagh Ram s. o Bhim Sain, Vald Luckath, Subhash Chand s/o Mangal Sain, Sahabad. (Transferor)

(2) Narinder Kumar, Ravinder Kumar ss/o Shri Babu Ram near Kudway Station, Barara Distr. Ambala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being house situated near Railway Station, Barara Distt. Ambala and a₅ more mentioned in the safe deed registered at Sr. No. 7085 dated 21-2-85 with the Sab Registrar. Barura.

> B. I. KHATRI Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 7-10-1985

FORM NO. IT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IA: ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 7th October 1985

Ref.: No. 1.A.C./Acq./KNL/172, 84-85.—Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Compitent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sho.) No. V(II. 536 structed at Railway Road,

Karnal, _ [#] \\ (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transicired under the Registration Act, 1998 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer

Karnal under Registration No. 8001 dated 21-2-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arraing from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ed 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the followaforesaid property by the issue of this notice under subing persons, namely :-

(1) Shri Jeginder Singh s/o Shri Jeewan Singh r₂ o Subhash Colony, Karnal.

(Transferor)

(2) S. Shii Kamul Narayan s. o Lahori Lal, Lohan Lal s/o Sunder Dass, Surinder Kumar and Yashpal Sahni 85/0 Hari Ram, Mohalla Nechy Band, Kapurthla (Punjab).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Shop No. VIII 536 situated at Railway Road, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 8001 dated 21-2-1985 with the Sub Registrar, Karnal.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 7-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 S/Sh. Dharamy, Mohan, Krishan Chander, Azau Rai Mohan S/o. Gopal Chand Mohan, R/o. 251/1 Fanipat.

(Transferor)

 Sh. Raj Kumar, S/o. Sh. Bana.si Lal Mehta, R/o. Panipat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 7th October 1985

Ref. No. L. A. C./Acq./PNP/129/84-85 \sim -Whetees, 1, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 106 000 4, and bearing

Rs. 1,06,000/- and bearing Land measuring 19 bigha 4 biswa, situated at Patti Insar, Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regissration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer

at Panipat under Registration No. 5312 date February 1985 for an apparent consideration who has less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that like consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein an are defined in Chapter AKA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SHEDULE

Property being land measuring 19 bigha 4 biswa situated at Patti Insar, Panipat and as more mentioned in sale deed registered at Sr. No. 5912 dated February, 1985 with thte sub Registrar, Panipat.

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-10-1985

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Krishna, W/o. Sh. Jagbir Singh, R/o. Sonepat Road, Rothik.

(Transferor)

(2) M/s. Industrial Cables Indian 1td. Industrial Area. Rapura (Punjab) C/o Sh. Inderject Singh Bhandari, Manager Construction.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 7th October 1985

Ref. No. 1.A.C./Acq./RTK/51'84-85.--Whereas, I, B. J. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,60.000/- and bearing No.

I and m.kearing 2 kerni 155/2 marla situated at Padda Teh.

& Distt Robia!.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred to der the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registrate Officer

at Rohtak under Regist ation No. 8428 dated 15-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the accressid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act. in respect of any income arising from the transferr andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any thoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of tar publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 kanals 15.1/2 marlas situated at Padda Teb. & Distt. Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 8428 dated 15-2-1985 with the Sub Registrar, Rohtak.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subprection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-10-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1461 (43 OF 1961)

THE TABLE AND A PROPERTY OF THE PROPERTY OF TH

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHINE

Robtak, the 8th Cetober 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./BWN/29/84-85.--Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961), thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to indieve that the immovable property, having a tan market value exceeding Ps. 1,00,000 (- and bearing House No. 139.8 situated at Kr's na Colony, Bhiwani

House No. 139.8 situated at Kris na Colony, Bhiwani (and more fully described in the self-fulle annexed hereto), has been transferred under the experience Act, 1998 (16 of 1908) in the Registering Officer.

at Bhiwani under Registration No. 3701 dated 27-2-1985 for an apparent of alteration of a best turn the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

ramsfar with the object of .--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and fer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following rsons, teamely:—

(1) Sh. Milkha Ram, S/o. Sh. Bisanda Ram, S/o. Sh. Mool Chand, R/o. 139/8, Krishna Colony, Bhiwani.

(Transferor)

(2) Sh. Ramesh, S/o. Dr. Ladhk Ram, S/o. Kanhiya Lal, R/o. 134/8, Krishna Colony, Bhiwani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said properts may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same hard shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 139/8 Krishna Colony, Bhiwani and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3801 dated 27-2-1985 with the sub Registrar, Bhiwani.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Rohtak

Date: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

S/Shri Ram Lal,
 S/o. Sh. Tirath Ram,
 atish Kumar,
 S/o. Sh. Sardari Lal,
 R/o. Param Hans Kutia,

(Transferor)

(2) M/s. Ludhiana Housie & Textile Association, Chowk Madhopuri, Ludhiana through Sh. Tersaim Lal Jain, S/o. Sh. Babu Ram Maha Sachiv.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. I.A.C. Acq./PNP/124/84-85.—Whereas, I, B. L. KHATKI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. land mea uring 9 kanals situated at village. Kabri

and mea uring 9 kanals situated at village. Kabri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of

Registering Officer at at Panipat under Registration No. 5577 dated February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the is parent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 9 kanals situated at village Kabri and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5577 dated February, 1985 with the Sub Registrar, Panipat.

B. 1. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons paraely:—

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PART III-SEC. 1]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1985

Ref. No. 1.A.C./Acq./FBD/27/84-85.--Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 1-B situated at 207, New Township, Faridabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer

at Faridabad under Registration No. 3634 dated 4-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :--

Sh. Tara Chand. S/o.Sh. Dewan Chand, R/o. 1-B, 207 New Township, Faridabad.

(Tinr feror)

(2) S/Sh. Kanwal Nain, Sarjan Lal, Kanhiya Lal, S. o. Sh. Ramji Lal, S. o. Ram Chand, R/o. 1-H, 92, New Township Faridabad. · (Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 1-B, 207 New Township, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3634 dated 4-2-1985 with the Sub Registrar, Paridabad.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Rohtak

Date: 11-10-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Robtak, the 11th October 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./Fbd./30/84-85.--Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 5-K61 situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Office.

at Faridabad under Registration No. 4082 dated 15-2-1985 for an apparent consideration, which is less than the late market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair nurket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) Smt. Sus Wa Kunori, W. O. Sh. Foldan and Taneja, R/O. S-K, New Towes to Foriabad through Mukh-tiane-Am Sh. Faqis Chand S. O. Sh. Devi Ditta Ram, R/o. E-36, Nehru Ground, New Township,
 - (Transferor)

(2) Smi. Hamia Devi, W. o. Roshan, Sund Kumar, Shyam Sunder, S/o. Sh. Roshan Lal,

R/o, 5-K-52-C, New Township Faridabad. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of, 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 5-K-61 Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4082 dated 15-2-1985 with the sub Registrar, Faridabad,

> B. L. KHATRI
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. CHD/149/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-2x Acquisit on Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Kothi No. 45, situated at Sector 5, Chandigarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarn in Feb.uary 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the raid instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

(1) Mrs. Gian Sukhdeep Kaur w/o Shri Makhan Singh Shri Sardul Singh, Jagjit Singh ss/o Shri Bhan Singh Mrs. Gajinder Kaur for self and as attorney of S/Sh. Ku bir Singh, Revinder Singh Khokhar, Jasvinder Singh Khokhar s3/o Shri Surjit Bahadur Singh and Smt. Jasbir Kaur d/o Shri Surjit Bahadur Singh r/o H. No. 45, Sector 5, Chandigarh.

(Transferor)
(2) Shri Gurdarslun Singh s/o Shri Gurbachan Singh,
Mrs. Gursharan Kaur D/o Gurbachan Singh
Sewa Bhawan, Nabha (Punjab).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 45, Sector 5. Chandigath. (The property as mentioned in the sale deed No. 1167 of February 1985 of the Registering Authority, Chandigath.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1985

Seni :

45-346GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. CHD/176/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing

No. House No. 1777 situated at Sector 34C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Chandigarh in February 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and fee.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Shanta Sharma w/o Shri M. L. Sharma, Shri M. L. Sharma S/o Shri Sham Dass, House No. 1281, ec. 33C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Gurbax Singh Gandhi S/o Shri Gopal Singh through legal heir Smt. Manjit Kaur Gandhi, & Smt. Manjit Kaur Gandhi W/o Shri. Gurbax Singh C/o Mrs. Sarita Sachdeva, H. No. 1053, Sector 36C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1177, Sector 34C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1297 of February 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 10-10-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. CHD/148/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 1282, situated at Sector 34C, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

of the Competent Authority
Chandigarh in February 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—-

(a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Subhash Chand Chopra S/o Shri Nathu Ram Chopra and Mrs. Savindra Kumar Chopra W/o Shri Subhash Chand Chopra R/o H. No. 1282, Sector 34C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Amarjit Kaur Kohli W/o S. Gurcharan Singh Kohli and Master Navncet Singh Kohli (minor) son of S. Gurcharan Singh Kohli through his natural guardian and mother Smt. Amarjit Kaur Kohli R/o H. No. 3372, Sector 46C, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

House No. 1282, Sector 34C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1165 of February 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Sat Pal Chopra s/o Shri Jagdish Chander r/o H. No. 3994, Sector 22D, Chandigath.

(Transferor)
(2) Shri Narinder Singh Sehgal s/o S. Sardar Singh
Sehgal, Shri Balbir Singh Sehgal, s/o S. Narinder
Singh Sehgal r/o H. No. 1613, Phase, 3-B-2-Mohali
Teh. Kharar Teh. Kharar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. KHR/94/84-85.--Whereas, I. JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. H. No. 2622, situated at Phase VII, Mobili.

Teh. Kharar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Kharar in February 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifthen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parkers has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b' facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 2622, Phase VII, Mohali Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 4300 of February 1985 of the Registering Authority Kharar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dato: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No KHR/95/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

H. No. 844, situated at Phase IV, Mohali, Teh. Kharar, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to betieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the end Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tas Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kailash Bani W/o Sh. Jagdish Lal R/o H. No. 3946, Sector 22-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2)Smt. Savitri Devi W/o S. Durshan Singh R/o H. No. 844, Phase IV, Mohali Teh. Kharar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

House No. 844, Phase IV, Mohali Teh. Kanana. (The property as mentioned in the sale deed No. 4301 of Feb. 85, of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-10-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. KHR/98/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Incrme-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a air market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 1638, si uated at Phase 7, Mohali Teh. Kharar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in Feb. 1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property 25 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfe with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A:1. I hereby initiat: proceeding for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Mohinder Singh S/o S. Amar Singh R/o Vill. Khanpur, Teh. Kharar now Kothi No. 128, Sector 20-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Bakhshinder Singh S/o S. Milakha Singh R/o H. No. 2044, Phase-7, Mohali Teh. Kharar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1638, Phase-7, Mohali, Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 4391 of Feb. 1985, of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. KHR/102/84-85.--Whereas, I,

JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No. House No. 9,

situated at Phase IV, Mohali, Teh. Kharar.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kharar in Feb. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri B. K. Chopra S/o Sh. Kesho Nath D. E. T. Shimla.

(Transferor)

(2) Shri Bhagat Singh Bhatia S/o Aran Singh Bhatia House No. 217, Sector 37-A, Chandigarh now at House No. 3, Rattan Nagar, New Delhi-110 005.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDITE

House No. 9, Phase IV, Mohali, Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed 4653 of Feb., 1985 of the Registering Authority, Kharar.) deed No.

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1, of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-10-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. DBS/38/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act 7, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. land 37 Bigas 11 Viswas situated at Village Kishan pura, Sub Tehsil Dera Bassi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1008) in the Office of the Paritation Office of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Dera Bassi Feb., 1985 to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(1) Sn. Sham Sunder Snarma S/o Sh. Kedar Nath Sharma R/o H. No. 229, Sector 9. Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Shavinder Singh Rajwant S/o Sh. Vir Inder Singh, HUF, Resident of H. No. 1014. Sector 8-C. Chandigarh,

(Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; in that Chapter.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explantion:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (n) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHFDULE

Land measuring 37 Bigas and 11 Viswas at Village Kishan pura, Sub Tchsil Dera Bassi.
(The property as mentioned in the sale deed 1459 of Feb., 85 of the registering authority Dera Bassi.) deed No.

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. DBS/58-A/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 14 Bigas & 15 Biswas, situated at Kishan pura. Sub-Teh. Dera Bassi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dera Bassi Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-

ween the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
45—346GI/85

 Sh. Vinod Kumar Sharma, S/o Kidar Nath Sharma, R/o H. No. 229, Sector 9, Chandlearh.

(Transferor)

(2) Sh. Shavinder Singh Rajwant S/o Sh. Variner Singh, Resident H. No. 1014, Sector 8-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 14 Bighas 15 Viswas at Village Kishanpura. Sub Tehsil Dera Bassi. (The property as mentioned in the sale deed No. 1460 of February, 1985 of the registering authority Dera Bassi.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-10-1985

FORM LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. DBS/39/84-85.-Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing measuring 45 Bigas 12 Viswas at Village Kishanpura, Sub-Tehsil Dera Bassi. situated at Village Kishan pura, Sub Tehsil Dera Bassi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dera Bassi Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trans-

fer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax ander the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) lacilitating the concealment of any facome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection. (1) of Section 269D of the said Act, to the followna persons, namely :---

(1) Sh. Vinod Kumar Sharma & Sons HUF and Kedar Nath Sharma Sham Sunder Sharma & Sons, HUF Ss/o Sh. Kedar Nath Sharma resident H. No. 229, Sector 9-C. Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Tarjit Kaur W/o Sh. Shavinder Singh Raiwant, R/o H. No. 1230, Sector-8. Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDURE

Land measuring 45 Bigas 12 Biswas at Village Kishanpura.

Sub Tehsil Dera Bassi.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1461 of February 1985 of the registering authority Dera Bassi.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. CHD/147/84-85.—Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 1206 situated at Sector 15B, Chandigarh.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chandigarh in February, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the
property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri J. P. Mohan S/o Sh. Jagan Nath R/o House No. 1206, Sector 15B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) 1. Shri Janak Singh S/o S. Jaman Singh

2. Smt. Jaswani Kaur W/o S. Janak Singh, C/o Oriental Hotel & Restaurant, 4-Darshani Gate,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1206, Sector 15B, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1159 of Feb., 1985 of the Registering Authoriv, Chandigarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-10-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1985

Ref. No. CHD/179/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Plot No. 435

situated at Sector 37A. Chandagarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lightly of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income scising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

(1) Sh. Vijay Malik S/o Sh. Duni Chand Malik & Smt. Santosh Mulik W/o Sh. Vijay Malik R/o House No. 671, Sector 11B. Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shrimati Gurdeep Kaur W/o Joginder Singh, Houst No. 349, Sector 37A. Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 435, Sector 37A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1317 of Feb., 1985 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :---

Date: 11-10-1985

Beal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Jaswinder Kaur W/o S. Kuldeep Singh H. No. 662, Sector 33B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Dr. Bhajan Singh Grewal S/o Sh. Gajjan Singh House No. 281, Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1985

Ref. No. CHD/173/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
House No. 1837
situated at Secor 34D, Chandigarh.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in he office of the Registering Officer at

Chandigarh in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bilieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1837, Sector 34D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1279 of Fibruary, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-10-1985

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhigna, the 10th October 1985

Ref. No. 237/Feb. 85.-Whereas, I,

JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

rand bearing No.
Factory Building No. B. XXIII.569 (No. 12-A) situated at Textile Colony, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay our under the said Act, in respect of any income arising from the transfers end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferent for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth etc. 1957 (27 of 1957);

Shri Chaman Lal Bhatla, S/o Shri Daulat Ram Bhatia, House No. B.IV.1775, Ghass Mandi, Ludhlana.

(Transferor)

(2) Smt. Parkash Kaur, W/o S. Bhagwan Singh and Shri Paramit Singh, S/o Bhagwan Singh, R/o A-13, Panchyai Colony, Delhi-33, now at A-12, Textile Colony,

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immer-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EMPLANATION: :- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE COMEDULE

Factory Building No. B.XXIII.569 (No. 12A) Textile Colony, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No. 11646 of February, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Impecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludbiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-10-1985;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. LDH /660/84-85.--Whereas, 1,

ICISINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No. Portion of H. No. B-VIII-219, a tuated at Mocopura Road,

Ludhiana

has been transferred as per peed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concediment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 S/Shri Dessa Singh S/o Shri Ganpat Rai, Vir Singh S/o Shri Ram Singh, Smt. Jaswant Kaur w/o Shri Ram Singh and Smt. Paramjit Kaur w/o Shri Kulwant Singh, R/o H. No. B-VIII-219, Mochpura Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Parkash Chand and Kesho Ram, s/o Shri Hans Raj, Geja Ram and Banarasi Das, ss/o Shri Ram Gopal, R/o 494/9, Harpal Negar, Ludhlana anl S/Shri Ram Nara'n, Sita Ram, Ashok Kumar, 89/o Shri Nand Lal, R/o 1835, Basti Abdulla Pur, Ludhiana.

(3) S/Shri Bishan Dass Ahuja, Ram Narain. (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a reriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. B-VIII-219, Mochpura Bazar, Ludhiana. (The property as mentioned in the Sale Deed No. 11836 of February, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. LDH/661/84-85.-Whereas, I, JCJINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Portion of H. No. B-VIII-219 situated at Mochpura Road,

Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred at per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhian in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; eni/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Stetion 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Jaswant Keur w/o Shri Vir Singh, Shri Vir Singh s/o Shri Ram Singh, Smt. Paramit Kaur w/o Kulwant Singh, Shri Desa Singh s/o Shri Ganpat Rai, R/o B-VIII-219, Mochpura Road, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) S/Shri Ram Narain, Sita Ram, Ashok Kumar, 88/0 Shri Nand Lal, R/0 1835, Basti Abdullapur, Ludhiana, S/Shri Parkash Chand, Kesho Ram, 65/o Shri Hans Raj and S/Shri Geja Ram, Banarsi Dass, 85/o Shri Ram Gopal, R/o 494/9, Harpal Nagar, Ludhlana.
- (Transferce) (3) S/Shri Ram Narain and Geja Ram. (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. B-VIII-219, Mochpura Bazar, Ludhiana. (The property as mentioned in the Sale Deed No. 11837 of February, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1985

Seel:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1985

Ref. No. LDH/654A/84-85.--Whereas, I. JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and bearing Portion of H. No. B.18 3652/5H/3 situated at Green Field,

Model Gram, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

et Chandigarh in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mose than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer are agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Harvinder Pal Singh, S/o S. Santokh Singh, 185, Green Field, Model Gram, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Manjit Kaur W/o S. Tarlok Singh, R/o B. 18.3652/5H/3, Green Field, Model Gram, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No B.18.3652/5H/3, Green Field, Model Gram, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 11738 of February, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludh'ana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. Panely:—

47---346GI/85

Date: 11-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. LDH/633/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to un the 'said Act'), have reason to believe that the immer-able property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing House No. B.XX.1157 (Portion) situated at Sarabha Nagar, 1 udbiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in February, 1985

for an apparent consideration which is less than reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) familitating the consealment any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferse the purposes of the Indian Income-tax Act, 1 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957); Wealth-tax

(1) S/Shri Jagjit Singh, Jagmit Singh, Avtar Singh, s/o S. Bachan Singh, R/o V. Phullanwal Tehsil Ludhiana, through attorney Shri Vipan Kumar, S/o Shri Dev Raj, 745, Sargodha Colony, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Prem Kumar S/o Shri Bhagat Ram, R/o S-18, Vikas Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

if any, to the acquisition of the said preperty

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said REPLANATION :-Act, thall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. B.XX.1157, Sarabha Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 11383 of February, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludh ana

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref No. LDH/634/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

House No. B.XX 1157 (Portion situated at Sarabha Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Ludhiana in February, 1985

for an appalent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and J

bare reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 t11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the said Act. I hereby initiate proceedings for the accusistion of the aforest d property by the issue of this notice—under subsection (1) of Section 269D of the said has a the fivelowing persons, namely:—

 S/Shri Jagjit Singh, Jagmit Singh, Avtar Singh, S/o S. Bachan Singh, R/o V. Pullanwal, Tehsil Ludhiana, through attorney Shri Vipan Kumar, S/o Shri Dev Raj, R/o 745, Sargodha Colony, Ludhiana.

(2) Shri Prem Kumar S/o Shri Bhagat Ram, R/o S-18, Vikas Nagar, Ludhlana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. B.XX,1157, Sarabha Nagw, Ludhiana, (The property as mentioned in the sale deed No. 11425 of February, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhlana

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1985

Ref. No. CHD/162/84-85.-Whereas, I, JOGINDER SINGH.

of transfer with the object of :-

JOGINDER SINGH.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market valut exceeding
exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
Plot No. 2, situated at Transport Area, Chandigarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of tran

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to per tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any ncome or any noneys or other assets which have no been or which ought to be disclosed by the trans erec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Vealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, increfore, in pursuance of Section 269°C of the said feet. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under ensection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s New Suraj Transport Co. Pvt. Ltd., through Shri B. K. Saini, Chairman, Gandhi Gate. Amritsar.

(Transferor)

- (2) 1. Shii Satnam Singh Sio Sardar Ladha Singh, C/o Delhi Punjab Goods Carrier, (Regd.), G. T. Road, Patel Chowk, Jalandhar City.
 - M/s Gill Sandhu Haryana Transport Company, through Shri Harbans Singh, Head Office, Gurgaon (Haryana).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official wwette.

FXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said As shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2, Transport Area, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1236 of February, 1985 of the Registering Authority, Chandigerh.)

> TOGINDER, SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1985

Ref. No. CHD/181/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Plot No. 358 situated at Sector 38-A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Chandigarh in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ramji Dass through his attorney, Shri K. K. Goyal, House No. 1267, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Bir Kaur W/o S. Sudershan Singh, House No. 378, Sector 38-A, Chandigath

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 353. Sector 38-A, Chondigarh, (The property as mentioned in the sale deed No. 1327 of February, 1983 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> JOGINDER: SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludh'ana

Now, herefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26°D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely: -

Date: 11-10-1985

FORM No. ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Raminder Kaur W/o S. Kullip Singh, House No. 564, Sector 8-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Gurdial Kaur W/o S. Ranjit Singh,

 Shri Mewa Singh S/o S. Ranjit Singh,
 Shri Mohan Singh S/o S. Ranjit Singh, R/o V. Sadikpur, Tehsil Sirhind, District Patiala.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVINUE BUILDING

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. CHD/170/84-85.—Whereas, J. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a Fair Market Value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S.C.F. No. 2 situated at Sector 24, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.F. No. 2, Sector 24, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1264 of February, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludh ana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the paid Act to the following persons, mamely :-

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ram Nath S/o Shri Shiv LaI, Vill. Raisari, Teh., District Una.

(Transferor)

(2) M/s Navjyoti Engineering Private Limited, Vill. Raisari, Teh. and District Una (H.P.) (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th October 1985

Rcf. No. UNA/1/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing Land measuring 37 Kanal 18 Marias situated at Vill. Raisari,

Teh., District Una (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Una in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforessid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 37 Kanal 18 Marlas situated at ill Raisari, Teh., District Una (H.P.).

(The property as mentioned in the sale deed No. 152 of February 1985 of the Registering Authority Una.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX $\Delta \in I \cap \mathcal{H}1$ (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Rcf. No. CHD/154|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Runge, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing SCF No. 8, situated at Sector 18-C, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigath in February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) racilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Gopal Bansal S/o Late Shri Kishori Lal Bansal R o H. No. 1225 Sector 19-B, Chandigath.

(Transferor)

(2) Shri Trivender Singh, Shri Tagmohan Singh and Shri Surjeet Singh Ss/o Shri Gurdit Singh R/o H. No. 2084, Sector 61, Phase VII, Mohali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

SCF No. 8, Sector 18-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1182 of February, 1985, of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 8-10-1785

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. G.I.R. No. R-260/Acq.—Wheeras, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Ass.\(\) ant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No.
House No. 7, situated at Sector 33-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons mamely :--48-346GI/85

(1) Shri Ajmer Singh S/o Shri Lekh Singh, R/o H. No. 93, Sector 33-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Shavinder Kaur W/o Shri Raminder Singh Grewal, Shri Tejinder Singh Grewal
S/o Harminder Singh Grewal
Through his general attorney
Smt. Joginder Kaur R/o House No. 2533, Sector 19-C. Chandigarh.

(Transferce)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 7, Sector 33-A, Chandigarh.

(The property mentioned in the sale deed No. 1232 of February, 1985, of the Registering Authority, Chandigarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. CHD/153/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and baring SCO No. 439-440, situated at Sector 35-C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigath in February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Yability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Kanwar Vishvjit Prithvijit Singh S/o Shri Kanwar Prithvjit Singh Shri Surendra Singh Chaudhry S/o Shri Joginder Singh Chaudhry Smt. Rani Aanjana Singh Chaudhry Smt. Rani Aanjana Singh Wd/o Kanwar Ranjit Singh, Miss Kumkum Malhotra D/o Shri Prem Nath Malhotra Shri Om Parkash S/o Shri Palli Ram Sharma, S. Amarjit Singh Sethi S/o Shri Ram Lal Sethi Through attorney/sub-attorney, Shri Chaman Lal Sharma S/o Shri Gurcharan Dass R/o H. No. 1573, Sector 18-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Dr. Iqbal Singh
S/o Late S. Inderjit Singh
R/o 110 South Model Gram,
Judhiana for self and as attorney of
Shri Bikramjit Singh
S/o Late S. Inderjit Singh
Mrs. Rajbans Kaur
W/o Late Inderjit Singh
Dr. Pritpal Singh
S/o Late S. Chittar Singh
Shri Preet Mohinder Singh
S/o Dr. Pritpal Singh
Dr. Jaswinder Singh
Dr. Jaswinder Singh
S/o Dr. Kabal Singh
Maj. J. S. Jodha
S/o Late Maj. T. S. Jodha
Shri Tejinder Singh
S/o Late S. Parkash Singh
Mrs. Mohinder Kaur
W/o Late S. Parkash
S. Bhagat Singh
S/o Late S. Saran Singh through
Dr. Iqbal Singh
All r/o C/o 183 Sector 11A,
Chandigarh.

(Transferec)

(3) State Bank of Patiala, SCO No. 439-40, Sector 35-C, Chandigarh.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chanter XXA of the said.

Act. shall have the same meaning as given in that Chaster.

THE SCHEDULE

SCO No. 439-440, Sector 35-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1181 of February, 1985, of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. CHD/158/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assis, ant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000-1 and bearing No. Plot No. 558, situated at Sector 36, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sham Kaur W/o S. Modhan Singh R/o H. No. 3296, Sector 15-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Gurpreet Singh Randhawa Singh, S/o Shri Gurbachan Singh Randhawa Smt. Amarjit Kaur W/o S. Gurbachan Singh Randhawa R/o H. No. 204, Sector 36-A, Chandigarh,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by may of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaptet.

THE SCHEDULE

Plot No. 558, Sector 36, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1215 of February, 1985, of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 8-10-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. KHR/97/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisinon Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00 000 '- and bearing H. No. 1778, Phase 3-B-2, situated at Mohali, Teh, Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transitioned and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent authority at Kharar in February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afcresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-taz Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I levely initiate proceedings for the acquisition of the aforesair property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:

 Smt. Sona K. Kumar W/o Shri Kirti Kumar R/o H. No. 1778, Phase, 3B-2, Mohali Teh, Kharar.

(Transferor)

(2) Smt. Amtit Kaur W/o S. Pal Singh Smt. Inderjit Kaur W/o S. Baldcep Singh R/o H. No. 1615, Sector 36-B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Jefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1778, Phase, 3-B-2 Mohall, Teh. Kharar: (The property as mentioned in the sale deed No. 4351 of February, 1985 of the Registering Authority, Kharar).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Dato : 8-10-1985

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. DBS/16/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGII, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 5 Bighas situated at Village Rampur Katan, Sub-Teh. Dera Bassi (and more fully desembed in the Senedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Deta Bassi in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aitoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagdish Mitter S/o Shri Hari Ram For self and GPA of Shri Vishwa Mitter S/o Shri Hari Ram R/o Kothi No. 67, Sector 28-A, Chandigarh,

(Transferor)

(2) The Panchsheel Co-operative House Building Society Ltd. (Regd.), Village Rampur Kalan Sub-Teh. Dera Bassi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by anw other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Bighas at Village Rampur Kalan Sub-Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1495 of February, 1985 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhlana

Date | 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. DBS/41/84-85.--Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 6 Bighas, situated at Village Runpur Kalan, Sub-Teh, Dera Bassi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Dera Bassi in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Jagdish Mitter S/o Shri Hari Ram Kothi No. 67, Sector 28A Chandigarh, Shri Vishwa Mitter S/o Shri Hari Ram through GPA Sh. Jagdish Mitter S/o Sh. Hari Ram R/o Kothi No. 67, Sector 28-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) The Panchsheel Co-operative House Building Society Ltd. (Regd.), Village Rampur Kalan Sub-Teh. Dera Bassi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Bighas at Village Rampur Kalan Sub-Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1469 of February, 1985 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhlana

Date: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. DBS/41/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 6 Bighas, situated at Village Rampur Kalan, Sub-Teh. Dera Bassi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration und that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which outlier to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dera Bassi in February, 1985
(1) Shri Jagdish Mitter
S/o Shri Hari Ram
r/o Kothi No. 67, Sector 28-A, Chandigarh.
Shri Vishwa Mitter
S/o Shri Hari Ram
through GPA, Shri Jagdish Mitter S/o
Shri Huri Ram
R/o Kothi No. 67, Sector 28-A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) The Panchsheel Co-operative House Building Society I.td. (Regd.), Village Rampur Kalan Sub-Teh. Dera Bassi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Bighas at Village Rampur Kalan Sub-Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1462 of February, 1985 of the Registering Authority, Dera Bassl.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER CENTRAL REVENUE BULLDING LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. DBS/32/84-85.--Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Ass stant Commissioner of Income-tax, Acquisition Rang, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinaster referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

and bearing No.
Land measuring 6 Bighas, situated at
Village Rampur Kalan, Sub-Teh. Dera Bassi
(and more fully described in the scholure annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer at
Dera Bassi in February, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Aot, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jagdish Mitter S/o Shri Hari Ram For self and GPA of Shrl Vishwa Mitter S/o Shri Hari Ram R/o Kothi No. 67, Sector 28-A, Chandigarh.

(Transfero:)

- (2) The Panchsheel Co-operative House Building Society Ltd. (Regd.), Village Rampur Kalan Sub-Teh. Dera Bassi.
- (2) Rathindra Vir Singh H.U.F. of 57/4, Pallyganj Circular Road, Calcutta-19. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SHEDULE

Land measuring 5 Bighas at Village Rampur Kalan Sub-Teh, Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1495 of February, 1985 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. DBS/31/84-85.-Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of

JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Rang, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.

Land measuring 6 Bighas, situated at Village Rampur Kalan. Sub-Tch. Dora Bassi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

49-346GI/85

(1) Shri Jagdish Mitter S/o Shri Hari Ram For self and GPA of Shri Vishwa Mitter S/o Shri Hari Ram R/o Kothi No. 67, Sector 28-A, Chandigarh,

(Transferor)

(2) The Panchsheel Co-operative House Building Society Ltd. (Regd.), Village Rampur Kalan Sub-Teh. Dera Bassi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Jand measuring 5 Bighas at Village Rampur Kalan Sub-Ten. Dera Bassi. (The property as mentloned in the sale deed No. 1495 of February, 1985 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. PTA/53/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

House No. 3153/3 situated at Dharampura Bazar, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income among from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursunce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

(1) Smt. Rukmani Devi W.o Shri Raj Kumar Goyal, R/o 67, Panjabi Bagh, Patipla

(Transferor)

(2) Smt. Inder Kaur W/o Shri S. Sujan Singh, R/o 6436 1, Guru Nanak Nagar, Near T. B. Hospital, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nav be made in writing to the andersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in their Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3153/3, Dharampura Bazar, Patiala. (The property as mentioned in his sale deed No. 4609 of Feb., 1985 of the Registering Authority, Patiala.)

JOGINDER SINC Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 10/10 1985

Seal;

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMSSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhima, the 10th October 1985

Ref. No. PTA/52/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

House No. 3152-3153 3 situated at Dharampura Bazar,

Patiala

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, t the following persons, namely:—

Smt. Rukmani Devi
 W o Shri Raj Kumar Goyal,
 R/o 67, Panjabi Bagh,
 Patiala,

(Transferor)

(2) Smt. Inder Kaur W/o Shri S. Sujan Singh, R/o 6436 '1, Guru Nanak Nagar, Near 'I', B. Hospital, Patiala.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given un that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3152-3152 1, Dharampura Bazar, Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 4587 of Feb., 1985 of the Registering Authority, Patiala.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date: 10/10/1985

Scal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING **LUDHIANA**

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. DBS/1/85-86.--Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable p operty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing Helding No. 264 (part), circle No. 262, ward Land measuring 33B, 14B situated at Vill. Sheikhupura, Sub. Tch. Dera Bassi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bera Bassi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, t hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeanid property by the issue of this notice under anbsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) S/Shri Sat Pal, Ramesh Kumar, Ashwani Kumar, Sukhdev Kumar, Sushil Kumar Ss o Sh. Chattar Sain, R/o Dera Bassi.

(Transferor)

(2) The Sheikhupura Khurd Co-op House Building Society, Sekhupura Khurd now at H. No. 1860, Sec. 34-D, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- the area of the aforested persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as shall have the same meaning as given Aat. in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 33B, 14B at Vill. Sheikhupura Sub. Teh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 149 of April, 1985, of the Registering Authority, Dera Bassi.)

> JOGINDER SING! Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 10/10/1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1985

Ref. No. DBS/36/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable results to be a second to be the said Act').

preperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. B-128 Hold-Land measuring 33B, 14B situated at Vill. Sheikhupura, Sub. Teh. Dera Bassi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dera Bassi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the *re-rafer. andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967):

(1) S/Shri Sat Pal,
Ramesh Kumar,
Ashwani Kumar,
Sukhdev Kumar,
Sushil Kumar
Ss/o Sh. Chattar Sain,
R/o Dera Bassi.

(Transferor)

(2) The Sheikhupura Khurd Co-op House Building Society, Sekhupura Khurd now at H. No. 1860, Sec. 34-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the odd property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of inties of the suspective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 33B, 14B at Vill. Sheikhupura Sub. Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 149 of April, 1985, of the Registering Authority, Dera Bassi.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10/10/1985

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Amrit Lal Sharma S/o Shri Avinasi Ram, R/o H. No. 455, Sector 15A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Mohanjit Singh S/o Shri S. Charanjit Singh, R/o 11, Mathura Road, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th October 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. KHR 100/84-85,-Whereas, I,

OGINDER SINGH, being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 1133 situated at Phase, V. Mohali, Teh. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer.

1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

THE SCHEDULE

House No. 1133, Phase V, Mohali, Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 4558 of Feb., 85 of the Registering Authority, Kharar.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 10/10/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Bachni Devi W/o Shri Brij Lal, R/o 51A, Naulakha Garden Colony, Ludhiana.

(Transferor)

 Smt. Gursinder Kaur W o Dr. Ajit Singh Dhatt, R/o 9/48, Pb. Agri. University, Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIN

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 7th October 1985

Ref. No. LDH/650/84-85.—Whereas, I, IOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

1/2 share Property No. B-35-7 '21B situated at Bhai Randhir Singh Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annixed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby nitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publicaton of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used hereni as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of Property No. B-35-7 21B, Bhai Randhir Singh Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No 11662 of Feb., 85 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SING Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 7-10-85

'NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. LDH/608/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing No.

1/4 share of H. No. B-19-327-B situated at Dr. Sham Singh

Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the artise has not been truly canted in the said instrument of this for with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. 2amely:—

 Shri Bhushan Kumar S/o Sh. Panna Lal B-XIX-327-B, Dr. Sham Singh Road, Ludhiana.

(Transferor)

 Sh. Shri Dev Jain S/o Sh. Sawan Mal Jain H. No. 773, Mochpura, Ludhiana.

(Transferce).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share of H. No. B-19-327B, Or. Sham Singh Road. Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 11023 of Feb., 1985 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Range
Ludhinna

Date: 8-10-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1), Sh. Bhushan Kumar S/o Sh. Panna Lal R/o H. No. B-XIX-327B, Dr. Sham Singh Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Tarsem Jain W/o Sh. Shri Dev Jain R/o 773, Mochpura Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMPTAX.

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. LDH/623/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100.0001- and bearing No.

Rs. 1,00,000]- and bearing No. 1/4 share of H. No. B-19-327B situated at Dr. Sham Singh Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludbiana in Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceannest of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/4 share of H. No. B-19-327B, Dr. Sham Singh Road, Ludhjana, (The property as mentioned in the sale deed No. 11184 of Feb. 1985 of the Registering Authority Ludhjana).

THE SCHEDULE

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acuisition Range Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 50—346GI/85

Date: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. I.DH/615-84-85.-Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-fax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Ps. 1.00 000/- and bearing No. 174 h ... 34, No. 8-19-327., si u: ted of Dr., Shem Singh

Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Li thiana in Feb., 1985

for an apparent confideration which is less than the fair mark*t value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to accept to a good to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ranging with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any mo mys or other assets which have not been or with light to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afatesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Bhushan Kumar S/o Sh. Panna Lal R/o H. No. B-XIX-327B. Dr. Sham Singh Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh, Shri Dev Jain S/o, Sh. Swaran Mal R/o 773, Mochpura, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 46 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days frem* the service of notice on the respective persone. whichover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given un that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share of H. No. B-19-327B. Dr. Sham Singh Road, Ludhiana. (The (property as mentioned in the sale deed No. 11121 of Feb. 1985, of the Registering Authority Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistan Commissioner of Income-tax Acuisition Range Ludhiana

Date: 8-10-1985 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BUILDING, **LUDHIANA**

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. LDH/610/84-85.—Whereas, I.

JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the (43 of 1961) (heremafter referred Income-tax Act, 1961 to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,00c/- and bearino No. 1/4 snare of H. No. B-19-327B situated at Dr. Sham Singh

Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transieried at per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Bhushan Kumar So Sh. Panna Lal R/o H. No. B-XIX-327B, Dr. Sham Singh Road Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Tarsem Jain W/o Shri Shri Dev Jain R/o H. No. 773, Mochpura, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforeseid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazztte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share of H. No. B-19-327B, Dr. Sham Singh Road, Ludh ana. (The property a) mentioned in the sale deed No. 11040 of Feb. 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Act Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Rcf. No. LDH/581/84-85.—Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No.

Cold storage building with Land 8K 4M situated at 'Tarf Karabata, Ludhiana "

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indhiana in Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the imm of this notice under subsection (1) of Section 26 (1) the said Act, to the following persons, marriely :---

(1) M/s. Kissan Cold Storage, G. T. Road, Bye Pass, Vill. Karabara, Ludhiana, through S. Palwinder Singh S/o Sh. Gurcharan Singh Sa. Prec. Moninder Singh S, o S. Guracharan Singh R/o Vill, Sckhowal, Teh. & Distt. Ludhiana. Smt. Amarjit Kaur W/o S. Ranjodh Singh R/o Vill, Heera, Teh & Distt. Ludhiana. 9. Jugir Singh S/o S. Chet Singh R/o 146, Miller Gani, Ludaiana. S. Kulwinder Singh S/o S. Arjan Singh R/o 447, Vijay Nagar Indl. Area, Ludhiana,

(Transferor)

(2) S. Avtar Singh & Sons (HUF) Smt. Swaran Kaur W/o S. Avtar Singh Guicharan Singh & Sons (HUF) & Sort Joginder Kaur W/o S. Gurcharan Singh All R/o 77-B. Udham Singh Nagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cold storage building with Land 8K 4M at Tarf Karabara, Ludhiana, (The property as mentioned in the sale deed No. 10828 of Feb. 1985, of the Registering Authority Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range Ludhiana

Date: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th October 1985

Re^c. No. LDH/657/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 150-C situated at Kitchlew Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been therefored under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhians in Each 1908.

Ludhiana in Feb., 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of :--

- (a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in rispect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not ocen or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shii Inder Mohan Verma S/o Sh. Anand Saroop, 150-C. Kithclew Nagar,

Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Manmohan Singh S. o S. Mehar Singh & Smt. Preet Inder Kaur W/o S. Manmohan Singh, R/o 150-C. Kitchlew Nagar, Ludbiose Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforceard persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 150-C, Kitchlew Nagar, Ludhiana. (The proerty as mentioned in the sale deed No. 11781 of February, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range Ludhiana

Date: 11-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 4695(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Rcf. No. LDH//607,84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the impress 1,00,000/- and bearing No.

1/8th share of H. No. B-1-982/2, situated at Opp. Police Line, Civil Lines, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 1. 4h and in Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the faur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any Income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Om Parkash S/o Sh. Amar Nath R/o 982/2, Opp. Police Lines. Civil Lnes, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Saran Dass So Sh. Telu Ram Gupta R/o H. No. B-1-982/2, Opp. Police Lines. Civil Lines, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share of H. No. B-1-982/2, Opp. Police Lines, Civil Lines, Ludhiana.

hThe property as mentioned in the sale deed No. 11011 of Feb. 85, of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1985

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA.

Ludhiana, the 8th October 1985

Rec. No. LDH, 674 84-85.—Whereas, 1, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (heremafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fan market value exceeding 1/8th share of H. No. B-1-8822, Opp. Police Lines, situated at Civil Lines, I udhiana

at Civil Lines, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lahiana in Feb., 1985 for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that take fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferoe (s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of(1) Sh. Mangal Dass S/o Sh. Amar Nath R/o H. No. 982/2, Opp. Police, Lines, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Saran Dass Gupta S/o Sh. Telu Ram Gupta R/o H. No. B-1-982/2, Opp. Police Lines, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesa dipersons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

1/8th share of H. No. B-1-982|2, Opp. Police Lines, Civil Lines, Ludhiana,

(The property as mentioned in the sale deed No. 12004 ct icb. 85, of the Registering Authority Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-10-1985

Scal:

WASHINGS NO STREET, SEASON STREET, SEASON STREET, SEASON S FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CE OF THE INSPECTING ASSIST COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th October 1985

Ref. No. 1DH/673/84-85.—Whereas, I,

Rel. No. 113H/0/3/84-85.—whereas, 1, J/CINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the meome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.60,000/- and bearing 1, 5th share of H. No. B-1-982/2, Opp. Police Lines situated of C vil 1 inc. Ludhana

at C vit Lines, Ludhana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Cuice of the Registering Officer at

Ludh ana in Feb., 1985 for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said except the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any measures or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh, Lali: Kumar S/o Sh. Amar Nath R/o H. No. 982/2, Opp. Police Lines, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

(2)Sh. Ram Saran Dass Gupta S/o Sh. Telu Ram Gupta R/o H. No. B-1-982/2, Opp. Police Lines, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share of H. No. B-1-982/2, Opp. Police Lines, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 12003 of Feb. 85, of the Registering Authority Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-10-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA Ludhiana,the 8th October 1985

Ref. No. IDH/607A/84-85,—Whereas, 1. JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 '- and bearing

No. 1/8th share of H. No. B-1-982/2, Opp. Police Lines, Civil Lines situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-51---346GI/85

- Sudesh Rani D/o. Shri Amar Nath r/o 982·2, Opp. Police Lines, Civil Lines, Ludhiana
- (2) Shri Ram Saran Dass Gupta s/o. Shii Telu Ram Gupta r/o H. No. B-1-982/2, Opp. Police Lines, Civil Lines. Ludhiana.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share of H. No. B-1-982/2 Opp. Police Lines, Civil Lines, Ludhiana.

(The projecty as mentioned in the sale deed No. 11037 of Feb. 1985, of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 8.10.1985,

FORM ITNS----

(1) Sh. Ashwani Kumar s/o Shri Amar Nath r/o 982/2, Opp. Police Lines, Civil Lines, Ludbiana.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri. Ashwani Kumar s. o Shri Ram Saran Dass r/o H. No, B-1-982-2. Opp. Police Lines, Ludhiana.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING F.UDHIANA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ludhiana,the 8th October 1985

(b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. LDH/141|85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing 1.8th share of H. No. B-1-982/2, Opp. Police Lines, Civil Lines, Ludhiana,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed kereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Ludhiana in May 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

1/8th share of H. No. B-I-982/2. Opp. Police Lines, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1623 of May 85 of the Registering Authority, Ludhiana).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 2692 of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 8.10.1985.

PART III—SEC. I

FORM INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana,the 8th October 1985

Ref. No. 1 DH, 606/84-85.-Whereas, J. JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the his orne-tax Act, 1961 (43 or 1961) (he)endater referred to as the said Act) have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

I 8th share c) H. No. B-I-982/2, Opp Police Lines, Civil Lines, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered other the Registration Act 1903 (16 of 1-08) in the office of the Registering Officer at Ludwana in Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the and transferects) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; 4...1/W
- *h: factalating the concearment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. It of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax t, 1957 (27 of 1957):

- (1) Smt, Kamlesh Rani w/o Sh. Dharam Pal r/o 982/2, Opp Police Lines, Civil Lines, Ludhiana.
- (2) Shri Rum Saran Dass Gupta s/o Sh. Telu Ra m Gupta r/o H. No. B-1-982/2, Opp. Police Lines, Civil Lines, Ludhiana.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHLDULE

1/8th share of H. No. B-1-982/2. Opp. Polices Lines. Civil Lines, Ludhiana,

(The property as mentioned in the sale deed No. 11010 of Feb. 85, of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Paper, dierefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the "Allowing persons, namely :--

Date: 8.10.1985.

Scal:

FORM NO. LT.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Gurdip Singh S/o S. Devinder Singh, r/o 1102, Harnam Nagar, Ludhiana, through GPA, Shii Devinder Singh S/o Shri. Shalig Ram,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION PANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th September 1985

Ref. No. LDH/588|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R* 1.00.000/and bearing No.

Portion of H. No. B-XXI-8/A, situated at Industrial Area, B, Ludhiana

(and more fully described in the schedu'e antexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer et Ludhiana in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

(a) facilitating the reduction on evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

r/o 1102, Hatnam Nagar, Ludhiana.

(2) Smt. Parminder Kaur w 'o S. Balwant Singh, r/o 1102, Harnam Nagar, Ludhiana. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion o' H. No. B-XXI-8/A, Industrial Area, B, I udbiana (The property as mentioned in the sale decd No. 10924 of February 1985, of the Registering Authority, Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner o' Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Pate: 10-10-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for he acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVINUE BUILDING

Ludhiana, the 10th September 1985

Ref. No. LDH/587/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No. Portion of H. No. B-XXI-8/A, situated at Industrial Area, B,

Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Judhiana in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of an / income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Gurdip Singh s/o S. Devinder Singh, r/o 1102, Hardam Nagar, Ludhiana, through S. Devinder Singh s/o Shri Salig Ram, r/o 1102, Harnam Nagar, Ludhiana.

(Trnasferor)

(2) Smt. Narinder Kaur w/o S. Amarjit Singh, r/o 1102, Harnam Nagar, Ludhiana,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sai Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. B-XXI-8/A, Industrial Area, B. Ludhiana. (The protecty as mentioned in the sale deed No. 10923 of February 1935, of the Registering Authority, Ludhiana.)

> JOGINEER SINGH Compete it Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-10-1985

FORM I.T.N.S.

(1) M/s Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd., 170, R. N. T. Marg, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDAR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Asgar S. Abbasi, Indon...

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME IAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 15th October 1985

Reference No. IAC Acq Bpl 6024.—Whereas, I. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 26913 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 22 (Ground floor) Jhabua Tower, 170, R. N. T.

Marg, Indore

(and more fully described in the Sobedule annexed herete), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhopal in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid esaceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of an income trising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 22 (Ground floor), Jhybua Towers is situated at R. N. T. Marg, Indore.

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incorne-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957):

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aayakar Bhawan, Opp. Maida Mill Hoshangabad Road. Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 15-10-1985

Scal:

FORM ITNS (1) Shri Kaushik See Penjit Singh Holkur, Eele 13, A. Bhawanipur Colony, Indore.

(Transfers

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shiromani W/o Vimalchandji Jain, 63, Feergan, Indore.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhooal, the 14th October 1985

Ref. No IAC /Acqn./Bpl./5963.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the baid Act) have coason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000% and bearing Plot No. 2, situated at Meerapath, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registrating officer.

has been transf. red under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Important February, 1985 for an important consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(ii) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act 1957 (27 of 1957))

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Art, to the following persons, camely --

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication or this rotice in the Coffe, I Cozet.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2. Meerapath is situated at Indore.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bhopal
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 14-10-1985

FORM ITNS ...-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. 1AC/Acqn./Bpl./5964.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

immovable property having a fair market value Rs. 1.00,000/- and bearing Plot No. 150-B situated at Nemy Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been thensferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Indore in I-chruny, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proporty, and I save reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the finality of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 195 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1' of Section 269D of the said Act, to the following person samely:-

(1) Smt. Manojamabai W/o Shri Narendrakumar Patodi, R/o 301, Usha Nagar, Indorc.

(Transferor)

Shri Shantikumar Jain,
 S/o Vimalchand Jain,
 R/o 191, Bhawani Marg, Sanawad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovnble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 150-B, Nemy Nagar, (lain Colony) is situated at Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bhopal
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 14-10-1985

FORM I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5965.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Bhoomy Kh. No. 26 situated at Gram Lasoodia Mory, Teh. &
Distt. Indore (M.P.)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Indore (M.P.) in February, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesoid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the confideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or eve of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any ince

(b) specilitating the concealment of any income or any reconcers of the lindian lincome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestad reports by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

52—346GI/85 (1) Shri Rameshchandra, S/o Jagnath Sharma, R/o Gram Lassodiamory, Teh, & Distt. Indore. (Transferor)

(2) 1. Shri Ramkumar Agarwal & sons (H.U.F.), through karta Rainkumar, S/o Jayalalji Agarwal,

2. Dharmaval Agarwal & sons (H.U.F.),

through karta Dharmapal, S/o Ramkumar Agarwal,

R/o 354. Saketh Nagar, Indoce (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a reriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land Kh. No. 26, is situated at Village Lasoodiamory, Indore (M.P.). This is an immovable property and its complete details given in form No. 37G, duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bhopal Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 14-10-1985

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Major Mehashankar Mehra, S/o Shri I.ala Dhirajramji Mehra, Principal of Bareli College, R/o Bareli College Compound, U.P., At present Ujjain.

(Transferor)

(2) Smt. Devibai W/o Jethanandji Sahalani R/o 32. Mahakal Sindhi Colony, Ujjain,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5966.—Whereas I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reaso nto believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. '1,00,000/- and bearing

Plot No. 43 situated at Subhash Nagar Colony, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain in February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mittate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 43 is situated at Subash Nagar Colony, Lal Bahadur Shastri Marg, Samver Road, Ujjain.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopal
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE. BHOPAL M. P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl.--Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

old Bldg. No. 416, New No. 604 situated at Mahatma Gandhi Marg, Indore, (and more tuily described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andle
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be distlosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons. namely:--

(1) Smt. Sharadadevi W/o Gopalsingh Chouhan, R/o Bldg. No. 604, Mahatma Gandhi Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Shail Kumari, W/o Shrikant Jain, R/o 601, Mahatma Gandhi Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metics on the respective parasse, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Clazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Old Bldg. No. 416 and New No. 604 is situated at Mahatma Gandhi Marg, Indore.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bhopal

Date :14-10-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Krishnabai W/o Shri Govindlalji Nema, R/o Dharmpuri, Distt:
Dhar through Govindlal
S/o Dhannalalji Nema,
R/o Village Dharmpuri, Dhar.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(2) Smt. Rajkumari bhai, W/o Shri Ramanlalji Jain, (Ambola) R/o 22, Bada Sarafa, Indore (MP)

(Transferee)

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. 1AC/Acqn./Bpl/5968.--Whereas I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income at Ast, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and hearing No. Eldg. No. 85, (old) New No. 109 situated at Joony Kasera Bakhel, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on February 1985. For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than being the Competent Authority under Section 269B of the

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Bldg, No. 85, old and New No. 109 is situated at Joony Kasera Bakhel, Indore.

THE SCHEDULE

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date :14-10-1985

Scal:

(1) Smt. Lajvantibai W/o Shri Gopaldas Motwani, R/o 18, Rajeshnagar, Indore.

(2) Smt. Sushma

W/o Radhakishan

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11,

> ACQUISITION RANGE. BHOPAL M. P.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

R/o 517, Jeevandeep Colony, Indore (MP)

Bhonal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/5969.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1861 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. building constructed at plot No. 345 situated at Saketh Nagar, Indoie. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on February 1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, chall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; IU DILLE

THE SCHEDULE

Bldg, constructed on Plot No. 345 is situated at Saketh Nagar, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the wid Act. to the following persons, namely :-

Date :14-10-1985

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL M. P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5970.—Whereas, I. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and btaring No.

building constructed at plot No. 345

situated at Saketh Nagar, Indore.
(and more fully described in the schedule annexed herete)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on February 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration and that the lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of stanster with the object of '---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

ib) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): (1) Smt. Lajvanti Bai W/o Shri Gopaldas Motwani, R/o 18, Rajeshnagar, Nandialpura, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ashok kumar S/o Dayaramji Nawlani, R/o 8, Roopramnagar, Indore (MP)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gametic or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building constructed on plot No. 345, is situated at Saket Nagar, Indore.

> S. C. SHARMA Competent Authority specting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Saotles 269D of the said Act, to the fellowing persons, manualt' : --

Date :14-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M, P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5971.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Building No. 41, Plot No. 6, Gali No. 4. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule approach hereto. dule annexed hereto has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indorc on February 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1—2

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Bhanukumar S/o Kiranmal Asha W/o Manmohanlal
 Sakuntala W/o Prehladhdas Goyal
 Krishnakumar M/o Ramswaroopii all partners of M/s. Vijayshree Construction Co., 419, Bholagali Mahu through: Money Smt. Asha W/o Manmohan Agarwal. R/o 10 Sikh Mohalla, Indore (MP) (Transferor)

(2) Giyauddin S/o Ahmad Ali Chouhani, R/o 7/4, Snehlatagani, Indore (MP)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. No. 41, flat No. 6, Gali No. 4 is situated at Snehlataganj, Indore (MP).

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal Bhopal

Date: 14-10-1985

FURM ITNS-

MOTHER UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5972.--Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'taid Act'), have reason to believe that the immovable scoperty having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 16 Ka Plot

situated at Agarwal Nagar, Nai Bhoomy, Indore (MP) (and more "ally deserbed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on February 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said imprument of mansfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Radheshyam, S/o Manekchandji and Smt. Snehlata W/o Radheshyamji, R/o 12/2, Parsy Mohalla. Indore (MP).

(Transferor)

(2) Shri Govind kumar and Ramdas S/o Shri Vishanlalji Singhal 109, Siaganj, Indore (MP)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 16 is situated at Agarwal Nagar Nai Bhoomy, Indore (MP).

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopul

Date :14-10-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(4) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43, QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5973:—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ref. 1,00,000/- und bearing No.

Building constructed on Plot No. 345 intuated at Saketh Nagar, Indore

(and more fully described in the schedule snnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

indore one February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferent for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26PC of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26PD of the said Act, to the following persons, namely:—

53-346GI/85

 Smt. Lajvanti bai W/o Shri Gopal Das Motwani, R/o 18, Rajeshnagar, Nandlalpura, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Kanta W/o Rajendrakumar Thotiya, R/o 187, Sakethnagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the gublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building constructed on plot No. 345, is situated at Saketnagar, Indore.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 14-10-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5974.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 23. situated at Vasudev Nagar Colony, Indore.
(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, fin respect of any income srising from the types andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Shri Sadashiv Ramchandra Kher. Kherwada, Lodhipura Street No. 1, Indore, Permanent address :-A/10, Model Town Housing Co. Society, Juhu Vile Parle, Development Scheme, Gulmohar Cross Road, Bombay. (Transferor)
- (2) Shri Arvind Krishnaraj Puranik, 55/1. Snehalatagani. Indore (MP).

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (h) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHOOLE

Plot No. 23, is situated at Vasudev Nagar, Colony Indore (MP).

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopa

Date: 14-10-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5975.--Whereas. I.

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Office No. 424, Panchratna Bldg. situated at Opera House Rs. 1,00,000/- and bearing

Building No. 25/807,

situated at Rajendraprasad Colony, Tansen Road, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering officer at Gwalior on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsitieration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the consenhment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, manuely :---

(1) Shri Haridatta Singh S/o Shri Pooransingh Barar, R/o Dr. Rajendraprasad Colony, Gwalior.

(Transferor)

 (2) Shri Narayansingh
 S/o Vishwansingh
 R/o Gtiadge Ki Ghot, Daulatgani
 Lashkar Gwalior (MP).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 25/807 is situated at Rajendraprasad Colony, Tansen Road, Gwalior (MP).

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 14-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl.|5976.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable around the believe that the believe the believe

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 6 (Multistoreyed) situated at 4. Kailash Park, Indore (MP). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering officer at Indore on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (12 of 1922), or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Sainath Apartment through Attorney Premchand Macunial.
 M. G. Road, Indore (MP).

(Transferor)

Mahipal Gendmalji Jain,
 Sishupal Gendamalji Jain,
 R/o Kailash Park,
 Indore (MP).

(Transferee)

- (a) by any of the aforeseld persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: 1—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fiat No. 6. is situated at Kailash Park Indore (MP).

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice v-ler subsersons namely:—

Date : 14-10-1985

zem z

(1) Shri Jor J. Contractor, Neemuch.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shii Bhanwerisi Airan S/o Badrikal Airan, Neemuch.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bhopal, the 10th October 1981

Ref. No. IAC/Acqn./Bol./5977.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing Burnelow No. 47, Tiled roof Building situated at Neemuch

(and more fully described in the Schedule anexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Neemuch on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atorssaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inference of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated. In the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferend/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 Mar. 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

-Bunglow-Alo. 47., tiled good shuilding its spituated out alloc-

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rango
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 249-D(1) OF TEA INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5978.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 150 B, situated at Neminagar (Jain Colony) Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (6) facilitating the reduction or evenion of the Hebility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfero andler
- (b) fabilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Washin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following passons, namely:—

 Smt. Manorma Bai W/o Shri Narendrakumar Patodi, R/o 301, Ujanagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Vinzelchand Porwar (Jain) S/o Shri Chhajulali, R/o 22/1, Barathi Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 150-B, is situated at Neminagar (Jain Colony) Indore. The details of the immovable property is given in form No. 37G, duly verified by the transferes.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopel

Date : 10-10-1985

Sea) :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5979.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred at as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bhoomy Survey No. 462/1/1 situated at Gram Akaldoona (Dighthan) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dhar on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the enid Act, in respect of any income arising from the transferand for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Ranchod
 Shri Ambarai,
 Kulmi R/o Akaldoona Digthan,
 Teh, and Dist. Dhar.

· (Transferer)

(2) Indore Labour Private Ltd. Foreign Liquor Unit, Dr. Shri M. M. Newatiya etc. Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be scade in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bhoomy Survey No. 462/11, is situated at Gram Akaldoona (Digthan) Teh. & Dist. Dhar. The details of immoveable property is given in form No. 37G, duly verified by the transferce.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Contral India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following necessors, namely:—

Date: 10-10-1985

PORM! PENSI

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43: OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OIFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5980.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 260B of the imposite tax Att, 1961 (43 of 1969) (hereitsafter referred

incomposite that Act., 1961 (43 of 1963) (hereinster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Survey No. 1737 situated at Hira Mill Road, Ujiain (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ujiain on Feb. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer tles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tall ta. 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this abbits and subing persons, namely:— (I) Smt. Divyabtn W/o Gunwant Adhyapak Madhav Nagar, Ujjain (2) Kallashchandra S/o Shantilal Sheh. R/o Nagda (3) Ashok Kumar S/o Shantilal Shah. R/o Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Pushpabai W/o Mohanlal R/o Begumpura.

2. Manoramabai W/o Jeetmal R/o Begumpura.

3. Basantibai W/o Gopalkrishna. R/o Begumpura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said groperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION !- The terms and expressions used berein in are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

THE SCHEDULB

Land Survey No. 1737 is situated at Hira Mill Road, Ujiain (Industrial Area). This is the immovable prperty which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Phopal

Date : 10-10-1935

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5981.—Whereas, I.

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-Rs. 1,00,000/- and bearing

House No. 67 (Part thereof) situated a tUniversity Marg, Dewas Road, Ujjain (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering officer at Ujinin on Feb.' 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) the little the reduction or evenion of the li of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under cub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--54-346GI/85

- (1) Shri Krishnarai S/o Gopaldasii Kheemji Gujrati Bhaetia R/o 67, University Marg, Uijain.
 - (Transferor)
- (2) Shti Rakesh Kumar Bhargav S/o Shti Kailash Prasad Bhargav, R/o 38, Ramprasad Bhargav Marg. Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 67, (Part thereof) is situated at University Marg. Dewas Road, Ujiain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G, duly verifitd by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5982.—Whereas, I. S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the sucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
House No. 60/1
situated at University Marg. Abad Nagar Colony, Dewas
Road, Uijain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Ujjain on Feb.' 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen 1 or cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to say tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Mehraj Mohammed S/o Shri Taj Mohdji Choudhary, R/o 151, Chandrasekhar Azad Marg, Uiiain.

(Transferor)

(2) Shri Thansukhlal S/o Shri Soubhagmalji Talati R/o Saraswati Niwas, Freegani, Uiiain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 60/1 is situated at University Marg. Azad Nagar colony, Dewas Road, Ujjain.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 10-10-1985

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Jawaharlal S/o Shri Shankerlalji Jain R/o Kamla Nehru Marg, Freegani, Uilain.

(Transferor)

(2) Shri Kunwar Sen S/o Shri Musadhilalji Gupta, R/o Irrigation colony, Ramtekri, Mandsaur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5983.-Whereas, I, C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/2 and bearing

H. No. 50/1 situated at Madhay Nagar, Freegani, land more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Ujjain on Feb. 85
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wrting to the undersigned

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any issues arising from the transfers and/er

THE SCHEDULE

H. No. 50/1 is situated at Madhav Nagar, Freegani, Uilain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-10-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th October 1985

Ref. No. 1AC/Acqn./Bpl./5984.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing House (New No. 50/1 (Old No. 6/407) situated at Varuchi Marg, Madhav Nagar, Freegani, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ujjain on Feb. 85

1908) in the office of the Registering officer at Ujiain on Feb.' 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jawaharlal S/o Shri Shankerlalji Jain R/o Kamla Nehru Marg, Freeganj, Uijain.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Gupta W/o Shri Kunwarsenji Gupta R/o Yashodhan Marg, Ramtekri, Mandsaur. (Transftree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 50/1 (Old No. 6/407) is situated at Varuchi Marg, Madhav Nagar Freegani, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 15 October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5985.-Wherease, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Old Bldg. No. 159, New No. 126 to 126/1.

situated at Gurunanak ward, Katni

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur on February 1985.

Tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the officered and the officer

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfers and/av
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amou which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Natwarlal, S/o Shri Chandulal Patel, Napier Town, Jabalpur.

(2) Shri Ashok Kumar, S/o Sohanlal Kukkal, Malviyganj, Katni.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Old Bldg. No. 159, and New No. 126 Gurunanak ward is situated at Katni. 126/1,

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 15-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Yateenkumar, S/o Govindlal Patel, Through Govindlal Patel, S/o Manilal Patel, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Sugandhibai, W/o Sureshchand Jain, Mandla.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC Acqn. Bpl: 5986.-Whereas, I. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Old Bldg, No. 159, New No. 126 to 126/1.
situated at Gurunanak ward, Katni
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at Katni on February 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; سه/ است
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SHEDULE

Old Bldg. No. 159, New No. 126 to 126/1 is situated at Gurunanak ward, Katni,

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

Date: 14-10-1985.

Scal:

MOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Manikrao S/o Gangaram Mankar, R/o Saveli, Teh. Sausar, Distt. Chhindwara.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Bajaj Steel Industries Pvt. Ltd., Head Office Nagpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5987.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Aot'), have reason to bolisve that the immovable property, having a fair market value emeeding having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Bhhomy Kh. No. 290,

situated at Moja Saveli, Distt. Chhindwara.

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sausar on February 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent counideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the sold Act in respect of any income arising from the transfer; andler

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immersable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

(b) facilitating the concealment of any income or any 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Bhhomy Kh. No. 290, Moja Saveli, Teh. Sausar is situated at Saveli Distt. Cindwara. This is an immovable property and its complete details are given in form No. 37 G, duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-10-1985.

FORM ITNS ___

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

== -:_ =:_

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5988.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land Kh. No. 25/1

Sausar on February 1985

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sausar, on February 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Devakinandan
 Narayandas Paliwal,
 R/o Baghoda, Teh. Sausar,
 Distt. Chhindwara.

(Transferor)

(2) M/s. Bajaj Steel Industries Pvt. Ltd., Head Office, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- . (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bhhomy Kh. No. 25/1, Moja Baghoda, is situated at Distt. Chindwara. This is an immovable property and its complete details are given in from No. 37 G, duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bhopal

Date: 14-10-1985. Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. BHOPAL M. P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5989.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bhoomy Kh. No. 2. situated at Moja Baghoda, Teh. Sausar.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registraion Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Şausar, on February 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ned /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

row, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

55-346GI/85

(1) Shri Santhush Panjiya, S/o Raghunath Karokar, R/o Samvalı, Teh. Sausar, Distt. Chindwara.

(2) M/s. Bajaj Steel Industries, (Pvt.) Ltd., Head Office Nagpur.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bhhomy Kh. No. 2, Moja Baghoda, Teh. Sausar is situated at Chindwara. This is an immoveable property and its complete details given in form No. 37C., duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 14-10-1985.

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Neeleshkumar S/o Shri Kantilal, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PROME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

(2) Shri Rajendrakumar S/o Parmanand Jain, Bhaldarpura, Jabalpur,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5990.—Whereas, I, S. C. SHARMA.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Old Bldg. No. 159. New No. 126 to 126/1.
situated at Gurunanak ward, Katni.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registering officer at
Katni on February 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay that under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woalth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. power period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old Bldg. No. 159, New No. 126 to 126/1 is situated at Gurunanak ward, Katni.

S. C. SHARMA Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl., 5991.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Plot No. 25, Najool Plot No. 14.
situated at Civil Line, Jabalpur.

(and more fully described in the schedule annexed hereto).

(and more fully described in the schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur, on February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more officer property and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealtb-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Nagender singh, S/o Shri Belasingh, Power of attorney through Shri Sukhdarshen Singh, 1353, Madan Mahal, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Keshavprasad Yadav, S/o Umrao Yadav, Pachpedi, South Civil Line, Jabalour.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 25, Najool Plot No. 14, Block No. 35 is situated at Pachpedi, South Civil Lines, Jabalpur

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: -

Date: 14-10-1985.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE. BHOPAL M. P.

Bhopal, the 15th October 1985

Rcf. No. IAC/Acqn./Bpl./5992.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Plot No. 67.

situated at E-7, Arera Colony, Bhopal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on February 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(1) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which hav: not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incon e-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri R. J. Sharma S/o K. L. Sharma, through K. D. Sharma, S/o K. L. Sharma, R/o Retd. I.G.P. 13-C, E-7, Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Janak Raj Dughal S/o valraj Dughal, R/o Vaghira Apartment, Arera Colany, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 67, E-7, Arera Colony, is situated as Bhopal.

S. C SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this ratice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :--

Date: 15-10-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Mehta Investment & Finance Jabalpur Prop. Shri Dileep Mehta, S/o Shri Dhirjlal Mehta, Civil lines, Jabalpur.

(Transferor)

Shri Tej Singh Singatwaria S/o Shri Hajarilal Singatwaria, Pachparhi, Jabalpur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 15th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5993.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

bearing No. Flat No. 3,

situated at Civil Line, Jabalpur.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registraion Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur, on February 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee too the purposes of the Indian Incomestax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Building No. 402/2 & 402/3 is situated at Civil Lines, Jabalpur.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 15-10-1985

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Sharad Kumar Aggarwal, S/o Shri Shankarlal Agarwal, Nehru ward, Bhatapara, Raipur.

(Transferor)

 Shri Vishveshraiya Agarwal, S/o Shri Suriyavanshi I al Agarwal, Puranivasthi, Raipur.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 15th October 1985

Ref. No. IAC|Acqn.|Epl.|5994.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property bearing No.

bearing No. Property.

situated at Raipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur on February 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property is situated at Raipur.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 15-10-1985

Sea!:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. BHOPAL M. P.

Bhopal, the 15 October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5995.—Whereas, I, S. C. SHARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 25. situated at C-Sector, Kohefiza, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on February 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcauld property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely :-

Smt. Pavi Chandwani W/o Avatramji Chandwani, Ashok Colony, Noor Mahal, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt Shuntidevi W/o Shri Chunnilal, 2. Kaushalya Devi, W/o Shri Kumar Adwani, R/o 50/59 A, Bairagarh, Bhopal.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 25, C-Sector, Ko hefiza is situated at Bhopal. This is an immoveable property and its complets details are given in Form No. 37G, duly verified by the Transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 14-10-19*

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 15th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn. Bpl./5996.—Whereas, 1, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Bldg. No. 593/3 (old) New No. 593/3/3A, situated at Moja Kachpura, Ranidurgavati, Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registraion Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur on February 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vavant Mahajan, S/o late Shri Narayanrao Mahajan, Ranidurgavati, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Murlidhar Dube, S/o Shri Mukundilal Dube, R/o Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old bldg, No. 593/3 and New No. 593/3/3A, Moja Kachpura, N.B. 501, Ranidurgavati, Jabalpur. This is an immoveable property and its compete details are given in Form No. 37G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date: 15-10-1985

FORM ITNS

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th October 1985

Rcf. No. IAC/Acqn./Bpl/5997.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Plot No. 34D situated at Kohefiza, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27, of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the foll was necessary namely:—56—346G1/85

(1) Smt. Priyamvada Shrivastava W o Shri K. K. Shrivastava, Through Dr. Pathanjali Shrivastava, Govt. Quarter F-2, Utai Durg, Teh. Durg.

(Transferor)

(2) Smt. Urmila Jain W/o Dr. D. K. Jain, Resident of Behind Taliya Near Police Station, 73, Bhagwansahay Marg, Bhopal,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 34D. Kohefiza is situated at Bhopal.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income tax Building
Near Central India Flour Mills.
Bhopal

Date: 15-10-1985

FORM I'TNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

shopal, the 15th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5998.-Whereas, I. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 433, Sheet No. 274 situated at Moja Ghorakpur Distt. Jabalpur (and more fully described in the Schedulel hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Smt. Ranjit Kaur W/o Sardar Kuldip Singh R/o 110/N, Ghorakpur Ward, Jabalpur,

(Transferot)

(2) Shri K. L. Thantuvay S'o Harlal, R o 41, Shankar Bagh, Indore.

(Tran ferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-say Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 433, Sheet No. 274, is situated at Moja Ghoralteur feh. & Distt, Jabalpur.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Income Tax Building Near Central India Flour Mills Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 15-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./5999.—Whereas, I, S. C. SIIARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing Plot No. 47, Building No. 647 situated at

Cangonagar, Jabalour

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at landigate on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the him market value of property as aforesaid exerceds the apparent consideration therefor by more than there per can of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 111 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intriate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prithalal Majumdhar S/o Shri Satishchandra Majumdhar, Theatre Road, D.N.D., Circuit Colony, Cant, Jabalpur,

(Transferor)

(2) Shri Rameshkumar S/o Shri H. P. Shrivastava R/o 47, Ganganagar Colony, Ghada, Jabalpur

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I-XPI ANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 47, Building No. 647, is situated at Ganganagar, labalpur.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Date: 15-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6000.-Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding able property having a Rs. 1,00,000[- and bearing Plot No. 198, Scheme No. 6, fair market value exceeding

situated at Sanjeevani Nagar, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and)or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Smt. Sunitha Dabu W/o Late Shri Vasantram Chandra Dabu and Manjali Dabu, 2. Abay Dabu Mohan Dabu Sons of Shri Vasant Dabu and Mother Smt. Sunitha Dhabu and Smt. Sunitha Devi on behalf of Shri Suresh Dabu, R/o Pratapnagar, Nagpur, Present at Jabalpur. (Transferor)

(2) Shri P. C. Padhey S/o Shri C. M. Padhey, R/o Sanjeevani Nagar,

Jabalpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter :-

THE SCHEDULE

Plot No. 198, Scheme No. 6, Sanjeevani Nagar, is situated at Jabalpur.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income tax Building Near Central India Flour Mills. Bhopal

Date: 15-10-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOFAL M.P.

Bhoptal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6001,—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value excedeing Rs. 1,00,000|-and bearing

Plot No. 5/5B situated at Manoramaganj, Rajgarh Kothi (Naviatan Bagh Marg), Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:—

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. United Tyres (Indore) (P) Ltd., through Managing Director Mr. K. Vijayan Nair S/o Mr. M. R. Nayar, 11/4, Old Palasia, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Mohandevi W/o Mohanlal Meliwal & 2. Smt. Shakuntaladevi W/o Mohanlal Meliwal R/o 107, Kailash Park Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5/5-B is situated at Manoramagani, Rajgarh Kothi (Navraan Bagh Marg), Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Date: 14-10-1985

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC Acqn./Bpl./6001.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

Plot No. 5/5B situated at Manoramaganj, Rajgarh Kothi (Navratan Bagh Marg), Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of !—

a) facilitating the reduction or ovasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. United Tyrcs (Indore) (P) Ltd., through Managing Director Mr. K. Vijayan Nair S/o Mr. M. R. Nayar, 11/4, Old Palasia, Indore.

(Transferor)

1. Smt. Mohandevi
 W/o Mohanlal Meliwal &
 2. Smt. Shakuntaladevi
 W/o Mohanlal Meliwal
 R/o 107, Kailash Park Colony,
 Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5/5-B is situated at Manoramaganj, Rujgarh Kothi (Navraan Bagh Marg), Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Date: 14-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhoptal, the 14th October 1985

Ref. No. IAC/Acqu.: 8pl./6002.--Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 e, 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing
H. No. 4/1264 (New No. 25) stanted at Kanhaiyalal Manana Mana (Schi No. 1988).

Marg, Gali No. 1, Shanti Fasth Mandir, Gali Dabri Pitha, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been (rul) stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Shii Digambar Jain Mandir Trust, Namak Mandi, Ujjain Through Trustees-Satyandher Kumar Sethi S/o Fatehlalji Sethi R/o Kshirsagar, Ujjaio, 2. Shri Tejkaran Bangdiya S/o Pyarchandji Bangdiya, R/o Nai Peeth, Ujjain.

(Transferor)

(2) 1. Shri Shantilal S/o Rajmalji Jain, 2. Shri Jayantilal S/o Rajmalji Jain, 3. Sudhir Kumar S/o Shantilal Jain 4. Atul Kumar S/o Shantilal Jain R/o Kalalseri, Ujjain. Uijain.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons. whichever period exone, he
- (b) by any other person interested in the said imposition able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4/1264 (New No. 25) is situated at Kanhaiyalal Manana Marg. Gali No. 1. Shantinath Ka Mandir, Gali Dabri Peetha, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transscree.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Income tax Building Near Central Flour Mills, Bhopal

Date: 14-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th October 1985

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|6003.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing Land Kh. No. 197|1, 297|197|1, 170, 194, situated at Village Narela Shankeri, Teh. Huzur, Bhopal

(and more ally described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Ehopal on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (*1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Dhansingh
 S/o Shri Kashi Ram
 R/o Narela Shankiri, Teh. Huzur,
 Bhopal.

(Transferor)

(2) Chattarasal Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit, Bhel, Bhopal, Through President: Shri Gandharv Singh S/o Shri Ganesh Singh, 227, C-3, Sector-B, Piplani, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 197/1, 297/197/1, 170, 194 is situated at Village Shankeri, Teh. Huzur, Dist. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Date: 4-10-1985

nampana ang mengguna mangada kalanggan kabananggan mananggang <u>ang pangganggan ang m</u>enganggan panggan benggan be FORM ITNS

(1) Shri Ashok Kumar Jain, Satna.

(Transferor)

(2) Shri Dilip Veghela S/o Mr. Chatarsingh Dolatsingh Vaghela, 2325, Wright Town, Jabalour.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6004.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

S. C. SHARMA, veing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 307, 309, 310 & 311 (Satna Building) situated at W.R. Gole Bazar, Ganjipura, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. Nos. 307, 309, 310 & 311 (Satna Building) is situated at W.R. Gole Bazar, Ganjipura, Jabalpur. This is the m-movable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 4-10-1985

Seal:

Now, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6005.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing

House No. 690 situated at Sanjiwani Nagar, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more—than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said—instrument of transfer with the object of:—

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

 Shri Narendra Kumar Shrivastava (Professor), G. S. College, Wright Town, Jabalpur.

(Transferor)

Miss Mithlesh
 D/o Shri Prayaglal Shukla,
 Shri Prayaglal Pathak
 S/o Shri Radheyshyam Pathak
 R/o Mauja Dhanpura, Teh. Lakhnadon,
 Distt. Seoni.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

House No. 690 is situated at Sanjiwani Nagar, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Date: 15-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acon./Bpl/6006.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

s. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Land Survey No. 172 situated at Village Barbed, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the Registration Act. 1998 (16.06) that the im-

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .— (1) Shri Timanna S/o Narsinghji R/o Chandra Bhavan, Goahala Road, Ratlam

(Transferor)

(2) M/s. Jayant Vitamins Ltd., Industrial Area, Dosigaon, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Land survey No. 172 is situated at Village Barbed, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Income-tax Building Near Central India Flour Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-10-1985

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6007.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 63, Triveni Extension Colony, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Officer at Indore on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Bhanwarlal Dagdi
 Sho Shri Baldev Dugdi,
 R/o H. No. 78, Radha Nagar Colony,
 Indore.

(Transferor)

(2) Shri Haganand Jetwani S/o Shri Batumal Jetwani, R/o 63, Triveni Extension Colony, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 63 is situated at Triveni Extension Colony, Indore. This is the immavable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
Income-tax Building
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Date: 4-10-1985

Beal :

FURM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn.Bpl./6008.--Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovtole property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing

House and office on plot No. 7B (H. No. 123/1) situated at Labria Bharu, Dhar Road, Indore (and more fully described in the scheduled annual hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the oarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mad/ou
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, sherefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Jaimalsingh S/o Shri Jeevandmal R/o 86/1, Raj Mohalla, Indore.

(Transferor)

(2) Shrl Hakimuddin S/o Shri Nazar Hussain Shri Iqbal Hussain S/o Shri Nazar Hussain Bheru, Dhar Road, R/o Labriya Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later: ,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 123/1 is situated at Labriya Bheru, Dhar Road, Indore. This is the immavable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range,
> Income Tax Building
> Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 4-10-1985

FORM JTNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6009.—Wherfeas I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Property (House, Office, tin shed etc. situated at on plot No. 7A) bearing No. 123/1, Labria Bheru, Dhar Road, Indoro situated at Indire (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Indore on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Vidyawatibai W/o Shri Jaimal Singh, R/o 86/1, Raj Mohalla, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Hakimuddin S/o Nazar Hussain2. Iqbal Hussain S/o Nazar Hussain,Labria Bheru, Dhar Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesn'd persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the sold.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property (House, office, tinshed etc.) No. 123/1 on plot No. 7A is situated at Labria Bheru, Dhar Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rango
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 4-10-1985 Seal 7

(1) Shri Tulsidas S/o Shri Tikamdasji Hinduja R/o 72, Shrinagar colony, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Chand Devi W/o late Shri Ramgopalji Vijayvargiya R/o 2, Anandeshwar Gali, Dhar. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6010.—Whereas I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing M. H. No. 72, Shrinagar colony, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (ā) facilitating the reduction or eviden of the linklity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeraid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M. H. No. 72 is situated at Shrinagar colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Incometax,
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 4-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6011.—Whereas I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No

House Municipal No. 73 situaed at Mohalla Chandni Chowk,

Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Ratlam on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reducion or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income unising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House Municipal No. 73 is situated at Mohalla Chandni Chowk, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopai

Date : 4-10-1985 Seal :

transferce.

 Shri Kantilal S/o Keshimal Jhalani through Attoney Umesh Chand S/o Kantilal Jhalani, 71, Chhota Sarafa, Ujjain.

(2) Shri Rajendra Kumar Samrathmal Chouradia, Karta Shri Rajindra Kumar, 60, Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Sertion (1) of Section 269D of the said Act, to the flowing tensors, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Lt. Col. Keshavrao S/o Shri Govindrao Pawar, Bombay. R/o 602, Neelam Apartment, Varsova Road, Andheri, Bombay.

(Transferor)

Smt. Indumati W/o Sheshraoji,
 R/o H. No. 73, Tilak Path, Indore.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6012.--Whereas I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable reoperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/ and bearing No.

H. No. 155, Shrinagar colony, situated at Indore (and more Inly described in the Schedule aurexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Begistration (Officer of the pagistration (Officer)

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 cf 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sa'd immovable property, within 43 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

H. No. 155, is situated at Shrinagar colony, Indore. This Is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 10-10-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6013.—Whereas I, S. C. SHARMA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'baid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing Agrl, land situated at Vill. Chhota Bangdda, Teh. & Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—
58—346GI/85

 Shri Ramlaf, Durga Prasad, & Poonamchand S/o Sh. Sitaramji & Smt. Saraswati Bai W/o Sh. Sitaramji R/o Vill, Chhota Bangdda, Teh. & Dist. Indore

(Transferor)

(2) Shri Vasanshah Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, Indore through President : Satramdas S/o Sh. Khoobchandji.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land is situated at Vill. Chhota Bangdda, Teh. & Dist. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 10-10-1985

Seal

PORM TINS

(1) Shri Shahji Rao Chandro Rao Angre R/o Angre-Wada, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) M/s, Ian Kalyan Nyas, Shivpuri.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6014.—Whereas 1, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), has reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing Kothi (Bhayan) & Agel, land situated of Vill, Totchpur

Pargana, Shivpuri (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 16 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivpuri on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fithen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay that under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:

(b) facilitating the concealment of any income or only moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby init ate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sain property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Kithi (Bhavan) & Agricultural land is situated at Vill. Fatehpur Pargana, Shivpuri. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 17-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Kanchansingh Chouhan, R/o Gram Pigdamber,

(Transferor)

(2) M/s. Sanghvi Metal Processing & Mfg. Pvt. Ltd., Jawahar Marg, Indore. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6015.--Whereas I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. — situated at

Anna seneralis activate

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mhow on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the follow-

ing persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Plot No. 29, S. No. 57, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/17610/84-85 on 20-2-1985.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 16-10-85

NGTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6016.—Whereas I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'saic Act'), have reason to ociove that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000 and bearing No. land Kh. No. 199/1 & 199/4 situated at Vill. Aimagird, Burhannur.

Burhanpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Burhanpur on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-testion (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons namely :-

Shri Mohd. Ali S/o Khaliluddin Musalman, Beri Maidan, Burhanpur.

(Transferor)

(2) M/s. The Industrial Co-Operative Sizing Procesing Calendering Society, 19, Industrial Estate, Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons wnichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 199/1, 199/4, is situated in vill. Aimagird, Teh. Burhanpur. This is the imovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 16-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Rameshchand S/o Shri Jagannath Sharma, R/o Vill. Lasoodiya Mory, Teh. &Distt. Indorc. (Transferor)

(2) (1) Purshottam Kumar Agrwal S/o Shri Ramkumarji Agrwal, Vinod Agrwal S/o Shri Ramkumar Agrwal,

(3) Smt. Primiladevi Agrwal S/o Devraj Agrwal &

(4) Smt. Rajkumar Agrwal, R/o 354, Saketnagar, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th October 1985

Ref. No. 1AC/Acqn./Bpl./6017.-Whereas I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lay Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Land Kh. No. 26 situated at Vill. Laseodiaya Mory, Teh. &

Distt. Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indoce in Ech., 1985

persons, namely .--

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exercises the apparent consideration inferetor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 26, is situated at vill Lasoodiya Mory, Teh. & Distt. Indore. This is the immovable property, which has byen described in form No. 37-G, duly verified by the

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 15-10-1985

(1) Shri Dharamvir S/o Ramlal Arora etc., Pratapura, Burhanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Laxman Ramu Mahajan, Shahpur, Teh. Burhanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn:/Bpl./6018.--Whereas I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value expeeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Kh. No. 84/1 & new No. 123 situated at Dighi. Tell

Land Kh. No. 84/1 & new No. 123 situated at Dighi, Tel Burhanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 84/1, New No. 123, is situated at will Dight Tch. Burhanpur. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 16th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6019.--Whereas, I,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Plot No. 11, situated at Jadhav Colony,

South Tukoganj Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Indore on 20-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. Smt. Devibai

Wd/. Shri Dwarkadasji, 2. Shri Vikram,

3. Shri Amarlal.

4. Shri Nirmalkumar

5. Shri Harishkumar Shri Dilcepkumar

all Ss/o Shri Dwarkadasji &

 Smt. Shantabai
 D/o Shri Dwarkadasji,
 R/o H. No. 9/2, Navratan Bagh, Indore.

(Transferor)

Indore.

(2) 1. Shri Vimalchandji S/o Shri Surajmalji Jain

2. Smt. Padma Jain Wo Shri Vimalchand Jain, R/o H. No. 18/6, Chhoti Gwaltoli,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice m the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the put "cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. 11, is situated at Jadhav Colony, South Tukoganj, Indore. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G. duly verified by the transferce.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Income Tax Building
Near Central India Floor Mills BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following particles. ing persons, namely:-

Date: 16-10-1985

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Smt. Jyotika, Ben W/o Shri Bukund, Jawahar Nagar, Raipur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Rashmi Bai Ashokkumar, Shambhulal, Sushilkumar, Shyamsunder & Angooribai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6020.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. part of H. No. 15/90, situated at Jawaharnagar, Raipur

part of H. No. 15/90, situated at Jawaharnagar, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur on 20-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the raid instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said s.c.t. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part of House No. 15/90 is situated at Jawahar Nagar, Raipur. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferce.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 16-10-1985

FORM IT.N.S,-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn.Bpl/6021,-Whereas, I. S. C. SHARMA,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing H. No. 992, 992/1 & 993 & 993/1, 1003, Mun. plot No. 116 & 117, Plot No. 242/1 situated at Street No. 151, Goel Bazar, Jabalpur (and more fully described in the Schedule appared hearts).

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registeration Act. 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur on 12-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-anid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or whigh ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-inx Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— 59—346GI/85

(1) Smt, Ku, Sujata D/o Late Leiutenant Col. P. R. Oam R/o 990, Goel Bazar, Jabalpur.

(Transferor)

 (2) 1. Smt. Sunita Jain
 W/o Shri Vijaykumar Jain
 2. Shri Vijaykumar Jain S/o Shri S. L. Jain 3. Kapilkumar Jain

S/o Shri Kelwalchand Jain, Goel Bazar, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 992, 992/1, 993, 993/1, 1003, Mun. plot No. 116, 117 & plot 242/1, street No. 151, are situated at Goel Bazar, Jabalpur. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills BHOPAL

Date: 16-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6022.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act;), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing No.
Plot No. 14/1, Idgah Hills situated at Idgah Hills Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on 5-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

> of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I person initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dr. Surendra Naulakha S/o Shri Pratapsingh Naulakha, R/o 26, Hozkhas, New Delhi.

(Transferor)

(1) Shri Prakash Chotwani S/o late Lekhraj R/o 50-B, Idgah Hills, Bhopal.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property) Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. 14/1 is situated at Idgah Hills, Bhopal. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly everified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills
> BHOPAL

Date: 17-10-1985

 Dr. Surendra Naulakha S/o Shri Pratapsingh Naulakha, R/o 26, Hozkhas, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Purushottam Khatri S/o Late Shri Lekhrajmal Khatri, R/o 50-B, Idgah Hills, Bhopal.

(Transftree)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th October 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6023.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Plot No. 14/2, situated at Idgah Hills, Bhopal

Plot No. 14/2, situated at Idgah Hills, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on 5-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 14/2, is situated at Idgah Hills, Bhopal. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-10-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Western India Builders.

(Transferor)

(2) Smt. Meherbanu Amirali Dodhia. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15190/84-85.--Whereas, I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-inx Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Ks. 1,00,000|- and bearing Flat No. 17, 4th floor D-Wing Gulstan Apartment, B-S.V. Road, Dahisar (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reased to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trainfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of kiny income arising from the trainifer; من العد
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Flat No. 17, D-Wing, Gulistan Apartment, B-S.V. Road, Dahisar (F), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/15190/84-85 on 1-2-1985

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 10-10-1985

(1) Western India Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Premji Nanji Dodhia.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION: RANGE-IV вомвлу

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15192/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 14, 3rd floor, B-Wing, Gulistan Apartment,
E.S.V. Road, Dahisar (E) Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered
under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in
the office of the Competent Authority at Bombay on
1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the translefor to pay tax under the said Att, to respect of any income arising from the transfer: and/or

Flat No. 14, 31d floor, E-Wing, Gulistan Apartment 'E' S.V: Road, Dahisar (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/15192/84-85 on

1-2-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-10-1985

(1) Smt. Saraswati Dinbandhu Yadav.

(Transferor)

(2) Smt. B. L. Chaliya.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/14942/84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 's.iid Act'), have reason to believe that the immovable action in the competence of the compet property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. A-10, Mahavir Kripa, 2nd floor, Maratha
Colony, Dahisar (E), Bombay-68.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. A-10, Madhav Kripa, 2n dfloor Maratha Colony, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/14942//84-85 on 1-2-1985.

> LAMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 10-10-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) M/s. Vishwavihang Co.op. Hsg. Scty. I.td, (Transferor)

(2) Shri Ashok Agrawal.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/14999/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'mid Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. at Bombay on 1-2-1985

Shop No. 1, Vishwavihang Co.op. Hsg. Scty Ltd., Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

(Situated at Bombay)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concoulment or any income or any monays or other anots which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Vishwavihang Co-operative Housing Society Ltd., Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/14999/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

New therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 10-10-1985

Seal;

(1) M/s. Vishwavihang Co.op. Hsg. Scty. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Keskar Electronics.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15002/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 5, Vishwa Vihang Co-op. Hsg. Scty. Ltd.
plot No. 1236, Shivaji Road, Dahisar (E) Bombay-68
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in for an apparent consideration which is less than the

for a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Vishwa Vibang Co-op. Hsg. Scty. Ltd. Plot No. 1236, Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/15002/84-85 on 1-2-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Comm ssioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fth's notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-10-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15001/84---Whereas, I, LAXMANDAS,

LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961), (hereinafte, referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 2, Vishwa Vilang Co-op. H g. Sety. Ltd., Shiyaji Road, Dahiyar (E), 30mbay 6

Shivaji Road, Dahisar (E), 3ombay-6; (and more fully described in the Sch dule annexed hereto), has been transferred and the agreement it resistered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less ti an the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe finat the fair market value of he property as aforesa'd exceeds the apparent consideratio therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other as ets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-60-346GI/85

- (1) M/s. Vishwauihang Co.op. Hsg. Scty. Ltd. (Transferor)
- (2) M/s. Shailesh Benefit Trust.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Vishwavihang Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/15001/84-85 on 1-2-1985.

> LAMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 10-10-1985

(1) M/s. Vishwavihang Co.op. Hsg. Scty. Ltd. (Transferor)

(2) Shris A. R. Randar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE HISPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

Bombay, the 10th October 1985!

Pos. No. AP-IV/47EE/15060, \$4-85.—Whereas, I.

being a compound Authority under Section 269B of the compound of the influence of the influ 1-2-1985

for the amount consideration which is less than the fair market sale of the aforesaid property and I have reason to be a seried to the market value of the property as that selected the market value of the property as that selected to another consideration therefor by more than liteen per cent of such apparent, consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in cut of any income arising from the transfer;
- (b) far The ling the concentment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ou int to be declised by the transferee for the juposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Vishwa Vihang Co-op. Hsg. Scty. Ltd. Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Compet Authority, Bombay under No. ARIV/15060/84-85 Competent 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 4 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestall and the high some of this notice under subsection (1) of Suffer 260D of the said Act, to the following person i, namely :-

Date: 10-10-1985

- (1) M/s. Vishwa Vihang Co. op. Hsg. Seev. Ltd. (Transferor)
- (2) Smt. P. S. Bhikar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15003/84-85.--Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

sceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Shop No. 3, Vishwa Vihang Co. op. Socy. Ltd., Plot No.
236, Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office or the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in virting to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a gent of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable able around which the discountible said of the publication or this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as not a light in Chapter KKA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Vishwa Vihang Co. ep. Socy. Ltd., Plot No. 236, Shivaji Road, Dahkar (E), Bombay
The agreement has been registed by the Competent Authority, Bombay under No. ARTV/15003,84-85 on dated 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Component Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of succession 2-ax Acquisition Range-IV, Pombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-10-1985

(1) M/s. Vishwa Vihang Co. op. Hsg. Socy. Ltd. (Transferor)

(2) Shri V C. Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15062/84-85.—Whereas, I. LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (her inafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe but the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 6, Visha Vihang Co-op. Hsg. Secy. Ltd. Shivaji

Dahisar (F), Bombay-68.

(and more fully described in the Schedule annexed here o). has been transferred under the Registration Act, 1908 (to of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bombay on 1-2-1985

for an apparen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to netween the parties has not been trul stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(5 facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaic property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said \triangle 1, to the following persons, namely :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 cays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the cryice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the official Gazetts.

The terms and expressions used herein as are d fined in Chapter X (A) of the said Act, EXPLANATION : shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Visha Vihang Co-op. Hsg. Socy. Ltd. Shivaj Lichisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competen Authority. Bombay under No. ARIV/15062/84 85 on dated 1-2-1985.

> LAXMAN DA! Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-10 1985

(1) M/s. Vishwa Vihang Co. op. Hsg. Socy. Ltd. (Transferor)

(2) Shri Devraj Chaganlal Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15031/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]

and bearing No. Shop No. 7, Vishwa Vihang Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the lacome-Tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Eombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid reasons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and we expressions used herein as are defined in napter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapte

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limitifity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ato esaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely:-

THE SCHEDULE

Shop Po. 7, Valua Villang Co-op. H g. Socy. Ltd., Shivaji Road, Daltisar (E), Dombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under No. ARIV/15031/84-85 on dated 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Cor..petent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 10-10-1985

SeaJ •

(1) Shri Avinash M. Ishire.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shel Shanfinath D. Pangre.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EF/15318/84-85.—Whereas, I, LAZMANDAS.

being the Competent Authority nader Section 2698 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

ks 5.00.000. and braing He. market value excessing ks 5.00.000. and braing He. Chandralok Bldg. Flat No. 44-B, 4th floor, plot braing S. Ro 9.8, J. S. sead. Pathier (W). Bombay-68. (and more fully described in the Schodule annexed hereto) has been (renderied and the excent risk pressent in a Section 269AC of the Income-tax Act, 1951, in the Office of the Computer Authority. the Competent Authority

at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereton by source than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aci, in respect of any income arising from the transfer; and|er
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it a_0v , to the nequisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nonce in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flot No. 44-B Chandralok Eldg. 4th floor, plot bearing S. No. 918, J. S. Road, Dahisar (N.), Bombay-68.

The agreem of how been registered by the Competent Authority, Bofbay under No. ARIV/15318/84-85 on dated 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 26975 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa d p thereby by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :-

D-10: 10:10:1005

(1) Vardhman Construction Co.

(Transferor)

(2) M/s. Poincer Industrial Corpn.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15018/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

to as the 'sa.d Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 36, ground floor Vardhman Industrial Estate, bearing S. No. 120 H. No. 6 & 10 Dahisar Bombay-68. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985.

for an apparent c osideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X\(\lambda\) A of the said Act, that have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 36, Ground floor Vardhman Industrial Estate, bearing S. No. 120 H. No. 6 & 10 Dahisar Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15081/84-85 on dated 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-10-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AT MUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Lambay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15181/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that 'no immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 26-A, Ratan Nagar, S. V. Road, Dahisar (E),

Boalbay-66.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the foresaid property, and I have reason to believe that the rair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not were truly stated in the said instrument of transfer with the with a :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in re set of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Shri Sadguru Enterprises 1. J. W. Range 2. M. N. Nandgaonkar (Transferor)

(2) Shri Bhagvan Govind Lad & Mrs. Prabha G. Apraj.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 26-A, Ratan Nagar, S. V. Road, Dahisar (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIY/15181/84-85 on dated 1-2-1985.

> L'AXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-toAcquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid nonerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 10-10-1985

(1) Mr. Bastimal K. Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Dayal C. Jdnani & R. C. ldnani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/371°F/15239/84-85. -- Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. C, Sumati Bldg. 275, Kokamanya Tilak Marg, Opp.
Rly. Station Dahisar (W) Bombay 68.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be baclosed by the transferee for the pulpeses of the ladian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Shop No. G, Sumati Bldg. 275. Kokamanya Tilal Marg, Opp. Rly Station Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Comp. Authority, Bombay under No. ARIV/15239/84-85 Authority, 1-2-1985.

Inspectine Assistant Commissioner of Income-lax Acquisition Range IV, Bombay.

LAXMAN DAS Competent Authority

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloreram purperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-10-1985

Scal:

61 -- 346GI/85

(1) Western India Builders.

(Transferor)

(2) Smt. Maherbanu S. Dodhia.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV|37FE/15189/84-85.—Whereas, I. LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000.'- and bearing No. Flat No. 13, 3rd floor, E-Wing, Gulistan Apartment, B- S. V.

Road, Dahisar (E) Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property 'ma; he made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 19227 or the said Act, or the Wealth-tax

Flat No. 13, 3rd floor, E-Wing, Gulistan Apartment, B. S. V. Road, Dahisar (E) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15189/84-85 on dated 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay,

Dated: 10-10-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the vaid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of he aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the followmy persons, namely :---

FORM: ITNS-

(1) Western India Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amirali Premji Dodhia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15191/84-35.—Whereas, I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 18, 4th floor, D-Wing, Gulistan Apartment, B S. V.

Road, Dahisar (E), Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfered and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-live days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

val feedlitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aut, in respect of any income arising from the transfer, and/or

Flat No. 18, 4th floor, D-Wing, Gulistan Apartment, B S.V. Riad, Dahisar (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15191/84-85 on 1-2-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-10-1985

Seal ·

(1) M/s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mr. Ashok Kumar Karundia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE. 15091/84-85.—Wheeras, I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value

exceedings Rs. 1,00,000|- and bearing

Shop No. 12 ground floor in 8, 9, 10 Bldg, at Ratan Nagar, Dahisar, Bombay-66.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in th office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937):

(a) by any of the aferencial persons within a period of
45 days from the date of publication of this netice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

Objections, it any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 12 ground floor in 8, 9, 10 Bldg. at Ratan Nagar, Dahisar, Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15091/84-85, in dated 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV. Bombay.

Dated : 10 10 1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely is:

FORM NO. I.T.N.S.———

(1) Shri V, R. Pimpale.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Prem Prakash S. Satsangi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15390/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Galan at Unit No. 10 2nd floor, Agarwal Industrial

Estate, Dahisar, (E) Bombay-68.

situated at Bombay.

(and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in th office of the Competent Authority

at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) factuating the concealment of any income to any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Industrial Gala at Unit No. 10 2nd floor, Agaiwal Industrial Estate, Dahisar, (E) Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARIV/37FE/15390/84-85 on 1-2 1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Dated: 10-10 1985

FORM ITNS----

The second of terms of a second secon

(1) M/s. J. B. Industries.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Trisonic Radio & Electronics Pvt. Ltd.
(Transferee)

COVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the data of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Bombay, the 10th October 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

Ref. No. ARIV/37EE/15334/84-85.—Whereas, J. LAXMANDAS.

EXPLANATION:—The terms and to expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

that Chapter

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. Industrial Gala Unit No. 8, 2nd floor, Agarwal o-op. In dustrial Fstate Limited, 121/C, S. V. Road, Dahisar, Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the Senedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-Tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fixteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) factivating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

The agreement has been registered by the Competent dustrialEstate Ltd. 121/C, S. V. Road, Dahisar Bombay-69. 1-2-1985

Induttial Gala at Unit No. 8, 2nd floor Agarwal Co-op. dustrial Estate Ltd 121/C, S. V. Road, Dahisar Bombay-68.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 10-10-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. D. D. Mehoi & Mis R. D. Mehta.

(Transferor)

(2) Mr. L. S. Shah and Mr. B. S. Shah,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37.FF/15013/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Unit No. 20, 1st floor, Agarwal Industrial Estate, S. V. Road,

Dahisar (F), Bombay-68.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

shall have the same meaning or given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 20, 1st floor, Agarwal Industrial Estate, S. V. Road. Dahiser (East), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15012/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting As islant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bomboy

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-10-1985

(1) Mr. Dinesh Dhirajlal Mehta,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

the property of the property o

(2) Mr. Madhukant B. Jhaweri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUNICORER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15014/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 21, 1st floor, Agarwal Industrial Estate, S. V. Road, Dahisar (E), Bombay-68.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the transferrent is registered unjoing Section 209AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which were respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to py tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assots which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Unit No. 21, 1st floor, Agarwal Industrial Estate S. V. Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15014/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bomboy

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons namely:

Date: 10-10-1985

M/s. Ashish onstructions.

(Transferor)

(2) Mr. Naresh Tarachand Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15054/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 401, 4th floor G. K. Nagar Bldg. No. 1, at Shankar

Lane, Kendivli (W), Bombay-67
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the

Income-Tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 401 on 4th floor G. K. Nagag Bldg. No. 1, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. ARIV/15054/84-85 on 1-2-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: 62-346GI/85

Date: 4-10-1985

Scal 2

(1) M/s. Ashish Construction.

(Transferor)

(2) Mr. Bharat Ambalal Shah and Mrs. S. A. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15204/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable porperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 204, 2nd floor, G. K. Nagar Bldg. No. 1, at Shankar

Lane, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor G. K. Nagar Bldg. No. 1, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15204/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4-10-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) M/s. Ashish Constructions.

(Transferor)

(2) Mrs. Versha V. Patel and Smt. B. T. Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref., No. ARIV/37.EE/14968/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/-and bearing

Flat No. 603, 6th floor, G.K. Nagar Bldg. No. 1, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any meeme or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-han Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 603, 6th floor, G. K. Nagar Bldg. No. 1, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14968/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-10-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) M/s. Ashish Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. S. J. Negandhi and Mrs. V. S. Negandhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15056/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 403, 4th floor G. K. Nagar Bldg. No. 1, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in th office of the Competent Authority

at Bombay on 1-2-1985

und/er

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers

(b) Sacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a perlod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor G. K. Nagar Bldg. No. 1 at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15056/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 4-10-1985

Scal :

(1) M/s. Ashish Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. V. J. Prekh. Mr. B. V. Parekh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15011/84-85.—Whereas, I, LAXMAN OAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing

Flat No. 704, 7th floor, G. K. Nagar Bldg, No. 1 at Shankar Lane, Kendivli (W), Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in th office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transter as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 °C) 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 195 (27 of 1957); Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Geneta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 704, 7th floor, G. K. Nagar Bldg. No. 1, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15011/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Dato: 4-10-1985

Scal:

(1) M/s. Trilok Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jatinkumar N. Oza and Shri C. N. Oza.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15333/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the imanovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding

Flat No. 28, 4th floor Sundaram Bldg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay-64 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 28, 4th floor, Sunderam Bldg., S. V. Road, Fatchbaug, Kandivll (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15333/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 4-10-1985

(1) M/s. Trilok Construction Co.

(Transferor)

(2) Smt. Laxmi Ben Dalubhai Lad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICI: OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15030/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 7, ground floor, Satyam Building, S. V. Road, Fatchbaug, Kandivli (W), Bombay-64

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in th office of the Competent Authority

at Bombay on 1-2-1985 for an apparant consideration which is less than the faor market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

whichever period explres later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 7, ground floor Satyam Bldg., S. V. Road, Fatchbaug, Kandivli (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15030/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persens, namely :-

Date: 4-10-1985

(1) M/s. Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arvind Ratilal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15148/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Flat No. 38 in Shivam Bldg., S. V. Road, Fatehbaugh, Kandivli (W). Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement 's register under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice In the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flet No. 38 in Shivam Building, S. V. Road, Fatchbaug, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15148/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following peranns, namely :---

Date: 4-10-1985 Soal :

(1) M/s. Rajlaxmi Construction Co.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Shri Kanji Bawa Chitroda,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15286/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, ground floor, in Shivam Bldg., S. V. Road, Fateh-

baug Kandivli (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annxed hereto) has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than there has one of such apparent consideration and that the interen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said ...ct, shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-me persons. secular:—63—346GI/85

THE SCHEDULE

Flat No. 2, ground floor, Shivam Bldg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15286/84-85 on 1-2-85,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 4-10-198*5*

- (1) M/s. Rajlaxmi Construction Co.
- (Transferor)
- (2) Miss Savitriben Popatlal Teli.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15216/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 46, 4th floor, Shivam Building, S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald proporty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: ind/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1997)?

Now, therefore, in pursuance of Section 26the of the sain Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 46 on 4th floor Shivam Bldg., S. V. Road, Fatchbaug, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15216/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 4-10-1985

(1) Shah Jayantilal Khimji.

(Tuansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Raraben N. Dave.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 4th October 1985

Ref. ARIV/37EE/15055/84-85.--Whereas, I, 'LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-sble property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. D-26, Nilkanth Bldg. C.T.S. No. 215.

Fatehbaug, Opp. Police Stn., S.V. Rd., Kandivli (W), Bombay-67,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. D-26, Nilkanth Bldg. C.T.S. No. 215, Fatehbaug Opp. Police Stn., S.V. Rd., Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15055/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 4-10-1985

(1) Shri Bharat K. Maniar & Smt. C. B. Maniar.

(Transferor)

(2) Sha Tilokchand H. Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37,EE/14920/84-85.--Whereas, I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Shop No. 9, ground floor Vardhman Kutir Shankar Lane,
Kandivli (W), Bombay-67,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, ground floor Vardhman Kutir Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14920/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-10-1985

Séal:

FORM I.T.N.S.—

(1) R. D. Sheth.

(Transferor)

(2) Ila Kirit Kamdar.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14996/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Au lority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (4) of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. Flat No. 1, Yeshashivini Bank of Baroda Employecs'
Co-op Hsg. Scty Ltd. Kamla Nehru X-Rd., No. 1,
Kandivli (W), Bombay-67, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Yeshashvini Bank of Euroda Employees Co-op Hsg. Scty Ltd., Kamla Nchru X-Rd., No. 1, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14996/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date: 4-10-1985

(1) Miss Seema G. Mandawewala. Mr. G. Mandawewala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Minaxi Mohan Mashru.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15214/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 31, 3rd floor, Dattani Gram Bldg. No. 1,
Hemu Kalani X Road No. 3, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Bombay on 1-2-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publicution of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 31, 3rd floor, Dattani Gram Bldg. No. 1, at Hemu Ka'ani X-Road, No. 3, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. ARIV/15214/84-85 on Authority, 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-10-1985

PART III—SEC. 1]

FORM ITNS-

(1) M/s Vardhman Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kirit Jayantilel Shah & Mr. K. J. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15017/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 40, 3rd floor in Verdhman Kutir Wing-B at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bombay.

situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bombay on 1-2-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 3rd floor in Vardhman Kutir, B-Wing at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15017/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persona, namely :--

Date: 4-10-1985

Scal:

(1) M/s Vardhman Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Durgaprasad S. Khatri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14820/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS.

LAXMANDAS.
Theing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 4, ground floor, Vardhman Kutir B Wing at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bombay on 1-2-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfero and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. 4 ground floor, in Vardhman Kutir B-Wing at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14820/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-10-1985

(1) M/s Goodwill Builders.

(Transferor)

(2) Mr. V. I. Waakharker,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETCING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th October 1985

Ref. No. ARIV/37.FF/14950/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 19617 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. Giri Arartments, Ilat No. 101, 1st floor, Ashok Chankravarty Cram at Village Wachwan, Kandivli (E), Bombay-67,

situated at Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemnt is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the other CI the Competent Authority of Bombay on 1-2-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for even the consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the enid instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating hte concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely /--61-346GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Asta-giri Apartment, Chakravarty Ashok Gram at Village Wadhwan, Kandivli (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14950/84-85 on 1-2-1985.

> TAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 8-10-85

(1) M/s Goodwill Builders.

(Transferor).

(2) Mr. V. L. Wakharkar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 8th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14949/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Astagiri Apartment, Chakravarty Ashok Gram Village

Wadhwan, Kandivli (E), Bombay,

situated at Bombay,

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property my be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Astagiri Apartment, Chakravarty Ashok Gram Village, Wadhwan, Kandivli (E), Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/14949/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Hombay

Date: 4-10-1985 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ;---

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Mani Verghese,

(Transferor)

(2) Shri P. C. Ramakrishna. Shri K. V. Nair.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV, 37EE/15117, 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding

Shop No. 1, Bobby Shoping Centre, Premises (Hsg. Scty, Ltd., M.G. Rd., Kandivli (W), Bombay-67,

situated at Bombay,

(and more fully edscribed in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

and/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) by any other person interested in the said immovmoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. I, Bobby Shopping Centre, premises co-op. Hsg. Society Ltd., M.C. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15117/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-10-1985

(1) M/s Excel Builders.

(Transiero

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. A. H. Sanghadia and Mr. H. J. Sanghadia.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15203/84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Fiat No. 13, first floor B-Wing Duttaid Apartment No. 4, at Parekh Nagar, S.V. Road, Kandivii (W), Bombay-67,

situated at Bombny, (and more fully described in the Schedule annaxed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) familitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; md/or
- (b) tacintating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income ax Act, 1922 the purposes of the Indian Income ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, first floor, B-Wing Dattani Apartment No. 4 at Parekh Nagar, S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15203/83-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, hererois, in pursuance of Section 26 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accusition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Deta : 8-10-1935

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Bharti K. Shah and M. K. Shah

(Transferor)

(2) Mrs. Kamlaben J. Shah and and Mr. J. M. Shah.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15205/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinstter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a lair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No, Flat No. 22-A 2nd floor Dattani Apartment No. 4 at Parekh Nagar, S.V. Road, Kandiyli (W), Bombay 67,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985.

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the arcresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferend/or

(b) Lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tix Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22-A 2nd floor Dattauj Apartment No. 4 at Parckh Nagar, S.V. Road, Kandiyli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Noft ARIV/15205/84-85 on 1-2-1985

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-10-1985

(1) M/s. Dattani Constructions.

(Transferor)

(2) Master Vivek P. Kamath (minor), through V. P. Kamath.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15290/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 19, ground floor Dattani Park at Western Express Highway, Kandivli (E), Bombay-101,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 19, ground floor, Dattani Park at Western Express Highway Kandivli (E), Bombay-101.

'The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under ARIV/15290/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, thtrefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4-10-1985.

(1) Smt. Pushpa S. Mehta.

(Transferor)

(2) Mrs. Kumud. H. Srimankr

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15048/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under section 269Bof the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. A-301, Gurnanak Apartments, 51, Shankar Lane,
Kandivli (W), Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said is transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 et 1957);

THE SCHEDULE

A-301, Gurunanak Apartments, 51, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Auhtority, Bombay under No. ARIV/15048/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitoin Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-10-85

(1) M/s. G. K. Development Corpn.

(Transferor)

(2), Mr. Atul R. Mehta, R. C. Mehta K. R. Mehta,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GÖVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14975/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 11 1st floor Mahavir Darshan at Shankar Lane,

No. Flat No. 11 1st floor Mahavir Darshan at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income (ax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 11, first floor Mahavir Darshan at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14975/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitoin Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition—of the aforesaid property—by the issue of this notice—under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-10-85

THE STREET OF THE STREET

FORM ITNS

(1) M/s, G. K. Development Corpn.

may be made in writing to the undersigned:—

ever period expires later.

(Transferor)

(2) Mr. Bharat Sanalal Shah & Mr. Jayesh S. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15207A/84-85,---Whereas, I. LAXMAN DAS,

EAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 32, 3rd floor Mahavir Darshan at Shankar Last Mandaid (N).

Lane, Kandivli (W), Bombay-67

situated at Bombay (and more fully describde in the Schedule annived hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the raid instrument of master with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 3rd floor, Mahavir Darshan at Shankar Lane, Kandivli (W, Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15207A/84-85 on 1-2-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitoin Range-IV, Bombay

Date: 4-10-85

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sail Act, to the following persons, namely :---

65-346GI/85

(1) M/s. G. K. Development Corpu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2 Mr. Ramesh Shantilal Shah.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Rcf. No. ARIV/37EE/15294/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

using the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. Flat No. 66, 6th floor, G. K. Nagar Bldg. No. 2 at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1691 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agred to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 66, 6th floor G. K. Nagar Bldg. No. 2 at Shankar Lane, Kandivli (W, Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15294/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitoin Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-10-85

(1) M/s, G, K, Development Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Surekha Vinod Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14971/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 56, 5th floor G. K. Nagar Bldg. No. 2, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1691 in the ollice of the Competent Authority at Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period c:
 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) b; any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Flat No. 56, 5th floor G. K. Nagar Bldg. No. 2 at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14971/84-85 on 1-2-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
'inspecting Assistant Commissioner of Income-tan'
Acquisitoin Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons: namely:—

Date: 4-10-85

FORM TINS

(1) Shri Sarafali Gulam husein

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kanchangauri Chimanlal Mistry

(Transferee)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15142/84-85.--Whereas, I,

LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the issumovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot No. A/72, Shankar Lane, Rajesh Apartment, A-Bldg., Block No. I, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incompetent Authority at

Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the 'Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A/72, Shankar Lane, Rajesh Apartment, A-Building, Block No. 1, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15142 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-10-1985

(1) M/s. Dattani Constructions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rajanikant. I Bhatia & Smt, M. T. Bhatia.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14850/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-parting No.

and bearing No.
Flat No. 45, 4th floor, Dattani Gram Building No. 1, Hemu Kalani Crson Rd. No. 3, Kandivli (W), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexeed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the dability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 45, 4th floor, Dattani Gram Building No. 1, Hemu Kalani Cross Road No. 3, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14850/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-10-1985

FORM I.T.N.S.--

(1) M/s. Akanksha Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Arvind Karsonbhai Patel.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14924/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Block No. B-38, Bldg under construction, S. No. 15, H. No. 4, Village Shimpoli, Tal. Borivali, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schodule annexeed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. B-38, Bldg. under construction, S. No. 15, H. No. 4, Village Shimpoli, Tal. Borivali, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/14924/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-10-85

(1) Messrs Himanshu Enterprise

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Bharti Pravin Trivedi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14956/84-85,—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 23, 2nd floor, Prabhu Niwas, Plot No. 166, Off Factory Lane, Borivali (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexeed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeroid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23, 2nd floor, Prabhu Niwas, Plot No. 166, Off Factory Lane, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-FE/14956/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following person, namely :--

Date: 10-10-85

(1) M/s, Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Basant Kumar Gupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14957/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. Flat No. 31, 2nd floor, A-11 Bldg., 'Rattan Nagar', Borivali (East), Bombay-66

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferre for the purseess of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31, 2nd floor, A-11 Bldg., 'Rattan Nagar' Borivali (East), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/14957/84-85 on 1-2-1985

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-10-85

(2) M-

(Transferor)

(2) Mr. Shivram Ragho Katkar.

may be made in writing to the undersigned :-

(1) M/s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14954/84-85.—Wheeras, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing

No. Flat No. 10, 3rd floor, Bldg. No. 8, 9, 10, 'Rattan Nagar', Borivali (East), Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexeed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have resaon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-and Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons, which-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 3rd floor, Bldg. No. 8, 9, 10, 'Rattan Nagar', Borivali (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/14954/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-10-85

Scal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—66—346GI/85

(1) Smt. Rashmi Kalyan Konnur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Laherchand Meghji Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. $\Lambda R.IV/37$ -EE/15129/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Shop No. 11, Shivdarshan, Shivdarshan Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 16 & 22, Final Plot No. 625, TPSIII, Simpholi Road, Borivali, Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexeed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evas'on of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I beteby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11, Shivdarshan, Shivdarshan Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 16 & 22, Final Plot No. 625, TPS III, Simpholi Road, Borivali, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15129/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-10-85

PORM ITNS-

(1) Shri Dinesh Laxmidas Ashar,

(Transferor)

(2) Shri Velji Korshi Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DIFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/14144/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. C, Ground floor, Maheshwari Bhuvan, Mahesh Co-op. Housing Society Ltd., Dattapada Road, Borivali (E).

Bombay-66 situated at Bombay
(and more fully described in the schedulc annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bomay on 1-2-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ar flor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. C. Ground floor, Maheshwari Bhuvan, Manesh Co-op. Housing Society Ltd., Dattapada Road, Borivali (East), Bombay-66.

Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/14144/84-85 on 1-2-1985. The agreement has been registered by the Competent

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 10-10-1985

(1) Narayan Manilal Barot,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THB INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Riyasat Hashmatullah & Anr.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/14837/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that 'he immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Shop No. 6, Ground floor, Blue S'ar Crystal Housing Society Ltd., Sodawala Lane, Borivali (W), Bombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpoles of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the eald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259°D of the said act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions wood herein as are defined in Chapter XXA of one said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground floor, Blue Star Crystal Co-op. Housing Society Ltd., Sodawala Lane, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/14837/84-85 on 1-2-1985,

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 10-10-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Devendra Shivana Shettighar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(2) Mrs. Shobha Bharat Gadhia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14838/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Hat No. 111, C-W ng. 1st floor Matru Kruna Kunj Co-op. Housing Soc ety Ltd., Carter Road No. 3, Borivli (E), Bombuy 1,000 (1998).

bay-66 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 111, C-Wing, Matru Krupa Kunj Co-op, Housing Society Ltd., 1st floor, Carter Road No. 3, Borivali (East). Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay under No. ARIV/37-EE/14838/84-85 Authority,] on 1-2-1985,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 10-10-1985

(1) Shri Harendra N. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pranlal Vanmalidas & Anr.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15036/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 13, Godhavari Hiwas, 1st Kasturba Road, Borivali

(W), Bombay-66

s tuated at Bombay tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the Jurispess of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 43, Godhavari Niwas, 1st Kasturba Road, Borivali (E), Bombay-66.

Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15036/84-85 Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15036/8-85 Authority, on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 260D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

Date: 10-10-1985

PART III-Sec. 1

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Girish N. Mehta & Anr.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhupendra Mohanlal Doshi & Anr. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15354/84-85.--Whereas. I.

LAXMAN DAS, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 5, Ground floor, 'A' Neel Dhara, Devidas Road, Borivali (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule appared harato).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the ugreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground floor, 'A' Neel Dhara, Devidas Road, Borivali (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15354/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

remons, namely :--

Date: 10-10-1985

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Kisan Sitaram Thakur.

(Transferor)

(2) Shri Shashikant Narsing Bhosle.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14917/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No. 1, 1st floor, Laxminarayan Nagar, Bldg. 'C' S. No. 96, H. No. 1-A, C.T.S. No. 2262, Eksar Village, Borivali (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

situated at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULB

Flat No. 1, 1st floor, Laxminarayan Nagar, Bldg. 'C' S. No. 96, H. No. 1-A, C.T.S. No. 2262, Eksar Village, Borivall (W), Bombay-92,

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombáy under No. ARIV/37EE/14917/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 10-10-1985

- (1) Shri H. M. Sundaram.
- (2) Shri Iyer Prabhu T. K.

may be made in writing to the undersigned :-

(Tranferor)

(Transferce

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37FE/15250/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 105, Mohan Terrace B, Kastur Park, Shimpoli Road, Borivli (West), Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of leansfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 106, Mohan Terrace B. Kastur Park, Shimpoli Road, Borivli (Weset), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15250/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in ptasuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-67--346GI/85

Date: 10-10-1985

(1) Shri Hasmukh Vaghji Shah & Anr.

(Transeror)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Jayantilal Lalchand Patel.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Rcf. No. ARIV/37EE/15220/84-85.—Whereas ,, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat No. 03, 4th floor, 'C' Wing, Sumer Nagar, S. V. Road,

Borivli (West), Bombay-92

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

-the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 403, 4th floor, 'C" Wing, Sumer Nagar, S. V. Road Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15220/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the cressid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-10-1985

- (1) Smt. Vidya Ramesh Patel.
- (Tranferor)
- (2) Mr. Vanalal N. Bhatt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14952/84-85.—Whereas, 1,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l-and bearing No.

and bearing No. Flat No. A/1/13, Shri Punit Nagai Co-op. Housing Society Ltd., Punit Nagar, S, V, Road, Borivli (W), Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Leome-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of remarker with the object of .

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any matter arming from the transfer, and or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (17 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same measing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/1/13. Shi Bunit Nagar Co-op. Housing Society Ltd., Punit Nagar, S. V. Road, Borivh (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Computent Authority. Bombay under No. ARIV, 37EE/1495%/84-85 on 1-2-1985.

I AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bomba.

Date: 10-10-1985

(I) D. N. Enterprise.

(Tranferor)

(2) Shri Sundarji Karamshi Vichhivora.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14993/84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to an the said Act!), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 51, A-Wing, Dreamland, CTS No. 1830 & 1938

(Pt). Eksar, Link Road, Borivii (W), Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid promerty by the issue of this notic under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, unnely : -

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 51, A-Wing, Dreamland, CTS No. 1830 & 1838 (Pt). Eksar, Link Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. ARIV/37EE/14993/84-85 Authority, on 1-2-1985,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 10-10-1985

(1) Mr. Ashwin C. Shah & Anr.

(Transcror)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Lachman Hariram Mirchandani & Anr. (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV,

BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14866/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No. Flat No. 004, Building No. D-29, Yogi Nagar, Eksar Road, Berryli (W), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property. and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Nability of the transferor to pay tax under the said Act in suspect of any transme sciency fract the transfer mad/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a ported of 45 days from the date of publication or this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the taid momovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein and are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meraning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 004, Bld. No. D-29, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivla (West), Bombay,

The agreem at has been registered by the Competent Authority. Be abay under No. ARIV/37EF/14866/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

15.6 : 10-10-1935

FORM ITNS----

(1) Mt. Sudhir S. Badakere.

(Tranferor)

(2) Mr. Shirish R. Shirvaikar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14881/84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

speing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 28, 3rd floor, Sperry Star Co-op, Hsg. Society, Sahayog Nagar, Eksar Road, Bonvilli (W), Bombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer.
- (b) ficilitating the concealment of any income or any cioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I he eby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 28, 3rd floor, Sperry Star Co-op. Hsg. Society, Sahayog Nagar, Eksar Road, Borivili (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Arthority, Bombay under No. ARtV/37EE/14881/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 10-10-1985

FORM ITNS

(1) M/s. Dattani Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Jayabal Gokaldas Sampat & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR.IV/37.EF/14845/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovas the Said Act.) have least to believe that the initiovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 '- and bearing Flat No. 31, 3rd floor, Bldg, 'Dattani Nagar Bldg, No. 4, S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) (acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd floor, Bldg. 'Dattani Nagar Bldg. No. 4', S. V. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.1V/37.EE/14845/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-10-85

(1) M/s. Vijay Nagar Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Shamjibhai Khodabhai Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR.IV/37.EE/14955/84-85.-Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (-3 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 103, with Tarrace, Bldg. No. E-21, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivali (West), Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, (957 (27 of 1957); Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforcanid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, period whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, with Tarrace, Bldg. No. E-21. Yogi Nagar, Eksar Road, Borivali (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/33.EE/14955/84-85 on 1-2-1985,

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following prisons, namely :---

Date: 10-10-85

(1) Ligory Alva.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Candes & Kunder Constructions.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR.JV/37.EF/14831/84-85,---Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-

and bearing
Flat No. 202, 2nd floor, Belgravia, I. C. Colony, Cross Road,
No. 4, I.C. Colony, Borivli (West), Bombay-103

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the unrectment is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. to that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transrefor to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act or the Wanlth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Belgravia, I.C. Colony, Road No. 4, I.C. Colony, Borivli (West), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.IV/37 EE/14831/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C (a ha and Act, I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Acr to the following persons, namely :- 68-346GI/85

Date: 10-10-85

Seal ·

(1) Jalal Sha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Akhyar Ahmed Freedi & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR-IV '37EI-/14876, 84-85,--Whereas, I. LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No.
Flat No. 301. 3rd floor, Bld. Yogi Smruti Co-op. Society Ltd., Bldg. D/15, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as gre defined in Chapter XAA of the said Act. shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Bldg. Yogi Smruti Co-op. Society Ltd., Bldg. No. D/15, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli, Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/14878/84-85 on 1-2-1985

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons namely:-

Date: 10-10-85

FORM ITNS

(1) M/s. Arihant Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. A. Menon.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR-IV/37/Ein 15161/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Plat No. 1, Ground floor, A-Wing, Bldg, under Construction Plot No. 14 & 19, City S. No. 15/15, 13/21, Desai of Seth Nagar, off. S. V. Road, Near Poisar Bus Depot, Borivali (W), Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), thus been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteer, per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, is
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or many moneys or other nasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (w) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the terrice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, A-Wing, Bldg. under Construction, Plot No. 14 & 19, City Survey No. 13/15, 13/21, Desai & Seth Nagar, Off. S. V. Road, Near Poisar Bus Depot, Borivali (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37.EE/15161/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta
Acquisition Range-IV.
Bombay

Date: 10-10-85

FORM ITNS

(1) Shri Dawood Adam Shaikh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajaram Pandurang Sawant & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, fhe 10th October 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE/14793/84-85.--Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'esid Ast'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Block No. 7, B-Wing, 1st floor, Alka Co-op. Hsg. Society Ltd., Borivali (W), Bombay

situated at Hombay

cand more fully described in the Schedule annexed herete),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the 1866 of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer, mad /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-bax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, shover period expires later;

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Block No. 7, B-Wing, 1st floor, Alka Co-op. Hsg. Society Ltd., Borivali (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37-EE/14793/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-10-1985

Scal:

(1) M.'s. Vijay Company.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vasant Gopal Shanbhag.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUNIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/14834/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Frat No. 402, 4th floor, Bldg Shyam Krupa No. 1, Eksar

Village Road, Borivly (W) Bombay-92

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more ban fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of name a with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Bldg. Shyam Krupa No. 1, Eksat Vilalge Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-FE/14834/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-10-1985

1:

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Mr. Hamid Ali Abdul Majid.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Pawankumar Kedia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No.: AZIV, 37-EE/14938/84-85.—Whereas, 1,

1 AXMAN DAS being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

No. Plat No. 5, 31 floor. Iai Guru Dev Bhawan, Village Eksar, Borivali (W). Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:---The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 3rd floor, Jai Guru Dev Bhawan, Village Eksar, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV, 37-EE/14938/84-85 on Competent 1-2-1985

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 10-10-1985

na manda de la composició de la composició de la compos

FORM ITNS _____ (1) Mr. Hamid Ali Abdul Majid

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shardadevi Tulsian & Ant.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No.ARIV/37-EE/14873/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing

Flat No. 6, 3rd floor. Jai Guru Dev Bhawan, Village Eksar, Borivali (West), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of Act e1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given by that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 3rd floor, Jai Guru Bhawan, village Eksar, Borivali (West), Bombay-92,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay unedr No. ARIV/37-EE/14875/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-10-1985

(1) F. E. Dinshaw Charities

(Transferor)

(2) K. B. N. Tiwari

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV 86/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land at S. No. 93 pt H. No. 3. C.T.S. No. 325 A & 325A1 to 20 of Malad Kandiyli (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay 2-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasten of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any measure arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any reasys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. S-2257/80 and registered on 2-2-85 with the sub-registrar, Bombay.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollery in persons, namely in-

Date : 10-10-1985

Scal;

FORM ITNE-

(1) Rainbow Constructions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Clarence L. P. Fonseca & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15363/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (#3 of 1961) (herinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 3, Ground floor, Proposed Bldg. "Bella-Vista" Plot No. 7, Survey No. 119, H. No. 7(P) & C.T.S. No. 1014, Teluka Parisiti Eksan Bombar.

Taluka Borivli, Eksar, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen part part of such apparents consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

SXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evaof the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shop No. 3, Ground floor, Proposed Bldg. "Bella-Vista", Plot No. 7, Survey No. 119, H. No. 7(Part) & C.T.S. No. 1014, Taluka Borivili, Eksar, Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/15363/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV **Bom**bay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-69-346GI/85

Date : 10-10-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX: ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IN BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. ARIV 37LN 14909/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Court ent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having

a fair market value exceeding Rs. 1.60,000/- and bearing

Flat No. 6. A-Wing, 1st floor, Kavita Apartments, Natak-walla Lane, Perioli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than need per cent of raca exparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the abject of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concearment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) M/s. Kavita Constructions

(Transferor)

(2) Ketankumar P. Oza & Other

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- '(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

MEPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaptur.

THE SCHEDULE

Flat No. A/6, 1st floor, Kavita Apartments, Natakwalla Lane, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/14939/84-85 on 1-2-1985

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, Thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeside non-the life issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 10-10-1985

Seal ;

(1) M/s. Manek & Associates

(Transferor)

(2) Soni Natvarlal Punjiram

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14905/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the introduced in the said Act'), have reason to believe that the introduced in property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 6, Ground floor, C/1 Building, Manek Nagar, Borivli (W), Bombay (and more fully described in the Schedule approved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, ted/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground floor, C/1, Building, Manek Nagar, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/14905/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:--

Pate : 10-10-1985

(1) Shri Rajan S. R.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Radha T. Cooper

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15319/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 3, Ground floor, Estee Geejay Co-op. Housing Socitty, Building No. 12, Saibaba Nagar, Borivii (West), Rombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; endlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been we which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, Estee Geejay Co-op. Hag. Soc. Bldg. No. 12, Saibaba Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/15319/84-85 on 1-2-1985

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Rombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons, namely :--

Date: 10-10-1985

(1) M/s. Rainbow Constructions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Deepall Enterprises

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15364/84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 6, Ground floor, Proposed Bldg. "Bella-Vista", Plot No. 7, Survey No. 119, Hissa No. 7(P) & C.T.S. No. 1014, Taluka Borivli Eksar, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

at Bombay on 1-2-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent comideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-sble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Shop No. 6, Ground floor, Proposed Bldg. "Bella-Vista", Plot No. 7, Survey No. 119, Hissa No. 7(P) and C.T.S. No. 1014, Taluka Borivli, Eksar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/15364/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aference property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-M persons, sensity !--

Date: 10-10-1985

(1) M. Kamla Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Manilal Gangji Kaina & Anr.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14886/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 6, Girnar Apartments, Off Mandpeshwar Road,
Govind Nagar, Borivli (West), Bombay-92
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from this transfer. andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tens Act, 1957; (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Girnar Apartments, Off Mandpeshwar Road. Govind Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent 1-2-1985. Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/14886/84-85 on

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-10-1965

(1) Shri Dinesh N. Soni & Anr.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jitendra Shantilal Soni & Anr.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14852/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 2, Satyam Bldg. No. 1, Raiyanigram, Shimpoli
Road, Borivii (W), Bombay-92
(and more fully described in the Schedule appeared bereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than; fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wanafer with the object of :—

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. \$11 of 1922 or the said Act or the Wealth and Act. 957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Satyam Bldg., No. 1, Raiyanigram, Shimpoli Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/38EE/14852/84-85 on 1-2-1985.

LAKMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 10-10-1985

(1) Mahendra Vershi

(Transferor)

(2) Dhirailal Nanii & Ant.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUNICATION OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR-IV37EE/15061/84-85.-Whereas, 1,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 6, Sahyadri Apartment & Shopping Centre, Lokmanya Tilak Road, Borivli (West), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette..

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Sahyadri Apartment & Shopping Centre, Lok-manya Tilak Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/15061/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing sersons, passely :—

Date: 10-10-1985

a Leef

(1) Kirti C. Shah & Anr.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dinesh Ramji Dedhia & Anr.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15153/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 3, Ground floor, Jamuna Darshan, Natakwalla Later Off Start Vision 1,000 and 1,000 a

Lane, Off Swaml Vivekanand Road, Borivli (West), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hertto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

at bollows on 12-1363 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the netice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, Jamuna Darshan, Natakwalla Lane, Off Swami Vevekanand Road, Borivli (West), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay undtr No. AR-IV37EE/15153/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--- 70-346GI/85

Date: 10-10-1985

Scal:

PORM ITNS-

(1) M/s. Nick & Faisal Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Edgar D'souza

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th September 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15338/84-85.—Whereas, 1,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the penng tine Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 601, Sixth floor, Hill Top Kandarpada Ctoss Road, Borivii (West), Bombay-103 (and more fully described in the Schedule 1998).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state! in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the se respect of any income arising from the tran and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of tht said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, Sixth floor, Hill Top Kandarpada Cross Road, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/15338/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 11-10-1985

40113

FORM ITNE

(1) Sri Devi Bullders

(2) Smt. Jasintha Pereira

- (Transferor)
- (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15311/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 101, 1st floor, 'United Apartments', Sii Devi Nagar Vazira Naka, L.T. Road, Borivli (West), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registred under

Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1/2/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evance of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer

Flat No. 101, 1st floor, 'United Apartments', Sri De. Nagar, Vazira Naka, L.T. Road, Borivii (West), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15311/84-85 on 1/2/1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persous, namely :---

Date: 10/10/1985

(1) Shri Mahendra Gangaram Mirani.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Ramesh Krishnarao Kulkarni.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, M any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 10th October 1985

(b) by any other person interested in the said immersable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV/37,EE/15329/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-402, 4th floor, The Star Madhuben Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 59, T. P. S. III, Umed Ashram Road, Borivii (W), Bombay-92 situated at Bombay (cond-core fully traceibed in the archaelule annual hereta)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or Flat No. A-402, 4th floor, The Star Madhuben Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 59, T.P.S. III, Umed Ashram Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37.EE/15329/84-85 on 1-2-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-IV, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-10-85

40115

FROM I.T.N.S .-

(1) Smt. Neelamben Chintamani Parekh.

(Transferor)

NOTICAL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Lilavati Shantilal Chheda.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the ecquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bembay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/14854/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 1, Ground floor, Bldg. Vithal Apartments, Kastur Park, Sub-plot No. 30, Final Plot No. 321, T.P.S. III, Borivli, Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, Bldg. Vithal Apartments, Kastur Park, Sub-plot No. 30, Final Plot No. 321, T.P.S. III, Borivali (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37.EE/14854/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-10-85 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

FURM ITNS

(1) Smt. Meera Venkatesh Devle & Anr.

(Transferor)

(2) Smt. D. D. Savant & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15023/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000 and bearing Shop No. 6, Ground floor, Star Trade Centre, S. V. P. Road, Borivli (West), Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registerd under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground floor, Star Trade Centre, S. V. P. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37.EE/15023/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date . 10-10-85

OF STREET

FORM ITNS---

(1) M/s. Dattani Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Bharat Kantilal Shah & Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985 Ref. No. ARIV/37.EE/15296/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 52-A, 5th floor, Bldg. 'Dattani Towers', S. V. P. Road, Borivli (West), Bombay-92 situated at Bombay

situated at Bombay

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 52-A, 5th floor, Bldg. 'Dattani Towers', S. V. P. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37.EE/15296/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons,

Date: 10-10-85

Seal .

(1) M/s. Dattani Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Hitesh K. Shab.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15295/84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 112, 11th floor, Bldg. 'Dattani Towers', S. V. Road, Kora Kendra, Borivli (W), Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-2-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evamen of the M of the transferor to pay tax under the said Act in post of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 112, 11th floor, Bldg. 'Dattani Towers', S. V. Road, Kora Kendra, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37.EE/15295/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in principles of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- -

Date: 10-10-85

Scal:

FORM ITNS----

(1) Gagangiri Development Corpn.

(Transferor)

(2) Mrs. Anita Murari Pol.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/14770/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 001, Gagangiri Nagar, C-Building, Plot No. A, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registerd under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such appaient consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitairs in reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any reconcers or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. Flat No. 001, Gagangiri Nagar, C-Building, Plot No. A.

Eksar Road, Borivli (W). Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV/37.EE/14770/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest id property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the followung persons, namely:---71-346G1/85

1957 (27 of 1957);

Date: 10-10-85

Feel:

(1) Nazir Abdulla & Sons.

(Transferor)

(2) Shri R. Murali Chari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15069/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 501, 5th floor, Oriental Apartment, Plot No. 1329.

Flat No. 501, 5th floor, Oriental Apartment, Plot No. 1329, S. No. 162, Jeevan Bima Nagar, Borivali (W), Bombay-103 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

stuated at Bombay Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act whall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, Oriental Apartment, Plot No. 1329, S. No. 162, Jeevan Bima Nagar, Borivali (W), Bombay-103. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37.EE/15069/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-10-85

(1) Nazir Abdulla & Sons.

(Transfror)

(2) Shri T. A. Ranganathan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15068/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/said bearing

and bearing
Flat No. 401, 4th floor, Oriental Apartment, Plot bearing
C.T.S. No. 1329, S. No. 162 (Part), Jeevan Bima Nagar,
Borivali (W), Bombay-103 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westinstan Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Oriental Apartment, Plot bearing C.T.S. No. 1329, S. No. 162 (Part), Jeevan Bima Nagar, Borivali (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37.EE/15068/84 85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 2690 of the mo-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely >--

Date: 10-10-85

(1) Shri Manibhai L. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rashmikant Uttamlal Doshi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARI LAXMAN DAS, ARIV/37-EE/14776/84-85.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Flat No. 202, 'C' Bldg., 2nd floor, Yogideep Co-op. Hsg. Society Ltd., Aksar Road, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registerd under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein * are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 'C' Bldg., 2nd floor, Yogideep Co-op. Housing Society Ltd., Aksar Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/14776/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-10-198* Seal :

- (1) Smt. Chetna Dilipkumar Bhatt.
- (Transferor)
- (2) Shri Bindu Kumar Dave.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15157/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 404, 4th floor, Bldg. C/1, Yogi Nagar, Eksar Road,

Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Auhority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fake market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid axceeds the apparent consideration therefor by more than affecn per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the unries has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/oca
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 2957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, Bldg. No. C/1, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No., ARIV/37-EE/15157/84-85 on 1-2-1985.

EAC NAMXAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date : 14-10-1985 Seal :

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/47-EE/14933/84-85.—Whercas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 204, 2nd floor, D/23, Yoginagar, 'Yogi-Kaveri' Bldg., Eksar Road, Borivali (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fliteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tas Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Cptn. Mrinal Kanti Nag & Anr.

(Transferor)

「PART III →SEC1

(2) Mr. Narenkumar Jayantkumar Dani. & Anr.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor, D/23, Yoginagar, 'Yogi-Kaverl' Bldg., Eksar Road, Borivali (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-FE/14933/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person vamely :-

Date : 11-10-1985 Seal :

FORM ITNS----

(1) Shri Mahesh Chimanlal Shah & Anr.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahendra Jethabhai Shah & Anr.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/14965/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair mrke value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A/104, 1st floor, Bldg. No. 1, Ganpati Apartment, Plot No. 172 & 177, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income erising from the transfer atal/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/104, 1st floor, Bldg. No. 1, Ganpati Apartments, Plot No. 172 and 177, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV/37-EE/14965/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subaforesaid property by te issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follownamely:-

Date : 11-10-1985 Seal :

(1) Smt. Shirin S. Karachiwalla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Prakash H. Darira Others.

ever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable

property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Act, and shall have the same meaning .

45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons, which-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15064/84-85.--Whereas, I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 o 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 601, Wing-B, Bahubali Towers, 6th floor, Behind Saibaba Dham, Desai Seth Nagar, S. V. Road, Borivali (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Auhority at

Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 27 of 1957); Flat No. 601, Wing-B, Babubali Towers, 6th floor, Behind Saibaba Dham, Desai Seth Nagar, S. V. Road, Borivali (w) Bombay.

Bombay.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 11-10-1985

FORM ITNS-----

(1) M/s. Sam Constructions.

(2) Mr. Sunder N. Kuckian

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15284/84-85.— Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 10, 2nd floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony,

Borivali(W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Compostent Authority at

Bambay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd floor, Akshaya Apartments, I.C. Colony, Borivali (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV/37-EE/15284/85-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hertby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
72—346GI/85

Dated: 14-10-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) M/s Sam Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. D. N. Palan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15277/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 8, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli (W)

Bombay

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Copoetent Authority at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULF

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 8, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Compent Authority, Bombay under No. ARIV/37-FE/ 15277/84-85 on 1-2-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 14-10-1985

Scal :

(1) M/s Sam Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Mrs. J. S. Monteiro.

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37HE/15283/84-85.—Whereas, 1, LAXMANDAS,

LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tix Act, 1961 (43 of 1961) (Introduction referred to as the Said Act), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, ground floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli(W), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here been transferred and the agreement in equiptered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Empoctent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (n) incitinging the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1928 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. I, ground floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli(W), Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15283/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bomba

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the mid Act, to the following persons, tamely :-

Date: 14-10-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Sam Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ANODME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ramakrishnappa Salian.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37FE/15270/84-85. -- Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6. Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivalı(W).

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Copportent Authority at Bombay on 1-2-1985

Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftwen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the Ent-City of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any incom memory or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

New therefore, in pursuance of Section 369C of the mid

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested 11 the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Akahaya Apartments, I. C. Colony, Borivali (West), Bombay.

The agreement has been registered by the tent Authority, Bombay under No. ARIV 15270/84-85 on 1-2-1985. ARIV/37-EE/

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombav

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestad property by the laste of this notice under subsection (1) of Section (69D of the said Act, to the following

Seal

Dated : 14-10-1985

persons, namely :--

PORM ITNE

(1) M/s. Sam Constructions.

(2) Smt. Natalia Dias.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15274/84-85.-Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereleafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 2, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivili (W),

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Cmpoetent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acqueition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection. (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of

 45 days from the date of publication of this motion
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Akshaya Aparments, I. C. Colony, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15472/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-10-1985

والمسترين المسترين والمسترين والمسترين والمسترين والمسترين والمناص والمناوي والمناوي والمسترين والمناوية والمناوية (1) M/s. Sam Constructions,

(Transferor)

(2) Mrs. Y. R. Shetty.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15276/84-85.-- Whereas, J. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the tocome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 12-A, Akshaya Apartment, I. C. Colony Borivli(W).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

Bombay on 1-2-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid property and the property as a foresaid property a said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said lustrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Weslih-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by may of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12-A. Akshava Apartments, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered tent Authority, Bombay under No. 15276/84-85 on 1-2-1985. has been registered by the Compc-ARIV/37-EE/

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I percely initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-10-1985.

(1) M/s. Sam Constructions

(Trans(eror)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACC, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. H. C. Shoh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15273/84-85,-Where,s, I,

LAXMAN DAS., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.00/- and bearing No.

Flat No. 18, Akshay Apartments, I.C. Colony, Borivali (W),

Bomboy

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated to the said fastrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferi and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein 88 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 18, Akshay Apartments, I. C. Colony, Borivals (West), Bombay.

has been registered The agreement by the Competent Authority, Bombay 15273/84-85 on 1-2-1985. under No. ARIV/37-FF/

> LAXMAN DAS Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following res, namely :--

Date: 14-10-1985

FORM I.T.N.S.--

(1) M/s. Sam Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. A. G. Poojary.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV,

BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15278/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aci, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 11, Akshaya Apartments, L. C. Colony, Borivili(W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly duted in the said instrument transfer with the object of:

- (h) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EF/15278/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atores, ind property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-10-1985

(1) M/s. Sam Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Chandrashekar N. Kolekar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15269/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Fiat No. 7. 1st floor, Akshaya Apartments, I.C. Colony, Borivli (West). Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

73-346GI/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expeeds the apparent consideration therefor by more than Efteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or. which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this aptice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by and of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanatiok:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli (W), Bombay.

The agreement has but Authority, Bombey has been registered by the Compeunder No. ÁRIV/37-EÉ/ 15269/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 14-10-1985

- (1) M/s. Sam Constructions,
- (Transferor)
- (2) Mrs. Miranjana K. Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15281/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 14, 3rd floor, Akshaya Apatrments, I. C. Colony, Parishi, (West). Parishi, (West).

Borivli (West), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under selection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 3rd floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been tent Authority, Bombay 15281/84-85 on 1-2-1985. has been registered by the Compe-ARIV/37-EE/ under No.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 14-10-1985

M/s. Sam Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vittal C. Poojary.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15268/84-85.--Whereas, I, LAMXAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 9, 2nd floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli (West), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immouable property, within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act. respect of any income arising from the transfer, andlor

Flat No. 9, 2nd floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony,

Borivali (West), Bombay.

The agreement has been registered tent Authority, Bombay under No. 15268/84-85 on 1-2-1985. by the Compe-**ARIV/37-EE/**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, w the following persons, namely:---

Date: 14-10-1985

40138

FORM ITNS

(1) M/s. Sam Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Verona D'Souza.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/15271/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/exceeding Rs. 1,00,000/exceeding

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the cors deration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15271/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-10-1085

lical:

(1) M/s. Sam Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Joseph P. Rodrigues.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/15280/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 17, 4th floor, Akshay Apartment, I. C. Colony, Borival (West), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein me are Anfined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, 4th floor, Akshay Apartment, I. C. Colony, Borivali (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15280/84-85 on

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-10-1985

(1) M/s. Sam Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Uma N. Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/15282/84-85.—Whereas I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12, 2nd floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli (West), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 12, 2ndfloor, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli (West), Eombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15282/84-85 on Competent 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 14-10-1085

(1) M/s. Sam Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gangadhara T. Amin.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/15272/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 16, 3rd floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivli (W), Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Act, 1957 (27 of 1957)

may be made in writing to the undersigned:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Flat No. 16, 3rd floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Borivali (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15272/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Eombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-10-1085

FORM I.T.N.S.-

M/s. Sam Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vittal T. Karkera.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/15279/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 15, 3rd floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Borivli (West), Bombay at Bombay on 1-2-1985

for an apparaent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparat consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the I ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons pamely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd floor, Akshaya Apartments, I. C. Colony, Bor'vli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15279/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Eombay

Date: 14-10-1085

(1) M/s. Nipa Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri M. S. Kothari and Shri S. B. Kothari.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EF/14982/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102, 1st floor, B-Wing Paresh Apartments, S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apaprent consideration

which is less than the fair market value of the aforesnot property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or he said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—
74—346GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, Wing-B. Paresh Apartments, S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/14982/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-10-1985

(1) M/s. Bonanza Builders P. Ltd.

(Transferor)

(2) Miss Bertha Sophia Fernandes.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/15000/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

p operty having a fair market value exceeding exceeding R₈, 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, 5th floor, 'Aakanksha', S.V.P. Road, Opp. Bhagvati Hospital, Borivali (W) Bombuy-103 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been troofered and the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 5th floor, 'Aakanksha', S.V.P. Road, Opp. Bhagvati Hospital, Borivali (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15000/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-10-1985

(1) M/s. Krupa Builders.

(Transferor)

(2) Mr. & Mrs. Mohan V. Sahasrabudhe.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/15201/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 401, 4th floor Aarti Apartments, final plot 377, 378,
T.P.S. III, Borivli, 5th Road, Vaz.ra Naka Borivli (W),
Bombay-92

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

and /or:

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereiu as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Aarti Apartments, final plot No. 377, 378, T.P.S. III, 5th Road, Vazira Naka, Borlvli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15201/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-10-1985

(1) M/s. Sri Devi Builders.

(Transferor)

(2) Shri Thomas P. Galbao.

may be made in writing to the undersigned :-

('(ransferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX'ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Rcf. No. ARIV/37-EE/15315/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing
Flat No. 102, 1st floor, 'United Apartments', Sri Devi Nagar.
Vazira Naka, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, 'United Apartments', Sri Devi Nagar, Vazira Naka, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15315/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-10-1985

(1) Mrs. V. N. Desai and Mr. N. V. Desai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shrinath Tiwari.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE IV. BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Rel. No. ARIV/37-EE/15367/84-85.—Whereas, J. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4/B/116, Bai Geejay Co-op. Hsg. Soty. Ltd., Saibaba Nagar, Off S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4/B/16 Baj Geejay Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Saibaba Nagar, Off S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92,

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. ARIV/15367/84-85 on Authority, 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-10-1985

- (1) M/s. Gagangiri Development Corporation. (Transferor)
- (2) J. G. Sawant.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Rcf. No. ARIV/37-EE/14979/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that including a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 406, C Bldg. Gagangiri Nagar, Behind Laxmi Narayan Temple, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406, C Bldg., Gagangiri Nagar, Behind Laxmi Narayan Temple, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14979/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 14-10-1985

(1) M/s. Gokul Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Bhosja B. Karkera.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/15149/84-85,-Whereas I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (becrimater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 9, 2nd floor A-Building, at Panchvati, Borivli (W), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (5) facilitating the conseniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-ta Ast, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expères later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, on 2nd floor, A-building at Panchyati, Borivli (W), Hombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15149/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the taid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-10-1985

FORM I.T.N.S.———

(1) M/s. Akansha Construction Co.

(2) Mr. Mohanbhai C, Barot,

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/15032/84-85.—Whereas, I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Block No. B-15, 2/97, Mangal Saffalya M. Housing Board Gorai Road, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transferms agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. B-15, 2/97, Mangal Saffalya M. Housing Board Gorai Road, Borivli (W), Bombay-92

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/15032/84-85 on

LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-10-1985

Seal:

1-2-85.

(1) Raghavanshi Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Victor R, Lewis and Anr.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/14769/84-85.--Whereas, I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 11. B-Wing. Ma Krupa, CTS Nos. 765, 861, 862, 863, 864, 865, 866 &868, Simpoli Road. Borivli(W), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following exposes namely.—
75—346GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11, B-Wing, Ma Krupa, CTS Nos. 765, 861, 862, 863, 864, 865, 866 & 868, Simpoli Road, Borivli (W). Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/14769/84-85 on 1-2-85.

> LAXMANDAS Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 10-10-1985 Scal :

(1) Gagangiri Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. M. S. Tandel.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/14978/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 111, C Building, Gagangiri Development Corpora-tion behind Laxmi Narayan Temple, Eksar Road, Borivli (W) Bombay-92.

(and more fully described in the Schelule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with his object of :--.

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seacts which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Apt. 1997 (27 of 1967):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given in chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 111, C Building, Gangangiri Development Corporation behind Laxmi Narayan Temple, Eksar Road, Borivli (W) Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/14978/84-85 on 1-2-85.

> **LAXMANDAS** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby hiltinte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the hause of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 14-10-1985

(1) Gagangiri Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. H. Nijap,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 14th October 1985

No. AR.IV/37EE/14980/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 120, C Building, Gagangiri Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have masson to believe that the rair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evacion of the Hebility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 120, C Building, Gagangiri Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14980/84-85 on

> **LAXMANDAS** Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following account of the said Act, to the said Act, to the following account of the said Act, to the following account of the said Act, to ing persons, namely: -

Date: 14-10-1985

(1) Gagangiri Development Corporation.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. S. Pawar,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 14th October 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty

Ref. No. AR.IV/37EE/14977/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 006, Gagangiri Nagar, Eksar Road, Borivli (W). Bombay 92.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Hat No. 006, Gagangiri Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay 92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/14977/84-85 on 1-2-85.

> LAXMANDAS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely :--

Date: 14-10-1985

FORM ITNS———

(1) M/s. Mahesh Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCUME-1 AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. B. Kadam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV. **BOMBAY**

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. AR.IV/37EF/15342/84-85.--Whereas, I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 3, ground floor, Nikceta Kund Apartment, S. No.

53-6A. Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undezzigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of actice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, ground floor, Nikeeta Kund Apartment, S. No. 53-6A, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/15342/84-85 on

LAXMANDAS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-10 1985

FORM I.T.N.S.

- (1) M/s. Bhavana Construction Co.
- (Transferor)
- (2) Mr. Mavji Meghji Chhabaiya& Anr.

Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14986/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 17-A, 3rd floor, Bldg. A-17. Rattan Nagar, Near
Premji Nagar & Daulat Nagar, Borivli (East), Bombay-66
(and more fully described in the Schedule annexed hercto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evalua of the fability of the francturer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any sacessys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 '27) of 1957);

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17-A. 3rd floor, Bldg. A-17, Rattan Nagar, Near Premii Nagar and Daulat Nagar, Boriyli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/14986/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-10-1985

Seel :

(1) M/s. L. N. T. Enterprise.

(Transferor)

(2) Miss D. M. Lewis.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15337/84-85.—Whereas, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Flat No. 301, 3rd floor, West Avenue, Holy Cross Road, I.C. Colony. Borivli (W), Bombay-103

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; mail for
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FlatNo. 301, 3rd floor, West Avenue, Holy Cross Road, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJV/37EE/15337/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-10-1985

FORM I.T.N.S .---

(1) M/s. L. N. T. Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Maxie Agnel L'souza & Mrs. L. S. A. D. souza.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nettee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

Ref. No. ARIV/37EE/14880/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 102, first floor, West Avenue, Holy Cross Road, I.C.
Colony, Borivli (W), Bombay-103
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been trunsfared under caption 269AB of the Income tay

has been transfered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as a foresaid property exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 102, First floor, West Avenue, Holy Cross Road, I.C. Colony, Borlvli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV/37EE/14880/84-85 on 1-2-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

clow, therefore, in pursuance of Section 249°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following rersons, namely :---

Date: 11-10-1985

FORM ITN9-

(1) M/s. Himanshu Enterprises.

(Transferor)

(2) Himanshu Dhirendra Divecha & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15071/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1.00,000/- and bearing
Shop No. 'C', Probhu Niwas, Plot No. 166, Off Factory Lane,
Borivali (West), Bombay-92 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-76—346GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said properts may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 'C', Prabhu Niwas, Plot No. 166, Off Factory

Lane, Borivali (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV/37-EE/15071/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-10-85

S--1 :

(1) Sri Devi Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Shri Ramnath Narayan Suvarna.

(Transferce)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15312/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 401, 4th floor, 'United Apartments', Sri Devi Nagar, Vazira Naka, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated

at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, 'United Apartments', Sri Devi Nagar, Vazira Naka, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15312/84-85 Bombay on 1-2-1985

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, narnely :--

Date: 10-10-85

FORM ITNS ---

(1) Shri M. V. Kamath,

(2) Shri S. D. Parekh.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/14851/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 15, 2nd floor, Sudamapuri Wagle Smruti Co-op. Hsg. Sety. Ltd., 20, Chandavarkar X Rd. Borivli (W), (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay-92 situated at Bombay

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any namers or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 2nd floor, Sudamapuri Wagle Smruti Co-op. Hsg. Scty. Ltd., 20, Chandavarkar X Rd., Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14851/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 11-10-85

- (1) M/s. Himanshu Enterprises.
- (Transferor)
- (2) Rupen. V. Shah & V. A. Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15028/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 43, Prabhu Niwas, Plot No. 166, Off Factory Lane, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of say income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 43, Prabhu Niwas, Plot No. 166, Off Factory Lane, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15028/84-85 Authority, on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-10-85

FORM ITNS----

(1) M/s. Himanshu Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vipul. V. Shah & C. V. Shah.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15027/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 44, Prabhu Niwas, Plot No. 166, Off Factory Lane, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-maid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Garette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 44, Prabhu Nias, plot No. 166, Off Factory Lane, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay on 1-2-1985. under No. ARIV/15027/84-85

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-10-85

Seel :

(1) Sh. Rasiklal M. Jhonsa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Agrawalas Development Constructions Pvt. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/14896/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 2826, 2847, Western Express Highway, Dahisar (E), Bombay-68 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta under registration No. 37EE/Acq.R-III/ Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/ora
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian lucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2826, 2847, Western Express Highway, Dahisar (E), Bombay-68.

been registered by the Competent The agreement has Authority, on 1-2-1985. Bombay under No. ARIV/14890/84-85

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Dato: 14-10-85

(1) M/s. B. R. Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. Unity Construction Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/14997/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing S. S. No. 15, Hissa No. 3, City Survey No. 1353, Village Dahisar, Bombay-68 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the office of the Competent

Authority at Bombay on 1-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expeeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 15, H. No. 13, City Survey No. 1353, Village Dahisar, Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. ARIV/14997/84-85 Authority, Bombay on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Date: 14-10-85

(1) Smt. Rucha Subhash Patkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Meena Uttam Motwani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15255/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

oeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Re 100,000/c and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B 1/5, First floor, Save Nagar Co-op. Scty. Ltd., Chhatrapati Shivaji Rd., Dahisar (E), Bombay-68 situated at

Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the egreenzin is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B 1/5, First floot, Save Nagar Co-op. Scty. Ltd., Chhatrapati Shivaji Rd, Dahisar (East), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15255/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-10-85

FORM IINS----

(1) Kusumben Jitendra Sarvaiya & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Vijay Constructions.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JV BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15327/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. Piece or parcel of land bearing S. No. 16, H. No. 11 and

C. S. No. 1240 at Village Dahisar, Taluka Borivli situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-2-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing S. No. 16, H. No. 11 and C.S. No. 1240 at Village Dahisar, Taluka Borivli, Bombay. on 1-2-1985.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15327/84-85

Authority, on 1-2-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, the number, at pathounnee of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--77-346GI/85

Date: 14-10-85

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shii Balkrishna Atmaram Mhatre.

(Transferor)

(2) Shri Mangesh K. Dalvi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV ROMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15289/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece & parcel of land bearing S. No. 296, Hissa No. 8/2A at Village Dahisar, Taluka Borivli, Bombay situated at

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tox Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art. I hereby initiate proceedings for the acquirition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

E/PLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing S. No. 296, Hissa No. 8/2A at Village Dahisar, Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. ARIV/15289/84-85 Authority, on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 14-10-1985

(1) M/s. Ami Enterprises.

(Transcror)

(2) Mangesh Keshav Dalvi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15326/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing
S. No. 296, Hissa No. 8/2B, C. T. S. No. 169 (pt.) at Village
Dahisar, Bombay situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and registered under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land bearing Survey No. 296, Hissa No. 8/2B, C. T. S. No. 169 (pt.) at Village Dahisar, Taluka Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. ARIV/15326/84-85 Authority, Bombay on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-10-85

(1) Chandrakant A. Vishwas Rao & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Ami Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/15288/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Piece & parcel of land bearing S. No. 296, H. No. 8(2) pt. BCTS No. 169 at Dahisa Village Khendarpada, Dahisar, Taluka, Borivli situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given = in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing S. No. 296 H. No. 8(2) pt. BCTS No. 169 at Dahisar Village Khendarpade Dahisar Taluka, Borivli.

The agreement has been registered by the Competent Authority, on 1-2-1985. Bombay under No. ARIV/15288/84-85

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-10-1985

FORM ITNS ----

(1) Shri O. P. Agarwal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE DICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Bhibha Das Jatindernath

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/15241/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat 140, 105, 1st floor, Yashodhan Kanderpada Bridge, Dahisar (W), Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considera-tion for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferce(s) has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undehsigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offlical Gazette.

EXPLANATIO&:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferce for

moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 105, 1st floor, Yashodhan Kanderpada Bridge, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay unedr No. ARIV/37EE/15241/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-10-1985

(1) Shri Amritlal G. Vakharia (Karta)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. S. C. Mehta

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14951/84-85.—Whereas, J, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immov-able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 205, Brindavan Building Yeshwantrao Marg, Dahisar

(W). Bombay situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid nersons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 305, Brindavan Bldg. Yeshwantrao Marg, Dahlsar (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14951/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 14-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15045/84-85.—Whereas, I, I.AXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

as the said Act), have reason to believe that the limitovalle property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Industrial Unit No. 112. 1st floor, B Block, Mandpeshwar Industrial Premises Co-op. Soc. Ltd., Off. SV.P. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Arunkumar Chhanalal Shah & Anr.
(Transferor)

(2) Shri Govindbhai Arjanbhai Patel.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the aid property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a eriod of
 45 days from the date of publication of the action
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective jersons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 112, 1st floor, B Block, Mandpeshwar Industrial Premises Co-op. Soc. Ltd., Off. S.V.P. Road, Borivli (West), Bombay-92,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15045/84-85 on 1-2-1985.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subzumonioj out to to pies out to G697 uoitoos to (I) uoitoos persons, namely:—

Dated: 11-10-85

FORM ITNS----

- (1) Smt. Jeeveeben Muljibhai Patel.
- (Transferor)
- (2) Shri Ramjibhai Shamjibhai Patel.

(Transferee)

NOTICE JNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37-FE/15044/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the tneome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property, having a lair market value exceeding Rs. ,00,000/- and bearing No. Unit No. 12A, Ground floor, B-Block, Mandpeshwar Industrial Premises Soc. Ltd., Borivli (W), Bombay-92 situated at Bonbay

(aid more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any awakeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 12A, ground floor, B-Block, Mandpeshwar Industrial Premises Soc. Ltd., Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/15044/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. (hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Dated: 11-10-85

(1) Sh. Siraj Mohamedali Calcuttawala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ellan Associates.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15175/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. property at Eksar bearing survey No. 159, Hissa No. 4 (p) and C.T.S. No. 1273 at Eksar Borivli, Bombay situated at Rombay

Bombay

Road, Palledam, Tiruppur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent

Authority at Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property bearing Survey No. 159 Hiss No. 4 (pt) and V.T.S. No. 1273 at Jaksar Road, Borivli, Bembay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15175/84-85 on 1-2-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—78—346GI/85

Dated: 11-10-85

FORM I.T.N.S.---

(1) M/s. 'Raghuvanshi Developers.

(2) M/s. Shantilal Gokal Tank.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14941/84-85,—Whereas, I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immov-

able property have a fair market vaule exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102, 1st floor, Wing-B, Ma krupa, CTS. Nos. 765, 861, 862, 863, 864, 865, 866 & 868, Shimpoli Road, Borivali (West), Bombay-400 092 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, Wing-B, Ma Krupa, CTS. Nos. 765, 861, 862, 863, 864, 865, 866 & 868, Shimpoli Road, Borivali (W), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV/37-EE/14941/84-85. on 1-2-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Date: 14-10-1985

FORM ITNS----

Linear programme and the contraction of the contrac

(1) M/s. Shree Sagar Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Kanubhai Nanji Sagar & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/14882/84-85.—Whereas, I. LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 208, 2nd floor, Amrut Sagar, S.V. Road, Village Magthane, Near Hariom Apartment, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULA

Flat No. 208, 2nd floor, Amrut Sagar, S. V. Road, Village Magthane, Near Hariom Apartment, Borivli (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37-EE/14882/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 11-10-85

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Jay-Deep Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMBTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrl Trimbaklal Mulji Dubal & Others. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14778/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

> (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable

Property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A/3, Jayadden Apartment, Near Kora Kendra, S.V. Road, Behind Tarabaug, F.P. No. 735, TPS-III, Borivli (W), Bombay-92 rituated at Bombay

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comjetent

> EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule below) has been transferred

Bombay on 1-2-1985

Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. A/3, Jaydeep Apartment, Near Kora Kendra S.V. Road, Behind Tarabaug, F.P. No. 735, TPS-III, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV/37-EE/14778/84-85 on 1-2-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cusht to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax. Act, (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 11-10-85

FORM ITNS----

(1) Mr. Jayant Shivram Malshe.

(Transferor)

(2) M/s. Ganesh Construction Co.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/14932/84-85.—Whereas, I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 8, cf scheme or survey No. 119, Hissa No. 6, (pt) Hissa No. 7 (Pt) Eksar Villege Taluku, Borivli, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annual hereto) has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Plot No. 8, Scheme of Survey No. 119, Hissa No. 6 (pt) Hissa No. 7 (pt) at Eksar Village, Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/14932/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 11-10-85

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Shaikh Ahmed Husain. M. A. Rasool. (Transferor)

(2) Mr. P. D. Dialani Mrs. J. P. Dialani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1985

Rcf. No. ARIV/37EE/15265/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rakesh Apartments Co-op. Hsg. Scty. (proposed) Vallabhnagar, Borivli (W), Bombay-103 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rakesh Apartments Co-op. Hsg. Scty. (proposed, Vallabhnagar, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15265/84-85 on 1-2-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Dated : 11-10-85

(1) Smt. S. A. Mhatre & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Dani Builders.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 14th October 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15355/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No.

Piece or parcel of land with structures, bearing C.T.S. No. 1208 & 1209, Village Eksar, Behind I.C. Colony, Borivali

(W), tituated at Bombay

(and more fully described in the Schedule amexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair nurket vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent o fsuch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said in t instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land along with the structures, bearing C.T.S. No. 1208 & 1209, Village Eksar, Behind I.C. Colony, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV/37-EE/15355/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:-

Date: 14-10-1985

(1) M/s. Jyoti Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ramnolkar Haycem Elijah.

may be made in writing to the undersigned:

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1935

Ref. No. ARIV/37EE/14976/84-85.--Whereas, I, LAXMANDAS,

Loing the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable

to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 31, 3rd floor, Jyoti Apartment, Eksar Road, Borivli (West), Bembay situated at Eombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been fransferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority the Competent Authority Bombay on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apporent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any facilitating the concealment of any income or any facilitation of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2020 of the sale sale Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

(a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personse

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd floor, Jyoti Apartment, Eksar Road, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Auhority. B on 2-1985. Bombay under No. ARIV/37-EE/14976/84-85

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Dated: 11-10-85

(1) M/s. Vardhman Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri B. J. Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/15016/84-85.--Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, ground floor, Vardhman Kutir B-Wing, at situated at Bombay

Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of . 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, ground floor Vardhman Kutir Wing, 'B' at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/15016/84-85 on

Authority, 1-2-1985.

> LAXMANDAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-10-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: 79-346GI/85

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D|1) OF THE INCOME-

(1) Shri Sunderlal K. Kankal.

(Transferor)

(2) Shri Y. H. Agarwal, K. H. Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 DF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/15387/84-85.—Whereas, I, LAXMAND Δ S,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 2, ground floor, Shreeji Krupa Co-operative Housing Society Ltd., Adukia Road, Kandivli (W), Bombay-67.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, ground floor, Shreeji Krupa Co-operative Housing Society Ltd., Adukia Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/15387/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 10-10-1985

1. H. V. Shrimankar 2. M. V. Shrimankar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Morarji Kuvarji Shah Kirti M. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/14906/84-85.--Whereas, I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.
Flat No. A-10, Kandivli Matru Ashish Co-operative Housing Society Ltd., Kandivli (W), Bombay-67.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

may be made in writing to the undersigned :---

whichever period expires later;

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning is given in that Chapter.

- ca) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income urising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any facous or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

First No. A-10, Kandivli Matru Ashish Co-operative Housing Society Ltd., Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/14906/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Autnority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tex Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mil Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accressid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 80-346GI/85

Date: 10-18-1985

FORM TINE

(1) M/s. Ajay Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF, 1961)

(2) Mr. N. M. Lal and Mr. H. N. Lal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 4th October 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/15102/84-85.—Whereas, I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 346-A. Prankutir Survey No. 65, Hissa No. 1, Ramgelly Opp. S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submotion (1) of Section 269D of the said Act, to the follows. ing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein 20. are defined in Chapter XXA of the said: Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 346-A, Prankutir Survey No. 65, Hissa No. 1, Ramgelly Opp. S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15102/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 4-10-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Vardhman Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Parul Kirit Vora & Kirit B. Vora.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/14821/84-85.—Whereas, I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Flat No. 5, ground floor,

Flat No. 5, ground floor, Vardhman Kutir, B-Wing at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 5, ground floor, Vardhman Kutir, B-Wing at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/14821/84-85 on 1-2-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice—under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-10-1985

(1) Smt. A. L. Mendas & Others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961) (2) Shri Mohammed Ali Bahadulla & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/15196/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Revenue Survey No. 47, Hissa No. 5, City Survey No. 749

Hissa No. 6 and Hissa No. 9, of Village Kandivli, Taluka

Borlvli, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Revenue Survey No. 47, Hissa No. 5, City Survey No. 749 Hissa No. 6 and Hissa No. 9, of Village Kandivli, Taluka Borivli, Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/15916/84-85 on 1-2-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority

Trispecting Assistaffs Commissioner of Incoms-tax
Acquisition Range-IV.

Bombay

Date : 10-10-1985

Heal :

FORM LT.N.S.—

(1) M/s. The Municipal Co-operative Bank Ltd.
(Transferor)

(2) M/s. Borlvli Manogat Co-operative Housing Society Ltd.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

sary be made in writing to the understaned :---

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR.IV-37G/84/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
Land property S. No. 4/, H. No. 1 (Pt.) C.T.S. No. 225
(Pt.) of Mauje Kaneri Taluka, Borvli, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 13-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have resson to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the Hability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gasses.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. 5-3031/81 and registered on 13-2-85 with the sub-registrar, Bombay. Bombay.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Thispecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-10-1985

Seni :

(1) Mrs. Maria P. C. Mendonca.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Connie Florence Correla.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Rembay, the 10th October 1985

Ref. No. AR.IV-370/87/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/. and bearing No. Plece of land bearing Plot No. 17, C.T.S. No. 1805, Survey No. 158, Hissa No. 3, Part in Village Eksar, Taluka, Borvli.

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 7-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the maderaluned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said limmovable property, within 45 days from the date of the aublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. 720/83 and registered on 7-2-85 with the sub-registrar, Bombay.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-30-1985

364] :

FORM No. ITNS-

(1) Smt, A. D. Rane.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Gorakhnath.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th October 1985

Ref. No. AR.IV/85/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing

S. No. 183/5, C.T|S.| No. 1837/1838 Dahisar (E), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquirition of the said property may be made in writing to the unacraigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. S-2314/80 and registered on 11-2-85 with the sub-registrar, Bombay.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons namely:—

Date: 10-10-1985